कलर ट्रायोड

सामग्री

पवित्र सप्ताह 3

• मैटिन्स में • "घंटों :' '• धर्मविधि में • आर्टोस के अभिषेक के लिए प्रार्थना

उज्जवल सप्ताह का सोमवार..... 20

• ग्रेट वेस्पर्स • मैटिन्स पर• दैवीय धर्मविधि में

एंटीपास्का सप्ताह 33

• लघु वेस्पर्स पर • ग्रेट वेस्पर्स पर• मैटिन्स पर • धर्मविधि में

ईस्टर के बाद तीसरा सप्ताह , पवित्र मृदगंध -वाहिनियाँ 47

• लघु वेस्पर्स पर • महा संध्या में • मैटिन्स पर • दैवीय धर्मविधि में

ईस्टर के बाद चौथा रविवार, लकवाग्रस्त व्यक्ति के विषय में . 73

• लघु संध्या पर• ग्रेट वेस्पर्स पर • मैटिन्स पर • धर्मविधि में

मध्य -पेंटेकोस्ट 97

• महा संध्यावंदन पर • मैटिन्स पर• दैवीय अनुष्ठाना में

ईस्टर के बाद का पाँचवाँ रविवार, सामरी स्त्री के विषय में . . 112

• लघु वेस्पर्स पर • ग्रेट वेस्पर्स पर• मैटिन्स में • दैवीय धर्मविधि में

ईस्टर के छठे सप्ताह , अंधे आदमी के विषय में 140

• स्मॉल वेस्पर्स पर • महान संध्या में • मैटिन्स में • दैवीय लिटिर्जी में

ईस्टर पर्व का समापन..... 165

• वेस्पर्स पर • मैटिन्स में • दैवीय अनुष्ठाना में

प्रभु का स्वर्गारोहण 183

• छोटे वेस्पर्स पर • महा संध्या पर• मैटिन्स पर • धर्मविधि में

ईस्टर के बाद का सातवां सप्ताह 204

• स्मॉल वेस्पर्स पर • ग्रेट वेस्पर्स पर• मैटिन्स पर • धर्मविधि में

नधिनोपरांत त्रमिूर्त शनविार.....230
• महा वेस्पर्स में • स्मृत सभा में • मैटन्सि में • दव्यि लटिर्जी में
पेंटेकोस्ट सप्ताह 250
• स्मॉल वेस्पर्स पर • ग्रेट वेस्पर्स पर • मैटन्सि • लटिर्जी पर • घुटने टेककर संध्या
पवत्रि आत्मा सोमवार.....277
• वेस्पर्स पर • मैटन्सि पर • दैवीय अनुष्ठान में
सभी संतों का सप्ताह 289
• स्मॉल वेस्पर्स पर • ग्रेट वेस्पर्स पर • मैटन्सि पर • धर्मवधि में
रूस की भूम में दीप्तमिान हुए सर्व संतों का सप्ताह 313
• लघु वेस्पर्स में • ग्रेट वेस्पर्स पर • मैटन्सि में • दैवीय लटिर्जी में

मसीह का महिमामय पुनरुत्थान।
ईस्टर

मैटनि्स पर

।मैटनि्स की समाप्ति के बाद, पुरोहति , पवति्र वेदी पर स्थति शाश्वत दीपक से प्रज्वलति एक मोमबत्ती पकड़कर , शाही द्वारों से बाहर नकिलता है और गाता है , वशि्वासयिों को अपनी मोमबत्तयिाँ प्रज्वलति करने का आह्वान करते हुए :

स्वर 5: आओ, प्राप्त करो प्रकाश / अक्षय प्रकाश से , / और महमिा करो मसीह की, / जो मरे हुओं में से जी उठे हैं।

दोनों मंडलयिाँ एक ही बात दोहराती हैं। फरि हम चर्च से बाहर नकिलते हैं और उसके चारों ओर घूमते हैं , स्तखिरि गाते हुए , स्वर 6:

हे उद्धारकर्ता मसीह, स्वर्ग में स्वर्गदूत तेरे पुनरुत्थान का गायन करते हैं : और पृथ्वी पर हमें शुद्ध हृदय से तेरा महमिामंडन करने का वरदान दे।

जब हम चर्च के बंद दरवाजों पर आते हैं ।दीकन उद्घोष करता है : 'ताकि हम योग्य ठहरें :' **और हम मरकुस के सुसमाचार को, पद 70 से शुरू करते हुए , पढ़ते हैं। अंत में , हम गाते हैं :** 'महमिा तुझे हो, हमारे परमेश्वर , महमिा तुझे हो।'] **फरि रेक्टर , पवति्र सुसमाचार , आइकन, उपस्थति सभी लोगों और बंद दरवाजों पर धूप देकर , अपने हाथों में जलता हुआ तीन-शाखाओं वाला दीपक और पवति्र क्रॉस लेकर , धूपदान से क्रॉस का चहि्न बनाते हुए उद्घोषणा करता है :**

पवति्र , एकसार, जीवन-प्रदायक और अवभिाज्य त्रमिूर्ति की महमिा हो, सदा, अब और हमेशा , युगों -युगों तक।

गायक मंडली : आमेन।

तब मठाधीश तीन बार गाते हैं :

ट्रोपारयिन , स्वर 5

मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं , / अपनी मृत्यु से मृत्यु को पराजति कर / और कब्रों में पड़े हुओं को जीवन प्रदान कर।

और कोरस वही ट्रॉपारयिन तीन बार गाता है।

तब मठाध्यक्ष छंदों की घोषणा करते हैं :

श्लोक 1: ईश्वर उठे और उसके शत्रु बखिर जाएँ , / और जो उससे घृणा करते हैं वे उसकी उपस्थति से भाग जाएँ।

और प्रत्येक छंद के बाद हम एक बार ट्रोपारयिन गाते हैं :

ट्रोपारयिन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं :

श्लोक 2: जैसे धुआँ गायब हो जाता है , वैसे ही वे गायब हो जाएँ , / जैसे मोम आग के सामने पघिल जाता है।

ट्रोपारयिन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं :

श्लोक 3: इस प्रकार पापी परमेश्वर की उपस्थति से नाश हों , / और धर्मी आनन्दति हों।

ट्रोपारयिन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं :

श्लोक 4: यह वह दनि है जसि प्रभु ने बनाया है ; / आओ हम इस दनि आनंदति और प्रसन्न हों !

ट्रोपारयिन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं :

महिमा:

ट्रोपारियन : **मसीह मरे हुओं में से जी उठे है :**

और अब:

ट्रोपारियन : **मसीह मरे हुओं में से जी उठे है :**

तब संपादक ऊँचे स्वर में गाता है : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं , / अपनी मृत्यु से मृत्यु को नष्ट कर।

मंडली : और कब्रों में पड़े हुए लोगों को, / उसने जीवन प्रदान किया है।

तब महा लटिनी: आओ शांतिपूर्वक प्रभु से प्रार्थना करें : **और इसी प्रकार।**

[प्रार्थना 1] **और उद्घोषणा :** क्योंकि सारी महिमा आपको ही अर्पित है :

कोरस: आमेन।

कैनन

संत जॉन ऑफ़ डेमास्कस द्वारा रचित, स्वर 1; इरमोस स्वर 4 में गाए जाते हैं , जबकि ट्रोपारिया स्वर 12 में इस पुनरावृत्ति के साथ गाए जाते हैं : 'मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं '। प्रत्येक गायन मंडली बारी-बारी से इरमोस गाती है। प्रत्येक गीत के अंत में , कातावासिया: वही इरमोस, जिसके बाद 'मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं ' ट्रॉपारियन पूरा तीन बार गाया जाता है।

अध्यक्ष कैनन का प्रत्येक गीत शुरू करते हैं और पवित्र प्रतिमाओं , दोनों गायकों और पुरोहित वर्ग को उचित क्रम में धूप देते हैं ; प्रत्येक गीत के बाद वेदी के बाहर एक संक्षिप्त एक्टेनिया , एक प्रार्थना और वेदी से एक उद्घोषणा होती है। पहले गीत के बाद, दाहिनी ओर का गायक मंडली गाता है ; तीसरे गीत के बाद, बाईं ओर का गायक मंडली।

भजन 1

इरमोस: पुनरुत्थान का दिन! हे लोगों , आनन्द मनाओ! / पास्खा ! प्रभु का पास्खा ! / क्योंकि मृत्यु से जीवन में और पृथ्वी से स्वर्ग में / मसीह हमारे ईश्वर ने हमें लाया है , / जब हम विजय का गीत गाते हैं।

पुनरुक्ति : **मसीह मरे हुओं में से जी उठे है।**

आओ हम अपने हृदयों को शुद्ध करें और निहारें / मसीह को चमकते हुए / पुनरुत्थान के अगम्य प्रकाश में , / और आओ हम स्पष्ट रूप से उन्हें कहते हुए सुनें , 'खुशी मनाओ!' / जब हम विजय का गीत गाते हैं।

पुनरुक्ति : **मसीह मरे हुओं में से जी उठे है।**

आकाश उचित रूप से आनंद मनाए, / पृथ्वी हर्षित हो, / संपूर्ण संसार उत्सव मनाए, / दृश्यमान और अदृश्य दोनों : / क्योंकि मसीह उठे हैं , जो अनंत आनंद का स्रोत हैं।

कातावासिया: पुनरुत्थान का दिन: **और ट्रोपारियन :** मसीह जी उठे हैं : (3)।

लघु एक्टेनिया , [प्रार्थना 2] **और उद्घोषणा :** क्योंकि शक्ति तेरी है , और राज्य तेरा है , और सामर्थ्य तेरा है , और महिमा तेरी है , पिता की, और पुत्र की, और पवित्र आत्मा की, अब और सदा, और युगानुयुग।

भजन 3

इरमोस: आओ, हम नया पेय पीएं , / वह नहीं जो बाँझ चट्टान से चमत्कारकि रूप से नकिला है , / बल्कि अमरत्व का वह फव्वारा , / जो मसीह के कब्र से नकिला है , / जसिमें हम दृढ़ स्थापति हैं।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे है।

अब सब कुछ प्रकाश से भर गया है , / स्वर्ग , पृथ्वी और पाताल लोक: / सारी सृष्टि मसीह के पुनरुत्थान का उत्सव मनाए, / जसि पर यह स्थापति है।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे है।

कल मैं आपके साथ दफ़नाया गया था, हे मसीह, / – आपके साथ, जो जी उठे हैं , मैं आज उठता हूँ ; / कल मैं आपके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया था: / मुझे अपने साथ महमिामय बनाएं , हे उद्धारकर्ता , / अपने राज्य में !

कातावासयिा: आओ, हम नया पेय पएिं : **और ट्रॉपारयिन :** मसीह जी उठे हैं : **(3)।**

लघु एकटेनयिा , [प्रार्थना 5], और उद्घोषणा : क्योंकि तू ही हमारा परमेश्वर है , और हम तुझ ही को महमिा देते हैं , पति को, और पुत्र को, और पवत्रि आत्मा को, अब और सदा, और युग - युगान्त तक।

इपाकोइया, स्वर 4

जो स्त्रयिाँ भोर से पहले मरयिम के साथ आई थीं / और कब्र पर से पत्थर हटा हुआ पाया, / उन्होंने स्वर्गदूत से सुना : 'जो अनन्त ज्योति में वास करता है — / तुम उसे मनुष्य की तरह मृतकों में क्यों ढूँढ़ती हो? / कफ़न के वस्त्रों को देखो , / दौड़ो और संसार में यह घोषणा करो / कि प्रभु जी उठे हैं , उन्होंने मृत्यु को मृत्यु के मुख से छीन लयिा है , / क्योंकि वे परमेश्वर के पुत्र , मानव जाति के उद्धारकर्ता हैं !'

भजन 4

इरमोस: दव्यि संरक्षक , धर्मशास्त्री हबक्कुक , हमारे साथ खड़े हों / और हमें प्रकाश -धारण करने वाले स्वर्गदूत को दखिाएँ , / जो स्पष्ट रूप से घोषणा करता है : / 'आज के दनि – संसार के लिए उद्धार , / क्योंकि मसीह सर्वशक्तमिान के रूप में पुनर्जीवति हुए हैं। '

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे है।

मसीह प्रकट हुए / उस रूप में जन्हिोंने कुंवारी का गर्भ खोला; / और, भोजन के रूप में अर्पति होकर, उन्हें मेमना कहा जाता है ; / और, नर्दिोष —जैसे कोई कलंक न लगा हो— / वे हमारे पासोवर हैं ; / और, सच्चे ईश्वर के रूप में , / उन्हें परपिूर्ण कहा जाता है।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे है।

एक वर्ष के मेमने के समान, / हमारे लिए – एक महमिामय मुकुट , / धन्य , जो सभी के लिए स्वेच्छा से बलदिान हुए , / शुद्ध करने वाले पासोव के रूप में , / और एक बार फरि कब्र से हमारे लिए प्रकट हुए / धार्मकिता के महमिामय सूर्य के रूप में।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे है।

दाऊद, परमेश्वर के पूर्वज , / प्रतमिा के सामने कूदे और नाचे , जैसे कसिी छाया में ; / परन्तु हम, परमेश्वर की पवत्रि प्रजा , / प्रकारों की पूर्ति को देखकर , / परमेश्वर से प्रेरति होकर आनन्द मनाओ, / क्योंकि मसीह सर्वशक्तमिान जी उठे हैं।

काटावासयिा: दैवीय पहरे पर: **और ट्रॉपारयिन :** मसीह जी उठे हैं : **(३)।**

लघु एकटेनयि , [प्रार्थना 3] और उद्घोषणा : क्योंकि आप दयालु और परोपकारी ईश्वर हैं , और हम आपको महमिा अर्पति करते हैं , पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा को, अब और सदा, और युगों -युगांतर तक।

भजन 5

इरमोस: हम भोर से ही पहरा दें / और, अंधकार के बदले , प्रभु को एक गीत अर्पति करें , / और हम मसीह को देखेंगे – धार्मकिता का सूर्य , / जो सभी को जीवन का प्रकाश प्रदान करता है।

पुनरावृत्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे है।

हे मसीह, तेरी असीम दया को देखकर , / नरक की बेड़यिों में बँधे हुए / आनंदति कदमों से प्रकाश की ओर दौड़े , / शाश्वत फसह की स्तुति करते हुए।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे है।

आओ हम हाथों में दीपक लेकर मसीह के समीप चलें , / जो कब्र से एक वधू -वर की तरह प्रकट हुए हैं , / और आओ हम सब मलिकर उत्सव मनाएँ / आनंदति स्वर्गीय सेनाओं के साथ / परमेश्वर के उद्धारक पास्खा का।

कातावासयि: आओ हम भोर से ही जागते रहें : **और ट्रोपारयिन :** मसीह जी उठे हैं : **(3).**

लघु एकटेनयि , [प्रार्थना 10] और उद्घोषणा : क्योंकि पवित्र और महमिामय है तेरा अति सम्मानति और राजसी नाम, पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा का, अब और सदा और युगानुयुग। आमीन।

भजन 6

इरमोस: तू पृथ्वी के सबसे गहरे भागों में उतर आया / और उन शाश्वत बंधनों को तोड़ दयिा / जो कैदयिों को बेड़यिों में जकड़े थे , हे मसीह, / और तीसरे दनि, जैसे व्हेल से , हे योना, / तू कब्र से उठ खड़ा हुआ।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे है।

हे मसीह, मुहरों को अछूता छोड़कर , / आप कब्र से उठे , / आपने अपने जन्म में कुँवारी के गर्भ को अछूता रखा / और हमारे लिए स्वर्ग के द्वार खोल दिए।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे है।

मेरे उद्धारकर्ता , / जीवति और अनवधति बलदिान! / स्वयं को, ईश्वर के रूप में , / स्वेच्छा से पिता को अर्पति करते हुए , / तूने अपने साथ / हमारे सामान्य पूर्वज आदम को भी जलिा उठाया, / कब्र से उठकर।

कातावासयि: आप पृथ्वी के सबसे नचिले हस्सिों में उतर गए: **और ट्रोपारयिन :** मसीह जी उठे हैं : **(3)।**

लघु एक्टेनयि , [प्रार्थना 6] और उद्घोषणा : क्योंकि आप संसार के राजा और हमारी आत्माओं के उद्धारकर्ता हैं , और आपको हम महमिा अर्पति करते हैं , पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा को, अब और सदा और युगानुयुग।

कॉन्टाकयिन , स्वर 8

यद्यपि तू कब्र में उतर गया, हे अमर, / तथापि तूने नरक की शक्ति को नष्ट कर दयिा / और वजिेता के रूप में पुनरुत्थति हुआ , हे मसीह हमारे ईश्वर , / मृत्यु -वाहक स्त्रयिों से पुकार कर: 'हर्षति हो!' / और अपने प्रेरतिों पर शांति प्रदान कर, / हे तू जो पतितों को पुनरुत्थान प्रदान करता है।

ईस्टर रविवार

इकोस: वह सूर्य जो सूर्य से पूर्व वद्यिमान था, / जो एक बार कब्र में उतरा, / भोर से पहले नकिलकर आया, / उसे मृगमाला धारण करने वाली कुँवारयिों ने दनि के प्रकाश के समान खोजा, / और उन्होंने एक-दूसरे से पुकारा : / 'हे मत्रिो , आओ हम सुगंधति मसालों से अभषिक करें उस देह का, / जो जीवन का श्वास लेती है और दफ़न है , / उस परमेश्वर के मांस का जो पतति आदम को उठाता है , / जो कब्र में पड़ा है। / चलो, हम मगों की तरह शीघ्रता करें और आराधना करें , / और मूर्राह को उपहार के रूप में लाएँ / उस पर, जो अब लपेटों में नहीं , बल्कि कफ़न में लपिटे हैं ; / और हम आँसू बहाएँ और पुकारें : / 'हे प्रभु , उठो, / आप जो गरि हुए को पुनरुत्थान प्रदान करते हैं !'

सनिैक्सारयिन।

रविवार का भजन

मसीह के पुनरुत्थान को देखकर , / हम पवत्रि प्रभु यीशु की आराधना करें , / जो एकमात्र पापरहति हैं। / हे मसीह, हम तेरे क्रूस की आराधना करते हैं , / और तेरे पवत्रि पुनरुत्थान का गायन और महमिा करते हैं , / क्योंकि तू ही हमारा परमेश्वर है , / हम तुझसे सवि कसिी और को नहीं जानते , / हम तेरे नाम का आह्वान करते हैं। / आओ, हे सभी वश्विासयिों , / हम मसीह के पवत्रि पुनरुत्थान की आराधना करें , / क्योंकि देखो , क्रूस के द्वारा / संपूर्ण जगत में आनंद आया है। / सदैव प्रभु का धन्यवाद करते हुए , / हम उनके पुनरुत्थान का गीत गाते हैं , / क्योंकि उन्होंने , सूली पर चढ़ाए जाने को सहते हुए , / मृत्यु को मृत्यु से कुचल डाला है। **(3)**

तब: यीशु कब्र से जी उठे हैं , / जैसा उन्होंने पूर्व में बताया था, / हमें अनन्त जीवन और महान दया प्रदान करते हुए। **(3)**

भजन 7

इरमोस: जसिने युवकों को भट्टी से बचाया, / मानव बनकर, / एक नश्वर के रूप में पीड़ा सहता है , / और अपनी पीड़ा के द्वारा / नश्वरता को अमरत्व की सुंदरता से परधिानति करता है , / वही धन्य / पतिरों का परमेश्वर और अतिमहमिामय।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

ईश्वर -ज्ञ महलिाएँ / सुगंधति मसालों के साथ तेज़ी से तेरे पीछे आईं। / परन्तु जसिे वे एक मनुष्य के रूप में आँसुओं से खोज रही थीं , / उन्होंने उसे आनन्दपूर्वक जीवति ईश्वर के रूप में पूजा , / और रहस्यमय पास्चा का प्रचार कयि / तेरे शष्यिों को, हे मसीह।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हम मृत्यु की पराजय, / नरक के वनिाश, / एक अन्य —शाश्वत —जीवन की शुरुआत का उत्सव मनाते हैं , / और आनंद के साथ उस एक का गुणगान करते हैं जसिने यह सब संभव कयि /—आशीर्वादति / हमारे पूर्वजों के परमेश्वर और सर्व -महमिावान।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

सत्य में पवत्रि / और हर उत्सव के योग्य / है यह रात, उद्धारदायनिी और तेजस्वी , / पुनरुत्थान के प्रकाश -पूर्ण दनि की अग्रदूत , / जसिमें अनंत प्रकाश / कब्र से देह में सब के लिए प्रकट हुआ।

कातावासयि: जसिने युवकों को भट्टी से बचाया: **और ट्रॉपारयिन :** मसीह जी उठे हैं : **(3).**

लघु एक्टेनयि , [प्रार्थना 7] और उद्घोषणा : तेरा राज्य , हे पति, पुत्र और पवत्रि आत्मा , धन्य और महमिामय हो, अब और सदा, और युगानुयुग।

भजन 8

इरमोस: यह लंबे समय से प्रतीक्षति और पवित्र दिन, / सप्तम दिन के बाद का पहला, राजसी और सर्वोच्च , / उत्सवों का उत्सव / और जश्न का जश्न है। / इस दिन हम मसीह का सदा के लिए धन्यवाद करते हैं !

कोरस: मसीह मृतकों में से जी उठे है।

आओ, हम नए फल का स्वाद चखें / अंगूर की बेल का, / दिव्य आनंद का, / इस महिमामय पुनरुत्थान के दिन, / और हम मसीह के राज्य में सहभागी हों , / उसकी सदा-सर्वदा परमेश्वर के रूप में स्तुति करते हुए।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

अपनी आँखें उठा, सियोन, / और चारों ओर देख : / क्योंकि देख , तेरे बच्चे तेरे पास इकट्ठा हुए हैं , / दैवीय रूप से चमकते तारों की तरह, / पश्चिम से , और उत्तर से , / और समुद्र से , और पूर्व से , / मसीह को तेरे में सदा-सर्वदा धन्य कहते हुए।

पुनरुक्ति : परम पवित्र त्रिमूर्ति , हमारे ईश्वर , महिमा तुझे हो।

त्रिमूर्ति भजन: सर्वशक्तिमान पिता, और वचन, और आत्मा , / एक सत्ता तीन व्यक्तियों में , / परम उच्च और परम दिव्य ! / आप में हम बपतिस्मा लेते हैं / और हम आपको युगानुयुग धन्य कहते हैं।

कातावासिया: यह लंबे समय से प्रतीक्षति और पवित्र दिन: **और ट्रॉपारिऑन :** मसीह जी उठे हैं : **(3).**

लघु एक्टेनिया , [प्रार्थना 8] और उद्घोषणा : क्योंकि धन्य है तेरा सर्व -पवित्र नाम, और महिमामय है तेरा राज्य , पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा का, अब और सदा, और युगानुयुग।

भजन 9

हे मेरी आत्मा , आनन्द मना, / जीवन-दाता मसीह में , / जो तीसरे दिन कब्र से जी उठे।

और इरमोस: चमक, चमक, हे नई यरूशलेम , / क्योंकि प्रभु की महिमा तेरे ऊपर उदय हुई है ! / अब आनन्द मना और हर्षति हो, हे सियोन! / और हे परमेश्वर की पवित्र माता, आनन्द मना / उस के पुनरुत्थान पर जिसे तूने जन्म दिया।

और दूसरा कोरस वही पुनरावृत्ति और इरमोस गाता है।

तब पहला गायक-मंडल दूसरा पुनरावृत्ति -श्लोक गाता है : स्तुति कर, हे मेरी आत्मा , / उस की, जिसने स्वेच्छा से दुख भोगा, और दफनाया गया, / और तीसरे दिन कब्र से जी उठा।

और इरमोस: चमको, चमको, हे नये यरूशलेम :

और दूसरा गायक-मंडल वही पुनरावृत्ति और इरमोस गाता है।

तब पहली आवाज़ तीसरा प्रत्यावर्तन गाती है : मसीह नया फसह है , / जीवित बलिदान, परमेश्वर का मेमना , / जो संसार का पाप उठा ले जाता है।

हे दिव्य , हे प्रिय , / हे मधुरतम है तेरा वचन! / क्योंकि तूने व्यर्थ में वादा नहीं किया / युग के अंत तक हमारे साथ रहने का, हे मसीह! / अपनी आशा के लंगर के रूप में तुझ पर चिपके हुए , / हम, विश्वासियों , आनंदित हैं !

और दूसरा गायन-मंडल उसी पुनरावृत्ति और ट्रॉपारियन को गाता है।

तब पहली आवाज़ चौथा छंद गाती है : स्वर्गदूत ने धन्य को घोषित किया: / 'हे पवित्र कुँवारी , आनन्दित हो! / और मैं फिर से कहता हूँ : आनन्दित हो! / तेरा पुत्र तीसरे दिन कब्र से उठ खड़ा हुआ , / (और मृतकों को जिला उठा। / हे लोगों , आनन्दित हो!)' **और ट्रॉपारियन :** हे दिव्य , हे प्रियतम :

और दूसरा स्वर उसी पुनरावृत्ति और ट्रॉपारियन को गाता है।

तब पहली आवाज़ : सो जाने के बाद, तूने युगों के मृतकों को जगाया, / एक राजसी और शक्तिशाली स्वर से , / यहूदा से उत्पन्न एक शेर की तरह। **और ट्रॉपारयिन :** हे दिव्य , हे प्रियतम :

और दूसरा गानदल: मरियम मग्दलीनी कब्र तक दौड़ी / और, मसीह को देखकर , / उस से ऐसे पूछने लगी जैसे कि वह माली हो। **और ट्रॉपारयिन :** हे दिव्य , हे प्रियतम :

पहला दृश्य : स्वर्गदूत , तेज से घिरे हुए , ने स्त्रियों से पुकारा : / 'रोना बंद करो, / क्योंकि मसीह जी उठे हैं !'

हे महान और परम पवित्र पास्का , हे मसीह! / हे बुद्धि , और परमेश्वर के वचन, और शक्ति! / अनुग्रह करें कि हम आपके राज्य के सदा-प्रकाशमान दिन में / आपसे अधिक पूर्ण रूप से एक हो सकें।

दूसरा छंद : मसीह मरे पर विजय पाकर उठे / और अपने साथ मृतकों को भी जिला उठा। / हे लोगों , आनंदित हो! **और ट्रॉपारयिन :** हे महान और परम पवित्र पास्का :

पहला स्वर : इस दिन सारी सृष्टि / हर्षित और उल्लसित है , / क्योंकि मसीह जी उठे हैं और नरक पराजित हुआ है। **और ट्रॉपारयिन :** हे महान और परम पवित्र पास्खा :

दूसरा स्वर : आज प्रभु ने नरक को पराजित किया है , / उन बंधुओं को मुक्त करते हुए / जिन्हें उसने आदिकाल से बंद रखा था और दृढ़ता से अपनी पकड़ में रखा था। **और ट्रॉपारयिन :** हे महान और परम पवित्र पास्का :

पहली छंद : स्तुति कर, हे मेरी आत्मा , उस शक्ति की / त्रि-व्यक्तियों में अविभाजित ईश्वरत्व की। **और ट्रॉपारयिन :** हे महान और परम पवित्र पास्का :

दूसरा स्वर : हे कुँवारी , आनन्दित हो, आनन्दित हो! / हे धन्य , आनन्दित हो, हे महिमामयी, आनन्दित हो: / क्योंकि तेरा पुत्र / तीसरे दिन कब्र से जी उठा है। **और ट्रॉपारयिन :** हे महान और परम पवित्र पास्का :

अंत में , पहला स्वर पहला पुनरुक्ति -गीत गाता है : हे मेरी आत्मा , आनंद मनाओ, / जीवन-दाता मसीह में , / जो तीसरे दिन कब्र से जी उठे।

और इरमोस: चमको, चमको, हे नए यरूशलेम , / क्योंकि प्रभु की महिमा तुम पर उदय हुई है ! / अब आनंद मनाओ और हर्षित हो, हे सियोन! / और हे परमेश्वर की पवित्र माता, आनंद मनाओ / उस के पुनरुत्थान पर जिसे तुमने जन्म दिया।

फिर दूसरी मंडली दूसरा पुनरुक्ति -गीत गाती है : स्तुति कर, हे मेरी आत्मा , / उसको जिसने स्वेच्छा से दुख भोगा, और दफनाया गया, / और तीसरे दिन कब्र से जी उठा। **और इरमोस:** चमक, चमक:

तब दोनों गायक मंडली एक साथ इरमोस और ट्रॉपारयिन गाती है : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं : **(3).**

लघु एकटेनिया , [प्रार्थना 11] और उद्घोषणा : क्योंकि सभी स्वर्गीय शक्तियाँ तुझे स्तुति करती हैं , और हम तुझमें महिमा अर्पित करते हैं , पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा को, अब और सदा, और युगों -युगों तक।

एक्सापोस्टिलारयिन

मर्त्य के रूप में देह में सुप्त हो कर, / हे राजा और प्रभु , / तू तीसरे दिन जी उठा, / आदम को क्षय से उठा कर और मृत्यु को नाश कर के। / अक्षय का पास्खा , / संसार का उद्धार ! **(3)**

'स्तुति ' पर

ईस्टर रविवार

रविवार के स्टचिैरा , चौथे स्वर में , स्वर 1

उनकी सामर्थ्य के लिए उनकी स्तुति करो, / उनकी महानता की बहुतायत के लिए उनकी स्तुति करो।

हे मसीह, हम तेरे / उद्धारकारी दुखों का गान करते हैं , / और हम तेरे पुनरुत्थान की महिमा करते हैं।

बँसुरी की ध्वनि से उसकी स्तुति करो, / सारंगियों और वीणाओं से उसकी स्तुति करो।

क्रूस को सहन करके , और मृत्यु को समाप्त करके , / और मरे हुओं में से जी उठकर, हे प्रभु , हमारे जीवन को शांति प्रदान करें , / सर्वशक्तिमान के रूप में।

ढोलकियों और मंडली के साथ उसकी स्तुति करो, / तारों और ऑर्गन के साथ उसकी स्तुति करो।

हे मसीह, आपने अपने पुनरुत्थान द्वारा नरक पर विजय प्राप्त की और मानवजाति को उभारा, हमें शुद्ध हृदय से आपकी महिमा करने और आपको स्तुति करने की कृपा दें।

उसकी स्तुति मधुर नगाड़ों से करो, उसकी स्तुति गूँजते नगाड़ों से करो। / जो कुछ भी श्वास लेता है वह प्रभु की स्तुति करे !

हे ख्रीस्त , हम तेरी महिमा करते हुए गाते हैं : / तू कुँवारी से जन्मा और कभी पिता से अलग नहीं हुआ ; / तूने एक मनुष्य के रूप में दुख सहे / और स्वेच्छा से क्रूस को उठाया; / तू कब्र से उठकर, जैसे किसी महल से , संसार को बचाने के लिए निकला। / हे प्रभु , तेरी महिमा हो!

तब दोनों मंडलियाँ एक साथ गाती हैं :

ईस्टर स्टचिैरा , स्वर 5

स्टचि : परमेश्वर उठे / और उसके शत्रु बिखर जाएँ।

पवित्र ईस्टर आज हम पर प्रकट हुआ है , / – एक नया, पवित्र ईस्टर , / एक रहस्यमय ईस्टर , एक ईस्टर जो सभी द्वारा सम्मानित है। / ईस्टर – मसीह उद्धारकर्ता ; / ईस्टर निर्दोष , / ईस्टर महिमामय, / ईस्टर विश्वासियों का, / ईस्टर जिसने हमारे लिए स्वर्ग के द्वार खोले , / ईस्टर जो सभी विश्वासियों को पवित्र करता है।

छंद : जैसे धुआँ गायब हो जाता है , / वैसे ही वे गायब हो जाएँ।

दृष्टि के अनन्तर आगे बढ़ो , हे शुभ समाचार लाने वाली स्त्रियों , / और सियोन को यह घोषणा करो: / 'मसीह के पुनरुत्थान के शुभ समाचार का आनन्द हमसे ग्रहण करो!' / हे यरूशलेम , आनन्द मनाओ, हर्षित हो और प्रसन्न रहो, / क्योंकि तुमने मसीह राजा को, एक वर की भाँति , / कब्र से निकलते हुए देखा है।

छंद : पापी परमेश्वर की उपस्थिति से नाश हों , / और धर्मी आनन्दित हों।

सुगंधित द्रव्य लिए स्त्रियाँ , भोर-भोर, / जीवन-दाता के समाधि पर आईं , / वहाँ उन्होंने पत्थर पर एक स्वर्गदूत को बैठा पाया, / और वह, उनकी ओर मुड़कर , इस प्रकार पुकार उठा: / 'तुम जीवित को मरे हुओं में क्यों ढूँढ़ती हो? / तुम अक्षय को ऐसे क्यों शोक करती हो जैसे वह क्षयशील हो? / लौट जाओ और उनके शिष्यों से कहो!'

पद: यह वह दिन है जिसे प्रभु ने बनाया है ; / आओ हम इसमें आनंदित और हर्षित हों !

हर्षोल्लासपूर्ण ईस्टर , / ईस्टर , प्रभु का ईस्टर , / सबसे पवित्र ईस्टर हमारे लिए उदय हुआ है। / ईस्टर ! आओ हम एक-दूसरे को आनंद से गले लगाएँ। / हे ईस्टर – दुख से मुक्ति ! / क्योंकि इसी दिन, कब्र से , / एक वधू के कक्ष से जैसे प्रकाशित होकर, मसीह ने / स्त्रियों को आनंद से भर दिया, कहते हुए : / 'जाओ और प्रेरितों से कहो!'

महमिा, और अब, स्वर 5: पुनरुत्थान का दनि! / और आनन्द से दीप्त हों / और एक-दूसरे को गले लगाएँ ; / कहें : 'हे भाइयो!' / और जो हमसे द्वेष रखते हैं , / - उन्हें भी पुनरुत्थान के लिए क्षमा करें / और इस प्रकार उद्घोष करें : / 'मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं , / मृत्यु को मृत्यु से जीतेकर , / और कब्रों में पड़े हुओं को जीवन प्रदान किया है !'

तब: मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं : **(3), और हम इसे क्रूस चूमने के दौरान बार-बार गाते है।**

और भाई एक-दूसरे को चूमते हैं। मंडप में पुरोहितों और डिकन के चुम्बन के बाद, रेक्टर पवित्र क्रॉस को लेकर बाहर आता है , और शाही द्वारों के सामने खड़ा हो जाता है। इसी प्रकार , अन्य पुरोहित और डिकन उसके दाईं ओर खड़े होते हैं , जिनके हाथों में पवित्र सुसमाचार और प्रतिमाएं होती हैं। और चर्च में हर कोई एक-एक करके आता है , रेक्टर के सामने झुकता है और पवित्र क्रूस तथा रेक्टर के स्वयं होठों पर चुंबन करता है , यह कहते हुए : 'मसीह जी उठे हैं ', जिसके जवाब में वे कहते हैं : 'सचमुच वे जी उठे हैं '। इसी तरह, वे रेक्टर के दाईं ओर खड़े अन्य लोगों को भी चुंबन करते हैं। चर्च में सन्नाटा छा जाता है , और चुंबन के बाद, हर कोई सुनने के लिए खड़ा रहता है

हमारे पवित्र पिता जॉन,
कॉन्स्टेंटिनोपल के आर्चबिशप , क्रिसोस्टोम ,
जबकि वे इस पवित्र और तेजस्वी दिन पर अपना प्रवचन दे रहे हैं
महिमामय और उद्धारकारी पुनरुत्थान का
हमारे ईश्वर मसीह का,

जो भक्तिमान हैं और ईश्वर से प्रेम करते हैं , वे इस सुंदर और तेजस्वी उत्सव में आनंद लें। जो बुद्धिमान दास है , वह हर्षोल्लास के साथ अपने प्रभु के आनंद में प्रवेश करे। जो उपवास करते हुए परिश्रम करते रहे हैं , उन्हें आज अपना दिन का वेतन प्राप्त हो। जो प्रथम घड़ी से परिश्रम करते रहे हैं , उन्हें आज अपना उचित प्रतिफल प्राप्त हो। यदि कोई तीसरे घण्टे के बाद आया है , तो वह आनंदपूर्वक उत्सव मनाना शुरू करे। यदि कोई छठे के बाद आया है , तो उसे कोई संदेह न हो, क्योंकि वह कुछ भी नहीं खोता। यदि कोई देर से आया है , यहाँ तक कि नौवें घण्टे तक, तो वह बिना किसी हिचकिचाहट के आवे। यदि कोई ग्यारहवें घंटे में ही पहुँच पाया है , तो उसे इस बात का डर न हो कि वह देर से आया है , क्योंकि स्वामी , उदार होने के कारण, आखिरी को भी वैसे ही स्वीकार करता है जैसे वह पहले वाले को करता है : वह ग्यारहवें घंटे में आने वालों के लिए विश्राम का स्थान प्रदान करता है , जैसे वह पहले से काम कर रहे वालों के लिए करता है ; और वह आखिरी पर दया करता है , और पहले वालों की परवाह करता है ; और वह एक को देता है और दूसरे पर कृपा करता है ; वह कर्मों को स्वीकार करता है और इच्छा का स्वागत करता है ; वह कर्म को महत्व देता है और इरादे की प्रशंसा करता है। तो आइए हम सभी अपने प्रभु के आनंद में प्रवेश करें – और पहले और दूसरे दोनों को अपना इनाम मिलेगा। अमीर और गरीब, एक साथ आनंद मनाओ। संयमी और लापरवाह, इस दिन का सम्मान करो। तुम जो उपवास करते हो और जो नहीं करते , आज आनंदित हो। मेज़ भरपूर है – सभी भाग लें। दावत बड़ी है – कोई भी भूखा न जाए। सभी विश्वास के भोज का आनंद लें ; सभी भलाई के धन में भाग लें। कोई भी अपनी गरीबी पर शोक न करे , क्योंकि राज्य सभी के लिए आ गया है। कोई भी अपने पापों पर शोक न करे , क्योंकि कब्र से क्षमा का प्रकाश हुआ है। कोई भी मृत्यु से न डरे , क्योंकि उद्धारकर्ता की मृत्यु ने हमें मुक्त कर दिया है : जिसे मृत्यु ने बंदी बनाया था, उसने उसे नष्ट कर दिया है। जो नरक में उतरे , उन्होंने नरक पर विजय प्राप्त की है। जिन्होंने उनके शरीर का स्वाद चखा है , उन्हें उन्होंने आनंद से भर दिया है। और यशायाह ने , इसे पूर्वदर्शी होकर, पुकारा : 'नरक,' उसने कहा, 'ने कड़वी पीड़ा भोगी जब वह अधोलोक में आप से मिला।' कड़वी पीड़ा , क्योंकि उसे समाप्त कर दिया गया; कड़वी पीड़ा , क्योंकि उसे तुच्छ समझा गया; कड़वा ,

क्योंकि उसे मार डाला गया; कड़वा , क्योंकि उसे नष्ट कर दिया गया; कड़वा , क्योंकि उसे बाँध दिया गया। उसने देह धारण किया, और अचानक परमेश्वर से मिला; उसने पृथ्वी को ग्रहण किया, फिर भी स्वर्ग से मिला; उसने जिसे देखा उसे ग्रहण किया, और जिसे उसने नहीं देखा उसके कारण गिर गया। हे मृत्यु , तेरा डंक कहाँ है ? हे नरक, तेरी विजय कहाँ है ? मसीह जी उठे हैं – और तुम पराजित हो। मसीह जी उठे हैं – और दानव गिर गए हैं। मसीह जी उठे हैं – और स्वर्गदूत आनन्दित हैं। मसीह जी उठे हैं – और जीवन ने अपना पूर्णत्व पाया है। मसीह जी उठे हैं – और एक भी मृतक कब्र में नहीं रहा। क्योंकि मसीह, मृतकों में से जी उठकर, सो गए लोगों के प्रथम फल बन गए हैं। उसी की महिमा और सामर्थ्य युगानुयुग हो। आमीन।

ट्रोपारियन , स्वर 8, संत जॉन क्राइसोस्टोम को

आपके होठों का अनुग्रह , एक अग्निमय प्रकाश की भाँति चमकता हुआ , / ने संपूर्ण ब्रह्मांड को प्रकाशित किया है ; / आपने संसार के लिए निस्वार्थता का खजाना इकट्ठा किया है , / और हमें नम्रता की ऊँचाइयों को दिखाया है। / परन्तु , हमें अपने वचनों से शिक्षित करते हुए , / पिता जॉन क्राइसोस्टोम , / हमारे परमेश्वर वचन मसीह के पास हमारी आत्माओं के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

फिर लघु -प्रार्थना : हे ईश्वर , हम पर दया करो; और हमें प्रभु को अपनी प्रातकालीन प्रार्थना अर्पित करने दो:

डीकन: बुद्धि।

गायक मंडली : धन्य।

पुरोहित : धन्य है मसीह, हमारा परमेश्वर , सदा: अब और सदा और युगानुयुग।

गिरिजाघर का समूह : आमीन। हे ईश्वर , पवित्र ऑर्थोडॉक्स विश्वास और ऑर्थोडॉक्स ईसाइयों को युगानुयुग दृढ़ करो।

फिर याजक, क्रॉस को पकड़े हुए , इसके बजाय: 'महिमा तुझे हो, हे मसीह हमारे परमेश्वर ', **गाते हैं :** 'मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं , मृत्यु को पाटकर'।

गिरिजा-गायक: और कब्रों में पड़े लोगों को भी उसने जीवन प्रदान किया है।

विदाई

मसीह, जो मरे हुओं में से जी उठे हैं , जिन्होंने मृत्यु को मृत्यु से नाश किया और कब्रों में पड़े लोगों को जीवन दिया, हमारे सच्चे परमेश्वर , अपनी अति पवित्र माता, पवित्र , महिमामय और सर्व -स्तुत्य प्रेरितों , और सभी संतों की प्रार्थनाओं के द्वारा , हम पर दया करें और हमारा उद्धार करें , क्योंकि वे भले हैं और मनुष्यों से प्रेम करते हैं।

फिर, क्रूस उठाकर, वह कहता है : मसीह जी उठे हैं ! **(3)**

गायक मंडली : वे सचमुच जी उठे हैं ! **(3)**

और हम निष्कर्ष गाते हैं : मसीह मृतकों में से जी उठे हैं : **तीन बार, पूरा ट्रॉपारियन। और हम गायन का समापन करते हैं :** और उन्होंने हमें अनंत जीवन प्रदान किया है , / हम उनके तीन-दिनों के पुनरुत्थान की उपासना करते हैं।

फिर गायक मंडली : हमारे महान प्रभु और पिता **(नाम)**, परम पावन मॉस्को और सर्व रूस के पैट्रिआर्क , और हमारे प्रभु उनकी उत्कृष्टता **(नाम)**, मेट्रोपॉलिटिन **(या: आर्चबिशप , या: बिशप – धर्मप्रांत का पदनाम)**, हमारे ईश्वर -रक्षित रूसी भू -भाग, इस पवित्र मठ के मठाधीश और भ्राताओं **(या: इस पवित्र चर्च के रेक्टर , भ्राताओं और उपदेशालयवासियों)** तथा सभी ऑर्थोडॉक्स ईसाइयों को, हे प्रभु , आने वाले अनेक वर्षों तक संरक्षित करो।

और हम पुरोहित के हाथों में धारण किए गए पवित्र क्रॉस को चूमते हैं।

पवित्र ईस्टर के लिए घंटियाँ

आज के दिन से , ईस्टर के पवित्र और महा सप्ताह के पहले दिन से , शनिवार तक, घंटियाँ , मध्यरात्रि की प्रार्थना और संध्या की प्रार्थना इस प्रकार गाई जाती हैं :

पुरोहित उद्घोषणा करते हैं : हमारे ईश्वर का महिमामय हो, सदा, अब और अनंतकाल तक।

और हम उत्तर देते हैं : आमेन। मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं , / अपनी मृत्यु से मृत्यु को नष्ट कर, / और कब्रों में पड़े हुओं को / जीवन प्रदान कर। (3)

पुनरुत्थान का भजन

मसीह के पुनरुत्थान को देखकर , आइए हम पवित्र प्रभु यीशु की आराधना करें , जो एकमात्र पापरहित हैं। हे मसीह, हम तेरे क्रूस की आराधना करते हैं , और तेरे पवित्र पुनरुत्थान का गान और महिमा करते हैं , क्योंकि तू ही हमारा परमेश्वर है , हम तेरे सिवा और किसी को नहीं जानते , हम तेरे नाम का आह्वान करते हैं। / आओ, हे सभी विश्वासियों , / हम मसीह के पवित्र पुनरुत्थान की आराधना करें , / क्योंकि देखो , क्रूस के द्वारा / संपूर्ण जगत में आनंद आया है। / सदैव प्रभु का धन्यवाद करते हुए , / हम उनके पुनरुत्थान का गीत गाते हैं , / क्योंकि उन्होंने , सूली पर चढ़ाए जाने को सहन करके , / मृत्यु को मृत्यु से कुचल डाला है। (3)

इपाकोई, स्वर 4

जो स्त्रियाँ भोर से पहले मरियम के साथ आई थीं / और कब्र पर से पत्थर हटा हुआ पाया, / उन्होंने स्वर्गदूत से सुना : 'जो अनन्त ज्योति में वास करता है — / तुम उसे मनुष्य की तरह मृतकों में क्यों ढूँढ़ती हो? / कफ़न -पोशाकें देखो , / दौड़ो और संसार में प्रचार करो / कि प्रभु मसीह ने मृत्यु को मृत्यु पर विजय प्राप्त कर जी उठे हैं , / क्योंकि वे परमेश्वर के पुत्र , मानव जाति के उद्धारकर्ता हैं !"

कॉन्टाकियन , स्वर 8

यद्यपि तू कब्र में उतर गया, हे अमर प्रभु , / तथापि तूने नरक की शक्ति को नष्ट कर दिया / और विजेता के रूप में पुनरुत्थित हुआ , हे मसीह हमारे परमेश्वर , / मृगबलि ले जाने वाली स्त्रियों से पुकार कर: 'हर्षित होओ!' / और अपने प्रेरितों को शान्ति प्रदान करते हुए , / तू जो पतितों को पुनरुत्थान प्रदान करता है।

ट्रोपारियन

कब्र में देह में , परन्तु अधोलोक में अपनी आत्मा से परमेश्वर के रूप में , / और स्वर्ग में चोर के साथ, / और सिंहासन पर आप थे , हे ख्रीस्त , पिता और आत्मा के साथ, / हे अनंत , सर्वत्र व्याप्त होकर।

महिमा: जीवन के वाहक, सचमुच स्वर्ग से भी अधिक सुंदर , / और किसी भी राजसी महल से भी अधिक उज्ज्वल , / था तेरा कब्रिस्तान , हे मसीह, / हमारे पुनरुत्थान का स्रोत।

और अब, ईश्वर की माता को: हे परम उच्च के दैवी और पवित्र निवास-स्थान , आनंदित हो! / क्योंकि हे ईश्वर की माता, तुम्हारे द्वारा उन लोगों पर आनंद प्रदान किया जाता है जो पुकारते हैं : / 'हे सर्व -शुद्ध शासिका, स्त्रियों में धन्य हैं तुम !'

हे प्रभु , दया करें (40), **महिमा, और अब:**

हम आपकी महिमा करते हैं , जिन्होंने श्रेष्ठतम सम्मान के साथ करूबों के / और अतुलनीय महिमा के साथ सेराफों के , / एक कुँवारी के रूप में परमेश्वर वचन को जन्म दिया, / परमेश्वर की सच्ची माता।

हे पिता, प्रभु के नाम पर हमें आशीर्वाद दीजिए।

पुरोहित : हे प्रभु यीशु मसीह, हमारे परमेश्वर , हमारे पवित्र पिताओं की प्रार्थनाओं के द्वारा , हम पर दया करें।

और हम कहते हैं : आमेन।

और फिर हम गाते हैं : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं : (3), महिमा, और अब: हे प्रभु , दया करें (3), हमें आशीर्वाद दें।

और प्रथम घंटा का समापन।

इसी प्रकार , इसे लिटिर्जी से पहले तीसरे और छठे घंटे में गाया जाता है। इसी तरह वेस्पर्स से पहले , नौवें घंटे में ; और एक बार मैटिन्स में ; और मध्यरात्रि कार्यालय में भी।

यदि लिटिर्जी नहीं हो रही है , तो आइकॉन गीतों के बजाय हम गाते हैं : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं : (3), मसीह के पुनरुत्थान को देखकर : (1), जो स्त्रियाँ भोर से पहले मरियम के साथ आई थीं : (1), महिमा, कोंटाकियन : यद्यपि तू कब्र में उतर गया, हे अमर: और अब: एकमात्र पुत्र और परमेश्वर का वचन: फिर कैनन के ट्रॉपारिया के साथ 'धन्य ' भजन, गीत 3 और 6। पुरोहित : बुद्धि। एपिस्टल और सुसमाचार का पाठ। तब: हे प्रभु , हमें स्मरण कर: स्वर्गीय गायन मंडली : प्रतीक -श्रद्धा , 'क्षमा करो, माफ करो, मिटा दो': प्रभु की प्रार्थना : कोंटाकियन : हे अमर प्रभु , यद्यपि तू कब्र में उतरा: महिमा, और अब: दिव्योतोकोस: दिव्य और पवित्र निवास: हे प्रभु , दया कर (40). तब: एक पवित्र , एक प्रभु , यीशु मसीह, परमेश्वर पिता की महिमा के लिए। आमीन। फिर, इसके बजाय: 'प्रभु का नाम हो: मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं :' (3), और भजन संहिता 33, 'उन्हें किसी भी अच्छी वस्तु की कमी न होगी' शब्दों तक, और समापन।

लिटिर्जी में

डीकन आरंभ करते हैं : धन्य हो, महामहिम।

रेक्टर : पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा का राज्य धन्य हो, अब और सदा, और युगानुयुग। आमीन।

मंडली : आमेन।

और अध्यक्ष , वेदी में उपस्थित लोगों के साथ, गाते हैं :

ट्रोपारियन , स्वर 5

मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं , / अपनी मृत्यु से मृत्यु को पराजित कर / और कब्रों में पड़े हुओं को जीवन प्रदान कर।

और मंडली उसी ट्रॉपारियन को तीन बार गाती है।

तब अनुष्ठानकर्ता निम्नलिखित छंदों की घोषणा करता है :

छंद 1: परमेश्वर उठे और उसके शत्रु बिखर जाएँ , / और जो उससे घृणा करते हैं वे उसकी उपस्थिति से भाग जाएँ।

और प्रत्येक छंद के बाद, हम ट्रोपारियन एक बार गाते हैं :

ट्रोपारियन : मसीह मृतकों में से जी उठे हैं :

श्लोक 2: जैसे धुआँ मिट जाता है , वैसे ही वे मिट जाएँ , / जैसे मोम आग के सामने पिघल जाता है।

ट्रोपारियन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं :

श्लोक 3: इस प्रकार पापी परमेश्वर की उपस्थिति से नाश हों , / और धर्मी आनन्दित हों।

ट्रोपारियन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं :

श्लोक 4: यह वह दिन है जिसे प्रभु ने बनाया है ; / आओ हम इस में आनंदित और हर्षित हों !

ट्रोपारियन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं :

महिमा:

ट्रोपारयिन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं :

और अब:

ट्रोपारयिन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं :

तब अनुष्ठानकर्ता ऊँचे स्वर में गाता है : मसीह मृतकों में से जी उठे हैं , / मृत्यु को मृत्यु से जीतकर।

मंडली : और कब्रों में पड़े वालों को भी उसने जीवन प्रदान किया है।

तब महा लतिनी: आइए हम प्रभु से शांतिपूर्वक प्रार्थना करें : **और इसी प्रकार।**

प्रार्थना 1, प्रतिगान और उद्घोषणा : क्योंकि सारी महिमा तेरी ही है :

गायक मंडली : आमेन।

प्रतिगान 1, स्वर 2

पद 1: हे संपूर्ण पृथ्वी , प्रभु के लिए जयजयकार करो!

हे उद्धारकर्ता , परमेश्वर की माता के मध्यस्थता से , / हमें बचाइए।

पद 2: हे पृथ्वी , प्रभु के लिए जयजयकार करो; / उसके नाम का गीत गाओ, उसे स्तुति सहित महिमा दो! भजन संहिता 65:1–2

हे उद्धारकर्ता , परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा , हमारा उद्धार करें।

पद 3: परमेश्वर से कहो: 'तेरे काम कितने अद्भुत हैं ! / तेरी सामर्थ्य की महानता से तेरे शत्रु तेरे अधीन हो जाएँगे। ' भजन संहिता 65:3

हे उद्धारकर्ता , परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा , / हमें बचाइए।

पद 4: सारी पृथ्वी तेरे सामने झुके और तेरा भजन करे , / वे तेरे नाम का भजन करें , हे सर्वोच्च ! भजन संहिता 65:4

ईश्वर की माता, उद्धारकर्ता , की प्रार्थनाओं के द्वारा , / हमें बचाओ।

महिमा, और अब: परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा , हे उद्धारकर्ता , / हमें बचाओ।

प्रतिगान 2, स्वर 2

छंद 1: हे ईश्वर , हम पर दया करें / और हमें आशीर्वाद दें।

हे परमेश्वर के पुत्र , हे मृतकों में से जी उठे , हमें बचाइए, / जैसे हम आपको गाते हैं : हलेलूया।

पद 2: हे परमेश्वर , हम पर दया करें और हमें आशीष दें , / तेरे मुख का प्रकाश हम पर चमके और हम पर दया करें। भजन संहिता 66:2

हे मरे हुओं में से जी उठे परमेश्वर के पुत्र , हमें बचाओ, / जैसे हम तुझे गाते हैं : हल्लेलूया।

पद 3: ताकि वे पृथ्वी पर तेरा मार्ग जान लें , / और सभी राष्ट्रों में तेरा उद्धार। भजन संहिता 66:3

हे परमेश्वर के पुत्र , हे मृतकों में से जी उठे , हमें बचाओ, / जिसे हम गाते हैं : हलेलूया।

पद 4: हे परमेश्वर , राष्ट्र तेरा गुणानुवर्णन करें , / सब राष्ट्र तेरा गुणानुवर्णन करें। भजन संहिता 66:4

ईस्टर रविवार

हे परमेश्वर के पुत्र , जो मरे हुओं में से जी उठे , हमें बचाओ, / जिसे हम गाते हैं : आल्लेलुया।

महिमा, और अब: एकमात्र पुत्र :

प्रतीधुन 3, स्वर 5

पद 1: परमेश्वर उठे / और उसके शत्रु बिखर जाएँ। भजन संहिता 67:2

ट्रोपारियन , स्वर 5

मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं , / अपनी मृत्यु से मृत्यु को जीते हैं / और कब्रों में पड़े हुओं को जीवन प्रदान किया है।

पद 2: परमेश्वर उठे , और उसके शत्रु बिखर जाएँ ; / और जो उससे बैर रखते हैं , वे उसकी उपस्थिति से भाग जाएँ।

ट्रोपारियन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं :

श्लोक 3: जैसे धुआँ गायब हो जाता है , वैसे ही वे गायब हो जाएँ , / जैसे मोम आग के सामने पिघल जाता है। भजन संहिता 67:3क

ट्रोपारियन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं :

पद 4: इस प्रकार पापी परमेश्वर के साम्हने से नाश हों , / और धर्मी आनन्द करें , / वे परमेश्वर के साम्हने प्रसन्न हों। भजन संहिता 67:3ख–4

ट्रोपारियन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं :

प्रवेश पद

अपनी सभाओं में परमेश्वर का धन्यवाद करो, / यहोवा का, इस्राएल के सोतों से। भजन संहिता 67:27

ट्रोपारियन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं :

इपाकोई, स्वर 4

जो स्त्रियाँ भोर से पहिले मरियम के साथ आई थीं / और कब्र पर से पत्थर हटा हुआ पाया, / उन्होंने स्वर्गदूत से सुना : 'जो अनन्त ज्योति में वास करता है , / उसे मनुष्य की तरह मरे हुओं में क्यों ढूंढती हो? / कफ़न को देखो , / दौड़ो और संसार में प्रचार करो / कि प्रभु मसीह ने मृत्यु को मारकर स्वयं जी उठे हैं , / क्योंकि वही परमेश्वर के पुत्र , मानव जाति के उद्धारकर्ता हैं !'

महिमा, और अब, कोंटाकियन , स्वर 8

यद्यपि हे अमर प्रभु , तू कब्र में उतर गया, / तथापि तूने नरक की शक्ति को नष्ट कर दिया / और विजेता के रूप में पुनरुत्थित हुआ , हे मसीह हमारे परमेश्वर , / मृगबलि ले जाने वाली स्त्रियों से पुकार कर: 'हर्षित हो!' / और अपने प्रेरितों को शान्ति प्रदान करते हुए , / तू जो पतितों को पुनरुत्थान प्रदान करता है।

ट्रिसैगियन के स्थान पर: तुम में से जितने मसीह में बपतिस्मा ले चुके हो, / तुम सब मसीह का वस्त्र पहन चुके हो। / अल्ल eluia। (3)

[लीटर्जी की पास्का की शुरुआत , एंटिफोन्स , 'तुम में से जितने लोग मसीह में बपतिस्मा ले चुके हो:' कम्युनियन छंद और लीटर्जी का संपूर्ण पास्का का समापन पूरे ब्राइट वीक में गाया जाता है।]

प्रोकेइमेनन , स्वर 8

यह वह दिन है जिसे प्रभु ने बनाया है ; / हम इस में आनन्द करें और हर्षित हों।

पद: प्रभु की स्तुति करो, क्योंकि वह भला है ; उसकी दया सदा बनी रहती है। भजन संहिता 117:24, 1

पवित्र प्रेरितों के काम, आरंभ 1A

मैंने तुम्हें पहली पुस्तक लिखी थी, थेओफिलुस , उन सब बातों के विषय में जो यीशु ने आरम्भ से लेकर उस दिन तक कीं जब तक कि वह स्वर्ग में उठाया गया, और पवित्र आत्मा के द्वारा उन प्रेरितों को आज्ञाएँ दीं जिन्हें उसने चुन रखा था, और जिन्हें उसने अपनी पीड़ा के बाद बहुत से विश्वसनीय प्रमाणों से जीवित होने का प्रमाण दिया, और चालीस दिन तक उन्हें दिखाई दिया और परमेश्वर के राज्य के विषय में बातें कीं। और, उन्हें एक साथ इकट्ठा करके , उसने उन्हें आज्ञा दी: 'यरूशलेम न छोड़ो , बल्कि पिता के प्रतिज्ञा की प्रतीक्षा करो, जिसके विषय में तुमने मुझसे सुना है ; क्योंकि यूहन्ना ने पानी से बपतिस्मा दिया, परन्तु तुम कुछ ही दिनों में पवित्र आत्मा से बपतिस्मा पाओगे। ' इसलिए वे एक साथ इकट्ठा हुए और उससे पूछकर कहने लगे , 'प्रभु , क्या आप इसी समय इस्राएल को राज्य फिर से स्थापित करेंगे ?' परन्तु उसने उनसे कहा, 'वे समय और तारीखें जानना तुम्हारे लिए ठीक नहीं है , जिन्हें पिता ने अपनी अधिकार-शक्ति से निश्चित किया है ; परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा, तब तुम शक्ति प्राप्त करोगे , और तुम यरूशलेम में , और सारे यहूदिया और सामरिया में , और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होगे। '

प्रेरितों के काम 1:1–8

अल्लेलुया , स्वर 4

पद: जब आप प्रकट होंगे , तब आप सियोन पर अनुग्रह करेंगे।

पद: प्रभु ने स्वर्ग से पृथ्वी पर दृष्टि डाली। भजन संहिता 101:14A, 20B

यूहन्ना के अनुसार सुसमाचार , आरंभ 1

आरम्भ में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। वही आरम्भ में परमेश्वर के साथ था। उसके द्वारा सब कुछ हुआ ; और जो कुछ हुआ है , उसमें से कुछ भी उसके बिना नहीं हुआ। उसमें जीवन था, और वह जीवन मनुष्यों की रोशनी था। रोशनी अँधेरे में चमकती है , और अँधेरे ने उस पर विजय नहीं पाई। परमेश्वर की ओर से एक मनुष्य आया; उसका नाम यूहन्ना था। वह प्रकाश के विषय में गवाही देने के लिए गवाह के रूप में आया, ताकि सब उसके द्वारा विश्वास करें। वह स्वयं प्रकाश नहीं था, परन्तु प्रकाश के विषय में गवाही देने के लिए भेजा गया था। वह सच्चा प्रकाश था, जो संसार में आने वाले हर मनुष्य को प्रकाश देता है। वह जगत में था, और जगत उसकी ही दया से उत्पन्न हुआ , पर जगत ने उसे न पहचाना। वह अपने ही पास आया, परन्तु उसके अपने लोग उसे ग्रहण न कर सके। परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, और जो उसके नाम पर विश्वास करते हैं , उन्हें उसने परमेश्वर की सन्तान बनने का अधिकार दिया—ऐसी सन्तान जो न तो लहू से उत्पन्न हुईं , न शरीर की इच्छा से , और न किसी मनुष्य की इच्छा से , बल्कि परमेश्वर से उत्पन्न हुईं। और वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में वास किया, और हम ने उसकी महिमा देखी , जो परमपिता की एकमात्र संतान की महिमा के समान थी। यूहन्ना उसकी गवाही देता है और पुकार कर कहता है : 'यही वह है जिसके बारे में मैंने कहा था, "जो मेरे बाद आता है , वह मुझसे पहले हो गया है , क्योंकि वह मुझसे पहले था।"' और उसकी परिपूर्णता से हम सब ने प्राप्त किया, अनुग्रह पर अनुग्रह ; क्योंकि व्यवस्था मूसा के द्वारा दी गई, परन्तु अनुग्रह और सत्य यीशु मसीह के द्वारा आए।

यूहन्ना 1:1–17

ईस्टर रविवार

सुसमाचार को रेक्टर के निर्देशानुसार ,सभी officiating पुरोहितों और डकिनों द्वारा रेक्टर के साथ मलिकर, एक के बाद एक, खंडों में पढ़ा जाता है।

'यह उचति है ' के बजाय

देवदूत ने धन्य कन्या को घोषति कयिा: / 'हे पवत्रि कन्या , आनन्दति हो! / और मैं फरि से कहता हूँ : आनन्दति हो! / तुम्हारे पुत्र तीसरे दनि कब्र से जी उठे , / (और मृतकों को जलिा उठा। / हे लोगों , आनन्दति हो!)

और इरमोस, स्वर 1: चमक, चमक, हे नए यरूशलेम , / क्योंकि प्रभु की महमिा तुझ पर उदय हुई है ! / अब आनन्द कर और हर्षति हो, हे सयिोन! / और हे परमेश्वर की पवत्रि माता, आनन्द कर / उस के पुनरुत्थान पर जसिे तूने जन्म दयिा।

हम मध्य -पेंटेकोस्ट और उसके अंत को छोड़कर , पास्का के मौसम के अंत तक इस प्रकार गाते हैं।

कॉम्युनयिन

मसीह का शरीर ग्रहण करो, / और अमरत्व के झरने में सहभागी बनो। / अल्ल eluia। (3)

ट्रोपारयिन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं : गाया गया

- **अध्यक्ष के शब्दों : 'ईश्वर के भय और वशि्वास के साथ नकिट आओ:' के बाद, 'धन्य है वह जो प्रभु के नाम पर आता है :' के बजाय**
- **कॉम्युनयिन के दौरान, 'मसीह का शरीर ग्रहण करो:' के बजाय**
- **अध्यक्ष के शब्दों के बाद: 'हे ईश्वर , अपने लोगों को बचा': इसके बजाय 'हमने सच्चा प्रकाश देखा है :'**
- **अध्यक्ष के शब्दों के बाद: 'सदैव , अब और सदा, युगों -युगों तक:' के बजाय 'हमारे होंठ भर जाएँ :'।**

एम्बो के पीछे प्रार्थना के बाद, आर्टोस को शाही द्वारों के सामने ले जाया जाता है , तीन बार धूप दी जाती है , और रेक्टर द्वारा नम्निलखिति पढ़ा जाता है :

आर्टो के अभषिेक के लिए प्रार्थना

सर्वशक्तमिान परमेश्वर , सर्वशक्तमिान प्रभु ! आपके सेवक मूसा के द्वारा , जब इस्राएल मस्रि से बाहर आया और आपके लोग फरिौन के कड़वे दासत्व से छुड़ाए गए, तब आपने आज्ञा दी कएिक मेम्ना काटा जाए, जो उस मेम्ने का पूर्वसंकेत था जसिे हमारे लिए स्वेच्छा से क्रूस पर बलदिान कयिा गया, जो संसार के पापों को दूर करते हैं , आपके प्रयि पुत्र , हमारे प्रभु यीशु मसीह, जनिके द्वारा हमें शत्रु के शाश्वत बंधन से और नरक के अटूट बंधनों से मुक्ति और उद्धार प्राप्त हुआ है। इसलिए हम भी, आपके सेवक , सम्मान और महमिा में , और आपके पुत्र , हमारे प्रभु यीशु मसीह के गौरवशाली पुनरुत्थान की स्मृति में , अब ईस्टर के इस सर्व -प्रकाशमान , अति-महमिामय और उद्धारकारी दनि पर, जब हम यह रोटी आपकी महमिा के सामने अर्पति करते हैं , वनिम्रतापूर्वक आपसे प्रार्थना करते हैं : इस रोटी पर दृष्टि डालिए, इसे आशीर्वाद दीजिए और इसे पवत्रि कीजिए। और हम, जो इसे लाए हैं , जो इसे चूमते हैं और इसमें भाग लेते हैं , हमें अपनी स्वर्गीय आशीष का सहभागी बनाइए, और अपनी शक्ति से हमसे हर बीमारी और दुर्बलता को दूर कीजिए, और सभी को स्वास्थ्य प्रदान कीजिए। क्योंकि आशीर्वाद का स्रोत और चंगाई के दाता तो ही हो, और हम तेरा ही महमिागान करते हैं , आरम्भहीन पता का, तेरे एकलौते पुत्र के साथ, और तेरे परम पवत्रि और उत्तम जीवन-प्रदायक आत्मा का, अब और सदा, और युगानुयुग। आमीन।

और वह रोटी पर तीन बार पवित्र जल छड़िकता है , यह कहते हुए : 'यह रोटी इस पवित्र जल के छड़िकाव से , पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर धन्य और पवित्र की गई है। आमीन।'

'प्रभु का नाम हो:' और भजन संहिता 33 के बजाय, 'मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं ' ट्रॉपारियन 12 बार या उससे अधिक गाया जाता है , जब तक कि मठाधीश एंटिडोरोन और प्रोस्फोरा का वितरण नहीं कर देते।

समापन से पहले , मठाधीश, 'महिमा तेरी , हे मसीह परमेश्वर :' के बजाय, गाते हैं : 'मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं , मृत्यु को मृत्यु से रौंदते हुए ', जबकि गायन मंडली गाती है : 'और कब्रों में पड़े हुओं को जीवन प्रदान करते हुए '। समापन मैटिन्स (Matins) की तरह होता है , जिसमें सेंट जॉन क्राइसोस्टोम का उल्लेख होता है।

ब्राइट वीक के दौरान शाही द्वार बंद नहीं किए जाते हैं ।

विषय-सूची पर वापस

पवत्रि और महान ईस्टर सप्ताह के दौरान
महान संध्याकाल में

'हे प्रभु , मैंने पुकारा ' पर, स्तोभकि स्तोत्र स्वर 6 में।
पुनरुत्थान के स्टखिरा , स्वर 2

आओ हम परमेश्वर के वचन की आराधना करें , जो युगों से पहले पिता से उत्पन्न हुए , / जो कुँवारी मरयिम से देहधारी हुए , / क्योंकि उन्होंने , क्रूस को सहन करके , / अपनी इच्छा से स्वयं को कब्र में सौंप दिया, / और मरे हुओं में से जी उठकर, / मुझे , एक भटके हुए मनुष्य को, बचाया।

मसीह, हमारे उद्धारकर्ता ने , / हमारे विरुद्ध का आरोप क्रूस पर ठोककर उसे मिटा दिया है / और मृत्यु की शक्ति को समाप्त कर दिया है। / हम तीसरे दिन उनके पुनरुत्थान की उपासना करते हैं।

महादूतों के साथ मिलकर, हम मसीह के पुनरुत्थान का गीत गाएँ ; / क्योंकि वे हमारे आत्माओं के उद्धारकर्ता और मुक्तिदाता हैं , / और भयानक महिमा और महान सामर्थ्य के साथ / वे फिर से उस संसार का न्याय करने आ रहे हैं जिसे उन्होंने बनाया।

पूर्वी स्टखिरा

हे प्रभु , जो क्रूस पर चढ़ाए गए और दफनाए गए, / एक स्वर्गदूत ने स्त्रियों को यह बताते हुए प्रचार किया: / 'आओ, देखो जहाँ प्रभु लेटे थे ; / क्योंकि वे , अपने वचन के अनुसार , सर्वशक्तिमान के रूप में जी उठे हैं !' / इसलिये हम आपकी आराधना करते हैं , हे अमर: / हे मसीह, जीवन के दाता, हम पर दया करें !

अपने क्रूस द्वारा तूने उस शाप को समाप्त कर दिया जो वृक्ष के द्वारा हम पर पड़ा था, अपनी कब्र में तूने मृत्यु की शक्ति को नष्ट कर दिया, और अपने पुनरुत्थान द्वारा तूने मानव जाति को प्रकाशित किया। इसलिए हम तुझ से पुकारते हैं : 'हे मसीह हमारे परमेश्वर , हमारे कल्याणकर्ता , तुझे महिमा हो!'

हे प्रभु , मृत्यु के द्वार तेरे सामने खुल गए, / भय से , / और नरक के द्वारपाल , तुझे देखकर भयभीत हो गए; / क्योंकि तूने काँसे के द्वार चकनाचूर कर दिए, / और लोहे की बेड़ियाँ तोड़ दीं , / और हमें अंधकार और मृत्यु की छाया से बाहर निकाला, / और हमारे बंधन फाड़ डाले।

महिमा: उद्धार का गीत गाते हुए , / आइए हम एक स्वर में पुकारें : / 'आओ, तुम सब, हम प्रभु के घर में गिर पड़ें , / उसकी ओर मुड़ते हुए : / "हे तुम जो क्रूस पर चढ़ाए गए, जो मरे हुओं में से जी उठे / और पिता की गोद में वास करते हो, / हमारे पापों पर दया करो!""

और अब, हे परमेश्वर की माता: व्यवस्था की छाया बीत गई, / जब अनुग्रह प्रकट हुआ ; / क्योंकि जैसे आग में घिरी काँटेदार झाड़ी नष्ट नहीं हुई , / वैसे ही आपने , हे कुँवारी , जन्म दिया और कुँवारी बनी रहीं। / आग के स्तंभ के स्थान पर / धार्मिकता का सूर्य चमका है , / मूसा के स्थान पर – मसीह, / हमारे आत्माओं का उद्धार।

सुसमाचार के साथ प्रवेश। 'आनंद का प्रकाश '।

महान प्रोकैमेनन , स्वर 7

हमारे ईश्वर जैसा महान ईश्वर कौन है ? / आप चमत्कार करने वाले ईश्वर हैं।

पद: तू ने राष्ट्रों के बीच अपनी शक्ति प्रकट की है।

पद: और मैंने कहा: 'अब मैं समझ गया हूँ : यह परिवर्तन सर्वोच्च के दाहिने हाथ से है। '

छंद : मैंने प्रभु के कार्यों को याद किया है ; क्योंकि मैं आरंभ से ही तेरे चमत्कारों को स्मरण करूँगा।

और फिर: हमारे परमेश्वर जितना महान कोई देवता है ? / आप चमत्कार करने वाले परमेश्वर हैं।

भजन संहिता 76:14ख–15क, 15ख, 12

प्रोकेइमेनोन के बाद, डिकन उद्घोषणा करता है : पवित्र सुसमाचार सुनने के योग्य ठहरने के लिए, हम प्रभु परमेश्वर से प्रार्थना करें।

गिरिजाघर का समूह : हे प्रभु , दया करें (3)।

यूहन्ना के अनुसार सुसमाचार , आरंभ 65B

उस सप्ताह के पहले दिन की संध्या को, जब यहूदियों के डर से जिस घर में उसके चेले इकट्ठे थे उसके दरवाजे बंद थे , यीशु आए और उनके बीच में खड़े होकर उनसे कहा, 'तुम्हें शान्ति मिले !' यह कहकर उसने उन्हें अपने हाथ और अपने पाँव और अपनी पसली दिखायी। प्रभु को देखकर चेले आनन्दित हुए। यीशु ने दूसरी बार उनसे कहा, 'तुम्हें शान्ति मिले ! जैसे पिता ने मुझे भेजा है , वैसे ही मैं तुम्हें भेजता हूँ। ' यह कहकर, उन्होंने उन पर श्वास फूँकी और उनसे कहा, 'पवित्र आत्मा ग्रहण करो। जिनके पाप तुम क्षमा करोगे , वे क्षमा किए हुए हैं ; और जिनके पाप तुम रखोगे , वे रखे हुए हैं। ' बारहों में से एक, जिसे जुड़वां के नाम से जाना जाता है , थॉमस, जब यीशु आए तो उनके साथ नहीं था। दूसरे चेलों ने उससे कहा, 'हमने प्रभु को देखा है। ' पर उसने उनसे कहा, 'जब तक मैं उसके हाथों में कीलों के निशान नहीं देख लेता और अपनी उंगली कीलों के निशानों में नहीं डालता, और अपना हाथ उसकी पसली में नहीं डालता, तब तक मैं विश्वास नहीं करूंगा। '

यूहन्ना 20:19–25

लिटिनी के बाद: हम सब कहें : 'और हे प्रभु , हमें इस संध्या यह अनुग्रह प्रदान करें :'
फिर: हम संध्या का प्रार्थना -पाठ करें :

पुनरुत्थान स्टिचेरा , स्वर 2

हे मसीह उद्धारकर्ता , तेरे पुनरुत्थान ने / संपूर्ण ब्रह्मांड को प्रकाशित किया है , / और तूने अपनी सृष्टि को अपने पास बुलाया है : / हे सर्वशक्तिमान प्रभु , तेरी महिमा हो!

और पास्का के स्टिखेरा , स्वर 5

पद: परमेश्वर उठे / और उसके शत्रु बिखर जाएँ।

आज हम पर पवित्र पास्का प्रकट हुआ है , / – एक नया पास्का , एक पवित्र पास्का , / एक रहस्यमय पास्का , एक पास्का जो सभी द्वारा सम्मानित है। / ईस्टर – मसीह उद्धारकर्ता ; / ईस्टर , निर्मल , / ईस्टर , महान, / ईस्टर विश्वासियों का, / ईस्टर जिसने हमारे लिए स्वर्ग के द्वार खोल दिए, / ईस्टर जो सभी विश्वासियों को पवित्र करता है।

पद: जैसे धुआँ छँट जाता है , / वैसे ही वे छंट जाएँ।

दृष्टि के बाद आगे बढ़ो , हे शुभ समाचार लाने वाली स्त्रियों , / और सियोन को यह घोषणा करो: / 'हमसे मसीह के पुनरुत्थान के शुभ समाचार का आनन्द ग्रहण करो!' / हे यरूशलेम ,

आनन्द मनाओ, हर्षति होओ और प्रसन्न रहो, / क्योंकि तुमने मसीह राजा को, एक वर की भाँति, / कब्र से निकलते हुए देखा है।

छंद : पापी परमेश्वर की उपस्थिति से नाश हों , / और धर्मी आनन्दति हों।

सुगंधति द्रव्य लिए स्त्रियाँ , भोर-भोर, / जीवन-दाता के समाधि पर आईं , / वहाँ उन्होंने पत्थर पर एक स्वर्गदूत को बैठा पाया, / और वह, उनकी ओर मुड़कर , इस प्रकार पुकार उठा: / 'तुम जीवित को मरे हुओं में क्यों ढूँढ़ती हो? / तुम अक्षय को ऐसे क्यों शोक करती हो जैसे वह क्षयशील हो? / लौट जाओ और उनके शिष्यों से कहो!'

पद: यह वह दिन है जिसे प्रभु ने बनाया है ; / आओ हम इसमें आनंदित और हर्षित हों !

हर्षोल्लासपूर्ण ईस्टर , / ईस्टर , प्रभु का ईस्टर , / हमारे लिए परम पवित्र ईस्टर का उदय हुआ है। / ईस्टर ! आओ हम एक-दूसरे को आनंद से गले लगाएँ। / हे ईस्टर – दुख से मुक्ति ! / क्योंकि इसी दिन, कब्र से , / एक वधू के कक्ष से जैसे प्रकाशित होकर, मसीह ने / स्त्रियों को आनंद से भर दिया, कहते हुए : / 'जाओ और प्रेरितों से कहो!'

महिमा, और अब, स्वर 5: पुनरुत्थान का दिन! / और आनन्द से प्रकाशित हों / और एक-दूसरे को गले लगाएँ ; / कहें : 'हे भाइयों !' / और जो हमसे द्वेष रखते हैं , / - उन्हें भी क्षमा करें , पुनरुत्थान के लिए / और इस प्रकार उद्घोष करें : / 'मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं , / मृत्यु को मृत्यु से जीते हैं , / और कब्रों में पड़े हुओं को जीवन प्रदान किया है !'

फरि: मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं : **(3), तीन बार, सिवाय स्टचिरा के अंत में।**

डीकन: बुद्धि **हम:** हमें आशीर्वाद दें। **रेक्टर :** धन्य है वह जो है —मसीह हमारे ईश्वर : **और हम:** हे ईश्वर , हमें बलवान बनाओ। **रेक्टर , इसके बजाय: महिमा तेरी हो, हे मसीह हमारे ईश्वर : उद्घोषित करते हैं :** मसीह मृतकों में से जी उठे हैं , अपनी मृत्यु से मृत्यु को नष्ट कर। **और हम:** और कब्रों में पड़े लोगों को जीवन प्रदान कर। **और वे समापन की घोषणा करते हैं :** मसीह, जो मृतकों में से जी उठे हैं :

मैटिन्स में

रेक्टर , धूपदान से स्वस्तिक का चिह्न बनाते हुए , उद्घोषणा करता है : पवित्र , एकसार, जीवन-प्रदायक और अविभाज्य त्रिमूर्ति की महिमा हो, सदा, अब और हमेशा , और युगों -युगों तक।

गायक मंडली : आमेन।

तब रेक्टर तीन बार गाता है :

ट्रोपारियन , स्वर 5

मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं , / अपनी मृत्यु से मृत्यु को पराजित कर / और कब्रों में पड़े हुओं को जीवन प्रदान कर।

और कोरस वही ट्रॉपारियन तीन बार गाता है।

तब मठाधीश श्लोक उद्घोषित करते हैं :

श्लोक 1: ईश्वर उठे और उसके शत्रु बिखर जाएँ , / और जो उससे घृणा करते हैं वे उसकी उपस्थिति से भाग जाएँ।

और प्रत्येक छंद के बाद हम एक बार ट्रॉपारियन गाते हैं :

ट्रोपारियन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं :

श्लोक 2: जैसे धुआँ गायब हो जाता है , वैसे ही वे गायब हो जाएँ , / जैसे मोम आग के सामने पिघल जाता है।

ट्रोपारयिन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं :

श्लोक 3: इस प्रकार पापी परमेश्वर की उपस्थिति से नाश हों , / और धर्मी आनन्दित हों।

ट्रोपारयिन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं :

श्लोक 4: यह वह दिन है जिसे प्रभु ने बनाया है ; / आओ हम इस दिन आनंदित और प्रसन्न हों !

ट्रोपारयिन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं :

महिमा:

ट्रोपारयिन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं :

और अब:

ट्रोपारयिन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं :

तब संपादक ऊँचे स्वर में गाता है : मसीह मृतकों में से जी उठे हैं , / अपनी मृत्यु से मृत्यु को नष्ट कर।

मंडली : और कब्रों में पड़े हुए लोगों को, / उसने जीवन प्रदान किया है।

तब महा लिटिनी: "आओ हम प्रभु से शांतिपूर्वक प्रार्थना करें " **आदि।**

और घोषणा के बाद, हम 14 छंदों में पास्का कैनन गाते हैं , इरमोस: 'पुनरुत्थान का दिन': **दो बार, और 10 छंदों में ट्रोपारिया , पुनरावृत्तियों के साथ:** 'मसीह जी उठे हैं ': **'महिमा:' और 'और अब:' पर हम पूजनीय थियोफेन्स और जोसेफ द्वारा रचित थियोटोकीया जोड़ते हैं। कातावाशिया:** 'पुनरुत्थान का दिन': **और उसके बाद:** 'मसीह जी उठे हैं ': **तीन बार। इस प्रकार हम पूरे सप्ताह मनाते हैं।**

कैनन।
सेंट जॉन ऑफ़ डेमास्कस की रचना, स्वर 1।
भजन 1

इरमोस: पुनरुत्थान का दिन! हे लोगों , आनन्द मनाओ! / ईस्टर ! प्रभु का ईस्टर ! / क्योंकि मृत्यु से जीवन में और पृथ्वी से स्वर्ग में / मसीह हमारे ईश्वर ने हमें लाया है , / जब हम विजय का गीत गाते हैं।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे है।

आओ हम अपने इंद्रियों को शुद्ध करें और देखें / मसीह को चमकते हुए / पुनरुत्थान के अगम्य प्रकाश में , / और आओ हम स्पष्ट रूप से उन्हें कहते हुए सुनें , 'खुशी मनाओ!' / जब हम विजय का गीत गाते हैं।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे है।

आकाश उचित रूप से आनंद मनाए, / पृथ्वी हर्षित हो, / संपूर्ण संसार उत्सव मनाए, / दृश्यमान और अदृश्य दोनों : / क्योंकि मसीह जी उठे हैं , जो कभी न खत्म होने वाला आनंद है।

थियोटोकोस के भजन,
परम पूज्य थियोफेंस और जोसेफ द्वारा रचित

महिमा: तूने मृत्यु के बंधन तोड़ दिए, / अपने गर्भ में अनंत जीवन, मसीह, को धारण करके , / जो आज इस दिन कब्र से प्रकट हुए , / हे सदा-कुँवारी , / और जिन्होंने संसार को प्रकाशित किया।

और अब: तेरे पुत्र और ईश्वर को जी उठे हुए देखकर , हे ईश्वर -धन्य , पवित्र एक, प्रेरितों के साथ आनंद मना! / और सबसे पहले तूने , हे सर्वदा -कुँवारी ईश्वर की माता, 'आनंदित हो' शब्द ग्रहण किया, सभी के लिए आनंद का कारण।

कातावासिया: पुनरुत्थान का दिन: **और ट्रोपारयिन :** मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं : **(3).**

उज्जवल सप्ताह का सोमवार

स्तोत्र 3

इरमोस: आओ, हम नया पेय पीएं , / जो एक बाँझ चट्टान से चमत्कारकि रूप से नहीं नकिला, / बल्कि अमरत्व का फव्वारा , / जो मसीह के कब्र से प्रवाहति हुआ , / जसिमें हम स्थापति हैं।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे है।

अब सब कुछ प्रकाश से भर गया है , / स्वर्ग , पृथ्वी और पाताल लोक: / सारी सृष्टि मसीह के पुनरुत्थान का उत्सव मनाए, / जसि पर यह स्थापति है।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे है।

कल मैं आपके साथ, हे मसीह, दफ़नाया गया था, / – आपके साथ, जो जी उठे हैं , मैं आज उठता हूँ ; / कल मैं आपके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया था: / हे उद्धारकर्ता , मुझे अपने साथ महमिामय बनाइए, / अपने राज्य में !

महमिा: पवत्रिता के जीवन की ओर / मैं आज के दनि बढ़ता हूँ , / उस की भलाई के द्वारा जो तुझसे , हे पवत्रि एक, जन्म लयिा, / और जसिने अपनी ज्योति से संसार के छोरों को प्रकाशति कयिा है।

और अब: परमेश्वर को देखकर , जसि आपने , हे पवत्रि , / अपने गर्भ में मांस में धारण कयिा, / मृतकों में से जी उठे , जैसा उन्होंने कहा, आनंदति हो, / और परमेश्वर के रूप में , हे नर्मिल , उनकी महमिा करो।

कातावासयिा: आओ, हम नया पेय पएिं : **और ट्रॉपारयिन :** मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं : **(3). लघु एकटेनयिा।**

इपाकोई, स्वर 4

जो स्त्रयिाँ भोर से पहले मरयिम के साथ आई थीं / और कब्र पर से पत्थर हटा हुआ पाया, / उन्होंने स्वर्गदूत से सुना : 'जो अनन्त ज्योति में वास करता है — / तुम उसे मनुष्य की तरह मृतकों में क्यों ढूँढ़ती हो? / कफ़न -वस्त्र देखो , / दौड़ो और संसार में प्रचार करो / कि प्रभु जी उठे हैं , मृत्यु को जीता कर, / क्योंकि वे परमेश्वर के पुत्र , मानव जाति के उद्धारकर्ता हैं !"

भजन 4

इरमोस: दव्यि संरक्षक , धर्मशास्त्री हबक्कूक , हमारे साथ खड़े हों / और हमें प्रकाश -धारण करने वाले स्वर्गदूत को दखिाएँ , / जो स्पष्ट रूप से उद्घोषणा करता है : / 'आज के दनि—वश्वि के लिए उद्धार , / क्योंकि मसीह सर्वशक्तमिान के रूप में पुनर्जीवति हुए हैं। '

कोरस: मसीह मृतकों में से जी उठे है।

मसीह उस पति के रूप में प्रकट हुए जन्हिोंने कुंवारी का गर्भ खोला; / और, भोजन के रूप में अर्पति होकर, उन्हें मेमना कहा जाता है ; / और, नर्दिोष —जैसे कोई अपवत्रिता न छूती हो—/ वे हमारे पासोवर हैं ; / और, सच्चे ईश्वर के रूप में , / उन्हें परपिूर्ण कहा जाता है।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे है।

एक वर्ष के मेमने के समान, / हमारे लिए – एक महमिामय मुकुट , / धन्य प्रभु , स्वेच्छा से सबके लिए बलदिान हुए , / शुद्ध करने वाले पासोव के रूप में , / और एक बार फरि कब्र से हमारे लिए प्रकट हुए / धार्मकिता के महमिामय सूर्य के रूप में।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे है।

दाऊद, हे पवित्र प्रभु , परमेश्वर के पूर्वज , / प्रतिमा के सन्दूक के सामने कूदते और नाचते थे , जैसे किसी छाया के सामने ; / परन्तु हम, हे पवित्र लोगों , परमेश्वर के लोग, / प्रकारों की पूर्ति को देखकर , / परमेश्वर से प्रेरित होकर आनन्द मनाओ, / क्योंकि मसीह सर्वशक्तिमान जी उठे हैं।

महिमा: हे पवित्र एक, जिसने आदम, तुम्हारे पूर्वज , को बनाया, / वह तुम्हारे द्वारा रचा गया है , / और इस दिन उसने अपनी ही मृत्यु के द्वारा , / उस मृत्यु को समाप्त कर दिया जो उससे आई थी, / और सभी को प्रकाशित किया है / पुनरुत्थान के दिव्य तेज से।

और अब: हे पवित्र एक, मसीह को निहारते हुए , जिसे तूने अपनी कोख में धारण किया था, / जो आज सभी के उद्धार के लिए मृतकों में से अत्यंत सुन्दर रूप से प्रकट हुए हैं , / हे स्त्रियों में महिमामय, निर्दोष और सुन्दर , / प्रेरितों के साथ आनन्द मनाते हुए , उनकी महिमा कर।

कटवासिया: दैवीय पहरे पर: **और ट्रॉपारियन :** मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं : **(3).**

स्तोत्र 5

इरमोस: हम भोर से ही पहरा दें / और, अँधेरे के बदले , प्रभु को एक गीत अर्पित करें , / और मसीह को निहारें – धार्मिकता का सूर्य , / जो सभी को जीवन की किरणें प्रदान करता है।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे मसीह, तेरी असीम दया को देखकर , / नरक की बेड़ियों में बँधे हुए / आनंदित कदमों से प्रकाश की ओर दौड़े , / शाश्वत फसह की स्तुति करते हुए।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

आओ हम हाथों में दीपक लेकर मसीह के पास जाएँ , / जो कब्र से एक वर की तरह निकले हैं , / और आओ हम एक साथ उत्सव मनाएँ / आनंदित स्वर्गदूतों के साथ / परमेश्वर के उद्धारक पर्व का।

महिमा: हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, आपके पुत्र के पुनरुत्थान की दिव्य और जीवन-दायक किरणों से प्रकाशित होकर, धर्मपरायणों की सभा आनंद से भर गई है।

और अब: तूने अवतार के समय कुँवारीपन के द्वार नहीं खोले , / न ही तूने कब्र की मुहरें तोड़ीं , हे सृष्टि के राजा, / और इसलिए, तुझे पुनर्जीवित देखकर , / माता ने हर्षित होकर आनंद मनाया।

कातावासिया: हम भोर से ही पहरा रखें : **और ट्रोपारियन :** मसीह मृतकों में से जी उठे हैं : **(3).**

ओड 6

इरमोस: तू पृथ्वी के सबसे गहरे हिस्सों में उतर गया / और उन शाश्वत तालों को तोड़ दिया / जो कैदियों को बेड़ियों में जकड़े हुए थे , हे मसीह, / और तीसरे दिन, जैसे व्हेल से , हे योना, / तू कब्र से उठ खड़ा हुआ।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे मसीह, मुहरों को अछूता छोड़कर , / आप कब्र से उठे , / आपने अपने जन्म के समय कुँवारी के गर्भ को क्षति नहीं पहुँचाई , / और हमारे लिए स्वर्ग के द्वार खोल दिए।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे मेरे उद्धारकर्ता , / जीवित और निर्दोष बलिदान! / स्वयं को, ईश्वर के रूप में , / स्वेच्छा से पिता को अर्पित करते हुए , / तूने अपने साथ / हमारे सामान्य पूर्वज आदम को भी जिला उठाया, / कब्र से उठकर।

महमिा: आदकिाल से मृत्यु और क्षय में बंधक / जो था, उसे तूने अवनिाशी और शाश्वत जीवन दयिा / हे परमेश्वर की कुंवारी माता, जनिका जन्म तेरी अतपिवत्रि गर्भ से हुआ।

और अब: तू पृथ्वी के सबसे गहरे भागों में उतरा / हे पवत्रि एक, अपनी गहराइयों में ; तू उतरा / और वहाँ वास कयिा, और सर्व बुद्धि से परे मूर्तमिान हुआ ; / और तूने आदम को अपने साथ उठाया, / कब्र से उठकर।

कातावासयिा: तू पृथ्वी के सबसे गहरे भागों में उतर गया: **और ट्रोपारयिन :** मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं : **(3).**

लघु एकटेनयिा।

कॉन्टाकयिन , स्वर 8

यद्यपि हे अमर प्रभु , तू कब्र में उतर गया, / तथापि तूने नरक की शक्ति को नष्ट कर दयिा / और हे मसीह परमेश्वर , वजिेता बनकर पुनरुत्थति हुआ , / मुर्रा -धारण करने वाली स्त्रयिों से पुकार कर: 'हर्षति होओ!' / और अपने प्रेरतिों पर शान्ति प्रदान करते हुए , / तू जो पततिों को पुनरुत्थान प्रदान करता है।

इकोस: वह सूर्य जो सूर्य से भी पूर्व था, / जो एक बार कब्र में उतरा, / भोर से भी पहले आ गया था, / उसे मृगसंवाहक कुँवारयिों ने दनि के प्रकाश के रूप में खोजा / और उन्होंने एक-दूसरे से पुकारा : / 'हे मत्रिो , आओ हम सुगंधति मसालों से अभषिेक करें उस देह का, / जो जीवन का श्वास लेती और दफन है , / उस परमेश्वर के मांस का जो पतति आदम को उठाता है , / जो कब्र में पड़ा है। / चलो, हम मगों की तरह शीघ्रता करें और आराधना करें , / और मूर्रा को उपहार के रूप में लाएँ / उस पर, जो अब लपेटों में नहीं , बल्कि कफ़न में लपिटे हैं ; / और आँसू बहाएँ और पुकारें : / 'हे प्रभु , उठो, / आप जो गरि हुए को पुनरुत्थान प्रदान करते हैं !'

सनैक्सारयिन।

रवविार का भजन

मसीह के पुनरुत्थान को देखकर , / हम पवत्रि प्रभु यीशु की आराधना करें , / जो एकमात्र पापरहति हैं। / हे मसीह, हम तेरे क्रूस की आराधना करते हैं , / और तेरे पवत्रि पुनरुत्थान का गायन और महमिा करते हैं , / क्योंकि तू हमारा परमेश्वर है , / हम तुझसे सवि कसिी और को नहीं जानते , / हम तेरे नाम का आह्वान करते हैं। / आओ, हे सभी वशि्वासयिों , / हम मसीह के पवत्रि पुनरुत्थान की आराधना करें , / क्योंकि देखो , क्रूस के द्वारा / संपूर्ण जगत में आनंद आया है। / सदैव प्रभु का धन्यवाद करते हुए , / हम उनके पुनरुत्थान का गीत गाते हैं , / क्योंकि उन्होंने , सूली पर चढ़ाए जाने को सहते हुए , / मृत्यु को मृत्यु से कुचल डाला है। **(3)**

फरि: यीशु कब्र से जी उठे हैं , / जैसा उन्होंने पूर्व में बताया था, / हमें अनन्त जीवन और महान दया प्रदान करते हुए। **(3)**

भजन 7

इरमोस: जसिने युवकों को भट्टी से बचाया, / मानव बनकर, / एक नश्वर के रूप में पीड़ा सहता है , / और अपनी पीड़ा के द्वारा / नश्वरता को अमरत्व की सुंदरता से सुसज्जति करता है , / वही धन्य / पतिरों का परमेश्वर और अतमिहमिामय।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

ईश्वर -ज्ञ महलिाएँ / सुगंधति मसालों के साथ तेज़ी से आपके पीछे चलीं। / परन्तु जसिे वे एक मनुष्य के रूप में आँसुओं से खोज रही थीं , / उन्होंने उसे आनन्दपूर्वक

जीवति ईश्वर के रूप में पूजा , / और हे मसीह, आपके शष्यिों को रहस्यमय पास्का का प्रचार कयिा।

पुनरुक्तर् : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हम मृत्यु की पराजय, / नरक के वनिाश, / एक अन्य —शाश्वत —जीवन की शुरुआत का उत्सव मनाते हैं , / और आनंदति होकर हम उस एक का गुणगान करते हैं जसिने यह सब संभव कयिा /—आशीर्वादति / हमारे पूर्वजों के परमेश्वर और सर्व -महमिामय।

पुनरुक्तर् : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

सत्य में पवत्रि / और हर उत्सव के योग्य / है यह रात, उद्धारदायनिी और दीप्तमिान , / पुनरुत्थान के प्रकाश -पूर्ण दनि की अग्रदूत , / जसि पर शाश्वत प्रकाश / कब्र से देह में सभी के लएि प्रकट हुआ।

महमिा: इस दनि मृत्यु को मृत्यु पर वजिय देकर , हे सर्व -पवत्रि , आपके पुत्र ने सभी नश्वर प्राणयिों को वह जीवन प्रदान कयिा है जो अनंतकाल तक बना रहे , जो एकमात्र धन्य , पतिरों के ईश्वर और अत-िमहमिावान हैं।

और अब: सारी सृष्टर् पर शासन करते हुए , / मनुष्य बनकर, / हे ईश्वर -धन्य , तेरे गर्भ में नविास कयिा, / और सूली पर चढ़ाए जाने तथा मृत्यु को सहन करने के बाद, / ईश्वर के योग्य , पुनरुत्थति हुए , / हमें भी अपने साथ सर्वशक्तमिान के रूप में उठाया।

कातावासयिा: जसिने युवकों को भट्टी से बचाया: **और ट्रॉपारिऑन :** मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं : **(3).**

ओड 8

इरमोस: यह प्रतीक्षति और पवत्रि दनि, / सप्तम दनि के बाद का पहला, राजसी और सर्वोच्च , / उत्सवों का उत्सव / और जश्न का जश्न है। / इस दनि हम मसीह का सदा के लएि धन्यवाद करते हैं !

पुनरुक्तर् : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

आओ, हम नई दाख की / दव्यि आनंद की, / इस पुनरुत्थान के गौरवशाली दनि पर, / नई फल का स्वाद चखें , / और मसीह के राज्य में सहभागी हों , / और सदा-सदा के लएि परमेश्वर के रूप में उनकी स्तुतर् करें।

पुनरुक्तर् : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

ज़योिन , अपनी आँखें उठा, / और चारों ओर देख : / क्योंकर् देख , तेरे बच्चे तेरे पास इकट्ठा हुए हैं , / दैवीय रूप से चमकते सतिारों की तरह, / पश्चमि से , और उत्तर से , / और समुद्र से , और पूर्व से , / मसीह को सदा और सदा के लएि तुझ में धन्य कह रहे हैं।

पुनरावर्तन : परम पवत्रि त्रमिूर्तर् , हमारे ईश्वर , तुझे महमिा हो।

त्रत्विीय भजन: सर्वशक्तमिान पति, और वचन, और आत्मा , / तीन व्यक्तयिों में एक सत्ता , / परम उच्च और परम दव्यि ! / आप में हम बपतस्मिा लेते हैं / और हम आपको युगानुयुग धन्य कहते हैं।

आओ हम पति और पुत्र और पवत्रि आत्मा , प्रभु की स्तुतर् करें।

सृष्टकिर्ता तेरे द्वारा संसार में आए / हे ईश्वर की कुँवारी माता, / और नरक के बंधन तोड़कर , / हम नश्वर प्राणयिों को पुनरुत्थान प्रदान कयिा। / अतः हम सदा उन्हें धन्य कहते हैं।

अब और सदा और युगानुयुग। आमीन।

हे कुँवारी , तुम्हारे पुत्र ने , महाशक्तिमान ईश्वर के रूप में , अपने पुनरुत्थान द्वारा मृत्यु की सारी शक्ति को चूर -चूर कर दिया, हमें अपने साथ उठाया और जीवित कर दिया। इसलिए हम सदा और सर्वदा उसकी स्तुति करते हैं।

कातावासिया: यह प्रतीक्षित और पवित्र दिन: **और ट्रोपारियन :** मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं : **(3).**

भजन 9

हे मेरी आत्मा , आनन्द मना, / जीवन के दाता मसीह में , / जो तीसरे दिन कब्र से जी उठे।

और पहली आवाज़ इरमोस गाती है : चमक, चमक, हे नए यरूशलेम , / क्योंकि प्रभु का तेज तुझ पर उदय हुआ है ! / अब आनंद मनाओ और हर्षित होओ, हे सियोन! / और हे परमेश्वर की पवित्र माता, आनंद मनाओ / उस के पुनरुत्थान पर जिसे तुमने जन्म दिया।

तब दूसरा गायक-मंडली दूसरा छंद गाता है : स्तुति कर, हे मेरी आत्मा , / उस की जिसने स्वेच्छा से दुख भोगे , और दफनाया गया, / और तीसरे दिन कब्र से जी उठा। **और इरमोस:** चमक, चमक:

तब पहला गायक-मंडली तीसरा पुनरुक्ति -गीत गाता है : मसीह नए फसह हैं , जीवित बलिदान, परमेश्वर के मेमने , जो संसार का पाप उठा ले जाते हैं।

हे दिव्य , हे प्रिय , / हे आपके शब्दों में सबसे मधुर ! / क्योंकि आपने व्यर्थ में वादा नहीं किया / कि हे मसीह, आप युग के अंत तक हमारे साथ रहेंगे ! / हमारे आशा के लंगर के रूप में उन पर चिपके हुए , / हम, विश्वासियों , आनंदित हैं !

और दूसरा गायन-मंडली वही पुनरावृत्ति और ट्रॉपारियन गाता है।

तब पहली आवाज़ चौथा पुनरावृत्ति गाती है : दूत ने धन्य को उद्घोषित किया: 'हे पवित्र कुंवारी , आनंदित हो! और फिर मैं कहता हूँ : आनंदित हो! तेरा पुत्र तीसरे दिन कब्र से जी उठा, (और मृतकों को जिला उठा।) हे लोगों , आनंदित हो! **और ट्रॉपारियन :** हे दैवी , हे प्रियतम :

और दूसरी आवाज़ वही पुनरावृत्ति और ट्रॉपारियन गाती है।

और हम ट्रॉपारियों के साथ-साथ अन्य आठ पुनरावृत्तियों में से प्रत्येक को एक बार गाते हैं :

फिर पहली आवाज़ : सो जाने के बाद, तूने प्राचीन काल के मरे हुओं को जगाया, / एक राजसी और शक्तिशाली स्वर से , / यहूदा से उत्पन्न एक सिंह की तरह। **और ट्रोपारियन :** हे दिव्य , हे प्रिय :

दूसरे स्वर में : मरियम मग्दलीनी कब्र तक दौड़ी / और, मसीह को देखकर , / उनसे ऐसे पूछने लगी जैसे वे माली हों।

हे महान और परम पवित्र पास्का , हे मसीह! / हे बुद्धि , और परमेश्वर के वचन, और शक्ति! / अनुग्रह करें कि हम आपके राज्य के सदा-प्रकाशमान दिन में / आपसे अधिक पूर्ण रूप से एक हो सकें।

फिर पहला छंद : प्रकाश से घिरे स्वर्गदूत ने स्त्रियों से पुकारा : / 'अपना रोना बंद करो, / क्योंकि मसीह जी उठे हैं !' **और ट्रॉपारियन :** हे महान और परम पवित्र पास्का :

दूसरा स्वर : मसीह मरे हुओं पर विजय पाकर जी उठे हैं / और अपने साथ मरे हुओं को जिला उठाया है। / हे लोगों , आनंदित हो! **और ट्रोपारियन :** हे महान और परम पवित्र पास्का :

पहला स्वर : इस दिन सारी सृष्टि / आनंदित और हर्षित है , / क्योंकि मसीह जी उठे हैं और नरक पराजित हुआ है। **और ट्रोपारियन :** हे महान और परम पवित्र पास्का :

दूसरा स्वर : इस दिन प्रभु ने नरक को पराजित किया, / उन बंदियों को मुक्त किया / जिन्हें उसने आदिकाल से बंद रखा था और दृढ़ता से अपनी पकड़ में रखा था। **और ट्रॉपारियन :** हे महान और परम पवित्र पास्का :

पहला छंद : स्तुति कर, हे मेरी आत्मा , उस शक्ति की / त्रिमूर्ति में एक अविभाजित ईश्वरत्व की।

हम, विश्वासी , एक स्वर में / तुझे महिमामंडित करते हैं , हे कुँवारी : / 'हे प्रभु के द्वार , आनन्दित हो; / हे जीवित नगर, आनन्दित हो; / आनन्दित हो, क्योंकि तेरे द्वारा / इस दिन हम पर चमकी है / तेरे से उत्पन्न हुए के / मृतकों में से जी उठने की ज्योति।

दूसरा छंद : हे कुँवारी , आनन्दित हो, आनन्दित हो! / हे धन्य , आनन्दित हो, हे महिमामयी, आनन्दित हो: / क्योंकि तेरा पुत्र / तीसरे दिन कब्र से जी उठे हैं।

हे दिव्य प्रकाश के द्वार , आनंदित और हर्षित हो! / क्योंकि यीशु , कब्र में प्रवेश करने के बाद, / सूर्य से भी अधिक तेजस्वी होकर उठे / और सभी विश्वासियों को प्रकाशित किया, / हे ईश्वर से हर्षित , हे देवी !

तब दोनों मंडलियाँ एक साथ प्रतिगान गाती हैं : स्तुति कर, हे मेरी आत्मा , / जीवन दाता मसीह की, / जो तीसरे दिन कब्र से जी उठे।

और इरमोस: चमक, चमक, हे नए यरूशलेम , / क्योंकि प्रभु की महिमा तेरे ऊपर उदय हुई है ! / अब आनन्द मना और हर्षित हो, हे सियोन! / और हे परमेश्वर की पवित्र माता, आनन्द मना / उस के पुनरुत्थान पर जिसे तूने जन्म दिया।

और ट्रॉपारियन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं : **(3) और एक्टेनिया।**

एक्सापोस्टलारियन

देह में सो गए, एक नश्वर की तरह, / हे राजा और प्रभु , / तीसरे दिन पुनरुत्थित हुए , / आदम को क्षय से उठाकर मृत्यु का अंत किया। / अक्षय का पास्खा , / संसार का उद्धार ! **(3)**

'उसकी स्तुति करो' पर, रविवार का स्टिचेरा , स्वर 2

उनकी सामर्थ्य के लिए उनकी स्तुति करो, / उनकी महानता की बहुतायत के लिए उनकी स्तुति करो।

प्रत्येक जीवित प्राणी और सारी सृष्टि / तुझे महिमामय करती है , हे प्रभु ; / क्योंकि सूली पर तूने मृत्यु को समाप्त कर दिया, / मानवजाति को मृतकों में से अपने पुनरुत्थान का प्रकटीकरण करने के लिए, / मानवजाति के एकमात्र प्रेमी के रूप में।

उसकी प्रशंसा तुरहियों की ध्वनि से करो, / उसकी प्रशंसा सारंगियों और वीणाओं से करो।

यहूदी उत्तर दें : / राजा की रखवाली करने वाले सैनिकों ने उसे कैसे खो दिया? / जीवन के पत्थर को संरक्षित रखने में पत्थर क्यों विफल रहा? / या तो वे दफनाए गए को लौटा दें , / या उत्थित की उपासना करें , / हमारे साथ यह उद्घोष करते हुए : / 'तेरी दया की प्रचुरता की महिमा हो, / हमारे उद्धारकर्ता , तुझमें महिमा हो!'

ढोलक और वृत्ताकार नृत्य में उसकी स्तुति करो, / तारों वाले वाद्य और ऑर्गन पर उसकी स्तुति करो।

हे लोगों , आनन्दित हो और हर्षित हो! / कब्र के पत्थर पर बैठा स्वर्गदूत / हमें यह शुभ समाचार लेकर आया है , पुकार कर कहता है : / 'मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं , संसार के उद्धारकर्ता , / और उन्होंने सभी चीज़ों को सुगंध से भर दिया है। / हे लोगों , आनन्दित हो और हर्षित हो!'

उसकी स्तुति मधुर नगाड़ों से करो, उसकी स्तुति गूँजते नगाड़ों से करो। / जो कुछ भी श्वास लेता है , वह प्रभु की स्तुति करे !

हे प्रभु , आपके गर्भधारण से पहले , / स्वर्गदूत ने धन्य कुँवारी को 'हेल ' का अभिवादन दिया; / और आपके पुनरुत्थान पर, / स्वर्गदूत ने आपके महिमामय कब्र का पत्थर हटा दिया। / पहले ने , दुख के बजाय, / आनंद का संकेत प्रकट किया; / दूसरे ने , मृत्यु के बजाय, / हमें जीवन दाता प्रभु की घोषणा की। / इसलिए हम आपसे पुकारते हैं : / 'हे प्रभु , सभी के कल्याणकर्ता , आपको महिमा!'

और पास्का का स्टचिरा , स्वर 5

स्टचि : ईश्वर उठे / और उसके शत्रु बिखर जाएँ।

आज हम पर पवित्र पास्का प्रकट हुआ है , – नया, पवित्र पास्का , रहस्यमय पास्का , वह पास्का जो सभी द्वारा सम्मानित है। / ईस्टर – मसीह उद्धारकर्ता ; / ईस्टर , निर्दोष , / ईस्टर , महान, / ईस्टर विश्वासीओं का, / ईस्टर जिसने हमारे लिए स्वर्ग के द्वार खोले , / ईस्टर जो सभी विश्वासीओं को पवित्र करता है।

पद: जैसे धुआँ छंट जाता है , / वैसे ही वे छंट जाएँ।

दृष्टि के बाद आगे बढ़ो , हे शुभ समाचार लाने वाली स्त्रियों , / और सियोन को यह घोषणा करो: / 'हमसे मसीह के पुनरुत्थान के शुभ समाचार का आनन्द ग्रहण करो!' / हे यरूशलेम , आनन्द मनाओ, जयजयकार करो और प्रसन्न रहो, / क्योंकि तुमने मसीह राजा को, एक वर की तरह, / कब्र से निकलते हुए देखा है।

छंद : पापी परमेश्वर की उपस्थिति से नाश हों , / और धर्मी आनन्दित हों।

सुगंधित द्रव्य लिए स्त्रियाँ , भोर-भोर, / जीवन-दाता के समाधि पर आईं , / वहाँ उन्होंने पत्थर पर एक स्वर्गदूत को बैठा पाया, / और वह, उनकी ओर मुड़कर , इस प्रकार पुकार उठा: / 'तुम जीवित को मरे हुओं में क्यों ढूँढ़ती हो? / तुम अक्षय को ऐसे क्यों शोक करती हो जैसे वह क्षयशील हो? / लौट जाओ और उनके शिष्यों से कहो!'

पद: यह वह दिन है जिसे प्रभु ने बनाया है ; / आओ हम इसमें आनंदित और हर्षित हों !

हर्षोल्लासपूर्ण ईस्टर , / ईस्टर , प्रभु का ईस्टर , / सबसे पवित्र ईस्टर हम पर उदय हुआ है। / ईस्टर ! आओ हम एक-दूसरे को आनंद से गले लगाएँ। / हे ईस्टर – दुख से मुक्ति ! / क्योंकि इसी दिन, कब्र से , / एक वधू के कक्ष से जैसे प्रकाशित होकर, मसीह ने / स्त्रियों को आनंद से भर दिया, यह कहते हुए : / 'जाओ और प्रेरितों को बता दो!'

महिमा, और अब, स्वर 5: पुनरुत्थान का दिन! / और आनन्द से दीप्त हों / और एक-दूसरे को गले लगाएँ ; / कहें : 'हे भाइयो!' / और जो हमसे द्वेष रखते हैं , / - उन्हें भी क्षमा करें , पुनरुत्थान के लिए / और इस प्रकार उद्घोष करें : / 'मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं , / मृत्यु को मृत्यु से जीते हैं , / और कब्रों में पड़े हुओं को जीवन प्रदान किया है !'

तब: मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं : **तीन बार। एक्तेनिया और समापन।**

लिटिजी में

ईस्टर रविवार के समान एंटिफोन।

प्रोकेइमेनन , स्वर 8:

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है , और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं।

पद: आकाश परमेश्वर की महिमा का वर्णन करते हैं ; और उनकी क्रीड़ा आकाशमण्डल में प्रकाशित होती है। भजन संहिता 18:5, 2

पवित्र प्रेरितों के काम, अध्याय 2

उन दनिों प्रेरति जैतून पहाड़ नामक पहाड़ से यरूशलेम लौट आए, जो यरूशलेम के पास एक सब्बाथ के दनि की यात्रा की दूरी पर है। और जब वे वहाँ पहुँचे , तो वे ऊपरी कक्ष में गए, जहाँ वे ठहरे थे : पतरस और याकूब , यूहन्ना और अन्द्रयिास , फलिपि और थॉमस, बरथोलोम्यू और मत्ती , अल्फाएउस का पुत्र याकूब और सीमोन कट्टर , और याकूब का भाई यहूदा। ये सभी लगातार प्रार्थना में लगे रहते थे , कुछ महलिाओं के साथ, जनिमें यीशु की माता मरयिम और उसके भाई भी शामलि थे। और उन दनिों प्रेरतिों के बीच पतरस खड़ा हुआ और बोला (क्योंकि लगभग एक सौ बीस लोग इकट्ठे थे): 'भाइयो! यह आवश्यक था कि पवित्र आत्मा की वह भवष्यिवाणी पूरी हो, जो पवित्र आत्मा ने दाऊद के मुख से यहूदा के वषिय में कही थी—जो यीशु को पकड़ने वालों का अगुआ था—क्योंकि वह हम में गनिा गया था और इस सेवा में उसका भाग मलिा था। इसलिए यह आवश्यक है कि प्रभु यीशु के हमारे बीच रहने और सेवा करने के पूरे समय—यूहन्ना के बपतस्मिा से लेकर जसि दनि उन्हें हमारे बीच से उठा लयिा गया—में हमारे साथ रहने वालों में से एक हमारे साथ उनकी पुनरुत्थान का गवाह बने। और उन्होंने दो पुरुषों को प्रस्तुत कयिा: बरसब्स नामक यूसुफ , जसि यष्टुस भी कहा जाता था, और मत्तयिास ; और उन्होंने प्रार्थना की और कहा: 'हे प्रभु , जो सब के हृदय को जानते हो, इन दोनों में से उस एक को हमें दखिाओ जसि तूने इस सेवा और प्रेरतित्व को ग्रहण करने के लिए चुना है , जसिसे यहूदा गरि गया था, ताकि वह उसका स्थान ले सके। और उन्होंने उनके लिए पासा फेंका , और पासा मत्तयिास पर पड़ा , और वह ग्यारह प्रेरतिों में गनि लयिा गया।

प्रेरतिों के काम 1:12–17; 21–26

अल्लेलुया , स्वर 1

पद: हे प्रभु , स्वर्ग तेरे आश्चर्यकर्मों का और संतों की सभा में तेरे सत्य का प्रचार करते हैं। **पद:** हम संतों की सभा में परमेश्वर की महमिा करते हैं। भजन संहति 88:6, 8ए

यूहन्ना के अनुसार सुसमाचार , आरंभ 2

परमेश्वर को कसिी ने कभी नहीं देखा ; एकलौते पुत्र ने , जो पति की गोद में है , उसी का परचिय दयिा है। और यूहन्ना की यह गवाही है , जब यहूदयिों ने यरूशलेम से याजकों और लेवयिों को यह पूछने के लिए भेजा , 'तू कौन है ?' उसने बता दयिा और इनकार नहीं कयिा; उसने बताया, 'मैं मसीह नहीं हूँ। ' और उन्होंने उससे पूछा , 'तो फरि तुम कौन हो? क्या तुम एलयिा हो?' उसने कहा, 'नहीं। ' 'क्या तुम वह भवष्यिवक्ता हो?' उसने उत्तर दयिा, 'नहीं। ' उन्होंने उससे कहा, 'तो फरि तुम कौन हो, ताकि हम उन्हें उत्तर दे सकें जन्हिोंने हमें भेजा है : तुम अपने बारे में क्या कहते हो?' उसने कहा, 'मैं जंगल में पुकारने वाले की आवाज़ हूँ : "प्रभु का मार्ग सीधा करो", जैसा कि भवष्यिवक्ता यशायाह ने कहा था।' अब जो भेजे गए थे वे फरीसयिों में से थे ; और उन्होंने उससे पूछा , 'तू मसीह भी नहीं , इलयिाह भी नहीं , और न कोई भवष्यिद्वक्ता , तो फरि बपतस्मिा क्यों देता है ?' यूहन्ना ने उन्हें उत्तर दयिा, 'मैं पानी से बपतस्मिा देता हूँ ; परन्तु तुम्हारे यहाँ एक ऐसा है जसि तुम नहीं जानते। वही मेरे बाद आता है , परन्तु मुझसे बड़ा है। मैं उसके चप्पल का फंदा खोलने के भी योग्य नहीं हूँ। यह यॉर्डन के पास बेताबर में हुआ , जहाँ यूहन्ना बपतस्मिा दे रहा था।

यूहन्ना 1:18–28

सहभागी

मसीह की देह ग्रहण करो, / और अमरत्व के झरने का स्वाद चखो। / हल्लेलूया। (3)

वषिय-सूची पर वापस

शनचिर की संध्या को

अध्यक्षता करने वाले पुरोहति द्वारा आशीर्वाद के बाद, हम 'मसीह जी उठे हैं ' **गाते हैं : (3) और सामान्य क्रम के अनुसार नवें घंटे का पाठ करते हैं। इस दौरान, टोन 8 में रवविार का ट्रॉपारयिन और पास्का का कोंडाकयिन गाए जाते हैं।**

ईस्टर ट्रोपारयिन , स्वर 8

हे दयालु प्रभु , आप स्वर्ग से अवतरति हुए , / और तीन दनि तक कब्र में रहने की कृपा की, / ताकि आप हमें हमारे वकिारों से मुक्ति दलिा सकें , / – हे प्रभु , हमारे जीवन और पुनरुत्थान , आपको महमिा!

ईस्टर कोंडाकयिन , वही स्वर

हे अमर प्रभु , यद्यपि आप कब्र में उतर गए, / तथापि आपने नरक की शक्ति को नष्ट कयिा / और वजिेता के रूप में पुनरुत्थति हुए , हे मसीह हमारे परमेश्वर , / मुर्रा -वाहक स्त्रयिों से पुकारते हुए : 'हर्षति होओ!' / और अपने प्रेरतिों पर शांति प्रदान करते हुए , / आप जो पतितिों को पुनरुत्थान प्रदान करते हैं।

शनचिर को लघु संध्या में

प्रारंभकि उद्घोषणा 'मसीह जी उठे !' **(3) के बाद, हम परचियात्मक भजन पढ़ते हैं।**

'हे प्रभु , मैंने पुकारा है :' पर, 4 में स्टचिरा , स्वर 1
इसके समान: 'स्वर्गीय सेनाओं के :'

मानव जाति से प्रेम के कारण, मसीह ने शारीरकि पीड़ा भी सहन की, / ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने पहले सूली और एक अन्यायपूर्ण हत्या को सहा था: / वे तीसरे दनि कब्र से जी उठे , / भले ही कब्र सील की गई थी, / और, जबकि दरवाज़े बंद थे , / वे अपने शष्यिों के सामने सर्वशक्तमिान के रूप में प्रकट हुए। **(2)**

ईश्वर -मानव—वचन—का पुनरुत्थान , जो संसार को हादेस की गहराइयों से बचाता है , थॉमस के अवशि्वास की पुष्टि करता है : संपूर्ण संसार को वशि्वास दलिाने के लिए, उसने अपने जाँच -परख वाले दाहनि हाथ से नडिर होकर उनके हाथों और पैरों के घावों को छुआ।

जब एकत्रति प्रेरति भयभीत थे , / आपके दुख के कारण, / और दरवाज़े बंद थे , / आप अचानक उनके बीच प्रकट हुए , / शांति प्रदान करते हुए और थॉमस को आमंत्रति करते हुए कि वह छूए / आपके पार्श्व के पवत्रि घावों को।

महमिा, और अब, स्वर 2: हे प्रभु , तेरे पुनरुत्थान के बाद, / जब तेरे शष्यि इकट्ठे थे और दरवाज़े बंद थे , / तू उनके बीच में आ खड़ा हुआ , और उन्हें शांति प्रदान की। / और थॉमस ने भी वशि्वास कयिा, और, तेरे हाथों और तेरी पसलयिों को देखकर , / ने तुझे प्रभु और परमेश्वर के रूप में स्वीकार कयिा, / हे मानव-प्रेमी , उन लोगों का उद्धारकर्ता जो तुझ पर आशा रखते हैं।

'आनंद का प्रकाश :' और प्रोकेइमेन 'प्रभु का राज्य है :'

स्टचिरा एट द साल्तेरी , स्वर 2,
इसके समान: 'फ़रात का घर:'

पवत्रि होठों से / हे नश्वर प्राणयिों , स्वर्गदूतों के साथ मलिकर गाओ / उस प्रभु की महमिा करो जसिने तीसरे दनि कब्र से पुनरुत्थान कयिा / और स्वयं के साथ शांतिि स्थापति की।

पद: हे यरूशलेम , यहोवा की स्तुतिि करो, / हे सयिोन, अपने परमेश्वर की स्तुतिि करो। भजन संहति 147:1

हे उद्धारकर्ता , तू दरवाज़े बंद होने पर / अपने पवत्रि प्रेरतिों के पास प्रकट हुआ , / और उनके द्वारा हम में / अपनी दव्यि आत्मा का नवीनीकरण कयिा।

पद: क्योंकि उसने तुम्हारे द्वारों के बोल्टों को मजबूत कयिा है , और तुम्हारे भीतर तुम्हारे पुत्रों को आशीष दी है।

भजन संहति 147:2

अब, हे सर्व के राजा, हमने आपको अपनी आँखों से नहीं देखा , परन्तु अपने हृदय के प्रेम द्वारा परमेश्वर के रूप में आप पर वशि्वास करके , हम अपने भजनों में आपकी महमिा करते हैं।

महमिा, और अब, ठीक वैसे ही जैसे पहले

हे उद्धारकर्ता , आप अपने लोगों को शांतिि और पापों की क्षमा सर्व -पवत्रि और ईश्वर की एकमात्र माता की मध्यस्थता से प्रदान करते हैं !

ट्रोपारयिन , स्वर 7

यद्यपि कब्र मुहरबंद थी, / तू , जीवन, कब्र से प्रकट हुआ , हे मसीह हमारे परमेश्वर ; / और जब द्वार बंद थे , / तू , सभी का पुनरुत्थान , / चेलों के पास प्रकट हुआ , / और अपनी महान दया से , उनके द्वारा , हम में पवत्रि आत्मा को नया कयिा।

वशिेष लतिर्जी और समापन।

शनवािर को महा संध्यावंदन पर

प्रारंभकि उद्घोषणा के बाद, हम 'मसीह जी उठे हैं ' गाते हैं : (3)। फरि परचियात्मक भजन: 'हे मेरी आत्मा , प्रभु का धन्यवाद कर': और इसके पूरा होने पर, हम गाते हैं : 'धन्य है वह मनुष्य ': और पूरा पहला कैथस्मिा। हम 'हे प्रभु , मैंने पुकारा ' पहला स्वर में गाते हैं , और स्टचिरा 10वें स्वर में।

ईस्टर स्टचिरा , जॉन द मॉक द्वारा , स्वर 1

एकांत में इकट्ठा हुए शष्यिों के द्वारों पर / आप अचानक प्रवष्टि हुए , सर्वशक्तमिान यीशु , हमारे परमेश्वर , / और, उनके बीच में खड़े होकर और उन्हें शांतिि देकर , / आपने उन्हें पवत्रि आत्मा से भर दयिा; / और आपने उन्हें आज्ञा दी कि वे प्रतीक्षा करें और यरूशलेम से न जाएँ , / जब तक कि वे ऊपर से शक्तिि से परपूिर्ण न हो जाएँ। / इसलएि हम आपसे पुकार लगाते हैं : / 'हे प्रकाश , हे पुनरुत्थान और हे हमारी शांतिि, आपको महमिा!' (2)

एनाटोलयिा: हे प्रभु , आपके पुनरुत्थान के आठ दनि बाद, / आप अपने शष्यिों के सामने प्रकट हुए / उस स्थान पर जहाँ वे इकट्ठे थे , / और, उन्हें पुकारकर , 'तुम्हें शान्तिि मलि !', / आपने अपने हाथ और अपना परम पवत्रि पार्श्व उस अवशि्वासी शष्यि को दखिाया। /

और उसने , वशि्वास करके , तुझसे पुकारा : / 'हे मेरे प्रभु और मेरे परमेश्वर , तुझे महमिा हो!' (2)

जॉन द मॉक : थॉमस, जन्हिें जुड़वां के नाम से जाना जाता है , / उनके साथ नहीं थे जब आप, हे मसीह, / बंद दरवाजों के बीच प्रवेश कए। / इसलए उन्होंने उस बात पर वशि्वास नहीं कयि जो उन्हें बताई गई थी, / जब उनके अवशि्वास के कारण उन्होंने उनके वशि्वास को मजबूत करने का प्रयास कयि। / फरि भी हे दयालु , आपने उसे यह दखिाने से इनकार नहीं कयि / कि उसे आपका परम पवत्रि पार्श्व / और आपके हाथों तथा पैरों के घाव दखिाएँ। / उसने , छूकर और देखकर , / यह स्वीकार कयि कि आप ईश्वर हैं , परन्तु अदेह नहीं , / और मनुष्य हैं , परन्तु केवल मानव नहीं , और पुकार कर कहा: / 'हे मेरे प्रभु और मेरे ईश्वर , तुझमें महमिा हो!' (2)

जब शष्यि संदेह में थे , / आठवें दनि उद्धारकर्ता प्रकट हुए , / जहाँ वे इकट्ठे थे , / और, उन्हें शांति देने के बाद, उन्होंने थॉमस से कहा: / 'आओ, प्रेरति , उन हाथों को छूओ / जो कीलों से भेदे गए हैं। ' / हे थॉमस के अद्भुत अवशि्वास ! / उन्होंने वशि्वासयिों के हृदयों को ज्ञान की पूर्णता तक पहुँचाया , / और वस्मिय से पुकारा : / 'हे मेरे प्रभु और मेरे परमेश्वर , तुझे महमिा हो!' (2)

स्वर 2

हे प्रभु , आपके पुनरुत्थान के बाद, / जब आपके शष्यि एकत्र हुए थे और दरवाज़े बंद थे , / आप उनके बीच खड़े हुए , और उन्हें शांति प्रदान की। / थॉमस भी वशि्वास करने लगा, और, आपके हाथों और आपकी पार्श्व को देखकर , / उसने आपको प्रभु और परमेश्वर के रूप में स्वीकार कयि, / हे मानवता के प्रेमी , उन लोगों का उद्धारकर्ता जो आपसे आशा रखते हैं।

अनातोलीयस: बंद दरवाजों के पीछे शष्यिों के सामने प्रकट होकर, / यीशु ने उन पर नडिरता और शांति प्रदान की, / और फरि थॉमस से कहा: / 'तुम मुझ पर वशि्वास क्यों नहीं करते कि मैं मरे हुओं में से जी उठा हूँ ? / अपना हाथ बढ़ाकर मेरी पसलयिों में डालो, और देखो। / फरि भी, तुम्हारे अवशि्वास के कारण, सब जान जाएँगे / मेरे दुख और मेरे पुनरुत्थान को / और तुम्हारे साथ पुकारेंगे : / 'हे मेरे प्रभु और मेरे परमेश्वर , तुझे महमिा हो!'"

महमिा, और अब, स्वर 6, जॉन द मॉक द्वारा

जब दरवाज़े बंद थे , / हे मसीह, आप अपने शष्यिों के पास आए। / उस समय, थॉमस परमेश्वर की इच्छा से उनकी संगति में नहीं था। / क्योंकि उसने कहा: / 'जब तक मैं भी प्रभु को नहीं देख लेता , तब तक मैं वशि्वास नहीं करूँगा ; / जब तक मैं उस पार्श्व को न देख लूँ जसिसे बपतस्मिा का रक्त और जल बहा; / जब तक मैं उस घाव को न देख लूँ जसिसे मानव जाति का महान क्लेश चंगा हुआ ; / जब तक मैं यह न देख लूँ कि वह आत्मा के समान नहीं था, / बल्कि मांस और हड्डयिों वाला था!' / हे प्रभु , तू जसिने मृत्यु पर वजिय प्राप्त की और थोमा को वशि्वास दलिाया, तेरी महमिा हो!

प्रवेश। आनंदमय प्रकाश : **दनि का प्रोकीमेनन :** प्रभु ने राज्य कयि है :

लतिानी के लिए स्टचिैरा , स्वर 4

हे प्रभु , अपनी दवि्यता की असहनीय करिणों में / जब दरवाज़े बंद थे तब तू प्रकट हुआ , / और, अपने शष्यिों के बीच खड़ा होकर, तूने अपनी बगल दखिाई; / और अपने हाथों और पैरों पर घावों के नशिान दखिाते हुए , / उनकी कायर नराशा को दूर करते हुए , तूने स्पष्ट रूप से घोषणा की: / 'चूंकि , हे मत्रिों , तुम मुझे उसी देह में देख रहे हो जो मैंने स्वयं धारण कयि है , / मैं केवल आध्यात्मकि स्वभाव का नहीं हूँ !' / और आप संदेह में पड़े शष्यि को / भक्तपिूर्वक आपको स्पर्श करने के लिए प्रेरति करते हुए कहते हैं : / 'सभी बातों की जाँच -पड़ताल करने के बाद, अब से देखो और संदेह मत करो!' / उसने भी, अपने हाथ से आपकी

प्रकृति की द्वैतता को महसूस करते हुए, / श्रद्धा से भरा यह घोषणा की, विश्वास से प्रेरित होकर: / 'हे मेरे प्रभु और मेरे परमेश्वर, आपको महिमा हो!'

स्वर 8: मसीह कहते हैं, 'थोमा, **अपने हाथ से** मेरी भुजा को छूओ, और पास आओ, कीलों के निशान छूओ, विश्वास से परखो और मुझ पर विश्वास करो, और अविश्वासी न बनो!' / और थोमा ने जब प्रभु को अपनी उँगली से छुआ, तो ऊँचे स्वर में चिल्लाया: / 'आप मेरे ईश्वर और मेरे प्रभु हैं! / हे दयालु, महिमा आपको हो!'

महिमा, अभी भी, स्वर 8, अनातोलियस

हे उद्धारकर्ता, आप उन शिष्यों के पास आए जो इकट्ठा हुए थे / जहाँ वे एक साथ थे, / और उनके बीच खड़े होकर थॉमस से कहा: / 'आओ, बैठ जाओ और कीलों के निशान देखो; अपना हाथ बढ़ाओ और मेरी पसलियों को छूओ; और अविश्वासी न बनो, बल्कि विश्वास के साथ मेरी मृतकों में से पुनरुत्थान की घोषणा करो!'

भजन-संग्रह पर स्टिचेरा, स्वर 4

हे अद्भुत चमत्कार! / अविश्वास ने दृढ़ विश्वास को जन्म दिया। / क्योंकि थॉमस ने कहा: 'जब तक मैं न देखूँ, तब तक मैं विश्वास नहीं करूँगा!' / परन्तु उसकी देह को छूकर, वह मसीह के अवतार के बारे में बोलता है, / स्वयं परमेश्वर के पुत्र के बारे में; / उसने उसे एक ऐसे के रूप में जाना जिसने देह में दुख उठाया था, / फिर भी उसे जी उठे हुए परमेश्वर के रूप में प्रचार किया / और ऊँचे स्वर में पुकारा: / 'हे मेरे प्रभु और मेरे परमेश्वर, तुझमें महिमा हो!'

पद: हे यरूशलेम, यहोवा की स्तुति करो, / हे सियोन, अपने परमेश्वर की स्तुति करो। भजन संहिता 147:1

हे अद्भुत चमत्कार! / घास, आग के संपर्क में आने पर, अछूती रह गई: / क्योंकि थॉमस ने अपना हाथ / ईश्वर, यीशु मसीह के ज्वलंत पार्श्व में / रखने पर भी वह इस स्पर्श से नहीं झुलसा। / और इस प्रकार, उसने अपने हृदय के संदेह को / भक्तिपूर्वक विश्वास में बदल दिया / और अपने हृदय की गहराई से पुकारा: / 'आप मेरे प्रभु और मेरे परमेश्वर हैं, जो मरे हुओं में से जी उठे हैं, आपको महिमा हो!'

पद: क्योंकि उसने तुम्हारे द्वारों की पट्टियाँ मज़बूत की हैं, / और तुम्हारे भीतर तुम्हारे पुत्रों को आशीष दी है। भजन संहिता 147:2

हे अद्भुत चमत्कार! / यूहन्ना वचन की छाती से लिपट गया, / जबकि थॉमस को उसकी ओर स्पर्श करने का सौभाग्य मिला। / और देखो, एक ने उस भयानक दृश्य से, / धर्मशास्त्र की गहराइयों को उजागर किया, / जबकि दूसरे को चर्च के निर्माण के रहस्य से हमें परिचित कराने का सम्मान मिला, / क्योंकि वह स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करता है / उसके पुनरुत्थान के प्रमाण, यह घोषणा करते हुए: / 'हे मेरे प्रभु और मेरे परमेश्वर, आपको महिमा!'

महिमा, और अब, स्वर 5: महान और अतुलनीय / हैं तेरी दया की भीड़, हे मानवता के प्रियतम; / क्योंकि तू धीरजवान था, यहूदियों द्वारा कोड़े पीटा गया, प्रेरितों द्वारा छुआ गया, / और जिन्होंने तुझे अस्वीकार किया, उनके द्वारा बारीकी से परखा गया: / तू देहधारी कैसे हुआ, तू, हे निर्दोष, कैसे सूली पर चढ़ाया गया? / परन्तु हमें भी, जैसे तूने थोमा को सिखाया, तुझ से पुकारना सिखा: / 'हे मेरे प्रभु और मेरे परमेश्वर, तुझे महिमा हो!'

त्रोपारियोन, स्वर 7, तीन बार

यद्यपि कब्र सील की गई थी, / आप, जीवन, कब्र से प्रकट हुए, हे मसीह हमारे ईश्वर; / और जब द्वार बंद थे, / आप, सभी के पुनरुत्थान, / चेलों के पास प्रकट हुए, / और अपनी महान दया से उनके द्वारा हम में पवित्र आत्मा को नया करते हुए।

प्रेरित थॉमस का सप्ताह

मैटिन्स में

छठे भजन के बाद, महा एक्टेनिया और 'हे प्रभु , हे परमेश्वर ': **सप्तम स्वर में।**

ट्रोपारियन , स्वर 7, तीन बार

यद्यपि कब्र मुहरबंद थी, / आप, हे जीवन, कब्र से प्रकट हुए , हे मसीह हमारे परमेश्वर ; / और, जब द्वार बंद थे , / आप, सभी के पुनरुत्थान , / चेलों के पास प्रकट हुए , / और उन के द्वारा हम में पवित्र आत्मा को अपनी महान दया से नया किया।

पहले स्टिचेरा के बाद, सेडेलन , स्वर 1

जब शिष्य यहूदियों के भय से छिप रहे थे / और सियोन पर एकत्र हुए थे , / तब आप, हे परम-सत्पुरुष , उनके बीच प्रकट हुए ; / और, दरवाज़े बंद होने के बावजूद , उनके बीच खड़े हुए , उन्हें आनंद देते हुए , / और उन्हें अपने परम पवित्र हाथों और पार्श्व में घाव दिखाए, / अविश्वासी शिष्य से कहते हुए : / 'अपना हाथ बढ़ाओ और देखो / कि मैं स्वयं ही हूँ , जिसने तुम्हारे लिए दुख उठाया!'

महिमा, और अब: हम वही दोहराते हैं। और उत्सव का पाठ।

सेडेलन के दूसरे स्टिचेरा के बाद, स्वर 1

हे जीवन, तू अपने शिष्यों के पास बंद दरवाजों के पीछे प्रकट हुआ / और उन्हें अपनी पार्श्व , अपने हाथ, / और अपने पैर दिखाए, हे मसीह, / कब्र से अपने पुनरुत्थान की पुष्टि करते हुए। / पर थॉमस उस समय वहाँ नहीं था, क्योंकि उसने कहा था: / 'जब तक मैं उसे न देखूँ , / मैं तुम्हारी बातों पर विश्वास नहीं करूँगा !'

महिमा, और अब: हम वही दोहराते हैं। और पर्व के लिए पाठ।

स्तुतिगान

हम तुझे महिमान्विति करते हैं , हे जीवन-दाता हे मसीह, जो हमारे लिए अधोलोक में उतर आए और हमें सभी को अपने साथ उठा लिया।

चुना हुआ भजन

1 कोरस: प्रभु ने सिंहासन पर अपना स्थान ग्रहण किया है ; उन्होंने वैभव का वस्त्र धारण किया है। 2 प्रभु ने सामर्थ्य का वस्त्र पहना है ; उन्होंने स्वयं को शक्ति से सुसज्जित किया है। 1 क्योंकि उन्होंने संसार को स्थापित किया है , और वह हिलने वाला नहीं है। 2 प्रभु की सामर्थ्य का वर्णन कौन कर सकता है , या उसकी सभी स्तुतियों को प्रकट कर सकता है ? 1 वे प्रभु की दया और मनुष्यों के बीच उसकी अद्भुत कृत्यों की घोषणा करें। 2 और आपने हमें अंधकार और मृत्यु की छाया से बाहर निकाला है। 1 क्योंकि उसने काँसे के द्वार तोड़ डाले और लोहे की सलाखें भंग कर दीं। 2 और उसने उन्हें उनके अधर्म से छुड़ाया और उनके बंधन फाड़ डाले। 1 क्योंकि प्रभु ने दरिद्रों की पुकार सुनी है। 2 और उसने अपने बंदियों को तुच्छ नहीं जाना। 1 और प्रभु , जैसे कोई सोया हुआ , जाग उठा और अपने शत्रुओं को मार गिराया। 2 देखो , प्रभु की दृष्टि उन पर है जो उसकी दया में आशा रखते हैं। 1 बंदियों की कराह सुनने के लिए। 2 मारे गए लोगों के बच्चों को मुक्त करने के लिए। 1 परमेश् वर उठे , और उसके शत्रु बिखर जाएँ ; जो उससे बैर रखते हैं , वे उसकी उपस्थिति से भाग जाएँ। 2 यह वह दिन है जिसे यहोवा ने बनाया है ; हम इस में आनन्द करें और प्रसन्न रहें। 1 हे यहोवा मेरे परमेश् वर , उठ! तेरा हाथ ऊँचा किया जाए; तू अपने दीनों को सदा के लिए न भूल। 2 हे प्रभु , हे मेरे परमेश्वर , मैं सदा तक तेरी स्तुति करूँगा।

भजन संहिता 92:1क, 1ख, 1ग; 105:2; 106:15; 106:14; 106:16, 20, 14; 68:34; 77:65–66; 32:18; 101:21; 67:2; 117:24; 9:33; 29:13

महिमा, और अब: हलेलुया (3)।

पॉलीएलेओस पर, सेडेलन , स्वर 1

'मेरी देह में और कीलों के घावों को देखकर , / हे थोमा, तू मेरे पुनरुत्थान पर वशि्वास क्यों नहीं करता?' – / पुकारे प्रभु , कब्र से उठे / और अपार तरीके से प्रेरितों के सामने प्रकट हुए। / पर जुड़वाँ ने , वशि्वास करके , सृष्टकिर्ता से पुकारा : / 'तू मेरा ईश्वर और मेरा प्रभु है !'

महमिा, और अब: **हम वही दोहराते हैं। और पर्व के लिए पाठ।**

ग्रेजुअल्स। चौथे स्वर की पहली प्रतध्विनि

मेरी जवानी से / कई वासनाओं ने मुझ पर युद्ध छेड़ा है ; / पर रक्षा / और मुझे बचा, हे मेरे उद्धारकर्ता।

जो सयिोन से बैर रखते हो, वे प्रभु के सामने लज्जति हों : / क्योंकि तुम आग में जलकर / घास की नाईं भस्म हो जाओगे।

महमिा: प्रत्येक आत्मा पवत्रि आत्मा से जीवंत होती है / और शुद्धकिरण द्वारा उन्नत होती है , / और त्रमिूर्ति की एकता द्वारा पवत्रि रहस्य में प्रकाशति होती है।

और अब: **और हम वही दोहराते हैं।**

प्रोकेइमेनोन , स्वर 4

हे यरूशलेम , यहोवा की स्तुति करो, / हे सयिोन, अपने परमेश्वर की स्तुति करो। **पद:** क्योंकि उसने तुम्हारे द्वारों की पट्टयिाँ दृढ़ की हैं। भजन संहति 147:1, 2A

पहला रवविार का सुसमाचार , मत्ती से , आरंभ 116

उन दनिों ग्यारह चेलों ने गलील में उस पहाड़ पर गए, जहाँ यीशु ने उन्हें जाने के लिए कहा था; और जब उन्होंने उसे देखा , तो उन्होंने उसकी आराधना की, यद्यपि कुछ लोग संदेह करते थे। तब यीशु उनके पास आकर कहने लगा: 'स्वर्ग और पृथ्वी पर मुझे सब अधकिार दयिा गया है। इसलयि जाओ, और सब जातयिों के शष्यि बनाओ, उन्हें पति, पुत्र और पवत्रि आत्मा के नाम से बपतस्मिा दो, और उन्हें यह सखिाओ कि जो कुछ मैं ने तुम से आज्ञा दी है , सब का पालन करें। और देखो , मैं युग के अन्त तक सदा तुम्हारे संग हूँ। आमीन।

मत्ती 28:16–20

रवविार का भजन

मसीह के पुनरुत्थान को देखकर , / हम पवत्रि प्रभु यीशु की आराधना करें , / जो एकमात्र पापरहति हैं। / हे मसीह, हम तेरे क्रूस की आराधना करते हैं , / और हम तेरे पवत्रि पुनरुत्थान का गान और महमिा करते हैं , / क्योंकि तू ही हमारा परमेश्वर है , / हम तुझसे सवि और कसिी को नहीं जानते , / हम तेरे नाम का आह्वान करते हैं। / आओ, हे सभी वशि्वासयिों , / हम मसीह के पवत्रि पुनरुत्थान की आराधना करें , / क्योंकि देखो , क्रूस के द्वारा / संपूर्ण जगत में आनंद आया है। / सदैव प्रभु का धन्यवाद करते हुए , / हम उनके पुनरुत्थान का गीत गाते हैं , / क्योंकि उन्होंने , सूली पर चढ़ाए जाने को सहते हुए , / मृत्यु को मृत्यु से कुचल डाला है। (3)

भजन संहति 50. सुसमाचार का चुंबन।

महमिा: प्रेरितों की प्रार्थनाओं के द्वारा , हे दयालु , हमारे पापों की भीड़ को मटिा दो।

और अब: परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा , हे दयालु , हमारे पापों की भीड़ को मिटा दो।

फरि, स्वर 6: हे परमेश्वर , अपनी महान दया के अनुसार मुझ पर दया करें , और अपनी अनुग्रहों की बहुतायत के अनुसार मेरे अधर्म को मिटा दें।

और स्टचिरा : यीशु कब्र से जी उठे हैं , / जैसा उन्होंने पूर्व में बताया था, / हमें अनंत जीवन / और महान दया प्रदान करते हुए।

और प्रार्थना : हे ईश्वर , अपने लोगों को बचा:

महोदय जॉन द्वारा रचित पर्व का कैनन। स्वर 1। इरमोस – दो बार, और 12 ट्रोपारिया। काटावाशिया: पुनरुत्थान का दिन:

जॉन द मॉक का कैनन , स्वर 1

गीत 1

इरमोस: हे सभी लोगों , हम उसको गीत गाएँ , / जिसने इस्राएल को / फिरौन के कड़वे बंधन से छुड़ाया , / और उन्हें समुद्र की गहराइयों से / बिना भीगे पैरों के पार ले गया, / एक विजय गीत गाएँ , क्योंकि वह महिमामय हुआ है।

आज हमारी आत्माओं के लिए वसंत है , / क्योंकि मसीह, कब्र से उठकर, / तीसरे दिन सूर्य की भाँति चमके , / और हमारे पाप के उदास सर्दियों को दूर भगा दिया। / हम उनकी स्तुति करें , क्योंकि वह महिमामय हुआ है।

वसंत , जो ऋतुओं की रानी है , / पुनरुत्थान के प्रकाशमय दिन / और सभी दिनों के राजा के / तेजस्वी अनुचर दल के समान, / कलीसिया के चुने हुए लोगों को हर्षित करती है , / जो अनवरत रूप से जी उठे मसीह का गीत गाते हैं।

हे मसीह, न तो मृत्यु के द्वार , / न कब्र की मुहरें , / न ही दरवाजों के ताले आपका सामना कर सके ; / परन्तु , जी उठने के बाद, हे प्रभु , आप अपने मित्रों के पास प्रकट हुए , / और वह शान्ति प्रदान की जो सब समझ से परे है।

कातावासिया: पुनरुत्थान का दिन! हे लोगों , आनन्द मनाओ! / पास्का ! प्रभु का पास्का ! / क्योंकि मृत्यु से जीवन में और पृथ्वी से स्वर्ग में / मसीह ईश्वर ने हमें लाया है , / जब हम विजय का गीत गाते हैं।

भजन 3

इरमोस: हे मसीह, मुझे / अपने आज्ञाओं की (अटूट) चट्टान पर स्थिर कर / और मुझे अपने मुख के प्रकाश से प्रबुद्ध कर: / क्योंकि मानवजाति के प्रेमी , / तुझ सिवाय कोई इतना पवित्र नहीं है।

हे मसीह, अपने क्रूस के द्वारा , हमें पुराने के बदले नया, और नाशवान के बदले अमर बनाकर, आपने हमें योग्य रीति से आज्ञा दी है कि हम एक नये जीवन में जिएँ।

अपने सीमित शरीर द्वारा कब्र में बंद होकर, / तुम पुनर्जीवित हुए , असीम मसीह, / और दरवाजे बंद होने पर / तुम अपने चेलों के पास प्रकट हुए , सर्वशक्तिमान।

हे मसीह, तेरे घाव, जो तूने हमारे लिए स्वेच्छा से सहन किए, उन्हें अपने शिष्यों के लिए सुरक्षित रखकर, तूने उन्हें अपने गौरवशाली पुनरुत्थान की गवाही के रूप में दिखाया।

कातावासिया: आओ, हम नया पेय पीएं , / वह नहीं जो चमत्कारिक रूप से एक बाँझ चट्टान से निकला, / बल्कि अमरत्व का फव्वारा , / जो मसीह के कब्र से प्रवाहित हुआ , / जिसमें हम स्थापित हैं।

प्रेरति थॉमस का सप्ताह

इपाकोई, स्वर 6

जसि प्रकार आप अपने शष्यिों के बीच प्रकट हुए , हे उद्धारकर्ता , उन्हें शान्ति प्रदान करते हुए , उसी प्रकार हमारे पास भी आओ और हमें बचाओ।

भजन 4

इरमोस: महान है रहस्य / हे मसीह, तेरे घर का! / और देखो , इसे उच्च से नहिारते हुए , / दव्यि चतिन में , हबक्कूक ने तुझसे पुकारा : / 'हे मानव-प्रेमी ! तू अपने लोगों के उद्धार के लिए नकिल पड़ा है। '

मसीह ने पत्ति का स्वाद चखा, / प्राचीन पापी स्वाद को चंगा करते हुए , / परन्तु अब— छत्ते में मधु , / पूर्वज पर ज्ञान प्रदान करते हुए , / और स्वयं के साथ मधुर संगति।

जब परखा जाना जाता है तो आप प्रसन्न होते हैं ; / अतः , हे मानव-प्रेमी , / आप थॉमस को ऐसा करने के लिए प्रेरति करते हैं , / अवशि्वासी को अपनी पार्श्वकिा दखिाकर, / और संसार के लिए, पुष्टि करते हुए / हे मसीह, तीसरे दनि अपने पुनरुत्थान की।

अक्षय कोष से / संपदा नकिालकर— / हे दयानधि , जसि भाले से तेरा दव्यि पार्श्व भेदा गया, / जुड़वां संसार को / ज्ञान और बुद्धि से भर देता है।

हे जुड़वा , तेरी धन्य जीभ की स्तुति की जाती है : क्योंकि वह सबसे पहले भक्तपिूर्वक यीशु , जीवन दाता, को परमेश्वर और प्रभु दोनों के रूप में घोषति करने वाली थी, उसे स्वयं के संपर्क से अनुग्रह से भर दयिा गया था।

कातावासयिा: दव्यि रक्षक , धर्मशास्त्री हबक्कुक , हमारे साथ खड़े हों / और प्रकाश - धारण करने वाले देवदूत को प्रकट करें , / जो स्पष्ट रूप से उद्घोषणा करता है : / 'आज – संसार के लिए उद्धार , / क्योंकि मसीह सर्वशक्तमिान के रूप में पुनरुत्थति हुए हैं '।

भजन 5

इरमोस: रात से भोर तक / हम तेरी महमिा गाते हैं , हे मसीह, / जो पति के सह-शाश्वत और हमारी आत्माओं के उद्धारकर्ता हैं : / हे मानवता के प्रेमी ! संसार को शांति प्रदान कर।

अपने हताश मत्रिों के सामने प्रकट होकर, उद्धारकर्ता ने अपनी उपस्थति से सारी नराशिा को दूर कर दयिा और उन्हें अपने पुनरुत्थान में आनन्दति होने के लिए प्रेरति कयिा।

हे थॉमस, तेरा कार्य वाकई प्रशंसनीय और भयानक है : क्योंकि उसने नडिर होकर तेरी पार्श्व को छुआ , जो दव्यि अग्नि से दमक रहा था।

हे मसीह, आपने थोमा के अवशि्वास को प्रकट कयिा, / जो हममें वशि्वास को जन्म देता है : / क्योंकि सभी बातों में , अपनी बुद्धि से , / हे मानव-प्रेमी , आप हमारे भले के लिए कार्य करते हैं।

कातावासयिा: हम भोर से ही पहरा देंगे / और, अंधकार के बदले , प्रभु को एक स्तुति -गीत अर्पति करेंगे , / और हम मसीह को देखेंगे – धार्मकिता का सूर्य , / जो सभी को जीवन का प्रकाश प्रदान करता है।

स्तोत्र 6

इरमोस: हे मानवता के प्रेमी , आपने नबी को व्हेल से बचाया, / और मैं आपसे वनिती करता हूँ , मुझे भी / मेरे पापों की गहराइयों से ऊपर उठाएँ।

हे प्रभु , आपने थोमा को अवशि्वास की गहराइयों में डूबने के लिए नहीं छोड़ा , / बल्कि परीक्षा के रूप में अपनी बाहें उसकी ओर बढ़ाईं।

हमारे उद्धारकर्ता ने उद्घोषति कयि: / 'मुझे छूओ और मुझे देखो , / मेरे पास मांस और हड्डयिाँ हैं ; / मैं नहीं बदला हूँ !'

थोमा ने तेरी पसलयिों को छुआ और वशि्वास करके ज्ञान प्राप्त कयि, यद्यपि वह तेरे प्रथम आगमन पर उपस्थति नहीं था, हे हमारे उद्धारकर्ता।

कातावासयि: तू पृथ्वी के सबसे गहरे भागों में उतर आया / और उन शाश्वत बंधनों को तोड़ दयि / जन्हिोंने कैदयिों को बेड़यिों में जकड़ रखा था, हे मसीह, / और तीसरे दनि, जैसे व्हेल से , हे योना, / तू कब्र से उठ आया।

कॉन्टाकयिन , स्वर 8

एक जज्ञिासु हाथ से , / थॉमस, हमारे ईश्वर मसीह, ने आपके जीवन-दायक पार्श्व को छुआ ; / और फरि, जब आप दरवाज़े बंद होने पर भी अंदर आए, / तो उसने और अन्य प्रेरतिों ने आपसे पुकारा : / 'आप मेरे प्रभु और मेरे ईश्वर हैं !'

इकोस: तो फरि शष्यि का हाथ जलने से कसिने बचाया, / जब वह प्रभु की अग्नमिय पसलयिों के पास गया? / कसिने उसमें वह साहस दयि / कि वह जलती हुई हड्डी को छू सके ? / नश्चिय ही, स्वयं मसीह ने ! / क्योंकि यदि पसली ने उस दुर्बल दाहनि हाथ को शक्ति न दी होती, / तो वह उसको कैसे छू सकता था / जो दुःखों से कम्पति होकर, स्वर्ग और पृथ्वी दोनों से परे है ? / थॉमस को ऐसी कृपा दी गई, / कि वह उसे छूकर मसीह को घोषति कर सके : / 'आप मेरे प्रभु और मेरे परमेश्वर हैं !'

सनिैक्सारयिन।

गीत 7

इरमोस: जब संगीत , सामंजस्य में गूँजते हुए , सुनहरे प्रतमिा की सेवा कर रहा था, राष्ट्रों को बुलाते हुए , / दाऊद के बच्चे , अपने पूर्वजों की शैली में सयिोन के गीत गाते हुए , / ने तानाशाह के दुष्ट फरमान को उलट दयि / और आग को ओस में बदल दयि, यह भजन गाते हुए : / 'हमारे पूर्वजों और हमारे ईश्वर , आप परम-महान हैं , / धन्य हैं आप!'

दनिों में प्रथम और सबसे गौरवशाली / यह प्रकाश -धारण करने वाला दनि आता है , / जसि पर नए और दैवीय लोगों के लिए / श्रद्धा के साथ आनंद मनाना उचति है ; / क्योंकि यह अपने भीतर आने वाले युग की छवि धारण करता है , / एक अष्टक के चरमोत्कर्ष के रूप में। / हमारे पूर्वजों और हमारे ईश्वर , परम-उन्नत हे ईश्वर , / धन्य हैं आप!

केवल वही, जसिने साहस दखिाया / और, अपने संशयपूर्ण वशि्वास के द्वारा , / हम पर अनुग्रह कयि, थोमा जुड़वा , / पृथ्वी के सभी छोरों के / उदास अज्ञान को वशि्वासपूर्ण संशयवाद से दूर करता है , / और अपने लिए एक मुकुट बुनते हुए , स्पष्ट रूप से उद्घोषणा करता है : / 'हे प्रभु , हमारे पूर्वजों के परमेश्वर , सर्वोच्च , धन्य हैं आप!'

यह व्यर्थ नहीं था कि थॉमस ने आपके पुनरुत्थान पर संदेह कयि, / न ही उसे अलग कर दयि गया; / बल्कि उसने इसे संदेह से परे साबति करने का प्रयास कयि, / हे मसीह, सभी राष्ट्रों के लिए। / इस प्रकार , अपनी ही अवशि्वास से सभी को वशि्वास दलिाकर, / उसने उन्हें यह घोषणा करना सखिाया: / 'आप प्रभु हैं , जो पतिरों द्वारा प्रशंसति और हमारे ईश्वर हैं , / धन्य हैं आप!'

हे मसीह, आपकी जीवन-दायक पार्श्व पर / डरते -डरते अपना हाथ रखकर, / थॉमस ने भय के साथ अनुभव कयि / दो स्वभावों की दोहरी क्रयिा को, / जो आप में , हे उद्धारकर्ता , बनिा कसिी भ्रम के एक हुए हैं , / और वशि्वास के साथ पुकार उठा, कहता हुआ : / 'आप प्रभु हैं , हमारे पूर्वजों द्वारा महमिामंडति और हमारे ईश्वर हैं , / धन्य हैं आप!'

कातावाशयि: जसिने युवकों को भट्टी से बचाया, / मानव बनकर, / एक नश्वर के रूप में पीड़ा सहता है , / और अपनी पीड़ा के द्वारा / नश्वरता को अमरत्व की सुंदरता से परधिानति करता है , / वही धन्य / हमारे पूर्वजों का परमेश्वर और अतमिहमिामय है।

गीत 8

इरमोस: उसको स्तुति गाओ, जसिने बच्चों को भट्टी की आग की लपटों में सुरक्षति रखा और स्वर्गदूत के रूप में उन तक उतरा; और प्रभु की स्तुति करो, और उसे युगानुयुग महमिामय करो!

तेरा आनंदमय मुख दर्शन करने की इच्छा से , / थॉमस ने पहले वशि्वास नहीं कयि; / परन्तु , इसके योग्य ठहराए जाने पर, / उसने तुझे परमेश्वर और प्रभु कहा, हे स्वामी , / जसिकी हम सदा-सदा स्तुति करते हैं।

थोमा, जो अवशि्वास से ग्रस्त था, / और जसिे आपने अपनी पार्श्वकिा दखिाई, / और जसिकी पार्श्वकिा को उसके ही हाथ से सावधानीपूर्वक परखा गया, / उसका गायन करो और उसे सदा-सदा तक ऊँचा करो।

तेरा अद्भुत छपिा हुआ खज़ाना / हमें थॉमस के द्वारा प्रकट हुआ : / क्योंकि , धर्मात्माओं की भाषा में ईश्वर की बात करते हुए , / उसने घोषणा की, 'मसीह की स्तुति करो,' / 'और उसे युगानुयुग ऊँचा करो!'

कातावासयि: यह प्रतीक्षति और पवत्रि दनि, / सप्तक के बाद का पहला, राजसी और सर्वोच्च , / उत्सवों का उत्सव / और जश्न का जश्न है। / इस दनि हम मसीह को सदा के लिए धन्यवाद देते हैं !

नवें ओड के लिए, हम 'उच्चतम सम्मान ' नहीं बल्कि इरमोस गाते हैं।

ओड 9

इरमोस: हम आपको अपने भजनों में महमिामंडति करते हैं , हे तेजस्वी दीपक और परमेश्वर की माता, अद्भुत महमिा, और सभी सृष्टि में सर्वोच्च।

हे मसीह, हम अपने भजनों में तेरे उस दव्यि दनि की, जो तेरा प्रकाशमान और सर्वाधकि उज्ज्वल , सर्व -प्रकाशमान अनुग्रह है , स्तुति करते हैं , जसिमें तू सौंदर्य से खलिकर अपने शष्यिों के समक्ष प्रकट हुआ।

हम अपने भजनों में तेरा गुणगान करते हैं , / हे उस, जसिे एक नश्वर हाथ ने / पार्श्व में छुआ , / फरि भी वह तेरे अदेह दव्यि स्वभाव की अग्नि से / जल नहीं उठा।

हम तुझे महमिा देते हैं , हे मसीह, जो परमेश्वर के रूप में कब्र से जी उठे , / हमने तुझे अपनी आँखों से नहीं देखा , / परन्तु अपने हृदयों के प्रेम द्वारा वशि्वास कयि है , / अपने भजनों के साथ।

कातावासयि: चमक, चमक, हे नए यरूशलेम , / क्योंकि प्रभु का तेज तुझ पर उदय हुआ है ! / अब आनन्दति हो और हर्षति हो, हे सयिोन! / और हे परमेश्वर की पवत्रि माता, आनन्दति हो / उस के पुनरुत्थान पर जसिे तूने जन्म दयि।

फरि: पवत्रि है प्रभु , हमारा परमेश्वर : **तीन बार स्वर 1 में।**

एक्सापोस्टलिारयिन , स्वर 1

मेरे शरीर पर घावों को / अपने हाथ से छूकर , / हे थोमा, मुझ पर अवशि्वासी न बन, / जसिने ये घाव तेरे ही लिए उठाए; / अन्य चेलों के साथ एकमत हो जा / और जीवते ईश्वर का प्रचार कर। **(2)**

महमिा, और अब: इस दनि, वसंत अपनी सुगंध से वायु को भर देता है , / और नई सृष्टि हर्षति होती है। / इस दनि, द्वारों और अवशि्वास की बेड़यिाँ हट जाती हैं , / जब थॉमस, मसीह का मत्रि , पुकारता है : / 'मेरे प्रभु और मेरे ईश्वर !'

'स्तुति ' पर: चौथे स्वर में स्टचिरा , स्वर 1

तेरे भव्य / कब्र से उठने के बाद, हे जीवन दाता, / तू , हे मसीह, जैसे कब्र की मुहरों को नहीं तोड़ा , / वैसे ही तू , जब दरवाज़े बंद थे , अपने अतमिहमिामय प्रेरतिों के पास प्रवेश कयिा, / उन्हें आनंद से भरते हुए , / और उन पर अपनी पवत्रि आत्मा की कृपा की, / अपनी असीम दया के द्वारा । (2)

थोमा, जन्हिें जुड़वां के नाम से भी जाना जाता है , उस घर में नहीं थे / जब आप, हे प्रभु , अपने शष्यिों के सामने प्रकट हुए। / इसलएि, उन्होंने आपके पुनरुत्थान पर वशि्वास नहीं कयिा / और जन्होंने आपको देखा था, उनसे घोषणा की: / 'जब तक मैं अपनी उंगली उसकी पसली में और कीलों के नशिानों में नहीं डाल लेता , / तब तक मैं यह वशि्वास नहीं करूँगा कि वह जी उठा है !'

'जैसा तू चाहता है , वैसा मान,' – / मसीह ने थोमा से पुकारा , – / 'अपना हाथ यहाँ डाल, और मुझे देख , / कि मैं हड्डयिों और मट्टिी के शरीर वाला हूँ , / और अवशि्वासी न बन, / बल्कि वशि्वास कर, जैसे अन्य लोग!' / और उसने पुकारा : 'आप मेरे ईश्वर और मेरे प्रभु हैं , / आपकी पुनरुत्थान को महमिा हो!'

महमिा, स्वर 6: आपके पुनरुत्थान के आठ दनि बाद, / राजा यीशु , पति के एकमात्र पुत्र वचन, / आप बंद दरवाजों के पीछे अपने शष्यिों के पास प्रकट हुए , / अपनी शांति प्रदान करते हुए , / और अवशि्वासी शष्यि को अपने घावों के नशिान दखिाए: / 'आओ और मेरे हाथों और मेरे पैरों को छूओ , / और मेरे अक्षय पार्श्व को!' / और उसने , वशि्वास करके , तुमसे पुकारा : / 'हे मेरे प्रभु और मेरे ईश्वर , महमिा तुम्हें !'

और अब, स्वर 2: धन्यतम हो तुम , हे ईश्वर की कुँवारी माता:

महान स्तुति -गीत और समापन।

लथि्जी में

चत्रि -संबंधी ; धन्य : कैनन से , छंद 3 और 6, स्वर 8 में।

द्रोपारयिन , स्वर 7

यद्यकि कब्र मुहरबंद थी, / हे ख्रीस्त परमेश्वर , जीवन स्वरूप , तू कब्र से प्रकाशति हुआ ; / और यद्यकि द्वार बन्द थे , / हे सर्व के पुनरुत्थान , तू शष्यिों के समक्ष प्रकट हुआ , / अपनी महान दया से उनके द्वारा हममें पवत्रि आत्मा को नवजीवति करते हुए।

महमिा, और अब, कोंटाकयिन , स्वर 8

एक जज्ञिासु हाथ से / थोमा, हे मसीह हमारे परमेश्वर , ने आपके जीवन-दायी पार्श्व को छुआ ; / और जब आप बंद दरवाजों से होकर आए, / तो उसने और अन्य प्रेरतिों ने आपसे पुकारा : / 'आप मेरे प्रभु और मेरे परमेश्वर हैं !'

ट्रसिैगयिन।

प्रोकेइमेनन , स्वर 3

महान है हमारा परमेश्वर , और महान है उसकी शक्ति , / और उसकी बुद्धि माप से परे है।
श्लोक : परमेश्वर की स्तुति करो, क्योंकि भजन गाना भला है ; हमारे परमेश्वर की स्तुति मधुर हो। भजन संहिता 146:5, 1

पवित्र प्रेरितों के काम, आरंभ 14

उन दिनों प्रेरितों के हाथों से लोगों के बीच बहुत से चिन्ह और अद्भुत काम हुए ; और वे सब सोलोमन के बरामदे में एक साथ रहे। कोई भी बाहरी व्यक्ति उनके साथ जुड़ने की हिम्मत नहीं करता था, परन्तु लोग उन्हें बहुत आदर की दृष्टि से देखते थे। प्रभु के अनुयायियों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही थी—बहुत से पुरुष और महिलाएँ —इतनी कि बीमारों को सड़कों पर ले जाया जाता और बिस्तरों तथा चटाइयों पर लिटा दिया जाता था, इस आशा में कि कम से कम पतरस की छाया गुज़रते समय उन पर पड़ जाए। आसपास के कई नगरों से भी बहुत से लोग बीमारों और दुष्टात्माओं से ग्रस्त लोगों को लेकर आए, और उन सब को चंगा किया गया। परन्तु महायाजक और सदूकी दल के सब लोग ईर्ष्या से भर गए; उन्होंने प्रेरितों को पकड़कर सार्वजनिक जेल में डाल दिया। परन्तु प्रभु का एक स्वर्गदूत रात को जेल के द्वार खोलकर उन्हें बाहर ले आया, और कहा, 'जाओ, मंदिर में खड़े हो जाओ और इन सब जीवन के वचनों को लोगों से कहो।'

प्रेरितों के काम 5:12–20

अल्लेलूया , स्वर 8

पद: आओ, हम प्रभु में आनन्द मनाएँ ; हम अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के लिए जयजयकार करें। **पद:** क्योंकि प्रभु महान परमेश्वर हैं , और सारी पृथ्वी पर एक महान राजा हैं। भजन संहिता 94:1, 3

यूहन्ना के अनुसार सुसमाचार , आरंभ 65A

हफ्ते के उस पहले दिन की शाम को, जब यहूदियों के डर से उनके चेलों के इकट्ठा होने वाले घर के दरवाज़े बंद थे , यीशु आए और उनके बीच में खड़े हो गए और उनसे कहा, 'तुम्हें शान्ति मिले !' यह कहकर, उन्होंने उन्हें अपने हाथ और अपने पाँव और अपनी पसली दिखाई। प्रभु को देखकर चेले आनन्दित हुए। यीशु ने दूसरी बार उनसे कहा, 'तुम्हें शान्ति मिले ! जैसे पिता ने मुझे भेजा है , वैसे ही मैं भी तुम्हें भेजता हूँ। ' यह कहकर, उन्होंने उन पर श्वास फूँकी और उनसे कहा, 'पवित्र आत्मा ग्रहण करो। जिनके पाप तुम क्षमा करोगे , वे क्षमा किए हुए हैं ; और जिनके पाप तुम रखोगे , वे रखे हुए हैं। ' अब बारहों में से एक, जिसे जुड़वां कहा जाता है , थॉमस, तब उनके साथ नहीं था जब यीशु आए थे। दूसरे चेलों ने उससे कहा, 'हमने प्रभु को देखा है। ' पर उसने उनसे कहा, 'जब तक मैं उसके हाथों में कीलों के निशान नहीं देख लेता और अपना हाथ उन निशानों में नहीं डाल देता , और अपना हाथ उसकी पसलियों में नहीं डाल देता , तब तक मैं विश्वास नहीं करूँगा। ' आठ दिन बाद, उसके चेलों को फिर से घर में इकट्ठा हुआ , और थोमा भी उनके साथ था। यीशु आए, यद्यपि दरवाजे बंद थे , उनके बीच में आकर खड़े हुए और कहा, 'तुम्हें शान्ति मिले !' तब उसने थॉमस से कहा, 'अपनी उंगली यहाँ ला और मेरे हाथ देख ; अपना हाथ बढ़ाकर मेरी पसलियों में डाल; और अविश्वासी नहीं बन, बल्कि विश्वास कर।' थॉमस ने उसे उत्तर दिया, 'मेरे प्रभु और मेरे परमेश्वर !' यीशु ने उससे कहा, 'क्या तू इसलिए विश्वास करता है क्योंकि तूने मुझे देखा है ? धन्य हैं वे जो बिना देखे विश्वास करते हैं। ' यीशु ने अपने चेलों के सामने और भी बहुत से चिन्ह दिखाए, जो इस पुस्तक में लिखे नहीं हैं। परन्तु ये इसलिये लिखे गए हैं ,

कि तुम वशि्वास करो कि यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है , और यह कि वशि्वास करने से तुम्हें उसके नाम पर जीवन मलि।

यूहन्ना 20:19–31

'उचति है ' के बजाय

देवदूत ने धन्य कन्या को घोषति किया: / 'हे पवत्रि कन्या , आनन्दति हो! / और मैं फरि से कहता हूँ : आनन्दति हो! / तुम्हारे पुत्र तीसरे दनि कब्र से उठे , / (और मृतकों को जलिा उठा।' / हे लोगों , आनन्दति हो!)

और इरमोस, स्वर 1: चमक, चमक, हे नए यरूशलेम , / क्योंकि प्रभु की महमिा तुझ पर उदय हुई है ! / अब आनन्द कर और हर्षति हो, हे सयिोन! / और हे परमेश्वर की पवत्रि माता, आनन्द कर / उस के पुनरुत्थान में जसिे तूने जन्म दयिा।

कॉम्युनयिन भजन

हे यरूशलेम , यहोवा की स्तुति करो, / हे सयिोन, अपने परमेश्वर की स्तुति करो। / आल्लेलुया। (3)

भजन संहति 147:1

एंटपिास्का के रवविार को संध्या समय

नवें घण्टे के बाद, हम काथस्मिा के बनिा vesper गाते हैं।

'हे प्रभु , मैंने पुकारा :' पर हम पर्व के स्टचिरा , स्वर 1, गाते हैं।

तेरे भयानक / कब्र से उठने के बाद, हे जीवन दाता, / तू , हे मसीह, जैसे तूने कब्र की मुहरें नहीं तोड़ीं , / वैसे ही तू , जब दरवाजे बंद थे , अपने महमिामय प्रेरतिों के पास प्रवेश कयिा, / उन्हें आनंद से भरते हुए , / और उन पर अपनी पवत्रि आत्मा की कृपा की, / अपनी असीम दया के द्वारा।

थोमा, जन्हिें जुड़वां भी कहा जाता है , घर में नहीं थे / जब आप अपने शष्यिों के सामने प्रकट हुए , हे प्रभु। / इसलिए, उन्होंने आपके पुनरुत्थान पर वशि्वास नहीं कयिा / और जन्हिोंने आपको देखा था, उनसे घोषणा की: / 'जब तक मैं अपनी उंगली उसकी पसली में और कीलों के घावों में नहीं डालता, / तब तक मैं यह वशि्वास नहीं करूँगा कि वह जी उठा है !'

'जैसा तू चाहता है , वैसा मान,' / मसीह ने थोमा से पुकारा , / 'अपना हाथ यहाँ डालकर मुझे छूकर देख , / कि मैं हड्डयिों और मट्टिी के शरीर वाला हूँ , / और अवशि्वासी न बन, / बल्कि वशि्वास कर, जैसे अन्य लोग!' / और वह चल्लिाया : 'आप मेरे ईश्वर और मेरे प्रभु हैं , / आपकी पुनरुत्थान को महमिा हो!'

और मेनायोन से तीन स्टचिरा। महमिा: संत के लिए एक स्टचिरा। यदि कोई नहीं है ,

महमिा, और अब, पर्व का, स्वर 1: एकांत में एकत्रति शष्यिों के द्वारों पर / आप अचानक प्रवष्टि हुए , सर्वशक्तमिान यीशु , हमारे परमेश्वर , / और, उनके बीच में खड़े होकर और शांति प्रदान करते हुए , / आपने उन्हें पवत्रि आत्मा से भर दयिा; / और उन्हें आज्ञा दी कि वे प्रतीक्षा करें और यरूशलेम से न जाएँ , / जब तक कि वे ऊपर से शक्ति से परपिूर्ण न हो जाएँ। / अतः हम तुझ से पुकारते हैं : / 'हे हमारे प्रकाश , हमारे पुनरुत्थान और हमारे शान्ति , महमिा तुझें !'

प्रवेश। 'हे आनंदमय प्रकाश :'

महान प्रोकैमेनन , स्वर 7

हमारे ईश्वर जतिना महान कोई ईश्वर नहीं। / आप चमत्कार करने वाले ईश्वर हैं।

छंद : अपनी शक्तशिाली भुजा से उसने अपने लोगों को मुक्त दी।

श्लोक : और मैंने कहा: 'अब मैं समझ गया हूँ : यह परविर्तन सर्वोच्च के दाहनि हाथ से आता है। '

पद: मैंने प्रभु के कार्यों को याद कयिा; क्योंकि मैं आरंभ से ही तेरे चमत्कारों को स्मरण करूँगा।

और फरि: ऐसा महान ईश्वर कौन है : भजन संहति 76:14ख–15क, 16क, 11, 12

स्टचिरा पर, ऑक्टोएकोस से रवविार का स्टचिरा , स्वर 1

हे पवत्रि प्रभु , हमारी संध्या की प्रार्थनाओं को स्वीकार करें , और हमें पापों की क्षमा प्रदान करें , क्योंकि केवल आपने ही संसार को पुनरुत्थान का प्रकटीकरण कयिा है।

स्टचि : मैंने अपनी आँखें तुझ पर उठाई हैं , जो स्वर्ग में वास करता है :

क्योंकि हे उद्धारकर्ता , / मेरे पापों का गर्त महान है , / और मैं अपने अपराधों के कारण दुखपूर्वक गहराई में डूब गया हूँ ; / मुझ पर अपना हाथ फैलाओ , जैसे तुमने पतरस पर कयिा था, / और हे परमेश्वर , मुझे बचाओ, / और मुझ पर दया करो!

पद: हे प्रभु , हम पर दया करें , हम पर दया करें :

हे प्रभु , सभी संतों और परमेश्वर की माता के मध्यस्थता द्वारा , हमें अपनी शांति प्रदान करें और हम पर दया करें , हे आप जो अकेले दयालु हैं।

महमिा, और अब, इस पर्व के दनि, स्वर 1: हे प्रभु , / अपने पुनरुत्थान के आठ दनि बाद, / आप अपने शष्यिों के पास प्रकट हुए / उस स्थान पर जहाँ वे इकट्ठे थे , / और, उन्हें पुकारकर , 'तुम्हें शान्ति मलि !' कहा, / और अवशि्वासी शष्यि को अपने हाथ और अपना परम पवत्रि पार्श्व दखिाया। / और उसने , वशि्वास करके , तुझसे पुकारा : / 'हे मेरे प्रभु और मेरे परमेश्वर , तुझे महमिा हो!'

ट्रसिैजयिन के बाद, पर्व का ट्रॉपारयिन : 'यद्यपि कब्र सील की गई थी:' **यदि संत के लिए कोई ट्रॉपारयिन है , तो उसे पहले गाया जाता है , उसके बाद पर्व का 'महमिा' और 'अब और सदा' गाया जाता है।**

हम लघु संध्या का अनुष्ठान करते हैं। इस सेवा में , हम ऑक्टोएकोस और ट्रायोडयिन के तीन-गीत चक्र से परमेश्वर की माता के लिए नविेदन -गीत गाते हैं। उन सेवाओं में जहाँ ट्रायोडयिन का तीन-गीत चक्र उपयोग कयिा जाता है , परमेश्वर की माता के लिए नविेदन -गीत को छोड़ दयिा जाता है।

सामग्री पर वापस

ईस्टर के बाद का तीसरा रविवार
पवित्र महिलाएँ जिन्होंने मरिया लाया
और धर्मी योसेफ

शनिचर को संक्षिप्त संध्या में

'हे प्रभु , मैं पुकारा हूँ :' पर, चौथे स्वर में रविवार के स्टखिेरा , स्वर 2

आओ हम परमेश्वर के वचन की आराधना करें , जो युगों से पहले पिता से उत्पन्न हुए , / जो कुँवारी मरियम से देहधारी हुए , / क्योंकि उन्होंने , क्रूस को सहन करके , / अपनी इच्छा से स्वयं को कब्र में सौंप दिया, / और, मरे हुओं में से जी उठकर, मेरा उद्धार किया – / एक भटका हुआ मनुष्य।

मसीह हमारे उद्धारकर्ता ने हमें दोषारोपण से मुक्त कर दिया है , उसे क्रूस पर ठोककर, और मृत्यु की शक्ति को समाप्त कर दिया है। आइए हम तीसरे दिन उनके पुनरुत्थान की आराधना करें।

महादूतों के साथ मिलकर, हम मसीह के पुनरुत्थान का गीत गाएँ ; / क्योंकि वे हमारे आत्माओं के उद्धारकर्ता और मुक्तिदाता हैं , / और भयानक महिमा और महान सामर्थ्य के साथ / वे फिर से उस संसार का न्याय करने आ रहे हैं जिसे उन्होंने बनाया।

हे प्रभु , जो क्रूस पर चढ़ाए गए और दफनाए गए, / एक स्वर्गदूत ने स्त्रियों को यह बताते हुए उद्घोषणा की: / 'आओ, देखो जहाँ प्रभु लेटे थे ; / क्योंकि वे , अपने वचन के अनुसार , सर्वशक्तिमान के रूप में जी उठे हैं !' / अतः हम आपकी आराधना करते हैं , हे अमर: / हे मसीह, जीवन के दाता, हम पर दया करें !

महिमा, स्वर 2: हे शिष्यों , / तुम अपने आँसुओं को मूर्रा के साथ क्यों मिलाते हो? / पत्थर हटा दिया गया है , कब्र खाली है ! / देखो , क्षय को, जिसे जीवन ने पैरों तले रौंद दिया है , / इस बात की स्पष्ट गवाही देते हुए मुहरें , / विद्रोहियों की पहरेदारी , जो एक गहरी नींद से वशीभूत हो गई है। / मानवता को परमेश्वर के देह द्वारा बचाया गया है ; नरक रोता है ! / जल्दी करो, और आनन्दपूर्वक प्रेरितों को यह घोषणा करो: / 'मसीह, जिसने मृत्यु को मृत्यु - शय्या पर लिटा दिया, मृतकों में से प्रथमजा , / तुमसे पहले गलील में जा रहा है !'

और अब, हे कट्टरपंथी , आवाज़ वही रहती है : हे महानतम रहस्य ! / चमत्कारों को देखकर , मैं दिव्यता की घोषणा करता हूँ , / [फिर भी मैं मानवता से इनकार नहीं करता]: / क्योंकि इम्मानुएल ने , मानवता के प्रेमी के रूप में , प्रकृति के द्वार खोले , / फिर भी, ईश्वर के रूप में , उन्होंने कुँवारी के गर्भ की मुहरें नहीं तोड़ीं , / बल्कि गर्भ से वैसे ही गुज़रे जैसे वे कान से प्रवेश किए थे ; / इस प्रकार वह देहधारी हुआ , ठीक वैसे ही जैसे वह गर्भ में धारण हुआ था: / वह बिना वासना के प्रवेश किया, वह अनुपम तरीके से प्रकट हुआ , / उस भविष्यवक्ता के अनुसार जो उद्घोष करता है : / 'ये द्वार बंद रहेंगे , / इनमें से कोई भी नहीं निकलेगा , / सिवाय इस्राएल के एकमात्र प्रभु परमेश्वर के , / जो महान दया से परिपूर्ण है !'

'आनंद का प्रकाश :' और प्रोकेइमेन 'प्रभु ने राज्य किया है :'

स्टचिरा पर, रविवार का स्टचिरा , स्वर 2

हे उद्धारकर्ता मसीह, तेरे पुनरुत्थान ने , / संपूर्ण ब्रह्मांड को प्रकाशित किया है , / और तूने अपनी सृष्टि को अपने पास बुलाया है : / सर्वशक्तिमान प्रभु , महिमा तुझें हो!

और ईश्वर की माता को, उसी स्वर में ,
समान: 'जब वृक्ष से , मृत :'

स्टचि : वे तेरा नाम / सभी पीढ़ियों तक याद करेंगे। भजन संहिता 44:18A

शोक मनाने वालों की आनन्द , / और उत्पीड़ितों की मध्यस्थ , / और दुखियों का सहारा, / यात्रियों के लिए सांत्वना और अंधों के लिए एक लाठी, / दुर्बल लोगों के लिए एक मुलाकात , / थके हुए लोगों के लिए एक आश्रय और देखभाल , / और अनाथों की मदद, / सर्वोच्च ईश्वर की माता — आप, परम पवित्र एक; / हम प्रार्थना करते हैं , कि अपने सेवकों के उद्धार के लिए शीघ्रता करें !

छंद : हे पुत्री , सुन , और देख , / और अपना कान लगा। भजन संहिता 44:11क

हर माप से परे का हर अन्यायपूर्ण कर्म , / हर अनियंत्रित पाप / मैंने , जो मैं दुखी हूँ , किया है , / और मैं हर नदिा का पात्र बन गया हूँ ! / हे कुँवारी , मुझे पश्चाताप का अवसर प्रदान करो, / ताकि मैं वहाँ निर्दोष होकर उपस्थित हो सकूँ। / क्योंकि मैं तुम्हें अपना मध्यस्थ चुनता हूँ , / मैं तुम्हें अपनी रक्षक के रूप में पुकारता हूँ : / हे ईश्वर की वधू , मुझे लज्जित न करो!

पद: लोगों में धनी / तेरे मुख का दर्शन करने के लिए विनती करेंगे। भजन संहिता 44:13ख

हे पवित्र कन्या , सृष्टिकर्ता और प्रभु के सामने हमारा कोई अन्य आश्रय नहीं है , सिवाय आपके , हे परमेश्वर की वधू ! / हमें अपने प्रबल मध्यस्थता से वंचित न करें , / न ही उन लोगों को लज्जित करें जो प्रेमपूर्वक आपकी शरण में आते हैं। / हमारे ईश्वर की माता, शीघ्र कीजिए, / और हमें अपनी सहायता प्रदान कीजिए, / और हमें वर्तमान क्रोध से बचा लीजिए!

महिमा, और अब, वही स्वर : मिरा -वाहक, भोर में प्रकट होकर, / और तेरी कब्र की ओर शीघ्रता से जाकर, / उन्होंने तुझे , हे मसीह, खोजा, / तेरे अतिपवित्र शरीर पर मिरा का लेप लगाने के लिए। / और, स्वर्गदूत के वचन सुनकर , / उन्होंने प्रेरितों को यह आनंददायक समाचार सुनाया , / कि हमारे उद्धार के नेता , जिन्होंने मृत्यु पर विजय प्राप्त की थी, जी उठे थे , / और संसार को अनंत जीवन तथा महान दया प्रदान कर रहे थे।

ट्रोपारियोन , स्वर 2

धन्य योसेफ ने , / आपका परम पवित्र शरीर वृक्ष से उतारकर, / उसे एक स्वच्छ सूती वस्त्र में लपेटा और सुगंधित तेलों से अभिषिक्त किया, / तथा उसे एक नए कब्र में रखा। / परन्तु हे प्रभु , तीसरे दिन आप पुनरुत्थित हुए , / और संसार पर महान दया प्रदान की।

विशेष लितिर्जी और समापन।

शनिचर को महा संध्या समय

अध्यक्ष के आशीर्वाद के बाद, 'मसीह जी उठे हैं ': (३)। फिर हम प्रस्तावनात्मक भजन गाते हैं : 'हे मेरी आत्मा , प्रभु का धन्यवाद कर': और इसके समाप्त होने पर, हम पढ़ते हैं : 'धन्य है वह मनुष्य ': और पूरा पहला काथिस्मा। हम स्वर २ में 'हे प्रभु , मैंने पुकारा ' गाते हैं , और स्वर १० में स्टचिरा।

पुनरुत्थान के स्तिखिरा तीसरे स्वर में , दूसरे स्वर में

पद: मेरी आत्मा को कालकोठरी से निकाल, ताकि मैं तेरे नाम का गौरव कर सकूँ। भजन संहिता 141:8A

आओ हम परमेश्वर के वचन की आराधना करें , जो युगों से पहले पिता से उत्पन्न हुए , / जो कुँवारी मरियम से देहधारी हुए , / क्योंकि उन्होंने , क्रूस को सहन करके , / अपनी इच्छा से स्वयं को कब्र में सौंप दिया, / और, मरे हुओं में से जी उठकर, मेरा उद्धार किया – / एक मनुष्य जो भटक गया था।

पद: धर्मी मेरी प्रतीक्षा करेंगे जब तक कि आप मुझे पुरस्कृत न करें। भजन संहिता 141:8ख

मसीह हमारे उद्धारकर्ता ने हमारे विरुद्ध दोष-पत्र को सूली पर ठोक दिया, इस प्रकार उसे मिटा दिया और मृत्यु की शक्ति को समाप्त कर दिया। हम तीसरे दिन उनके पुनरुत्थान की उपासना करते हैं।

पद: हे प्रभु , मैंने गहराइयों से तुझ को पुकारा ; हे प्रभु , मेरी वाणी सुन। भजन संहिता 129:1

महादूतों के साथ मिलकर हम मसीह के पुनरुत्थान का गीत गाएँ ; / क्योंकि वे हमारे आत्माओं के उद्धारकर्ता और मुक्तिदाता हैं , / और भयानक महिमा और महान सामर्थ्य के साथ / वे फिर से उस संसार का न्याय करने आ रहे हैं जिसे उन्होंने बनाया।

और पूर्वी भजन, स्वर 2

पद: हे प्रभु , मेरी विनती का उत्तर देने के लिए अपने कान लगाओ। भजन संहिता 129:2

हे प्रभु , जो सलीब पर चढ़ाए गए और दफनाए गए, / स्वर्गदूत ने स्त्रियों को यह बताते हुए प्रचार किया: / 'आओ, देखो जहाँ प्रभु लेटे थे ; / क्योंकि वे , अपने वचन के अनुसार , सर्वशक्तिमान के रूप में जी उठे हैं !' / अतः हम आपकी आराधना करते हैं , हे अमर: / हे मसीह, जीवन के दाता, हम पर दया करें !

पद: यदि आप अन्याय को अंकित करते , हे प्रभु , हे प्रभु , कौन ठहर सकता है ? क्योंकि आपके पास क्षमा है। भजन संहिता 129:3–4

अपने क्रूस द्वारा तूने उस शाप को समाप्त कर दिया जो वृक्ष के द्वारा हम पर पड़ा था, अपने समाधि-प्रवेश द्वारा तूने मृत्यु की शक्ति को नष्ट कर दिया, और अपने पुनरुत्थान द्वारा तूने मानव जाति को प्रकाशित किया। इसलिए हम तुझ से पुकारते हैं : 'हे मसीह हमारे परमेश्वर , हमारे कल्याणकर्ता , तेरा महिमा हो!'

पद: हे प्रभु , मै तेरे नाम के निमित्त तेरा प्रतीक्षा करता रहा; मेरी आत्मा तेरे वचन पर आशा रखती रही; मेरी आत्मा प्रभु पर भरोसा रखती रही। भजन संहिता 129:5–6A

हे प्रभु , मृत्यु के द्वार तेरे सामने भय से खुल गए; / और अधोलोक के द्वारपाल , तुझे देखकर भयभीत हो गए; / क्योंकि तूने पीतल के द्वार चकनाचूर कर दिए, / और लोहे की सलाखें तोड़ दीं , / और हमें अंधकार और मृत्यु की छाया से बाहर निकाला, / और हमारे बंधन ढीले कर दिए।

पद: भोर की पहर से रात तक, भोर की पहर से इस्राएल यहोवा की आशा करे। भजन संहिता 129:6ख

उद्धार का गीत गाते हुए , / हम एक स्वर में पुकारें : / 'आओ, तुम सब, हम प्रभु के भवन में उनके सामने मस्तक झुकाएँ , यह कहते हुए : / "हे क्रूस पर चढ़ाए गए, जो मरे हुओं में से जी उठे / और पिता के हृदय में वास करते हो, / हमारे पापों पर दया करो!"'

मिश्र -वाहकों के लिए अनातोलियस के स्टिखेरा , स्वर 2

स्टिचि : क्योंकि प्रभु के पास दया है , और उसी के पास महान उद्धार है ; और वह इस्राएल को उसकी सभी अधर्मों से छुड़ाएगा। भजन संहिता 129:7–8

सुबह -सवेरे , मुरा ले जाने वाली स्त्रियाँ , / सुगंधित द्रव्य लेकर प्रभु की कब्र पर आईं , / और जो उन्होंने अपेक्षा नहीं की थी, वह देखकर , / हटाए गए पत्थर के विषय में भक्तिपूर्वक बात की, / और एक-दूसरे से मुड़ीं : / 'कब्र की मुहरें कहाँ हैं ? / पिलातुस के पहरेदार और कड़ी पहरेदारी कहाँ हैं ?' / तब उस उलझन में पड़ी स्त्रियों के पास एक दूत प्रकट हुआ – / एक तेजस्वी स्वर्गदूत , जिसने उनसे कहा: / 'तुम जीवित को क्यों ढूँढ़ती हो, / जिसने मानव जाति को जीवन दिया है ? / मसीह, हमारे ईश्वर , मृतकों में से जी उठे हैं , सर्वशक्तिमान , / हमें सभी को अक्षय जीवन और प्रकाश , / ज्ञान और महान दया प्रदान करते हुए !"

पद: हे सब जातियों , प्रभु की स्तुति करो; हे सब लोगों , उसकी बड़ाई करो। भजन संहिता 116:1

हे शिष्यों , / तुम अपनी आँसुओं को संसार के आँसुओं से क्यों मिलाते हो? / पत्थर हटा दिया गया है , कब्र खाली है ! / देखो क्षय , जीवन के पाँव तले कुचला गया, / मुहरें इस बात की स्पष्ट गवाही देती हैं , / विद्रोहियों के पहरेदार , भारी नींद में डूबे हुए। / मृत्यु को परमेश्वर के शरीर द्वारा बचाया गया है ; नरक रोता है ! / जल्दी करो, और आनन्दपूर्वक प्रेरितों को यह घोषणा करो: / 'मसीह, जिसने मृत्यु को मृत्यु -प्राय किया, मृतकों में से प्रथमजा , / तुमसे पहले गलील में जा रहा है !'

ईस्टर के बाद का तीसरा सप्ताह

पद: क्योंकि उसकी दया हम पर स्थिर है , और यहोवा का सत्य युगानुयुग बना रहता है।

भजन संहिता 116:2

मिश्रण -वाहक, भोर होते ही प्रकट होकर, / और तेरी कब्र पर शीघ्रता से पहुँचकर , / उन्होंने तुझे , हे मसीह, खोजा, / तेरे अति पवित्र शरीर को मिश्रण से अभिषेक करने के लिए। / और, स्वर्गदूत के वचन सुनकर , उन्होंने प्रेरितों को यह आनंददायक समाचार सुनाया , कि हमारे उद्धार के नेता , जिन्होंने मृत्यु पर विजय प्राप्त की थी, जी उठे थे , / संसार को अनंत जीवन और महान दया प्रदान करते हुए।

स्मरणिका , स्वर 6, कोस्मास भिक्षु द्वारा : मूर्र -धारण करने वाली स्त्रियाँ , तेरी कब्र पर पहुँचकर / और कब्र पर की मुहरें देखकर , / परन्तु तेरा परम पवित्र शरीर न पाकर, / शोक और उत्साह से पुकारने लगीं : / 'हमारी आशा को किसने चुराया है ? / मिर्रा से अभिषिक्त , मृतक , नग्न को, / अपनी माता के एकमात्र सांत्वना को, किसने उठा लिया है ? / ओह, मृतकों को जीवित करने वाले को अब मृत्यु कैसे दी गई? / जिसने पाताल पर विजय प्राप्त की, उसे कैसे दफनाया गया? / परन्तु हे उद्धारकर्ता , अपनी शक्ति से फिर उठो, / जैसा आपने तीसरे दिन पूर्व कहा था, / हमारे आत्माओं को बचाते हुए !'

और अब, हे परमेश्वर की माता, स्वर 2: व्यवस्था की छाया बीत गई है , क्योंकि अनुग्रह प्रकट हुआ है ; / क्योंकि जैसे झाड़ी आग में भस्म नहीं हुई , / वैसे ही आपने , हे कुँवारी , प्रसव किया और कुँवारी बनी रहीं। / आग के स्तंभ के स्थान पर, धार्मिकता का सूर्य चमका, / मूसा के स्थान पर – मसीह, / हमारे आत्माओं का उद्धार।

प्रवेश। आनंदमय प्रकाश : **दिन का प्रोकैइमेन :** प्रभु ने राज्य किया है :

लिटनी के दौरान, स्टिचेरा उसी स्वर , स्वर 1 में गाए जाते हैं।

'हे मूर्रा -धारण करने वाली स्त्रियों , तुम कब्र पर क्यों आईं ? / तुम जीवते को मरे हुओं में क्यों ढूंढती हो? / प्रभु जी उठे हैं ; हर्षित हो जाओ!' – / स्वर्गदूत पुकारता है।

वे भयभीत होकर अपनी पत्नी के कब्र पर आए, / सुगंधित तेलों से तेरे शरीर को अभिषेक करने के लिए शीघ्रता से : / और कब्र को खाली पाकर, वे आपस में चकित हो गए, / पुनरुत्थान के बारे में कुछ भी न जानते हुए। / परन्तु एक स्वर्गदूत उनके पास प्रकट हुआ और घोषणा की: / 'मसीह जी उठे हैं , हम पर महान दया प्रदान करते हुए !'

मरियम मग्दलीनी और दूसरी मरियम प्रभु के दर्शन के लिए कब्र पर आईं , / और उन्होंने बिजली के समान एक स्वर्गदूत को देखा , / जो पत्थर पर बैठा था, और उसने उनसे कहा: / 'तुम जीवित को मरे हुओं में क्यों ढूंढती हो? / वह उठ गए हैं , जैसा उन्होंने कहा था; / तुम उन्हें गलील में पाओगी!' / उसी से हम भी पुकारेंगे : / 'हे प्रभु , मृतकों में से जी उठे , आपको महिमा हो!'

महिमा, स्वर 6: यूसुफ ने यीशु के शरीर को माँगा / और उसे अपनी नई कब्र में रखा: / क्योंकि यह उचित था कि वह / कब्र से वधू -कक्ष की तरह प्रकट हों। / हे प्रभु , जिन्होंने मृत्यु की शक्ति को कुचला / और मानवजाति के लिए स्वर्ग के द्वार खोले , / महिमा तेरी हो!

और अब, हे परमेश्वर की माता, उसी स्वर में : मेरे सृष्टा और उद्धारकर्ता , हे सर्व -पवित्र , / प्रभु मसीह, / तेरी गर्भ से प्रकट हुए , / मेरे लिए मानव रूप धारण करके , / और आदम को प्राचीन श्राप से मुक्त किया। / इसलिए, हे सर्व -पवित्र , / ईश्वर की माता और सच्ची कुँवारी के रूप में , / हम स्वर्गदूत के साथ अविराम 'हे आनंदित ' का उद्घोष करते हैं : / 'हे सर्वोच्च स्वामिनी , हमारी रक्षा , हमारा आश्रय , / और हमारी आत्माओं का उद्धार , आनंदित हो!'

रविवार के स्टखिेरा , स्वर 2

हे मसीह उद्धारकर्ता , तेरे पुनरुत्थान ने सम्पूर्ण ब्रह्मांड को प्रकाशित किया है , और तूने अपनी सृष्टि को अपने पास बुलाया है : हे सर्वशक्तिमान प्रभु , तेरा महिमा हो!

और पास्चा के स्टचिेरा , स्वर 5

पद: परमेश्वर उठे / और उसके शत्रु बिखर जाएँ।

आज हम पर पवित्र पास्का प्रकट हुआ है , / – नया, पवित्र पास्का , / रहस्यमय पास्का , सभी द्वारा सम्मानित पास्का। / ईस्टर – मसीह उद्धारकर्ता ; / ईस्टर , निर्मल , / ईस्टर , महान, / ईस्टर विश्वासियों का, / ईस्टर जिसने हमारे लिए स्वर्ग के द्वार खोल दिए, / ईस्टर जो सभी विश्वासियों को पवित्र करता है।

पद: जैसे धुआँ छँट जाता है , / वैसे ही वे छंट जाएँ।

दिव्यदृष्टि के बाद आगे बढ़ो , हे शुभ समाचार लाने वाली स्त्रियों , / और सिय्योन को यह घोषणा करो: / 'हमसे मसीह के पुनरुत्थान के शुभ समाचार का आनन्द ग्रहण करो!' / हे यरूशलेम , आनन्द मनाओ, जयजयकार करो और हर्षित होओ, / क्योंकि तुमने मसीह राजा को, एक वर की भाँति, / कब्र से निकलते हुए देखा है।

छंद : पापी परमेश्वर की उपस्थिति से नाश हों , / और धर्मी आनन्दित हों।

सुगंधित द्रव्य लिए स्त्रियाँ , भोर-भोर, / जीवन-दाता के समाधि पर आईं , / वहाँ उन्होंने पत्थर पर एक स्वर्गदूत को बैठा पाया, / और वह, उनकी ओर मुड़कर , इस प्रकार पुकार उठा: / 'तुम जीवित को मरे हुओं में क्यों ढूँढ़ती हो? / तुम अक्षय को ऐसे क्यों शोक करती हो जैसे वह क्षयशील हो? / लौट जाओ और उनके शिष्यों से कहो!'

पद: यह वह दिन है जिसे प्रभु ने बनाया है ; / आओ हम इसमें आनंदित और हर्षित हों !

हर्षोल्लासपूर्ण ईस्टर , / ईस्टर , प्रभु का ईस्टर , / सबसे पवित्र ईस्टर हम पर उदय हुआ है। / ईस्टर ! आओ हम एक-दूसरे को आनन्दपूर्वक गले लगाएँ। / हे ईस्टर – दुख से मुक्ति ! / क्योंकि इसी दिन, कब्र से , / एक वधू के कक्ष से जैसे प्रकाशित होकर, मसीह ने / स्त्रियों को आनन्द से भर दिया, यह कहते हुए : / 'जाओ और प्रेरितों से कहो!'

महिमा, स्वर 5: हे जोशुआ , जो वस्त्रवत् प्रकाश से परिधानित हैं , / निकोदेमस के साथ क्रूस से उन्हें उतारकर, / और उन्हें मृत , नग्न , और बिना दफनाए देखकर , / गहरी करुणा से रोने लगे , / और सिसकियों के साथ पुकार उठे : / 'हाय मेरे लिए, हे मधुर यीशु ! / जिसे मैं हाल ही में क्रूस पर लटकते हुए देख रहा था, / सूर्य अंधकार में लिपट गया, / और पृथ्वी भय से काँप उठी, / और मंदिर का परदा फाट गया। / परन्तु अब, देखो , मैं तुम्हें देखता हूँ / जो मेरे लिए स्वेच्छा से मृत्यु को स्वीकार कर चुके हो। / मैं तुम्हें कैसे दफ़नाऊँ , हे मेरे ईश्वर , / या किस कफ़न से तुम्हें लपेटूँ ? / और मैं किस हाथों से तेरे अक्षय शरीर को छूऊँ ? / या हे दयालु , तेरे विदाई पर मैं कौन से गीत गाऊँ ? / मैं तेरे दुखों का गौरव गाता हूँ , / मैं तेरे दफन और पुनरुत्थान का गीत गाता हूँ , यह उद्घोष करते हुए : / 'हे प्रभु , तुझे महिमा हो!'"

और अब, वही आवाज़ उद्घोषित करती है : पुनरुत्थान का दिन! / और हम आनंद से दमकेंगे / और एक-दूसरे को गले लगाएंगे ; / हम कहेंगे : 'भाइयों !' / और जो हमसे घृणा करते हैं , / – हम पुनरुत्थान के लिए सभी को क्षमा करेंगे / और इस प्रकार हम उद्घोष करेंगे : / 'मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं , / मृत्यु को मृत्यु से जीतकर, / और कब्रों में पड़े हुओं को जीवन प्रदान किया!'

और फिर 'अब आप हमें विदा करते हैं ':

ट्रोपारयिा , स्वर 2

जब तू , हे अमर जीवन, मृत्यु में उतरा, / तब तूने अपनी दव्यिता के तेज से नरक को नष्ट कर दयिा। / और जब तूने हाडीस से मृतकों को जलिाया, / तो सभी स्वर्गीय शक्तयिों ने पुकारा : / 'हे जीवन दाता, हे मसीह हमारे परमेश्वर , महमिा तुझे !'

महमिा: धन्य यूसुफ , / ने जब आपका परम पवत्रि शरीर क्रूस से उतारकर, / उसे एक स्वच्छ सूती वस्त्र में लपेटा और सुगंधति तेलों से अभषिेक कयिा, / उसे एक नए कब्र में रख दयिा। / परन्तु तीसरे दनि आप उठे , हे प्रभु , / संसार पर महान दया प्रदान करते हुए।

और अब: मूर्रा -वाहक स्त्रयिों के सामने कब्र पर प्रकट होकर, स्वर्गदूत ने पुकारा : 'मूर्रा मृतकों के लएि उपयुक्त है , पर मसीह तो सड़न के अधीन नहीं हुए ; बल्कि , यह प्रचार करो: प्रभु जी उठे हैं , संसार पर महान दया लुटाते हुए !'

प्रभात -प्रार्थना में

छठे भजन के बाद, महान एक्टेनयिा और 'ईश्वर प्रभु ':

ट्रोपारयिा , स्वर 2

हे अमर जीवन, जब तू मृत्यु में उतरा, / तब तूने अपनी दव्यिता के तेज से नरक को नष्ट कर दयिा। / और जब तूने हादेस से मृतकों को उठाया, / तो सभी स्वर्गीय शक्तयिों ने पुकारा : / 'हे जीवन दाता, हे मसीह हमारे ईश्वर , महमिा तुझे हो!'

महमिा: धन्य यूसुफ , / ने जब आपका परम पवत्रि शरीर क्रूस से उतारकर, / उसे एक स्वच्छ सूती वस्त्र में लपेटा और सुगंधति तेलों से अभषिक्ति कयिा, / उसे एक नए कब्र में रखा। / परन्तु तीसरे दनि आप उठे , हे प्रभु , / संसार पर महान दया प्रदान करते हुए।

और अब: जब मूर्रा -वाहक स्त्रयिाँ / कब्र के सामने खड़ी थीं , तो स्वर्गदूत ने पुकारा : / 'मूर्रा मृतकों के लएि उपयुक्त है , / पर मसीह तो सड़न से परे प्रकट हुए हैं ; / बल्कि , यह घोषणा करो: प्रभु जी उठे हैं , / संसार पर महान दया लुटाते हुए !'

सेडलना के प्रथम छंद के बाद, स्वर 2

कब्र के पत्थर को सील करने से न रोककर, / आप उठे और सभी पर वश्विास का पत्थर स्थापति कयिा। / हे प्रभु , आपको महमिा!

छंद : हे प्रभु मेरे परमेश्वर , उठो, ताकि तेरा हाथ ऊँचा कयिा जाए; / अपने दीनों को सदा के लएि न भूलना ! भजन संहति 9:33

स्वर्ग में पति की परम पवत्रि गर्भ को न छोड़ते हुए , / तूने सभी के लएि दफन और पुनरुत्थान का अनुभव कयिा। / हे प्रभु , तुझे महमिा हो!

महमिा, और अब, ईश्वर की माता को: सभी समझ से परे हैं , सभी अति महमिामय हैं / हे ईश्वर की माता, तेरे रहस्य हैं : / पवत्रिता से मुहरबंद और अपनी कुँवारीपन को अक्षुण्ण रखकर, / तू सच्चे ईश्वर को जन्म देने वाली सच्ची माता के रूप में प्रकट हुई है। / हमारे आत्माओं के उद्धार के लएि उनसे प्रार्थना कर।

सेडालना के दूसरे स्टचिरा के बाद, स्वर 2

मश्रिण -वाहक, भोर के समय प्रकट होकर, / और कब्र को खाली देखकर , प्रेरतिों को घोषति कयिा: / 'सर्वशक्तमिान ने क्षय को पराजति कर दयिा है / और पाताल में पड़े लोगों को उनके

बंधनों से मुक्त कर दिया है ; / निडर होकर यह घोषणा करो कि मसीह ईश्वर जी उठे हैं , / संसार पर महान दया लुटाते हुए !'

पद: मैं तुझे धन्यवाद दूँगा हे प्रभु , अपने पूरे हृदय से , / मैं तेरे सभी आश्चर्यों का प्रचार करूँगा।

भजन संहिता 9:2

आपके दफ़न के लिए मूरा ले जाकर, / स्त्रियाँ भोर के समय चुपके से कब्र पर आईं , / यहूदियों के अत्याचार से डरते हुए / और यह पूर्वानुमान करते हुए कि सिपाही वहां पहरा दे रहे थे ; / फिर भी साहस ने देह की दुर्बलता पर विजय प्राप्त की, / क्योंकि दयालु स्वभाव परमेश्वर को प्रसन्न करता है। / और देखो , उन्होंने जैसा उचित था, पुकारा : / 'हे प्रभु , उठो, हमारी सहायता करो / और अपने नाम के लिए हमें बचाओ!'

महिमा, और अब, परमेश्वर की माता को: धन्य हैं आप, हे परमेश्वर की कुंवारी माता, / क्योंकि आपके द्वारा अवतार धारण करने वाले के द्वारा , नरक पराजित हो गया है , / आदम को उससे मुक्त कर दिया गया है , / शाप शक्तिहीन हो गया है , / हव्वा को मुक्त कर दिया गया है , मृत्यु को मार डाला गया है , / और हम जीवन से परिपूर्ण हो गए हैं। / अतः , जब हम गाते हैं , हम पुकारते हैं : / 'धन्य हो मसीह हमारे ईश्वर , जिन्होंने इतनी कृपापूर्वक यह चाहा; महिमा आपको!'

फिर 'निर्दोषों को' ट्रॉपारिया और लघु एक्टेनिया।

इपाकोई, स्वर 2

आपके कष्टों के बाद, आपकी पत्नियाँ , कब्र पर आईं / ओ मसीह परमेश्वर , आपके शरीर पर मूरा का लेप लगाने , / उन्होंने कब्र में स्वर्गदूतों को देखा और चकित हो गईं , / क्योंकि उन्होंने उनसे यह समाचार सुना कि प्रभु जी उठे हैं , / संसार पर महान दया प्रदान करते हुए।

दूसरे स्वर के स्टिचेरा , दो बार दोहराए गए।

प्रत्युत्तर 1

मैं अपने हृदय की आँखें स्वर्ग की ओर उठाता हूँ – / हे उद्धारकर्ता – / अपनी किरणों से मेरा उद्धार करें।

हम पर दया करें , जो हर घड़ी / हे मेरे मसीह, अनेक प्रकार से आपके सामने पाप करते हैं , / और हमारी मृत्यु से पहले , हमें दिखाएँ / आपके सामने पश्चाताप का मार्ग।

महिमा: पवित्र आत्मा का राज्य करना उचित है , / पवित्र करना, सृष्टि को गति में लाना; / क्योंकि वह परमेश्वर है , पिता और वचन के सह-तत्त्व वाला।

और अब: हम वही दोहराते हैं।

प्रत्युत्तर 2

यदि प्रभु हमारे बीच न होते , / तो शत्रु और हत्यारे से / कौन बच पाता?

हे उद्धारकर्ता , अपने दास को उनके दाँतों के हवाले न करें ; / क्योंकि मेरे शत्रु शेर की तरह / मुझ पर झपटते हैं।

महिमा: पवित्र आत्मा में जीवन और प्रतिफल की शुरुआत है ; / क्योंकि वह, परमेश्वर के रूप में , सारी सृष्टि को बल देता है / और उसे पुत्र के द्वारा पिता में संरक्षित रखता है।

और अब: हम वही दोहराते हैं।

ईस्टर के बाद का तीसरा सप्ताह

प्रत्युत्तर 3

जो प्रभु में आशा रखते हैं , वे एक पवित्र पर्वत के समान हैं ; / वे साँप के आक्रमणों से / जरा भी नहीं डगमगाते।

जो परमेश्वर की इच्छा के अनुसार जीते हैं / वे बुराई करने के लिए अपना हाथ न बढ़ाएँ ; / क्योंकि मसीह अपनी विरासत के राजदंड को नहीं छोड़ते।

महिमा: पवित्र आत्मा सारी बुद्धि प्रदान करता है ; / उसी से प्रेरितों को अनुग्रह प्राप्त होता है , / और शहीदों को उनके कर्मों के लिए मुकुट पहनाया जाता है , और भविष्यद्वक्ताओं का दर्शन होता है।

और अब: **हम वही दोहराते हैं।**

प्रोकेइमेनोन , स्वर 2

हे प्रभु , मेरे परमेश्वर , अपनी आज्ञा के अनुसार जाग उठो; / और राष्ट्रों की सभा तुम्हारा घेराव करेगी। **पद:** हे प्रभु , मेरे परमेश्वर ! मैं तुझ पर भरोसा करता हूँ ; मुझे बचा। भजन संहिता 7:7ख–8क, 2

दूसरा प्रोकीमेनन : जो कुछ भी साँस लेता है / वह प्रभु की स्तुति करे। **छंद :** उसके पवित्र लोगों में परमेश्वर की स्तुति करो; उसकी सामर्थ्य के मंडप में उसकी स्तुति करो। भजन संहिता 150:6, 1

तीसरे रविवार का सुसमाचार , मरकुस से , पद 71 से आरंभ

उन दिनों , सप्ताह के पहले दिन भोर होते ही यीशु सबसे पहले मरियम मग्दलीन के पास प्रकट हुए , जिनके भीतर से उन्होंने सात दुष्टात्माएँ निकाली थीं। वह जाकर उन लोगों को बताने लगी जो उनके साथ थे और जो विलाप कर रहे थे और रो रहे थे ; परन्तु जब उन्होंने सुना कि वह जीवित हैं और उन्होंने उन्हें देखा है , तो उन्होंने विश्वास नहीं किया। इसके बाद, जब वे एक गाँव की ओर जा रहे थे , तो वे दोनों को रास्ते में एक अलग रूप में दिखाई दिए। वे लौट आए और दूसरों को बताया; लेकिन उन्होंने भी उन पर विश्वास नहीं किया। अंत में , वह भोजन पर लेटे हुए ग्यारहों को प्रकट हुआ , और उसने उनकी अविश्वास और हृदय की कठोरता के कारण डाँटा , क्योंकि उन्होंने उन लोगों पर विश्वास नहीं किया जिन्होंने उसे मरे हुओं में से जी उठने के बाद देखा था। और उसने उनसे कहा, 'सारी दुनिया में जाओ और हर प्राणी को सुसमाचार का प्रचार करो। जो कोई विश्वास करेगा और बपतिस्मा लेगा , वह उद्धार पाएगा; परन्तु जो विश्वास नहीं करेगा , वह दोषी ठहराया जाएगा। और विश्वास करने वालों के साथ ये चिन्ह होंगे : वे मेरे नाम से दुष्टात्माओं को निकालेंगे ; वे नई-नई भाषाएँ बोलेंगे ; वे साँपों को उठा लेंगे ; और यदि वे कोई घातक वस्तु पीएँ , तो भी वह उन्हें हानि पहुँचाएगी ; वे बीमारों पर हाथ रखेंगे , और वे चंगे हो जाएँगे। और इस प्रकार प्रभु , उनसे बात करने के बाद, स्वर्ग में आरोहण कर गए और परमेश्वर के दाहिने उपविष्ट हुए। और वे निकल गए और प्रभु की सहायता से सर्वत्र प्रचार करते हुए , संग -संग चिन्हों के द्वारा वचन की पुष्टि करते रहे। आमीन।

मरकुस 16:9–20

रविवार का भजन

मसीह के पुनरुत्थान को देखकर , आइए हम पवित्र प्रभु यीशु की आराधना करें , जो एकमात्र पापरहित हैं। हे मसीह, हम तेरे क्रूस की आराधना करते हैं , और तेरे पवित्र पुनरुत्थान का गायन और महिमा करते हैं , क्योंकि तू ही हमारा परमेश्वर है , हम तुझसे विनती

कसिी और को नहीं जानते , हम तेरे नाम का आह्वान करते हैं। / आओ, हे सभी वशि्वासयिों , / हम मसीह के पवत्रि पुनरुत्थान की आराधना करें , / क्योंकि देखो , क्रूस के द्वारा / संपूर्ण जगत में आनंद आया है। / सदैव प्रभु का धन्यवाद करते हुए , / हम उनके पुनरुत्थान का गीत गाते हैं , / क्योंकि उन्होंने , सूली पर चढ़ाए जाने को सहते हुए , / मृत्यु को मृत्यु से कुचल डाला है। (3)

भजन संहति 50. सुसमाचार का चुंबन।

महमि: प्रेरतिों की प्रार्थनाओं के द्वारा , हे दयालु , हमारे पापों की भीड़ को मटिा दो।

और अब: परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा , हे दयालु , हमारे पापों की भीड़ को मटिा दो।

फरि, स्वर 6: हे परमेश्वर , अपनी महान दया के अनुसार मुझ पर दया करें , और अपनी अनुग्रहों की बहुतायत के अनुसार मेरे अधर्म को मटिा दें।

और स्टचिरा : यीशु कब्र से जी उठे हैं , / जैसा उन्होंने पूर्व में बताया था, / हमें अनन्त जीवन / और महान दया प्रदान करते हुए।

और प्रार्थना : हे ईश्वर , अपने लोगों को बचा:

पसका कैनन अपने इरमोस और थयिोटोकी के साथ स्वर 6 में। फरि त्रयिोडयिन से वर्तमान सप्ताह का कैनन स्वर 8 और स्वर 2 में , क्रीट के संत एंड्रयू द्वारा रचति। काटावाशयिा: पुनरुत्थान का दनि:

कैनन।
संत जॉन ऑफ़ डेमास्कस द्वारा रचति, स्वर 1।
गीत 1

इरमोस: पुनरुत्थान का दनि! हे लोगों , आनन्द मनाओ! / पास्खा ! प्रभु का पास्खा ! / क्योंकि मृत्यु से जीवन में और पृथ्वी से स्वर्ग में / मसीह ईश्वर ने हमें लाया है , / जब हम वजिय का गीत गाते हैं।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

आओ हम अपने इंद्रयिों को शुद्ध करें और नहिारें / मसीह को चमकते हुए / पुनरुत्थान के अगम्य प्रकाश में , / और आओ हम स्पष्ट रूप से उन्हें कहते हुए सुनें , 'खुशी मनाओ!' / जब हम वजिय का गीत गाते हैं।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

आकाश उचति रूप से आनंद मनाए, / पृथ्वी हर्षति हो, / संपूर्ण संसार उत्सव मनाए, / दृश्यमान और अदृश्य दोनों : / क्योंकि मसीह जी उठे हैं , जो कभी न खत्म होने वाला आनंद है।

थयिोटोकोस के भजन,
परम पूज्य थयिोफांस और जोसेफ द्वारा रचति

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमारा उद्धार करो।

आपने मृत्यु के बंधन तोड़ दएि, / अपने गर्भ में अनंत जीवन, मसीह, को धारण कर, / जो आज के दनि कब्र से प्रकट हुए , / हे सदा-कुंवारी , / और संसार को प्रकाशति कयिा।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमारा उद्धार करो।

अपने पुत्र और ईश्वर को पुनरुत्थति देखकर , हे ईश्वर -धन्य और पवत्रि एक, प्रेरतिों के साथ आनन्द मनाओ! और हे सर्व -पवत्रि ईश्वर -माता, तुम ही प्रथम थीं जन्हिें 'आनन्दति हो' शब्द प्राप्त हुआ , सभी के आनन्द का कारण बनकर।

ईस्टर के बाद का तीसरा सप्ताह

मश्रि -वाहकों का कैनन
क्रीट के संत एंड्रयू द्वारा , स्वर 2
ओड 1

इरमोस: मूसा का गीत आरंभ करते हुए , हे आत्मा , पुकार लगाओ: 'मेरा सहायक और रक्षक मेरा उद्धार बन गया है ; वह मेरा ईश्वर है , और मैं उसकी महमिा करूँगा !'

तू देह में सूली पर चढ़ाया गया, / स्वभावतः अवनिाशी, पति के साथ एक; / तेरी पार्श्व में भेद कयि गया, जसिसे संसार पर रक्त और जल बहा; / तू हमारा ईश्वर है , और हम तेरा महमिामंडन करते हैं।

मैं तेरे क्रूस का सम्मान करता हूँ , / और हे दयालु , मैं तेरी समाधि का महमिामंडन करता हूँ , / और मैं तेरे पुनरुत्थान का गीत गाता और उसकी आराधना करता हूँ , और पुकारता हूँ : / 'तू हमारा ईश्वर है , और हम तेरा महमिामंडन करते हैं !'

यद्यपि तूने पति का स्वाद चखा, हे कलीसयि के आनन्द , / तूने हमारे लिए अपनी पार्श्व से अक्षय जीवन बहाया; / तू हमारा ईश्वर है , और हम तेरा महमिागान करते हैं।

हे उद्धारकर्ता , आपको मृतकों में गनिा गया, / आप जनि्होंने मृतकों को जलिाया; / आपने क्षय का स्वाद चखा, यद्यपि आप स्वयं कभी क्षय नहीं हुए ; / आप हमारे ईश्वर हैं , और हम आपकी महमिा करते हैं।

सयिोन आनन्द मनावे , स्वर्ग आनन्द मनावे , मसीह मरे हुओं को जलिा उठा है , जो गाते हैं : 'तू हमारा परमेश्वर है , और हम तेरी महमिा करते हैं '।

हे मसीह, अपने शरीर को कफ़न में लपेटकर , / यूसुफ ने आपको एक नई कब्र में लटिा दयि, / आप, सभी के उद्धारकर्ता ; / फरि भी आप, परमेश्वर के रूप में , मृतकों को जलिा उठाया।

प्रातकाल जब स्त्रयिाँ आईं , उन्होंने मसीह को देखा / और दैवी शष्यिों से पुकार कर कहा: / 'सचमुच मसीह जी उठे हैं ; / आओ, हमारे साथ उनकी स्तुति गाओ!'

महमिा: परम पवत्रि त्रमिूर्ति , एक ईश्वरत्व , / अनंत एकता: / पति, और पुत्र , और पवत्रि आत्मा , संसार को बचाओ; / आप हमारे ईश्वर हैं , और हम आपकी महमिा करते हैं !

और अब: हे परम पवत्रि , प्राचीन शाप को समाप्त करके , / आपने अपने गर्भ में हमारे लिए एक आशीर्वाद को जन्म दयि, शशिु को जन्म देते हुए। / क्योंकि वह ईश्वर है , यद्यपि वह देहधारी है।

कातावासयि: पुनरुत्थान का दनि! हे लोगों , आनन्द मनाओ! / पास्खा ! प्रभु का पास्खा ! / क्योंकि मृत्यु से जीवन में और पृथ्वी से स्वर्ग में / मसीह ईश्वर ने हमें लाया है , / जब हम वजिय का गीत गाते हैं।

भजन 3

इरमोस: आओ, हम नया पेय पीएं , / जो कसिी बाँझ चट्टान से चमत्कारकि रूप से नहीं नकिला, / बल्कि अमरत्व का वह फव्वारा है , / जो मसीह के कब्र से फूटा है , / जसिमें हम स्थरि हैं।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

अब सब प्रकाश से भर गया है , / स्वर्ग , पृथ्वी और पाताल लोक: / सारी सृष्टि मसीह के पुनरुत्थान का उत्सव मनाए, / जसि पर यह स्थापति है।

कोरस: मसीह मृतकों में से जी उठे हैं।

कल मैं आपके साथ दफ़नाया गया था, हे मसीह, / – आपके साथ, जो जी उठे हैं , मैं आज उठता हूँ ; / कल मैं आपके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया था: / मुझे अपने साथ महमिामय बनाओ, हे उद्धारकर्ता , / अपने राज्य में !

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अतिपवित्र माता, हमें बचाओ।

पवित्रता के जीवन की ओर / मैं आज प्रवेश करता हूँ , / उस की कृपा से जो तुमसे , हे पवित्र , जन्मे , / और जिन्होंने अपनी ज्योति से संसार के सभी छोरों को प्रकाशित किया।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अतिपवित्र माता, हमें बचाओ।

उस ईश्वर को देखकर , जिसे आपने अपने गर्भ में धारण किया था, हे पवित्र , मृतकों में से जी उठे , जैसा कि उन्होंने कहा, आनंदित हो, और हे निर्मल , ईश्वर के रूप में उनकी महिमा करो।

मिश्र -वाहकों का कैनन। इरमोस: हे ईश्वर , मेरे बांझ मन को / मुझमें फलदायी बनाओ, / आप जो अपने दयालुता द्वारा / सदाचार के बीजारोपक और आशीर्वादों के प्रदाता हैं।

हे यीशु , आपने अपने हाथों को क्रूस पर ठोक दिया, / और, सभी राष्ट्रों को उनकी भूल से इकट्ठा करके , / आपने उन्हें स्वयं को जानने के लिए बुलाया , हे उद्धारकर्ता।

यहूदी लोग पिलातुस से पुकारते हैं : / 'हमारे लिए दुष्ट डाकू को छोड़ दो, / लो, लो, निर्दोष को सूली पर चढ़ा दो!'

हे मसीह, तेरे सूली पर चढ़ाए जाने पर, प्रकाश अँधकारमय हो गया, पृथ्वी काँप उठी, और तेरी महिमा के भय से कई मृतक अपनी कब्रों से उठ खड़े हुए।

क्रूस के सामने खड़े होकर, हे यीशु , तेरा मेमना / दुख से पुकारा : 'तुम कहाँ जा रहे हो, मेरे पुत्र ? / तुम कहाँ जा रहे हो, हे सभी के लिए वध किए गए मेमने ?'

मैं तेरे क्रूस की आराधना करता हूँ , मैं तेरे समाधि का गीत गाता हूँ , / मैं तेरे दुख - क्लेशों और उन कीलों का सम्मान करता हूँ जिन्होंने तेरे हाथों को भेदा , / और भाले को, हे यीशु , और तेरे पुनरुत्थान को।

हे यीशु , आप जी उठे हैं , और शत्रु पराजित हो गया है ; / आदम को मुक्ति मिली है , और उसके साथ हव्वा को भी, / आपके पुनरुत्थान द्वारा दासत्व और क्षय से।

हे मसीह, तेरे पुनरुत्थान पर, / नरक के बोल्ट और द्वार चकनाचूर हो गए, / और मृत्यु के बंधन तेरे सामर्थ्य के भय से / तुरंत टूट गए।

हे यूसुफ , परमेश्वर -वाहक, आओ, / हमारे साथ खड़े हो जाओ, यह पुकारते हुए : / 'मुक्तिदाता यीशु जी उठे हैं , / जिन्होंने अपनी दया से आदम को उठाया है !'

बारह शिष्य हमारे साथ आनंद मनाएँ / मूरा -वाहक स्त्रियों और यूसुफ के साथ, / और मसीह के अन्य शिष्यों / और शिष्याओं के साथ।

महिमा: पिता को, पुत्र को, और पवित्र आत्मा को, / – एक ही स्वभाव – मैं उनकी आराधना करता हूँ और उनकी स्तुति गाता हूँ , / व्यक्तियों को अलग करते हुए स्वभाव को एक करते हुए।

और अब, हे ईश्वर की माता: धन्य हैं आप, हे पवित्र एक, / जो यिशै की जड़ से उत्पन्न हुईं , / जिनसे मसीह, शाखा और फूल , / हमारे लिए देह में प्रकट हुए।

कातावासिया: आओ, हम नया पान पिएं , / जो किसी बाँझ चट्टान से चमत्कारिक रूप से नहीं निकला, / बल्कि अमरत्व का वह फव्वारा है , / जो मसीह के कब्र से फूटा , / जिसमें हम स्थिर हुए हैं।

कॉन्टाकियन , स्वर 8

यद्यपि तू कब्र में उतर गया, हे अमर प्रभु , / तथापि तूने नरक की शक्ति को नष्ट कर दिया / और विजेता के रूप में पुनरुत्थित हुआ , हे मसीह हमारे परमेश्वर , / मुर्रा -धारण

करने वाली स्त्रियों से पुकार कर: 'हर्षति होओ!' / और अपने प्रेरितों को शान्ति प्रदान करते हुए , / तू जो पतितों को पुनरुत्थान प्रदान करता है।

इकोस: वह सूर्य जो सूर्य से भी पूर्व था, / जो एक बार कब्र में उतरा, / भोर से भी पहले आ गया था, / उसे मृत्तक -वाहक कुँवारियों ने दिन के प्रकाश के रूप में खोजा / – और उन्होंने एक-दूसरे से पुकारा : / 'हे मित्रो , आओ हम सुगंधित तेलों से अभिषेक करें उस देह का, / जो जीवन का श्वास लेती और दफन है , / उस परमेश्वर के मांस का जो पतित आदम को जिला उठाता है , / जो कब्र में पड़ा है। / चलो, हम मगियों की तरह शीघ्र चलें और आराधना करें , / और मूर्राह को उपहार के रूप में लाएँ / उस पर, जो अब लपेटों में नहीं , बल्कि कफ़न में लिपटे हैं ; / और आँसू बहाकर पुकारें : / 'हे प्रभु , उठो, तुम जो गिरे हुए को पुनरुत्थान प्रदान करते हो!'

और सेडेलन , स्वर 2

उत्कट उत्साह से मूर्रा लेकर कब्र पर आई स्त्रियाँ , स्वर्गदूत के तेज से अपने हृदय में आनंदित हुईं , और हे उद्धारकर्ता , आपको संपूर्ण जगत के ईश्वर के रूप में घोषित किया, तथा शिष्यों से पुकार कर कहा: 'वस्तुतः वह कब्र से जी उठे हैं , जो सभी का जीवन हैं !'

महिमा, और अब: तेरे शिष्यों का समूह / मुर्रा -वाहक स्त्रियों के साथ एक स्वर में आनंदित होता है ; / और हम भी उनके साथ इस साझा उत्सव का उत्सव मनाते हैं / तेरे पुनरुत्थान की महिमा और सम्मान के लिए; / और उनके होठों से हम तुझसे पुकारते हैं : / 'हे प्रभु , मानवजाति के प्रेमी , / अपने लोगों को अपनी महान दया प्रदान कर!'

भजन ४

इरमोस: दैवी रक्षक , धर्मशास्त्री हबक्कूक , हमारे साथ खड़े हों / और प्रकाश -धारण करने वाले स्वर्गदूत को प्रकट करें , / जो स्पष्ट रूप से उद्घोषणा करता है : / 'आज के दिन – संसार के लिए उद्धार , / क्योंकि मसीह सर्वशक्तिमान के रूप में पुनरुत्थित हुए हैं '।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

मसीह मनुष्य के रूप में प्रकट हुए , उन्होंने कुँवारी के गर्भ को खोल दिया; / और भोजन के रूप में अर्पित होकर, उन्हें मेमना कहा जाता है ; / फिर भी, निर्दोष —जैसे कोई कलंक न लगा हो— / वे हमारे पासोवर हैं ; / और, सच्चे ईश्वर के रूप में , / उन्हें पूर्ण कहा जाता है।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

एक वर्ष के मेमने के समान, / हमारे लिए – एक महिमामय मुकुट , / धन्य , जो सभी के लिए स्वेच्छा से बलिदान हुए , / शुद्ध करने वाले पासोव के रूप में , / और एक बार फिर कब्र से हमारे लिए प्रकट हुए / धार्मिकता के महिमामय सूर्य के रूप में।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

दाऊद, परमेश्वर के पूर्वज , / प्रतिमा के सामने कूदते और नाचते थे , जैसे किसी छाया में ; / परन्तु हम, परमेश्वर की पवित्र प्रजा , / प्रकारों की पूर्ति को देखकर , / परमेश्वर से प्रेरित होकर आनन्द मनाएँ , / क्योंकि मसीह, सर्वशक्तिमान , जी उठे हैं।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करें।

हे पवित्र एक, जिसने आदम, तुम्हारे पूर्वज , को बनाया, / वह तुम्हारे द्वारा रचा गया है , / और इस दिन उसने , अपनी मृत्यु से , / उस मृत्यु को समाप्त कर दिया जो उससे आई थी, / और सभी को प्रकाशित किया है / पुनरुत्थान के दिव्य तेज से।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

हे पवित्र कन्या , मसीह को देखकर , जिसे तुमने अपने गर्भ में धारण किया, / जो इस दिन सभी के उद्धार के लिए मृतकों में से महिमामय रूप से प्रकट हुए / स्त्रियों में महिमामय और निर्दोष , और सुंदर , / प्रेरितों के साथ आनन्द मनाओ और उनकी महिमा करो।

मिश्र -वाहकों का कैनन। इरमोस: कुँवारी से तेरे जन्म की पूर्वदृष्टि कर, / भविष्यवक्ता ने उद्घोषणा की, पुकार कर: / 'मैंने तेरी खबर सुनी और डर गया, / क्योंकि तेमान से और पवित्र , छायादार पर्वत से / हे मसीह, तू आया है !'

हे क्रूस के द्वारा तूने नरक की गहराइयों को वश में किया, / और अपने साथ मृतकों को जिला उठाया, / और मृत्यु के राज्य को समाप्त किया; / इसलिए हम, जो आदम की संतान हैं , / नतमस्तक होकर गाते हैं / हे ख्रीस्त , तेरे समाधि और पुनरुत्थान का।

हे हमारे उद्धारकर्ता , आपने अपने हृदय की दया में , क्रूस पर कीलों से ठोक दिए जाने के लिए सहमति दी, और हमें उस शाप से मुक्त किया जो हमारे पूर्वजों पर पड़ा था! / मेरे अनेक पापों के बंधन ढीले कर दें : क्योंकि आप जो चाहें , वह कर सकते हैं।

हे उद्धारकर्ता , आपने जो मेरे प्राचीन श्राप को क्रूस पर ठोक दिया, / और मुझ पर अपने पार्श्व के रक्त का आशीर्वाद / उंडेला ! / मेरे अनेक पापों के बंधन ढीले कर दीजिए: / क्योंकि आप जो चाहें , वह कर सकते हैं।

हे उद्धारकर्ता , जब नरक ने अधोलोक में आपसे भेंट की, तो वह क्रुद्ध हो गया, यह देखकर कि जिन्हें वह कभी निगल जाता था, उन्हें अब उसे समर्पित करना पड़ता है ; और अधोलोक में उसकी तलाशी ली जाती है , लूट लिया जाता है , और मृतकों से वंचित कर दिया जाता है।

यद्यपि पत्थर सील किया गया और पहरा दिया गया, हे दुष्ट शत्रुओ , तथापि प्रभु उठे हैं , जैसा उन्होंने पूर्व में कहा था, मेरे अनेक पापों के बंधन खोलते हुए : क्योंकि वे जो इच्छा करें , वह कर सकते हैं।

वह जो कब्र से जी उठा, और नरक को लूट लिया, / और मृतकों को जीवित कर दिया, / और अपनी पुनरुत्थान द्वारा मुझे अक्षय जीवन प्रदान किया! / मेरे अनेक पापों के बंधन खोल दो: / क्योंकि आप जो चाहें , करने में समर्थ हैं।

सचमुच , लज्जित हो जाओ, हे अधर्म करने वालों , / क्योंकि मसीह जी उठे हैं , और अपने साथ मृतकों को भी उठा ले आए हैं , यह पुकारते हुए : / 'हौसला रखो, मैंने संसार पर विजय प्राप्त कर ली है !' / तो फिर, उन पर विश्वास करो, या चुप रहो, हे धोखेबाजों , / जो उनके पुनरुत्थान को अस्वीकार करते हो!

कब्र से उठने के बाद, उन्होंने मिरा -वाहक स्त्रियों से कहा: 'खुश होओ / और प्रेरितों को मेरे पुनरुत्थान का प्रचार करो!' / हे दयालु , यह अनुग्रह करो, कि मेरे अनेक पापों के बंधन ढीले हो जाएँ , / क्योंकि आप जो चाहें , वह कर सकते हैं।

आओ हम सम्मानित यूसुफ , धर्म के उत्साही रक्षक , / परिषद के सदस्य और शिष्य का सम्मान करें , / मिर्रह -वाहकों और प्रेरितों के साथ, / उनके साथ आनंदपूर्वक उद्घोष करते हुए / और विश्वास के साथ उद्धारकर्ता के पुनरुत्थान का गीत गाते हुए।

महिमा: कौन व्यक्त कर सकता है अविभाज्य महिमा को / परम दिव्यता की? / क्योंकि त्रित्व , सार में एक होकर, / की स्तुति की जाती है बिना आरंभ के , एकसार के रूप में , / और महिमा की जाती है एकता के रूप में / तीन साधारण हाइपोस्टासिस में।

और अब, हे परमेश्वर की माता: तुम्हारी कोख में निवास करने वाले को पति के बिना जन्म देकर , हे पवित्र कुँवारी माता, परमेश्वर की माता के रूप में निरंतर प्रार्थना करो, कि मेरे अनेक पापों के बंधन ढीले हो जाएँ : क्योंकि तुम्हारे पास अपनी इच्छानुसार सहायता करने की शक्ति है।

कातावासयिा: दव्यि संरक्षक , धर्मशास्त्री अब्बाकुम , हमारे साथ खड़े हों और प्रकाश -धारण करने वाले स्वर्गदूत को प्रकट करें , जो स्पष्ट रूप से उद्घोषति करता है : 'आज – संसार के लिए उद्धार , क्योंकि मसीह सर्वशक्तमिान के रूप में पुनरुत्थति हुए हैं '।

गीत 5

इरमोस: हम भोर से ही पहरा दें / और, अंधकार के बदले , प्रभु को एक गीत अर्पति करें , / और मसीह को नहिारें – धार्मकिता का सूर्य , / जो सभी को जीवन का प्रकाश प्रदान करता है।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे मसीह, तेरी असीम दया को देखकर , / नरक की बेड़यिों में बँधे हुए / आनंदति कदमों से प्रकाश की ओर दौड़े , / शाश्वत फसह की स्तुति करते हुए।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

आओ हम हाथों में दीपक लेकर मसीह के समीप चलें , / जो कब्र से एक वधू -वर की तरह प्रकट हुए हैं , / और आओ हम एक साथ उत्सव मनाएँ / आनंदति स्वर्गीय सेनाओं के साथ / परमेश्वर के उद्धारक पास्का का।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमारा उद्धार करो।

हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, / आपके पुत्र के पुनरुत्थान की दव्यि / और जीवन-दायक करिणों से प्रकाशति , / भक्तों की सभा आनंद से भर गई है।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमारा उद्धार करो।

हे सृष्टि के राजा, तूने अवतार में कुँवारीपन के द्वार नहीं खोले , न ही तूने कब्र की मुहरें तोड़ीं , और इसलिए, तुझे पुनर्जीवति देखकर , माता आनंदति हुई।

मश्रि -वाहकों के लिए कैनन। इरमोस: हे मेरे उद्धारकर्ता , मेरी आत्मा के अन्धकार को दूर कर, / मुझे अपने आज्ञाओं के प्रकाश से प्रकाशति कर, / संसार के एकमात्र राजा के रूप में।

हे मेरे प्राचीन वस्त्र , / जसिे पाप के बोने वाले ने —हाय मेरे लिए—मेरे लिए बुना था, / हे मेरे उद्धारकर्ता , / तुमने मुझसे उतार लयिा है , / स्वयं को मुझमें परधिान कर लयिा है।

अंजीर के वृक्ष की पत्तयिाँ / मेरे पाप ने मेरे लिए सलि दीं – हाय मुझ पर – / क्योंकि मैं , मेरा उद्धारकर्ता , साँप की सलाह पर / आपकी परम पवत्रि आज्ञा का पालन करने में असफल रहा।

मेरी आत्मा , जो मेरे दुष्ट वचिारों से घायल थी, तब चंगी हुई , जब वह मेरे सामने खड़ा हुआ और तेल बहाया, मरयिम से जन्मा मसीह।

क्रूस के सामने खड़ी , परमेश्वर की नष्किलंक माता / ने एक माँ की आवाज़ में पुकारा : / 'तुमने मुझे अकेला छोड़ दयिा है , / मेरे पुत्र और मेरे प्रभु !'

हे साँप , हे बुराई के स्रोत , / ने अपने क्रूस के हथयिार से गरि दयिा है , / और अपने पुनरुत्थान से / मृत्यु के डंक को कुचल दयिा है , हे यीशु।

'हे मृत्यु , तेरी काट कहाँ ? / हे नरक, तेरी वजिय कहाँ ?' / – आदम भी हमारे साथ घोषणा करे , / – 'तू उस के पुनरुत्थान से कुचला गया / जसिने मरे हुओं को जलिाया!'

मश्रि -वाहक स्त्रयिाँ , जब उस कब्र तक पहुँचीं / जसिने धरती के नीचे पड़े हुए लोगों को जीवति कयिा था, / उन्होंने एक उद्घोष सुना : / 'मसीह जी उठे हैं !'

जैसे ही हम पवत्रि मूरा -वाहकों , / और तेरे सभी शष्यिों का स्मरण करते हैं , / तेरे आनंदमय पुनरुत्थान के दनि / हम तेरी स्तुति गाते हैं , हे मसीह।

आओ हम सभी सम्मानपूर्वक सम्मानति करें कुलीन यूसुफ को, / जन्हिोंने प्रभु के शरीर को क्रूस से उतारा, / और उसे वश्विास के साथ वश्राम के लिए रखा।

महमिा: तुझे , हे ईश्वर और पति, और पुत्र , और पवत्रि आत्मा , मैं प्रणाम करता हूँ – तीनों व्यक्तयिों को, और मैं वश्विास करता हूँ कि तीनों एक हैं , स्वभाव की एकता में।

और अब, ईश्वर की माता को: हम, वश्विासयिों , आपकी स्तुति करते हैं , / आपने बनिा बीज के अपने गर्भ में धारण कयिा / और प्रकृति से परे , जन्म दयिा / मसीह, एकलौते प्रभु को, / जन्हिोंने प्रकृति को नया कयिा।

कटवाशयिा: हम भोर से ही जागते रहेंगे / और प्रार्थना के स्थान पर प्रभु के लिए एक स्तोत्र अर्पति करेंगे , / और देखो मसीह – धार्मकिता का सूर्य , / जो सभी को जीवन की करिणें बखिेरता है।

स्तोत्र 6

इरमोस: तू पृथ्वी के सबसे गहरे हस्सिों में उतर गया / और उन शाश्वत बोल्टों को तोड़ दयिा / जन्हिोंने कैदयिों को बेड़यिों में जकड़ रखा था, हे मसीह, / और तीसरे दनि, जैसे व्हेल से , हे योना, / तू कब्र से उठ खड़ा हुआ।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे मसीह, मुहरें अछूटी छोड़कर , / आप कब्र से उठे , / आपने अपने जन्म के समय कुँवारी के गर्भ को अछूता रखा, / और हमारे लिए स्वर्ग के द्वार खोल दिए।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे मेरे उद्धारकर्ता , / जीवति और अकटा बलदिान! / स्वयं को, ईश्वर के रूप में , / स्वेच्छा से पति को अर्पति करते हुए , / तुमने अपने साथ / हमारे सामान्य पूर्वज आदम को भी जलिाया, / कब्र से उठकर।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवत्रि माता, हमारा उद्धार करो।

जो अनादि काल से मृत्यु और क्षय का बन्दी था, / उसे उसने अक्षय और अनन्त जीवन में पुनर्जीवति कयिा है , / जसिने तेरी अति पवत्रि गर्भ से अवतार लयिा, / हे ईश्वर की कुँवारी माता।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवत्रि माता, हमारा उद्धार करें।

वह पृथ्वी के सबसे गहरे स्थानों में उतरा / हे पवत्रि एक, आपकी गहराइयों में ; वही जो उतरा / और वहाँ वास कयिा, और सभी समझ से परे मूर्तमिान हुआ ; / और वह कब्र से उठने के बाद, आदम को अपने साथ उठा ले गया।

मश्रि -वाहकों के लिए कैनन। इरमोस: मैं हमेशा पाप की गहराइयों में डूबा रहता हूँ , / और मैं इस जीवन की खाई में डूब रहा हूँ : / परन्तु , जैसे योना को उस दानव से बचाया गया था, वैसे ही मुझे मेरी वासनाओं से बचाओ / और मुझे बचा लो!

नरक मरा हुआ है ; उत्साहति हो जाओ, हे पृथ्वी पर जन्मे लोगो! / क्योंकि मसीह, वृक्ष पर लटके हुए , / ने अपने ही हथयिार को उसके वरिुद्ध मोड़ दयिा, / और वह मरा हुआ पड़ा है , क्योंकि उसे लूट लयिा गया है , / उन लोगों को खोकर जन्हिें वह कभी अपने पास रखता था।

'नरक लूट लयिा गया है और कब्रें खुल गई हैं ; / हे मृतकों , उत्साहति हो, उठो!' / – इस प्रकार मसीह नरक से तुम्हें उद्घोषति करते हैं , / जो वहाँ आए हैं सभी को मुक्ति देने / मृत्यु और क्षय से।

'उन मृतकों को जन्हिें तूने एक बार नगिल लयिा था, / अब, हे नरक, मैं तुझसे मांग करता हूँ कि उन्हें मुझे लौटा दे !' / – जीवनदाता और ईश्वर तुम्हें यह घोषणा करते हैं , / जो सभी को मुक्त करने आए हैं / तेरे अतृप्त पेट से।

हे मुर्रा -वाहक स्त्रियों , तुम अभी भी क्यों दौड़ रही हो? / और तुम जीवित प्रभु के लिए मुर्रा क्यों ला रही हो? / मसीह उठे हैं , जैसा पूर्व में बताया गया था। / तुम्हारे आँसू रुक जाएँ / और आनंद में बदल जाएँ।

हे मसीह, आपको कफ़न में लपेटकर , / कुलीन योसेफ ने आपको कब्र में रखा; / और, मृत्यु द्वारा तबाह किए गए आपके शरीर के मंदिर पर अभिषेक करके , / उसने कब्र के मुँह पर एक बड़ा पत्थर लुढ़का दिया।

प्रभु उठे हैं , शत्रु को पराजित कर, / और बंदियों को मुक्ति देकर , / उन्होंने सभी को उद्धार तक पहुँचाया है , / और प्रथम सृजित आदम को, / उसे उठाकर, एक दयालु / और परोपकारी ईश्वर के रूप में।

महिमा: आओ हम एकता में त्रिमूर्ति का गान करें , / हे विश्वासियों , पुत्र के साथ पिता की महिमा करें , / और आत्मा की, जो पुत्र के सह-तत्त्व की और पिता में वास करने वाली है , / सह-शाश्वत और शाश्वत ईश्वर।

और अब, हे ईश्वर की माता: हे पवित्र कन्या , तेरे गर्भ में बिना बीज के गर्भधारण हुआ , / एक अक्षय बेल की लता, एक गुच्छा , / जिससे अमरत्व की धाराएँ , / मदिरा की तरह, हम तक बहती हैं , हमें अनंत जीवन प्रदान करती हैं।

कातावासिया: तू पृथ्वी के सबसे निचले भागों में उतर आया / और तूने उन शाश्वत बाधाओं को तोड़ दिया / जो कैदियों को बेड़ियों में जकड़े हुए थीं , हे मसीह, / और तीसरे दिन, जैसे व्हेल से , हे योना, / तू कब्र से उठ खड़ा हुआ।

कॉन्टाकियन , स्वर 2

मूर्राधारियों को 'हर्षित होओ!' पुकारकर , / हे मसीह हमारे ईश्वर , आपने अपने पुनरुत्थान द्वारा हमारी पूर्वमाता हव्वा के विलाप को समाप्त किया; / और आपने अपने प्रेरितों को यह घोषणा करने की आज्ञा दी: / 'उद्धारकर्ता कब्र से जी उठे हैं !'

इकोस: हे उद्धारकर्ता , जब वे तेरी कब्र की ओर जा रही थीं , / तब मूर्ह -वाहनियाँ अपने हृदय में आश्चर्य करके कहने लगीं : / 'हमारे लिए कब्र का पत्थर कौन हटाएगा?' / और, ऊपर देखकर , उन्होंने देखा कि पत्थर हटा दिया गया था; / वे स्वर्गदूत के रूप और वस्त्रों को देखकर चकित रह गए; / और, कांपते हुए , वे पहले ही भाग जाने के बारे में सोच रहे थे। / परन्तु उस जवान ने उनसे पुकार कर कहा: / 'डरो मत; जिसको तुम ढूंढ़ती हो वह जी उठा है ; / आओ, उस जगह को देखो / जहाँ उसका शरीर पड़ा था, / और जल्दी से जाओ, और चेलों से कहो: / "उद्धारकर्ता कब्र से जी उठे हैं !"'

मेनायोन और ट्रायोडियन का सायनेक्सारियन।

ओड 7

इरमोस: जिसने युवकों को भट्टी से बचाया, / मानव बनकर, / एक नश्वर के रूप में पीड़ा सहता है , / और अपनी पीड़ा के द्वारा / नश्वरता को अमरत्व की सुंदरता से सुसज्जित करता है , / वही धन्य / पितरों का परमेश्वर और अति महिमामय।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

ईश्वर -ज्ञ महिलाएँ / सुगंधित मसालों के साथ तेज़ी से आपके पीछे चलीं। / परन्तु जिसे वे एक मनुष्य के रूप में आँसुओं से खोज रही थीं , / उन्होंने उसे आनन्दपूर्वक जीवित ईश्वर के रूप में पूजा , / और रहस्यमय पास्चा का प्रचार किया / आपके शिष्यों को, हे मसीह।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हम मृत्यु की पराजय का उत्सव मनाते हैं , / नरक के वनिाश का, / एक नए – शाश्वत – जीवन की शुरुआत का, / और आनंद से हम उस एक की स्तुति करते हैं जसिने यह सब संभव कयि / – हमारे पूर्वजों के धन्य / परमेश्वर और सर्वोच्च महमिामय।

पुनरुक्ति : मसीह मृतकों में से जी उठे हैं।

सत्य में पवत्रि / और हर उत्सव के योग्य / है यह रात, उद्धार देने वाली और तेजस्वी , / पुनरुत्थान के प्रकाश -पूर्ण दनि की अग्रदूत , / जसिमें शाश्वत प्रकाश / कब्र से देह में सबके लिए प्रकट हुआ।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमारा उद्धार करो।

आज मृत्यु को मृत्यु पर वजिय दलिाकर, हे सर्व -पवत्रि , आपके पुत्र ने सभी नश्वर प्राणयिों को वह जीवन प्रदान कयि है जो अनंतकाल तक बना रहे , वह धन्य , हमारे पूर्वजों के परमेश्वर और अति-महमिावान।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमारा उद्धार करो।

सारी सृष्टि पर राज करते हुए , / मनुष्य बनकर, / हे ईश्वर -धन्य , तेरी कोख में रहे , / और सूली पर चढ़ने तथा मृत्यु को सहन करने के बाद, / ईश्वर के योग्य , पुनर्जीवति हुए , / और हमें भी अपने साथ सर्वशक्तमिान के रूप में उठाया।

मश्रि -वाहकों का कैनन। इरमोस: करूबों का अनुकरण करते हुए , / युवकों ने भट्टी में आनंद मनाया, यह पुकारते हुए : / 'धन्य हैं आप, हे ईश्वर , / जन्हिोंने सत्य और न्याय में हमारे पापों के लिए यह सब हम पर लाया है , / सर्वदा और युगानुयुग प्रशंसनीय और महमिामय!'

हे मानवजाति के प्रयितम , / जो उन सभी को बचाना चाहते थे जन्हिें आपने बनाया है / भूल से , / आपने क्रूस पर सूली की पीड़ा सहन की, / ताकि आपकी प्रतमिा , जो वासनाओं में दबी थी, / हे उद्धारकर्ता , आपके शरीर के द्वारा नवीनीकृत हो सके , / और, नरक को वश में कर, / मृतकों को अपने साथ जीवति कर सके।

क्रूस पर महमिामय होकर, / हे दयालु , आपने सभी को अपने पास बुलाया , / ठीक वैसे ही जैसे आपने , हे शुभे , वादा कयि था: / क्योंकि सचमुच आपने यह सब सहन कयि / हमारे पापों के लिए। / इसलिए, हे उद्धारकर्ता , आपने स्वर्ग के द्वार खोल दिए / चोर के लिए।

आपने तीसरे दनि कब्र से / शरीर के टूटे हुए मंदरि को जलिाया, / जैसा आपने , हे दयालु , वादा कयि था, / ताकि आप अपनी महमिा को सचमुच प्रकट कर सकें , / जो आप हमें हमारे वश्विास के अनुसार प्रदान करते हैं , / और उन बंदयिों को मुक्त कर सकें / जन्हिें नरक ने पहले जंजीरों में बाँध रखा था।

हे यहूदयिों की मूर्खता ! / हे अधर्मी लोगों के पागलपन! / जो झूठ था, उसे देखकर भी तुम मसीह पर वश्विास क्यों नहीं करते ? / क्या उसने एक शब्द से अस्वस्थों को नहीं चंगा कयि? / और क्या उसने स्वयं संपूर्ण संसार को नहीं बचाया? / कम से कम सैनकिों से ही यकीन करो, / या उन लोगों से जो मृतकों में से जी उठे हैं !

वे नर्जिीव पहरेदार केवल इतना कहें / कि उसे चुरा लिया गया—उसे जसि उन्होंने , अपनी मूर्खता में , बल्कुि भी नहीं देखा ! / क्योंकि यदि उन्होंने उसके पुनरुत्थान के बाद न तो उसे देखा और न ही महसूस कयि, / तो वे संभवतः कहीं से भी यह कैसे जान सकते थे कि उसे चुरा लिया गया था? / कम से कम यह पत्थर आपको यकीन दलिाए, / और मसीह के दफ़नाने के लबिास।

तुम मसीह की रखवाली ऐसे क्यों कर रहे हो मानो वह मृत हों ? / हे यहूदयिों , तुमने चोरी के डर से पत्थर पर मुहर क्यों लगाई? / देखो , कब्र वास्तव में सील की गई थी: / तो फरि वह कैसे उठे , यदि वह ईश्वर , मसीह न होते ? / जो लोग मृतकों में से उठे और कई लोगों के सामने प्रकट हुए , वे तुम्हें वश्विास दलिाएँ।

महिमा: हम पिता के साथ पुत्र और पवित्र आत्मा की महिमा करते हैं, / अनवरत स्वर में पुकारते हुए: / 'त्रिमूर्ति, एक सत्ता, दया करो, हम सभी को बचाओ! / तीन व्यक्तियों में एक, हम पर दया करो, / हे ईश्वर, जो सदा के लिए महिमामय है!'

और **अब, हे ईश्वर की माता:** यह कैसे संभव हुआ कि तेरी कोख में, हे परम पवित्र, / तूने उस शिशु को जन्म दिया, / जिसके सामने स्वर्गदूतों की सेनाएँ ईश्वर के समान काँपती हैं? / केवल इसलिए कि उसने स्वयं ऐसा चाहा / और, जैसा कि वह स्वयं जानता है, वहाँ निवास किया, / पृथ्वी पर आदम से उत्पन्न सभी को बचाने की इच्छा से, / आदम को उस शाप से मुक्ति दिलाते हुए / जो उसके कड़वे उल्लंघन के कारण उस पर पड़ा था।

कातावासिया: जिसने युवकों को भट्टी से बचाया, / मानव बनकर, / एक नश्वर के रूप में पीड़ा सहता है, / और अपनी पीड़ा के द्वारा / नश्वरता को अमरत्व की सुंदरता से सुसज्जित करता है, / वही धन्य / पूर्वजों का परमेश्वर और अति महिमामय।

भजन ८

इरमोस: यह प्रतीक्षित और पवित्र दिन, / सब्त के बाद का पहला, राजसी और सर्वोच्च, / उत्सवों का महा-उत्सव / और जश्न का जश्न है। / इस दिन हम सदा के लिए मसीह का धन्यवाद करते हैं!

पुनरुक्ति: मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

आओ, हम नई दाखलता का फल चखें, / दिव्य आनंद, / पुनरुत्थान के इस महिमामय दिन पर, / और हम मसीह के राज्य में सहभागी हों, / उसकी हमेशा और हमेशा परमेश्वर के रूप में स्तुति गाते हुए।

पुनरुक्ति: मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

अपनी आँखें उठा, सियोन, / और अपने चारों ओर देख: / क्योंकि देख, तेरे बच्चे तेरे पास इकट्ठा हुए हैं, / दिव्य -दीप्तिमान तारों की तरह, / पश्चिम और उत्तर से, / समुद्र और पूर्व से, / मसीह को तेरे भीतर सदा-सर्वदा धन्य कहते हुए।

पुनरावर्तन: परम पवित्र त्रिमूर्ति, हमारे ईश्वर, महिमा आपको हो।

त्रिमूर्ति भजन: सर्वशक्तिमान पिता, और वचन, और आत्मा, / तीन व्यक्तियों में एक सत्ता, / परम उच्च और परम दिव्य! / हम में आप में बपतिस्मा प्राप्त करते हैं / और हम आपको युगानुयुग धन्य कहते हैं।

पुनरावर्तन: हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

सृष्टिकर्ता तेरे द्वारा संसार में आए, हे परमेश्वर की कुँवारी माता, और नरक के बंधन तोड़कर, हमें मनुष्यों को पुनरुत्थान का वरदान दिया। अतः हम सदा-सर्वदा उनकी स्तुति करते हैं।

पुनरुक्ति: हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमें बचाओ।

मृत्यु की सारी शक्ति को धूलि चटाकर, हे कुँवारी, तुम्हारे पुत्र ने, महाबली परमेश्वर के रूप में, अपने पुनरुत्थान द्वारा हमें भी अपने साथ उठाया और जीवित कर दिया। इसलिए हम सदा-सदा उसकी स्तुति करते हैं।

मिश्र -वाहकों का कैनन। इरमोस: काँटों से ढकी झाड़ी में, मूसा को कुँवारी के चमत्कार का गायन करो, / जिसने एक बार सिनाई पर्वत पर उनका पूर्वाभास दिया था, / उसकी स्तुति करो, उसका आशीर्वाद करो और उसका गौरव सदा और सदा के लिए करो!

मसीह के दुखों के भय से सूर्य की किरणें छिप गईं, / और मरे हुए जी उठे, और पहाड़ काँप उठे, / और पृथ्वी हिल गई, और नरक अपनी शक्ति खो बैठा।

तीन बार धन्य हुए युवक , जो एक बार भट्टी में रहे , / अपने हाथ उठाकर, / हे दयालु , तेरे परम पवित्र क्रूस का पूर्वसंकेत कयिा, / जसिसे तू , हे मसीह, / शत्रु की शक्ति को ध्वस्त कर दयिा।

हे अंधे यहूदी , धोखेबाज़ और अपराधी, / तुम जो मसीह के पुनरुत्थान पर वशि्वास नहीं करते —तुम कतिने झूठे हो! / तुम क्या झूठ पाते हो / इस तथ्य में कमिसीह मृतकों में से जी उठे , / अपने साथ मृतकों को उठाते हुए ?

हे शत्रुतापूर्ण यहूदयिों , यदि तुम हम पर वशि्वास नहीं करते , तो अपने ही सैनकिों से पूछो कि उन्होंने क्या अनुभव कयिा है ? कसिने अपनी ही हाथों से कब्र के मुँह से पत्थर हटाया?

अंजीर के पेड़ को कसिने मुरझाया था? / और मुरझाए हुए हाथ को कसिने चंगा कयिा? / कसिने एक बार जंगल में भीड़ को भोजन कराया था? / यह कौन है , यदि मसीह परमेश्वर नहीं , / जसिने मरे हुओं को जलिाया!

अंधों को दृष्टि कसिने दी / और कुष्ठरोगयिों को शुद्ध कयिा, / और लंगड़ों को चंगा कयिा, / और अपने पैरों को भीगे बनिा, सूखी भूमि की तरह समुद्र पर चला? / यह कौन है , यदि प्रभु मसीह नहीं , / जसिने मृतकों को जलिाया!

जन्हिोंने चार दनि से मृत पड़े व्यक्ति को कब्र से उठाया, ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने वधिवा के पुत्र को? / जन्हिोंने , ईश्वर की तरह, बस्तिर पर पड़े लकवाग्रस्त व्यक्ति को चंगा कयिा? / यह कौन है , यदि प्रभु मसीह नहीं , / जन्हिोंने मृतकों को जलिाया!

खुद पत्थर पुकार रहा है , मुहरें घोषणा कर रही हैं , / वे जो तुमने लगाई थीं , / कब्र की रखवाली के लिए पहरा लगाकर: / 'सचमुच मसीह जी उठे हैं और हमेशा जीवति रहेंगे !'

सचमुच मसीह जी उठे हैं , / नरक लूट लयिा गया है , / साँप मार गरिाया गया है , आदम को मुक्त कर दयिा गया है , / पाताल लोक में रहने वालों को बचा लयिा गया है ! / तुम अभी भी वशि्वास क्यों नहीं करते , / हे घृणा करने वालों और दुष्टों ?

आओ हम पति, पुत्र और पवित्र आत्मा , प्रभु की स्तुति करें।

पति, पुत्र और पवित्र आत्मा के साथ, / पवित्र त्रमिूर्ति एक ईश्वरत्व में , / हम महमिा देते हैं , यह घोषणा करते हुए : / 'पवित्र , पवित्र , पवित्र हो आप सदा के लिए!'

अब और सदा और युगानुयुग। आमीन।

थयिोटोकोस: अनंत जीवन की रोटी, हे पवित्र एक, तेरी कोख में , हमारी प्रकृति के साथ बनिा मलि -जुले , तूने उसे जन्म दयिा—जो परविर्तन से परे है , एक ही मसीह ईश्वर दो स्वभावों में।

हम प्रभु की स्तुति , धन्यवाद और आराधना करते है , उनकी महमिा गाते हुए और उन्हें युगों -युगों तक ऊँचा उठाते हुए।

कातावासयिा: यह प्रतीक्षति और पवित्र दनि, / सप्तम दनि के बाद का पहला, राजसी और सर्वोच्च , / उत्सवों का उत्सव / और जश्न का जश्न है। / इस दनि हम युगानुयुग मसीह को धन्यवाद देते हैं !

नवें ओड, 'सर्वोच्च सम्मान ' के लिए: हम इसे पास्का के मेमने की बलदिान तक नहीं गाते।

गीत 9

इरमोस: चमक, चमक हे नयी यरूशलेम , / क्योंकि प्रभु की महमिा तुझ पर उदय हुई है ! / अब आनन्दति हो और हर्षति हो हे सयिोन! / और हे परमेश्वर की पवित्र माता, आनन्दति हो / उस के पुनरुत्थान पर जसिे तूने जन्म दयिा।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे दिव्य, हे प्रिय, / हे आपके शब्दों में सबसे मधुर! / क्योंकि आपने व्यर्थ में वादा नहीं किया / कि हे मसीह, आप समय के अंत तक हमारे साथ रहेंगे! / हमारे विश्वास के लंगर के रूप में उन पर चिपके हुए, / हम, विश्वासियों, आनंदित हैं!

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे महान और परम पवित्र पास्का, हे मसीह! / हे बुद्धि, और परमेश्वर के वचन, और शक्ति! / अनुग्रह करें कि हम आपके साथ और भी पूर्ण रूप से एक हो सकें / आपके राज्य के सदा-प्रकाशमान दिन में।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करें।

हम, विश्वासियों ने, एक स्वर में / हे कुँवारी, तुम्हारा महिमामंडन करते हैं: / 'हे प्रभु के द्वार, आनन्दित हो; / हे जीवित नगर, आनन्दित हो; / आनन्दित हो, क्योंकि तुम्हारे द्वारा / इस दिन हम पर चमकी है / उस के मृतकों में से जी उठने की ज्योति / जिसने तुमसे जन्म लिया।'

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

हे दिव्य प्रकाश के द्वार, आनन्दित हो और हर्षित हो! / क्योंकि यीशु, कब्र में उतरकर, / सूर्य से भी अधिक तेजस्वी होकर आरोहण हुए / और सभी विश्वासियों को प्रकाशित किया, / हे देवी, जिन पर परमेश्वर ने हर्ष मनाया!

मिश्र -वाहकों का कैनन। इरमोस: हम, विश्वासी, अनवरत भजनों में महिमा करते हैं / उस वचन की, जो समय से परे पिता से प्रकाशित हुआ, / जो देह के गर्भ में अलौकिक रूप से गर्भधारी हुआ!

उस चोर को, जिसने क्रूस पर, तुझमें ईश्वर को पहचाना, / तूने उसे अदेह स्वर्ग का वारिस बनाया, / 'मुझे याद रखना,' उसने पुकारा, 'हे सर्वशक्तिमान उद्धारकर्ता!'

हे यीशु, आपने हमारे लिए मुंह पर प्रहार सहन किए / और अधर्मी लोगों की अपमानजनक बातें, / आपने ही सिनाई पर्वत पर अपने सेवक मूसा के लिए / विधि की पट्टियाँ अंकित कीं।

हमारे लिए आपको सिरका और पित्त पिलाया गया, हे उद्धारकर्ता, जिन्होंने हमें अपना शरीर और अपना बहुमूल्य रक्त, अपने अनंत जीवन के भोजन और पेय के रूप में दिया।

अपने जीवन-दायक पार्श्व में भाले से भेदे जाने पर, / हे मसीह, आपने अपना निर्दोष रक्त / और पवित्र जल / संसार पर, शाश्वत जीवन के फव्वारे के रूप में, बहाया।

आपको मृतकों में गिना गया, फिर भी आपने मृतकों को जीवित किया, / एक कब्र में रखा गया, फिर भी आपने कब्रों को खाली किया, / और नरक को लूट लिया, आदम को मृतकों में से उठाकर।

हे यीशु, आप जी उठे हैं; शत्रु को बाँध दिया गया है, / नरक को लूट लिया गया है, कब्रें खाली हो गई हैं, / जो पाताल में रहते थे उन्हें उठा लिया गया है / और वे आपकी आराधना करते हैं, हे मसीह।

उस मृतक को किसने चुराया —और वह भी नग्न? / हे यहूदियों, तुम इतने भ्रम में क्यों हो? / मसीह जी उठे हैं, और नरक की बेड़ियाँ / और ताले टूट गए हैं।

महिमा हो तुझको, हे उद्धारकर्ता मसीह, जिसने जीवन बहाया / और अज्ञान के अंधकार में रहने वालों को प्रकाश दिखाया, / और जिसने अपने पुनरुत्थान से सारी पृथ्वी को प्रकाशित किया।

हे विश्वासियों, आइए हम अद्भुत यूसुफ की स्तुति करें, निकोदेमस और विश्वासयोग्य मुर्राधारियों के साथ, यह पुकारते हुए: 'प्रभु सचमुच जी उठे हैं!'

परिषद के सम्मानित सदस्य जोसेफ की, मूर्रा -वाहकों और दैवी शिष्यों के साथ मिलकर स्तुति हो, क्योंकि वह भी मसीह के पुनरुत्थान का एक सूचक है।

महमिा: हे पति, आप आदि-विहीन हैं , / हे पुत्र , आप अनादि हैं , / और पवित्र आत्मा सह-सिंहासनधारी हैं : / ये तीनों एक सार में एक हैं , / और तीनों व्यक्तियों में —एक सच्चा ईश्वर।

और अब, हे परमेश्वर की माता: यशै आनन्दति हो, / दाऊद हर्षति हो: / क्योंकि देखो , हे कुँवारी , परमेश्वर द्वारा रोपी गई लाठी / ने अनन्त जीवन का फूल खिलाया है – मसीह

कातावासयि: चमको, चमको, हे नए यरूशलेम , / क्योंकि प्रभु की महिमा तुम पर उदय हुई है ! / अब आनन्दति हो और हर्षति हो, हे सियोन! / और तुम , हे परमेश्वर की पवित्र माता, हर्षति हो / उस के पुनरुत्थान में जिसे तुमने जन्म दिया।

तब 'पवित्र है प्रभु हमारा परमेश्वर ': **स्वर 2 में।**

ईस्टर एक्सापोस्टलिइरॉन

मर्त्य के रूप में देह में सुप्त हो कर, / हे राजा और प्रभु , / आप तीसरे दिन पुनरुत्थित हुए , / आदम को क्षय से उठा कर / और मृत्यु को नाश कर के। / अक्षय का पास्खा , / संसार का उद्धार ! **(1)**

मिरिाधारियों के लिए महिमा: हे स्त्रियों , आनन्द का स्वर सुनो : / 'क्रूर पाताल को पराजित कर, / मैंने संसार को क्षय से उठाया है ; / शीघ्र करो, और मेरी मित्रों को शुभ - समाचार सुनाओ : / क्योंकि मैं अपनी सृष्टि को प्रकाशित करना चाहता हूँ / उस स्थान से आनन्द के साथ / जहाँ से पहले शोक आया था।'

और अब: हम वही दोहराते हैं।

'स्तुति ' पर, स्तोम 8 में स्तिखिरि ,
ईस्टर स्टचिरा चौथे स्वर में , दूसरा स्वर

पद: उनके बीच निर्धारित न्याय को पूरा करने के लिए; यह महिमा उनके सभी संतों की है। भजन संहिता 149:9

प्रत्येक जीवित प्राणी और सारी सृष्टि / तुझे महिमा देती है , हे प्रभु ; / क्योंकि क्रूस द्वारा तूने मृत्यु को समाप्त कर दिया, / मानवजाति को मृतकों में से अपने पुनरुत्थान का प्रकटीकरण करने के लिए, / मानवजाति के एकमात्र प्रेमी के रूप में।

पद: उनके संतों में परमेश्वर की स्तुति करो; उनकी सामर्थ्य के आकाशमण्डल में उसकी स्तुति करो। भजन संहिता 150:1

यहूदी उत्तर दें : / राजा की रखवाली करने वाले सिपाहियों ने उसे कैसे खो दिया? / जीवन के पत्थर को जीवन का पत्थर क्यों न बचा सका? / या तो वे दफन हुए को लौटा दें , या वे जी उठे की उपासना करें , / हमारे साथ यह घोषणा करते हुए : / 'तेरी दया की बहुतायत को महिमा हो, / हमारे उद्धारकर्ता , तुझें महिमा हो!'

पद: उसकी सामर्थ्य के लिए उसकी स्तुति करो, उसकी महानता की बहुतायत के लिए उसकी स्तुति करो। भजन संहिता 150:2

हे लोगों , आनन्दित और हर्षित हो जाओ! / कब्र के पत्थर पर बैठा स्वर्गदूत / हमें यह शुभ समाचार लेकर आया है , यह पुकारते हुए : / 'मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं , संसार के उद्धारकर्ता , / और उन्होंने सभी चीज़ों को सुगंध से भर दिया है। / हे लोगों , आनन्दित और हर्षित हो जाओ!'

पद: तुरही की ध्वनि के साथ उसकी स्तुति करो; सारंगी और वीणा के साथ उसकी स्तुति करो। भजन संहिता 150:3

हे प्रभु , तेरे गर्भधारण से पहले , स्वर्गदूत ने धन्य कन्या को 'हेल ' का अभिवादन दिया; और तेरे पुनरुत्थान पर स्वर्गदूत ने तेरी महिमामय कब्र से पत्थर हटा दिया। / पहले ने दुख के बजाय आनंद का संकेत प्रकट किया, / जबकि दूसरे ने मृत्यु के बजाय हमारे लिए जीवन दाता प्रभु की घोषणा की। / इसलिए हम आपसे पुकारते हैं : / 'हे प्रभु , सभी के कल्याणकर्ता , आपको महिमा!'

ईस्टर के बाद का तीसरा सप्ताह

अनातोलीयस द्वारा चौथे मोड, पूर्वी में अन्य स्टचिरा

स्टचि : उसे टपिनम और कोयर के साथ स्तुति करो, उसे तारों और ऑर्गन के साथ स्तुति करो। भजन संहिता 150:4

स्त्रियों ने आँसुओं के साथ मूरा / तेरी कफ़न पर बहाई; / पर उनके होंठ आनन्द से भर गए, / जब उन्हें यह घोषणा हुई : 'प्रभु जी उठे !'

स्टचि : मधुर तालवाद्य के साथ उसकी स्तुति करो, गूँजते तालवाद्य के साथ उसकी स्तुति करो। जो कुछ भी श्वास लेता है , वह प्रभु की स्तुति करे ! भजन संहिता 150:5–6

कबीले और राष्ट्र हमारे ईश्वर मसीह की स्तुति करें , / जिन्होंने हमारे लिए स्वेच्छा से क्रूस को सहन किया / और तीन दिनों तक पाताल में रहे , / और वे मृतकों में से उनके पुनरुत्थान की उपासना करें , / जिसके द्वारा पृथ्वी के छोर तक सभी को प्रकाश मिला है।

पद: हे यहोवा मेरे परमेश् वर , उठ! तेरा हाथ ऊँचा किया जाए; / अपने दीनों को सदा के लिए न भूल ! भजन संहिता 9:33

हे मसीह, तूने अपनी इच्छा से क्रूस पर चढ़ाई और दफ़नाया गया; / तूने मृत्यु पर विजय प्राप्त की और महिमा में पुनरुत्थित हुआ , परमेश्वर और प्रभु के रूप में , / संसार को अनंत जीवन / और महान दया प्रदान करते हुए।

पद: मैं तुझे धन्यवाद दूँगा हे प्रभु , अपने पूरे हृदय से , / मैं तेरे सब आश्चर्यकर्मों का प्रचार करूँगा। भजन संहिता 9:2

सचमुच , हे अधर्मी लोगो, कब्र के पत्थर पर मुहर लगाकर, / तुमने हमें एक महान चमत्कार प्रदान किया है। / सभी जानते हैं उन पहरेदारों को जिन्होंने कहा: / 'आज ही वह कब्र से बाहर निकला!' फिर भी तुमने उनसे कहा: / 'कहो कि जब हम सो रहे थे , / शिष्यों ने आकर उसे चुरा लिया।' / लेकिन कौन चुराएगा एक मृतक को, और वह भी नग्न ? / वह अपनी ही शक्ति से , ईश्वर के रूप में , उठे , / और अपनी कफ़न -पोशाकें भी कब्र में ही छोड़ गए। / आओ, देखो , हे यहूदियों , / कि जिसने मृत्यु पर विजय प्राप्त की / और मानव जाति को / अनंत जीवन और महान दया प्रदान करता है / उसने मुहरें नहीं तोड़ीं।

महिमा, स्वर 2।
सुसमाचार मैटिन्स स्टचिरा

मरियम के साथ आई स्त्रियों के पास, जो सुगंधित द्रव्य लेकर आई थीं / और यह सोचकर हैरान थीं कि अपनी इच्छा कैसे पूरी करें , / एक पत्थर लुढ़का हुआ दिखाई दिया / और दिव्य युवक , जो उनकी आत्मा के उथल-पुथल को शांत कर रहा था; / 'क्योंकि ,' उसने कहा, 'प्रभु यीशु जी उठे हैं ; / इसलिए घोषणाकारों , उनके शिष्यों से कहो, / कि वे गलील को शीघ्र जाएँ / और उसे देखें , जो मृतकों में से जी उठा है , / जीवन के दाता और प्रभु के रूप में '।

और अब, वही स्वर : धन्यतम हो तुम , हे ईश्वर की कुंवारी माता:

महान स्तुतिगीत। पुनरुत्थान द्रोपारयिन , एक्टेनिया और समापन।

लिटुर्जी में

टोन 4, टोन 2 के स्वर धन्य हैं

हे दयालु , हमें भी याद रखना, / जैसे तूने चोर को याद किया, / स्वर्ग के राज्य में।

वृक्ष ने आदम को स्वर्ग से बाहर कर दिया, / परन्तु क्रूस ने चोर को / स्वर्ग के राज्य में पहुँचाया।

कब्र ने तुझे ग्रहण कयि, हे उद्धारकर्ता , / तूने कब्रों को खाली कयि, / और, परमेश्वर के रूप में , मृतकों को जीवन प्रदान कयि।

हे मसीह के महमिामय प्रेरतिो , / उससे वनिम्रता से प्रार्थना करो, / कि वह हमें हमारे कष्टों से बचाए।

और मुर्राधारयिों के कैनन से , ओड 6, स्वर 4 में।

प्रवेश पर, एक ट्रोपारयिन , स्वर 2

जब तू मृत्यु तक अवतरति हुआ , हे अमर जीवन, / तब तूने अपनी दव्यिता के तेज से नरक को नष्ट कर दयिा। / और जब तूने हाडीस से मृतकों को उठाया, / तो सभी स्वर्गीय शक्तयिों ने पुकारा : / 'हे जीवन दाता, हे मसीह हमारे ईश्वर , महमिा तुझे !'

एक और, वही स्वर

महान यूसुफ ने , / तेरे परम पवत्रि शरीर को वृक्ष से उतार कर, / उसे एक स्वच्छ सूती वस्त्र में लपेटा और सुगंधति तेलों से अभषिक्ति कयि, / और उसे एक नई कब्र में रखा। / परन्तु तीसरे दनि तू उठ खड़ा हुआ , हे प्रभु , / संसार पर महान दया दखिाते हुए।

महमिा: ट्रायोडयिन से कोंटाकयिन , स्वर 2

'खुश होओ!' तुमने मूर्रा -वाहक स्त्रयिों से पुकारा , / और अपने पुनरुत्थान से हमारे पूर्वज माता हव्वा के वलिाप को समाप्त कर दयिा, हे मसीह हमारे परमेश्वर ; / और तुमने अपने प्रेरतिों को यह घोषणा करने की आज्ञा दी: / 'उद्धारकर्ता कब्र से उठ आए हैं !'

और अब: पास्का का कॉन्टाकयिन , स्वर 8

यद्यपि हे अमर प्रभु , तू कब्र में उतर गया, / तथापि तूने नरक की शक्ति को नष्ट कर दयिा / और वजिेता होकर उठ खड़ा हुआ , हे मसीह हमारे परमेश्वर , / मृगसंवाहनियिों से पुकार कर: 'हर्षति होओ!' / और अपने प्रेरतिों को शान्ति प्रदान करते हुए , / तू जो पतति को पुनरुत्थान प्रदान करता है।

प्रोकेइमेनन , स्वर 6

हे प्रभु , अपने लोगों को बचा / और अपनी वरिासत को आशीष दे। **श्लोक :** हे प्रभु , मैं तुझ से पुकारता हूँ। हे मेरे परमेश्वर , मुझ पर दृष्टि करके चुप न रह। भजन संहति 27:9, 1क

पवत्रि प्रेरतिों के काम, अध्याय 16

जब शष्यिों की संख्या बढ़ गई, तो हेलेनस्टिों ने यहूदयिों के वरिुद्ध शकियत की, क्योंकि उनकी वधिवाओं को दैनकि भोजन वतिरण में अनदेखा कयि जा रहा था। तब बारह प्रेरतिों ने सभी शष्यिों को इकट्ठा करके कहा: 'हमारे लिए यह उचति नहीं है कि हम परमेश्वर के वचन की सेवा को छोड़कर मेज़ों पर सेवा करें। ''इसलयि , भाइयो, अपने बीच से सात ऐसे पुरुष चुन लो जनिकी गवाही अच्छी हो, जो पवत्रि आत्मा और बुद्धि से परपिूर्ण हों ; हम यह काम उन पर सौंप देंगे , और अपना मन प्रार्थना और वचन की सेवा में लगा देंगे। ' यह प्रस्ताव सारी मंडली को भाया; और उन्होंने स्तेफन , जो वशि्वास और पवत्रि आत्मा से परपिूर्ण मनुष्य था, और फलिपि, और प्रोकोरस , और नकिानोर, और तमिोन, और पार्मेनास , और अँतयिखयिा का नकिोलस, जो अन्यजातयिों में से धर्मी हुआ था, को चुन लयि; उन्हें प्रेरतिों के पास लाया गया, और प्रार्थना करने के बाद, प्रेरतिों ने उन पर हाथ रखा। और परमेश्वर का वचन फैलता गया, और यरूशलेम में शष्यिों की संख्या बहुत बढ़ गई; और याजकों में से भी बहुत से वशि्वास के आज्ञाकार हो गए।

प्रेरतिों के काम 6:1–7

ईस्टर के बाद का तीसरा सप्ताह

आल्लेलुया , स्वर 8

पद: हे प्रभु , तूने अपनी भूमि पर अनुग्रह किया है ; तूने याकूब के बंधुओं को लौटा दिया है। **पद:** दया और सत्य का मिलन हुआ है ; धार्मिकता और शान्ति ने एक दूसरे को चूमा है।

भजन संहिता 84:2, 11

मरकुस के अनुसार सुसमाचार , 69B से आरंभ

उन दिनों में अरीमाथिया का यूसुफ़ , जो महासभा का एक नामी सदस्य था और स्वयं परमेश्वर के राज्य की प्रतीक्षा कर रहा था, आकर हिम्मत करके पिलातुस के पास गया और यीशु की लाश माँगी। पिलातुस यह देखकर चकित हुआ कि वह पहले ही मर चुका था, और उसने एक सैनिक -नायक को बुलाकर पूछा कि उसे मरे हुए कितनी देर हो गई है। और, शतनरीक्षक से यह जानकर, उसने लाश को योसेफ को सौंप दिया। योसेफ ने एक कफ़न खरीदा, लाश को उतारकर, उसे कफ़न में लपेटा , और उसे चट्टान में खोदे गए एक कब्र में रख दिया; फिर उसने कब्र के मुँह पर एक पत्थर लुढ़का दिया। मरियम मग्दलीनी और योसेफ की माँ ने उसे दफ़नाते हुए देखा। सब्त के बाद, मरियम मग्दलीनी , योसे के पत्नी मरियम और सलोमी ने मसाले खरीदे ताकि वे जाकर उसे मसाला लगा सकें। सप्ताह के पहले दिन, भोर होते ही, वे कब्र पर आईं और एक-दूसरे से कहने लगीं , 'हमारे लिए कब्र के मुँह पर से पत्थर कौन हटाएगा?' और उन्होंने ऊपर देखकर देखा कि पत्थर हटा दिया गया था; और वह बहुत बड़ा था। और कब्र में जाकर उन्होंने एक जवान को दाहिनी ओर बैठा देखा , जो श्वेत वस्त्र पहने हुए था; और वे डर गईं। परन्तु उस ने उनसे कहा, 'डरो नहीं। तुम नासरी यीशु को ढूंढ़ती हो, जिसे क्रूस पर चढ़ाया गया था; वह जी उठे हैं ; वे यहाँ नहीं हैं। यह वही जगह है जहाँ उन्हें रखा गया था। परन्तु जाओ, उनके चेलों और पतरस से कह दो कि वे तुम्हारे से पहिले गलील में जा रहे हैं ; वहाँ तुम उन्हें देखोगे , जैसा उन्होंने तुम्हें पहले ही बता दिया था।' और वे निकलकर कब्र से भाग गईं , क्योंकि उन्हें भय और आश्चर्य ने व्याप्त कर लिया था, और उन्होंने किसी से कुछ भी नहीं कहा, क्योंकि वे डर गई थीं।

मरकुस 15:43–16:8

'यह उचित है ' के बजाय

देवदूत ने धन्य को यह घोषणा की: / 'हे पवित्र कुँवारी , आनन्द मनाओ! / और मैं फिर कहता हूँ : आनन्द मनाओ! / तुम्हारे पुत्र तीसरे दिन कब्र से जी उठे , / (और मृतकों को जिला उठा।) / हे लोगों , आनन्द मनाओ!'

और इरमोस, स्वर 1: चमक, चमक, हे नए यरूशलेम , / क्योंकि प्रभु की महिमा तुझ पर उदय हुई है ! / अब आनन्दित हो और हर्षित हो, हे सियोन! / और हे परमेश्वर की पवित्र माता, आनन्दित हो / उस के पुनरुत्थान में जिसे तूने जन्म दिया।

कॉम्युनियन

मसीह का शरीर ग्रहण करो, / अमरत्व के स्रोत का स्वाद चखो। **दूसरा :** स्वर्ग से प्रभु की स्तुति करो, / उच्चतम में उसकी स्तुति करो। / हल्लेलूया। **(3)**

मिश्र -वाहक स्त्रियों के रविवार को संध्या -प्रार्थना में नवें घण्टे के बाद, हम काथिस्मा के बिना vesper गाते हैं।

ईस्टर के बाद का तीसरा सप्ताह

'हे प्रभु , मैं ने पुकारा :' पर हम उत्सव के स्टचिरा , स्वर 5, गाते हैं। इसके समान: 'हे उपवास करने वालों , आनन्दति हो:'

सलीब पर चढ़ाकर , / उस शाप को जो वृक्ष से आया था, तूने उस वृक्ष द्वारा मटिा दयिा, / और कब्र में रखकर, / तूने अपनी दव्यि शक्ति से पुरातन मृतकों में से उसे जलिाया। / हम तेरी महमिा को ऊँचे स्वर से महमिामय करते हैं , / हे सर्वशक्तमिान यीशु , हमारे जीवन, परमपति का तेज। / इसलयि स्वर्ग और पृथ्वी दोनों मलिकर आनंद मनाएँ , / और हे वजियी वचन, मसीह सर्वशक्तमिान , / आप को जय-गीत गाएँ , / जो संसार पर महान दया करते हैं !

'क्या मृतकों में सचमुच जीवन है ? / और धरती के नीचे , क्या अमर सूर्य अभी भी नविास करता है ?' / – मर्रिा -वाहकों के समूह ने अपने शोक-गीत में पुकारा। / – 'आओ उत्साह से शीघ्रता करें / और पवत्रि ताबूत को नहिारें !' / परन्तु जब उन्होंने उसमें उस तेजस्वी स्वर्गदूत को देखा , तो वे वस्मिय और आश्चर्य से भर गईं। उसने , उनकी वलिाप को आनंद में बदलते हुए , पुकार कर कहा: 'जीवन दाता जी उठे हैं ; हे भक्तो , डरो मत, वह राज्य करते हैं , संसार पर महान दया लुटा रहे हैं !'

प्रातकाल , स्त्रयिों के एक समूह ने / स्वयं सूर्य से पहले सूर्य को खोजना शुरू कयिा, / जो तब कब्र में अस्त हो गया था। / परन्तु तेजस्वी स्वर्गदूत ने उनसे घोषणा की: / 'प्रकाश उत्पन्न हुआ है , जो अंधकार में सो रहे लोगों को प्रकाशति करता है : / यह प्रकाश धारण करने वाले चेलों को बता दो; / दुख को आनंद में बदल दो, / और, संदेह से मुक्त हृदयों के साथ, अपने हाथों को ताली बजाओ और आनंदमय और वश्वि -उद्धारक पास्चा पर आनंद मनाओ: / मसीह जी उठे हैं , / संसार पर महान दया लुटाते हुए !"

और मेनायोन से तीन स्टचिरा। महमिा: संत को एक स्टचिरा। यदि कोई नहीं है ,

महमिा, और अब, पर्व का, स्वर 1: 'हे मूर्रा -वाहक स्त्रयिों , तुम कब्र पर क्यों आईं ? / तुम जीवति को मरे हुओं में क्यों ढूंढती हो? / प्रभु जी उठे हैं ; हर्षति हो जाओ!' – / स्वर्गदूत पुकारता है।

'आनंद का प्रकाश :' और दनि का प्रोकीमेनोन : आज प्रभु का धन्यवाद करो:

स्टचिरा पर, ऑक्टोएकोस से रवविार का स्टचिरा , स्वर 2

आओ हम परमेश्वर के वचन की आराधना करें , जो युगों से पूर्व पति से उत्पन्न हुए , / जो कुँवारी मरयिम से देहधारी हुए , / क्योंकि उन्होंने , क्रूस को सहन करके , / अपनी इच्छा से स्वयं को कब्र में सौंप दयिा, / और मरे हुओं में से जी उठकर, / मुझे - एक भटके हुए मनुष्य को - बचाया।

पद: मैं ने स्वर्ग में नविास करने वाले तेरी ओर अपनी आँखें उठाई हैं :

हे उद्धारकर्ता , मैंने तेरे सामने पाप कयिा है , / जैसे वह पुत्र जसिने अपना धन उड़ा दयिा; / हे पति, मुझे स्वीकार कर जो पश्चाताप करता हूँ , / और हे परमेश्वर , मुझ पर दया कर!

पद: हे प्रभु , हम पर दया करें , हम पर दया करें :

पार्थवि सुखों की कामना न करते हुए , कष्ट -भोगयिों को / स्वर्गीय आशीर्वादों के योग्य समझा गया / और वे स्वर्गदूतों के सह-नागरकि बन गए। / हे प्रभु , उनकी मध्यस्थता के द्वारा , / हम पर दया करें और हमें बचाएँ !

महमिा, और अब पर्व का, स्वर 1: स्त्रयिाँ भय सहति कब्र पर आईं , / तेरे शरीर पर सुगन्धति द्रव्य लगाना चाहकर शीघ्र आईं : / और उसे न पाकर, वे आपस में चकति हुईं , / पुनरुत्थान के वषिय में कुछ न जानतीं। / परन्तु एक स्वर्गदूत उनके पास प्रकट हुआ और चल्लिा कर कहा: / 'मसीह जी उठे हैं , हम पर महान् दया दखिाते हुए !'

ईस्टर के बाद का तीसरा सप्ताह

ट्रसिैगयिन के बाद, पर्व के ट्रॉपारयिा : 'महान योसेफ :' **महमिा:** 'जब तू मृत्यु में उतरा:' **और अब:** 'मशि्र -वाहक स्त्रयिों को:'

यदि संत के लिए कोई ट्रोपारयिन हो, तो उसे 'महमिा:' के बाद गाया जाता है। पूरे सप्ताह , वेस्पर्स के अंत में , 'महान यूसुफ :' **और** 'जब तू मृत्यु में अवतरति हुआ :' **ट्रोपारयिा बारी-बारी से गाए जाते हैं।**

जसि संत का पर्व दविस रववािर को पड़ता है , उसकी सेवा मैटनि्स में गाई जाती है। त्रसिगयिन के बाद, ट्रायोडयिन से कोंडाकयिन गाया जाता है।

सामग्री पर वापस

ईस्टर के बाद का चौथा रविवार
लकवाग्रस्त मनुष्य पर

शनिचर को लघु संध्या में

'हे प्रभु , मैंने पुकारा है :' पर
चौथे स्वर में रविवार का स्टचिरा , तीसरा स्वर

हे मसीह उद्धारकर्ता , तेरे क्रूस द्वारा , मृत्यु की शक्ति नष्ट हो गई / और शैतान की छल पराजित हो गई; / जबकि मानव जाति, विश्वास द्वारा उद्धार पाकर, / सदा तुझे एक स्तुतिगीत अर्पित करती है।

हे प्रभु , तेरे पुनरुत्थान से / सारी दुनियाँ प्रकाशित हो गई है , / और स्वर्ग का द्वार फिर से खुल गया है ; / सारी सृष्टि , तेरा महिमा करते हुए , / सदा तुझें एक गीत अर्पित करती है।

मैं पिता और पुत्र की शक्ति का महिमामंडन करता हूँ , / और पवित्र आत्मा की सामर्थ्य का गायन करता हूँ , / – अविभाज्य , अकल्पित ईश्वरत्व , / एकसार त्रिमूर्ति , / जो युगानुयुग राज्य करती है।

हे मसीह, हम तेरे पवित्र क्रूस की आराधना करते हैं , / और हम तेरे पुनरुत्थान का गायन और महिमा करते हैं ; / क्योंकि तेरे घावों से हम सब चंगे हो गए हैं।

महिमा, स्वर 5: यीशु भेड़ों के कुंड के पास यरूशलेम आए, / जिसे हिब्रू में बेतेस्दा कहा जाता था, / जिसमें पाँच आँगन थे ; / और उनमें अनेक दुर्बल लोग लेटे थे , / क्योंकि परमेश्वर का स्वर्गदूत समय-समय पर प्रकट होकर पानी को हिलाता था, / और जो विश्वास के साथ आता था उसे स्वास्थ्य मिलता था। / और प्रभु ने , वहाँ बहुत दिनों से लेटे हुए एक मनुष्य को देखकर , उससे कहा: 'क्या तू चंगा होना चाहता है ?' / उस बीमार ने उत्तर दिया: 'प्रभु , / मेरे पास कोई नहीं है / जो मुझे तालाब में डाल दे जब पानी हिलता है। / मैंने अपनी सारी संपत्ति वैद्यों पर खर्च कर दी है , / फिर भी मुझे कोई दया नहीं मिली।' / परन्तु आत्मा और शरीर के चिकित्सक ने उससे कहा: / 'अपना बिछौना उठा और चल, / मेरी शक्ति और महान दया का प्रचार कर / पृथ्वी के छोर तक!'

और अब, धर्मसूत्रीय भजन, स्वर 3: सबसे बड़ा चमत्कार : / जन्म देने वाली कुँवारी , और जन्म लेने वाला—ईश्वर ; / एक जन्म जो युगों से पूर्व देखा गया / और प्रकृति से परे पूरा हुआ। / हे रहस्य जो भय से भर देता है ! / यद्यपि मन से इसे ग्रहण किया जाता है , फिर भी यह अकथनीय है , / और यद्यपि इस पर मनन किया जाता है , फिर भी इसे समझा नहीं जा सकता। / धन्य हैं आप, परम पवित्र कुँवारी , / आदम की पुत्री , जो पृथ्वी पर जन्मीं , / जो परमेश्वर की माता के रूप में प्रकट हुईं : / हमारे आत्माओं के उद्धार के लिए उनसे प्रार्थना करें !

'आनंद का प्रकाश :' और प्रोकेइमेनन 'प्रभु ने राज्य किया है :'

स्टचिरा पर, रविवार का स्टचिरा , स्वर 3

हे मसीह, तेरे दुखों से , / तूने सूर्य को अँधेरा कर दिया, / और तेरे पुनरुत्थान के प्रकाश से / तूने सभी चीजों को प्रकाशित किया! / हे मानवजाति के प्रेमी , हमारी संध्याकालीन स्तुति स्वीकार कर।

ईस्टर के बाद का चौथा सप्ताह

और ईश्वर की माता को, उसी स्वर में ,
इसका स्वरूप समान है : 'महान है क्रूस :'

स्टचि : सुन , हे पुत्री , और देख , / और अपना कान झुका। भजन संहिता 44:11A

हे परम पवित्र , आपके द्वारा महान अनुग्रह प्राप्त करके , हम स्वर्गदूतों के साथ मलिकर आपके पुत्र की महमिा करते हैं , जनि्होंने परम दया से आपके गर्भ से जन्म लेने की कृपा की और जनि्होंने मानव जाति को पुनर्स्थापति कयिा।

पद: वे पीढ़ी -दर-पीढ़ी / आपका नाम याद करेंगे। भजन संहिता 44:18A

हे पवित्र एक, तुम हमारी शरण और दव्यि आश्रय हो, / जनि्हें हम, पापी होते हुए भी, अपने जीवन में धारण करते हैं , हे कुँवारी। / अतः हम तुमसे पूर्ण दया की याचना करते हैं : / हमें न छोड़ो , हम तुमसे वनिती करते हैं , / हम पर दया करो और हमें बचा लो!

पद: लोगों में धनी / आपकी कृपा की खोज करेंगे। भजन संहिता 44:13ख

हे दैवजननी , सदा कुंवारी माता! / हम, धूलि से बने तेरे दास, / दव्यि सेनापति गब्रयिल के साथ / यथोचति रूप से तुझे 'आनंदति हो!' का अभविादन अर्पति करते हैं ; / और, सचमुच , तू संसार के लिए / आनंद और प्रसन्नता का कारण बन गई है।

महमिा, और अब, स्वर 8: सुलैमान के बरामदे में अनेक दुर्बल लोग लेटे थे , / और उत्सव के बीच / मसीह ने एक मनुष्य को पाया जो अड़तीस वर्ष से पक्षाघातग्रस्त था, / और अधकिारपूर्ण स्वर में उससे कहा: / 'क्या तू चंगा होना चाहता है ?' / उस बीमार ने उत्तर दयिा: / 'प्रभु , मेरे पास कोई नहीं है / जो मुझे उस तालाब में डाल दे जब पानी हलिता है। ' / और उसने उससे कहा: 'अपना बस्तिर उठा (और चल); / देख , तू चंगा हो गया है ; फरि से पाप न करना!' / परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा / हमें महान दया प्रदान करें !

ट्रोपारयिन , स्वर 3

स्वर्ग में सभी आनन्दति हों , / पृथ्वी पर सभी हर्षति हों , / क्योंकि प्रभु ने अपने हाथ की सामर्थ्य प्रकट की है : / उन्होंने मृत्यु को पैरों तले रौंद दयिा है , / वे मृतकों में से प्रथम -जन्मे बन गए हैं , / उन्होंने हमें अधोलोक के गर्भ से मुक्त कयिा है / और संसार पर महान दया प्रदान की है।

वशिेष एक्टेनयिा और समापन।

शनविार को महा संध्या समय

'हे प्रभु , मैं पुकारा हूँ ': 10वें स्वर पर स्तखिरा। तीन रवविार के स्तखिरा , चार पूर्वी स्तखिरा और दो पक्षाघात से पीड़ति व्यक्ति के वषिय में , पहला दो बार दोहराया जाता है।

रवविार के स्टचिरा , स्वर 3

हे मसीह उद्धारकर्ता , तेरे क्रूस द्वारा , मृत्यु का सामर्थ्य नष्ट हो गया है और शैतान की छल-कपट पर वजिय प्राप्त हुई है ; जबकि मानव जाति, वश्विास द्वारा उद्धार पाकर, सदा तुझे एक स्तुति -गीत अर्पति करती है।

हे प्रभु , तेरे पुनरुत्थान से / सारी दुनयिा को प्रकाश मलिा है , / और स्वर्ग का द्वार फरि से खुल गया है ; / सारी सृष्टि , तेरा महमिा करते हुए , / सदा तुझें एक गीत अर्पति करती है।

मैं पति और पुत्र की शक्ति का महमिामंडन करता हूँ , / और पवित्र आत्मा की सामर्थ्य का गायन करता हूँ , / – अवभिाज्य , अकल्पति ईश्वरत्व , / एकसार त्रमिूर्ति , / जो युगानुयुग राज्य करती है।

ईस्टर के बाद का चौथा सप्ताह

पूर्वी स्टचिैरास

हे मसीह, हम तेरे पवत्रि क्रूस की आराधना करते हैं , / और हम तेरे पुनरुत्थान का गायन और महमिा करते हैं ; / क्योंकि तेरे घावों से हम सब चंगे हो गए हैं।

हम उद्धारकर्ता का गीत गाते हैं , जो कुँवारी से अवतार लेकर आए; / हमारे लिए उन्हें सूली पर चढ़ाया गया / और वे तीसरे दनि पुनरुत्थति हुए , / और हम पर महान दया लुटाई।

हे मसीह, अधोलोक में उतरकर, / उन लोगों को आनंद का समाचार सुनाया , / पुकारकर कहा: 'हौसला रखो, मैंने अब वजिय प्राप्त कर ली है ; / मैं ही पुनरुत्थान हूँ ; मैं तुम्हें बाहर ले जाऊँगा , / मृत्यु के द्वारों को नष्ट करके।

हम, तेरे परम पवत्रि मंदरि में अयोग्य रूप से खड़े होकर, सांध्य भजन गाते हैं , अपने हृदय की गहराइयों से पुकारते हुए : 'हे मसीह परमेश्वर , जनि्होंने तीसरे दनि अपने पुनरुत्थान से जगत को प्रकाशति कयिा है ! हे मानव जाति के प्रेमी , अपने लोगों को अपने शत्रुओं के हाथ से बचा!'

उसी स्वर में स्टचिैरा , हे पक्षाघातग्रस्त , स्वर 1

अपने परम पवत्रि हाथ से , हे मानवता के स्रष्टा , / हे दयालु मसीह, आप पीड़तिों को चंगा करने आए। / भेड़ों के तालाब के पास लकवाग्रस्त व्यक्ति को / आपने अपने वचन से उठाया, / और रक्तस्राव वाली स्त्री को चंगा कयिा, / कनानी स्त्री की पीड़ति बेटी पर दया की, / और शताध्यक्ष की वनिती को अनदेखा नहीं कयिा। / अतः हम उद्घोषणा करते हैं : / 'सर्वशक्तमिान प्रभु , महमिा आपको!' (2)

अनदफ़न मृत मनुष्य —लकवाग्रस्त — / आपको देखकर पुकारा : / 'हे प्रभु , मुझ पर दया करो, क्योंकि मेरा बस्तिर मेरे लिए एक कब्र बन गया है। / सांसारकि लाभ का मुझ पर क्या उपयोग? / मुझे भेड़ों के तालाब की कोई ज़रूरत नहीं : / क्योंकि मेरा कोई नहीं है / जो मुझे उसमें डाल दे जब पानी हलिता है। / परन्तु मैं तेरे पास आता हूँ , जो चंगाई का सोता है , / ताकि मैं भी, अन्य सभी के साथ, यह घोषणा करूँ : / 'सर्वशक्तमिान प्रभु , महमिा तुझको !'

महमिा, स्वर 5: यीशु भेड़ों के कुंड के पास यरूशलेम आए, / जसिे हब्रि में बेथेस्दा कहा जाता था, / जसिमें पाँच बरामदे थे ; / और उनमें अनेक दुर्बल लोग लेटे थे , / क्योंकि परमेश्वर का स्वर्गदूत समय-समय पर प्रकट होकर पानी को हलिाता था, / और जो कोई वश्विास से आता था, उसे स्वास्थ्य प्राप्त होता था। / और प्रभु ने , वहाँ बहुत दनि से लेटे हुए एक मनुष्य को देखकर , उससे कहा: 'क्या तू चंगा होना चाहता है ?' / उस बीमार ने उत्तर दयिा: 'प्रभु , / मेरे पास कोई नहीं है / जो मुझे पानी के हलिने पर कुंड में डाल दे। / मैंने अपनी सारी संपत्ति डॉक्टरों पर खर्च कर दी है , / फरि भी मुझे कोई आराम नहीं मलिा।' / परन्तु आत्मा और शरीर के चकित्सिक ने उससे कहा: / 'अपना बछिौना उठा और चल, / मेरी शक्ति और महान दया का प्रचार कर / पृथ्वी के छोर तक!'

और अब, हे ईश्वर की माता, स्वर 3: हम आश्चर्यचकति हुए बनि कैसे रह सकते हैं / हे परम पवत्रि , आपसे ईश्वर -मानव के जन्म पर! / क्योंकि , हे नर्मिल एक, कसिी पुरुष को न जानकर, / आपने बनि पति के देह में पुत्र को जन्म दयिा, / जो पति से बनि माता के सभी युगों से पूर्व उत्पन्न हुए , / और ऐसा करते हुए उनमें कोई परविर्तन नहीं हुआ , / न कोई मश्रिण , न कोई वभिाजन, / बल्कि उन्होंने प्रत्येक स्वभाव के गुणों को / उनकी संपूर्णता में संरक्षति रखा। / अतः , कुँवारी माता, सर्वोच्च देवी , / उन लोगों की आत्माओं के उद्धार के लिए उनसे प्रार्थना करो / जो ऑर्थोडॉक्स वश्विास में आपको परमेश्वर की माता के रूप में स्वीकार करते हैं।

प्रवेश। आनंदमय प्रकाश : **दनि का प्रोकीमेनन :** प्रभु ने राज्य कयिा है :

लतिानी के दौरान, चर्च के स्टचिेरा

महमिा, स्वर 5: भेड़ों के तालाब के पास / एक मनुष्य अक्षमता में पड़ा था / और, हे प्रभु , आपको देखकर चल्लिाया : / 'मेरे पास कोई नहीं है जो मुझे पानी में डाल दे / जब वह हलिता है ; / परन्तु जब मैं आता हूँ , / कोई और मुझसे पहले पहुँचकर चंगा हो जाता है , / जबकि मैं अक्षमता में पड़ा रहता हूँ '। / और तुरंत , करुणा से प्रेरति होकर, उद्धारकर्ता ने उससे कहा: / 'तेरे ही लिए मैं मनुष्य बना, / तेरे ही लिए मैंने देह धारण कयिा, / और फरि भी तू कहता है : "मेरा कोई नहीं है ?"' / 'अपना बछिौना उठा और चल!' / तेरे लिए सब कुछ संभव है , / सब कुछ तेरी आज्ञा मानता है , सब कुछ तेरे अधीन है। / हे पवत्रि एक, हम सभी को याद कर और हम पर दया कर, / मानवता के प्रेमी के रूप में।

और अब, हे परमेश्वर की माता, वही स्वर : मंदरि और द्वार , राजा का महल और सहिासन – / आप, अतसिम्माननीय कुँवारी ; / आपके द्वारा , मेरे उद्धारकर्ता , प्रभु मसीह, / अंधकार में सो रहे लोगों के पास, धार्मकिता के सूर्य के समान प्रकट हुए , / जन्हिें उन्होंने बनाया है , उन्हें प्रबुद्ध करने की इच्छा से / अपने ही हाथ से अपनी ही प्रतमिा में। / अतः , सर्व -महमिामयी, / उनके समक्ष एक माता की नडिरता प्राप्त करके , / हमारे आत्माओं के उद्धार के लिए अनवरत मध्यस्थता करो।

स्टचिेरा पर, रवविार का स्टचिेरा , स्वर 3

हे मसीह, अपने दुख -क्लेशों से , / आपने सूर्य को अँधेरा कर दयिा, / और अपने पुनरुत्थान के प्रकाश से / आपने सभी चीज़ों को प्रकाशति कयिा है ! / हे मानवजाति के प्रेमी , हमारी सांध्यकालीन स्तुति स्वीकार करें।

और पास्खा का स्टचिेरा , स्वर 5

स्टचि : परमेश्वर उठे / और उसके शत्रु बखिर जाएँ।

आज हम पर पवत्रि पासका प्रकट हुआ है , – नया, पवत्रि पासका, रहस्यमय पासका, वह पासका जो सभी द्वारा सम्मानति है। / ईस्टर – उद्धारकर्ता मसीह; / ईस्टर , नर्दिोष , / ईस्टर , महान, / वश्विासयिों का ईस्टर , / ईस्टर , जसिने हमारे लिए स्वर्ग के द्वार खोल दिए, / ईस्टर , जो सभी वश्विासयिों को पवत्रि करता है।

पद: जैसे धुआँ छंट जाता है , / वैसे ही वे छंट जाएँ।

दृष्टि के बाद आगे बढ़ो , हे सुसमाचार प्रचार करने वाली पत्नयिों , / और सयिोन को प्रचार करो: / 'हमसे मसीह के पुनरुत्थान के सुसमाचार का आनंद प्राप्त करो!' / आनंदति हो, उल्लास करो और हर्षति हो, हे यरूशलेम , / क्योंकि तुमने मसीह राजा को, एक वर की भाँति , / कब्र से नकिलते देखा।

पद: पापी परमेश्वर की उपस्थति से नाश हों , / और धर्मी आनन्दति हों।

सुगंधति द्रव्य लिए स्त्रयिाँ , भोर-भोर, / जीवन-दाता के समाधि पर आईं , / वहाँ उन्होंने पत्थर पर एक स्वर्गदूत को बैठा पाया, / और वह, उनकी ओर मुड़कर , इस प्रकार पुकार उठा: / 'तुम जीवति को मरे हुओं में क्यों ढूँढ़ती हो? / तुम अक्षय को ऐसे क्यों शोक करती हो जैसे वह क्षयशील हो? / लौट जाओ और उनके शष्यिों से कहो!'

पद: यह वह दनि है जसि प्रभु ने बनाया है ; / आओ हम इसमें आनंदति और हर्षति हों !

हर्षोल्लासपूर्ण ईस्टर , / ईस्टर , प्रभु का ईस्टर , / सबसे पवत्रि ईस्टर हम पर उदय हुआ है। / ईस्टर ! आओ हम एक-दूसरे को आनंदपूर्वक गले लगाएँ। / हे ईस्टर – दुख से मुक्ति ! / क्योंकि इसी दनि, कब्र से , / एक वधू -कक्ष से जैसे प्रकाशति होकर, मसीह ने / स्त्रयिों को आनंद से भर दयिा, कहते हुए : / 'जाओ और प्रेरतिों से कहो!'

महमिा, स्वर 8: सुलैमान के बरामदे में अनेक दुर्बल लोग लेटे थे , / और पर्व के बीच में / मसीह ने एक मनुष्य को पाया जो अड़तीस वर्ष से पक्षाघातग्रस्त था, / और एक

आज्ञाकारी स्वर में उससे कहा: / 'क्या तू चंगा होना चाहता है ?' / उस बीमार ने उत्तर दिया: / 'प्रभु , मेरे पास कोई नहीं है / जो मुझे उस तालाब में डाल दे जब पानी हलिता है। ' / और उसने उससे कहा: 'अपना बिस्तर उठा (और चल); / देख , तू चंगा हो गया है ; फिर से पाप न करना!' / परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा / हमें महान दया प्रदान करें !

और अब, स्वर 5: पुनरुत्थान का दिन! / और आनन्द से प्रकाशित हों / और एक-दूसरे को गले लगाएँ ; / कहें : 'भाइयों !' / और जो हमसे घृणा करते हैं , / उन्हें भी पुनरुत्थान के लिए क्षमा करें / और इस प्रकार उद्घोष करें : / 'मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं , / मृत्यु को मृत्यु से जीतने के बाद, / और कब्रों में पड़े लोगों को जीवन प्रदान किया है !'

और फिर: अब आप हमें अपना आशीर्वाद प्रदान करते हैं :

विदाई ट्रॉपारियन , स्वर 3

आकाश में सभी वस्तुएँ आनंदित हों , / पृथ्वी पर सभी वस्तुएँ प्रसन्न हों , / क्योंकि प्रभु ने अपने हाथ की सामर्थ्य प्रकट की है : / उन्होंने मृत्यु को मृत्यु से कुचल डाला है , / वे मरे हुओं में से प्रथमजन्म हुए हैं , / उन्होंने हमें अधोलोक की कोठरी से छुड़ाया है / और संसार पर महान दया दिखाई है।

महिमा, और अब, थियोजनी को: हम आपसे गाते हैं , हे ईश्वर की कुंवारी माता, हमारे वंश के उद्धार की मध्यस्थ के रूप में , / क्योंकि आपके पुत्र और हमारे ईश्वर , जिन्होंने आपसे देह धारण किया, / ने क्रूस पर पीड़ा सहने के बाद, / मानवजाति के प्रेमी के रूप में हमें क्षय से मुक्त किया है।

प्रभात -प्रार्थना में

छठे भजन के बाद, महा एक्टेनिया और 'हे ईश्वर , हे प्रभु ':

रविवार का ट्रॉपेरियन दो बार, स्वर 3

आकाश में जो कुछ भी है वह आनंदित हो, / पृथ्वी पर जो कुछ भी है वह हर्षित हो, / क्योंकि प्रभु ने अपने हाथ की सामर्थ्य प्रकट की है : / उन्होंने मृत्यु को पैरों तले कुचल दिया है , / वे मरे हुओं में से पहलौठे हो गए हैं , / उन्होंने हमें पाताल के गर्भ से उबार लिया है / और संसार पर महान दया दिखाई है।

महिमा, और अब, थियोतोकोस को: हम आपसे गाते हैं , हे ईश्वर की कुंवारी माता, / हमारे वंश के उद्धार की मध्यस्थ के रूप में , / क्योंकि आपके पुत्र और हमारे ईश्वर ने , / आपसे देह धारण करके , / क्रूस पर दुख सहकर, / मानवजाति के प्रेमी के रूप में हमें क्षय से मुक्त किया है।

सेडालेन के पहले स्टिचेरा के बाद, स्वर 3

मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं , मरे हुओं में से जी उठने वाले प्रथम। / सारी सृष्टि से पहले उत्पन्न / और जो कुछ भी अस्तित्व में है , उसके सृष्टिकर्ता , / उन्होंने स्वयं में / हमारी जाति की बिगड़ी हुई प्रकृति को नया किया है। / हे मृत्यु ! तेरी अब कोई शक्ति नहीं रही, / क्योंकि सर्व के प्रभु ने तेरी सामर्थ्य को कुचल दिया है।

पद: उठो, हे प्रभु मेरे परमेश्वर , तेरा हाथ ऊँचा किया जाए; / अपने दुखितों को सदा के लिए न भूल ! भजन संहिता 9:33

हे प्रभु , देह में मृत्यु का स्वाद चखकर, / आपने अपने पुनरुत्थान द्वारा मृत्यु की कड़वाहट को नष्ट कर दिया है , / और अब मानव जाति को इसके विरुद्ध मजबूत किया है , / प्राचीन श्राप के उन्मूलन की घोषणा करते हुए। / हमारे जीवन के रक्षक – हे प्रभु , आपको महिमा हो!

महिमा, और अब, ईश्वर की माता को: आपकी कुँवारीपन की सुंदरता और आपकी अत्यंत दीप्तिमान पवित्रता से चकित होकर, गैब्रियल ने आपसे पुकारा , हे ईश्वर की माता: 'मैं आपके लिए कौन-सी प्रशंसा अर्पित करूँ ?' / मैं आपको कैसे संबोधित करूँ ? / मैं चकित और हैरान हूँ ; / इसलिए, जैसा मुझे आज्ञा दी गई है , मैं आपको पुकारता हूँ : / 'हे अनुग्रह से परिपूर्ण , आनंदित हो!'

सेडेलन के दूसरे स्टिचोस के अनुसार , स्वर 3

अपने ऊपर मानवता का सर्व कुछ धारण कर, और जो कुछ हमारा था उसे अपना बना कर, / तू , हे मेरे सृष्टा , क्रूस पर कीलें ठोकने के लिए कृपा किया; / एक मनुष्य के रूप में मृत्यु सहने का चुनाव किया, / ताकि तू ईश्वर के रूप में मानव स्वभाव को मृत्यु से मुक्त कर सके। / अतः , जीवन के दाता के रूप में , हम आपसे पुकारते हैं : / 'महिमा, हे मसीह, आपकी दया को!'

पद: हे प्रभु , मैं अपने पूरे हृदय से तेरा धन्यवाद करूँगा , / मैं तेरे सभी आश्चर्यकर्मों का प्रचार करूँगा।

भजन संहिता 9:2

अकल्पनीय क्रूस पर चढ़ाए जाने और अकथनीय पुनरुत्थान को हम, विश्वासी , एक अनुपम रहस्य के रूप में स्वीकार करते हैं : क्योंकि इस दिन मृत्यु और नरक पर विजय प्राप्त हुई है , जबकि मानव जाति को अक्षयत्व का वस्त्र पहनाया गया है। अतः हम कृतज्ञतापूर्वक उद्घोष करते हैं : 'हे मसीह, तेरे पुनरुत्थान को महिमा!'

महिमा, और अब, परमेश्वर की माता को: स्वर्ग में सभी प्रेम से प्रसन्न हुए , / और पृथ्वी पर सभी विस्मय से चकित हुए , / जब परमेश्वर की माता, आपको सबसे शुद्ध स्वर सुनाई दिया; / क्योंकि उनके दोनों के लिए एक ही उत्सव प्रकाशित हुआ , / चूंकि प्रथम सृजित आदम मृत्यु से मुक्त हो गया। / इसलिए, स्वर्गदूत के साथ, हम आपसे पुकारते हैं : / 'हे पवित्र कुँवारी माता, आनन्दित हो!'

तब 'निर्दोषों को' द्रोपारिया और लघु एक्टेनिया।

इपाकोई, स्वर 3

रूप में प्रभावशाली , फिर भी सांत्वना देने वाले शब्दों में बोलते हुए , / तेजस्वी स्वर्गदूत ने मूरा -वाहकों को यह घोषणा की: / 'तुम जीवित को कब्र में क्यों ढूंढ रहे हो? / वह कब्रों को खाली कर उठ गए हैं ; / उस अपरिवर्तनीय को पहचानो जिसने क्षय को बदल दिया है। / ईश्वर से पुकारो : आपकी कृत्य कितने अद्भुत हैं , / क्योंकि आपने मानव जाति को बचाया है !'

स्टेपेनी , स्वर 3।
प्रत्युत्तर 1

आपने सियोन के बंदियों को बेबेल से छुड़ाया है , / और हे वचन, मुझे / मेरी वासनाओं से जीवन की ओर खींचिए !

जो परमेश्वर की प्रेरणा से आँसुओं के साथ बोते हैं , / जब दक्षिण की आँधी चलेगी , / वे आनन्द के साथ काटेंगे / अनन्त जीवन के पुंज।

महिमा: हर अच्छा वरदान पवित्र आत्मा से आता है , / जैसा कि वह पिता और पुत्र से प्रकाशित होता है : / उसके द्वारा सभी चीजें जीती और गति करती हैं।

ईस्टर के बाद का चौथा सप्ताह

और अब: हम वही दोहराते हैं।

प्रत्युत्तर 2

जब तक प्रभु धर्म का भवन न बनाए, / हम व्यर्थ परिश्रम करते हैं ; / यदि आत्मा उसकी रक्षा में है , / तो कोई भी हमारे नगर को नष्ट नहीं करेगा।

संतजन हमेशा गर्भ के फल के समान होते हैं , / आत्मा द्वारा दत्तक ग्रहण के माध्यम से , / आप, हे मसीह, के साथ-साथ पिता के भी।

महिमा: पवित्र आत्मा में सारी पवित्रता और बुद्धि देखी जाती है ; / क्योंकि वह सभी सृष्टि को अस्तित्व देता है। / हम उसकी सेवा करें , क्योंकि वह परमेश्वर है , जैसे वह पिता और वचन है।

और अब: हम वही दोहराते हैं।

प्रत्युत्तर 3

धन्य हैं वे जो प्रभु का भय मानते हैं / क्योंकि वे उसकी आज्ञाओं के मार्गों पर चलेंगे , / और प्रत्येक जीवन-दायक फल में सहभागी होंगे।

हे प्रमुख चरवाहे , आनंदित हो, / अपनी मेज़ के चारों ओर अपने उत्तराधिकारी को देखकर , / जो पुण्यों की शाखाएँ धारण किए हुए हैं।

महिमा: पवित्र आत्मा में महिमा की सारी संपदा है ; / उससे सभी प्राणियों को अनुग्रह और जीवन प्राप्त होता है। / इसलिए उसे पिता और वचन के साथ महिमा दी जाती है।

और अब: हम वही दोहराते हैं।

प्रोकेइमेनोन , स्वर 3

राष्ट्रों में यह घोषणा करो: 'प्रभु ने अपना सिंहासन ग्रहण किया है ', / क्योंकि उसने संसार को स्थापित किया है , और वह हिलने वाला नहीं है। **पद:** प्रभु के लिए एक नया गीत गाओ; हे सारी पृथ्वी , प्रभु के लिए गाओ! भजन संहिता 95:10A, 1

दूसरा प्रोकीमेनोन : जो कुछ भी साँस लेता है / वह प्रभु की स्तुति करे। **श्लोक :** उसके पवित्र लोगों में परमेश्वर की स्तुति करो; उसकी सामर्थ्य के मंडप में उसकी स्तुति करो। भजन संहिता 150:6, 1

चौथे रविवार का सुसमाचार , लूका से , पद 112 से आरंभ

उन दिनों , सप्ताह के पहले दिन, भोर-भोर स्त्रियाँ उस कब्र पर आईं , जिन सुगंधित द्रव्यों को उन्होंने तैयार किया था, उन्हें साथ लाईं , और उनके साथ कुछ अन्य भी थे ; पर उन्होंने कब्र का पत्थर लुढ़का हुआ पाया। और जब वे भीतर गईं , तो उन्हें प्रभु यीशु का शरीर नहीं मिला। जब वे इस बात पर चकित हो रही थीं , तो अचानक दो पुरुष चमकीले वस्त्र पहने उनके पास आ खड़े हुए। और जब वे डर गईं और अपना मुँह ज़मीन की ओर झुका लिया, तो उन पुरुषों ने उनसे कहा, 'तुम जीवते को मरे हुओं में क्यों ढूँढ़ती हो? वह यहाँ नहीं है ; वह जी उठा है। याद करो कि जब वह गलील में था, तब उसने तुमसे कहा था कि मनुष्य के पुत्र को पापियों के हाथों में सौंपा जाना है , और उसे क्रूस पर चढ़ाया जाना है , और तीसरे दिन वह जी उठेगा। और उन्हें उसके वचन याद आए; और कब्र से लौटकर उन्होंने ये सब बातें ग्यारहों और बाकी सबको बता दीं। ये थीं मरियम मग्दलीनी , योना, याकूब की माता मरियम और उनके साथ की अन्य स्त्रियाँ , जिन्होंने प्रेरितों को ये बातें बताईं। परन्तु उनके वचन उन्हें व्यर्थ के लगे , और उन्होंने उन पर विश्वास नहीं किया। परन्तु पतरस उठकर कब्र

पर दौड़ा ; और झुककर उसने केवल सूती कपड़े वहीं पड़े हुए देखे , और आश्चर्य करके अपने मन में इस बात पर वचिार करता हुआ लौट गया कयिह क्या हुआ।

लूका 24:1–12

रवविार का भजन

मसीह के पुनरुत्थान को देखकर , / हम पवत्रि प्रभु यीशु की आराधना करें , / जो एकमात्र पापरहति हैं। / हे मसीह, हम तेरे क्रूस की आराधना करते हैं , / और हम तेरे पवत्रि पुनरुत्थान का गान और महमिा करते हैं , / क्योंकि तू ही हमारा परमेश्वर है , / हम तुझसे सवि और कसिी को नहीं जानते , / हम तेरे नाम का आह्वान करते हैं। / आओ, हे सभी वशि्वासयिों , / हम मसीह के पवत्रि पुनरुत्थान की आराधना करें , / क्योंकि देखो , क्रूस के द्वारा / संपूर्ण जगत में आनंद आया है। / सदैव प्रभु का धन्यवाद करते हुए , / हम उसके पुनरुत्थान का गीत गाते हैं , / क्योंकि उसने , सूली पर चढ़ाए जाने को सहन करके , / मृत्यु को मृत्यु से कुचल डाला है। (3)

भजन संहति 50. सुसमाचार का चुंबन।

महमिा: प्रेरतिों की प्रार्थनाओं के द्वारा , हे दयालु , हमारे पापों की भीड़ को मटिा दो।

और अब: परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा , हे दयालु , हमारे पापों की भीड़ को मटिा दीजए।

फरि, स्वर 6: हे परमेश्वर , अपनी महान दया के अनुसार मुझ पर दया करें , और अपनी अनुग्रहों की बहुतायत के अनुसार मेरे अधर्म को मटिा दें।

और स्टचिेरा : यीशु कब्र से जी उठे हैं , / जैसा उन्होंने पूर्व में बताया था, / हमें अनंत जीवन / और महान दया प्रदान करते हुए।

और प्रार्थना : हे ईश्वर , अपने लोगों को बचा:

पास्का कैनन , इसके इरमोस और थयिोटोकी के साथ। और लकवाग्रस्त व्यक्ति का कैनन छह भागों में। काटावाशयि: पुनरुत्थान का दनि:

कैनन।
संत जॉन ऑफ़ डेमास्कस द्वारा रचति, स्वर 1।
गीत 1

इरमोस: पुनरुत्थान का दनि! हे लोगों , आनन्दति हो! / पास्चा ! प्रभु का पास्चा ! / क्योंकि मृत्यु से जीवन में और पृथ्वी से स्वर्ग में / मसीह ईश्वर ने हमें लाया है , / जब हम वजिय का गीत गाते हैं।

पुनरावृत्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

आओ हम अपने इंद्रयिों को शुद्ध करें और देखें / मसीह को चमकते हुए / पुनरुत्थान के अगम्य प्रकाश में , / और आओ हम स्पष्ट रूप से उन्हें कहते हुए सुनें , 'खुशी मनाओ!' / जब हम वजिय का गीत गाते हैं।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

आकाश उचति रूप से आनंद मनाए, / पृथ्वी हर्षति हो, / संपूर्ण संसार उत्सव मनाए, / दृश्यमान और अदृश्य दोनों : / क्योंकि मसीह जी उठे हैं , जो कभी न खत्म होने वाला आनंद है।

थयिोटोकोस के भजन,
परम पूज्य थयिोफांस और जोसेफ द्वारा रचति

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमारा उद्धार करें।

तूने मृत्यु के बंधन तोड़ दिए, / अपने गर्भ में अनंत जीवन, मसीह, को धारण कर, / जो आज कब्र से प्रकट हुए , / हे सदा कुंवारी , / और जिन्होंने संसार को प्रकाशित किया।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमें बचाओ।

तेरे पुत्र और ईश्वर के पुनरुत्थित होने का दर्शन कर, हे ईश्वर -धन्य और पवित्र एक, प्रेरितों के साथ हर्षित हो! और सर्वप्रथम , 'हे आनंदित हो' शब्द , जो सभी के लिए हर्ष का कारण है , हे सदा-कुंवारी ईश्वरजननी , ने तुझे प्राप्त हुआ।

लकवाग्रस्त लोगों के लिए कैनन , स्वर 3

ओड 1

इरमोस: हे अद्भुत , जो महिमामय चमत्कार करते हो, / हे ईश्वर , जिन्होंने गहरे सागर को सूखी भूमि में बदल दिया, / और रथों को पानी से ढक दिया, / और उन लोगों को बचाया जिन्होंने तुम्हें गाया, / हमारे उद्धारकर्ता और ईश्वर के रूप में।

चमत्कार करते हुए , / अद्भुत कार्य करते हुए , हे एकमात्र राजा, / आपने दयालु होकर, अपनी स्वैच्छिक इच्छा से क्रूस को सहन किया, / और मृत्यु को मृत्यु द्वारा मृत्यु के मुख पर लाकर, / आपने हमें जीवन प्रदान किया है।

मसीह के पुनरुत्थान के इस दिन / हे लोगों , विश्वास के साथ आनन्द मनाओ: / नरक पर विजय प्राप्त हुई है और उसने शीघ्रता से / अपने पास बंदी बनाए हुए लोगों को रिहा कर दिया है , / जो परमेश्वर की महानता का गान करते हैं।

हे मसीह, अपनी दिव्य शक्ति से , आपने एक बार उस मनुष्य को बल दिया था जो आपके वचन से लकवाग्रस्त हो गया था, और उसे अपना बिस्तर उठा लेने का आज्ञा दिया, यद्यपि वह लंबे समय से दुर्बल था; मेरी अत्यंत पीड़ित आत्मा को चंगा करें।

एक समय एक देवदूत / ओवेच्यया के स्नानागारों में अवतरित हुआ , / और समय-समय पर एक व्यक्ति को चंगा किया; / लेकिन अब, दिव्य बपतिस्मा के माध्यम से , / मसीह अनगिनत जनसमूहों को शुद्ध करता है।

महादूत माइकल को: स्वर्गदूतों के प्रमुख , स्वर्गीय सेनाओं के महासेनापति! अपने पवित्र मंदिर में एकत्रित और ईश्वर की स्तुति गा रहे लोगों को सभी प्रलोभनों से रक्षा और संरक्षण प्रदान करें।

पवित्र त्रिमूर्ति की महिमा: तीन व्यक्तियों में , फिर भी एक सार के , आइए हम अनंत काल तक उस आरंभहीन ईश्वर की महिमा गाएं , अद्रव्य प्राणियों के साथ मिलकर: पिता, वचन और पवित्र आत्मा , जिनके पास एक अविभाज्य राज्य और शक्ति है।

और अब, परमेश्वर की माता को: हे पवित्र एक, आपके इस नगर को, जो सदैव विश्वास के साथ आपका सम्मान करता है , विपत्तियों से , विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा कब्ज़े से , गृह युद्ध और तलवार से , और हर अन्य खतरे से बचाइए।

कातावासिया: पुनरुत्थान का दिन! हे लोगों , आनन्द मनाओ! / पास्खा ! प्रभु का पास्खा ! / क्योंकि मृत्यु से जीवन में और पृथ्वी से स्वर्ग में / मसीह हमारे ईश्वर ने हमें पहुंचाया है , / जब हम विजय का गीत गाते हैं।

भजन 3

इरमोस: आओ, हम नया पेय पीएं , / जो एक बाँझ चट्टान से चमत्कारिक रूप से नहीं निकला, / बल्कि अमरत्व का वह फव्वारा , / जो मसीह के मकबरे से फूटा , / जिसमें हम स्थापित हैं।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

अब सब कुछ प्रकाश से भर गया है , / स्वर्ग , पृथ्वी और पाताल लोक: / सारी सृष्टि मसीह के पुनरुत्थान का उत्सव मनाए, / जिस पर यह स्थापित है।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

कल मैं तेरे साथ दफ़नाया गया, हे मसीह, – तेरे साथ, जो पुनर्जीवित हुए , मैं आज उठता हूँ ; कल मैं तेरे साथ सूली पर चढ़ाया गया: हे उद्धारकर्ता , मुझे तेरे साथ महिमामय कर, तेरे राज्य में !

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमें बचाओ।

पवित्रता के जीवन की ओर / मैं आज बढ़ता हूँ , / उस की कृपा से जो तुमसे , हे पवित्र , जन्मे , / और जिन्होंने अपनी ज्योति से संसार के सभी छोरों को प्रकाशित किया।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमें बचाओ।

उस परमेश्वर को देखकर , जिसे आपने , हे पवित्र एक, / अपने गर्भ में धारण किया था, / मृतकों में से जी उठे , जैसा कि उन्होंने कहा, आनंदित हो, / और परमेश्वर के रूप में , हे निर्मल एक, उनकी महिमा करो।

लकवाग्रस्त व्यक्ति का कैनन। इरमोस: हे बाँझ और निस्संतान आत्मा , / एक गौरवपूर्ण फल प्राप्त कर, / बच्चों में आनन्दित होकर, पुकार लगा: / 'मेरा हृदय दृढ़ है ; / कोई पवित्र नहीं , कोई धर्मी नहीं , / हे प्रभु , तेरे सिवा!'

एक बार तुझे / क्रूस पर लटका हुआ देखकर , हे वचन, / सूर्य ने अपनी रोशनी छुपा ली, और सारी पृथ्वी काँप उठी; / जब तू , सर्वशक्तिमान , मृतक हो गया।

जब, अपनी आत्मा के साथ, / आप पृथ्वी के गर्भ में आए, / नरक में बंद आत्माएँ / उसे शीघ्र ही मुक्त कर दी गईं , / और उन्होंने धन्यवाद का गीत गाया / आपकी शक्ति को, हे एक प्रभु।

हे परम धन्य , मेरे प्राण को चंगा कर, / जो दीर्घकाल से घोर दुर्बलता से पीड़ित है , / जैसे तूने एक बार लकवाग्रस्त मनुष्य को चंगा किया था, / ताकि मैं तेरी राहों पर चल सकूँ , / जो तूने अपने प्रेम करने वालों को प्रकट की हैं।

महादूत माइकल को: स्वर्गदूतों के साथ मिलकर, हे ईश्वर के महादूत , / उन लोगों के लिए मध्यस्थता करो जो विश्वास के साथ आपकी स्तुति करते हैं , / हमारी रक्षा और संरक्षण करो, / जब हम इस जीवन की कामनाओं में फँसे हुए हैं।

त्रिमूर्ति में महिमा: 'पिता की महिमा हो,' – हम उद्घोष करें – 'और पुत्र की तथा पवित्र आत्मा की!' / – क्योंकि ईश्वर एक हैं स्वभाव में , / जिन्हें सभी स्वर्गीय शक्तियाँ भय-सहित महिमा देती हैं , / – 'पवित्र , पवित्र , पवित्र !' – पुकारते हुए।

और अब, ईश्वर की माता को: आपकी गर्भधारण बिना बीज के थी / और आपका जन्म समझ से परे , हे पवित्र कुँवारी माता: / एक अद्भुत कार्य , चमत्कारों में सबसे बड़ा , / स्वर्गदूतों द्वारा सम्मानित और मनुष्यों द्वारा महिमामंडित , / हे कुँवारी शासिका!

कातावासिया: आओ, हम नया पेय पीएं , / जो एक बाँझ चट्टान से चमत्कारिक रूप से नहीं निकला, / बल्कि अमरत्व का फव्वारा , / जो मसीह के कब्र से फूटा , / जिसमें हम स्थापित हैं।

ईस्टर कोंटाकियन , स्वर 8

यद्यपि हे अमर प्रभु , तू कब्र में उतर गया, / तथापि तूने नरक की शक्ति को नष्ट कर दिया / और विजेता के रूप में पुनरुत्थित हुआ , हे मसीह हमारे परमेश्वर , / मृगबाहक स्त्रियों से पुकार कर: 'हर्षित होओ!' / और अपने प्रेरितों पर शांति प्रदान करते हुए , / तू जो पतितों को पुनरुत्थान प्रदान करता है।

इकोस: वह सूर्य जो सूर्य से भी पूर्व था, / जो एक बार कब्र में लेटा था, / भोर से भी पहले आ गया था, / मूर्र -धारण करने वाली कुंवारी कन्याओं द्वारा दिन के प्रकाश के रूप में खोजा गया / – और उन्होंने एक-दूसरे से पुकारा : / हे मित्रों , आओ उस देह पर सुगंधित तेल

लगाएँ , / जो जीवन का श्वास लेती और दफ़न है , / उस परमेश्वर का मांस जो पतति आदम को उठाता है , / जो कब्र में पड़ा है। / चलो, हम मगों की तरह शीघ्रता करें और पूजा करें , / और मूरा को उपहार के रूप में लाएँ / उस पर, जो अब लपेटों में नहीं , बल्कि कफ़न में लिपटे हैं ; / और आँसू बहाएँ और पुकारें : / 'हे प्रभु , उठो, आप जो गिरे हुए को पुनरुत्थान देते हैं !'

और सेडेलन , स्वर 3

एक ही शब्द ने लकवाग्रस्त मनुष्य को बल दिया, / जब सार्वभौमिक वचन गूँजा / उस परमेश्वर से , जो दया से हमारे लिए पृथ्वी पर प्रकट हुए। / अतः पीड़ित मनुष्य अपने बिस्तर को उठाए चल पड़ा , / जबकि धर्मशास्त्रियों ने जो घटित हुआ उसे देखना सहन नहीं किया, / ईर्ष्या की बुराई से ग्रस्त होकर, / जो आत्मा को लकवाग्रस्त कर देती है।

महिमा, और अब, ईश्वर की माता को: आपकी कुँवारीपन की सुंदरता / और आपकी अति-दीप्तिमान पवित्रता से चकित होकर, / गब्रियल ने आपसे पुकारा , हे ईश्वर की माता: / 'मैं आपके लिए कौन-सी प्रशंसा अर्पित करूँ ?' / मैं आपको कैसे संबोधित करूँ ? / मैं चकित और हैरान हूँ ; / इसलिए, जैसा मुझे आज्ञा दी गई है , मैं आपसे पुकारता हूँ : / 'हे अनुग्रह से परिपूर्ण , आनन्दित रहो!'

भजन 4

इरमोस: दिव्य संरक्षक , धर्मशास्त्री हबक्कुक , हमारे साथ खड़े हों / और प्रकाश - धारण करने वाले स्वर्गदूत को प्रकट करें , / जो स्पष्ट रूप से उद्घोषणा करता है : / 'आज – संसार के लिए उद्धार , / क्योंकि मसीह सर्वशक्तिमान के रूप में पुनरुत्थित हुए हैं '।

पुनरावृत्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

मसीह मनुष्य के रूप में प्रकट हुए , उन्होंने कुँवारी के गर्भ को खोल दिया; / और भोजन के रूप में अर्पित होकर, उन्हें मेमना कहा जाता है ; / और दोष रहित—अपवित्रता से रहित—/ वे हमारे पास्खा हैं ; / और, सच्चे ईश्वर के रूप में , / उन्हें परिपूर्ण कहा जाता है।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

एक वर्ष के मेमने के समान, / हमारे लिए – एक महिमामय मुकुट , / धन्य , जो सभी के लिए स्वेच्छा से बलिदान हुए , / एक शुद्ध करने वाले पासोवर के रूप में , / और एक बार फिर कब्र से हमारे लिए प्रकट हुए / धार्मिकता के महिमामय सूर्य के रूप में।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

दाऊद, परमेश्वर के पूर्वज , / प्रतिमा के सामने कूदते और नाचते थे , जैसे किसी छाया में ; / पर हम, परमेश्वर की पवित्र प्रजा , / प्रकारों की पूर्ति को देखकर , / परमेश्वर से प्रेरित होकर आनन्द मनाएँ , / क्योंकि मसीह सर्वशक्तिमान , जी उठे हैं।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करें।

हे पवित्र एक, जिसने आदम, तुम्हारे पूर्वज , को बनाया, / वह तुम्हारे द्वारा रचा गया है , / और इस दिन उसने , अपनी मृत्यु से , / उस मृत्यु को समाप्त कर दिया जो उससे आई थी, / और सभी को प्रकाशित किया / पुनरुत्थान के दिव्य तेज से।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

हे पवित्र कन्या , मसीह को देखकर , जिन्हें तुमने अपने गर्भ में धारण किया था, / जो आज सभी के उद्धार के लिए मृतकों में से महिमामय रूप से प्रकट हुए हैं , / स्त्रियों में महिमामय, निर्दोष और सुंदर , / प्रेरितों के साथ आनन्द मनाओ और उनकी महिमा करो।

लकवाग्रस्त मनुष्य का कैनन। इरमोस: अब्बकूम ने छायादार पर्वत को देखा – / हे पवित्र एक, तेरा निर्मल गर्भ। / अतः उसने पुकारा : / 'ईश्वर तेमान से आएगा, / और पवित्र एक – झाड़ी पर अपनी छाया डालने वाले पर्वत से !'

ईर्ष्या से भरी यहूदियों की भीड़ ने , हे प्रभु , आपको सूली पर चढ़ा दिया; परन्तु हमारी मृत्यु की सज़ा को दूर कर, आप, सर्वशक्तिमान के रूप में , पुनर्जीवित हुए , और स्वयं के साथ शांति स्थापित की।

'हे स्त्रियों , तुम अपने सुगंधित इत्रों के साथ / उस अक्षय मूर्रा को क्यों खोजती हो? / वह जी उठे हैं ,' मूर्रा -वाहकों को / श्वेत वस्त्रों में विराजमान स्वर्गदूत ने घोषित किया, / 'और उन्होंने स्वर्गों को / एक अदेह सुगंध से भर दिया है !'

असीम दया से दास का रूप धारण कर, / हे परमेश्वर के वचन, आप पैदल आए और उसको स्वस्थ किया / जो लंबे समय से बीमार पड़ा था, / और उसे उसके बिस्तर से उठने का आज्ञा दिया।

प्रभु का दूत , समय-समय पर उतरता हुआ , / भेड़ों के तालाब के जल को हिलाता था, / केवल एक ही को स्वास्थ्य प्रदान करता था; / परन्तु मसीह दिव्य बपतिस्मा के द्वारा / अनगिनत जनसमूह को बचाता है।

महादूत माइकल को: स्वर्गदूतों के प्रमुख और भटके हुए लोगों के मार्गदर्शक , प्रभु के महासेनापति, इस घड़ी हममें प्रकट हों और सभी की प्रार्थनाएँ एक सृष्टिकर्ता और प्रभु तक पहुँचाएँ।

महिमा, पवित्र त्रिमूर्ति को: सार में एक, / फिर भी व्यक्तियों में भिन्न , पवित्र त्रिमूर्ति : / पिता, जो पुत्र के साथ परम और सह-शाश्वत हैं , / और पवित्र और एक सर्वशक्तिमान आत्मा।

और अब, ईश्वर की माता को: 'हे पवित्र कन्या , तुम दूध से पोषण कैसे करती हो? / और तुमने उस शिशु को, सबसे प्राचीन आदम को, कैसे जन्म दिया? / तुम अपने पुत्र को अपनी बाहों में कैसे धारण करती हो, / जिसे खेरूबों के कंधों पर उठाया जाता है ? / – 'जैसा वह स्वयं जानता है , जैसा उसे ज्ञात है , / जिसने सभी चीजों को अस्तित्व में लाया!'

कातावासिया: दैवीय पहरे पर / धर्मशास्त्री अब्बाकुम हमारे साथ खड़े हों / और प्रकाश - धारण करने वाले देवदूत को प्रकट करें , / स्पष्ट रूप से उद्घोषित करते हुए : / 'आज – संसार के लिए उद्धार , / क्योंकि मसीह सर्वशक्तिमान के रूप में पुनर्जीवित हुए हैं '।

गीत 5

इरमोस: हम भोर से ही पहरा दें / और शोक के बदले प्रभु को एक गीत अर्पित करें , / और मसीह को निहारें – धार्मिकता का सूर्य , / जो सभी को जीवन का प्रकाश प्रदान करता है।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे ख्रीस्त , तेरी असीम दया को निहारते हुए , / नरक की बेड़ियों में बँधे हुए / आनंदित कदमों से प्रकाश की ओर दौड़े , / शाश्वत पास्का की स्तुति करते हुए।

पुनरुक्ति : मसीह मृतकों में से जी उठे हैं।

आओ हम हाथों में दीपक लेकर मसीह के समीप जाएँ , / जो कब्र से वर की भाँति प्रकट हुए , / और आओ हम सब मिलकर / आनंदित स्वर्गदूतों के साथ / ईश्वर के उद्धारक पास्खा का उत्सव मनाएँ।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, / आपके पुत्र के पुनरुत्थान की दिव्य / और जीवन-दायक किरणों से प्रकाशित , / भक्तों की सभा आनंद से भर गई है।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

हे सृष्टि के राजा, आपने अवतार के समय कुँवारीपन के द्वार नहीं खोले , न ही कब्र की मुहरें तोड़ीं , और इसलिए, आपको पुनर्जीवित देखकर , माता हर्षित हुई।

लकवाग्रस्त लोगों के लिए कैनन। इरमोस: हे मसीह, अपनी अक्षय ज्योति से , / मेरी दीन आत्मा को प्रकाशित करो, / और मुझे अपने भय की ओर ले चलो, / क्योंकि तुम्हारे आज्ञाएँ ज्योति हैं।

तू क्रूस पर उठाया गया / और अपने साथ संपूर्ण जगत को उठा लिया; / और, हे ईश्वर , मृतकों के बीच स्वयं को पाकर, / तू उन लोगों को उठाता है जो प्राचीन काल से मृत थे।

मसीह उठे हैं , जैसा उन्होंने पूर्व में बताया था, / उन्होंने नरक के सभी राजसी महलों को तहस-नहस कर दिया, / और प्रेरितों के सामने प्रकट हुए , / और उन्हें अनंत आनंद प्रदान करते हैं।

सफेद वस्त्रों में एक तेजस्वी स्वर्गदूत पत्नियों के सामने प्रकट हुआ / और उद्घोषित किया: / 'विलाप मत करो, क्योंकि तुम्हारा जीवन पुनर्जीवित हो उठा है , / जिसने कब्रों में पड़े मृतकों को पुनर्जीवित कर दिया है !'

जैसे आपने लकवाग्रस्त मनुष्य को उठाया, हे मसीह, / वैसे ही मेरी आत्मा को स्वास्थ्य प्रदान करें , / जो मेरे पापों से थकी हुई है , / और मुझे आपके सीधे मार्गों पर चलने में सहायता करें।

महादूत माइकल को: माइकल, स्वर्गदूतों के सर्वोच्च नेता , / जो इस दिन लोगों को अपने पवित्र स्थल में इकट्ठा करते हैं / और ईश्वर के महान कार्यों की घोषणा करते हैं , हमें बचाओ।

त्रिमूर्ति की महिमा: हम तीन व्यक्तियों में एकता का समान रूप से सम्मान करते हैं , जो हाइपोस्टेज़ में वास्तव में भिन्न हैं , फिर भी स्वभाव में एकजुट हैं : पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा।

और अब, हे परमेश्वर की माता: हम आपकी अनाज-रहित गर्भधारण का गायन करते हैं , हे पवित्र एक, / और मसीह के अकल्पनीय जन्म का, / आपको धन्य कहते हुए , / सर्व के सृष्टिकर्ता और प्रभु की माता के रूप में।

कातावाशिया: हम भोर से ही जागेंगे / और भोर के स्थान पर प्रभु को एक स्तुति -गीत अर्पित करेंगे , / और देखो मसीह – धार्मिकता का सूर्य , / जो सभी को जीवन की किरणें बिखेरता है।

स्तोत्र 6

इरमोस: हे मसीह, तू पृथ्वी के सबसे निचले हिस्सों में उतर गया / और उन शाश्वत बोल्टों को तोड़ दिया / जिन्होंने कैदियों को बेड़ियों में जकड़ रखा था, / और तीसरे दिन, जैसे व्हेल से , हे योना, / तू कब्र से उठ खड़ा हुआ।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे मसीह, मुहरें अछूती छोड़कर , / आप कब्र से उठे , / आपने अपने जन्म में कुँवारी के गर्भ को अछूता रखा, / और हमारे लिए स्वर्ग के द्वार खोल दिए।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे मेरे उद्धारकर्ता , / जीवित और बिना वध का बलिदान! / स्वयं को, ईश्वर के रूप में , / स्वेच्छा से पिता को अर्पित करते हुए , / तुमने अपने साथ / हमारे सामान्य पूर्वज आदम को भी जिलाया, / कब्र से उठकर।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

जो अनादि काल से मृत्यु और क्षय का बन्दी था, / उसे उसने अक्षय और अनन्त जीवन में पुनर्जीवित किया है , / जो तेरी अतिपवित्र गर्भ से अवतारित हुआ , / हे ईश्वर की कुँवारी माता।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अतिपवित्र माता, हमारा उद्धार करें।

वे पृथ्वी के सबसे गहरे हिस्सों में उतरे / हे पवित्र एक, आपकी गहराइयों में ; वही जिन्होंने उतरकर / वहाँ वास किया, और सर्व समझ से परे देहधारी हुए ; / और वे कब्र से उठने के बाद, आदम को भी अपने साथ उठा ले आए।

लकवाग्रस्त व्यक्ति के लिए कैनन। इरमोस: मेरे भावों की गहराइयाँ मुझ पर उठ खड़ी हुई हैं / और प्रतिकूल हवाओं का एक तूफ़ान ; / परन्तु हे उद्धारकर्ता , तू मेरी सहायता के लिए शीघ्रता कर, / मुझे बचा और विनाश से छुड़ा , / जैसे तू ने भविष्यवक्ता को जानवर से बचाया।

तू अपनी इच्छा से क्रूस पर उठाया गया, / एक मृतक के समान कब्र में रखा गया, / और हे मसीह, हादेस में रहने वाले सभी मृतकों को / जीवित कर, / तूने उन्हें अपनी दिव्य शक्ति से उठा दिया।

नरक, जब उसने अधोलोक में आपसे , हे दयालु , भेंट की, तो क्रोध से भर गया, / फिर भी उसने शीघ्रता से अपने बंदियों को रिहा कर दिया, / जिन्होंने आपकी भयानक / पुनरुत्थान की स्तुति , हे उद्धारकर्ता , / अविराम स्वरों में गाई।

दिव्य शिष्यों ने , सर्व के जीवन, मसीह को, कब्र से उठे हुए देखकर , महान प्रेम और धर्मी विचार के साथ, और अपने हृदयों में आनंद के साथ, उसकी आराधना की।

वह जो कभी / लंबे समय तक पीड़ा के बिस्तर पर पड़ा था, / परन्तु हे मसीह, तेरे आज्ञा से चंगा हुआ , / अब गीतों से तेरी दया का गुणगान करता है , / हे जीवन दाता।

महादूत माइकल के लिए: माइकल, स्वर्गदूतों के सर्वोच्च नेता , / प्रभु के सिंहासन के सामने खड़े , / हमारे बीच खड़े रहो, हमें जीवन के मार्गों पर मार्गदर्शन करो, / क्योंकि हम में तुमने एक उत्साही मध्यस्थ पाया है।

महिमा, त्रिमूर्ति को: मैं आपको व्यक्तियों में त्रिमूर्ति के रूप में सम्मानित करता हूँ , / फिर भी आपको सार में एक के रूप में घोषित करता हूँ , / आरंभ रहित पिता, पुत्र , और पवित्र आत्मा , सभी का ईश्वर , / शक्तिशाली स्वर्गीय सेनाओं के साथ।

और अब, हे परमेश्वर की माता: आप जो दैवीय व्यवस्था द्वारा सभी को सहन करती हैं , / परमेश्वर की कुँवारी माता को अपनी बाहों में थामिए, / हम सभी को दुष्ट के हाथ से / और उसकी दासता से बचाइए, हे दयालु।

कातावासिया: तू पृथ्वी के सबसे गहरे हिस्सों में उतर गया / और उन शाश्वत बाधाओं को तोड़ दिया / जो कैदियों को बेड़ियों में जकड़े हुए थीं , हे मसीह, / और तीसरे दिन, जैसे व्हेल से , हे योना, / तू कब्र से उठ आया।

कॉन्टाकियन , स्वर 3

हे प्रभु , मेरी आत्मा , जो सब प्रकार के पापों / और अधर्म के कर्मों से अत्यंत दुर्बल हो गई है , / उसे अपनी दिव्य कृपा से उठाइए, / जैसे आपने एक बार लकवाग्रस्त मनुष्य को उठाया था, / ताकि मैं , उद्धार पाकर, आपको पुकार सकूँ : / 'महिमा, हे दयामय मसीह, / आपकी सामर्थ्य को!'

इकोस: संसार के छोरों को / अपनी हथेली में थामे हुए , / हे यीशु , परमेश्वर , जो पिता के समान अनारंभ हैं , / और पवित्र आत्मा के साथ सब पर राज्य करते हैं , / आप देह में प्रकट हुए , दुर्बलताओं को चंगा करते हुए ; / और विकारों को दूर किया; आपने अंधों को दृष्टि दी, / और अपने दैवीय वचन से लकवाग्रस्त मनुष्य को जिलाया, / अचानक उसे चलने और उस

बस्तिर को उठाने का आदेश देकर जसि पर वह लेटा था, / और उसे अपने कंधों पर उठा लेने का। / इसलिए, हम सभी उसके साथ गाते और पुकारते हैं : / 'महमिा तुझको , हे दयालु मसीह, / तेरी सामर्थ्य को!'

सनैक्सारयिन।

भजन 7

इरमोस: जसिने युवकों को भट्टी से बचाया, / मनुष्य बनकर, / एक नश्वर की तरह पीड़ा सहता है , / और अपनी पीड़ा के द्वारा / नश्वरता को अमरत्व की शोभा से सजाता है , / वही धन्य / हमारे पूर्वजों का परमेश्वर और अतमिहमिामय।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

ईश्वर -ज्ञ महलिाएँ / सुगंधति मसालों के साथ तेज़ी से तेरे पीछे चलीं। / परन्तु जसि वे एक मनुष्य के रूप में आँसुओं से खोज रही थीं , / उन्होंने उसे आनन्दपूर्वक जीवति ईश्वर के रूप में पूजा , / और रहस्यमय पास्चा का प्रचार कयि / तेरे शष्यिों को, हे मसीह।

पुनरुक्त : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हम मृत्यु की पराजय का उत्सव मनाते हैं , / नरक के वनिाश का, / एक अन्य —शाश्वत — जीवन की शुरुआत का, / और आनंद में हम उस एक का गुणगान करते हैं जसिने यह सब संभव कयि / —आशीर्वादति / हमारे पूर्वजों के परमेश्वर और सर्व -महमिामय।

पुनरुक्त : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

सत्य में पवत्रि / और हर उत्सव के योग्य / है यह रात, उद्धार देने वाली और तेजस्वी , / पुनरुत्थान के प्रकाश -पूर्ण दनि की अग्रदूत , / जसिमें शाश्वत प्रकाश / कब्र से देह में सब के लिए प्रकट हुआ।

पुनरुक्त : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमारा उद्धार करो।

आज मृत्यु को मृत्यु पर वजिय दलिाकर, हे सर्व -पवत्रि , आपके पुत्र ने सभी नश्वर प्राणयिों को वह जीवन प्रदान कयि है जो अनंतकाल तक बना रहे , वह धन्य , हमारे पूर्वजों के परमेश्वर और अतमिहमिामय।

पुनरुक्त : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमें बचाओ।

सभी सृष्ट पर शासन करते हुए , / मनुष्य बनकर, / हे ईश्वर -धन्य , तेरी कोख में नविास कयि, / और सूली पर चढ़ाए जाने तथा मृत्यु को सहन करके , / ईश्वर के योग्य , पुनर्जीवति हुए , / हमें भी अपने साथ सर्वशक्तमिान के रूप में उठाया।

लकवाग्रस्त व्यक्त के लिए कैनन। इरमोस: हे प्रभु , जो भट्टी की ज्वालाओं को बुझाया / और युवकों को अक्षुण्ण रखा, / हे हमारे पूर्वजों के परमेश्वर , / तू सदा के लिए धन्य है।

जब सूर्य ने आपको क्रूस पर फैला हुआ देखा , / तो उसने अपनी रोशनी मद्धम कर दी, संसार पर चमकने में असमर्थ ; / जबकि आप, सर्व के राजा, अपनी स्वैच्छकि इच्छा से प्रवेश कए, / सभी राष्ट्रों को प्रकाशति करने के लिए।

तुम पुनरुत्थति हुए , कब्रों को खाली करते हुए / और अपनी सर्वशक्तमिान शक्त से नरक को लूटते हुए ; / इसलिए हम गाते हैं , हे मसीह, / तुम्हारे पवत्रि और दव्यि पुनरुत्थान का।

'तुम जीवते को ऐसे क्यों ढूँढ़ती हो जैसे वह मरा हो? / वह जी उठे हैं ; वे कब्र में नहीं हैं !' – / ऐसा उद्घोष कयि मृर्ह -वाहनियिों से / दव्यि स्वर्गदूत ने , जो तेजस्वी आभा से परपिूर्ण था।

जिसने लंबे समय तक पक्षाघात से ग्रस्त पड़ा था, / उसे तुमने एक वचन से चंगा कर, पुकारा : / 'अपना बिस्तर उठा और चल, / ईश्वर की महिमा का गायन कर!'

आर् changeल माइकल को: हे माइकल, प्रभु के महासेनापति, / जो विश्वास में आपके दिव्य मंदिर में एकत्रित होते हैं, उनका मार्गदर्शन करें / ईश्वर की स्तुति की ओर / और अपनी मध्यस्थता द्वारा उन्हें हर बुराई से बचाएँ।

पवित्र त्रिमूर्ति की महिमा: हे पवित्र त्रिमूर्ति ! जो विश्वास के साथ आपकी स्तुति करते हैं, / सर्व के ईश्वर और प्रभु के रूप में, / उन्हें सभी कष्टों से बचाएँ, / और उन्हें अपने आशीर्वादों में सहभागी बनाएँ।

और अब, हे परमेश्वर की माता: तू सदा कुँवारी है, जिसने सर्व -बोध से परे, / उसे जन्म दिया जो सभी युगों से पूर्व / पिता से बिना आरंभ के जन्मे थे, न कि सांसारिक नियमों के अनुसार ; / अतः, हे पवित्र एक, हम तुझे धन्य कहते हैं।

कातावासिया: जिसने युवकों को भट्टी से बचाया, / मानव बनकर, / एक नश्वर के रूप में पीड़ा सहता है, / और अपनी पीड़ा के द्वारा / नश्वरता को अमरत्व की सुंदरता से परिधानित करता है, / वही धन्य / पितरों का परमेश्वर और अति महिमामय।

भजन ८

इरमोस: यह प्रतीक्षित और पवित्र दिन, / सब्त के बाद का पहला, राजसी और सर्वोच्च, / उत्सवों का उत्सव / और जश्न का जश्न है। / इस दिन हम हमेशा के लिए मसीह का धन्यवाद करते हैं !

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

आओ, हम नई दाखलता का फल चखें, / दिव्य आनंद का, / पुनरुत्थान के इस महिमामय दिन पर, / और हम मसीह के राज्य में सहभागी हों, / उसकी सदा-सदा परमेश्वर के रूप में स्तुति करते हुए।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

ज़ियोन, अपनी आँखें उठा, / और चारों ओर देख : / क्योंकि देखो, तेरे बच्चे तेरे पास इकट्ठा हुए हैं, / दैवीय रूप से चमकते सितारों की तरह, / पश्चिम से, और उत्तर से, / और समुद्र से, और पूर्व से, / मसीह को सदा और सदा के लिए तुझ में धन्य कहते हुए।

पुनरावर्तन : परम पवित्र त्रिमूर्ति, हमारे ईश्वर, महिमा तुझको।

त्रिमूर्ति भजन: सर्वशक्तिमान पिता, और वचन, और आत्मा, / तीन व्यक्तियों में एक सत्ता, / परम उच्च और परम दिव्य ! / आप में हम बपतिस्मा ग्रहण करते हैं / और हम आपको युगानुयुग धन्य कहते हैं।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

सृष्टिकर्ता तेरे द्वारा संसार में आए, हे परमेश्वर की कुँवारी माता, और नरक के बंधन तोड़कर, हमें मर्त्य प्राणियों को पुनरुत्थान प्रदान किया। अतः हम सदा-सर्वदा उनकी स्तुति करते हैं।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमें बचाओ।

हे कुँवारी, तुम्हारे पुत्र ने, महाशक्तिमान ईश्वर के रूप में, अपने पुनरुत्थान द्वारा मृत्यु की सारी शक्ति को पराजित कर, हमें भी अपने साथ उठाया और जीवित कर दिया। अतः हम सदा-सर्वदा उसकी स्तुति गाते हैं।

लकवाग्रस्त लोगों के लिए कैनन। इरमोस: हे परमेश्वर, जिनकी महिमा स्वर्ग में स्वर्गदूतों द्वारा, / स्वर्गों के स्वर्ग, पृथ्वी, और पहाड़ों द्वारा, / और पहाड़ियों, और गहराइयों द्वारा, / और संपूर्ण मानव जाति द्वारा निरंतर की जाती है, / सृष्टिकर्ता और

उद्धारकर्ता के रूप में अपने भजनों से उनका आशीर्वाद करें / (और उन्हें युगानुयुग महिमान्वित करें !)

तेरी सूली पर चढ़ाए जाने पर पर्दा फाड़ दिया गया, हे हमारे उद्धारकर्ता , और मृत्यु ने उन मृतकों को लौटा दिया जिन्हें उसने निगल लिया था, और अधोलोक अपनी शक्ति से वंचित हो गया, जब उसने तुझे पृथ्वी की सबसे गहरी गहराइयों में प्रकट होते देखा।

हे मृत्यु , तेरा डंक कहाँ है ? / हे नरक, तेरी विजय अब कहाँ है ? / राजा के पुनरुत्थान पर तू मार डाली और नष्ट की गई, / अब तेरा राज्य नहीं रहा, / क्योंकि सर्वशक्तिमान ने उन लोगों को छीन लिया है / जिन्हें तूने बंधक बना रखा था।

'तेजी से दौड़ो , और बता दो / पुनरुत्थान के प्रेरितों को,' / – मिर्रा -वाहकों को प्रकट हुए युवक ने पुकारा – / 'प्रभु जी उठे हैं , और उनके साथ / प्राचीन काल के मरे हुए भी महिमा में !'

कई वर्षों तक सुस्ती की अवस्था में पड़े रहने के बाद, / उसने पुकारा : 'दया करो, उद्धारकर्ता , / मुझ पर, जो निराशा से पीड़ित हूँ !' / और उसने उसे आज्ञा दी / कि वह तुरंत अपने बिस्तर से उठे / और सीधा चले।

महादूत माइकल को: अदेह सेनाओं के नेता के रूप में , हमारे लिए उनसे मध्यस्थता करें , महासेनापति, ताकि हम अपने पापों से मुक्त हो सकें , हमारा जीवन सुधर जाए, और हम परलोक के अनंत आशीर्वादों का आनंद ले सकें।

आओ हम पिता, और पुत्र , और पवित्र आत्मा , प्रभु की स्तुति करें।

अनंत , अविभाज्य प्रकृति , / त्रिमूर्ति में ईश्वरत्व : / पिता, आरंभ रहित ईश्वर , / और पुत्र , और पवित्र आत्मा , आइए हम एक स्वर में गाएँ , / सेराफिक / भय-प्रद गीत का उद्घोष करते हुए।

और अब, हे परमेश्वर की माता: आप, सदा-कुँवारी , प्राचीन काल में / यशायाह द्वारा एक पांडुलिपि के रूप में देखी गईं , / जिस पर, पिता की उंगली से , / शाश्वत वचन लिखा है , / जो हमें हर मूर्खता से बचाता है , / उन लोगों के पवित्र शब्दों के द्वारा जो आपकी स्तुति करते हैं।

हम प्रभु की स्तुति , आराधना और उपासना करते हैं , उनकी महिमा गाते हुए और युगों -युगों तक उनका उत्थान करते हैं।

कातावाशिया: यह लंबे समय से प्रतीक्षित और पवित्र दिन, / सप्तक के बाद का पहला, भव्य और सर्वोच्च , / उत्सवों का उत्सव / और जश्न का जश्न है। / इस दिन हम मसीह को सदा के लिए धन्यवाद देते हैं !

नवें गीत, 'उच्चतम सम्मान ' के लिए हम गाते नहीं हैं।

ओड 9

इरमोस: चमक, चमक, हे नए यरूशलेम , / क्योंकि प्रभु की महिमा तुझ पर उदय हुई है ! / अब आनन्द मना और हर्षित हो, हे सियोन! / और हे परमेश्वर की पवित्र माता, आनन्द मना / उस के पुनरुत्थान पर जिसे तूने जन्म दिया।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे दिव्य , हे प्रिय , / हे आपके शब्दों में सबसे मधुर ! / क्योंकि आपने व्यर्थ में वादा नहीं किया / कि हे मसीह, आप समय के अंत तक हमारे साथ रहेंगे ! / हमारे आशा के लंगर के रूप में उन पर चिपके हुए , / हम, विश्वासियों , आनंदित हैं !

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे महान और परम पवित्र पास्का, हे मसीह! / हे बुद्धि, और परमेश्वर के वचन, और शक्ति! / अनुग्रह करें कि हम आपके साथ और भी अधिक पूर्ण रूप से एक हो सकें / आपके राज्य के सदा-प्रकाशमान दिन में।

पुनरावृत्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करें।

हम, विश्वासियों ने, एक स्वर में / हे कुँवारी, तुझे महिमा देते हैं : / 'हे प्रभु के द्वार, आनन्दित हो; / हे जीवित नगर, आनन्दित हो; / आनन्दित हो, क्योंकि तेरे द्वारा / इस दिन हम पर चमकी है / उस के मृतकों में से जी उठने की ज्योति / जिसने तुझसे जन्म लिया।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करें।

प्रसन्न हो और आनंदित हो, हे दिव्य प्रकाश के द्वार! / क्योंकि यीशु, कब्र में प्रवेश करके, / सूर्य से भी अधिक तेजस्वी होकर उठे / और सभी विश्वासियों को प्रकाशित किया, / हे देवी, जो परमेश्वर से प्रसन्न हुईं!

लकवाग्रस्त के कैनन। इरमोस: सिनाई पर्वत पर / मूसा ने जलती हुई झाड़ी में आपको देखा, / आपने अपनी कोख में दिव्यता की अग्नि ग्रहण की बिना भस्म हुए; / दानियेल ने भी आपको एक अविभाज्य पर्वत के रूप में देखा; / एक अंकुर फूटता हुआ, जैसा यशायाह उद्घोषित करता है, / दाऊद की जड़ से।

हे यीशु, जो क्रूस पर उठाए गए, / आपने हमें भी अपने साथ उठाया है, / और अपनी स्वैच्छिक इच्छा से कब्र में रखे जाने के बाद, / आपने हमें सभी मृतकों की कब्रों से जिलाया है, / जैसे हम आपकी अगम्य शक्ति / और आपकी अजेय सामर्थ्य का गायन करते हैं।

हे अति सुन्दर वचन, आप कब्र से इस प्रकार शोभायमान हुए, जैसे वर विवाह कक्ष से, और आपने नरक की निराशा को दूर किया, और बंधुओं को उठाया, जिन्होंने एक स्वर में पुकारा : 'तेरी महिमा की महिमा हो, महिमा, हे यीशु, परमेश्वर, तेरे पुनरुत्थान की!'

अपनी विलाप-पुकार और आँसुओं को / धूप के साथ लेकर, / स्त्रियाँ पवित्रतम कब्र की ओर दौड़ीं, / और उन्हें विश्वास करना सिखाया गया / मसीह के महिमामय पुनरुत्थान में, / जिसका हम उत्सव मनाते हैं, / अपनी आत्माओं की आनंद में हर्षित होकर।

हे मसीह, आपके आज्ञा से शारीरिक चंगाई हुई, और सभी ने देखा कि वह व्यक्ति जो अभी-अभी चंगा हुआ था, वह उस बिस्तर को उठाए हुए तेजी से चला, जिस पर वह कई वर्षों से पड़ा था, और उसने आपकी महान शक्ति का गुणगान किया।

महादूत माइकल को: हमें ज्ञान प्राप्त करने के लिए मध्यस्थता करें, / हे महानतम आर्कस्ट्रैटेगोस, / जो सदा महान प्रकाश के समक्ष खड़े रहते हैं, / और हमारे जीवन में शांति लाएँ, / जो साँप के अनवरत हमलों / और इस जीवन की विपत्तियों से सदा हिलता रहता है, / हे आश्चर्य के योग्य एकमात्र!

महिमा: प्रकाश और प्रकाशों के रूप में, / और जीवन और जी36ों के रूप में, मैं आपको सम्पूर्ण श्रद्धा के साथ महिमामय करता हूँ, / हे पिता, वचन और पवित्र आत्मा, / तीन व्यक्तियों में एकता, अविभाज्य शक्ति, / अविमिश्र दिव्यता, / और मैं उद्घोषित करता हूँ : 'पवित्र, पवित्र, पवित्र!' / आपकी शक्तियों के साथ।

और अब, हे परमेश्वर की माता: तेरे प्रकाशमय गर्भ से प्रकट हुए / महान सूर्य — मसीह, / और उन्होंने संसार को, हे अति पवित्र, अपनी तेजस्वी ज्योति से प्रकाशित किया, / और पाप के अंधकार को दूर किया; / अतः हम तेरा गायन करते हैं, / हे परमेश्वर की वधू, सभी शुभता के स्रोत के रूप में।

कातावासिया: चमको, चमको, हे नए यरूशलेम, / क्योंकि प्रभु की महिमा तुम पर उदय हुई है! / अब आनंदित हो, हे सियोन! / और तुम, हे परमेश्वर की पवित्र माता, आनंदित हो / उस के पुनरुत्थान में जिसे तुमने जन्म दिया।

तब: पवित्र है प्रभु हमारा परमेश्वर : तीन बार।

ईस्टर एक्सापोस्टलिइरॉन

मर्त्य के रूप में देह में सुप्त हो कर, / हे राजा और प्रभु , / आप तीसरे दिन पुनरुत्थित हुए , / आदम को क्षय से उठा कर / और मृत्यु को नष्ट कर। / अक्षय का पास्खा , / संसार का उद्धार !

महिमा, एक अन्य एक्सापोस्टलिइरॉन : परोपकारी और सर्व -दयालु प्रभु प्रकट हुए / भेड़ों के कुंड पर हमारी दुर्बलताओं को चंगा करने के लिए; / वहाँ उन्होंने एक मनुष्य को पाया जो कई वर्षों से पड़ा था, / और उससे पुकार कर कहा: / 'अपना बिछौना उठा, / और धार्मिकता के मार्गों पर चल!'

और अब: हम वही दोहराते हैं।

'प्रभु की स्तुति करो' पर, सतखिरा सप्तम स्वर में।
रविवार के स्टिचिरा , स्वर 3

आओ, हे सभी राष्ट्रों , / और रहस्य की भयानक शक्ति को जानो: / क्योंकि मसीह, हमारे उद्धारकर्ता , वह वचन जो आरंभ में था, / हमारे लिए सूली पर चढ़ाया गया और अपनी इच्छा से दफनाया गया, / और सभी को बचाने के लिए मृतकों में से जी उठा। / आइए हम उसकी आराधना करें !

हे प्रभु , जिन्होंने तेरी रखवाली की, उन्होंने तेरे सभी चमत्कारों का वर्णन किया है ; परन्तु मूर्ख महासभा ने , रिश्वत लेकर अपने हाथ भरकर, तेरे पुनरुत्थान को छिपाने का प्रयत्न किया, जिसे संसार महिमामय मानता है। हम पर दया कर!

सब आनंद से भर गए, / क्योंकि उन्हें पुनरुत्थान की पुष्टि प्राप्त हुई थी। / क्योंकि मरियम मग्दलीनी कब्र पर आई / और एक तेजस्वी वस्त्रों में लिपटे स्वर्गदूत को पाया, / जो पत्थर पर बैठा हुआ यह घोषणा कर रहा था: / 'तुम जीवित को मरे हुओं में क्यों ढूंढती हो? / वह यहाँ नहीं है , बल्कि वह उठ गए हैं , जैसा उन्होंने कहा था, / और तुमसे पहले गलील में जा रहे हैं !'

हे प्रभु , मानवजाति के प्रेमी , तेरी ज्योति में हम ज्योति देखेंगे : क्योंकि तू मरे हुओं में से जी उठे हैं , मानवजाति पर मोक्ष प्रदान करते हुए , ताकि सारी सृष्टि तुझ महिमामय करे – हे पापरहित। हम पर दया कर।

अन्य स्टिचिरा , पूर्वी

मूरह -वाहक स्त्रियों के प्रातगीत की तरह, / उन्होंने आँसू बहाए, हे प्रभु : / क्योंकि सुगंधित मसाले हाथों में लिए, / वे तेरी कब्र तक आईं , / तेरे अतिपवित्र शरीर पर मूरह लगाने की जल्दी में। / पर पत्थर पर विराजमान स्वर्गदूत ने उन्हें शुभ समाचार सुनाया : / 'तुम जीवित को मृतकों में क्यों ढूंढती हो? / क्योंकि मृत्यु पर विजय पाकर, वह परमेश्वर के रूप में जी उठे हैं , / सभी पर महान दया लुटाते हुए !'

तेरी जीवन-दायक कब्र के पास तेजस्वी स्वर्गदूत ने / मूर्र -वाहकों को यह घोषणा की: / 'मोक्षदाता ने कब्रों को खाली कर दिया है , / उन्होंने नरक पर विजय प्राप्त की और तीसरे दिन पुनर्जीवित हुए , / एकमात्र सर्वशक्तिमान ईश्वर के रूप में !'

पद: हे प्रभु मेरे परमेश्वर , उठो, और अपना हाथ ऊँचा उठाओ; / अपने दीनों को अंत तक न भूलो !
भजन संहिता 9:33

मरियम मग्दलीनी सप्ताह के पहले दिन / तेरी कब्र पर तुझे खोजने आई, / परन्तु तुझे न पाकर, वह दुखी हुई , पुकारती हुई : / 'हाय! उन्होंने तुझे कैसे चुरा लिया, हे मेरे उद्धारकर्ता , सर्व के राजा?' / और दो जीवन-दायक स्वर्गदूतों ने / कब्र के भीतर से घोषणा की: / 'हे स्त्री , तू

क्यों रोती है ?' – / 'मैं रोती हूँ ,' उसने कहा, / 'क्योंकि उन्होंने मेरे प्रभु को कब्र से उठा लिया है , / और मुझे नहीं पता कि उन्होंने उसे कहाँ रखा है। ' / परन्तु , मुड़कर आपको देखकर , / उसने तुरंत पुकारा : / 'मेरे प्रभु और मेरे परमेश्वर ! आपको महिमा हो!'

पद: मैं तुझे धन्यवाद दूँगा हे प्रभु , अपने पूरे हृदय से ; / मैं तेरे सब आश्चर्यकर्मों का प्रचार करूँगा।

भजन संहिता 9:2

यहूदियों ने जीवन को कब्र में बंद कर दिया, / पर चोर ने स्वर्ग का मार्ग खोल दिया, / अपने होठों से यह कहते और उद्घोषित करते हुए : / 'जो मेरे लिए मेरे साथ सूली पर चढ़ाया गया / और मुझे पिता के साथ सिंहासन पर विराजमान दिखाई दिया; / क्योंकि वही मसीह, हमारे ईश्वर हैं , / जिनकी महान दया है !'

महिमा, स्वर 8: हे प्रभु , लकवाग्रस्त मनुष्य को स्नान ने नहीं चंगा किया, / परन्तु तेरे वचन ने उसे फिर से सजीव किया, / और एक पुरानी दुर्बलता भी उसे नहीं रोक सकी; / क्योंकि तेरे वचन की सामर्थ्य सर्वशक्तिमान सिद्ध हुई , / और उसने असहनीय भार को उतार फेंका , / और अपने पलंग का भार वहन किया, / तेरी अनेक दयाओं की गवाही के रूप में ! महिमा तुझे हो!

और अब, स्वर 2: धन्यतम हो तुम , हे ईश्वर की कुंवारी माता: **महा स्तुति और समापन।**

पुरोहित : महिमा तेरी , जिसने हमें प्रकाश दिखाया।

महान स्तुति।

रविवार का ट्रॉपारियन

आज के दिन संसार का उद्धार पूरा हुआ ! / हम उस मसीह के गुणगान करें जो कब्र से जी उठे / और हमारे जीवन के स्वामी हैं , / क्योंकि मृत्यु को मृत्यु से नष्ट करके , / उन्होंने हमें विजय और महान दया प्रदान की है।

और वंदाई।

लिटुर्जी में

धन्य हैं स्वर , स्वर 3, स्वर 4 पर

हे मसीह, आपने स्वर्ग से / हमारे पूर्वज आदम को निकाल दिया था, जिसने आपकी आज्ञा का अस्वीकार किया; / परन्तु , हे दयालु , आपने उसमें उस चोर को बसाया / जिसने क्रूस पर आपका स्वीकार किया और पुकारा : / 'हे उद्धारकर्ता , अपनी राज्य में मुझको याद करना!'

मृतकों में से जी उठकर, हे प्रभु , आपने अपने पुनरुत्थान के द्वारा हमें हमारे वासनाओं से ऊपर उठाया है , और मृत्यु की सारी शक्ति को नष्ट कर दिया है। इसलिए, हम विश्वास के साथ आपसे पुकारते हैं , हे उद्धारकर्ता : 'हमें भी अपने राज्य में याद कीजिए!'

आपने अपनी तीन-दिन की समाधि के द्वारा , हे प्रभु , हे परमेश्वर , अधोलोक में मृत पड़े हुए लोगों को जीवन दिया और उन्हें अपने साथ उठा लिया, और हे भले , आपने हम सभी को अमरत्व प्रदान किया, क्योंकि हम विश्वास से सदा आप से पुकारते हैं : 'हे प्रभु , हमें भी अपनी राज में याद करना!'

हम पापियों को, हे जीवन-दाता और प्रभु , / आपने अपने श्राप से मृत्युदंड दिया, / पर हे प्रभु , अपने शरीर में निर्दोष होकर पीड़ा सहकर, / आपने पुकारने वालों को जीवन दिया: / 'हे प्रभु , हमें भी अपने राज्य में याद कीजिए!'

और कैनन के छठे ओड से , चौथे मीटर में।

प्रवेश पर
रविवार का ट्रॉपारियन , स्वर 3

जो कुछ भी स्वर्गीय है वह आनंदित हो, / जो कुछ भी सांसारिक है वह हर्षित हो, / क्योंकि प्रभु ने अपने हाथ की सामर्थ्य प्रकट की है : / उन्होंने मृत्यु को पैरों तले रौंद दिया है , / वे मरे हुओं में से पहलौठे बन गए हैं , / उन्होंने हमें अधोलोक की कोठरी से छुड़ाया है / और संसार पर महान दया दिखाई है।

महिमा: ट्रायोडियन से कोंटाकियन , स्वर 3

हे प्रभु , मेरी आत्मा , जो हर प्रकार के पापों / और अधर्म के कर्मों से दबी हुई है , / उसे अपनी दिव्य कृपा से उठाओ, / जैसे तुमने एक बार लकवाग्रस्त मनुष्य को उठाया था, / ताकि, उद्धार पाकर, मैं तुम्हें पुकार सकूँ : / 'महिमा, हे दयालु मसीह, / तेरी शक्ति को!'

और अब: पास्का का कोंटाकियन , स्वर 8

यद्यपि हे अमर प्रभु , तू कब्र में उतर गया, / तथापि तूने नरक की शक्ति को नष्ट कर दिया / और हे मसीह ईश्वर , विजेता बनकर पुनरुत्थित हुआ , / मुर्रा -वाहक स्त्रियों से पुकार कर: 'हर्षित होओ!' / और अपने प्रेरितों पर शान्ति प्रदान करते हुए , / तू जो पतितों को पुनरुत्थान प्रदान करता है।

प्रोकेइमेनन , स्वर 1

हे प्रभु , आपकी दया हम पर हो, / क्योंकि हम आप में ही आशा रखते हैं। **श्लोक :** हे धर्मी लोगो, प्रभु में आनन्द मनाओ – धर्मी लोगों के लिए स्तुति उपयुक्त है। भजन संहिता 32:22, 1

पवित्र प्रेरितों के काम, अध्याय 23

उन दिनों में , पतरस एक जगह से दूसरी जगह जाता हुआ , लूद में रहने वाले पवित्र लोगों के पास आया। वहाँ उसे एनेया नाम का एक मनुष्य मिला, जो आठ वर्ष से पक्षाघात के कारण अपंग था और बिस्तर पर पड़ा था। पतरस ने उससे कहा, 'एनेया , यीशु मसीह तुम्हें चंगा करता है ; उठ, अपना बिस्तर उठा।' और वह तुरन्त उठ गया। और लूद और शारोन में रहने वालों ने सब ने उसे देखा , और वे प्रभु की ओर फेर गए। योपा में ताबीथा नाम की एक शिष्या थी, जिसका अर्थ है 'हरिण'; वह भले कामों और दान-पुण्य से परिपूर्ण थी और गरीबों को उदारतापूर्वक देती थी। संयोग से उन दिनों वह बीमार पड़कर मर गई। उन्होंने उसके शरीर को धोकर ऊपरी कमरे में रख दिया। अब लूदिया योपपा के पास था, इसलिए जब चेलों ने सुना कि पतरस वहाँ है , तो उन्होंने उसके पास दो आदमी भेजे और उससे विनती की कि वह उनके पास आने में देर न करे। पतरस उठकर उनके साथ गया; और जब वह पहुँचा , तो उन्होंने उसे ऊपरी मंजिल के कमरे में ले गए, और सब विधवाएँ रोते हुए उसके सामने खड़ी हो गईं , और जो कमीजें और वस्त्र सेरना ने उनके साथ रहते हुए बनाए थे , वे उसे दिखाने लगीं। पतरस ने सबको बाहर भेज दिया, घुटने टेककर प्रार्थना की, और शरीर की ओर मुड़कर कहा, 'तबिता, उठ जा।' और उसने अपनी आँखें खोलीं और, पतरस को देखकर , उठ बैठी। उसने उसका हाथ पकड़कर उसे खड़ा कर दिया; फिर, पवित्र लोगों और विधवाओं को बुलाकर , उसे जीवित उनके सामने पेश किया। यह बात यॉप्पा में सर्वत्र फैल गई, और बहुत से लोग प्रभु पर विश्वास करने लगे।

प्रेरितों के काम 9:32–42

अल्लेलूया , स्वर 5

पद: हे प्रभु , मैं युगानुयुग तेरी दया का गायन करूँगा ; मैं अपने मुँह से पीढ़ी -दर-पीढ़ी तेरी सच्चाई का प्रचार करूँगा। **पद:** क्योंकि तूने कहा है , 'दया युगानुयुग स्थिर रहेगी '—तेरी सच्चाई स्वर्ग में स्थिर रहेगी। भजन संहिता 88:2, 3

यूहन्ना के अनुसार सुसमाचार , आरंभ 14A

उन दिनों यीशु यरूशलेम आए। अब यरूशलेम में भेड़ों के द्वार के पास, हिब्रू भाषा में बेतेसदा नामक एक तालाब है , जिसके पाँच मण्डप हैं। इनमें बहुत से बीमार, अंधे , लंगड़े और पक्षाघात से ग्रस्त लोग पड़े थे , जो पानी के हलचल करने की प्रतीक्षा कर रहे थे ; क्योंकि समय-समय पर प्रभु का एक स्वर्गदूत तालाब में उतरता और पानी में हलचल करता था, और जो कोई भी पानी के हलचल करने के बाद उसमें सबसे पहले उतरता, वह अपने किसी भी रोग से चंगा हो जाता था। वहाँ एक मनुष्य था जो अड़तीस वर्ष से बीमार था। जब यीशु ने उसे लेटा हुआ देखा और जान लिया कि वह बहुत दिन से ऐसा ही पड़ा है , तो उस से कहा, 'क्या तू चंगा होना चाहता है ?' उस बीमार ने उससे उत्तर दिया, 'प्रभु , हाँ ; परन्तु जब पानी हलचलता है , तब मुझे उसमें डालने वाला कोई नहीं है ; और जब तक मैं जाता हूँ , कोई और मुझसे पहले उतर जाता है। ' यीशु ने उससे कहा, 'उठ, अपना बिछौना उठा और चल।' और वह उसी घड़ी चंगा हो गया, और अपना बिछौना उठाकर चल दिया। यह सब्त के दिन हुआ था। इसलिए यहूदियों ने उस चंगा हुए आदमी से कहा, 'आज सब्त का दिन है ; तुम्हें अपना बिस्तर नहीं उठाना चाहिए।' उसने उनसे कहा, 'जिसने मुझे चंगा किया, उसने मुझसे कहा, "अपना बिस्तर उठा और चल।"' उन्होंने उससे पूछा , 'वह आदमी कौन है जिसने तुमसे कहा, "अपना बिस्तर उठा और चल"?' लेकिन जिस मनुष्य को चंगा किया गया था, वह नहीं जानता था कि वह कौन था, क्योंकि यीशु वहाँ मौजूद भीड़ में से चुपके से चले गए थे। बाद में , यीशु ने उसे मंदिर में पाया और उससे कहा, 'देख , तू चंगा हो गया है ; फिर से पाप न करना, कहीं ऐसा न हो कि तुझ पर इससे भी बुरा कुछ आ पड़े। ' वह मनुष्य चला गया और यहूदियों को बता दिया कि उसे चंगा करने वाले यीशु थे।

यूहन्ना 5:1–15

'यह वास्तव में उचित है ' के बजाय

देवदूत ने धन्य कन्या को घोषित किया: / 'हे पवित्र कन्या , आनन्दित हो! / और मैं फिर से कहता हूँ : आनन्दित हो! / तुम्हारे पुत्र तीसरे दिन कब्र से उठे , / (और मृतकों को जिला उठा। / हे लोगों , आनन्दित हो!)

और इरमोस, स्वर 1: चमक, चमक, हे नई यरूशलेम , / क्योंकि प्रभु की महिमा तुझ पर उदय हुई है ! / अब आनन्द मना और हर्षित हो, हे सियोन! / और हे परमेश्वर की पवित्र माता, आनन्द मना / उस के पुनरुत्थान पर जिसे तूने जन्म दिया।

पवित्र भोज

मसीह का शरीर ग्रहण करो, / अमरत्व के झरने का स्वाद चखो। **दूसरा :** स्वर्ग से प्रभु की स्तुति करो, / परम ऊँचाइयों में उसकी स्तुति करो। / अल्ल eluia। **(3)**

लकवा रोगी के रविवार को संध्या समय

नवें घण्टे के बाद, हम काथिस्मा के बिना vesper गाते हैं।

ईस्टर के बाद का चौथा सप्ताह

'हे प्रभु , मैं ने पुकारा :' पर हम उत्सव के स्टचिैरा , स्वर 8, गाते हैं। इसी प्रकार : 'हे अतं महिमामय चमत्कार :'

हे अद्भुत चमत्कार ! / सभी वस्तुओं के स्रष्टा , देह धारण कर, / अपनी इच्छा से , अपनी कृपा में , / हमारी प्रकृतं ग्रहण कर, गरीब बन गए; / और मनुष्यों के बीच रहते हुए , उन्होंने यहूदयिों के लिए कई चमत्कार कए। / इस प्रकार उन्होंने उस व्यक्तं को चंगा कयिा जो कभी लकवाग्रस्त था, / उससे कहते हुए , 'अपना बस्तिर उठा ले ', / जब वे बेथेसदा के तालाब पर आए।

हे उद्धारकर्ता , मेरे ईश्वर और प्रभु , / पतति मानवजातं को उठाने की इच्छा से , / आप एक मनुष्य के रूप में पृथ्वी पर चले , / अपनी महान दया से सभी दुर्बलताओं को चंगा करते हुए। / इसलिए, भेड़ों के द्वार पर बरामदे में जाकर, / आपने अपने वचन से उस व्यक्तं को स्वस्थ कर दयिा जो एक बार लकवाग्रस्त हो गया था, / जो अड़तीस वर्षों से वहाँ पड़ा था।

ईर्ष्या से भरे यहूदयिों ने , हे परम धन्य प्रभु , / आपके शुभ कार्यों को अपने पागलपन के लिए एक बहाने और ईं धन के रू प मे ं लयिा; / वे स्वयं , जो हमेशा से व्यवस्था का उल्लंघन करते आए थे , / सच्चे जीवन, अर्थात आप, को सब्त के कारण मारना चाहते थे , / जब आपने उस पूरे मनुष्य को स्वास्थ्य प्रदान कयिा, / जो पहले लकवाग्रस्त था।

और मेनायोन से तीन स्टचिैरा। महमिा: संत के लिए एक स्टचिैरा। यदि कोई नहीं है ,

महमिा, और अब, पर्व के लिए, स्वर 5: भेड़ों के कुंड पर / एक मनुष्य अस्वस्थ पड़ा था / और, हे प्रभु , आपको देखकर चल्लिाया : / 'मेरे पास कोई नहीं है जो मुझे पानी में डाल दे / जब वह हलिता है ; / परन्तु जब मैं आता हूँ , / कोई और मुझसे पहले पहुँच जाता है और चंगा हो जाता है , / जबकं मैं यहाँ बीमारी में पड़ा रहता हूँ। ' / और तुरन्त , दयालु होकर, उद्धारकर्ता ने उससे कहा: / 'तेरे ही नमित्ति मैं मनुष्य बना, / तेरे ही नमित्ति मैंने देह धारण कयिा, / और फरि भी तू कहता है : "मेरा कोई नहीं ?" / 'अपना बस्तिर उठा और चल!' / तेरे लिए सब कुछ संभव है , / सब कुछ तेरा आज्ञाकारी है , सब कुछ तेरे अधीन है। / हे पवत्रि एक, हम सभी को याद कर और हम पर दया कर, / हे मानवता के प्रेमी।

'आनंद का प्रकाश :' और दनि का प्रोकैइमेन : आज प्रभु का धन्यवाद करो:

स्टचिैरा पर, ऑक्टोएकोस से रवविार का स्टचिैरा , स्वर 3

हे मसीह उद्धारकर्ता , तेरे क्रूस द्वारा , / मृत्यु की शक्तं नष्ट हो गई / और शैतान का धोखा परास्त हो गया; / जबकं मानव जातं, वश्विास द्वारा उद्धार पाकर, / सदा तुझे स्तुतगिान अर्पति करती है।

छंद : मैंने अपनी आँखें तेरी ओर उठाई हैं , जो स्वर्ग में वास करते हो:

हे मसीह, हम तुझे संध्या का भजन, / धूप और आत्मकि गीतों सहति अर्पति करते हैं : / हे उद्धारकर्ता , हमारी आत्माओं पर दया कर!

छंद : हे प्रभु , हम पर दया करें , हम पर दया करें :

महान है तेरे क्रूस की शक्तं, हे प्रभु : / क्योंकं वह गोलगोथा पर उठाया गया / और संसार में कार्य करता है , / और मछुआरों से तूने प्रेरतिों को उठाया, / और अन्यजातयिों से —शहीदों को, / कं वे हमारी आत्माओं के लिए मध्यस्थता करें।

महमिा, और अब इस पर्व के दनि, स्वर 1: हे परमेश्वर , आपने अपने परम पवत्रि हाथ से मनुष्य की सृष्टं की, / हे दयालु मसीह, आप रोगयिों को चंगा करने आए। / भेड़ों के कुंड पर लकवाग्रस्त मनुष्य को / आपने अपने वचन से उठाया, / और रक्तस्राव वाली स्त्री को चंगा कयिा, / ने कनानी स्त्री की पीड़ति बेटी पर दया की, / और शताध्यक्ष की वनिती को तुच्छ नहीं समझा। / इसलिए हम घोषणा करते हैं : / 'सर्वशक्तमिान प्रभु , महमिा आपको हो!'

ईस्टर के बाद का चौथा सप्ताह

ट्रसिैजयिन के बाद, रवविार का ट्रॉपारयिन : 'आकाश सब आनंदति हो:' **महमिा: यदि कोई संत हो तो उसके लिए; और अब: ईश्वर की माता के लिए। फरि दोहरी एकटेनयिा और समापन।**

वषिय-सूची पर वापस

मंगलवार को महान संध्या में

शुरुआत हमेशा की तरह होती है।

'हे प्रभु , मैंने पुकारा है :' पर स्वर 6 में स्टचिरा।
मध्यबदि के लिए स्टचिरा , स्वर 4

दनिों का मध्य बदि आ गया है , / जो उद्धारक पुनरुत्थान से आरंभ होकर, / और दव्यि पेंटेकोस्ट में परणित होता है / एक मुहर के रूप में ; / और ये दनि प्रकाशमान होते हैं , / दोनों ओर से प्रकाशति , / और दो महान पर्वों को एक करते हुए , / और ऊँचे उठाये जाते हैं , / प्रभु के स्वर्गारोहण के गौरवशाली दनि के आगमन की घोषणा करते हुए। (2)

सयिोन ने मसीह के पुनरुत्थान के सुसमाचार को सुना और आनंदति हुई , / जबकि उसके वशि्वासयोग्य पुत्रों ने उन्हें देखकर हर्षति हुए ; / और वे आत्मा द्वारा मसीह की हत्या के दाग को धोने के लिए तैयार होते हैं , / इन आनंद के दनिों का उत्सव मनाते हुए - / इन दोनों घटनाओं के बीच का मध्य बदि । (2)

'सभी पर दव्यि आत्मा का प्रचुर प्रवाह नकिट आ गया है , / जैसा कि लखिा है ' / – इस प्रकार घोषणा होती है उस पूर्णता की, जो अब अपने मध्य बदि पर पहुँच चुकी है , / उस वादे की जो मसीह ने अपनी मृत्यु , दफन और पुनरुत्थान के बाद अपने शष्यिों को दयिा था, / एक वादा जो सत्य है , / जो सांत्वनादाता के आगमन को प्रकट करता है। (2)

महमिा, और अब, स्वर 6: तेरे पुनरुत्थान के पर्व / और तेरे पवत्रि आत्मा के दव्यि अवतरण के पर्व के बीच, / हम तेरे चमत्कारों के रहस्यों का गायन करने हेतु एकत्रति हुए हैं ; / इन दनिों में हमें अपनी महान दया प्रदान कर!

प्रवेश। 'आनंद का प्रकाश :' दनि का प्रोकीमेनोन। और पठन:

1. मीका की भवष्यिवाणी से एक अंश

प्रभु इस प्रकार कहते हैं : 'व्यवस्था सयिोन से नकिलेगी , और यहोवा का वचन यरूशलेम से। और वह बहुत से राष्ट्रों का न्याय करेगा , और पृथ्वी के छोर तक शक्तशिाली जातयिों को डांटेगा। क्योंकि सब लोग, प्रत्येक अपनी ही राह पर चलेंगे ; परन्तु हम सदा के लिए अपने परमेश्वर यहोवा के नाम में चलेंगे। '

सर्वशक्तमिान यहोवा यों कहते हैं : 'हे पहाड़ों , (यहोवा का न्याय) सुनो , और हे घाटयिों , तुम भी सुनो , जो पृथ्वी की नींव हैं : क्योंकि यहोवा का अपने लोगों से मुकदमा है , और वह इस्राएल से वाद-ववािद करेगा , यह कहते हुए : "हे मेरी प्रजा ! मैंने तुम्हारे साथ क्या कयिा है , या मैंने तुम्हें कैसे दुख पहुँचाया है , [या तुम्हें कष्ट दयिा है]?" मुझे उत्तर दो। क्योंकि मैंने तुम्हें मस्रि देश से नकिाला, और दासत्व के घर से छुड़ाया , और मूसा और हारून (और मरियिम) को तुम्हारे सामने भेजा। हे मेरी प्रजा ! (वचिार करो), तुम्हारे शत्रुओं ने तुम्हारे वरिुद्ध क्या षड्यंत्र रचा है ? हे मनुष्य , तुझे यह नहीं बताया गया कि भलाई क्या है ? और यहोवा तुझ से और क्या चाहता है , सवािय इसके कि तू न्याय कर, दया से प्रेम रख, और अपने परमेश्वर के साथ नम्रता से चल? क्योंकि तब यहोवा शक्ति में महान होगा और अपनी भेड़ -बकरयिों के झुंड को पृथ्वी के छोर तक शान्ति में चराएगा।

मीका 4:2ख-3क, 5; 6:2-5; 8; 5:4

पेंटेकोस्ट का मध्य बदि

2. यशायाह की भवष्यिवाणयिों से एक पाठ

यहोवा इस प्रकार कहता है : 'हे तुम सब जो प्यासे हो, जल के पास आओ; और हे तुम सब जनिके पास चाँदी नहीं है , आओ, खरीदो और खाओ; आओ, बनिा चाँदी और बनिा मूल्य के दाखमधु और दूध खरीदो। क्योंकि सर्वशक्तमिान यहोवा तुम से इस प्रकार कहता है : "हे मेरी प्रजा ! उद्धार के झरनों से आनंद के साथ जल खींचो !' और उस दनि तुम कहोगे : 'प्रभु का भजन गाओ, उसके नाम का प्रचार करो; उसकी महमिा को राष्ट्रों में प्रकट करो; घोषणा करो कि उसका नाम ऊँचा कयिा गया है !'

हे मेरी प्रजा ! मेरी सुनो और जो अच्छा है उसका स्वाद चखो, और तुम्हारी आत्मा भरपूर आनंद में आनंदति हो। अपने कानों से सुनो और मेरे मार्गों का अनुसरण करो; मेरी आज्ञा मानो, और तुम्हारी आत्मा इन आशीषों के बीच जीवति रहेगी ; और मैं तुम्हारे साथ एक अनंतकालकि वाचा बाँधूँगा , और तुम मुझे पुकारोगे ; परन्तु जब तुम मेरे नकिट आओ, तो दुष्ट अपने मार्गों को, और अधर्मी अपनी युक्तयिों को छोड़ दे ; और मेरी ओर फरिो, और मैं तुम पर दया करूँगा , और मैं तुम्हारे पापों को क्षमा करूँगा।

क्योंकि मेरे वचिार तुम्हारे वचिार नहीं हैं , यहोवा कहता है। पर जैसे आकाश पृथ्वी से ऊँचा है , वैसे ही मेरे मार्ग तुम्हारे मार्गों से ऊँचे हैं , और मेरे वचिार तुम्हारे वचिारों से ऊँचे हैं। क्योंकि जैसे वर्षा या हमि स्वर्ग से उतरती है , और जब तक वह पृथ्वी को सींचकर उस पर अंकुर और उपज नहीं उगा देती , और बोनेवाले को बीज और खाने के लिए अन्न नहीं देती , तब तक वह वापस नहीं लौटती, मेरा वचन भी ऐसा ही होगा: एक बार जब यह मेरे मुँह से नकिल गया, तो यह मेरी ओर व्यर्थ नहीं लौटेगा , बल्कि वह सब पूरा करेगा जो मुझे भाता है , और मैं अपने प्रयोजनों को पूरा करूँगा और अपनी आज्ञाओं को पूरा करूँगा। क्योंकि तुम आनन्द से नकिलोगे , और प्रसन्नता के साथ सखिाए जाओगे ; क्योंकि पहाड़ और टीले गीत गाने लगेंगे , और तुम्हारा स्वागत आनन्द के साथ करेंगे , और मैदान के सब वृक्ष अपनी डालयिाँ ताली की तरह बजाएंगे। और काँटों के बदले देवदार का पेड़ उगेगा , और बचि्छू -बूटयिों के बदले मर्टल का पेड़ उगेगा ; और यहोवा एक नाम और एक अनन्त चनि्ह होगा, (और यह कभी न टूटेगा), इस्राएल के पवत्रि परमेश्वर यहोवा का यही वचन है।

यशायाह 55:1; 12:3–4; 55:2–3, 6–13

3. नीतविचन से पठन

ज्ञान ने अपना एक घर बनाया है ; उसने अपने सात स्तंभ खड़े कए हैं ; उसने अपने बलदिान का वध कयिा है और अपने प्याले में अपनी दाखरस मलिाई है ; उसने अपना भोज तैयार कयिा है ; उसने अपने दासों को भेज दयिा है , जो बड़े जोर से प्याले की ओर पुकार रहे हैं : 'जो कोई भी भोला-भाला है , वह मेरी ओर मुड़ आए!' और मूर्खों से उसने कहा: 'आओ, मेरी रोटी चखो और वह दाखरस पीओ जो मैंने तुम्हारे लिए मलिाया है ; मूर्खता को छोड़ दो, और तुम जीवति रहोगे , और समझ की खोज करो, ताकि तुम जीवति रहो और ज्ञान में बुद्धि प्राप्त करो।' जो दुष्टों को शक्षिा देता है , वह अपने लिए अपमान लाता है , और जो अधर्मी की फटकार करता है , वह अपने लिए लज्जा लाता है। दुष्ट की फटकार न करो, कहीं ऐसा न हो कि वे तुमसे घृणा करने लगें ; बुद्धमिान की फटकार करो, और वह तुमसे प्रेम करेगा ; बुद्धमिान को कारण सखिाओ, और वह और भी बुद्धमिान हो जाएगा; धर्मी से बात करो, और वह ध्यान देगा। ज्ञान का आरंभ यहोवा का भय है , और पवत्रि लोगों की सलाह समझ है ; व्यवस्था को जानना उत्तम मनुष्य की नशिानी है : क्योंकि इस प्रकार तू दीर्घायु पाएगा, और तेरे वर्ष बढ़ेंगे।

नीतविचन 9:1–11

पेंटेकोस्ट का मध्य बदि

पसाल्टर पर स्टचिरा , प्रथम स्वर में

|जॉन द मॉक द्वारा :| पेंटेकोस्ट के दनिों का मध्य आ गया है , / जब मसीह ने अपनी दव्यि शक्त‍ि का थोड़ा सा प्रकट करते हुए , / लकवाग्रस्त मनुष्य को एक वचन से बल दयिा, / उसे उसके बस्तिर से उठाकर; / और, मट्टिी से बने शरीर में / ईश्वर के योग्य चमत्कार करते हुए , / लोगों को अनंत जीवन / और महान दया प्रदान की।

पद: अपने लोगों को याद रख, / जन्हिें तूने आरम्भ से प्राप्त कयिा है। भजन संहति 73:2A

हे परमेश्वर की बुद्ध‍ि , तू पवत्रिस्थान में आई, / पर्व के बीच में , / वद्रिोही यहूदयिों , फरीसयिों और शास्त्रयिों को सखिाते और डाँटते हुए , / और उनसे धैर्यपूर्वक पुकारते हुए : / 'जो कोई प्यासा है , वह मेरे पास आए / और जीवनदायी जल पिए, / और वह फरि कभी प्यासा न होगा। / जो मेरी भलाई पर वश्विास करते हैं , उनके उदर से / अनन्त जीवन की नदयिाँ बहेंगी !' / हे आपकी भलाई और दया, / हे मसीह हमारे ईश्वर , आपको महमिा!

पद: परमेश् वर , जो युगों से पहले का हमारा राजा है , ने पृथ्वी के मध्य में उद्धार का काम कयिा है। भजन संहति 73:12

जब त्योहार पूरे ज़ोरों पर था, / यीशु पवत्रिस्थान में गए / और वद्रिोही यहूदयिों को उपदेश दयिा, घोषणा करते हुए : / 'जो कोई प्यासा है , वह मेरे पास आए / और जीवन-दायक, शाश्वत जल पिए, / और वे फरि कभी प्यासे नहीं होंगे। / जो मुझ पर वश्विास करते हैं , उनके हृदय से / नदयिाँ बहेंगी , / और उनके पास जीवन का प्रकाश होगा!'

महमिा, और अब, स्वर 8: उत्सव के बीच / जब आप सखिा रहे थे , हे उद्धारकर्ता , / यहूदयिों ने कहा: / 'वह बनिा सखिाए धर्मग्रंथों को कैसे जानता है ?' / – यह न समझते हुए क‍ि आप ही वह बुद्ध‍ि हैं जन्हिोंने संसार की रचना की, / आपको महमिा!

ट्रोपारयिन , स्वर 8

उत्सव के मध्य में / मेरे प्राण की धार्मकिता की प्यास जल से बुझा , / क्योंक‍ि सभी को, हे उद्धारकर्ता , आपने पुकारा है : / 'जो कोई प्यासा है , वह मेरे पास आए और पयि। ' / हे मसीह परमेश्वर , (हमारे) जीवन के फव्वारे , महमिा आपको!

उत्सव के मध्य बदि पर
मैटन्सि में

'ईश्वर प्रभु :' पर
उत्सव का ट्रॉपारयिन तीन बार, स्वर 8

उत्सव के बीच / अपनी जलधारा से मेरी आत्मा की भक्त‍ि की प्यास बुझाओ , / क्योंक‍ि हे उद्धारकर्ता , तुमने सभी को पुकारा है : / 'जो कोई प्यासा है , वह मेरे पास आए और पयि। ' / हे मसीह हमारे ईश्वर , जीवन के झरने , महमिा तुम्हें !

सेडालेन के प्रथम स्टचिरा के बाद, स्वर 4

सभी हृदयों के वचिारों को जानकर, पवत्रिस्थान के बीच में खड़े होकर, उन्होंने झूठों को सत्य घोषति करते हुए पुकारा : 'तुम जीवन दाता मुझे क्यों मारना चाहते हो?', - उत्सव के बीच उन्होंने नडिर होकर पुकारा , - 'हे अधर्म करने वालों , बाहरी दखिावट से न्याय मत करो!'

महमिा, और अब: हम वही दोहराते हैं। और पर्व के लयि पठन।

सेडालेन के दूसरे स्टचिरा के बाद, स्वर 5

सभी के प्रभु , मंदरि में खड़े होकर / पवत्रि पेंटेकोस्ट के उत्सव के बीच, / यहूदयिों से बात करते हुए , स्पष्ट रूप से नदिा करते हैं / बड़ी नर्भिीकता से , एक सच्चे

राजा और ईश्वर के रूप में , / उनके अत्याचारपूर्ण अनादर की, / जबकि हम सभी पर, अपनी दया के द्वारा , / वे महान अनुग्रह प्रदान करते हैं।

महिमा, और अब: हम वही दोहराते हैं।

रविवार का भजन

मसीह के पुनरुत्थान को देखकर , / हम पवित्र प्रभु यीशु की आराधना करें , / जो एकमात्र पापरहित हैं। / हे मसीह, हम तेरे क्रूस की आराधना करते हैं , / और हम तेरे पवित्र पुनरुत्थान का गान और महिमा करते हैं , / क्योंकि तू ही हमारा परमेश्वर है , / हम तुझसे सिवा किसी और को नहीं जानते , / हम तेरे नाम का आह्वान करते हैं। / आओ, हे सभी विश्वासियों , / हम मसीह के पवित्र पुनरुत्थान की आराधना करें , / क्योंकि देखो , क्रूस के द्वारा / संपूर्ण जगत में आनंद आया है। / सदैव प्रभु का धन्यवाद करते हुए , / हम उनके पुनरुत्थान का गीत गाते हैं , / क्योंकि उन्होंने , सूली पर चढ़ाए जाने के बाद, / मृत्यु को मृत्यु से कुचल दिया है।

और भजन संहिता 50।

उत्सव के लिए 14वें स्वर में इरमोस के साथ दो कैनन हैं : पहला कैनन 8वें स्वर में एक इरमोस के साथ, दूसरा 6वें स्वर में। फिर कटावासिया – दूसरे कैनन का इरमोस।

सम्माननीय थियोफानेस द्वारा रचित कैनन , स्वर 4।
ओड 1

इरमोस: लाल सागर की गहराइयों को पार कर / बिना भीगे पैरों के , / प्राचीन इस्राएल ने , / मूसा के क्रूस के आकार में फैले हाथों द्वारा , / मरुभूमि में अमालेक की सेना को भगा दिया।

हे प्रभु , तेरे दिव्य अवतार के महान और अगम्य लाभ हम पर चमकते हैं : उपहार और अनुग्रह , और दिव्य प्रकाशन , अनुग्रह से प्रवाहित होते हुए।

हे ख्रीस्त , आप प्रकट हुए , / दिव्यता की महिमा से प्रकाशमान , / उत्सव के मध्य में स्पष्ट रूप से : / क्योंकि आप स्वयं मोक्ष प्राप्त लोगों का आनंदमय उत्सव हैं / और वही हैं जो हमें मोक्ष प्रदान करते हैं।

ईश्वर द्वारा प्रदत्त , ज्ञान , धार्मिकता / और उद्धार के द्वारा , हे प्रभु , / आप हमारे लिए बन गए हैं , / हमें पृथ्वी से स्वर्गीय ऊँचाइयों तक ले जाते हुए / और दिव्य आत्मा प्रदान करते हुए।

हे प्रभु , तेरे शरीर ने कब्र में क्षय नहीं देखा , / क्योंकि वह बिना बीज के रचा गया था, / इसलिए उसने क्षय में भाग नहीं लिया, / क्योंकि वह प्राकृतिक व्यवस्था से अलौकिक रूप से अछूता था।

एक अन्य कैनन ,
क्रीट के पूजनीय एंड्रयू द्वारा रचित, स्वर 8।
ओड 1

इरमोस: तूने समुद्र को शांत किया:

हे राष्ट्रों , तालियाँ बजाओ; हे यहूदियों , आनन्द से रोओ: / क्योंकि जीवन दाता मसीह ने , / नरक के बन्धनों को तोड़ दिया है , / और मृतकों को जिला उठा है , / और अपने वचन से दुर्बलताओं को चंगा किया है ; / वही हमारा परमेश्वर है , जिसने जीवन दिया है / उन लोगों को जो उसके नाम पर विश्वास करते हैं।

हे प्रभु , तूने एक चमत्कार किया है , – / पानी को दाखरस में बदलकर, / और मिस्र की नदियों को लहू में ; / और तूने मृतकों को जिलाया है , / यह दूसरा चिह्न दिखाकर। / महिमा हो, हे

उद्धारकर्ता , तेरी अगोचर योजना को; / महिमा तेरी विनम्रता को, / जिससे तूने हमें नया किया है।

सच्चे जीवन की अनंत धारा, हे प्रभु , आप ही हमारा पुनरुत्थान हैं ; अपनी इच्छा से आप थक गए, हे मेरे उद्धारकर्ता , और स्वेच्छा से प्यास सहन की, प्रकृति के नियमों का पालन करते हुए ; और, सिखर में देह में आकर, आपने सामरी स्त्री से पीने के लिए पानी माँगा।

आपने रोटी पर आशीर्वाद दिया, / मछलियों को बढ़ाया , हे अगम्य ईश्वर , / और उदारतापूर्वक लोगों को भोजन कराया, / और प्यासे लोगों को ज्ञान के अक्षय स्रोत का वादा किया। / आप उद्धारकर्ता हैं , हमारे ईश्वर , / जिन्होंने आपके नाम पर विश्वास करने वालों को जीवन दिया है।

महिमा, त्रिमूर्ति : मैं तीनों की महिमा करता हूँ , जो समान रूप से अनंतकाल से हैं और सह-सिंहासनस्थ हैं : / पिता, जो अनंतकाल से ईश्वर हैं , / और पुत्र , जो समान रूप से अनंतकाल से हैं , / और पवित्र आत्मा , जो शाश्वतता में पुत्र के समान हैं , / तीन व्यक्तियों में एक ही अस्तित्व ; / मैं एक ही आरंभ की स्तुति करता हूँ , जो सभी आरंभों से परे है , / मैं दिव्यता और स्वभाव में आरंभहीन की वंदना करता हूँ।

और अब, हे परमेश्वर की माता: आपने ही अकेले अपने गर्भ में धारण किया, / हे परमेश्वर की माता, अपने सृष्टिकर्ता को, / और उन्हें अकथनीय रूप से देह में जन्म दिया, / और एक कुँवारी बनी रहीं , आपकी कुँवारीपन किसी भी तरह से कलंकित नहीं हुआ। / हे पवित्र एक, अपने पुत्र और परमेश्वर के रूप में , / हर समय अपने झुंड के लिए अखंड रूप से प्रार्थना करें।

कातावासिया: तूने समुद्र को गाढ़ा कर दिया, / घमंडी फरौन के रथों को डुबो दिया, / और उन लोगों को बचाया, जिनके पैर भीगे तक नहीं थे , हे प्रभु , / और उन्हें पवित्र पर्वत पर ले गया, जब वे पुकार रहे थे : / 'हम तेरे लिए विजय का गीत गाएंगे , / हे हमारे युद्ध में शक्तिशाली ईश्वर !'

गीत 3

इरमोस: तेरी कलीसिया तुझमें आनंदित है , हे ख्रीस्त , पुकारती हुई : / 'हे प्रभु , तू मेरी शक्ति है , / और मेरा शरणस्थान , और मेरा सहारा!'

हे परम शुभ , आपने चर्च के जीवनदायी झरने खोल दिए, पुकारते हुए : 'यदि कोई प्यासा है , तो उत्साहपूर्वक आए और पिए!'

पृथ्वी से स्वर्ग में तेरे आरोहण के विषय में / तूने स्पष्ट रूप से कहा, / और स्वर्ग से तूने वचन दिया कि भेजेगा / पवित्र आत्मा को।

प्रभु , स्वभाव से जीवन-दाता / और कुँवारी से उत्पन्न , / दयालु के रूप में सभी विश्वासियों को अमरत्व प्रदान किया है।

एक अन्य कैनन। इरमोस: मेरा हृदय प्रभु में दृढ़ हुआ है :

'बाहरी दिखावट के आधार पर न्याय मत करो, हे यहूदियों ,' – / सिखाते हुए प्रभु ने उद्घोषणा की, / जब वे पर्व के बीचोंबीच , जैसे लिखा है , / पवित्रस्थान में आए।

हे यहूदियों , बाहरी दिखावट से निर्णय मत करो, / क्योंकि मसीह आ चुके हैं , / वही जिन्हें भविष्यद्वक्ताओं ने सियोन से आने वाले कहा / और जो संसार को अपनी ओर बुलाते हैं।

हे यहूदियों , यदि तुम शब्दों पर विश्वास नहीं करते , / तो प्रभु के कार्यों पर विश्वास करो; / तुम पवित्र को अस्वीकार करके क्यों भटक रहे हो, / जिसके विषय में मूसा ने व्यवस्था में लिखा है ?

यदमिसीहा का आना ही था, / और मसीह अब मसीहा के रूप में आ चुके हैं , / तो हे यहूदी , तुम धर्मी को अस्वीकार करके क्यों भटक रहे हो, / जसिके बारे में मूसा ने व्यवस्था में लखिा है ?

त्रमिूर्त की महमिा: हम तुझे पूजते हैं , हे पति, जो आदि-विहीन है , / और हम भक्तपिूर्वक तेरे आदि-विहीन पुत्र और सर्व -पवत्रि आत्मा का गायन करते हैं , / ये तीनों —तत्त्व में एक ईश्वर के रूप में।

और अब, थओिटोकोस: हे प्रभु , त्रमिूर्त में एक होकर, / देहधारी होकर प्रकट हुए , / अपनी प्रकृत को बदले बनिा, / न ही नरि्दोष माता की कोख को जलाया, / यद्यप आप पूर्णतः ईश्वर और अग्न हैं।

कातावासयिा: मेरा हृदय प्रभु में दृढ़ हो गया है , / मेरे ईश्वर में मेरी शक्त बढ़ गई है , / मेरा मुँह अपने शत्रुओं के वरिुद्ध खुल गया है : / मैं तेरी मुक्त में आनन्दति हूँ।

सेडालेन , स्वर 8

उत्सव के चरम पर पवत्रि स्थल के बीचोबीच खड़े होकर / आपने ईश्वर से प्रेरति होकर उद्घोषणा की: / 'जो कोई प्यासा है , वह मेरे पास आए और पिए: / क्योंक जो कोई इस दविय जल को पिएगा, / वह अपने अंतरतम से मेरी आज्ञाओं की नदयिाँ बहाएगा, / और जो कोई मुझ पर वशि्वास करेगा , / जसिे दविय पति ने भेजा है , / वह मेरे साथ महमिामय होगा!' / अतः हम तुझसे पुकारते हैं : / 'महमिा तेरी हो, हे मसीह हमारे परमेश्वर , / क्योंक तूने अपने सेवकों पर मानवजात के प्रत अपने प्रेम का जल प्रचुर मात्रा में बरसाया है !'

महमिा, और अब: ज्ञान और जीवन के जल को संसार पर बहाते हुए , हे उद्धारकर्ता , आप सभी को बुलाते हैं , कि मोक्ष की धाराएँ ग्रहण करें : क्योंक , आपका दैवीय वधिान प्राप्त करके , मनुष्य इसके द्वारा भूल -चूक की अंगीठी को बुझा देता है ; / अतः , वह अनन्तकाल तक न तृष्णा करेगा , / न प्रभु , स्वर्गीय राजा, आप से तृप्त होने से चूकेगा। / अतः हम आपके सामर्थ्य की महमिा करते हैं , हे मसीह हमारे ईश्वर , / आप से वनिती करते हुए कि आप अपने सेवकों पर / पापों की क्षमा उदारतापूर्वक प्रदान करें।

भजन 4

इरमोस: धार्मकिता के सूर्य , आपको क्रूस पर चढ़ा हुआ देखकर , कलीसयिा अपने स्थान पर खड़ी हुई , और योग्य रूप से पुकारने लगी: 'हे प्रभु , तेरी सामर्थ्य की महमिा!'

अपनी शक्त से मृत्यु के द्वारों को चूर -चूर कर, / तूने जीवन का मार्ग प्रकट कयिा / और वशि्वास से पुकारने वालों के लिए अमरत्व के द्वार खोले : / 'हे प्रभु , तेरी शक्त को महमिा!'

सभी चीज़ों के मध्य और अंत पर शासन करते हुए , / और आरंभ को धारण करते हुए , आरंभहीन के रूप में , / आप बीच में खड़े होकर पुकार रहे थे : 'आओ, हे बुद्धमिानों , / और दविय उपहारों में भाग लो!'

ईश्वर के रूप में , सभी पर अधकिार रखते हुए , / सर्वशक्तमिान के रूप में , मृत्यु की शक्त को परास्त करके , / हे मसीह, आपने पवत्रि आत्मा को भेजने का वचन दयिा, / जो पति से उत्पन्न होते हैं।

थयिोटोकोस: आप उन पर प्रचुर अनुग्रह प्रदान करती हैं / जो आपके और आपसे जन्मे हुए की महमिा करते हैं — / अनादि वचन, हे अवविाहति माता, / जब वे अपने पापों की क्षमा के लिए प्रार्थना करते हैं , हे सर्व -पवत्रि।

एक अन्य कैनन। इरमोस: भवष्यिवक्ता हबक्कूक :

यदमिसीहा का आना उचति है , / तो मसीहा मसीह ही है , हे अधर्मी लोगो! / तुम उस पर वशि्वास क्यों नहीं करते ? / देखो , वह प्रकट हो चुका है , और उसके कर्म इसकी गवाही देते हैं : / उसने पानी को दाखरस में बदल दयिा, / और एक वचन से लकवाग्रस्त मनुष्य को बल दयिा।

शास्त्रों को न समझकर, / तुम सभी भटक गए हो, हे अधर्मी यहूदयिों ! / क्योंकि वास्तव में मसीह आ चुके हैं और सभी को प्रकाशति कर चुके हैं , / और तुममें उन्होंने कई चहि्न और अद्भुत कार्य दखिाए हैं , / फरि भी तुम व्यर्थ ही सच्चे जीवन से इनकार करते हो।

'मैंने तुमसे एक काम का उदाहरण दयिा है , / और फरि भी तुम सब चकति हो रहे हो,' – / मसीह ने यहूदयिों से पुकार कर कहा। / 'तुम तो सब्बाथ के दनि भी एक मनुष्य का ख़तना करते हो,' उन्होंने कहा, – / 'तो फरि तुम मुझ पर क्यों दोष लगाते हो, / जसिने अपने वचन से लकवाग्रस्त मनुष्य को उठाया?'

'मैंने कई काम कएि हैं ; इनमें से कनि कामों के लएि / तुम मुझे पत्थर मार रहे हो?' / – मसीह ने यहूदयिों से कहा, उन्हें डाँटते हुए – / 'क्या इसलएि कि मैंने एक पूरे आदमी को एक ही वचन से चंगा कर दयिा? / लोगों , दखिावे से न्याय मत करो!'

मसीह, जो पति की प्रकृति की आदहिीन संतान हैं , / जो प्रेरतिों के माध्यम से कार्य करते हैं / और भवष्यिद्वक्ताओं में आत्मा के साथ वास करते हैं ! / आपने अपने चहि्नों के द्वारा राष्ट्रों को अपना परचिय कराया है।

त्रमिूर्ति की महमिा: त्रमिूर्ति , अवभिाज्य एकता, / आदि-वहिीन पति, पुत्र और पवत्रि आत्मा ! / एकता में —त्रमिूर्ति , सम्मान में समान, सहिासन में एक, / जीवन-दायक, अकल्पति ईश्वर , / जो आपकी स्तुति करते हैं , उन्हें बचाएँ , / और हमें वपित्तयिों और दुखों से मुक्ति दें !

और अब, ईश्वर की माता को: हे ईश्वर की वधू , शुद्ध कुँवारी माता! तुमने अकथनीय रीति से गर्भ में ईश्वर को धारण कयिा, हमारे लएि मध्यस्थता करना न छोड़ना , ताकि तुम्हारी सहायता से हम वपित्तयिों से उद्धार पा सकें , क्योंकि हम सदा तुम्हारा शरण लेते हैं।

कातावासयिा: भवष्यिवक्ता हबक्कूक ने , हे प्रभु , / अपने मन की आँखों से , / आपके आगमन की पूर्वदृष्टि प्राप्त की, / और इसलएि पुकार उठा: / 'परमेश्वर तेमान से आएगा!' / महमिा आपकी महमिा को, हे मसीह, / महमिा आपके आगमन को!

भजन 5

इरमोस: हे मेरे प्रभु , तू जगत में प्रकाश के रूप में आया है , / पवत्रि प्रकाश , जो वशि्वास से तेरा भजन करने वालों को / अज्ञानता के अंधकार से दूर करता है।

दव्यि भोजों के मध्य बदि पर पहुँचकर , हे ईश्वर -ज्ञानी , आओ हम स्वयं को पूर्ण दव्यि सद्गुणों से अलंकृत करें।

कतिना पवत्रि है यह वर्तमान उत्सव : / क्योंकि यह महानतम पर्वों के मध्य बदि को चहि्नति करता है / और दोनों ओर प्रकाशति होता है !

थयिोटोकोस: महादूत का मन समझने में असमर्थ है / हे परम दयालु उद्धारकर्ता , कन्या के तुम्हारे अकथनीय और अतपिवत्रि जन्म को।

एक अन्य कैनन। इरमोस: हे प्रभु , हमारे ईश्वर , हमें शांति प्रदान करें :

तूने अपने प्रेरितों को चमत्कारों से सुसज्जित किया है, / अपने शिष्यों को अद्भुत कृत्यों से गौरवान्वित किया है, / उन्हें संसार भर में महिमामय बनाया है, हे हमारे उद्धारकर्ता, / और उन्हें अपना राज्य प्रदान किया है।

शिष्यों ने चमत्कारों और शिक्षाओं के द्वारा / पृथ्वी के छोर-छोर तक प्रकाश फैलाया, / और हे मसीह उद्धारकर्ता, विविध प्रकार से प्रचार किया, / तेरे राज्य का वचन।

हम तेरे राज्य की स्तुति करते हैं / और तुझे गीत अर्पित करते हैं, / जो हमारे लिए पृथ्वी पर प्रकट हुए, / और संसार को प्रकाशित किया, / और आदम को अपने पास बुलाया।

त्रित्व में महिमा: महिमा तेरी, हे पवित्र पिता, हे बिना पिता के उत्पन्न हुए ईश्वर! / महिमा तेरी, हे काल-अतीत वचन, हे एकमात्र पुत्र! / महिमा तेरी, हे दिव्य आत्मा, हे सह-सिंहासनधारी, / और हे पिता तथा पुत्र के समानतत्व!

और अब, ईश्वर की माता को: हे ईश्वर की माता, तेरा गर्भ, / स्वर्गीय रोटी धारण करने वाली एक पवित्र मेज़ बन गया है, / और जो कोई भी उसे ग्रहण करता है, वह नहीं मरेगा, / जैसा कि सभी का पालनहार ने कहा है।

कातावासिया: हे प्रभु, हमारे परमेश्वर, हमें शांति प्रदान कर; हे प्रभु, हमारे परमेश्वर, हमें अपने पास ले ले; हे प्रभु, तेरे सिवा हम किसी और को नहीं जानते, हम तेरे नाम का आह्वान करते हैं।

गीत 6

इरमोस: 'मैं तुझे एक बलिदान अर्पण करूँगा / स्तुति की वाणी के साथ, हे प्रभु', / कलीसिया तुझसे पुकारती है, / जो तेरे पार्श्व से बहे रक्त द्वारा / राक्षसों के रक्त से शुद्ध हुई है / तेरी दया से।

आज पेंटेकोस्ट का मध्य बिंदु आ गया है, / एक ओर दिव्य पास्खा की दैवीय किरणों से प्रकाशित, / और दूसरी ओर, परम-सांत्वना की कृपा से दमकता हुआ।

हे ख्रीस्त, जब आप मंदिर में खड़े थे, तब आपने कहा, यहूदियों की भीड़ को अपनी महिमा प्रकट करते हुए और पिता के साथ अपनी एकता प्रकट करते हुए।

थियोटोकोस: हे ईश्वर की एकमात्र माता, मेरी रक्षा और अडिग दीवार बनो, मुझे सांसारिक प्रलोभनों से बचाओ और दिव्य प्रकाश की वर्षा से मुझे प्रकाशित करो।

एक अन्य कैनन। इरमोस: समुद्र के जल के समान:

पृथ्वी के सभी छोरों की सावधानीपूर्वक रक्षा करते हुए, हे यीशु, / आप पवित्रस्थान में आरोहण हुए, / और उत्सव के बीच भीड़ को सत्य का वचन सिखाया, / जैसा कि यूहन्ना घोषणा करता है।

हे प्रभु, आपने अपना वचन खोला, / और संसार में शाश्वत पिता और सर्व-पवित्र आत्मा का उपदेश दिया, / और देहधारण के बाद भी दोनों के साथ अपना संबंध बनाए रखा।

हे उद्धारकर्ता, आपने पिता का कार्य पूरा किया, / अपने वचनों को कर्मों से प्रमाणित किया, / चंगाई और चमत्कार किए: / लकवाग्रस्तों को उठाया, कुष्ठरोगियों को शुद्ध किया / और मृतकों को जीवित किया।

जन्मे हुए पुत्र ने एक आरंभ पाया, / हमारे स्वभाव को धारण कर, वह मनुष्य बना, / और उत्सव के मध्य में उसने उपदेश दिया, यह घोषणा करते हुए: / 'सदैव बहने वाले स्रोत पर आओ, / ताकि तुम जीवन खींच सको!'

महमिा, त्रमिूर्ति : त्रमिूर्ति में एक ईश्वरत्व , / तीन व्यक्तियों में एक सत्ता , / अकल्पति और अवभिाज्य , हम सभी महमिा करते हैं : / पति, और पुत्र , और पवत्रि आत्मा , / तीन और एक के रूप में वद्यिमान।

और अब, ईश्वर की माता को: हम तुम्हें गाते हैं , हे प्रसवोपरांत कुँवारी , / हम तुम्हें महमिामय करते हैं , हे कुँवारी और माता, – / तुम , एकमात्र , पवत्रि / ईश्वर की वधू , हे कुँवारी , / क्योंकि तुमसे , सचमुच , ईश्वर ने देह धारण कयि, / हमें नवजीवति करते हुए।

कातावासयि: हे मानवता के प्रेमी , समुद्र के जल की तरह, / जीवन के तूफान की लहरें मुझे बहा ले जाती हैं। / इसलिए, योनह की तरह, मैं आपसे पुकारता हूँ , हे वचन: / 'मेरे जीवन को वनिाश से बचा लीजिए, / हे दयालु प्रभु !'

कॉन्टाकयिन , स्वर 4

वधिकि पर्व के बीच, / आप, संपूर्ण जगत के सृष्टकिर्ता और प्रभु , / उपस्थति लोगों को घोषति कयि, मसीह ईश्वर ने : / 'आओ और अमरत्व का जल लो!' / इसलिए हम आपके सामने प्रणाम करते हैं और वश्विास के साथ पुकारते हैं : / 'हमें अपनी दया प्रदान करें , / क्योंकि आप हमारे जीवन का स्रोत हैं !'

इकोस: मेरे प्राण , जो अधर्म के पापों से सूखे हैं , / उन्हें तेरे रक्त की धाराओं से सींच दे , / और इसे सद्गुणों का फल लाने योग्य बना दे ; / क्योंकि हे परमेश्वर के सर्व - पवत्रि वचन, आपने सभी को अपने पास आने के लिए कहा है , / और अवनिाशी जल खींचने के लिए, जो जीवति है और पापों को शुद्ध करता है / उन लोगों के जो आपके महमिामय और दव्यि पुनरुत्थान का गायन करते हैं ; / हे दयालु , पवत्रि आत्मा की शक्ति प्रदान करते हुए , जो वास्तव में स्वर्ग से अवतरति हुई है , / अपने उन शष्यिों पर जो आपको ईश्वर के रूप में स्वीकार करते हैं , / क्योंकि आप हमारे जीवन के स्रोत हैं।

मेनायोन और ट्रायोडयिन का सनिैक्सारयिन।

ओड 7

इरमोस: फारस की भट्टी में अब्राहम की संतान , / जो अग्नि की लपटों से अधकि धर्मपरायणता के प्रेम से प्रज्वलति थे , ने पुकारा : / 'हे प्रभु , अपने महमिा के मंदरि में धन्य हैं आप!'

हे उद्धारकर्ता , अपनी शक्ति से , मृत्यु की शक्ति को नष्ट कर, / तूने नश्वर प्राणयिों के लिए जीवन का मार्ग प्रकट कयि, / जो कृतज्ञता से तुझसे पुकारते हैं : / 'हे प्रभु , तेरा महमिा के मंदरि में धन्य है !'

मांस में तुझे देखकर , यहूदी जनसमूह ने तुझमें परमेश्वर के वचन को नहीं पहचाना; परन्तु हम तुझे गाते हैं : 'हे प्रभु , तू अपनी महमिा के मंदरि में धन्य है !'

थयिोटोकोस: हे परम उच्च के दव्यि और पवत्रि नविास, आनंदति हो! / क्योंकि हे ईश्वर की माता, आपके द्वारा उन पर आनंद प्रदान कयि जाता है जो पुकारते हैं : / 'हे सर्व -शुद्ध शासकि, / आप स्त्रयिों में धन्य हैं !'

एक अन्य कैनन। इरमोस: खलदीय भट्टी :

हे सर्व के वश्राम , आप शरीर में थके हुए थे ; / हे चमत्कारों के स्रोत , आपने स्वेच्छा से प्यास सहन की; / हे यीशु , जन्हिोंने जीवति जल की घोषणा की, आपने पानी माँगा !

हे प्रभु , आपने सामरी स्त्री से बात की, / और वधिर्मी यहूदयिों की मूर्खता का पर्दाफाश कयि: / क्योंकि उसने आप में परमेश्वर के पुत्र के रूप में वश्विास कयि, / जबकि उन्होंने आपको अस्वीकार कर दयि।

आपने वचन दयिा कि आप जीवति जल प्रदान करेंगे , जो फूटता है , अमरत्व का जल, / शाश्वत जीवन का स्रोत , / उन लोगों को जो वशि्वास द्वारा आपकी आत्मा को ग्रहण करते हैं , हे उद्धारकर्ता , / जो पति से उत्पन्न होते हैं।

पाँच रोटी से आपने हजारों भूखों को तृप्त कयि, / और जब वे तृप्त हो गए, तो बची हुई रोटयिों को / आपने दसयिों हज़ार और लोगों के लिए बढ़ाया , / और इस प्रकार अपने पवत्रि शष्यिों के सामने अपनी महमिा प्रकट की।

जो कोई भी तेरे शरीर का भक्षण करता है / वह अनन्तकाल तक जीवति रहेगा , / और जो कोई भी तेरा रक्त पीता है / वह मुझ में , अपने उद्धारकर्ता में , नविास करता है , / और तू उसमें नविास करता है / और उसे अंतमि घड़ी में जलि उठाएगा।

हे प्रभु , आपने अद्भुत रूप से संसार के लिए अपनी योजना प्रकट की है , / चमत्कारों से अपनी दव्यि शक्ति की पुष्टि करते हुए , / बीमारी को दूर करते हुए , मृतकों को जीवति कयि है , / और अंधों को प्रकाश देखने का वरदान दयि है , एक ईश्वर के रूप में।

आपने कोढ़यिों को शुद्ध कयि, लंगड़ों को उठाया, पक्षाघात से ग्रस्त लोगों को बल दयि, और रक्तस्राव वाली स्त्री को चंगा कयि; आपने जल पर चलकर अपने पवत्रि शष्यिों को अपनी महमिा दखिाई।

त्रत्वि में महमि: हे प्रभु , हम आपकी आराधना करते हैं , / समय से परे परमपति की / और पवत्रि आत्मा की कृपा की, / जो आपने स्वयं , सच्चे परमेश्वर ने , अपने प्रेरतिों पर प्रदान की, / उन्हें प्रचार करने के लिए भेजकर।

और अब, हे ईश्वर की माता: तेरी गर्भ में तूने धारण कयि वह वचन, जसिे कोई धारण नहीं कर सकता; अपने स्तनों से तूने संसार के पोषक को पोषति कयि; अपनी बाँहों में तूने सभी चीज़ों के स्रष्टा को धारण कयि, हे पवत्रि ईश्वर की माता।

कातावासयि: काल्दीय भट्टी , आग से प्रज्वलति , / ईश्वर की कृपा से आत्मा द्वारा सचिति ; / जब युवक गा रहे थे : / 'धन्य हो तुम , हमारे पूर्वजों के ईश्वर !'

गीत 8

इरमोस: दानयिेल ने अपने हाथ फैलाए / और गुफा में सहिों के मुँह बंद कर दिए; / प्रचंड ज्वालाएँ बुझ गईं , / सद्गुण से सुसज्जति , / धर्मपरायण युवकों ने पुकारा : / 'हे प्रभु के सभी कार्यों , प्रभु की स्तुति करो!'

कब्र से वैभव से उठे , / दव्यिता की महमिा से सुशोभति , / हे प्रभु , आप अपने प्रेरतिों के सामने प्रकट हुए , / यह वादा करते हुए कि आप पवत्रि आत्मा की शक्ति भेजेंगे / उन लोगों के पास जो पुकार रहे थे : / 'हे सभी प्राणयिों , प्रभु की स्तुति करो!'

सभी जीवन के स्रोत , परमेश्वर के रूप में , मृत्यु को मृत्यु पर वजिय देकर , आपने सभी को अनंत जीवन प्रदान कयि है , वह जीवन जसिे आनंद के ये प्रकाशमान दनि अब सबसे स्पष्ट रूप से चत्रिति करते हैं , जब वे पुकारते हैं : 'हे सभी प्राणयिों , प्रभु की स्तुति करो!'

हे ख्रीस्त , धर्म के सूर्य के रूप में प्रकट होकर, / आपने संसार में अपनी करिणें प्रेषति कीं – अपने प्रेरतिों को, / जो आपको, अकल्पनीय प्रकाश को, धारण करते हैं , / अज्ञान के अंधकार को दूर करते हुए , और पुकारते हुए : / 'हे सृष्टि के सब जीव, प्रभु की स्तुति करो!'

थयिोटोकीऑन: देखो , अब यहूदा के कुल के शासक राजकुमार का कोई चहि्न नहीं रहा: / क्योंकि तुमने , सर्व -पवत्रि ने , उसको जन्म दयि है जसिकी भवष्यिवाणी की गई थी – / राष्ट्रों की आशा, मसीह, / जसिे हम गाते हैं : / 'हे प्रभु के सभी कार्यों , प्रभु की स्तुति करो!'

एक अन्य कैनन। इरमोस: स्वर्गदूत और स्वर्ग ! / महिमा के सिंहासन पर:

आओ, हे लोगों , देखो , / महिमा के सिंहासन पर विराजमान को, / जिसे अधर्मी लोगों ने बदनाम किया; / और, उसे देखकर , मसीहा के विषय में गाओ, / जिसकी भविष्यवाणी भविष्यद्वक्ताओं के लेखों में की गई थी।

आप ही सच्चे मसीह हैं , / जो इस संसार में आए, / जिनसे मुक्ति आती है / और हमारे पूर्वजों के पापों की क्षमा ; / आप ही सच्चा जीवन हैं उन लोगों के लिए जो आप पर विश्वास करते हैं।

परमेश्वर का ज्ञान पर्व के बीच मंडप में प्रकट हुआ / और जैसा लिखा है , वैसे ही उपदेश दिया; / क्योंकि वास्तव में वही मसीहा, / मसीह थे , जिनमें उद्धार है।

मसीह ने सब्बाथों और अन्य सभी दिनों में / चमत्कार —अपने कार्य —किए / विभिन्न रोगों से पीड़ितों को चंगा करते हुए ; / लेकिन अवज्ञाकारी लोग क्रोधित होकर भड़के।

'वह लकवाग्रस्त व्यक्ति , जो कई वर्षों से बिस्तर पर पड़ा था, / उन्होंने कहते हैं कि उसे सब्बाथ पर चंगा किया / और कानून का उल्लंघन किया', / – यहूदियों ने मसीह को कड़ी फटकार लगाई।

'क्या यह मूसा नहीं था जिसने तुम्हें व्यवस्था दी, / और खतना करने की आज्ञा दी? / और तुम सप्तम दिन भी खतना करते हो, / ताकि पूर्वजों की व्यवस्था किसी भी तरह से न टूटे ,' / – मसीह ने यहूदियों से कहा।

हर तरह से कृतघ्न , / यद्यपि प्राचीन काल में वे मरुभूमि में बसेरा बनाकर रहते थे , / उन्होंने अपने उपकारी पर शत्रुता से आक्रमण किया, / अपने अधर्मी जिह्वाओं से ईश्वरनिंदा करते हुए , / और व्यर्थ की योजनाएँ रचते हुए।

आओ हम पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा , प्रभु की स्तुति करें।

सचमुच , त्रिमूर्ति एक ही ईश्वर है : / न तो पिता पुत्र बने , / और न ही पुत्र पिता में बदले , / परन्तु प्रत्येक व्यक्ति स्वयं में / और वे सभी मिलकर प्रकाश हैं ; / मैं सदा और सदा के लिए त्रिमूर्ति में ईश्वर की महिमा करता हूँ।

और अब, हे परमेश्वर की माता: हमें बताइए, आपने कैसे जन्म दिया / उसको जो समय से पहले पिता से प्रकाशित हुआ / और पवित्र आत्मा के साथ महिमामय है ? / फिर भी यह केवल उसी को ज्ञात है – / जिसने हे परमेश्वर की माता, आपसे जन्म लेने की कृपा की।

हम प्रभु की स्तुति , धन्यवाद और उपासना करते हैं , उनकी महिमा गाते हुए और उन्हें युगानुयुग तक ऊँचा उठाते हुए।

कटावासिया: स्वर्गदूतों और स्वर्गों ! / महिमा के सिंहासन पर विराजमान / और निरंतर परमेश्वर के रूप में महिमामय किए जाने वाले को, / आशीर्वाद दो, गाओ और सदा-सर्वदा उसकी स्तुति करो!

हम 9वीं ओड, 'सर्वोच्च सम्मान के साथ:' नहीं गाते है।

ओद 9

इरमोस: आधार-शिला / अविभाजित पर्वत से – हे कुँवारी , / तुम्हें बिना हाथों की सहायता के तराशा गया, / – मसीह, जिन्होंने विभाजित स्वभावों को एक किया। / अतः , हम आनन्द के साथ तुम्हें महान् बनाते हैं , हे परमेश्वर की माता।

मसीह से जीवन का एक नया और अभूतपूर्व मार्ग सीखकर, हम इसे अंत तक सावधानीपूर्वक बनाए रखने का प्रयास करेंगे , ताकि हम पवित्र आत्मा के आगमन पर आनंदित हो सकें।

हे उद्धारकर्ता , हे जीवन-दाता, आपने अपनी कृपा से मेरी नश्वर प्रकृति को अमरता और अक्षयत्व के वस्त्र से आच्छादित किया, मुझे अपने साथ उठाया और पिता के पास पहुँचाया , मुझ पर अपनी दीर्घकालीन शत्रुता का अंत किया।

जो स्वयं को दास के समान दीन बनाकर हमें गौरवान्वित करते हैं , उनकी मध्यस्थता की शक्ति से स्वर्गीय जीवन के लिए पुनः बुलाए गए, आइए हम उन्हें यथोचित रूप से महिमामय करें।

थियोटोकोस: अक्षयत्व की जड़ , स्रोत और कारण के रूप में , हम सभी विश्वासी , हे कुंवारी , आपको जानकर, आपकी स्तुति करते हैं : क्योंकि आपने हमारे लिए सारभूत अमरत्व को जन्म दिया है।

एक अन्य कैनन। इरमोस: कुँवारीपन माताओं के लिए अपरिचित है :

यहूदियों के पर्व के बीच / हे मेरे उद्धारकर्ता , आप अपने पवित्रस्थान में प्रवेश किए, और सभी को सिखाया; / जबकि यहूदी चकित होकर कहने लगे , / 'वह बिना सिखाए धर्मशास्त्र कैसे जानता है ?'

हे मेरे उद्धारकर्ता , अनुग्रहपूर्ण चंगाई प्रदान करते हुए , / आपने चमत्कार और अद्भुत कार्य किए, / दुर्बलताओं को भगाया और दुर्बल लोगों को चंगा किया; / परन्तु यहूदी आपके चमत्कारों की भीड़ से क्रोधित हो गए।

विद्रोही यहूदियों की निंदा करते हुए , / हे मेरे उद्धारकर्ता , आप ने पुकारा : / 'दिखावे की सुलह मत करो, परन्तु न्यायपूर्ण न्याय करो: / क्योंकि व्यवस्था स्वयं आज्ञा देती है कि सब्बाथ के दिन भी / प्रत्येक पुरुष का खतना किया जाए।'

हे उद्धारकर्ता , आपने अपने शिष्यों को महान चमत्कार करने में सक्षम बनाया, जैसा आपने वादा किया था, उन्हें अन्यजातियों के पास अपनी महिमा का प्रचार करने के लिए भेजा ; और उन्होंने संसार में आपके पुनरुत्थान , आपकी कृपा और आपके अवतार का प्रचार किया।

'यदि तुम किसी मनुष्य का सabbat पर ख़तना करते हो, / ताकि व्यवस्था किसी भी प्रकार से न टूटे , / तो तुम अब मुझ पर क्यों क्रुद्ध हो, / क्योंकि मैंने एक वचन से पूरे मनुष्य को चंगा कर दिया है ? / तुम देह के अनुसार न्याय करते हो,' / मसीह यहूदियों से कहते हैं।

हे वचन, जिन्होंने अपने वचन से सूखे हाथ को चंगा किया! / मेरे हृदय की दीर्घकाल से सूखी मिट्टी को चंगा करने के बाद, / हे वचन, मुझे फलदायी बनाइए, / ताकि मैं भी, हे उद्धारकर्ता , / उत्कट पश्चाताप में फल ला सकूँ।

मेरे कोढ़ग्रस्त हृदय को शुद्ध करके / और मेरी आत्मा की आँखों को प्रकाशित करके , / हे वचन, मुझे उठाइए, जब मैं अपने दुख के बिस्तर पर पड़ा हूँ , / जैसे आपने उस लकवाग्रस्त मनुष्य को उठाया था / जो अपने बिस्तर पर पड़ा था।

त्रिमूर्ति की महिमा: अधर्मी लोगों के लिए यह अजनबी है कि वे आदि-रहित त्रिमूर्ति का सम्मान करें , / पिता का, साथ ही पुत्र का, और पवित्र आत्मा का, / अकल्पित सर्वशक्तिमान का, / जिसके द्वारा संपूर्ण संसार उसकी शक्ति की सामर्थ्य से धारण किया जाता है।

और अब, हे परमेश्वर की माता: हे कुँवारी माता, आपने अपने गर्भ में धारण किया है / त्रिमूर्ति में से एक को – जीवन दाता मसीह को, / जिसकी सारी सृष्टि स्तुति करती है / और जिसके सामने स्वर्गीय सिंहासन काँपते हैं। / हे सर्व -धन्य , हमारे आत्माओं के उद्धार के लिए उनसे प्रार्थना करो।

कातावासयि: कुँवारीपन , जो माताओं के लिए अपरचिति है , / और प्रसव , जो कुँवारियों के लिए असामान्य है – / ये दोनों आप में पूर्ण हुए , हे ईश्वर की माता: / इसलिए हम सभी, पृथ्वी के लोग, / निरंतर आपकी महिमा करते हैं।

एक्सापोस्टलिइन

हे तू जो अक्षय वरदानों का पात्र धारण करता है ! / कृपा कर कि मैं अपने पापों की क्षमा के लिए जल ग्रहण कर सकूँ , / क्योंकि मैं प्यास से पीड़ित हूँ , / हे दयालु , एकमात्र करुणामय ! (3)

'स्तुति :' पर चौथे स्वर में स्टचिरा जैसे उत्सव के दिन, स्वर 4

ज्ञान और शक्ति , पिता की किरण, / शाश्वत वचन और परमेश्वर का पुत्र , / पवित्रस्थान में देहधारी होकर प्रकट हुआ और सिखाया / उन्मत्त और मूर्ख यहूदियों की भीड़ को; / और वे उसकी बुद्धि के वैभव पर चकित हो पुकार उठे : / 'वह शास्त्रों को कैसे जानता है , / जबकि उसे किसी ने सिखाया भी नहीं ?'(2)

उसने शास्त्रियों को चुप करा दिया, / और मसीहा—प्रभु —ने यहूदियों को फटकारते हुए उनसे कहा: / 'हे अधर्मी लोगो, दिखावे से न्याय मत करो; जैसे अधर्मी न्याय करते हैं , वैसे न्याय मत करो! क्योंकि मैंने विश्राम -दिन पर लकवाग्रस्त मनुष्य को चंगा किया, और इसलिए मैं विश्राम -दिन और व्यवस्था का प्रभु हूँ। तुम मुझे क्यों मारना चाहते हो, मैं जिसने मृतकों को जिलाया है ?'

यहूदियों की एक उन्मत्त और कानून तोड़ने वाली / और कृतघ्न भीड़ / मूसा को पत्थर मारने की कोशिश करने लगी; / जबकि यशायाह को लकड़ी की आरी से आधा कर दिया गया, / और बुद्धिमान यिर्मियाह को कीचड़ में फेंक दिया गया; / परन्तु प्रभु को क्रूस पर चढ़ाने के बाद, उन्होंने पुकारा : / 'हे मन्दिर को नष्ट करने वाले , अपना बचाव कर, / और हम विश्वास करेंगे !'

महिमा, और अब, स्वर 4, अनातोलियस: हे भाइयो, हमारे उद्धारकर्ता मसीह के पुनरुत्थान से प्रकाशित होकर, और प्रभु के पर्व के मध्य बिंदु पर पहुँचकर , आइए हम परमेश्वर की आज्ञाओं का विश्वासपूर्वक पालन करें , ताकि हम आरोहण का उत्सव मनाने , और पवित्र आत्मा के आगमन का स्वागत करने के योग्य बन सकें !

महान स्तुति -गीत, पर्व का ट्रॉपारिऑन , एक्टेनिया , समापन और प्रथम घंटा।

लिटिजी में

उत्सव का आशीर्वाद : प्रथम कैनन से – चौथे स्वर में तीसरी ओड, और दूसरे से – चौथे स्वर में छठी ओड।

प्रवेश पर, उत्सव का ट्रॉपारियन , स्वर 8

उत्सव के मध्य में / जीवन के जल से मेरी आत्मा की भक्ति की प्यास बुझाओ , / क्योंकि हे उद्धारकर्ता , आप ने सभी से पुकारा है : / 'जो कोई प्यासा है , वह मेरे पास आए और पिये। ' / हे मसीह हमारे परमेश्वर , जीवन के फव्वारे , आपको महिमा हो!

महिमा, और अब: कोंटाकियन , स्वर 4

इस विधिवत पर्व के मध्य में / हे सर्वसृष्टि के स्रष्टा और प्रभु , / आपने उपस्थित लोगों से घोषणा की, हे मसीह ईश्वर : / 'आओ और अमरत्व का जल लो!' / अतः हम आपके समक्ष

प्रणाम करते हैं और वशि्वास के साथ पुकारते हैं : / 'हमें अपनी दया प्रदान करें , / क्योंकि आप हमारे जीवन के स्रोत हैं !'

प्रोकेइमेनन , स्वर 3

महान है हमारा प्रभु , और महान है उसकी सामर्थ्य , / और उसकी बुद्धि असीम है। **पद:** प्रभु की स्तुति करो, क्योंकि भजन गाना भला है ; हमारे परमेश्वर की स्तुति मनोहर हो।

भजन संहिता 146:5, 1

पवत्रि प्रेरितों के काम, अध्याय 34

उन दनिों में , पौलुस और बरनबास लकिोनयिा के नगर लistra और डर्बे और आसपास के प्रदेशों में गए, और वहाँ उन्होंने सुसमाचार का प्रचार कयिा। लस्त्रियि में एक आदमी था जो अपने पैरों का इस्तेमाल नहीं कर सकता था; वह जन्म से लंगड़ा था और कभी चला नहीं था। वह पौलुस की बात सुन रहा था; और पौलुस ने उसे ध्यान से देखा और यह देखकर कि उसके पास चंगा होने का वशि्वास है , ऊँचे स्वर में कहा, 'मैं तुझसे प्रभु यीशु मसीह के नाम की आज्ञा देता हूँ : सीधा खड़ा हो जा।' और वह तुरन्त कूदकर खड़ा हो गया और चलने लगा। जब लोगों ने जो पौलुस ने कयिा था, वह देखा , तो उन्होंने लकिोनयिाई भाषा में ऊँचे स्वर से कहा, 'देवता मनुष्य का रूप धारण करके हमारे पास उतर आए हैं। ' और उन्होंने बरनबास को 'ज़ीउस ' और पौलुस को 'हेर्मसि ' कहा, क्योंकि वह मुख्य वक्ता था। देवता ज्यूस के पुजारी , जसिका मंदरि उनके शहर के बाहर था, ने शहर के द्वार पर बैल लाए और वहाँ मालाएँ रख दीं , और भीड़ के साथ मलिकर बलदिान करने का इरादा कयिा। परन्तु जब प्रेरितों बर्नबास और पौलुस ने यह सुना , तो उन्होंने अपने वस्त्र फाड़े और भीड़ में दौड़ पड़े , और ऊँचे स्वर से पुकार कर कहा, 'हे मनुष्यों ! तुम क्या कर रहे हो? हम भी तुम्हारे समान मनुष्य ही हैं , और हम तुम्हें सुसमाचार सुनाने आए हैं , कि तुम इन झूठे देवताओं से जीते परमेश्वर की ओर फरि जाओ, जसिने आकाश और पृथ्वी और समुद्र , और उन सब में जो कुछ भी है , जसिने बीते हुए युगों में सभी राष्ट्रों को अपनी-अपनी राह चलने दयिा, फरि भी वह अपने भले कामों के द्वारा स्वयं की गवाही देना कभी बंद नहीं हुआ , हमें आकाश से वर्षा और फलदायी मौसम देता है , और हमारे हृदयों को भोजन और आनंद से भर देता है। ' और यह कहकर, वे बड़ी मुश्कलि से भीड़ को मना सके कि वे उनके लिए बलदिान न करें और घर चले जाएँ।

प्रेरितों के काम 14:6–18A

अल्लेलूया , स्वर 1

पद: अपने लोगों को याद करो, जन्हिें तुमने आरंभ से प्राप्त कयिा। **पद:** परन्तु परमेश् वर , जो युगों से पहले हमारा राजा है , ने पृथ्वी के बीच में उद्धार कयिा है। भजन संहिता 73:2क, 12

यूहन्ना के अनुसार सुसमाचार , आरंभ 26

सप्ताह के पर्व के पंद्रहवें दनि, यीशु मंदरि में गए और सखिाने लगे। यहूदी चकति हो गए और कहने लगे , 'उसने कभी शक्षिा ग्रहण नहीं की, फरि भी वह शास्त्रों को कैसे जानता है ?' यीशु ने उत्तर दयिा, 'मेरी शक्षिा मेरी अपनी नहीं है , बल्कि उस की है जसिने मुझे भेजा ; जो कोई उसकी इच्छा करने के लिए तत्पर है , वह जान लेगा कि यह शक्षिा परमेश्वर की ओर से है , या मैं अपनी ओर से बोल रहा हूँ। जो अपनी ओर से बोलता है , वह अपनी महमिा चाहता है ; परन्तु जो उसे भेजने वाले की महमिा चाहता है , वह सच्चा है , और उसमें कोई पाप नहीं है। क्या मूसा ने तुम्हें व्यवस्था नहीं दी? फरि भी तुम में से कोई भी व्यवस्था का पालन नहीं करता। तो फरि तुम मुझे मारने की क्यों खोज में हो?' भीड़ ने उत्तर दयिा, 'क्या तुझ में कोई

दैत्य नहीं है ? जो तुझे मारने की खोज में है ?' यीशु ने उनसे कहा, 'मैंने एक काम कयिा है , और तुम सब चकति हो रहे हो। मूसा ने तुम्हें खतना दयिा (यद्यपि यह मूसा से नहीं , परन्तु पुरखों से है), और तुम सब्त के दनि मनुष्य का खतना करते हो। यदि कोई मनुष्य सब्त के दनि खतना प्राप्त करता है , ताकि मूसा की व्यवस्था टूटे न, तो क्या तुम मुझ पर क्रुद्ध होते हो, क्योंकि मैं ने सब्त के दनि पूरे मनुष्य को चंगा कयिा? बाहरी दखिावट के अनुसार न्याय न करो, बल्कि न्याय का न्याय करो।' यरूशलेम के कुछ लोगों ने कहा, 'क्या यह वही मनुष्य नहीं है जसिे वे मार डालना चाहते हैं ? फरि भी, देखो , वह खुले तौर पर बोल रहा है , और वे उससे कुछ नहीं कहते : क्या अधकिारयिों ने यह नश्चिति नहीं कयिा है कि वह सचमुच मसीह है ? परन्तु हम जानते हैं कि वह कहाँ का है ; परन्तु जब मसीह आएगा, तो कोई नहीं जान पाएगा कि वह कहाँ का है। ' तब यीशु ने मंदरि में चल्लिाकर यह कहते हुए शक्षिा दी, 'तुम मुझे जानते हो, और जानते हो कि मैं कहाँ का हूँ ; और मैं अपनी ओर से नहीं आया हूँ , परन्तु वह जो मुझे भेजा है , वह सच्चा है , जसिे तुम नहीं जानते। मैं उसे जानता हूँ , क्योंकि मैं उसी से हूँ , और उसी ने मुझे भेजा है। ' वे उसे गरिफ्तार करना चाहते थे , परन्तु कसिी ने उस पर हाथ नहीं डाला, क्योंकि उसकी घड़ी अभी नहीं आई थी।

यूहन्ना 7:14–30

'यह उचति है :' के बजाय, हम इरमोस, स्वर 8 गाते हैं।

कन्यावस्था , जो माताओं के लिए अपरचिति है , / और प्रसव , जो कुंवारी कन्याओं के लिए असामान्य है – / दोनों आप में पूरे हुए , हे ईश्वर की माता: / इसलिए हम सभी, पृथ्वी के राष्ट्र , / नरिंतर आपकी महमिा करते हैं।

परमप्रसाद

'जो मेरा मांस खाता है और मेरा लहू पीता है , वह मुझ में वास करता है , और मैं उसमें ,' प्रभु ने कहा। / अल्लेलूया (3)। यूहन्ना 6:56

वषिय-सूची पर वापस

शनिचर को संक्षिप्त संध्या -प्रार्थना में

'हे प्रभु , मैं पुकारा हूँ :' पर
रविवार के स्टिचेरा चौथे स्वर में , स्वर 4

हे मसीह परमेश्वर , तेरे जीवन-दायक क्रूस के सामने निरन्तर नमन करते हुए , हम तेरे तीसरे दिन के पुनरुत्थान की महिमा करते हैं ; क्योंकि उसी द्वारा हे सर्वशक्तिमान , तूने पतित मानव स्वभाव को नया किया है , और हमें स्वर्ग की आरोहण का मार्ग दिखाया है , एकमात्र भला और मानवजाति का प्रेमी के रूप में।

अवज्ञा के वृक्ष का दण्ड / हे उद्धारकर्ता , आपने क्रूस के वृक्ष द्वारा समाप्त कर दिया, / जिस पर आप स्वेच्छा से कीलें ठोकी गईं ; / और, अधोलोक में उतरकर, हे सर्वशक्तिमान , / आपने , परमेश्वर के रूप में , मृत्यु के बन्धनों को तोड़ दिया। / इसलिए हम मृतकों में से तेरे पुनरुत्थान की आराधना करते हैं , / और आनंद से पुकारते हैं : / 'सर्वशक्तिमान प्रभु , तुझे महिमा!'

हे प्रभु , आपने नरक के द्वार चकनाचूर कर दिए हैं , / और अपनी मृत्यु से आपने मृत्यु के राज्य को नष्ट कर दिया है , / मानव जाति को क्षय से मुक्त करते हुए , / संसार पर जीवन और अमरत्व , / और महान दया प्रदान की है।

आओ, हे लोगों , हम गाएँ / उद्धारकर्ता के तीसरे दिन के पुनरुत्थान का, / जिसके द्वारा हम छुड़ाए गए हैं / नरक के अटूट बंधनों से / और हम सभी ने अक्षयत्व और जीवन प्राप्त किया है , और हम पुकारते हैं : / 'क्रूस पर चढ़ाए गए, और दफनाए गए, और जी उठे ! / हमें अपने पुनरुत्थान द्वारा बचाओ, / हे मानव जाति के एकमात्र प्रेमी !'

महिमा, स्वर 6: याकूब के कुएँ पर सामरी स्त्री को पाकर, / यीशु ने उससे पानी माँगा , / वही जिसने पृथ्वी को बादलों से ढाँपा। / अहो आश्चर्य ! करूबों पर आरोहण करने वाले ने , / एक कुख्यात स्त्री से संवाद किया; / जिसने पृथ्वी को जल पर लटकाया, उसने पानी माँगा ; / उन्होंने पानी माँगा / जिन्होंने पानी के झरने और सरोवर बहाए हैं , / वास्तव में उसे अपने पास खींचने की इच्छा से , जो शत्रु के जाल में फँसी थी, / और उसे जीवित जल से तृप्त करने के लिए, / जो अपने अयोग्य कर्मों से बुरी तरह झुलसी हुई थी, / एक दयालु और मानवता के प्रेमी के रूप में।

और अब, धर्मनिरपेक्ष भजन, स्वर 4: बिना बीज के , तुमने गर्भधारण किया / और अपने गर्भ में धारण किया, शब्दों से परे तरीके से , / वही जिसने शासकों को उनके सिंहासनों से उतार दिया / और दीनों को ऊँचा उठाया, / और अपने अभिषिक्तों की शक्ति को बढ़ाया , / जो मसीह के क्रूस और उनके समाधि-स्थापन , / और उनके गौरवपूर्ण पुनरुत्थान की महिमा करते हैं। / अतः हे परमेश्वर की माता, / इतनी महान अनुग्रहों की दाता, / हम आपको अनवरत भजनों में धन्य कहते हैं , / एक ऐसी के रूप में जो सदैव मध्यस्थता करती हैं / हमारी आत्माओं के उद्धार के लिए।

'आनंद का प्रकाश :' और प्रोकेइमेन 'प्रभु राज्य करता है :'

स्टचिरा पर, रविवार का स्टचिरा , स्वर 4

हे प्रभु , आप क्रूस पर चढ़कर , / हमारे प्रथम माता-पिता से आई हमारी शाप को दूर कर दिया; / और अधोलोक में उतरकर, जिन्होंने प्राचीन काल से वहाँ कैद थे , उन्हें मुक्त कर दिया, / मानव जाति को अक्षय जीवन प्रदान करते हुए। / अतः , जब हम गाते हैं , हम महिमा देते हैं / आपकी जीवन-दायक और उद्धारक पुनरुत्थान को।

और ईश्वर की माता को, उसी स्वर में , इसका स्वरूप समान है : 'ऊँचे से बुलाया गया:'

पद: वे आपकी महिमा का स्मरण करेंगे / सभी पीढ़ियों तक। भजन संहिता 44:18A

अनादि पिता से / – पुत्र , जो काल से परे जन्मे , / अपनी अवतार और मानव जाति के उद्धार के लिए, / ईश्वर होते हुए भी मनुष्य बने , / यह प्रदान करने के लिए – क्योंकि वे मेल -मिलाप के लिए उत्सुक हैं , / – प्रथम सृजित आदम को स्वर्ग पुनः प्रदान करने के लिए, / – और साथ ही समस्त सृष्टि को / सर्प की छलना से मुक्ति दिलाने के लिए / और अपनी पतित प्रतिमा को बचाने के लिए। / अतः उन्होंने अपनी माता को बनाया / वह वधू जिसे उन्हें जन्म दिया – पवित्र और निर्दोष , / जिन्हें हम सभी / अपनी आत्माओं के लिए एक लंगर मानते हैं।

छंद : हे पुत्री , सुन , और देख , / और अपना कान लगा। भजन संहिता 44:11क

हे परमेश्वर में धन्य , तुमने अपने गर्भ में सभी वस्तुओं के स्रष्टा को धारण किया, / जिसने मनुष्य की प्रतिमा को पुनर्स्थापित किया, / जो पहले सर्प के प्रलोभन पर पाप में गिर गया था। / क्योंकि तुमने हमारे लिए परमेश्वर को शब्दों से परे एक तरीके से जन्म दिया / और, तुमसे उनके जन्म के द्वारा , सभी क्षयशील प्रकृति को / क्षय से मुक्त किया। / अतः हम गाते और महिमा करते हैं / हे अविवाहिता कुँवारी , तेरी कृपा की, / तेरी मध्यस्थता से मुक्ति के लिए प्रार्थना करते हुए / हर दण्ड से !

पद: लोगो में धनी / तेरे मुख के दर्शन की याचना करेंगे। भजन संहिता 44:13ख

ताकि तेरी दया की भरमार हम सभी पर प्रकट हो / और तेरी भलाई की असीम गहराई, / अपने सेवकों के सभी पापों को मिटा दे : / क्योंकि हे सर्व -पवित्र , / परमेश्वर की सच्ची माता के रूप में , तेरा सृष्टि पर अधिकार है / और तू अपनी सामर्थ्य से , अपनी इच्छानुसार सब पर शासन करती है। / क्योंकि पवित्र आत्मा का अनुग्रह , जो स्पष्ट रूप से आप में निवास करता है , / हे सर्व -धन्य , सभी समयों में सभी बातों में आपकी सहायता करता है !

महिमा, स्वर 8: जब तू पृथ्वी पर प्रकट हुआ , हे मसीह परमेश्वर , / अपनी अगोचर परमप्रबंध से , / सामरी स्त्री , तेरा वचन सुनकर , हे मानवजाति के प्रेमी , / कुएँ के पास अपना पानी का घड़ा छोड़ गई, / और दौड़ती हुई नगरवासियों को यह घोषणा करने लगी: / 'आओ, उसको देखो जो हृदय को जानता है ; / क्या वह मसीह नहीं है जिसका हम इंतजार कर रहे थे , / वह जो महान दया से परिपूर्ण है ?'

और अब, वही स्वर : पर्व के मध्य में , / जब आप उपदेश दे रहे थे , हे उद्धारकर्ता , / यहूदियों ने कहा: / 'वह पढ़े बिना शास्त्रों को कैसे जानता है ?' / – यह न समझते हुए कि आप ही वह बुद्धि हैं जिन्होंने संसार की रचना की, / आपको महिमा!

रविवार का ट्रॉपारियन , स्वर 4

दूत से पुनरुत्थान की आनंदमय खबर पाकर, / और हमारे प्रथम माता-पिता के दंड से मुक्त होकर, / प्रभु के शिष्यों ने प्रेरितों को यह कहते हुए घोषणा की, आनंदित होकर: / 'मृत्यु गिर गई है , मसीह ईश्वर जी उठे हैं , / संसार पर महान दया प्रदान करते हुए !'

महमिा, और अब:
मध्य -उत्सव का ट्रपारयिन , स्वर 8

उत्सव के मध्य में / जीवन के जल से मेरी आत्मा की धार्मकिता की प्यास बुझाओ , / क्योंकि सभी को, हे उद्धारकर्ता , आपने पुकारा है : / 'जो कोई प्यासा है , वह मेरे पास आए और पिए।' / हे मसीह परमेश्वर , (हमारे) जीवन के फव्वारे , महमिा आपको हो!

द्वगिुणति लतिानी और समापन।

शनविार को महा संध्या समय

'हे प्रभु , मैं पुकारा हूँ ', दसवीं के लिए स्टचिरा। और हम रवविार के तीन स्टचिरा गाते हैं , एक पूर्व से , मध्य -संध्या सेवा के लिए तीन समान, और सामरी स्तरी के लिए तीन स्व -स्वर वाले स्टचिरा।

ईस्टर स्टचिरा , स्वर 4

हे मसीह हमारे परमेश्वर , जैसे हम नरिंतर तेरे जीवन-दायक क्रूस की आराधना करते हैं , / वैसे ही हम तेरे तीसरे दनि के पुनरुत्थान की महमिा करते हैं ; / क्योंकि उसी द्वारा , हे सर्वशक्तमिान , तूने पतति मानव स्वभाव को नया कयिा है , / और हमें स्वर्ग की आरोहण का मार्ग दखिाया है , / एक मात्र भला और मानवजाति का प्रेमी के रूप में।

हे उद्धारकर्ता , आपने क्रूस के वृक्ष द्वारा अवज्ञा के वृक्ष का दण्ड समाप्त कर दयिा, जसि पर आप स्वेच्छा से कीलें ठोकी गईं ; और, हे सर्वशक्तमिान , अधोलोक में उतरकर, आपने , परमेश्वर के रूप में , मृत्यु के बन्धनों को तोड़ दयिा। / इसलिए हम मृतकों में से तेरे पुनरुत्थान की उपासना करते हैं , / और आनंद से पुकारते हैं : / 'सर्वशक्तमिान प्रभु , तुझे महमिा हो!'

हे प्रभु , तूने अधोलोक के द्वार चकनाचूर कर दिए, / और अपनी मृत्यु से मृत्यु के राज्य को नष्ट कर दयिा, / मानव जाति को क्षय से मुक्ति देते हुए , / संसार पर जीवन और अमरत्व प्रदान करते हुए , / और महान दया।

पूर्वी स्टचिरा , स्वर 4

आओ, हे सभी लोगों , हम गाएँ / उद्धारकर्ता के तीसरे दनि के पुनरुत्थान का, / जसिके द्वारा हम / नरक के अटूट बंधनों से मुक्त हुए हैं / और हम सभी ने अक्षय जीवन प्राप्त कयिा है , और हम पुकारते हैं : / 'क्रूस पर चढ़ाए गए, और दफनाए गए, और जी उठे ! / हमें अपने पुनरुत्थान द्वारा बचाओ, / हे मानव जाति के एकमात्र प्रेमी !'

मध्यबदिु के स्टचिरा , स्वर 4

दनिों का मध्य बदिु आ गया है , / जसिकी शुरुआत उद्धारक पुनरुत्थान से होती है , / और जो दव्यि पेंटेकोस्ट में समाप्त होता है / उनकी मुहर के रूप में ; / और ये दनि चमकते हैं , / दोनों ओर से तेजस्वी प्रकाश से प्रकाशति , / और दो महान पर्वों को एक करते हुए , / और ऊँचे उठाये गए हैं , / प्रभु के स्वर्गारोहण के गौरवशाली दनि के आगमन की घोषणा करते हुए।

सयिोन ने मसीह के पुनरुत्थान के सुसमाचार को सुना और आनंदति हुई , / जबकि उसके वशि्वासयोग्य पुत्रों ने उन्हें देखकर हर्षति हुए ; / और वे आत्मा द्वारा मसीह की हत्या के दाग को धोने के लिए तैयार हो रहे हैं , / इन आनंद के दनिों का उत्सव मनाते हुए – / इन दो घटनाओं का मध्य बदिु।

'सभी पर दव्यि आत्मा का प्रचुर प्रवाह / नकिट आ गया है , जैसा कि लखिा है ' / – इस प्रकार यह घोषणा होती है कि मसीह द्वारा अपने शष्यिों को दयिा गया वादा, जो अब अपने मध्य बदिु पर

पूरा हुआ है , पूरा हो गया है – एक ऐसा वादा जो कभी नहीं टूट सकता – / उनकी मृत्यु , दफन और पुनरुत्थान के बाद, / सांत्वनादाता के आगमन को प्रकट करते हुए।

समरीयानी स्त्री के लिए स्टचिरा , उसी स्वर में , स्वर 1

हे चमत्कारों के स्रोत , आप छठे घंटे पर झरने पर आए, / ईव के फल को पकड़ने के लिए: / क्योंकि उसी घंटे ईव सर्प द्वारा छली गई, स्वर्ग से निकल गई थी। / और देखो , सामरी स्त्री पानी भरने के लिए पास आई, / और उसे देखकर उद्धारकर्ता ने कहा: / 'मुझे पानी पिलाओ, / और मैं तुम्हें जीवित जल से तृप्त करूँगा !' / और, नगर में दौड़ती हुई , पवित्र स्त्री / तुरंत भीड़ को उद्घोषित करने लगी: / 'आओ, प्रभु मसीह को देखो , / हमारे आत्माओं के उद्धारकर्ता !'

स्वर 2

जब प्रभु कुएँ पर आए, / सामरी स्त्री ने दयालु से पूछा : / 'मुझे विश्वास का जल दीजिए, / और मैं बपतिस्मा , आनंद और मुक्ति की धाराएँ प्राप्त करूँगी !' / हे प्रभु , जीवन के दाता, आपको महिमा!

सह-शाश्वत और सह-अस्तित्वमान / पिता के पुत्र और वचन, / उपचार के स्रोत , कुएँ पर आए, / और सामरिया की एक स्त्री पानी भरने आई। / उसे देखकर , उद्धारकर्ता ने कहा: / 'मुझे पीने के लिए पानी दो, / और जाओ, अपने पति को बुला लाओ।' / उसने , हालांकि , ईश्वर को नहीं बल्कि एक मनुष्य को संबोधित करते हुए , / सत्य को छिपाने की कोशिश करते हुए कहा: / 'मेरा कोई पति नहीं है !' / और शिक्षक ने उससे कहा: / 'तू ने सच कहा कि "मेरा कोई पति नहीं है !" / क्योंकि तेरे पाँच पति हो चुके हैं , / और जो अब तेरा है , वह तेरा पति नहीं है। / परन्तु वह, इन वचनों से चकित होकर, / नगर में दौड़ी / और भीड़ को यह कहते हुए प्रचार किया: / 'आओ और मसीह को देखो , / जो संसार पर महान दया करता है !'

महिमा, स्वर 6: याकूब के कुएँ पर सामरी स्त्री को पाकर, / यीशु ने उससे पानी माँगा , / वही जिसने पृथ्वी को बादलों से ढाँपा। / अहो आश्चर्य ! करूबों पर आरोही होकर, / उसने एक कुख्यात स्त्री से संवाद किया; / जिसने पृथ्वी को जल पर लटकाया, उसने पानी माँगा ; / उन्होंने पानी माँगा / वही, जो जल के झरने और सरोवर बहाता है , / सचमुच उसे अपनी ओर खींचने की इच्छा से , जो शत्रु द्वारा फँसाई गई थी, / और उसे जीवित जल से तृप्त करने के लिए, / जो अपने अयोग्य कर्मों से बुरी तरह झुलसी हुई थी, / एक दयालु और मानवता के प्रेमी के रूप में।

और अब, ईश्वर की माता को, स्वर 4: आपके द्वारा , हे ईश्वर की माता, / भविष्यवक्ता दाऊद, जो ईश्वर के पूर्वज बने , / ने आपके विषय में मधुर स्वरों में घोषणा की / उस के सामने जिसने आपकी महिमा को बनाया: / 'रानी आपके दाहिने हाथ में खड़ी है '। / क्योंकि परमेश्वर ने आपको जीवन की माता, जीवन की वाहक बनाया, / यह मानते हुए कि वह बिना पिता के आपके गर्भ से अवतार लें , / ताकि वह हम में अपनी प्रतिमा को, जो वासनाओं से बिगड़ गई थी, नया कर सकें , / और, पहाड़ों में भटक गई भेड़ को पाकर, / उसे अपने कंधों पर उठाकर पिता के पास ले जाने के लिए, / और, अपनी इच्छा के अनुसार , उसे स्वर्गीय शक्तियों के साथ मिलाने और संसार को बचाने के लिए – / मसीह, जो महान और प्रचुर दया के स्वामी हैं।

प्रवेश। आनंदमय प्रकाश : **दिन का प्रोकीमेनन :** प्रभु ने राज्य किया है :

लितानी के दौरान, चर्च के स्टचिरा

महिमा, और अब, स्वर 3: आज स्वर्ग और पृथ्वी आनंद मनाएँ , / क्योंकि मसीह मनुष्य के रूप में देह में प्रकट हुए हैं , / आदम और उसकी सारी वंशजता को श्राप से छुड़ाने के लिए। / और सामरिया आकर, वह अपने चमत्कारों द्वारा अद्भुत रूप से महिमामय हुआ ; / फिर भी वह एक स्त्री के पास गया और उससे पानी माँगा , / वही जो बादलों को पानी से भरता है। / इसलिए,

हम सभी विश्वासी उसकी आराधना करें / जिसने अपनी दयालु इच्छा के अनुसार / हमारी खातिर स्वेच्छा से स्वयं को खाली कर लिया।

स्टिचेरा पर, रविवार का स्टिचेरा , स्वर 4

हे प्रभु , आप क्रूस पर चढ़कर , / हमारे प्रथम माता-पिता से हम पर आए शाप को दूर कर दिया है ; / और अधोलोक में उतरकर, आपने उन लोगों को मुक्त किया है जो आदिकाल से वहाँ बंद थे , / मानव जाति को अक्षय जीवन प्रदान करते हुए। / अतः , हम गाते हुए , आपकी महिमा करते हैं / आपके जीवन-दायक और उद्धारक पुनरुत्थान की।

और पास्का के स्टिचेरा , स्वर 5

स्टिचि : परमेश्वर उठे / और उसके शत्रु बिखर जाएँ।

पवित्र ईस्टर आज हम पर प्रकट हुआ है , / – एक नया, पवित्र ईस्टर , / एक रहस्यमय ईस्टर , एक ईस्टर जो सभी द्वारा सम्मानित है। / ईस्टर – मसीह उद्धारकर्ता ; / ईस्टर निर्दोष , / ईस्टर महिमामय, / ईस्टर विश्वासियों का, / ईस्टर जिसने हमारे लिए स्वर्ग के द्वार खोले , / ईस्टर जो सभी विश्वासियों को पवित्र करता है।

छंद : जैसे धुआँ लुप्त हो जाता है , / वैसे ही वे लुप्त हो जाएँ।

दृष्टि के अनन्तर आगे बढ़ो , हे शुभ समाचार लाने वाली स्त्रियों , / और सियोन को यह घोषणा करो: / 'मसीह के पुनरुत्थान के शुभ समाचार का आनन्द हमसे ग्रहण करो!' / हे यरूशलेम , आनन्द मनाओ, उल्लास करो और हर्षित होओ, / क्योंकि तुमने मसीह राजा को, एक वधू के समान, / कब्र से निकलते हुए देखा है।

छंद : पापी परमेश्वर की उपस्थिति से नाश हों , / और धर्मी आनन्दित हों।

सुगंधित द्रव्य लिए स्त्रियाँ , प्रातःकाल , / जीवन-दाता के समाधि पर आईं , / वहाँ उन्होंने पत्थर पर एक स्वर्गदूत को बैठा पाया, / और उसने , उनकी ओर मुड़कर , इस प्रकार पुकारा : / 'तुम जीवित को मरे हुओं में क्यों ढूंढती हो? / तुम अक्षय को ऐसे क्यों शोक करती हो जैसे वह क्षयशील हो? / लौट जाओ और उनके शिष्यों से कहो!'

पद: यह वह दिन है जिसे यहोवा ने बनाया है ; / हम इस में आनन्द करें और प्रसन्न रहें !

हर्षोल्लासपूर्ण ईस्टर , / ईस्टर , प्रभु का ईस्टर , / सबसे पवित्र ईस्टर हमारे लिए उदय हुआ है। / ईस्टर ! आओ हम एक-दूसरे को आनंदपूर्वक गले लगाएँ। / हे ईस्टर – दुख से मुक्ति ! / क्योंकि इसी दिन, कब्र से , / एक वधू -कक्ष से जैसे प्रकाशित होकर, मसीह ने / स्त्रियों को इन शब्दों से आनंद से भर दिया: / 'जाओ और प्रेरितों से कहो!'

महिमा, स्वर 8: जब तू पृथ्वी पर प्रकट हुआ , हे मसीह हमारे ईश्वर , / अपनी अगोचर व्यवस्था द्वारा , / सामरी स्त्री ने , हे मानवजाति के प्रेमी , तेरा वचन सुनकर , / कुएँ पर अपना जल पात्र छोड़ दिया, / और दौड़ी , नगरवासियों को यह घोषणा करते हुए : / 'आओ, उसको देखो जो हृदय को जानता है ; / क्या वह मसीह नहीं है जिसका हम इंतजार कर रहे थे , / वह जो महान दया से परिपूर्ण है ?'

और अब, स्वर 5: पुनरुत्थान का दिन! / आनन्द से प्रकाशित हों / और एक-दूसरे को गले लगाएँ ; / कहें : 'भाइयों !' / और जो हमसे द्वेष रखते हैं , / - उन्हें भी क्षमा करें , / पुनरुत्थान के लिए सबको क्षमा करें / और इस प्रकार उद्घोष करें : / 'मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं , / मृत्यु को मृत्यु से जीते हैं , / और कब्रों में पड़े सभी को जीवन प्रदान किया है !'

और फिर: अब आप हमें अनुमति देते हैं :

ईस्टर ट्रोपारयिन , स्वर 4

स्वर्गदूत से पुनरुत्थान की हर्षदायक सूचना पाकर, / और हमारे प्रथम माता-पिता के दण्ड से मुक्त होकर, / प्रभु के शिष्यों ने प्रेरितों को हर्षित होकर उद्घोषित किया: / 'मृत्यु लज्जित हुई है , मसीह ईश्वर जी उठे हैं , / संसार पर महान दया प्रदान करते हुए !'

महिमा, और अब:
मध्य -उत्सव का ट्रपारयिन , स्वर 8

उत्सव के बीच / जीवन के जल से मेरी आत्मा की धार्मिकता की प्यास बुझाओ , / क्योंकि सभी को, हे उद्धारकर्ता , तुमने पुकारा है : / 'जो कोई प्यासा है , वह मेरे पास आए और पिये। ' / हे मसीह परमेश्वर , हमारे जीवन के झरने , महिमा तुझे हो!

प्रभात -प्रार्थना में

छठे भजन के बाद, महा लिटिनी और 'ईश्वर प्रभु :' **चौथे स्वर में।**

रविवार का ट्रॉपारयिन , स्वर 4, दो बार

स्वर्गदूत से पुनरुत्थान की हर्षदायक सुसमाचार जानकर, / और हमारे प्रथम माता-पिता के दण्ड से मुक्त होकर, / प्रभु के शिष्यों ने प्रेरितों को हर्षित होकर उद्घोषित किया: / 'मृत्यु पराजित हुई है , मसीह ईश्वर जी उठे हैं , / संसार पर महान दया प्रदान करते हुए !'

महिमा, और अब:
मध्य -उत्सव का ट्रॉपारयिन , स्वर 8

उत्सव के मध्य में / जीवन के जल से मेरी आत्मा की धार्मिकता की प्यास बुझाओ , / क्योंकि सभी को, हे उद्धारकर्ता , आपने पुकारा है : / 'जो कोई प्यासा है , वह मेरे पास आए और पिये। ' / हे मसीह परमेश्वर , (हमारे) जीवन के फव्वारे , महिमा आपको हो!

फिर सामान्य स्टिचेरा।

पहले स्टिचेरा के बाद, सेडेलन , स्वर 4

कब्र के प्रवेशद्वार को निहारते हुए और स्वर्गदूत की तेजस्वी महिमा को सहन न कर पाकर, / मूर्ख -वाहक विस्मित हो गए, आश्चर्य से उद्घोषित करते हुए : / 'क्या उसने जिसे चोर के लिए स्वर्ग का द्वार खोलना था, स्वयं को चुरा लिया है ? / क्या वे , जिन्होंने अपने दुश्मनों के बीच पुनरुत्थान की घोषणा की थी, पहले नहीं उठे ?' / सचमुच मसीह ईश्वर जी उठे हैं , / जिन्होंने अधोलोक में रहने वालों को जीवन और पुनरुत्थान प्रदान किया।

पद: उठो, हे प्रभु मेरे परमेश्वर , तेरा हाथ ऊँचा किया जाए, / अपने दीनों को अंत तक न भूल ! भजन संहिता 9:33

हे उद्धारकर्ता , तू कब्र से अमर के रूप में पुनरुत्थित हुआ है ; हे मसीह हमारे ईश्वर , तूने अपने पुनरुत्थान से अपनी सृष्टि को उठाया है ; तूने अपनी शक्ति से मृत्यु की शक्ति को कुचल दिया है , और हे दयालु , सभी के लिए पुनरुत्थान का प्रकाश किया है। इसलिए हम तुझे महिमामंडित करते हैं , मानवजाति का एकमात्र प्रेमी।

महिमा, और अब, हे परमेश्वर की माता: जो रहस्य युगों से छिपा हुआ था / और स्वर्गदूतों को भी ज्ञात नहीं था, / वह आपके द्वारा , हे परमेश्वर की माता, पृथ्वी पर रहने वालों के लिए प्रकट हुआ है , / – परमेश्वर , जो दो स्वभावों के अविभाज्य संयोग में अवतरित हुए , / और जिन्होंने हमारे लिए स्वेच्छा से क्रूस को स्वीकार किया, – / उसके द्वारा उन्होंने प्रथम सृष्टि आदम को उठाया / और हमारी आत्माओं को मृत्यु से बचाया।

ईस्टर के बाद का पाँचवाँ सप्ताह

सेडेलन के दूसरे स्टिचोस के अनुसार , स्वर 4

स्वर्गीय ऊँचाइयों से उतरकर / और उस चट्टान के पास पहुँचकर जहाँ जीवन का पत्थर पड़ा था, / श्वेत वस्त्रधारी गब्रियिल ने विलाप करने वालों से पुकारा : / 'हे दया से परिपूर्ण , अपना शोकपूर्ण विलाप बंद करो; / हौसला बढ़ाओ ! जिसकी तुम आँसुओं से खोज कर रहे हो, वह सचमुच जी उठे हैं। / अतः , प्रेरितों को यह घोषणा करो कि प्रभु जी उठे हैं। / (आनंद प्राप्त करके , जी उठे हुए की आराधना करो; / हिम्मत करो, और ईव भी हिम्मत करे।)'

पद: मैं तेरी स्तुति करूँगा हे प्रभु , अपने पूरे हृदय से , / मैं तेरे सब आश्चर्यकर्मों का प्रचार करूँगा।

भजन संहिता 9:2

अपनी इच्छा से / हे उद्धारकर्ता , आपने क्रूस को सहन किया, / और मनुष्यों ने आपको एक नई कब्र में रखा, / इस प्रकार संसार के सृष्टिकर्ता पर सीमाएँ लगा दीं। / इसलिये शत्रु बँध गया, / मृत्यु को भयंकर पराजय मिली, / और पाताल में रहने वाले सभी / तेरे जीवन-दायक पुनरुत्थान पर चिल्ला उठे : / 'मसीह जी उठे हैं – जीवन के दाता, जो सदा वास करते हैं !'

महिमा, और अब, हे परमेश्वर की माता: यूसुफ अलौकिक दृश्य देखकर आश्चर्यचकित रह गया, / और उसने अपने मन से समझा, हे परमेश्वर की माता, आपकी बिना बीज के गर्भधारण को, / ऊन पर हुई वर्षा को, आग में न जली झाड़ी को, / और फूल खिले हुए हारून के डंडे को। / और वह, आपके मंगेतार और रक्षक , / याजकों के सामने गवाही देते हुए , पुकार उठा: / 'एक कुँवारी जन्म देती है और प्रसव के बाद भी कुँवारी रहती है !'

तब 'निर्दोषों को' ट्रॉपारिया और लघु एक्टेनिया।

इपाकोई, स्वर 4

तेरे चमत्कारी पुनरुत्थान की घटनाएँ / मूर्ख -वाहकों द्वारा प्रेरितों के पास जाते समय घोषित की गईं , / कि तू , हे मसीह, परमेश्वर के रूप में पुनरुत्थित हुआ है , / संसार पर महान दया प्रदान करते हुए।

स्टिचिरा , स्वर 4

प्रत्युत्तर 1

मेरी जवानी से ही / अनेक वासनाओं ने मुझ पर युद्ध छेड़ा है ; / परन्तु स्वयं मेरी रक्षा और उद्धार कर, / हे मेरे उद्धारकर्ता।

हे जो सियोन से बैर रखते हो, प्रभु के सामने लज्जित हो जाओ: / क्योंकि तुम आग में घास की तरह भस्म हो जाओगे।

महिमा: प्रत्येक आत्मा पवित्र आत्मा से जीवित होती है / और शुद्धिकरण द्वारा उन्नत होती है , / त्रिमूर्ति की एकता द्वारा / पवित्र रहस्य में प्रबुद्ध होती है।

और अब: हम वही दोहराते हैं।

प्रतीकगान 2

हे प्रभु , मैंने उत्साह से / अपनी आत्मा की गहराई से पुकारा है / और आपकी दिव्य कान / मुझ पर ध्यान दें।

जो कोई प्रभु में अपनी आशा रखता है / वह सभी दुखों से ऊपर है।

महिमा: पवित्र आत्मा से अनुग्रह की धाराएँ बहती हैं , / जो सारी सृष्टि को जीवन देने के लिए सिंचित करती हैं।

और अब: हम वही दोहराते हैं।

ईस्टर के बाद का पाँचवाँ सप्ताह

प्रतगिान 3

हे वचन, मेरा हृदय आप तक उठे , / और संसार के कसिी भी सुख -वैभव / मुझे अपनी ही अपमान की ओर भटकाए नहीं।

जैसे हर कोई अपनी माँ से प्यार करता है , / वैसे ही हमें भी प्रभु के प्रत/ सबसे गहरा प्रेम रखना चाहिए।

महमिा: पवत्रि आत्मा के द्वारा —ईश्वर के ज्ञान , मनन और बुद्धि की संपदा ; / क्योंकि उसी के द्वारा वचन पति की सभी आज्ञाओं को प्रकट करता है।

और अब: हम वही दोहराते हैं।

प्रोकेइमेनोन , स्वर 4

उठो हे प्रभु , हमारी सहायता करो / और अपने नाम के लिए हमें बचाओ! **श्लोक :** हे परमेश्वर , हमने अपने कानों से सुना है , और हमारे पूर्वजों ने हमें बताया है। भजन संहति 43:27, 2A

दूसरा प्रोकीमेनोन : जो कुछ भी साँस लेता है , वह प्रभु की स्तुति करे। **पद:** उसके पवत्रिों में परमेश्वर की स्तुति करो; उसकी सामर्थ्य के आकाशमंडल में उसकी स्तुति करो। भजन संहति 150:6, 1

सातवाँ रवविार की सुबह का सुसमाचार , यूहन्ना से , आरंभ 63

उन दनिों , सप्ताह के पहले दनि, मरयिम मग्दलीना कब्र पर सबेरे , जब अभी अँधेरा था, आई और उसने देखा कि कब्र का पत्थर हटा दयिा गया है। तब वह दौड़ी और शमिोन पतरस और उस दूसरे चेल े के पास गई, जसिे यीशु प्रेम करते थे , और उनसे कहा, 'उन्होंने प्रभु को कब्र से नकिाल दयिा है , और हमें नहीं पता कि उन्होंने उन्हें कहाँ रखा है। ' तुरन्त ही पतरस और दूसरे चेलें उठे और कब्र की ओर चले। दोनों एक साथ दौड़े ; परन्तु दूसरा चेला पतरस से तेज़ दौड़ा और पहलि कब्र पर पहुँचा। वह झुककर देखा कि सूती कपड़े वहीं पड़े थे ; परन्तु वह कब्र में नहीं गया। तब शमिोन पतरस, जो उसके पीछे आया, पहुंचा और कब्र में गया। उसने सूती कपड़े वहीं पड़े देखे , और वह कपड़ा जो उसके सरि पर था, सूती कपड़ों के साथ नहीं पड़ा था, परन्तु अलग एक जगह पर लपेटा हुआ था। तब दूसरा चेला , जो पहले कब्र पर पहुँचा था, वह भी भीतर गया, और उसने देखा और वशि्वास कयिा। क्योंकि वे अभी तक धर्मशास्त्र से यह नहीं समझ पाए थे कि उसे मरे हुओं में से जी उठना चाहिए। तब चेले अपने -अपने घर लौट गए।

यूहन्ना 20:1–10

रवविार का भजन

मसीह के पुनरुत्थान को देखकर , / हम पवत्रि प्रभु यीशु की आराधना करें , / जो एकमात्र पापरहति हैं। / हे मसीह, हम तेरे क्रूस की आराधना करते हैं , / और हम तेरे पवत्रि पुनरुत्थान का गान और महमिा करते हैं , / क्योंकि तू ही हमारा परमेश्वर है , / हम तुझसे सवि और कसिी को नहीं जानते , / हम तेरे नाम का आह्वान करते हैं। / आओ, हे सभी वशि्वासयिों , / हम मसीह के पवत्रि पुनरुत्थान की आराधना करें , / क्योंकि देखो , क्रूस के द्वारा / संपूर्ण जगत में आनंद आया है। / सदैव प्रभु का धन्यवाद करते हुए , / हम उनके पुनरुत्थान का गीत गाते हैं , / क्योंकि उन्होंने , सूली पर चढ़ाए जाने को सहन करके , / मृत्यु को मृत्यु से कुचल डाला है। (3)

भजन संहति 50 और अन्य।

6 इरमोस और थियोटोकी के साथ पास्का कैनन ; 4 में मध्य -कैनन और 4 में सामरी भजन। काटावाशिया: पुनरुत्थान का दिन:

कैनन।
संत जॉन ऑफ़ डेमास्कस द्वारा रचित, स्वर 1।
गीत 1

इरमोस: पुनरुत्थान का दिन! हे लोगों , आनन्द मनाओ! / पास्खा ! प्रभु का पास्खा ! / क्योंकि मृत्यु से जीवन में और पृथ्वी से स्वर्ग में / मसीह ईश्वर ने हमें लाया है , / जब हम विजय का गीत गाते हैं।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

आओ हम अपने इंद्रियों को शुद्ध करें और देखें / मसीह को चमकते हुए / पुनरुत्थान के अगम्य प्रकाश में , / और आओ हम स्पष्ट रूप से उन्हें कहते हुए सुनें , 'खुशी मनाओ!' / जब हम विजय का गीत गाते हैं।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

आकाश उच्चित रूप से आनंद मनाए, / पृथ्वी हर्षित हो, / संपूर्ण जगत उत्सव मनाए, / दृश्यमान और अदृश्य दोनों : / क्योंकि मसीह जी उठे हैं , जो कभी न खत्म होने वाला आनंद है।

थियोटोकोस के भजन,
परम पूज्य थियोफांस और जोसेफ द्वारा रचित

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अतिपवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

आपने मृत्यु के बंधन तोड़ दिए, / अपने गर्भ में अनंत जीवन, मसीह, को धारण कर, / जो आज के दिन कब्र से प्रकट हुए , / हे सदा कुंवारी , / और संसार को प्रकाशित किया।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अतिपवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

अपने पुत्र और ईश्वर को पुनरुत्थित होते देखकर , हे ईश्वर -धन्य और पवित्र , प्रेरितों के साथ आनन्द मनाओ! और हे सर्व -पवित्र ईश्वर -माता, आप ही प्रथम थीं जिन्हें 'आनन्दित हो' शब्द प्राप्त हुआ , सभी के आनन्द का कारण बनकर।

मध्य -उत्सव के लिए कैनन ,
रचना: क्रीट के संत एंड्रयू , स्वर 8
ओड 1

इरमोस: तूने समुद्र को गाढ़ा कर दिया:

हे राष्ट्रों , तालियाँ बजाओ; हे यहूदियों , आनंद से रोओ: / क्योंकि मसीह, जीवन दाता, / ने नरक के बंधन तोड़ दिए, / मृतकों को जिला उठाया, / और अपने वचन से बीमारियों को चंगा किया; / वही हमारा परमेश्वर है , जिसने जीवन दिया / उन लोगों को जो उसके नाम पर विश्वास करते हैं।

हे प्रभु , तूने एक चमत्कार किया है , – / पानी को दाखरस में बदलकर, / और मिस्र की नदियों को लहू में ; / और तूने मृतकों को जिलाया है , / यह दूसरा चिह्न दिखाकर। / महिमा हो, हे उद्धारकर्ता , तेरी अनुपम योजना को; / महिमा तेरी विनम्रता को, / जिसके द्वारा तूने हमें नया किया है।

सच्चे जीवन की अनंत धारा, हे प्रभु , आप ही हमारा पुनरुत्थान हैं ; आपने अपनी इच्छा से थकान मानी, हे मेरे उद्धारकर्ता , और स्वेच्छा से प्यास सहन की, प्रकृति के नियमों का पालन करते हुए ; और, शरीर में शिकार में आकर, आपने सामरी स्त्री से पीने के लिए पानी माँगा।

थियोटोकोस: हे ईश्वर की माता, आपने ही अपने गर्भ में धारण किया, / हे अपने स्रष्टा के, / और उन्हें देह में एक अनुपम तरीके से जन्म दिया, / और कुंवारी बनी रहीं, अपनी कुँवारी अवस्था को किसी भी तरह से कलंकित किए बिना। / हे पवित्र एक, अपने पुत्र और ईश्वर के समान, / हर समय अपने झुंड के लिए अनवरत प्रार्थना करें।

समरी की स्तुति के लिए कैनन,
परम पूजनीय जोसेफ द्वारा रचित, स्वर 4
गीत 1

इरमोस: हे जिसने मिस्र पर प्रहार किया / और उत्पीड़क फिरौन को समुद्र में फेंक दिया, / तूने लोगों को दासत्व से मुक्ति दिलाई, / जिन्होंने मूसा के साथ विजय का गीत गाया, / क्योंकि तू महिमामय हुआ है।

कब्र से उठकर / और मानव जाति को अपने साथ उठाकर: / सारी सृष्टि आनंद मनाए, / और आज के दिन आध्यात्मिक बादल / स्पष्ट रूप से धार्मिकता की वर्षा करें।

देह में स्वेच्छा से क्रूस को सहन करके, / हे प्रभु, जीवन के स्वामी, / आप तीसरे दिन मरे हुओं में से जी उठे, / अधोलोक के भण्डारों को खाली करके, / और बँधी हुई आत्माओं को बाहर निकाल लाए।

स्वर्गदूत के तेजस्वी स्वरूप को देखकर, / मिस्र के लोबान ले जाने वाले भय से कब्र से पीछे हट गए; / परन्तु मसीह के पुनरुत्थान का समाचार पाकर, / वे शिष्यों के पास दौड़े।

हे प्रभु, जीवन का जल, / जो स्वर्गीय महलों को जल से ढाँकता है, / ने अपनी पवित्र धाराएँ प्रदान कीं / सामरी स्त्री को जिसने उन्हें खोजा, / वह जिसने तेरी दया को जाना।

महिमा त्रिमूर्ति में : हे त्रिमूर्ति : पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा ! / उन लोगों को बचाओ जो आपको शुद्ध विश्वास से महिमामय करते हैं, / सभी चीजों के स्रष्टा के रूप में, / और हमें हमारे पापों की क्षमा प्रदान करो, / परम धन्य के रूप में।

और अब, ईश्वर की माता को: हर्षित हो, अग्निमय सिंहासन ! / हर्षित हो, स्वर्णमय दीप! / हर्षित हो, प्रकाश के मेघ ! / हर्षित हो, वचन का महल और अदेह वेदी, / जिसने यथोचित रूप से वहन किया / जीवन की रोटी – मसीह!

कातावासिया: पुनरुत्थान का दिन! हे लोगों, आनन्द मनाओ! / पास्खा ! प्रभु का पास्खा ! / क्योंकि मृत्यु से जीवन में और पृथ्वी से स्वर्ग में / मसीह ईश्वर ने हमें पहुंचाया है, / जब हम विजय का गीत गाते हैं।

भजन 3

इरमोस: आओ, हम नया पेय पीएं, / जो एक बाँझ चट्टान से चमत्कारिक रूप से नहीं निकला, / बल्कि अमरत्व का वह फव्वारा, / जो मसीह के कब्र से फूटा, / जिसमें हम स्थिर हैं।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

अब सभी चीज़ें प्रकाश से भर गई हैं, / स्वर्ग, पृथ्वी और पाताल लोक: / अतः सारी सृष्टि मसीह के पुनरुत्थान का उत्सव मनाए, / जिस पर यह आधारित है।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

कल मैं आपके साथ दफ़नाया गया था, हे मसीह, / – आपके साथ, जो जी उठे हैं, मैं आज उठता हूँ ; / कल मैं आपके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया था: / मुझे अपने साथ महिमामय करें, हे उद्धारकर्ता, / अपने राज्य में !

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

शुद्धता के जीवन की ओर / मैं आज के दिन बढ़ता हूँ, / उस की भलाई के द्वारा जो तुमसे, हे पवित्र एक, जन्मे, / और जिसने अपनी ज्योति से संसार के छोरों को प्रकाशित किया।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अतिपवित्र माता, हमें बचाओ।

ईश्वर को देखकर, जिसे आपने देह में / अपने गर्भ में धारण किया था, हे पवित्र, / मृतकों में से जी उठे, जैसा उन्होंने कहा, आनंदित हो, / और ईश्वर के रूप में, हे निर्मल, उनकी महिमा करो।

मध्य -उत्सव। इरमोस: मेरा हृदय प्रभु में दृढ़ है :

'बाहरी दिखावट के आधार पर न्याय मत करो, हे यहूदियों,' – / यह सिखाते हुए प्रभु ने घोषणा की, / जब वह पर्व के बीचोंबीच, जैसा लिखा है, पवित्रिस्थान में आए।

हे यहूदियों, बाहरी दिखावट से निर्णय मत करो, / क्योंकि मसीह आ चुके हैं, / वही जिन्हें भविष्यद्वक्ताओं ने सियोन से आने वाले कहा / और जो संसार को अपनी ओर बुलाते हैं।

हे यहूदियों, यदि तुम वचनों पर विश्वास नहीं करते, तो प्रभु के कार्यों पर विश्वास करो; क्योंकि तुम पवित्र जन को अस्वीकार करके भूल करते हो, जिसके विषय में मूसा ने व्यवस्था में लिखा था?

थियोटोकोस: हे प्रभु, त्रिमूर्ति में एक होकर, / आपने देह धारण कर दृश्यमान रूप लिया, / अपनी प्रकृति को बदले बिना, / और न ही निर्दोष माता की कोख को जलाया, / यद्यपि आप पूर्णतः ईश्वर और अग्नि हैं।

समरीयाई स्त्री से। इरमोस: मेरा हृदय प्रभु में स्थिर है, / जो प्रार्थना करने वाले की प्रार्थना सुनता है, / क्योंकि पराक्रमी का धनुष ढीला पड़ गया है, / जबकि दुर्बलों को बल से कमरबंद किया गया है।

हे वचन, तू स्वेच्छा से क्रूस पर चढ़ा, / और, यह देखकर, चट्टानें टूट गईं, / और सारी सृष्टि काँप उठी, / और मृतक अपनी कब्रों से, जैसे नींद से, जाग उठे।

हे वचन, आपको देखकर, जो अपनी आत्मा के साथ अधोलोक में उतरे, / सभी धर्मी आत्माएं / अपने शाश्वत बंधनों से मुक्त हो गईं, गाते हुए / आपकी उस शक्ति के बारे में जो मन से परे है।

'तुम स्त्रियों, क्यों चकित हो, / जब तुम प्रभु को खोजने / कब्र पर अपनी सुगन्धित द्रव्यों के साथ आई हो? / वह जी उठे हैं और संसार को अपने साथ ले गए हैं,' – / तेजस्वी स्वर्गदूत ने मूर्रा -वाहकों से कहा।

आप (हे प्रभु) जीवन / और अमरत्व का स्रोत हैं; / हे दयालु, आप कुएँ के पास बैठे, / और सामरी स्त्री को अपनी बुद्धि के जल से भर दिया, / जिसने आपसे माँगा था और आपकी स्तुति गाई थी।

महिमा, त्रिमूर्ति : सभी से ऊपर एक ईश्वर की त्रिमूर्ति में स्तुति की जाती है : / पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा, / जिन्हें स्वर्गदूत भय के साथ महिमामय करते हैं, / स्पष्ट रूप से उद्घोषित करते हुए : 'पवित्र, पवित्र, पवित्र हैं आप, हे प्रभु !'

और अब, ईश्वर की माता को: हे कुँवारी माता, आपने अपने गर्भ में, सभी व्याख्याओं से परे, स्वयं ईश्वर को धारण किया, / आपने उन्हें जन्म दिया, सभी विचार और शब्दों से परे, / कुँवारी बनी रहीं, जैसा कि आप प्रसव से पहले थीं, ईश्वर की वधू।

कातावासिया: आओ, हम नया पान पिएं, / वह नहीं जो बाँझ चट्टान से चमत्कारिक रूप से निकला था, / बल्कि अमरत्व का वह झरना, / जो मसीह के कब्र से फूटा, / जिसमें हम दृढ़ स्थापित हैं।

ईस्टर के बाद का पाँचवाँ सप्ताह

उपवास के मध्य के लिए कोंटाकयिन , स्वर 4

कानूनी पर्व के बीच, / हे सर्वसृष्टि के सृष्टकिर्ता और प्रभु , / आपने उपस्थति लोगों को घोषति कयिा, मसीह परमेश्वर : / 'आओ और अमरत्व का जल लो!' / इसलिए हम आपके सामने साष्टांग प्रणाम करते हैं और वशि्वास से पुकारते हैं : / 'हमें अपनी दया प्रदान करें , / क्योंकि आप हमारे जीवन का स्रोत हैं !'

इकोस: मेरे प्राण , जो अधर्म के पापों से सूखे हैं , / उन्हें तेरे लहू की धाराओं से सींच दे , / और इसे सद्गुणों का फल लाने योग्य बना दे ; / क्योंकि हे सर्व -पवत्रि परमेश्वर के वचन, आपने सभी को अपने पास आने के लिए कहा है , / और अक्षय , जीवति जल नकिालने के लिए, जो उन लोगों के पापों को शुद्ध करता है / जो आपके महमिामय और दव्यि पुनरुत्थान का गायन करते हैं ; / हे दयालु , पवत्रि आत्मा की शक्ति प्रदान करते हुए , जो वास्तव में स्वर्ग से अवतरति हुई है , / अपने उन शष्यिों पर जो आपको ईश्वर के रूप में स्वीकार करते हैं , / क्योंकि आप हमारे जीवन के स्रोत हैं।

समरीतयिाई स्त्री के लिए सेडालेन , स्वर 4

स्वर्ग आनंद मनाए, / पृथ्वी की सभी चीजें हर्षति हों , / क्योंकि मसीह, कन्या से मनुष्य के रूप में प्रकट होकर, / ने अपनी मृत्यु के द्वारा सारी मानव जाति को क्षय से मुक्त कर दयिा है ; / और, सामरी स्त्री से पानी माँगते हुए चमत्कारों से प्रकाशति होकर, / वे उसे उपचार का एक झरना प्रदान करते हैं , / एकमात्र अमर के रूप में।

महमिा, और अब, स्वर 4: हे ज्ञान के दाता और प्रभु , / जब नयित पर्व नकिट आया, / आप पवत्रिस्थान में वरिाजमान हुए और उपदेश दयिा, सभी को इस प्रकार घोषणा करते हुए : / 'आओ, हे सभी प्यासे , जल पयिो / जो मैं अब देता हूँ ; / जसिके द्वारा तुम , सभी लोग, दव्यि जीवन और आनंद का अनुभव करोगे !'

भजन 4

इरमोस: दव्यि रक्षक , धर्मशास्त्री अब्बकुम , हमारे साथ खड़े हों और प्रकाश -धारण करने वाले स्वर्गदूत को प्रकट करें , जो स्पष्ट रूप से उद्घोषति करता है : 'आज के दनि संसार में उद्धार आता है , क्योंकि मसीह सर्वशक्तमिान के रूप में पुनरुत्थति हुए हैं। '

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

मसीह मनुष्य के रूप में प्रकट हुए , उन्होंने कुँवारी के गर्भ को खोल दयिा; / और भोजन के रूप में अर्पति होकर, उन्हें मेमना कहा जाता है ; / और नरि्दोष —अशुद्धि से अप्रभावति —/ वे हमारे पासोवर हैं ; / और, सच्चे ईश्वर के रूप में , / उन्हें परपिूर्ण कहा जाता है।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

एक वर्ष के मेमने के समान, / हमारे लिए – एक महमिामय मुकुट , / धन्य , जो सभी के लिए स्वेच्छा से बलदिान हुए , / शुद्ध करने वाले पासोव के रूप में , / और एक बार फरि कब्र से हमारे लिए प्रकट हुए / धार्मकिता के महमिामय सूर्य के रूप में।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

परमेश्वर के पूर्वज दाऊद, / प्रतमिा के सन्दूक के सामने , जैसे एक छाया में , कूदते और नाचते थे ; / परन्तु हम, परमेश्वर की पवत्रि प्रजा , / प्रकारों की पूर्ति को देखकर , / परमेश्वर से प्रेरति होकर आनन्द मनाएं , / क्योंकि मसीह सर्वशक्तमिान , जी उठे हैं।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमारा उद्धार करें।

हे पवत्रि एक, जसिने आदम, तुम्हारे पूर्वज , को बनाया, / वह तुम्हारे द्वारा रचा गया है , / और इस दनि उसने , अपनी मृत्यु से , उस मृत्यु को समाप्त कर दयिा / जो उससे आई थी, / और सभी को प्रकाशति कयिा / पुनरुत्थान के दव्यि तेज से।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अतिपवत्रि माता, हमारा उद्धार करो।

हे पवत्रि कन्या , मसीह को नहिारते हुए , जसिे तुमने अपने गर्भ में धारण कयिा था, / जो आज के दनि सभी के उद्धार के लिए मृतकों में से महमिामय रूप से प्रकट हुए / हे स्त्रयिों में महमिामय, नर्दिोष और अतसिुन्दर , / प्रेरतिों के साथ आनन्द मनाओ और उनकी महमिा करो।

मध्य -सेवा। इरमोस: भवष्यिवक्ता हबक्कूक :

यदमिसीहा का आना उचति है , / तो मसीहा मसीह ही है , हे अधर्मी लोगो! / तुम उस पर वश्विास क्यों नहीं करते ? / देखो , वह प्रकट हो चुका है , और उसके कर्म इसकी गवाही देते हैं : / उसने पानी को दाखरस में बदल दयिा, / और एक वचन से लकवाग्रस्त को बल दयिा।

शास्त्रों को न समझकर, / हे अधर्मी यहूदयिों , तुम सब भटक गए हो! / क्योंकि मसीह सचमुच आए हैं और सभी को प्रकाशति कयिा है , / और तुममें उन्होंने कई चह्नि और अद्भुत काम दखिाए हैं , / फरि भी तुम व्यर्थ ही सच्चे जीवन से इनकार करते हो।

'मैंने तुम्हें केवल एक ही काम दखिाया है , / और फरि भी तुम सब पहले से ही चकति हो,' – / मसीह ने यहूदयिों से पुकार कर कहा। / 'तुम तो सब्बाथ के दनि भी एक मनुष्य का खतना करते हो,' – उन्होंने कहा, – / 'तो फरि तुम मुझ पर अभी भी दोष क्यों लगाते हो, / जसिने अपने वचन से लकवाग्रस्त मनुष्य को उठाया?'

("मैंने कई काम कए हैं , और इनमें से कसिके लिए / तुम मुझे पत्थर मार रहे हो?" / – मसीह ने यहूदयिों को फटकारते हुए पुकारा – / "क्या इसलिए कि मैंने एक पूरे मनुष्य को एक शब्द से चंगा कर दयिा? / लोगो, दखिावे से न्याय मत करो!")

[**ईश्वर की माता से :** हे ईश्वर की वधू , हे पवत्रि कुँवारी माता! तुमने जसिने ईश्वर को अपनी कोख में अकथनीय रूप से धारण कयिा, हमारी खातरि मध्यस्थता करना न छोड़ना , ताकि तुम्हारी सहायता से हम अपनी कष्टों से मुक्त हो सकें , क्योंकि हम सदा तुम्हारा ही शरण लेते हैं।]

समरयिाई स्त्री के लिए। इरमोस: हे ईश्वर , मैंने आपकी ख़बर सुनी और वस्मिति हो गया, / मैंने आपके कर्मों को समझा और चकति हो गया, (हे प्रभु): / क्योंकि पृथ्वी आपकी स्तुति से परपिूर्ण है।

आकाश आनंद मनाए, / सारी सृष्टि उत्सव मनाए: / प्रभु जी उठे और प्रकट हुए / अपने सभी अतिबुद्धमिान प्रेरतिों के समक्ष।

मृत्यु नगिल ली गई है , / मसीह की मृत्यु से तेरा राज्य , / और मृतक , जैसे गहराइयों से , / उनके पुनरुत्थान पर कब्रों से नकिल आए।

'हे स्त्रयिों , तुम क्यों रोती हो? / तुम अपने सुगन्ध -द्रव्यों सहति अमर को क्यों खोजती हो? / वह जी उठा है , जैसा उसने कहा था!' – / ऐसा दूत ने मूर -वाहकों से कहा।

हे प्रभु , सामरी स्त्री को, जसिने आपसे पूछा , / आपने अपनी शक्ति के ज्ञान का जल दयिा; / इसलिए वह फरि कभी प्यासी नहीं होगी, / जब वह आपकी स्तुति गाएगी।

महमिा, हे **पवत्रि त्रमिूर्ति :** हे त्रमिूर्ति , सर्व पदार्थों से परे : / पति, और वचन, और दव्यि आत्मा , / शक्ति में एक, समान रूप से बनिा आरंभ के ! / हम सभी को बचाओ जो वश्विास के साथ तेरा गायन करते हैं !

और अब, हे परमेश्वर की माता: जलने वाले उस झाड़ की तरह जो नष्ट नहीं हुआ , / वधिानदाता ने प्राचीन काल में आपको देखा , / जबकि दानयिेल ने आपको एक पवत्रि पर्वत के रूप में देखा , / हे कुंवारी माता, सर्वोच्च देवी।

कातावाशयिा: दव्यि रक्षक , धर्मशास्त्री हबक्कुक , हमारे साथ खड़े हों / और प्रकाश - धारण करने वाले स्वर्गदूत को प्रकट करें , / जो स्पष्ट रूप से उद्घोषणा करता है : / 'आज – संसार के लिए उद्धार , / क्योंकि मसीह सर्वशक्तमिान के रूप में पुनर्जीवति हुए हैं '।

गीत 5

इरमोस: हम भोर से ही पहरा दें / और अँधेरे के बदले प्रभु को एक गीत अर्पति करें , / और मसीह को नहिारें – धार्मकिता का सूर्य , / जो सभी को जीवन का प्रकाश प्रदान करता है।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे मसीह, तेरी असीम दया को देखकर , / नरक की बेड़यिों में बँधे हुए / आनंदति कदमों से प्रकाश की ओर दौड़े , / शाश्वत फसह की स्तुति करते हुए।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

आओ हम हाथों में दीपक लेकर मसीह के समीप चलें , / जो कब्र से एक वधू -वर की तरह प्रकट हुए हैं , / और आओ हम एक साथ उत्सव मनाएँ / आनंदति स्वर्गदूतों के साथ / परमेश्वर के उद्धारक पर्व का।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवत्रि माता, हमारा उद्धार करो।

हे परमेश्वर की अति पवत्रि माता, / आपके पुत्र के पुनरुत्थान की दव्यि / और जीवन-दायक करिणों से प्रकाशति , / भक्तों की सभा आनंद से भर गई है।

कोरस: हे परमेश्वर की अति पवत्रि माता, हमें बचाओ।

तूने अवतार के समय कुँवारीपन के द्वार नहीं खोले , / न ही तूने कब्र की मुहरें तोड़ी , हे सृष्टि के राजा, / और इसलिए, तुझे पुनरुत्थति देखकर , / माता ने हर्षति हुई।

मध्य -सेवा। इरमोस: हे प्रभु , हमारे ईश्वर , हमें शांति प्रदान करें :

तूने अपने प्रेरतिों को चमत्कारों से सुसज्जति कयिा, / अपने शष्यिों को अद्भुत कृत्यों से गौरवान्वति कयिा, / उन्हें संसार भर में महमिामय बनाया, हे हमारे उद्धारकर्ता , / और उन्हें अपना राज्य प्रदान कयिा।

शष्यिों ने चमत्कारों और शक्षिाओं के द्वारा / पृथ्वी के छोर-छोर को प्रकाशति कयिा, / और वभिन्नि प्रकार से प्रचार कयिा, हे मसीह उद्धारकर्ता , / तेरे राज्य का वचन।

हम तेरे राज्य की स्तुति करते हैं / और तुझे गीत अर्पति करते हैं , / जो हमारे लिए पृथ्वी पर प्रकट हुए , / और संसार को प्रकाशति कयिा, / और आदम को अपने पास बुलाया।

थयिोटोकोस: हे ईश्वर की माता, तुम्हारा गर्भ , / स्वर्गीय भोजन वहने वाली एक पवत्रि मेज़ बन गया है , / और जो कोई भी उसे ग्रहण करता है वह नहीं मरेगा , / जैसा कि सभी का पोषक, उसने कहा है।

समरयिाई स्त्री को। इरमोस: हे प्रभु , तेरी आज्ञाओं का प्रकाश / मुझ पर चमके , / क्योंकि भोर से ही मेरी आत्मा तुझी के लिए तरसती है / और तेरे वषिय में गीत गाती है : क्योंकि तू ही हमारा परमेश्वर है , / और हे जगत के राजा, मैं तेरे शरण आया हूँ !

प्रभात में तेरी पवत्रि कब्र पर पहुँचकर , / मुर्रा -वाहक एक तेजस्वी युवक को देखा / और तेरे दव्यि पुनरुत्थान का संदेश सुनकर चकति हो गए, हे मसीह।

मृत्यु पराजित हुई , नरक पर विजय प्राप्त हुई , / जो बेड़ियों में बंधे थे वे मुक्त हो गए / मसीह के पुनरुत्थान के द्वारा ; / आइए हम आनंद से जश्न मनाएँ और तालियाँ बजाएँ।

हे प्रेरितो , आनन्दित हो / और हे स्वर्गदूतो , जयजयकार करो! / हे पृथ्वी पर जन्मे सभी, आनन्दित हो: / प्रभु जी उठे हैं , क्षय दूर हो गया है , / दुख समाप्त हो गया है , और आदम आनन्दित है।

हे प्रभु , जीवन के स्रोत , / आपने एक बार क्षमा और ज्ञान का जल प्रदान किया / उस स्त्री को – / सामरी स्त्री ने जो इसके लिए माँगा था। / इसलिए हम गाते हैं / आपकी अनुपम दया के बारे में।

त्रिमूर्ति को महिमा: तीन व्यक्तियों में एकता, एकसार त्रिमूर्ति : / पिता, वचन और पवित्र आत्मा , / हम एक ही ईश्वर का सम्मान करते हैं , जो स्वभाव में अविभाज्य हैं – / सृष्टिकर्ता , प्रभु और सभी के शासक।

और अब, हे परमेश्वर की माता: हम आपको एक अतिक्रमण -अयोग्य द्वार कहते हैं , / और एक अकृषि भूमि , / और मन्ना धारण करने वाली एक नौका, / और उसे धारण करने वाला पात्र , और एक दीपक, / और अदेह कोयले का एक धूपदान , / हे पवित्र एक।

कातावासिया: हम भोर से पहरा देंगे / और, भोर के स्थान पर, प्रभु को एक स्तोत्र अर्पित करेंगे , / और देखो मसीह – धार्मिकता का सूर्य , / जो सभी को जीवन की किरणें बिखेरता है।

गीत 6

इरमोस: हे मसीह, तू पृथ्वी के सबसे गहरे भागों में उतर गया / और उन शाश्वत बोल्टों को तोड़ दिया / जिन्होंने कैदियों को बेड़ियों में जकड़ा था, / और तीसरे दिन, जैसे व्हेल से , हे योना, / तू कब्र से उठ खड़ा हुआ।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे मसीह, मुहरें अछूती छोड़कर , / आप कब्र से उठे , / आपने अपने जन्म के समय कुँवारी के गर्भ को अछूता रखा, / और हमारे लिए स्वर्ग के द्वार खोल दिए।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे मेरे उद्धारकर्ता , / जीवित और निर्दोष बलिदान! / स्वयं को, ईश्वर के रूप में , / स्वेच्छा से पिता को अर्पित करते हुए , / आप अपने साथ / हमारे पूर्वज आदम को भी जीवित कर उठे , / कब्र से उठकर।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करें।

जो अनादि काल से मृत्यु और क्षय का बन्दी था, / उसे उसने अक्षय और अनन्त जीवन में पुनर्जीवित किया है , / जिसने तेरी अति पवित्र गर्भ से अवतार लिया, / हे ईश्वर की कुंवारी माता।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करें।

वह पृथ्वी के सबसे निचले हिस्सों में उतरा / हे पवित्र एक, आपकी गहराइयों में ; वही जिसने उतरकर / वहाँ वास किया, और सभी समझ से परे देहधारी हुआ ; / और कब्र से जी उठने के बाद, उसने आदम को भी अपने साथ उठा लिया।

मध्य -सेवा। इरमोस: समुद्र के जल के समान:

सारी दुनिया के सिरों की सावधानी से रक्षा करते हुए , / हे यीशु , आप पवित्रस्थान में आरोहण हुए , / और उत्सव के बीच में भीड़ को सत्य का वचन सिखाया, / जैसा कि यूहन्ना घोषणा करता है।

हे उद्धारकर्ता , आपने पिता का कार्य पूरा किया, / अपने कर्मों से अपने वचनों की पुष्टि की, / चंगाई और चमत्कार किए: / लकवाग्रस्तों को उठाया, कोढ़ियों को शुद्ध किया / और मृतकों को जीवित किया।

अनादि पुत्र ने एक आरंभ पाया, / हमारे स्वभाव को धारण कर, वह मनुष्य बना, / और पर्व के मध्य में उसने उपदेश दिया, यह घोषणा करते हुए : / 'सदैव बहने वाले झरने पर आओ, / ताकि तुम जीवन की धारा ले सको!'

ईश्वर की माता को: हे कुँवारी , हम तुम्हें तुम्हारे प्रसव के बाद गाते हैं , / हे कुँवारी और माता, हम तुम्हें महिमामय करते हैं , – / तुम , एकमात्र , शुद्ध / ईश्वर की वधू , कुँवारी , / क्योंकि तुमसे ईश्वर सच्चे रूप में अवतरित हुए , / हमें नवीनीकृत करते हुए।

समरी की स्त्री को। इरमोस: जल पर कोई तूफ़ान मुझ पर हावी न हो / और गहराई मुझे न निगल ले : / क्योंकि मैं गहराइयों में फेंका गया हूँ , / अपने दुष्ट कर्मों के सागर के मध्य में। / इसलिए मैं योना की तरह पुकारता हूँ : / 'हे ईश्वर , मेरा जीवन विनाश से उठे !'

क्रूस पर अधर्मीयों ने आपको, हे यीशु , कीलें ठोकीं , / और हे मसीह, आपको भाले से भेदा ; / और कुलीन यूसुफ ने आपको एक नए कब्र में दफनाया: / महिमा से उसमें से पुनरुत्थित होकर, / हे उद्धारकर्ता , आपने सारी सृष्टि को जिलाया है , / जो आपकी सामर्थ्य का गान करती है।

हे प्रभु , आपने शक्ति से नरक के द्वार और फाटक चूर कर दिए, / और परमेश्वर के रूप में पुनरुत्थित हुए , / और स्त्रियों से मिलकर उनसे पुकार कर कहा: 'हर्षित हो जाओ!' / और उन्हें शिष्यों के पास यह घोषणा करने भेज दिया: / 'जीवित एक उठ आए हैं और हमें दिखाई दिए हैं , / वही जो संसार के छोरों को प्रकाशित करते हैं !'

'हे स्त्रियों , तुम क्यों रोती हो, क्यों उठा रही हो, / एक नश्वर के लिए जैसे धूप ? मसीह जी उठे हैं ', / 'कफ़न को खाली छोड़कर !' / – चमकीले प्रकाश में प्रकट हुए युवक ने पुकारा – / 'जाओ, उनके चेलों से पुनरुत्थान की खबर दो!'

हे प्रभु , जीवन की प्रचुर धारा, / और दया की गहराई, हे सद्गुणवान ! / जैसे -जैसे आप यात्रा करते हैं , आप शपथ के कुएँ के पास बैठते हैं / और सामरी स्त्री को पुकारते हैं : 'मुझे पीने के लिए पानी दो, / ताकि तुम्हें क्षमा की धाराएँ प्राप्त हों !'

त्रिमूर्ति की महिमा: मैं अदेह शक्तियों के साथ विश्वास से गाता हूँ , / आदिहीन पिता की, और सिंहासन साझा करने वाले पुत्र की, / और एकसार-तत्त्व की आत्मा की—एक सत्ता , / एक स्वभाव , एक महिमा, और एक राज्य / एकमात्र ईश्वर और सृष्टिकर्ता , सभी का धारणकर्ता।

और अब, हे ईश्वर की माता: जो अकेले ही प्रसव करने वाली कुंवारी हैं / और अपने गर्भ को अक्षुण्ण रखती हैं , / हम निस्संदेह तेरा गुणगान करते हैं , हे पवित्र एक, प्रभु के सिंहासन के रूप में , / और द्वार , और पर्वत , और अदेह दीपक के रूप में , / ईश्वर का सबसे तेजस्वी महल और महिमा का निवास, / और नौका, और मानना का पात्र और मेज।

कातावासिया: तू पृथ्वी के सबसे गहरे भागों में उतर आया / और उन शाश्वत बोल्टों को तोड़ दिया / जो कैदियों को बेड़ियों में जकड़े हुए थे , हे मसीह, / और तीसरे दिन, जैसे व्हेल से , हे योना, / तू कब्र से उठ खड़ा हुआ।

कॉन्टाकियन , स्वर 8

समरियाई स्त्री , जो विश्वास से कुएँ पर आई थी, / ने आपको, ज्ञान के जल को, देखा। / उससे प्रचुर रूप से तृप्त होकर, / उसने हे महिमामय, सदा के लिए स्वर्गीय राज्य का उत्तराधिकार पाया।

इकोस: हमें पवित्र रहस्यों के बारे में सुनने दो, / जैसा कि यूहन्ना हमें सिखाता है , / जो सामरिया में हुए : / कि कैसे उसने उस स्त्री से बातचीत की, उससे पानी माँगा , / प्रभु , जिसने उनके पात्रों में पानी एकत्र किया, / जो पिता और आत्मा के साथ सह-आसीन है : / क्योंकि वह अपनी ही प्रतिमा की खोज में आया, / एक ऐसे के रूप में जो सदा के लिए महिमामय है।

मेनायोन और ट्रायोडियन का सिनाक्सारियन।

भजन 7

इरमोस: जिसने युवकों को भट्टी से बचाया, / मनुष्य बनकर, / एक नश्वर के रूप में पीड़ा सहता है , / और अपनी पीड़ा के द्वारा / नश्वरता को अमरत्व की सुंदरता से सुसज्जित करता है , / वही धन्य / पितरों का परमेश्वर और अति महिमामय है।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

ईश्वर -ज्ञ महिलाएँ / सुगंधित मसालों के साथ तेज़ी से आपके पीछे चलीं। / परन्तु जिसे वे एक मनुष्य के रूप में आँसुओं से खोज रही थीं , / उन्होंने उसे आनन्दपूर्वक जीवित ईश्वर के रूप में पूजा , / और हे मसीह, आपके शिष्यों को रहस्यमय पास्खा का प्रचार किया।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हम मृत्यु की पराजय का उत्सव मनाते हैं , / नरक के विनाश का, / एक नए – शाश्वत – जीवन की शुरुआत का, / और आनंद से हम उस एक की स्तुति करते हैं जिसने यह सब संभव किया / – हमारे पूर्वजों के धन्य / परमेश्वर और सर्वोच्च महिमामय।

पुनरुक्ति : मसीह मृतकों में से जी उठे हैं।

सत्य में पवित्र / और हर उत्सव के योग्य / है यह रात, उद्धार देने वाली और तेजस्वी , / पुनरुत्थान के प्रकाश -पूर्ण दिन की अग्रदूत , / जिसमें शाश्वत प्रकाश / कब्र से देह में सभी के लिए प्रकट हुआ।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

आज मृत्यु को मृत्यु पर विजय देकर , हे सर्व -पवित्र , आपके पुत्र ने सभी नश्वर प्राणियों को वह जीवन प्रदान किया है जो अनंतकाल तक बना रहे , वह धन्य , पूर्वजों के परमेश्वर और अति महिमामय।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमें बचाओ।

सारी सृष्टि पर राज करते हुए , / मनुष्य बनकर, / हे ईश्वर -धन्य , तेरी कोख में निवास किया, / और सूली पर चढ़ने तथा मृत्यु को सहन करने के बाद, / ईश्वर के योग्य , पुनरुत्थित हुए , / हमें भी अपने साथ सर्वशक्तिमान के रूप में उठाया।

सेवा के मध्य में। इरमोस: काल्दीय भट्टी :

हे सर्व का विश्राम , आप देह में थके हुए थे ; / हे चमत्कारों के स्रोत , आपने स्वेच्छा से प्यास सहन की; / हे यीशु , जिन्होंने जीवित जल की घोषणा की, आपने पानी माँगा !

हे प्रभु , आपने सामरी स्त्री से बात की, / और विधर्मियों यहूदियों की मूर्खता को उजागर किया: / क्योंकि उसने परमेश्वर के पुत्र के रूप में आप पर विश्वास किया, / जबकि उन्होंने आपको अस्वीकार कर दिया।

हम जो रोटी—प्रभु के शरीर—में सहभागी होते हैं , / और प्रभु के पार्श्व से रक्त ग्रहण करते हैं / आत्मा द्वारा नवीनीकृत जीवन जिएंगे , / अनुग्रह से जीवंत।

थियोटोकोस: तेरी कोख में तूने धारण किया / अकथनीय वचन को, / तेरे स्तनों से तूने पोषित किया संसार के पोषक को, / अपनी बाहों में तूने उठाया सर्व के स्रष्टा को, / हे परमेश्वर की पवित्र माता।

समरीया की स्त्री के लिए। इरमोस: हे हमारे पूर्वजों के परमेश्वर , प्रभु , जो सदा के लिए महिमामय हैं , अपने नाम के लिए हमें अंत तक न छोड़ें , न अपनी वाचा तोड़ें , न हमसे अपनी दया हटाएँ !

हे दयालु मसीह, / आपने अपनी दैवीय पीड़ा के दौरान स्वेच्छा से अधर्मीयों में गिने जाने को स्वीकार किया; / और यह देखकर पृथ्वी काँप उठी, / और हे अगम्य , आपके सर्वशक्तिमान इशारे से चट्टानें चूर -चूर हो गईं , / और जो अनादि काल से मृत थे , वे पुनः जीवित हो उठे।

अपने प्राणों के साथ नरक की सबसे गहरी गहराइयों में उतरकर, आपने साहसपूर्वक उन सभी बंदियों को बाहर निकाला, जिन्हें मृत्यु , उस क्रूर यातनादाता ने , आदिकाल से बंदी बनाकर रखा था, और उन्होंने आपसे , हे मसीह परमेश्वर , पुकारा : 'आपकी भव्य व्यवस्था को महिमा हो!'

'तुम जीवित को मरे हुओं में क्यों ढूंढती हो? / वह उठ गया है , जैसा उसने कहा था; / देखो , जैसा तुम देखती हो, कफ़न खाली हैं , और कब्र खाली है ,' / – मूर्रा -वाहकों के सामने प्रकट हुए युवक ने पुकारा – / 'जल्दी लौट जाओ और प्रेरितों से कहो!'

'हे जीवन के जल, तू मुझे पिला,' सामरी स्त्री ने मसीह से पुकारा , '/ हे वचन, मुझे पिला, क्योंकि मैं सदा प्यासी हूँ / तेरी दिव्य कृपा के लिए, / ताकि मैं , हे प्रभु यीशु , / अज्ञानता की तपिश से नष्ट न हो जाऊँ , / परन्तु तेरी महिमा का प्रचार करूँ !'

महिमा, हे त्रिमूर्ति : हम पिता और पुत्र का गायन करते हैं / और दिव्य आत्मा का, / त्रिमूर्ति , स्वभाव से अविभाज्य , / फिर भी व्यक्तियों में भिन्न , / एक स्वभाव , एकसार, बिना आरंभ के , / सभी का सृष्टिकर्ता और ईश्वर , / जिसकी सभी स्वर्गीय सेनाएँ स्तुति करती हैं।

और अब, ईश्वर की माता को: उस जन्म के पश्चात् जो हमें विस्मित कर देता है , हे पवित्र ईश्वर माता, आप एक पवित्र कुँवारी बनी रहीं ; अतः स्वर्गदूतों की सारी सेनाएँ और मानवजाति की सभी पीढ़ियाँ , हे अकल्पनीय के पवित्र पात्र , आपकी स्तुति अनवरत स्वरों से गाती हैं।

कातावासिया: जिसने युवकों को भट्टी से बचाया, / मानव बनकर, / एक नश्वर के रूप में पीड़ा सहता है , / और अपनी पीड़ा के द्वारा / नश्वरता को अमरत्व की सुंदरता से सुसज्जित करता है , / वही धन्य / पितरों का परमेश्वर और अति महिमामय।

भजन ८

इरमोस: यह प्रतीक्षित और पवित्र दिन, / सब्बाथ के बाद का पहला, राजसी और सर्वोच्च , / उत्सवों का उत्सव / और जश्न का जश्न है। / इस दिन हम हमेशा के लिए मसीह का धन्यवाद करते हैं !

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

आओ, हम नई दाखलता का फल चखें , / दिव्य आनंद का, / पुनरुत्थान के इस महिमामय दिन पर, / और मसीह के राज्य में सहभागी बनें , / उसकी सदा-सदा परमेश्वर के रूप में स्तुति करते हुए।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

ज़ियोन , अपनी आँखें उठा, / और चारों ओर देख : / क्योंकि देखो , तेरे बच्चे तेरे पास इकट्ठा हुए हैं , / दैवीय रूप से चमकते सितारों की तरह, / पश्चिम से , और उत्तर से , / और समुद्र से , और पूर्व से , / मसीह को सदा और सदा के लिए तुझ में धन्य कहते हुए।

पुनरावर्तन : परम पवित्र त्रिमूर्ति , हमारे ईश्वर , महिमा तुझे हो।

त्रिमूर्ति : सर्वशक्तिमान पिता, वचन और आत्मा , / एक सत्ता तीन व्यक्तियों में , / परम उच्च और परम दिव्य ! / आप में हम बपतिस्मा लेते हैं / और हम आपको सदा-सदा धन्यवाद देते हैं।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमें बचाओ।

सृष्टिकर्ता तेरे द्वारा संसार में आए, हे कुँवारी माता ईश्वर की, और नरक के बंधन तोड़कर , हमें मनुष्यों को पुनरुत्थान प्रदान किया। अतः हम सदा-सर्वदा उनकी स्तुति करते हैं।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमें बचाओ।

मृत्यु की सारी शक्ति को परास्त करके , हे कुँवारी , तुम्हारे पुत्र ने , महाबली ईश्वर के रूप में , अपने पुनरुत्थान के द्वारा हमें भी अपने साथ उठाया और हमें जीवन दिया है। अतः हम सदा और सदा उसकी स्तुति करते हैं।

मध्य -सेवा। इरमोस: स्वर्गदूतों और स्वर्गों ! / महिमा के सिंहासन पर:

आओ, हे लोगों , देखो , / महिमा के सिंहासन पर विराजमान को, / फिर भी अधर्मी लोगों द्वारा बदनाम किए गए को; / और, उसे देखकर , मसीहा के गुण गाओ, / जिसकी भविष्यवाणी भविष्यवक्ताओं की लिखितों में की गई थी।

आप ही सच्चे मसीह हैं , / जो इस संसार में आए, / जिनसे मुक्ति आती है / और हमारे पूर्वजों के पापों की क्षमा ; / आप ही सच्चा जीवन हैं उन लोगों के लिए जो आप पर विश्वास करते हैं।

ईश्वर की बुद्धि पवित्रस्थान में / पर्व के बीच प्रकट हुई और सिखाया, जैसा लिखा है ; / क्योंकि वास्तव में वही मसीहा थे , / मसीह, जिनमें उद्धार है।

थियोटोकोस: हमें बताइए, आपने उसको कैसे जन्म दिया / जो युगों से पहले पिता से प्रकाशित हुए / और पवित्र आत्मा के साथ महिमामय हैं ? / फिर भी यह केवल उसी को ज्ञात है – / जिसने हे ईश्वर की माता, आपसे जन्म लेने की कृपा की।

समरी की स्त्री से। इरमोस: हे प्रभु , तूने अपनी बुद्धि से सभी वस्तुएँ सृजित कीं , / और तूने पृथ्वी को भी स्थापित किया, जैसा तू स्वयं जानता है , / उसे उसकी नींव के रूप में जल पर स्थापित करते हुए ; / इसलिए हम सभी गीत में पुकारते हैं : / 'प्रभु का अनवरत रूप से धन्यवाद करो, / हे प्रभु के सभी कार्यो !'

हे स्वर्ग के राजा, आप, एकमात्र अमर, ने अपनी इच्छा से मृत्यु को सहन किया, / नरक पर विजय प्राप्त की, उसके पीतल के द्वारों को चूर -चूर कर दिया, / और उन बंदियों को मुक्त किया जो वहां आदिकाल से रहे थे , / जो अनवरत गाते हैं / आपकी दया की महिमा का।

हे दीर्घ -सहिष्णु , आप अपनी इच्छा से क्रूस पर उठाए गए, / और चट्टानें फट गईं , और सूर्य अँधकारमय हो गया, / और मंदिर का पर्दा फाड़ दिया गया, / और पृथ्वी काँप उठी, और नरक—जो उपहास का पात्र था—काँप उठा, / और उसने अपने सभी बंदियों को मुक्त कर दिया।

हे प्रभु , तू अंधकार में बैठे लोगों के सामने प्रकट हुआ , / तू वह प्रकाश है जो कभी अस्त नहीं होता और सभी का जीवन है। / अतः , जब धर्मी लोगों के समूह ने तुझे , हे वचन, देखा , / तो वे आनंदित हुए और पुकार उठे : / 'तू सभी को उनके बंधनों से मुक्त करने आया है , / हम तेरी महिमा का गान करते हैं !'

हे उद्धारकर्ता , आप छठे घण्टे कुएँ पर बैठे , / और आपने सामरी स्त्री को अपनी महान दया से जीवित जल / और ज्ञान की धाराएँ प्रदान कीं। / उसके साथ, हम सभी गीत में उद्घोष करते हैं : / 'प्रभु का अनवरत स्तुति करो, / हे प्रभु के सभी प्राणियों , प्रभु का!'

आओ हम पिता, और पुत्र , और पवित्र आत्मा , प्रभु का धन्यवाद करें।

हम अनारंभक पिता का, / अनारंभक पुत्र का, और पवित्र आत्मा का, / तीनों का एक ईश्वर के रूप में गायन करते हैं , / अविभक्त , अविभाज्य , सर्व के सृष्टिकर्ता , / शक्ति और सार्वभौम सामर्थ्य में समान, और हम उद्घोषणा करते हैं : / 'प्रभु का अनवरत रूप से धन्यवाद करो, / हे प्रभु के सभी प्राणियों , प्रभु का!'

और अब, हे ईश्वर की माता: यशायाह जलते हुए कोयले से शुद्ध होता है , जो अदेह कोयले का पूर्वसंकेत है , जो हे अकल्पनीय कुँवारी , तुमसे अवतरित हुआ है , जो मनुष्यों के सभी भौतिक पापों को भस्म कर देता है और अपनी दया से , हे सर्व -पवित्र , हमारी प्रकृति को दिव्य बनाता है।

हम प्रभु की स्तुति , आशीर्वाद और उपासना करते हैं , उनकी महिमा गाते हुए और उन्हें सदा-सर्वदा ऊँचा उठाते हुए।

कातावासिया: यह प्रतीक्षित और पवित्र दिन, / सप्तक के बाद का पहला, राजसी और सर्वोच्च , / उत्सवों का महा-उत्सव / और जश्न का उत्सव है। / इस दिन हम मसीह का युगानुयुग आशीर्वाद करते हैं !

हम 9वीं ओड पर 'उच्चतम सम्मान ' नहीं गाते।

ओद 9

इरमोस: चमक, चमक, हे नए यरूशलेम , / क्योंकि प्रभु की महिमा तेरे ऊपर उदय हुई है ! / अब आनन्द मनाओ और प्रसन्न हो, हे सियोन! / और हे परमेश्वर की पवित्र माता, आनन्द मनाओ / उस के पुनरुत्थान पर जिसे तुमने जन्म दिया।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे दिव्य , हे प्रिय , / हे आपके शब्दों में सबसे मधुर ! / क्योंकि आपने व्यर्थ में वादा नहीं किया था / हे मसीह, युग के अंत तक हमारे साथ रहने का! / हमारे आशा के लंगर के रूप में उसी से चिपककर, / हम, विश्वासियों , आनंदित हैं !

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे महान और परम पवित्र पास्का , हे मसीह! / हे ज्ञान , और परमेश्वर के वचन, और शक्ति ! / अनुग्रह करें कि हम आपके राज्य के सदा-प्रकाशमान दिन में / आपसे अधिक पूर्ण रूप से एक हो सकें।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करें।

हम, विश्वासी , एक स्वर में / हे कुँवारी , तुम्हारा गौरवगान करते हैं : / 'हे प्रभु के द्वार , आनन्दित हो; / हे जीवित नगर, आनन्दित हो; / आनन्दित हो, क्योंकि तुम्हारे द्वारा / इस दिन हम पर चमकी है / तुम्हारे द्वारा जन्म लेने वाले की / मृतकों में से जी उठने की ज्योति।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

हे दिव्य प्रकाश के द्वार , आनन्दित और हर्षित हो! / क्योंकि यीशु , कब्र में प्रवेश करके , / सूर्य से भी अधिक तेजस्वी होकर उठे / और सभी विश्वासियों को प्रकाशित किया, / हे प्रभु में आनन्दित होने वाली, हे माता!

सेवा के मध्य में। इरमोस: कुँवारीपन माताओं के लिए अपरिचित है :

यहूदी पर्व के बीच, / हे मेरे उद्धारकर्ता , आप अपने पवित्र स्थल में प्रवेश कर सबको उपदेश दिया; / जबकि यहूदी चकित होकर कहने लगे , / 'वह कभी पढ़ाए नहीं गए, फिर भी शास्त्र कैसे जानते हैं ?'

हे मेरे उद्धारकर्ता , अनुग्रहपूर्ण चंगाइयाँ प्रदान करते हुए , आपने चमत्कार और अद्भुत कार्य किए, दुर्बलताओं को भगाया और दुर्बल लोगों को चंगा किया; परन्तु यहूदी आपके चमत्कारों की बहुतायत से क्रोधित हो गए।

मांसिक यहूदी , जो शास्त्रों को केवल देह के अनुसार समझता है , अक्षर पर ठोकर खाता है और एक बार फिर सत्य की आत्मा का विरोध करता है ; परन्तु हम, उसकी रीति को अस्वीकार कर, आत्मा के इच्छानुसार तर्क करते हैं।

थियोटोकोस: हे कुँवारी माता, तुमने अपने गर्भ में त्रिमूर्ति में से एक—जीवन दाता मसीह को धारण किया, जिसकी सारी सृष्टि स्तुति करती है और जिसके सामने स्वर्गीय सिंहासन काँपते हैं। हे सर्व -धन्य , हमारे आत्माओं के उद्धार के लिए उनसे प्रार्थना करो।

समरीटनी स्त्री के लिए। इरमोस: उसने अपने हाथ से महान कार्य किए हैं , / क्योंकि उसने शासकों को उनके सिंहासनों से उतार दिया / और दीन लोगों को ऊँचा उठाया, इस्राएल का ईश्वर , / जब उगता हुआ सूर्य ऊपर से हम पर आया, / और हमें शांति के मार्ग पर ले गया।

देखो , हमने मसीह को देखा , जो सभी का जीवन है , / स्वेच्छा से क्रूस पर लटके हुए ; / और यह देखकर , पृथ्वी काँप उठी / और कई प्रसिद्ध संतों के शरीर जो सो गए थे , पुनर्जीवित हो उठे , / और नरक का अंधाकारमय कुंड काँप उठा।

हे मसीह, तू महिमा में कब्र से इस प्रकार निकला, जैसे वर विवाह कक्ष से निकलता है , तूने मृत्यु के राज्य को नष्ट कर दिया, और दिव्य शक्ति से नरक के द्वार तोड़ डाले , और अपनी पुनरुत्थान की अदेह ज्योति से संसार को प्रकाशित किया।

आओ अब हम आध्यात्मिक नृत्यों में शामिल हों / और पुकार कर कहें : 'प्रभु जी उठे हैं ! / पृथ्वी आनंद मनाए, स्वर्ग हर्षित हों , / बादल हम पर धार्मिकता की वर्षा करें , / क्योंकि हम आनंदपूर्वक उत्सव मनाते हैं और मसीह की स्तुति गाते हैं।

प्रभु , जो जीवितों के जीवन और सभी अच्छी चीजों का स्रोत हैं , / अपनी शिक्षाओं के जल से प्रचुर मात्रा में छिड़कते हुए , / उस स्त्री से पुकार लगाते हैं : 'मुझे पिलाओ, / ताकि मैं तुम्हें ऐसा जल दूँ / जो तुम्हारे पापों के स्रोतों को सूखा दे !'

त्रिमूर्ति की महिमा हो: प्रकाश , एक और अविभाज्य , / त्रैक्य , / पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा , जिनका आरंभ नहीं – / एक ईश्वरत्व , जीवन का स्रोत और सभी का सृष्टा। / हे विश्वासियों , आओ हम उन्हें गाएं , अदेहियों के साथ, / त्रि-पवित्र भजनों से पवित्र स्तुति अर्पित करते हुए।

और अब, ईश्वर की माता को: हे पवित्र एक, प्रकाश का वासस्थान बनकर, / मेरी आत्मा की आँखों को प्रबुद्ध करो, / जो शत्रु की अनेक चालाकियों से अँधी हो गई हैं , / और यह अनुग्रह करो कि मैं शुद्ध हृदय से स्पष्ट रूप से देखूँ / वह प्रकाश जो आप से प्रकट हुआ है , जो सर्व बुद्धि से परे है।

कातावासिया: चमको, चमको, हे नए यरूशलेम , / क्योंकि प्रभु का तेज तुम पर उदय हुआ है ! / अब आनंदित हो और हर्षित हो, हे सियोन! / और तुम , हे परमेश्वर की पवित्र माता, आनंदित हो / उस के पुनरुत्थान में जिसे तुमने जन्म दिया।

फिर: 'पवित्र है प्रभु हमारा परमेश्वर :' **तीन बार।**

ईस्टर एक्सापोस्टलिरयिन

एक नश्वर के रूप में देह में सुलाए जाकर, / हे राजा और प्रभु , / आप तीसरे दनि पुनरुत्थति हुए , / आदम को क्षय से उठाते हुए / और मृत्यु को समाप्त करते हुए। / अक्षय का पर्व , / संसार का उद्धार !

समरयिाई स्त्री के लिए **महमिा:** हे सर्वशक्तमिान उद्धारकर्ता , तू समरयिा पहुँचा , / और उस स्त्री से बात करते हुए , तूने पीने के लिए पानी माँगा , / तूने जो यहूदयिों के लिए चट्टानी पहाड़ से पानी नकिाला था। / तूने उसे अपने प्रति वशि्वास की ओर आकर्षति कयिा, / और अब वह स्वर्ग में / अनंत जीवन का आनंद लेती है।

और अब, पर्व के मध्य में **:** पर्व के मध्य में / हे मानव जाति के प्रेमी , आप पवत्रिस्थान में आए और उद्घोषणा की: / 'जो कोई प्यासा है , वह मेरे पास आए / और वह जीवति जल ले जाए जो फूटता है : / इसके द्वारा आप सभी आनंद और अनुग्रह पाएँगे , / और अमर जीवन!'

'स्तुति :' पर स्तखिरा , स्वर 8
रवविार का स्टचिरा , स्वर 4

हे सर्वशक्तमिान प्रभु , जनि्होंने क्रूस और मृत्यु को सहा / और मरे हुओं में से जी उठे ! / हम तेरे पुनरुत्थान की महमिा करते हैं।

हे मसीह, तेरे क्रूस द्वारा , / तूने हमें प्राचीन श्राप से मुक्ति दी है ; / और तेरी मृत्यु द्वारा / तूने उस शैतान को भगा दयिा, जो हमारी प्रकृति को पीड़ति करता था, / और तेरे पुनरुत्थान द्वारा तूने सभी चीज़ों को आनंद से भर दयिा है। / इसलिए हम तुझसे पुकारते हैं : / 'हे प्रभु , मृतकों में से जी उठे , तुझे महमिा!'

हे उद्धारकर्ता मसीह, तेरे क्रूस के द्वारा , हमें अपनी सच्चाई की ओर मार्गदर्शन कर और शत्रु के फंदों से बचा। हे जो मृतकों में से जी उठे ! हमें उठा, जो पाप में गरि हैं , हे प्रभु , मानवता के प्रेमी , अपने संतों की प्रार्थनाओं के द्वारा , हम पर अपना हाथ बढ़ा।

हे परमेश्वर के एकमात्र पुत्र , अपने पति की गोद को छोड़े बनि, / आप मानवजाति के प्रति प्रेम से पृथ्वी पर आए, / और वास्तव में मनुष्य बने ; / और देह में क्रूस तथा मृत्यु को सहन कयिा, / यद्यपि अपनी दव्यिता में दुख से अप्रभावति रहे ; / और मृतकों में से जी उठकर, / आपने मानव जाति को अमरत्व प्रदान कयिा, / एकमात्र सर्वशक्तमिान के रूप में।

अन्य स्टचिरा , पूर्वी

हे उद्धारकर्ता , तूने देह में मृत्यु को स्वीकार कयिा, हमें अमरत्व प्रदान करते हुए ; और तू कब्र में प्रवेश कयिा, हमें नरक से मुक्ति दलिाने के लिए, हमें अपने साथ उठाते हुए , एक मनुष्य के रूप में दुख सहकर, फरि भी परमेश्वर के रूप में जी उठे। इसलिए हम पुकारते हैं : 'महमिा तुझको हो, हे जीवन-दाता प्रभु , मानव जाति के एकमात्र प्रेमी !'

हे उद्धारकर्ता , चट्टानें फट गईं , / जब गोगुथा पर आपका क्रूस उठाया गया; / नरक के द्वारपाल काँप उठे , / जब आपको एक नश्वर के रूप में कब्र में रखा गया; / और सचमुच आपने , मृत्यु की शक्ति को समाप्त कर, / हे उद्धारकर्ता , अपने पुनरुत्थान द्वारा सभी मृतकों को अमरत्व प्रदान कयिा है। / हे प्रभु , जीवन दाता, महमिा तुझे हो!

अन्य स्टचिरा , सामरी स्त्री के लिए, स्वर 3

स्टचि : सत्य , नम्रता और धार्मकिता के लिए दृढ़ हो जाओ, फल-फूलो और राज्य करो।

भजन संहति 44:5क

आज स्वर्ग और पृथ्वी आनंद मनाएँ , / क्योंकि मसीह मनुष्य के रूप में देह में प्रकट हुए , / आदम और उसकी सारी संतति को श्राप से मुक्ति दिलाने के लिए। / और सामरिया में आकर, वे अपने चमत्कारों द्वारा अद्भुत रूप से महिमामय हुए ; / और वे उस स्त्री के पास आए, उससे पानी माँगते हुए , / वे जिन्होंने बादलों को पानी से भर दिया। / अतः , हम सभी विश्वासी उसकी आराधना करें / जिसने अपनी दयालु इच्छा के अनुसार / हमारे लिए स्वेच्छा से स्वयं को खाली कर दिया।

स्वर 6

पद: तूने धार्मिकता से प्रेम किया और दुष्टता से घृणा की। भजन संहिता 44:8क

प्रभु सामरी स्त्री से इस प्रकार कहते हैं : 'यदि तुम परमेश्वर का वरदान जानतीं , / और यह भी जानतीं कि वह कौन है जो तुमसे कहता है , "मुझे पीने के लिए पानी दो", / तो तुम उससे माँगतीं , / और वह तुम्हें ऐसा पानी देता जो पीकर तुम फिर कभी प्यासी न होतीं ,' प्रभु कहते हैं !

महिमा, स्वर 6: जीवन-दायक झरना, / हमारे उद्धारकर्ता यीशु , / कुलपिता याकूब के कुएँ पर आकर, / सामरी स्त्री से पानी के लिए एक घूंट मांगा। / जब उसने यहूदियों के प्रति अपनी शत्रुता का उल्लेख किया, / तो बुद्धिमान सृष्टिकर्ता ने उसे मीठे शब्दों से उस सर्वोत्तम की ओर आकर्षित किया – / शाश्वत रूप से बहने वाले जल के लिए एक निवेदन की ओर; / और, उसे प्राप्त करने के बाद, उसने सभी को यह कहते हुए इसकी घोषणा की: / 'आओ, उसको देखो जो गुप्त बातें जानता है / – ईश्वर , जो मानव जाति के उद्धार के लिए देह में आए!'

और अब, स्वर 2: धन्यतम हो तुम , हे ईश्वर की कुंवारी माता:

महान स्तुति -गीत और समापन।

महिमा, और अब:
सुसमाचार मैटनिस स्टिचेरा , स्वर 7

यहाँ —अँधेरा और भोर का समय। / और तुम कब्र के पास क्यों खड़ी हो, मरियम, / अपने मन में इतनी गहरी उदासी लिए? / इसलिए तुम खोजती हो जहाँ यीशु को रखा गया था; / पर देखो शिष्यों को एक साथ दौड़ते हुए , / कैसे , कफ़न और वस्त्रों के बीच से , / उन्हें पुनरुत्थान का विश्वास हुआ / और उन्होंने इसके विषय में धर्मग्रंथों को याद किया। / उनके साथ, उनके द्वारा विश्वास में आकर, / हम तुम्हें गाते हैं – हे मसीह, जीवन दाता।

और अंतिम विदाई।

लिटिजी में

धन्य हैं वे , स्वर 4

वृक्ष के कारण आदम / स्वर्ग से निकाला गया, / परन्तु क्रूस के वृक्ष के द्वारा / चोर स्वर्ग में प्रवेश कर गया; / पहला, फल का स्वाद चखकर, सृष्टिकर्ता की आज्ञा को अस्वीकार कर गया; / परन्तु दूसरा , तुझ संग सूली पर चढ़ाया गया, / उसने गुप्त प्रभु को ईश्वर के रूप में स्वीकार किया, पुकार कर कहा: / 'अपने राज्य में मुझको याद करना!'

सलीब पर चढ़ाया गया, फिर भी तीसरे दिन कब्र से सर्वशक्तिमान के रूप में पुनरुत्थित हुआ , और एकमात्र अमर ने प्रथम आदम को मृतकों में से जिलाया! / और हे प्रभु , मुझे पश्चाताप की ओर फेरकर , / यह अनुग्रह करें कि मैं पूरे हृदय और दृढ़ विश्वास के साथ / निरन्तर आपको पुकारूँ : / 'हे उद्धारकर्ता , मुझे अपने राज्य में याद कीजिए!'

सचमुच मसीह जी उठे हैं , / और कब्र इस बात की गवाही देती है , हे अधर्म करने वालों ; / क्योंकि उन्होंने , अपनी कब्र के लबिास को उतारकर, तीसरे दनि जी उठे। / कब्र के मुँह पर पत्थर रख दयिा गया था और पहरा दयिा गया था; / नरक लूट लयिा गया, मृत्यु पर वजिय प्राप्त हुई , / (मसीह को चुराया नहीं गया;) / तो फरि, हमारे साथ उनके पुनरुत्थान पर वशि्वास करो!

उसके लिए जो मरे हुओं में से जी उठे , / और नरक की शक्ति को ध्वस्त कर दयिा, / और मुर्रा -धारण करने वाली स्त्रयिों के पास प्रकट हुए , और उनसे कहा, 'आनन्दति हो', / आइए हम वशि्वासयिों , अपने प्राणों की वनिाश से मुक्ति के लिए प्रार्थना करें , / नरिन्तर उस धर्मात्मा चोर की आवाज़ से उसकी ओर पुकारते हुए : / 'हमें भी अपने राज्य में याद करना!'

और सामरी स्त्री के लिए कैनन से , ओड 3, और पर्व से , ओड 6।

रविवार का ट्रॉपारयिन , स्वर 4

स्वर्गदूत से पुनरुत्थान की हर्षदायक सुसमाचार जानकर, / और हमारे प्रथम माता-पति के दण्ड से मुक्त होकर, / प्रभु के शष्यिों ने प्रेरतिों को हर्षति होकर प्रचार कयि: / 'मृत्यु गरि पड़ी है , मसीह ईश्वर जी उठे हैं , / संसार पर महान दया प्रदान करते हुए !'

और मध्य -उत्सव पर, स्वर 8

उत्सव के मध्य में / जीवन के जल से मेरी आत्मा की धार्मकिता की प्यास बुझाओ , / क्योंकि सभी को, हे उद्धारकर्ता , आपने पुकारा है : / 'जो कोई प्यासा है , वह मेरे पास आए और पयि। ' / हे मसीह परमेश्वर , (हमारे) जीवन के फव्वारे , महमिा आपको हो!

महमिा, सामरी स्त्री के लिए कोंटाकयिन , स्वर 8

समरयिाई स्त्री , जो वशि्वास से कुएँ पर आई थी, / ने तुझे , ज्ञान के जल को, देखा। / उससे प्रचुर रूप से तृप्त होकर, / उसने , हे महमिामय, परमधाम के राज्य को सदा के लिए प्राप्त कयि।

और अब, मध्य -उत्सव पर, स्वर 4

कानूनी पर्व के बीच / हे सर्वसृष्टि के स्रष्टा और प्रभु , / आपने उपस्थति लोगों को, हे मसीह ईश्वर , घोषति कयि: / 'आओ और अमरत्व का जल लो!' / अतः हम आपके समक्ष प्रणाम करते हैं और वशि्वास से पुकारते हैं : / 'हमें अपनी दया प्रदान करें , / क्योंकि आप हमारे जीवन का स्रोत हैं !'

प्रोकेइमेनन , स्वर 3

हमारे परमेश्वर के लिए गीत गाओ, गीत गाओ, / हमारे राजा के लिए गीत गाओ, गीत गाओ।

श्लोक : हे सभी राष्ट्रों , तालयिाँ बजाओ; आनन्द के स्वर से परमेश्वर के लिए जयजयकार करो। भजन संहति 46:7, 2

पवत्रि प्रेरतिों के काम, अध्याय 28

उन दनिों , स्तेफन की शहादत के बाद हुए उत्पीड़न से भटक गए चेले , फनिसियिा, साइप्रस और अंतीयक तक गए, और यहूदयिों के सवि कसिी और को वचन का प्रचार नहीं कयि। अब उनमें से कुछ साइप्रयिन और कुछ क्रेते के थे ; और जब वे अंतीयकयिा आए, तो उन्होंने यूनानयिों से बात की और प्रभु यीशु की घोषणा की। और प्रभु का हाथ उन पर था, और बहुत से लोग वशि्वास करके प्रभु की ओर मुड़े। यह समाचार यरूशलेम में मंडली तक पहुँचा , और उन्होंने बरनबास को अंतीयकयिा भेजा। जब वह वहाँ पहुँचा और परमेश्वर की कृपा देखकर , वह आनन्दति हुआ और सबको प्रोत्साहति कयि कि वे एक सच्चे हृदय से प्रभु के प्रति नष्ठिावान रहें ; क्योंकि वह एक भला मनुष्य था, जो पवत्रि आत्मा और वशि्वास से भरपूर था।

और प्रभु के पास बहुत से लोग जुड़ गए। तब बरनबास सौलुस को खोजने के लिए तर्सुस गया; और जब उसे पाकर, वह उसे अन्ताकिया ले आया। वे पूरे एक वर्ष तक मंडली में इकट्ठा होते रहे और बहुत से लोगों को सिखाते रहे, और एंटिओक में ही शिष्यों को पहली बार 'ईसाई' कहा जाने लगा। फिर शिष्यों ने यह निर्णय लिया कि वे अपनी-अपनी सामर्थ्य के अनुसार यहूदिया में रहने वाले भाइयों की सहायता भेजें, और उन्होंने ऐसा ही किया; उन्होंने जो कुछ इकट्ठा किया था, उसे बरनबास और सऊल के द्वारा बुजुर्गों के पास भेज दिया।

प्रेरितों के काम 11:19–26; 29–30

अल्लेलूया, स्वर 4

पद: मज़बूत हो, समृद्धि प्राप्त करो और सत्य, नम्रता और धार्मिकता के लिए राज्य करो। **पद:** तुमने धार्मिकता से प्रेम किया और दुष्टता से घृणा की। भजन संहिता 44:5ख, 8क

यूहन्ना के अनुसार सुसमाचार, अध्याय 12

उन दिनों में, यीशु सामरिया के एक नगर में आए, जिसे सिखार कहते हैं, जो उस खेत के पास था जो याकूब ने अपने पुत्र यूसुफ को दिया था। वहाँ याकूब का कुआँ था। यीशु, अपनी यात्रा से थके हुए, कुएँ के पास बैठ गए। यह लगभग छठे घंटे का समय था। समरिया की एक स्त्री पानी भरने आई। यीशु ने उससे कहा, 'मुझे पीने के लिए पानी दो।' क्योंकि उसके चेले ने भोजन खरीदने के लिए नगर में चले गए थे। सामरी स्त्री ने उससे कहा, 'तू यहूदी होकर मुझसे, एक सामरी स्त्री से, पीने के लिए कैसे कहता है?' क्योंकि यहूदी सामरियों के साथ मेलजोल नहीं करते। यीशु ने उससे कहा, 'यदि तू परमेश्वर की देन और यह जानती कि तुझसे कौन कह रहा है, "मुझे पीने के लिए दे," तो तू स्वयं उससे माँगती, और वह तुझे जीवा-जल देता।' उस स्त्री ने उससे कहा, 'प्रभु, आपके पास पानी भरने का कोई पात्र नहीं है, और कुआँ गहरा है; तो आप यह जीवा-जल कहाँ से लाते हैं? क्या तू हमारे पिता याकूब से बड़ा है, जिसने हमें यह कुआं दिया और स्वयं इससे पिया, और उसके पुत्रों ने और उसके पशुओं ने भी?' यीशु ने उससे कहा, 'जो कोई इस पानी को पीता है वह फिर प्यासा होगा, परन्तु जो कोई उस पानी को पीता है जो मैं उसे दूँगा वह फिर कभी प्यासा न होगा; परन्तु जो पानी मैं उसे दूँगा, वह उसमें एक झरना बन जाएगा जो अनन्त जीवन के लिए बहेगा।' उस स्त्री ने उससे कहा, 'प्रभु, मुझे यह पानी दे दीजिए, ताकि मुझे प्यास न लगे और मुझे यहाँ पानी भरने के लिए न आना पड़े।' यीशु ने उससे कहा, 'जाकर अपने पति को बुला ला, और यहाँ वापस आ।' उस स्त्री ने उत्तर दिया, 'मेरा कोई पति नहीं है।' यीशु ने उससे कहा, 'तू यह कहकर सच कहती है कि मेरा कोई पति नहीं है; क्योंकि तेरे पाँच पति हो चुके हैं, और जिस पुरुष के साथ तू अब है वह तेरा पति नहीं है; तूने जो कहा वह सच है।' उस स्त्री ने उससे कहा, 'हे प्रभु, मैं देखती हूँ कि आप एक भविष्यद्वक्ता हैं। हमारे पूर्वज इस पहाड़ पर आराधना करते थे, परन्तु आप कहते हैं कि जहाँ लोगों को आराधना करनी चाहिए, वह यरूशलेम में है।' यीशु ने उससे कहा, 'मेरी बात मानो, वह समय आ रहा है, और अब भी है, जब सच्चे आराधक पिता की आराधना आत्मा में और सच्चाई में करेंगे। तुम नहीं जानते कि तुम किसकी उपासना कर रहे हो, परन्तु हम जानते हैं कि हम किसकी उपासना कर रहे हैं, क्योंकि उद्धार यहूदियों से है। परन्तु एक समय आ रहा है —और अब भी है —जब सच्चे उपासक पिता की आत्मा और सत्य में उपासना करेंगे, क्योंकि पिता ऐसे ही उपासकों की खोज में हैं। ईश्वर आत्मा है, और जो उसकी आराधना करते हैं, उन्हें आत्मा और सत्य में आराधना करनी चाहिए। उस स्त्री ने उससे कहा, 'मैं जानती हूँ कि मसीहा आ रहे हैं —अर्थात् मसीह; जब वे आएँगे, तो वे हमें सब कुछ समझा देंगे।' यीशु ने उससे कहा, 'मैं ही हूँ जो तुझसे बात कर रहा हूँ।' उसी समय उसके चेलों ने आकर उसे एक स्त्री से बात करते देखकर अचरज किया; फिर भी उनमें से किसी ने यह नहीं पूछा, 'तुम्हें क्या चाहिए?' या, 'तुम उससे क्या बात कर रहे हो?' तब उस स्त्री ने

अपना पानी का घड़ा छोड़ दिया और नगर में जाकर लोगों से कहने लगी, 'आओ और एक ऐसे मनुष्य को देखो जिसने मुझसे मेरी सब बातें बताईं जो मैंने की हैं ; क्या यह मसीह हो सकता है ?' वे नगर से निकलकर उसके पास आए। इस बीच, चेले उस से आग्रह करने लगे , 'रब्बी , खा।' परन्तु उसने उनसे कहा, 'मेरे पास खाने के लिए ऐसा भोजन है जो तुम नहीं जानते। ' तब चेलों ने एक दूसरे से कहा, 'क्या किसी ने उसे खाने के लिए कुछ ला दिया है ?' यीशु ने उनसे कहा, 'मेरा भोजन यह है कि मैं उस की इच्छा करूंगा जिसने मुझे भेजा है और उसका काम पूरा करूंगा। क्या तुम यह नहीं कहते , "फसल तक अभी चार महीने बाकी हैं "? परन्तु मैं तुम से कहता हूँ : अपनी आँखें उठाओ और खेतों को देखो , कि वे कैसे सफेद हो कर कटनी के लिए तैयार हैं। कटनी करने वाला अपना मेहनत का फल पाता है और अनन्त जीवन के लिए फल इकट्ठा करता है , ताकि बोने वाला भी और कटनी करने वाला भी एक साथ आनन्द करें ; क्योंकि इस मामले में यह कहावत सच है : एक बोता है और दूसरा कटनी करता है। मैंने तुम्हें उस फसल को काटने के लिए भेजा है जिसके लिए तुमने परिश्रम नहीं किया; दूसरे परिश्रम कर चुके हैं , और तुम उनके परिश्रम का फल काट रहे हो। और उस नगर के बहुत से सामरी उस स्त्री की गवाही के कारण उस पर विश्वास कर गए, कि उसने उससे वह सब कुछ कह दिया था जो उसने किया था। इसलिए जब सामरी उसके पास आए, तो उन्होंने उससे निवेदन किया कि हमारे यहाँ रहो; और वह वहाँ दो दिन रहा। और उसके वचन के कारण और भी बहुत लोग विश्वास करने लगे। उन्होंने उस स्त्री से कहा, 'अब हम तेरे कहने से विश्वास नहीं करते ; क्योंकि हम स्वयं सुन चुके हैं , और जान गए हैं कि वह सचमुच संसार का उद्धारकर्ता , मसीह है। '

यूहन्ना 4:5–42

'उचित है ' के बजाय

देवदूत ने धन्य कन्या को यह घोषणा की: / 'हे पवित्र कन्या , आनन्द मनाओ! / और मैं फिर से कहता हूँ : आनन्द मनाओ! / तुम्हारे पुत्र तीसरे दिन कब्र से जी उठे , / (और मृतकों को जिला उठा।) / हे लोगों , आनन्द मनाओ!'

और इरमोस, स्वर 1: चमक, चमक, हे नए यरूशलेम , / क्योंकि प्रभु की महिमा तुझ पर उदय हुई है ! / अब आनन्दित हो और हर्षित हो, हे सियोन! / और हे परमेश्वर की पवित्र माता, आनन्दित हो / उस के पुनरुत्थान में जिसे तूने जन्म दिया।

कॉम्युनियन

मसीह का शरीर ग्रहण करो, / और अमरत्व के झरने में सहभागी बनो। **दूसरा :** स्वर्ग से प्रभु की स्तुति करो, / ऊँचाइयों में उसकी स्तुति करो। / अल्ल eluia। **(3)**

समावर्ती स्त्रोत्र में सामरी स्त्री के रविवार पर नवें घण्टे के बाद, हम काथिस्मा के बिना वेस्पर्स गाते हैं।

'मैंने प्रभु से पुकारा ' पर: हम मध्य -सेवा के लिए स्तिखिरि गाते हैं , स्वर 8 इसके समान: हे तपस्वियों , आनन्दित हो:

आज के दिन, उद्धारकर्ता के पुनरुत्थान का सर्व -पवित्र मध्याह्न उदय हुआ है , तेजस्वी और आनंदमय , / एक उज्ज्वल मध्याह्न की तरह / जो दिव्य अनुग्रह से संसार को प्रकाशित कर रहा है। मसीह के पुनरुत्थान के चमत्कारों से दमकता हुआ , यह अक्षयत्व

के चिह्नों से प्रकाशमान है और उच्च स्वर्गारोहण को प्रकट करता है , पवित्र आत्मा के अति अनुग्रहपूर्ण आगमन को प्रकट करते हुए – पवित्र पेंटेकोस्ट का सर्वाधिक तेजस्वी पर्व। अतः यह हमारी आत्माओं को शांति और महान दया प्रदान करता है।

दिव्य महिमा की नदी के समान, / अब, उत्सव के मध्य में , / प्रभु , सभी पर दया की धाराएँ प्रदान करते हुए , उद्घोषणा करते हैं : / 'हे तुम सभी जो प्यासे हो, आओ और जल लो!' / क्योंकि , स्वयं करुणा का सोता और दया की गहराई होकर, / वे संसार पर क्षमा बरसाते हैं , / पापों को धोते हैं और दुर्बलताओं से मुक्ति देते हैं , / उनके पुनरुत्थान का उत्सव मनाने वालों को बचाते हैं , / उन पर प्रेम लुटाते हैं जो उनके स्वर्गारोहण को महिमा से सम्मानित करते हैं / और हमारी आत्माओं को शांति / और महान दया प्रदान करते हैं !

पवित्र स्थल के मध्य में खड़े होकर / असीम ईश्वर और प्रभु , / – क्योंकि वह स्वभाव से ईश्वर थे , / यद्यपि , हमारे लिए देहधारी होकर, / वह देह में सीमित प्रतीत हुए , / – उन्होंने सभी के लिए जीवन-दायक वचन बहाए, सभी को यह घोषणा करते हुए : / 'अपने आत्मा को शुद्ध करो और अपनी वासनाओं की उष्णता को शांत करो; / हे लोगों , कोई भी इस पेय से वंचित न रहे ! / क्योंकि मैं प्रदान करता हूँ दिव्य अनुग्रह / अमर, सर्वोत्तम और (सर्वोच्च) राज्य का: / प्रत्येक व्यक्ति मुझ , सृष्टिकर्ता का, भागी बने / और महिमामय हो!'

और मेनायोन से तीन स्टचिरा। महिमा: संत के लिए एक स्टचिरा। यदि कोई नहीं है ,

महिमा, और अब, इस पर्व के दिन, स्वर 8: पर्व के बीच में , / हे प्रभु , तेरे कष्ट और पवित्र पुनरुत्थान से पहले , / तू पवित्रस्थान में शुभ था, / विद्रोही यहूदियों , फरीसियों और शास्त्रियों को शिक्षा देते हुए , / और उनसे पुकार कर कहते हुए : / 'जो कोई प्यासा है , वह मेरे पास आए और पिए!' / जो मुझ पर विश्वास करते हैं , उनके हृदय से , / जीवन के जल की नदियाँ बहेंगी !' / हे तेरे न्याय की अगोचर बुद्धि ! / हे सर्व -परिपूर्ण परमेश्वर , तेरी महिमा हो!

'आनंद का प्रकाश :' और दिन का प्रोकीमेनोन : आज प्रभु का धन्यवाद करो:

स्टचिरा पर, ऑक्टोएकोस से रविवार का स्टचिरा , स्वर 4

हे हमारे प्रभु मसीह, हम आपके जीवन-दायक क्रूस के सामने निरन्तर नमन करते हुए , तीसरे दिन आपके पुनरुत्थान का गौरवगान करते हैं ; क्योंकि इसके द्वारा हे सर्वशक्तिमान , आपने क्षयग्रस्त मानव स्वभाव को नया किया है , और हमें स्वर्ग आरोहण का मार्ग दिखाया है , जो भला और मानवजाति के प्रेमी हैं।

पद: मैं ने स्वर्ग में रहने वाले तेरी ओर अपनी आँखें उठाई हैं :

मैं अपनी आँसुओं से / अपने पापों का लेखा -जोखा धोना चाहता हूँ , हे प्रभु , / और अपने जीवन का शेष भाग / पश्चाताप में तुझें प्रसन्न करते हुए बिताना चाहता हूँ , / पर शत्रु मुझे धोखा देता है / और मेरी आत्मा पर आक्रमण करता है। / हे प्रभु , मेरे पूरी तरह नाश होने से पहले , / मुझे बचा ले !

छंद : हे प्रभु , हम पर दया करो, हम पर दया करो:

हे ख्रीस्त परमेश्वर , तेरे संतों के स्मरण से महिमा! / उनकी मध्यस्थता द्वारा , / हमें अपनी महान दया प्रदान कर।

महिमा, और अब, उत्सव की, स्वर 6: उत्सवों के बीच में / तेरे पुनरुत्थान के , हे मसीह, / और तेरी पवित्र आत्मा के दिव्य अवतरण के , / हम, एकत्रित होकर, तेरे आश्चर्यों के रहस्यों का गान करते हैं ; / हमें इन दिनों में महान दया प्रदान कर!

ट्रिसैगियन के बाद, मध्य -उत्सव का ट्रॉपारियन : उत्सव के मध्य में : **यदि संत के लिए कोई ट्रॉपारियन है , तो हम उसे पहले गाते हैं ;** महिमा, और अब: **मध्य -उत्सव का। फिर दोहरी एकटेनिया और समापन।**

ईस्टर के बाद का पाँचवाँ सप्ताह

वषिय-सूची पर वापस

ईस्टर के बाद छठा सप्ताह ,
अंधा आदमी पर

शनचिर को संक्षप्ति संध्या में

'हे प्रभु , मैं पुकारा हूँ :' पर
रविवार के स्टचिरा चौथे स्वर में , पाँचवें स्वर

हे ख्रीस्त , तेरे पवत्रि क्रूस द्वारा , / तूने शैतान को लज्जति कयिा, / और तेरे पुनरुत्थान द्वारा तूने पाप की काट को कुंद कर दयिा / और हमें मृत्यु के द्वार से बचाया। / हम तेरी महमिा करते हैं , हे एकमात्र पुत्र।

मानव जाति को पुनरुत्थान का दाता / वध के लिए मेमने की भाँति ले जाया गया। / नरक के राजकुमार भय से ग्रस्त हो गए, / और शोक के द्वार खुल गए; / क्योंकि महमिा का राजा—मसीह—प्रवेश कयिा, / बंधनों में पड़े हुए से पुकारता हुआ : 'बाहर आओ', / और अंधकार में पड़े हुए से : 'प्रकाशति हो जाओ'।

एक महान चमत्कार ! अदृश्य सृष्टकिर्ता , मानवजाति के प्रति प्रेम से प्रेरति होकर देह में दुख सहने के बाद, अमर के रूप में पुनर्जीवति हुए। आओ, सभी राष्ट्रों , हम उनकी आराधना करें ; क्योंकि हम, उनकी दया से भ्रांति से मुक्त होकर, त्रमिूर्ति में एक ईश्वर की स्तुति करना सीख गए हैं।

हम आपको संध्या की आराधना अर्पति करते हैं – हे अक्षय प्रकाश , / जो युगों के अंत में देह के द्वारा , एक दर्पण की भाँति , संसार के लिए प्रकट हुए , / और जो नरक में भी उतर गए, / और वहाँ अँधेरा दूर कयिा, / और राष्ट्रों को पुनरुत्थान का प्रकाश प्रकट कयिा। / हे प्रभु , प्रकाश के दाता, आपको महमिा हो!

महमिा, स्वर 5: हे प्रभु , जब आप मार्ग पर चल रहे थे , / आपने जन्म से अंधा एक मनुष्य पाया; / और, आश्चर्य से भरकर, / आपके शष्यिों ने आपसे पूछा , कहते हुए : / 'हे गुरु , कसिने पाप कयिा है : / उसने या उसके माता-पति ने , कि वह अंधा पैदा हुआ ?' / परन्तु आपने , हे मेरे उद्धारकर्ता , उनसे पुकारा : / 'न तो उसने पाप कयिा है और न ही उसके माता-पति ने , / परन्तु यह इसलिए है कि परमेश्वर के काम उसमें प्रकट हों। / मुझे उस की करनी करनी चाहिए जसिने मुझे भेजा है , / जब तक दनि है , काम करने दो। रात आती है जब कोई काम नहीं कर सकता।' / और यह कहकर, आपने जमीन पर थूक दयिा, / और लार से कीचड़ बना लयिा, / और उसकी आँखों पर लेप लगाकर उससे कहा: / 'जा, सलिोम के कुंड में स्नान कर।' / और जब उसने स्नान कयिा, तो वह चंगा हो गया और तेरी ओर पुकार कर बोला: / 'हे प्रभु , मैं वश्विास करता हूँ !' – और उसने तेरी आराधना की। / इसलयि हम भी पुकारते हैं : 'हम पर दया कर!'

और अब, हे मतवादी, वही स्वर : आइए हम परमेश्वर -प्रसन्न और पवत्रि कुँवारी का सम्मान करें , / करूबों के सर्वोच्च सम्मान के साथ: / क्योंकि सभी वस्तुओं के स्रष्टा , मनुष्य बनने की इच्छा से , / उसके भीतर एक अगोचर रीति से नविास कए। / हे अभूतपूर्व कार्यों और अद्भुत रहस्यों ! / यह सुनकर कौन आश्चर्यचकति नहीं होगा, / कि ईश्वर मनुष्य बने , / फरि भी उनमें कोई परविर्तन नहीं हुआ ? / और वे कुँवारीपन के द्वार से गुज़रे , / फरि भी उस पर कोई क्षति नहीं हुई , / जैसा कि भविष्यवक्ता कहते हैं : / 'कोई भी मनुष्य कभी उनसे होकर नहीं गुज़रेगा , / सविाय यहोवा, इस्राएल के परमेश्वर के , / जो महान दया से परपिूर्ण हैं !'

'आनंद का प्रकाश :' और प्रोकेइमेन 'प्रभु ने राज्य कयिा है :'

स्टचिरा पर, रविवार का स्टचिरा , स्वर 5

हम तुझे महमिा देते हैं , हे देहधारी उद्धारकर्ता मसीह, / और स्वर्ग को न छोड़कर , / अपने भजनों के स्वरों से ; / क्योंकि तूने हमारे लिए क्रूस और मृत्यु को स्वीकार किया, / एक मानवता-प्रेमी ईश्वर के रूप में ; / नरक के द्वारों को नष्ट कर, तू तीसरे दिन पुनरुत्थित हुआ , / हमारे प्राणों को बचाते हुए।

और ईश्वर की माता को, उसी स्वर में ,
इस प्रकार है : 'हे तपस्वियों , आनन्दित हो:'

पद: वे पीढ़ी -दर-पीढ़ी / तेरे नाम को याद करेंगे। भजन संहिता 44:18A

हे भविष्यवक्ताओं की मुहर , आनन्दित हो, / हे ईश्वर -धारण करने वाले प्रेरितों के उपदेश : / क्योंकि आपने परमेश्वर को जन्म दिया, जो वास्तव में विद्यमान हैं , / जो मन और वचन की पहुँच से परे अवतार धारण हुए। / उससे हमारी प्राचीन कुलीनता को पुनः प्राप्त करके / और स्वर्गीय आनंद में हर्षित होकर, / हम आपको, ऐसे वैभव के दाता के रूप में , / भजनों से सम्मानित करते हैं ; / और हम धन-संपदा के स्वामी हैं – आपके द्वारा , हे सर्व -पवित्र , / हमारे कृपालु मध्यस्थ , / जो आपके पुत्र से अनंत जीवन का निवेदन करते हैं , / जो उदारतापूर्वक महान दया प्रदान करते हैं।

छंद : हे पुत्री , सुनो और देखो , / और अपना कान लगाओ। भजन संहिता 44:11A

हे बुद्धिमान स्वर्ग , आनन्दित हो, / जिसमें ईश्वर , अवतार लेकर , निवास किया; / दिव्य मन्ना का पात्र , / सूर्य का दीपक, ईश्वर का छायादार पर्वत , / वह महल जिसने ईश्वर को ग्रहण किया, / जीवन-दायक मेज़ , / स्वर्ण दीवदानी, प्रकाश -धारण करने वाला स्वर्ग , / वह काँटों का झाड़ जो नष्ट नहीं होता, पवित्रस्थान की पेटी , / स्वर्गीय सीढ़ी , जीवित बादल / – हे कुँवारी , जिन्होंने येशै की जड़ से अंकुर को जन्म दिया! / मसीह से प्रार्थना करें / कि वह हमारे आत्माओं पर महान दया करें।

पद: लोगो में धनी / तेरे मुख का दर्शन माँगेंगे। भजन संहिता 44:13ख

हे परमेश्वर के पुत्र की माता, आनन्दित हो, / हे सर्व -पवित्र , जिन्होंने उन्हें अकथनीय तरीके से गर्भ में धारण किया, / और जिन्होंने उन्हें जन्म दिया, / जिन्होंने वास्तव में आपके रक्त से हमारे समान देह धारण किया, / फिर भी एक तर्कशील और स्वतंत्र आत्मा के स्वामी थे : / क्योंकि , आदम की प्रकृति को पूर्ण रूप से ग्रहण करके , / उन्होंने मानव जाति को पुनर्निर्माण करके बचाया। / इसलिए, दो स्वभावों में , मसीह की घोषणा हमसे की जाती है , / जो स्वयं में दोनों के कार्य प्रकट करते हैं। / हम जो तेरा भजन करते हैं , उनसे प्रार्थना करते हैं / कि वे हमें अपनी महान दया प्रदान करें।

महमिा, स्वर 8: हे अदेह धार्मिकता के सूर्य , मसीह हमारे ईश्वर , / जिन्होंने प्रकाश से वंचित माता के गर्भ को, / अपने परम शुद्ध स्पर्श से दो प्रकारों से प्रकाशित किया! / और हमारी आत्माओं की आँखें प्रबुद्ध करके , / हमें दिन के पुत्र बना दो, / ताकि हम विश्वास के साथ तुम्हें पुकार सकें : / 'हमारे प्रति तुम्हारी दया महान और अकथनीय है ; / हे मानव जाति के प्रेमी , तुम्हें महमिा हो!'

और अब, हे परमेश्वर की माता, स्वर 5: मंदिर और द्वार , राजा का महल और सिंहासन , – / आप, हे अति सम्मानित कुँवारी ; / आपके द्वारा , मेरे उद्धारकर्ता , प्रभु मसीह, / अंधकार में सो रहे लोगों के पास, धार्मिकता के सूर्य के समान प्रकट हुए , / जिन्हें उन्होंने बनाया था, उन्हें प्रकाशित करने की इच्छा से / अपने ही हाथ से अपनी ही प्रतिमा में। / अतः , सर्व -महमिामयी, / परमेश्वर के समक्ष एक माता की निडरता प्राप्त करके , / हमारे आत्माओं के उद्धार के लिए / अनवरत मध्यस्थता करो।

रविवार का ट्रॉपारियन , स्वर 5

वचन, जो पिता और आत्मा के समान अनारंभ है , / हमारे उद्धार के लिए कुँवारी से जन्म लिया, / हे विश्वासियों , आओ गाएँ और उसकी आराधना करें , / क्योंकि उसे प्रसन्न हुआ देह धारण करना, क्रूस पर चढ़ना , / मृत्यु सहना, और अपनी महमिामय पुनरुत्थान द्वारा मृतकों को जीवित करना।

द्वगिुण एक्टेनयिा और समापन।

ईस्टर के छठे सप्ताह

शनिवार को महा संध्या में

'हे प्रभु, मैं ने पुकारा' पर, दसवाँ स्वर का स्टिचेरा। और हम तीन रविवार के स्टिचेरा, चार पूर्वी स्टिचेरा और अंधे मनुष्य के विषय में दो स्टिचेरा गाते हैं, पहला दोहराते हुए।

ईस्टर स्टिचेरा, स्वर 5

हे ख्रीस्त, अपनी पवित्र क्रूस द्वारा, / तूने शैतान को लज्जित किया है, / और अपने पुनरुत्थान द्वारा तूने पाप के डंक को कुंद कर दिया है / और हमें मृत्यु के द्वार से बचाया है। / हम तुझे महिमामय करते हैं, एकमात्र पुत्र।

मानव जाति को पुनरुत्थान देने वाले को / वध के लिए मेमने की भाँति ले जाया गया। / नरक के राजकुमार भय से ग्रस्त हो गए, / और शोक के द्वार खुल गए; / क्योंकि महिमा के राजा—मसीह—प्रवेश हुए, / बंधनों में पड़े हुए से पुकारते हुए : 'बाहर आओ', / और अंधकार में पड़े हुए से : 'प्रकाशित हो जाओ'।

एक महान चमत्कार ! अदृश्य के स्रष्टा, मानवजाति के प्रति प्रेम से मांस में पीड़ा सहने के बाद, अमर के रूप में पुनरुत्थित हुए। आओ, सभी राष्ट्रों, हम उनकी आराधना करें; क्योंकि हम, उनकी दया से भूल से मुक्त होकर, त्रिमूर्ति में एक ईश्वर की स्तुति करना सीख गए हैं।

पूर्वी स्टिचेरा

हम संध्या का भजन / तुझे अर्पित करते हैं —अक्षय ज्योति, / जो युगों के अंत में देह में, एक दर्पण की भाँति, संसार के लिए प्रकट हुआ, / और जो नरक में भी उतर गया, / और वहाँ अँधेरा दूर किया, / और राष्ट्रों को पुनरुत्थान का प्रकाश प्रकट किया। / हे प्रभु, प्रकाश के दाता, तेरी महिमा हो!

आओ हम मसीह की महिमा करें, जो हमारे उद्धार के कर्ता हैं; / क्योंकि मृतकों में से उनके पुनरुत्थान के द्वारा / संसार भ्रांति से बचा है; / स्वर्गदूतों का दल आनंदित है, / दुष्टात्माओं की छल भागती है, / पतित आदम उठ खड़ा हुआ है, / और शैतान शक्तिहीन हो गया है।

इस प्रकार अधर्मी लोगों ने रक्षकों को आज्ञा दी: 'मसीह के पुनरुत्थान के तथ्य को छिपाओ: पैसे लो और कहो कि, जब हम सो रहे थे, तो मृतक को कब्र से चुरा लिया गया'। / किसने कभी देखा या सुना है कि किसी मृतक को चुरा लिया गया हो, / वह भी जिसे मूर के तेल से अभिषिक्त किया गया हो और नग्न हो, / जिसने कब्र में / अपने दफ़न के वस्त्र भी छोड़ दिए? / हे यहूदियों, धोखा न खाओ; / भविष्यवक्ताओं के वचनों को समझो और जानो / कि वही सचमुच संसार का उद्धारकर्ता और सर्वशक्तिमान है।

हे प्रभु, जिन्होंने नरक को पराजित किया / और मृत्यु पर विजय प्राप्त की, हमारे उद्धारकर्ता, / जिन्होंने अपने पवित्र क्रूस से संसार को प्रकाशित किया! / हम पर दया करें।

अंधे आदमी के बारे में उसी स्वर में अन्य स्टिचेरा, स्वर 2

जो जन्म से अंधा था / उसने अपने मन में ऐसा सोचा: / 'क्या मैं अपने माता-पिता के पापों के कारण बिना आँखों के पैदा हुआ? / क्या मैं जातियों के अविश्वास के लिए एक फटकार के रूप में नहीं जन्मा? / मैं अब यह नहीं पूछ सकता: रात कब है, दिन कब है? / मेरे पैर अब पत्थरों पर नहीं ठोकर खाते: / क्योंकि मैंने न तो चमकते सूरज को देखा है, / और न ही मानव रूप में अपने स्रष्टा को। / परन्तु मैं तुझ से विनती करता हूँ, हे मसीह हमारे परमेश्वर, / मुझ पर दृष्टि कर और मुझ पर दया कर!' (2)

जब यीशु मन्दिर के पास से गुजर रहे थे, / तो उन्हें एक आदमी मिला जो जन्म से अंधा था; / और, दया से प्रेरित होकर, उन्होंने उसकी आँखों पर मिट्टी का लेप लगाया / और उससे कहा,

'जा, शलिोआम में स्नान कर।' / और जब उसने स्नान कयिा, तो उसे अपनी दृष्टि वापस मलि गई, और उसने परमेश्वर की महमिा की। तब उसके पड़ोसयिों ने उससे पूछा : / 'तुझमें कौन से नेत्रों ने दृष्टि खोली, / जन्हिें कोई देखने वाला भी ठीक नहीं कर सकता था?' / उसने पुकार कर कहा: / 'यीशु नामक मनुष्य ने मुझसे कहा: / "शलिोम में स्नान कर," और मुझे दृष्टि प्राप्त हुई। / वही सच्चे अर्थ में वह हैं / जनिके वषिय में मूसा ने व्यवस्था में मसीहा के रूप में कहा था; / वही हमारे आत्माओं के उद्धारकर्ता हैं !'

महमिा, स्वर 5: हे प्रभु , जब आप मार्ग से होकर जा रहे थे , / आपने जन्म से अंधा एक मनुष्य पाया; / और, आश्चर्य से भरकर, / आपके शष्यिों ने आपसे पूछा , कहते हुए : / 'हे गुरु , कसिने पाप कयिा: / उसने या उसके माता-पतिा ने , कि वह अंधा ही उत्पन्न हुआ ?' / परन्तु आपने , हे मेरे उद्धारकर्ता , उनसे पुकारा : / 'न तो उसने पाप कयिा है और न ही उसके माता-पतिा ने , / परन्तु यह इसलयि है कि परमेश्वर के काम उसमें प्रकट हों। / मुझे उस की करनी करनी चाहयि जसिने मुझे भेजा है , / जो कोई और नहीं कर सकता।' / और यह कहकर, आपने जमीन पर थूक दयिा, / और लार से एक लेप बनाया, / और उसकी आँखों पर लेप लगाते हुए उससे कहा: / 'जा, सलिोआम के तालाब में स्नान कर।' / और जब उसने स्नान कयिा, तो वह चंगा हो गया और तेरी ओर पुकार कर बोला: / 'हे प्रभु , मैं वश्विास करता हूँ !' – और उसने तेरी आराधना की। / इसलयि हम भी पुकारते हैं : 'हम पर दया कर!'

और अब, हे ईश्वर की माता, वही स्वर सुनाई देता है : लाल सागर में / कन्या की प्रतमिा , जसिने कभी ववािह नहीं कयिा था, / एक बार चत्रिति की गई थी। / वहाँ मूसा थे , जल का वभिाजन; / यहाँ गब्रयिल हैं , चमत्कार के सेवक। / तब इस्राएल ने अपने पैर भीगने बनिा समुद्र की गहराइयों को पार कयिा; / अब कुँवारी ने बनिा बीज के मसीह को जन्म दयिा है। / इस्राएल के पार करने के बाद समुद्र पार करना असंभव रहा; / नष्किलंक , इम्मानुएल की माता, अक्षुण्ण रहीं। / हे परमेश्वर जो हो, – / जो सभी चीजों से पहले थे और मनुष्य के रूप में प्रकट हुए , / हम पर दया करो!

लतिानी पर, चर्च के स्टचिरा

महमिा, स्वर 4: अपने पूरे जीवन को रात मानकर, / अंधा व्यक्ति आपसे पुकार उठा, हे प्रभु : / 'हे दाऊद के पुत्र , हमारे उद्धारकर्ता , मेरी आँखें खोलें , / ताकि मैं भी सभी लोगों के साथ आपकी सामर्थ्य का गीत गा सकूँ !'

और अब, हे परमेश्वर की माता, वही स्वर : हे सर्व -पवत्रि , अपने दासों की वनितयिों को सुनो , / हमारे वरिुद्ध उठने वाली वपित्तयिों को समाप्त करो, / हमें हर दुख से बचाओ, / क्योंकि केवल तुम में ही हमारा एक दृढ़ और नश्चिति सहारा है , / और तुम में ही हमने सुरक्षा पाई है। / हे माता, जब हम तुझसे प्रार्थना करें तो हमें लज्जति न करना! / वश्विास के साथ तुझसे पुकारने वालों की वनिती को पूरा करने में शीघ्रता करना: / 'हे माता, आनन्दति हो, सभी की सहायकिा, / हमारे आत्माओं का आनन्द , आश्रय और उद्धार !'

स्टचिरा पर, रववािर का स्टचिरा , स्वर 5

हम मसीह उद्धारकर्ता की महमिा करते हैं , जो देहधारी हुए , / और जन्हिोंने स्वर्ग को नहीं छोड़ा , / हमारे भजनों की आवाज़ों से ; / क्योंकि आपने हमारे लयि क्रूस और मृत्यु को स्वीकार कयिा, / एक ऐसे ईश्वर के रूप में जो मानवता से प्रेम करते हैं ; / नरक के द्वारों को नष्ट कर, आप तीसरे दनि पुनरुत्थति हुए , / हमारे आत्माओं को बचाते हुए।

और पास्का के स्टचिरा , स्वर 5

स्टचि : परमेश्वर उठे / और उसके शत्रु बखिर जाएँ।

आज हम पर पवित्र पास्का प्रकट हुआ है , – नया, पवित्र पास्का , रहस्यमय पास्का , वह पास्का जो सभी द्वारा सम्मानित है। / ईस्टर – मसीह उद्धारकर्ता ; / ईस्टर , निर्दोष , / ईस्टर , महान, / ईस्टर , विश्वासियों का, / ईस्टर , जिसने हमारे लिए स्वर्ग के द्वार खोल दिए, / ईस्टर , जो सभी विश्वासियों को पवित्र करता है।

पद: **जैसे धुआँ छंट जाता है , / वैसे ही वे छंट जाएँ।**

दृष्टि के बाद आगे बढ़ो , हे शुभ समाचार लाने वाली स्त्रियों , / और सियोन को यह घोषणा करो: / 'हमसे मसीह के पुनरुत्थान के शुभ समाचार का आनन्द ग्रहण करो!' / हे यरूशलेम , आनन्द मनाओ, उल्लास करो और प्रसन्न रहो, / क्योंकि तुमने मसीह राजा को, एक वर की भाँति, / कब्र से निकलते हुए देखा है।

छंद : **पापी परमेश्वर की उपस्थिति से नाश हों , / और धर्मी आनन्दित हों।**

सुगंधित द्रव्य लिए स्त्रियाँ , प्रातकाल , / जीवन-दाता के समाधि पर आईं , / वहाँ उन्होंने पत्थर पर एक स्वर्गदूत को बैठा पाया, / और वह, उनकी ओर मुड़कर , इस प्रकार पुकार उठा: / 'तुम जीवित को मरे हुओं में क्यों ढूँढ़ती हो? / तुम अक्षय को ऐसे क्यों शोक करती हो जैसे वह क्षयशील हो? / लौट जाओ और उनके शिष्यों से कहो!'

पद: **यह वह दिन है जिसे प्रभु ने बनाया है ; / हम इस में आनन्द करें और प्रसन्न रहें !**

हर्षोल्लासपूर्ण ईस्टर , ईस्टर , प्रभु का ईस्टर , अत्यंत पवित्र ईस्टर हम पर उदय हुआ है। ईस्टर ! आओ एक-दूसरे को आनंदपूर्वक गले लगाएँ। हे ईस्टर —दुख से मुक्ति ! क्योंकि इस दिन कब्र से , जैसे वधू -कक्ष से प्रकाशमान , मसीह ने स्त्रियों को इन शब्दों से आनंदित किया: 'जाओ और प्रेरितों को बता दो!'

महिमा, स्वर 8: हे धर्म के अदेह सूर्य , हमारे ईश्वर मसीह, / जिन्होंने प्रकाश की माता के गर्भ को, / अपने परम पवित्र स्पर्श से दो प्रकार से प्रकाशित किया! / और हमारी आत्माओं की आँखें प्रबुद्ध कर, / हमें दिन के पुत्र बना, / ताकि हम विश्वास के साथ तुझसे पुकार सकें : / 'हमारे प्रति तेरा प्रेम महान और अकथनीय है ; / हे मानवता के प्रेमी , तुझे महिमा हो!'

और अब, स्वर 5: पुनरुत्थान का दिन! / और आनन्द से चमक उठें / और एक-दूसरे को गले लगाएँ ; / कहें : 'भाइयो!' / और जो हमसे द्वेष रखते हैं , / - उन्हें भी हम क्षमा कर दें , / पुनरुत्थान के लिए सबको क्षमा करें / और इस प्रकार उद्घोष करें : / 'मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं , / मृत्यु को मृत्यु से जीतकर, / और कब्रों में पड़े लोगों को जीवन प्रदान किया है !'

और फिर: अब आप हमें अनुमति देते हैं :

ईस्टर ट्रोपारियन , स्वर 5

वचन, जो पिता और आत्मा के समान अनारंभ है , / हमारे उद्धार के लिए कुँवारी से जन्म लिया, / हे विश्वासियों , आओ गाएँ और उसकी आराधना करें , / क्योंकि उसे यह उचित लगा कि वह देह धारण करे और क्रूस पर चढ़े , / और मृत्यु सहन करे , और अपने महिमामय पुनरुत्थान से मृतकों को जिला उठाए।

महिमा, और अब, ईश्वर की माता को, उसी स्वर में : आनंदित हो, हे प्रभु के अतल द्वार ! / आनंदित हो, हे उन दीवारों और आश्रय की जो तेरा शरण लेते हैं ! / हर्षित हो, शांत बंदरगाह और अविवाहित कुँवारी , / जिन्होंने अपने सृष्टिकर्ता और ईश्वर को देह में जन्म दिया! / जो गाते हैं और आपसे उत्पन्न हुए का सम्मान करते हैं , उनके लिए मध्यस्थता करना न छोड़ें।

ईस्टर के छठे सप्ताह

प्रभात -प्रार्थना में

छठे भजन के बाद, महा एक्टेनिया और 'हे प्रभु , हे ईश्वर ':

रविवार का ट्रॉपारियन दो बार, स्वर 5

वचन, जो पिता और आत्मा के समान अनारंभ है , / कुँवारी से हमारे उद्धार के लिए जन्म लिया, / हे विश्वासियों , आओ गाएँ और उसकी उपासना करें , / क्योंकि उसे यह उचित लगा कि वह देह धारण करे और क्रूस पर चढ़े , / और मृत्यु सहन करे , और अपने महिमामय पुनरुत्थान से / मृतकों को जिला उठाए।

महिमा, और अब, थियोटोकोस को, उसी स्वर में : हे प्रभु के अतुल द्वार , आनन्दित हो! / हे तुझ में शरण लेने वालों के लिए दीवार और आश्रय , आनन्दित हो! / आनंदित हो, शांत बंदरगाह और अविवाहित कुंवारी , / जिन्होंने अपने सृष्टिकर्ता और ईश्वर को देह में जन्म दिया! / जो गाते हैं और आपसे उत्पन्न हुए का सम्मान करते हैं , उनके लिए मध्यस्थता करना न छोड़ें।

रविवार की सेडलनिया के पहले स्वर के अनुसार , स्वर 5

आओ हम प्रभु के क्रूस की स्तुति करें , / भजनों से उनके पवित्र समाधि-समारोह का सम्मान करें , / और उनके पुनरुत्थान की महिमा करें ; / क्योंकि उन्होंने , परमेश्वर के रूप में , मृतकों को उनके कब्रों से स्वयं के साथ उठाया, / मृत्यु की शक्ति और शैतान की सामर्थ्य को नष्ट किया, / और अधोलोक में रहने वालों पर प्रकाश प्रदान किया।

छंद : उठो, हे प्रभु मेरे परमेश्वर , तेरा हाथ ऊँचा किया जाए, / अपने दीनों को अंत तक न भूल !

भजन संहिता 9:33

हे प्रभु ! तुझे मृत घोषित किया गया, तूने ही मृत्यु को मृत्युंजय किया; / तुझे एक कब्र में रखा गया, तूने ही कब्रों को खाली किया। / पृथ्वी पर, सैनिकों ने तेरी कब्र की रखवाली की, / अधोलोक में तूने प्राचीनकाल से मृतकों को जिलाया। / सर्वशक्तिमान और अगम्य प्रभु , महिमा तुझे हो!

महिमा, और अब, ईश्वर की माता को: आनंदित हो, हे पवित्र पर्वत , जिस पर केवल ईश्वर ने ही पदार्पण किया! / आनंदित हो, हे जीवित और न जलने वाली झाड़ी ! / आनंदित हो, हे संसार का ईश्वर तक जाने का एकमात्र सेतु , / जो मनुष्यों को अनंत जीवन की ओर ले जाता है ! / आनंदित हो, निर्दोष कुँवारी , / जिन्होंने किसी पुरुष को न जानकर, / हमारे आत्माओं के उद्धारकर्ता को जन्म दिया!

सेडेलन के दूसरे मीटर के अनुसार

हे प्रभु ! दोषियों के बीच, / अधर्मी लोगों ने आपको क्रूस पर ठोका / और हे दयालु ! भाले से आपकी पार्श्व को भेद दिया। / आपने नरक के द्वारों को नष्ट कर दफन किया गया, / और तीसरे दिन पुनर्जीवित हुए। / स्त्रियाँ कब्र पर आपको देखने दौड़कर आईं , / पर उन्होंने आपके पुनरुत्थान की घोषणा प्रेरितों को की। / उत्तम उद्धारकर्ता , स्वर्गदूतों द्वारा गाए गए, / धन्य प्रभु , आपको महिमा!

छंद : मैं तुझे धन्यवाद दूँगा हे प्रभु , अपने पूरे हृदय से , / मैं तेरे सब आश्चर्यकर्मों का प्रचार करूँगा।

भजन संहिता 9:2

हे मेरे उद्धारकर्ता , तेरा अद्भुत रहस्य , / संसार का उद्धार बन गया है : / क्योंकि , दिव्य महिमा में कब्र से उठकर, / तूने परमेश्वर के रूप में , अपने साथ नष्ट हो चुके लोगों को भी जिला उठा; / हे प्रभु , सभी का जीवन, महिमा तुझे हो!

महिमा, और अब, ईश्वर की माता को: कन्या वरम् बिना विवाह, हे ईश्वर की माता, / जिन्होंने हव्वा के शोक को आनंद में बदल दिया! / हम विश्वासी , तेरा गुणगान करते हैं और

तेरी आराधना करते हैं ; / क्योंकि तूने हमें प्राचीन श्राप से मुक्त किया है। / और अब, सर्व -महिमामय और सर्व -पवित्र , / हमारे उद्धार के लिए अनवरत प्रार्थना कर।

तब 'निर्दोषों को' ट्रॉपारिया और लघु एक्टेनिया।

इपाकोई, स्वर 5

दिव्य प्रकट होने से मन में चकित / और दिव्य पुनरुत्थान से आत्मा में प्रकाशित होकर, / मूर्ख -वाहिनियों ने प्रेरितों से घोषणा की: / 'राष्ट्रों में प्रभु के पुनरुत्थान की घोषणा करो, / जो चमत्कारों से तुम्हारी सहायता करता है / और हम पर महान दया करता है !'

स्टेपेनी , स्वर 5।

प्रत्युत्तर 1

अपने दुख में , दाऊद के समान, / मैं आपसे गाता हूँ , हे मेरे उद्धारकर्ता : / 'मेरी आत्मा को कपटी जीभ से बचाएँ !'

मरुभूमि के संतों का जीवन धन्य है , / क्योंकि वे दिव्य प्रेम से प्रेरित हैं।

महिमा: पवित्र आत्मा सर्वत्र राज्य करता है , / दृश्यमान और अदृश्य दोनों पर; / क्योंकि वह स्व -अस्तित्वमान है / और वास्तव में त्रिमूर्ति में से एक है।

और अब: हम वही दोहराते हैं।

प्रत्युत्तर 2

हे आत्मा , चलो पर्वतों पर चढ़ें , / चलो वहाँ चलें , / जहाँ से सहायता आती है।

हे मसीह, तेरा दहिना हाथ, / मुझे स्पर्श करके , / मुझे सभी छल से बचाए।

महिमा: पवित्र आत्मा को, जब हम ईश्वर की बात करते हैं , आइए हम उद्घोषणा करें : / 'आप ईश्वर , जीवन, प्रेम , प्रकाश और मन हैं ; / आप सद्भाव हैं ; आप सदा राज्य करते हैं !'

और अब: हम वही दोहराते हैं।

प्रतीधुन 3

जो मुझसे कहते हैं , 'चलो हम प्रभु के आँगनों में चलें ', / मैं , महान आनंद से भरकर, / अपनी प्रार्थनाएँ अर्पित करता हूँ।

दाऊद के घर में एक भयानक घटना घटित हो रही है : / क्योंकि एक आग है जो झुलसाती है / हर भ्रष्ट मन को।

महिमा: पवित्र आत्मा में जीवन-दायी शक्ति है : / उससे ही प्रत्येक जीवित प्राणी को प्राण मिलता है , / जैसे पिता से , और वचन के साथ।

और अब: हम वही दोहराते हैं।

प्रोकेइमेनोन , स्वर 5

हे मेरे प्रभु परमेश्वर , उठो, और अपना हाथ ऊँचा उठाओ, / क्योंकि तुम युगानुयुग राज्य करते हो। **पद:** मैं हे प्रभु , पूरे हृदय से तेरा धन्यवाद करूँगा ; मैं तेरे सब आश्चर्यकर्मों का प्रचार करूँगा।

तुलना करें भजन संहिता 9:33A, 37B, 2

दूसरा प्रोकीमेनन : जो कुछ भी साँस लेता है / वह प्रभु की स्तुति करे। **छंद :** उसके पवित्र लोगों में परमेश्वर की स्तुति करो; उसकी सामर्थ्य के मंडप में उसकी स्तुति करो।

भजन संहिता 150:6, 1

ईस्टर के छठे सप्ताह

आठवां रविवार प्रातः का सुसमाचार ,
यूहन्ना से , आरंभ 64

उस समय मरियम कब्र के पास-पास रोती खड़ी थी। रोते -रोते वह कब्र की ओर झुकी और उसने देखा कि सफेद वस्त्र पहने दो स्वर्गदूत वहाँ बैठे थे , एक सिर की ओर और दूसरा पैरों की ओर जहाँ यीशु का शरीर पड़ा था। उन्होंने उससे कहा, "हे स्त्री , तू क्यों रोती है ?" उसने उनसे कहा, 'उन्होंने मेरे प्रभु को उठा लिया है , और मुझे नहीं पता कि उन्होंने उसे कहाँ रखा है। ' यह कहकर वह मुड़ी और यीशु को वहाँ खड़ा हुआ देखा ; परन्तु उसे यह एहसास नहीं हुआ कि वह यीशु ही हैं। यीशु ने उससे कहा, 'हे स्त्री , तू क्यों रोती है ? तू किसको ढूँढ़ती है ?' वह यह सोचकर कि वह माली है , उससे कहने लगी, 'हे प्रभु , यदि तू उसे ले गया है , तो मुझे बता दे कि तूने उसे कहाँ रखा है , और मैं उसे ले लूँगी। ' यीशु ने उससे कहा, 'मरियम।' वह उसकी ओर मुड़ी और कहने लगी, 'रब्बी !' – जिसका अर्थ है 'हे गुरु !' यीशु ने उससे कहा, 'मुझसे चिपकी मत रहो, क्योंकि मैं अभी तक अपने पिता के पास नहीं गया हूँ ; परन्तु मेरे भाइयों के पास जाओ और उनसे कहो, "मैं अपने पिता और तुम्हारे पिता के पास, अपने परमेश्वर और तुम्हारे परमेश्वर के पास चढ़ जाता हूँ। "' मरियम मग्दलीनी चली गई और चेलों से कहने लगी कि उसने प्रभु को देखा है और प्रभु ने उससे ये बातें कहीं।

यूहन्ना 20:11–18

रविवार का भजन

मसीह के पुनरुत्थान को देखकर , / हम पवित्र प्रभु यीशु की आराधना करें , / जो एकमात्र पापरहित हैं। / हे मसीह, हम तेरे क्रूस की आराधना करते हैं , / और हम तेरे पवित्र पुनरुत्थान का गान और महिमा करते हैं , / क्योंकि तू ही हमारा परमेश्वर है , / हम तुझसे सिवा किसी और को नहीं जानते , / हम तेरे नाम का आह्वान करते हैं। / आओ, हे सभी विश्वासियों , / हम मसीह के पवित्र पुनरुत्थान की आराधना करें , / क्योंकि देखो , क्रूस के द्वारा / संपूर्ण जगत में आनंद आया है। / सदैव प्रभु का धन्यवाद करते हुए , / हम उसके पुनरुत्थान का गीत गाते हैं , / क्योंकि उसने , सूली पर चढ़ाए जाने को सहते हुए , / मृत्यु को मृत्यु से कुचल डाला है। (3)

भजन संहिता 50।

पास्का कैनन , आठवें मोड में इरमोस और थियोटोकी के साथ और छठे मोड में एक अंधा कैनन।

कैनन।
संत जॉन ऑफ़ डेमास्कस द्वारा रचित, स्वर 1।
गीत 1

इरमोस: पुनरुत्थान का दिन! हे लोगों , आनन्द मनाओ! / ईस्टर ! प्रभु का ईस्टर ! / क्योंकि मृत्यु से जीवन में और पृथ्वी से स्वर्ग में / मसीह हमारे ईश्वर ने हमें लाया है , / जब हम विजय का गीत गाते हैं।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे है।

आओ हम अपने इंद्रियों को शुद्ध करें और देखें / मसीह को चमकते हुए / पुनरुत्थान के अगम्य प्रकाश में , / और आओ हम स्पष्ट रूप से उन्हें कहते हुए सुनें , 'खुशी मनाओ!' / जब हम विजय का गीत गाते हैं।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे है।

आकाश उचित रूप से आनंद मनाए, / पृथ्वी हर्षित हो, / संपूर्ण संसार उत्सव मनाए, / दृश्यमान और अदृश्य दोनों : / क्योंकि मसीह जी उठे हैं , जो कभी न खत्म होने वाला आनंद है।

ईस्टर के छठे सप्ताह

थियोटोकोस के भजन,
परम पूजनीय थियोफानेस और जोसेफ द्वारा रचित

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अतिपवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

तूने मृत्यु के बंधन तोड़ दिए, / अपने गर्भ में अनंत जीवन, मसीह, को धारण कर, / जो आज के दिन कब्र से प्रकट हुए , / हे सदा कुंवारी , / और जिन्होंने संसार को प्रकाशित किया।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अतिपवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

अपने पुत्र और ईश्वर को पुनरुत्थित देखकर , प्रेरितों के साथ आनंद मनाओ, हे ईश्वर -धन्य और पवित्र एक! और तुम , हे सर्व -पवित्र ईश्वर -माता, सभी के लिए आनंद का कारण बनकर, 'आनंदित हो' शब्द प्राप्त करने वाली प्रथम थीं।

अंधों के लिए कैनन ,
परम पूजनीय जोसेफ द्वारा रचित, स्वर 5
ओड 1

इरमोस: वह भूमि जिस पर सूर्य कभी नहीं चमका / न कभी अपनी दृष्टि डाली, / वह गहराई जिसे स्वर्ग के निर्विस्तर विस्तार ने कभी नहीं देखा , / इस्राएल उसके पार बिना अपने पैर भीगे हुए निकल गया, हे प्रभु ; / और तू उसे अपने पवित्र स्थान के पर्वत पर चढ़ा ले गया, / जय-गीत गाते और वाद्य बजाते हुए।

हे उद्धारकर्ता , देह में स्वेच्छा से क्रूस को स्वीकार करके , हे प्रभु , आपने संसार पर आशीष और जीवन बहाया, जो सर्व -धन्य और सभी का सृष्टिकर्ता है। इसलिए हम आपको धन्य कहते हैं , गाते और महिमा देते हैं , विजय का गीत गाते और बजाते हुए।

सबसे गहरी खाई में / नेक यूसुफ ने आपको, हे दीर्घ -सहिष्णु मसीह, लटिया, / जो मृतक समान हो गए थे , / और कब्र के द्वार पर एक पत्थर लुढ़का दिया। / परन्तु हे महिमामय, आप फिर जी उठे , और संसार को भी अपने साथ उठा लिया, / जय-गीत गाते और बजाते हुए।

'तुम आँसुओं के साथ धूप क्यों लाईं ?' – सम्मानित स्त्रियों के सामने प्रकट हुए स्वर्गदूत ने पुकारा , – 'मसीह जी उठे हैं। दौड़ो और धर्मनिष्ठ शिष्यों से कहो, जो शोक मना रहे हैं और विलाप कर रहे हैं , कि वे आनंदित हों और हर्ष से उल्लसित हों !'

महिमामय चमत्कार करते हुए , हे उद्धारकर्ता , आपने जन्म से अंधा मनुष्य भी चंगा किया, उसकी आँखों पर मिट्टी का लेप लगाकर कहा: 'जाओ और सिलोम में स्नान करो, ताकि तुम मुझे , परमेश्वर को, पृथ्वी पर चलते हुए जान सको, जो अपने हृदय की करुणा से देहधारी हुआ हूँ। '

महिमा, हे त्रिमूर्ति : तीन व्यक्तियों में एक ईश्वर को सम्मानित करते हुए , हम, विश्वासियों , पिता, और पुत्र , और पवित्र आत्मा की महिमा करें , सृष्टिकर्ता , और प्रभु , और सभी के उद्धारकर्ता की, एक अकल्पित ईश्वर की, अदेहियों के साथ पुकारते हुए : 'पवित्र , पवित्र , पवित्र हैं आप, हे राजा!'

और अब, हे परमेश्वर की माता: तेरी गर्भ में , जिसे विवाह का ज्ञान न था, / प्रभु ने वास किया, हे पवित्र एक, / अपने हृदय की करुणा से , / मानवजाति को बचाने की इच्छा से , / जो शत्रु की चालाकियों के कारण नाश हो गई थी। / प्रार्थना कर, तब, कि वह इस नगर को / सभी बन्धुआवस्था और शत्रुओं के आक्रमण से बचाए।

कातावासिया: उद्धारकर्ता ईश्वर को, / जिन्होंने अपने लोगों को सूखे पैरों से समुद्र पार कराया / और फरौन को उसके सारे दल के साथ डुबो दिया, – / केवल उसी का हम गान करें , / क्योंकि वह महिमामय है।

ईस्टर के छठे सप्ताह

भजन 3

इरमोस: आओ, हम नया पेय पीएं , / वह नहीं जो बाँझ चट्टान से चमत्कारकि रूप से नकिला था, / बल्कि अमरत्व का वह फव्वारा , / जो मसीह के कब्र से नकिला है , / जसिमें हम दृढ़ कएि गए हैं।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

अब सब कुछ प्रकाश से भर गया है , / स्वर्ग , पृथ्वी और पाताल लोक: / सारी सृष्टि मसीह के पुनरुत्थान का उत्सव मनाए, / जसि पर यह स्थापति है।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

कल मैं आपके साथ दफ़नाया गया था, हे मसीह, / – आपके साथ, जो जी उठे हैं , मैं आज उठता हूँ ; / कल मैं आपके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया था: / मुझे अपने साथ महमिामय बनाएं , हे उद्धारकर्ता , / अपने राज्य में !

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमारा उद्धार करें।

शुद्धता के जीवन की ओर / मैं आज बढ़ता हूँ , / उस परमेश्वर की कृपा से जो हे पवत्रि कन्या , आप से जन्मे , / और जन्हिोंने अपनी ज्योति से संसार के छोर-छोर को प्रकाशति कयि।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमें बचाओ।

उस ईश्वर को देखकर , जसि आपने अपने गर्भ में धारण कयि था, हे पवत्रि कन्या , मृतकों में से जी उठे , जैसा कि उन्होंने कहा, आनंदति हो, और एक ईश्वर के रूप में , हे नर्मिल कन्या , उनकी महमिा करो।

अंधा मनुष्य का कैनन। इरमोस: हे प्रभु , मेरा हृदय , / जीवन की लहरों से उछाला हुआ , उसे दृढ़ करो, / उसे एक शांत बंदरगाह तक मार्गदर्शन करते हुए , हे ईश्वर।

हे दीर्घ -सहष्णिु , तूने अपनी पवत्रि सूली पर चढ़ने के द्वारा , जो तूने शरीर में सहन कयि, संपूर्ण पृथ्वी को हलिाकर उन लोगों के हृदयों को स्थरि कयि है जो डगमगाते थे।

हे दयालु , एक नए समाधमिें / कुलीन यूसुफ ने आपको लटिाया; / परन्तु तीसरे दनि आप मरे हुओं में से जी उठे , / और हमें नया कर दयि।

'तुम प्रभु को ऐसे क्यों ढूँढ़ती हो जैसे कि वह मरे हों ? / वे जी उठे हैं , जैसा उन्होंने कहा था,' / – देवदूत ने स्त्रयिों से कहा, / दव्यि मुखमंडल से प्रकाशमान होकर।

जो जन्म से अंधा था, / उसने शरण ली आप में , हे सर्व -दयालु , आपने उसे चंगा कयि, / और उसने आपकी व्यवस्था और आपके चमत्कारों की महमिा करनी आरंभ की।

त्रमिूर्ति की महमिा: हम बनिा आरंभ के परमेश्वर पति, / पुत्र और दव्यि आत्मा की आराधना करते हैं , / तीन व्यक्तयिों में पूर्णतः अकल्पति स्वभाव की, / सभी का एकमात्र परमेश्वर।

और अब, ईश्वर की माता को: एक कुँवारी के गर्भ से / आपने मानव रूप धारण कएि ईश्वर को जन्म दयि; / उनसे वनिती करें , हे सर्व -पवत्रि माता, / कि वे हम पर दया करें।

कातावासयि: हे मसीह, तेरे क्रूस की शक्ति से , मेरा संकल्प दृढ़ कर, कि मैं तेरे उद्धारक आरोहण का गायन करूँ और उसकी महमिा करूँ।

ईस्टर कोंटाकयिन , स्वर 8

यद्यपि हे अमर प्रभु , तू कब्र में उतर गया, तथापि तूने नरक की शक्ति को नष्ट कर दयि और वजिेता बनकर, हे मसीह हमारे परमेश्वर , पुनरुत्थति हुआ , मुर्रा -धारण करने वाली

स्त्रियों से पुकार कर कहा: 'हर्षति होओ!' और अपने प्रेरतों को शान्ति प्रदान किया, तू जो पतितों को पुनरुत्थान प्रदान करता है।

इकोस: वह सूर्य जो सूर्य से पूर्व था, / जो एक बार कब्र में अस्त हुआ , / भोर से पहले प्रकट होकर, / मृगन्ध -वाहक कुँवारियों द्वारा दिन के प्रकाश के रूप में खोजा गया / – और उन्होंने एक-दूसरे से पुकारा : / 'हे मित्रो , आओ हम सुगंधित तेलों से अभिषेक करें उस देह का, / जो जीवन का श्वास लेता है और दफन है , / उस परमेश्वर के मांस का जो पतित आदम को उठाता है , / जो कब्र में पड़ा है। / चलो, हम मगस्सिों की तरह शीघ्रता करें और आराधना करें , / और मूर्राह को उपहार के रूप में चढ़ाएँ / उस पर, जो अब लपेटों में नहीं , बल्कि कफ़न में लिपटे हैं ; / और आँसू बहाकर पुकारें : / 'हे प्रभु , उठो, आप जो गिरे हुए को पुनरुत्थान प्रदान करते हैं !'

सेडालेन , स्वर 8

सभी के प्रभु और सृष्टिकर्ता , गुज़रते हुए , / ने सड़क के किनारे बैठे एक अंधे आदमी को पाया, / जो रो रहा था और कह रहा था: / 'अपने जीवन में मैंने न तो चमकते सूरज को देखा है , / और न ही चंद्रमा को, जो अपनी रोशनी से सब कुछ प्रकाशित करता है। / इसलिए मैं आपसे पुकारता हूँ : / हे कुँवारी से उत्पन्न हुए , सभी को प्रकाश देने वाले !' / हे दयालु , मुझे ज्ञान प्रदान करो, / ताकि मैं प्रभु मसीह ईश्वर के समक्ष प्रणाम करते हुए पुकार सकूँ : / हे मानव जाति के एकमात्र प्रेमी , अपनी दया की प्रचुरता के द्वारा , मुझे मेरे पापों की क्षमा प्रदान करो!"

महिमा, और अब: हम वही दोहराते हैं।

भजन 4

इरमोस: दैवी रक्षक , धर्मशास्त्री हबक्कुक , हमारे साथ खड़े हों / और प्रकाश -धारण करने वाले स्वर्गदूत को प्रकट करें , / जो स्पष्ट रूप से उद्घोषणा करता है : / 'आज के दिन – संसार को उद्धार , / क्योंकि मसीह सर्वशक्तिमान के रूप में जी उठे हैं '।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

मसीह मनुष्य के रूप में प्रकट हुए , उन्होंने कुँवारी के गर्भ को खोल दिया; / और भोजन के रूप में अर्पित होकर, उन्हें मेमना कहा जाता है ; / और एक निर्दोष के रूप में — अपवित्रता से अप्रभावित — / वे हमारे फसह हैं ; / और, सच्चे ईश्वर के रूप में , / उन्हें परिपूर्ण कहा जाता है।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

एक वर्ष के मेमने के समान, / हमारे लिए – एक महिमामय मुकुट , / धन्य , जो सभी के लिए स्वेच्छा से बलिदान हुए , / शुद्ध करने वाले पासोवर के रूप में , / और एक बार फिर कब्र से हमारे लिए प्रकट हुए / धार्मिकता के महिमामय सूर्य के रूप में।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

दाऊद, परमेश्वर के पूर्वज , / प्रतिमा के सामने उछलते और नाचते थे , जैसे किसी छाया में ; / पर हम, परमेश्वर की पवित्र प्रजा , / प्रकारों की पूर्ति को देखकर , / परमेश्वर से प्रेरित होकर आनन्द मनाएँ , / क्योंकि मसीह सर्वशक्तिमान , मृतकों में से जी उठे हैं।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करें।

हे पवित्र एक, जिसने आदम, तुम्हारे पूर्वज , को बनाया, / वह तुम्हारे द्वारा रचा गया है , / और इस दिन उसने , अपनी मृत्यु से , / उस मृत्यु को समाप्त कर दिया जो उससे आई थी, / और सभी को प्रकाशित किया / पुनरुत्थान की दिव्य किरण से।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

हे पवित्र कन्या , मसीह को देखकर , जिन्हें तुमने अपने गर्भ में धारण किया था, / जो आज सभी के उद्धार के लिए मृतकों में से महिमामय रूप से प्रकट हुए हैं , / स्त्रियों में महिमामय, निर्दोष और सुंदर , / प्रेरितों के साथ आनन्द मनाओ और उनकी महिमा करो।

अंधा मनुष्य का कैनन। इरमोस: मैंने सुना , हे प्रभु , / आपकी ख़बर और मैं भय से भर गया, / मैंने आपकी योजना समझी / और आपको महिमामय किया, / मानवजाति के एकमात्र प्रेमी।

मुझे , जो वृक्ष का फल खाने से मर गया था, / आपने , जो जीवन हैं , अपनी महान दया से क्रूस पर चढ़ाए जाकर पुनर्जीवित किया है ; / इसलिए, हे वचन, मैं आपकी महिमा करता हूँ।

अपने शिष्यों के साथ अद्भुत रूप से निवास करते हुए , / हे प्रभु , आपने उनसे कहा: / 'जाओ, सर्वत्र प्रचार करो / मेरे पुनरुत्थान का!'

हे प्रभु , कब्र से अपने पुनरुत्थान की पुष्टि करते हुए , / हे मसीह, आपने उनसे प्रेम करने वालों के साथ, / कई दिनों तक संवाद किया, / उन्हें आनंद से भरते हुए।

हे प्रभु , आपने जन्म से अंधे मनुष्य को दृष्टि प्रदान की, यह कहते हुए : 'जा, स्नान कर, और देख , मेरी दिव्यता की महिमा करते हुए। '

त्रिमूर्ति की महिमा: हे त्रिमूर्ति , सह-शाश्वत और सम्मान में समान, / स्वभाव में अविभाज्य फिर भी व्यक्तियों में भिन्न , / उन सभी को बचाओ जो आपको विश्वासपूर्वक और श्रद्धापूर्वक महिमामय करते हैं।

और अब, हे परमेश्वर की माता: हम मसीह के अलौकिक जन्म की स्तुति करते हैं / तुमसे , हे पवित्र एक, / विश्वास से तुम्हें धन्य कहते हैं , हे निर्दोष एक, / सभी की परमेश्वर की माता के रूप में।

कातावासिया: मैंने समाचार सुना है / तेरे क्रूस की शक्ति का, / कि उससे स्वर्ग का द्वार खुला , / और मैं चिल्लाया : 'तेरी शक्ति को महिमा हो, हे प्रभु !'

गीत 5

इरमोस: हम भोर से ही पहरा दें / और, अँधेरे के बदले , प्रभु को एक गीत अर्पित करें , / और हम मसीह को देखेंगे – धार्मिकता का सूर्य , / जो सभी को जीवन की किरणें बिखेरता है।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे मसीह, तेरी असीम दया को देखकर , / नरक की बेड़ियों में बँधे हुए / आनंदित कदमों से प्रकाश की ओर दौड़े , / शाश्वत फसह की स्तुति करते हुए।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

आओ हम हाथों में दीपक लेकर मसीह के समीप जाएँ , जो कब्र से एक वधू -वर की तरह प्रकट हुए हैं , और आओ हम एक साथ आनंदित स्वर्गीय सेनाओं के साथ परमेश्वर के उद्धारक पर्व का उत्सव मनाएँ।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, / आपके पुत्र के पुनरुत्थान की दिव्य / और जीवन-दायक किरणों से प्रकाशित , / धर्मात्माओं की सभा आनंद से भर गई है।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

हे सृष्टि के राजन् , आपने अवतार के समय कुँवारीपन के द्वार नहीं खोले , न ही आपने कब्र की मुहरें तोड़ीं , और इसलिए, आपको पुनर्जीवित देखकर , माता हर्षित हुईं।

अंधा मनुष्य का कैनन। इरमोस: हे दयालु , मेरी दीन आत्मा , / जो रात्रि में वासनाओं के अन्धकार से संघर्ष करती है , / उसे शीघ्रता से प्रस्तुत करो, दया करो, / और हे अदेह सूर्य , / मुझमें दिनि लाने वाली करिणें प्रज्वलति करो, / ताकि रात्रि भोर को स्थान दे।

हे दयालु , तुझे क्रूस पर चढ़ाया गया, / और अपने साथ सभी नश्वर प्राणियों को उठा लिया, / और शत्रु साँप को मार गिराया, / और अपनी हाथों की सृष्टि को पुनर्जीवति कयिा, / सर्व का एकमात्र ईश्वर।

हे अमर राजा, आप स्वेच्छा से मृतक बन गए, / और आपने अपने पुनरुत्थान द्वारा मृतकों को जीवति कर, / नरक के सभी राजसी महलों को उजाड़ दयिा।

आप, वचन, जिन्होंने पृथ्वी पर महान चमत्कार कएि, / को अधर्मी लोगों ने मृत्यु के हवाले कर दयिा; / परन्तु आप स्वयं , हे प्रभु , सर्वशक्तमिान , / हे मसीह, मृतकों में से जी उठे , जैसा आपने पूर्व में बताया था।

तूने उस की आँखें खोल दीं जसिने इस संसार का प्रकाश नहीं देखा था, / और उसके प्राण की दृष्टि को प्रबुद्ध कयिा, / ताकि उसके कर्म तुझे महमिामय कर सकें , / वह जसिने तुझमें सृष्टकिर्ता को पहचाना, / जो अपनी दया में मनुष्य के रूप में प्रकट हुआ।

महमिा, हे त्रमिूर्ति : त्रमिूर्ति में एकता, / और एकता में त्रमिूर्ति , / हम सभी वशि्वासी महमिा देते हैं : / पति को, और पुत्र को, और पवत्रि आत्मा को, / एक सच्चे ईश्वर , सभी का सृष्टकिर्ता।

और अब, ईश्वर की माता को: तुमने कैसे जन्म दयिा, हे ईश्वर से धन्य , / हे पवत्रि कुँवारी माता, / बनिा पति को जाने ? / तुम उसको कैसे पोषति करती हो जो सारी सृष्टि को पोषति करता है ? / – जैसा कि केवल वही जानता है , / सभी चीजों का सृष्टकिर्ता और ईश्वर।

कातावासयिा: भोर होते ही, हे प्रभु , हम आपसे पुकार लगाते हैं : 'हमें बचाइए, क्योंकि आप ही हमारे ईश्वर हैं ; आपसे अलग हम कसिी और को नहीं जानते !'

स्तोत्र 6

इरमोस: तू पृथ्वी के सबसे गहरे हसि्सों में उतर गया / और उन शाश्वत बाधाओं को तोड़ दयिा / जो कैदयिों को बेड़यिों में जकड़े हुए थीं , हे मसीह, / और तीसरे दनि, जैसे योनह ने व्हेल मछली से कयिा, / तू कब्र से उठ खड़ा हुआ।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे मसीह, मुहरों को अछूता छोड़कर , / आप कब्र से उठे , / आपने अपने जन्म में कुँवारी के गर्भ को अछूता रखा, / और हमारे लिए स्वर्ग के द्वार खोल दिए।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे मेरे उद्धारकर्ता , / जीवति और नरि्दोष बलदिान! / स्वयं को, ईश्वर के रूप में , / स्वेच्छा से पति को अर्पति करते हुए , / आप अपने साथ / हमारे पूर्वज आदम को भी जीवति कर उठे , / कब्र से उठकर।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवत्रि माता, हमारा उद्धार करो।

जो अनादि काल से मृत्यु और क्षय का कैदी था, / उसे उसने अक्षय और शाश्वत जीवन में पुनर्जीवति कयिा है , / जो तेरी अति पवत्रि गर्भ से अवतार हुआ , / हे ईश्वर की कुंवारी माता।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवत्रि माता, हमें बचाओ।

वह पृथ्वी के सबसे गहरे हसि्सों में उतरा / हे पवत्रि , तुम्हारी गहराइयों में ; वही जसिने उतरकर / वहाँ वास कयिा, और सर्वबोध से परे देहधारी हुआ ; / और कब्र से जी उठने के बाद, उसने आदम को भी अपने साथ उठा लयिा।

अंधा मनुष्य का कैनन। इरमोस: हे प्रभु , जैसे तूने भविष्यिवक्ता को पशु से बचाया, वैसे ही मुझे अनयिंत्रति वासनाओं की गहराइयों से बचा, मैं तुझसे वनिती करता हूँ , ताकि मैं फरि से तेरा पवत्रि मंदरि देख सकूँ।

चोरों के साथ सूली पर चढ़ाए गए, हे प्रभु , / आपने हमें दुष्ट चोरों —आत्मा -वनिाशकारी वासनाओं —से मुक्ति दी, / हम सब जो एक स्वर में आपकी सूली पर चढ़ाए जाने और पुनरुत्थान का गायन करते हैं , / हे मानवता के प्रेमी , प्रभु।

उन्होंने तुझे कब्र में रखा, नरि्जीव और मृत , हे मसीह, तू जो सभी मृतकों में जीवन का श्वास फूँकता है ; परन्तु हे प्रभु , तू अपने दविय सामर्थ्य से , हे वचन, कब्रों को खाली कर के फरि जी उठा।

हे मसीह, आपके पुनरुत्थान के बाद, / आपने अपने मत्रिों से कहा: / 'अब यरूशलेम में ठहरे रहो, / जब तक कि तुम ऊपर से अजेय शक्ति / और नश्चिति सहायता से परपिूर्ण नहीं हो जाते !'

पृथ्वी से एक लेप बनाकर, / आपने जन्म से अंधे मनुष्य की आँखों पर उसे लगाया / और उसे दृष्टि प्रदान की, / ताकि वह आपकी अकथनीय शक्ति का गायन कर सके , हे वचन, / जिससे आपने संसार को बचाया।

महमिा, हे त्रिमूर्ति : तीन व्यक्तियों में एकता: / अजन्मे पति, पुत्र , और पवत्रि आत्मा , / हे त्रि-पवत्रि प्रभु , एक सत्ता और एक शक्ति , / अपने सभी लोगों को बचाओ!

और अब, हे परमेश्वर की माता: हे पवत्रि एक, आपकी महमिा का वर्णन कौन कर सकता है ? / क्योंकि आपने एक अलौककि तरीके से देह में परमेश्वर को जन्म दयिा, / हे सदा-कुँवारी , आपके द्वारा संसार को, / जो हमें हर पाप से बचाती हैं।

कातावासयिा: गहराई ने मुझे घेर लयिा, / व्हेल मेरा ताबूत बन गई, / परन्तु मैंने मानवता के प्रेमी , आप से पुकारा , / और हे प्रभु , आपके दाहने हाथ ने मुझे बचा लयिा।

कॉन्टाकयिन , स्वर 4

मेरी आत्मा की आँखें धुंधली हो गई हैं , / मैं तेरे पास आता हूँ , हे मसीह, / जन्म से अंधा सा, / पश्चाताप से पुकारता हुआ : / 'तू अंधकार में रहने वालों के लिए परम तेजस्वी प्रकाश है !'

इकोस: हे मसीह, मुझे अकथनीय ज्ञान और स्वर्गीय बुद्धि का प्रवाह प्रदान करें , / जो अंधकार में बसते हैं और जो भटक गए हैं , उनका मार्गदर्शक बनो, / ताकि मैं बयान कर सकूँ / जो शांति के सुसमाचार की दविय पुस्तक ने स्पष्ट रूप से सखिाया है — / अंधे आदमी का चमत्कार : / कि कैसे जो जन्म से अंधा था / उसने शारीरकि और आध्यात्मकि दोनों दृष्टि प्राप्त की, वश्विास में पुकारते हुए : / 'आप अंधकार में रहने वालों के लिए सबसे तेजस्वी प्रकाश हैं !'

मेनायोन और ट्रायोडयिन का सनिाक्सारयिन।

भजन 7

इरमोस: जिसने युवकों को भट्टी से बचाया, / मनुष्य बनकर, / एक नश्वर के रूप में पीड़ा सहता है , / और अपनी पीड़ा के द्वारा / नश्वरता को अमरत्व की सुंदरता से परधिानति करता है , / वही धन्य / पतिरों का परमेश्वर और अति महमिामय।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

ईश्वर -ज्ञ महलिाएँ / सुगंधति मसालों के साथ तेरे पीछे दौड़ीं। / परन्तु जिसे वे एक मनुष्य के रूप में आँसुओं से ढूँढ़ रही थीं , / उन्होंने उसे आनन्दपूर्वक जीवति ईश्वर के रूप में पूजा , / और रहस्यमय पास्चा का प्रचार कयिा / तेरे शष्यिों को, हे मसीह।

कोरस: मसीह मृतकों में से जी उठे है।

हम मृत्यु की पराजय का जश्न मनाते हैं , / नरक के विनाश का, / एक नए – शाश्वत – जीवन की शुरुआत का, / और आनंद से हम उस एक की स्तुति करते हैं जिसने यह सब संभव किया / – हमारे पूर्वजों के धन्य / परमेश्वर और सर्वोच्च महिमामय।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे है।

सत्य में पवित्र / और हर उत्सव के योग्य / है यह रात, उद्धारदायिनी और दीप्तिमान , / पुनरुत्थान के प्रकाश -पूर्ण दिन की अग्रदूत , / जिसमें शाश्वत प्रकाश / कब्र से देह में सभी के लिए प्रकट हुआ।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

आज मृत्यु को मृत्यु पर विजय दिलाकर, हे सर्व -पवित्र , आपके पुत्र ने सभी नश्वर प्राणियों को वह जीवन प्रदान किया है जो अनंतकाल तक बना रहे , वह धन्य , हमारे पूर्वजों के परमेश्वर और अति महिमामय।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

सभी सृष्टि पर शासन करते हुए , / मनुष्य बनकर, / हे ईश्वर -धन्य , तेरी कोख में निवास किया, / और सूली पर चढ़ाए जाने तथा मृत्यु को सहन करने के बाद, / ईश्वर के योग्य , पुनरुत्थित हुए , / हमें भी अपने साथ सर्वशक्तिमान के रूप में उठाया।

अंधों के लिए कैनन। इरमोस: अग्नि -शामक – युवकों की प्रार्थना , / चमत्कार का उद्घोषक – वह भट्टी जो पानी देती है , / जो ईश्वर के बारे में गाने वालों को न तो झुलसाती है और न ही जलाती है , हमारे पूर्वजों का।

जब तू , हे उद्धारकर्ता , क्रूस पर चढ़ाया गया, / सूर्य अँधेरा हो गया, पृथ्वी काँप उठी, / सारी सृष्टि हिल गई, / और मरे हुए अपने कब्रों से उठ खड़े हुए।

जब आप मृतकों में से जी उठे , हे राजा, / वहाँ सोई हुई आत्माएँ आपके साथ उठीं , / और उन्होंने आपकी सामर्थ्य की महिमा की, / जिससे मृत्यु के बंधन टूट गए।

प्रातःकाल , मूर्र से अभिषेक करने के लिए स्त्रियों का एक समूह आया; / और जब उन्हें पता चला कि हे प्रभु , आप जी उठे हैं , / तो वे आपके पवित्र शिष्यों के साथ आनन्दित हुईं ; / उनकी प्रार्थनाओं के द्वारा , हम पर अपनी दया दिखाइए, / हमें बुराई से बचाते हुए।

मिट्टी के मिश्रण से , आपने अंधे आदमी की आँखों पर अभिषेक किया, / और उसे सिलोम जाने की आज्ञा दी; / और स्नान करने पर, उसने अपनी दृष्टि प्राप्त की, / सभी के राजा, हे मसीह, आपकी स्तुति गाते हुए।

त्रित्व में महिमा: आओ हम गीतों से आरम्भहीन पिता की महिमा करें / उसी आरम्भ के पुत्र के साथ / और पवित्र आत्मा के साथ: / 'पवित्र , पवित्र , पवित्र हो तुम , हे सर्व के राजा परमेश्वर !'

और अब, ईश्वर की माता को: हे पवित्रतम , तुम्हारे गर्भ से तुम एक कुँवारी के रूप में प्रकट हुईं , / क्योंकि तुमने ईश्वर को जन्म दिया, जिसने अपनी शक्ति से , हे परम पवित्र , प्रकृति के नियमों को नया किया; / हमारे उद्धार के लिए सदा उनसे प्रार्थना करो।

कातावासिया: जिन्होंने युवा गायकों को / अग्नि भट्टी से बचाया, / धन्य हो हमारे पूर्वजों का परमेश्वर।

भजन 8

इरमोस: यह प्रतीक्षति और पवित्र दनि, / सप्तम दनि के बाद का पहला, राजसी और सर्वोच्च , / उत्सवों का उत्सव / और जश्न का जश्न है। / इस दनि हम हमेशा के लिए मसीह का धन्यवाद करते हैं !

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे है।

आओ, हम नई दाखलता का फल चखें , / दिव्य आनंद , / पुनरुत्थान के इस महिमामय दनि पर, / और मसीह के राज्य में सहभागी बनें , / उसकी सदा-सदा परमेश्वर के रूप में स्तुति गाते हुए।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे है।

ज़ियोन , अपनी आँखें उठा, / और चारों ओर देख : / क्योंकि देखो , तेरे बच्चे तेरे पास इकट्ठा हुए हैं , / दैवीय रूप से चमकते सितारों की तरह, / पश्चिम से , और उत्तर से , / और समुद्र से , और पूर्व से , / मसीह को तेरे में हमेशा के लिए धन्य कहते हुए।

पुनरावर्तन : परम पवित्र त्रिमूर्ति , हमारे ईश्वर , महिमा तुझे हो।

त्रिमूर्ति : सर्वशक्तिमान पिता, और वचन, और आत्मा , / एक सत्ता तीन व्यक्तियों में , / परम उच्च और परम दिव्य ! / आप में हम बपतिस्मा लेते हैं / और हम आपको सदा-सदा आशीर्वाद देते हैं।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमें बचाओ।

सृष्टिकर्ता तेरे द्वारा , हे कुँवारी माता परमेश्वर की, संसार में आए, और नरक के बंधन तोड़कर , हम नश्वर प्राणियों को पुनरुत्थान का वरदान दिया। अतः हम सदा-सर्वदा उनकी स्तुति करते हैं।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमें बचाओ।

हे कुँवारी , तुम्हारे पुत्र ने , महाशक्तिमान ईश्वर के रूप में , अपने पुनरुत्थान के द्वारा मृत्यु की सारी शक्ति को चूर कर, हमें भी अपने साथ उठाया और जीवित कर दिया। / इसलिए हम सदा और सर्वदा उसकी स्तुति करते हैं।

अंधा आदमी का कैनन। इरमोस: स्वर्गदूतों का दल, मनुष्यों की सभा, / सभी का राजा और सृष्टिकर्ता , / याजकों , उसकी स्तुति करो; लेवियों , उसकी प्रशंसा करो; / लोगों , उसकी महिमा करो युगानुयुग !

स्वर्गदूतों की सेनाएँ , तुझे देखकर , / हे सर्व के राजा मसीह, कोड़े पर लटके हुए , / और सारी सृष्टि , भय से काँपती हुई , / चकित हो गईं , मानवजाति के लिए तेरे प्रेम का गायन करते हुए।

नरक ने पाताल में आपको देखकर कराह उठा / और शीघ्रता से उन मृतकों को छोड़ दिया, / जिन्हें प्राचीन काल से वहाँ बंदी बनाकर रखा गया था, हे मसीह, / जब वे मानवजाति के लिए आपके प्रेम का गायन कर रहे थे।

अद्भुत चमत्कार करते हुए , हे मसीह, / आप स्वेच्छा से क्रूस पर उठाए गए, / और नरक के विनाशक, मृतकों के साथ एक हो गए, / और साहस के साथ सभी बंदियों को मुक्त किया।

अंधे आदमी को आपने दृष्टि प्रदान की, / जो आपके पास आया था, हे मसीह, / उसे सिलोएम के कुंड पर जाकर धोने और देखने की आज्ञा देते हुए , / और आपको ईश्वर के रूप में घोषित करने के लिए, / जो संसार के उद्धार के लिए देह में प्रकट हुए।

आओ हम पिता, और पुत्र , और पवित्र आत्मा , प्रभु की स्तुति करें।

अविभाज्य त्रिमूर्ति , अविच्छिन्न एकता, / सर्वस्य ईश्वर सर्वस्य स्रष्टारः , / ये तव स्तोत्रं गायन्ति च श्रद्धया तव सामर्थ्यं पूजयन्ति , / तान् सर्वप्रकारेभ्यः क्लेशेषु रक्ष।

और अब, हे ईश्वर की माता: सर्वशुद्ध कुँवारी, ईश्वर की प्रिय, / सदैव अपने पुत्र से प्रार्थना करो, / कि वह मुझे न्याय के दिन लज्जित न करे, / बल्कि मुझे चुने हुए झुंड में गिने।

हम प्रभु की स्तुति, आराधना और उपासना करते हैं, उनकी महिमा गाते हुए और उन्हें युगों-युगों तक ऊँचा उठाते हुए।

कातावासिया: पुत्र और ईश्वर, / जो सभी युगों से पूर्व पिता से उत्पन्न हुए, / और इन अंतिम दिनों में कुँवारी माता से अवतार धारण किए, / पुरोहित उनकी स्तुति गाएँ, / लोग उनकी अनंतकाल तक महिमा करें!

नवें ओड, 'सर्वोच्च सम्मान' पर, हम गाते नहीं हैं।

ओद 9

इरमोस: चमक, चमक, हे नए यरूशलेम, / क्योंकि प्रभु का तेज तुझ पर उदय हुआ है! / अब आनंदित हो और हर्षित हो, हे सियोन! / और हे परमेश्वर की पवित्र माता, आनंदित हो / उस के पुनरुत्थान में जिसे तूने जन्म दिया।

पुनरावर्तन: मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे दिव्य, हे प्रिय, / हे आपके शब्दों में सबसे मधुर! / क्योंकि आपने व्यर्थ में वादा नहीं किया / कि हे मसीह, आप समय के अंत तक हमारे साथ रहेंगे! / हमारे आशा के लंगर के रूप में उन पर चिपके हुए, / हम, विश्वासियों, आनंदित हैं!

पुनरुक्ति: मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे महान और परम पवित्र पास्का, हे मसीह! / हे ज्ञान, और परमेश्वर के वचन, और शक्ति! / अनुग्रह करें कि हम आपके राज्य के सदा-प्रकाशमान दिन में / आपसे अधिक पूर्ण रूप से एक हो सकें।

पुनरुक्ति: हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करें।

हम, विश्वासियों ने, एक स्वर में / हे कुँवारी, तुम्हारा महिमामंडन करते हैं: / 'हे प्रभु के द्वार, आनन्दित हो; / हे जीवित नगर, आनन्दित हो; / आनन्दित हो, क्योंकि तुम्हारे द्वारा / इस दिन हम पर चमकी है / उस के मृतकों में से जी उठने की ज्योति / जिसने तुमसे जन्म लिया।'

पुनरुक्ति: हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमें बचाओ।

हे दिव्य प्रकाश के द्वार, आनन्दित और हर्षित हो! / क्योंकि यीशु, कब्र में प्रवेश करके, / सूर्य से भी अधिक तेजस्वी होकर उठे / और सभी विश्वासियों को प्रकाशित किया, / हे देवी, ईश्वर में हर्षित हो!

अंधा आदमी का कैनन। इरमोस: चूंकि सर्वशक्तिमान ने आपके द्वारा महान कार्य किए हैं, / आपकी गर्भाधान के बाद आपको एक पवित्र कुँवारी के रूप में प्रकट किया, / क्योंकि आपने बिना बीज के अपने सृष्टिकर्ता को जन्म दिया, – / इसलिए हम आपकी महिमा करते हैं, हे परमेश्वर की माता।

क्रूस पर आप ठोके दिए गए, हे मसीह हमारे ईश्वर, / और शत्रु की सभी विरोधी शक्तियों पर विजय प्राप्त की, / और हे उद्धारकर्ता, पूर्व के अभिशाप को नष्ट किया; / इसलिए हम आपकी महिमा करते हैं, जैसा कि उचित है।

जब नरक ने तुझे देखा, हे वचन, अधोलोक में आत्मा के साथ, / तो वह कराह उठा और भय से सभी मृतकों को मुक्त कर दिया, / जिन्होंने तेरी शक्ति की महत्ता को जाना था; / अतः हम तुझे यथोचित रूप से महिमामय करते हैं।

उसे भयानक चिन्ह और अद्भुत कार्य करते देख, यहूदियों की सभा ने ईर्ष्या से उसे मृत्युदण्ड दिया, वही जिसने अपने पुनरुत्थान से नरक पर विजय प्राप्त की, और सर्वशक्तिमान के रूप में सभी को अपने साथ उठाया।

हे जीवन दाता, जैसा आपने कहा था, वैसे ही आप मृतकों में से जी उठे, / और अपने पुनरुत्थान के बाद अपने पवित्र शिष्यों के सामने प्रकट हुए, / आपने जो चिह्न किए और अंधों को दृष्टि प्रदान की; / उनके साथ हम आपको सदा-सदा महिमामय करते हैं।

महिमा त्रित्व में : मैं प्रकाश —पिता की महिमा करता हूँ, / मैं प्रकाश —पुत्र की महिमा करता हूँ, / मैं प्रकाश —पवित्र आत्मा का गान करता हूँ, / एक, अविभाज्य प्रकाश, / जो तीन विशिष्ट व्यक्तियों में जाना जाता है — / सर्व सृष्टि का ईश्वर, राजा।

और अब, हे ईश्वर की माता: स्वर्गों से भी विशाल रूप में प्रकट होकर, हे पवित्र कुँवारी, आपने असीम ईश्वर को देह में धारण किया, और सभी के उद्धार के लिए उन्हें अपने गर्भ में धारण किया, जो अटूट विश्वास के साथ आपकी स्तुति करते हैं।

कातावासिया: हे तुम, जो सर्व बुद्धि और वाणी से परे / ईश्वर की माता बनीं, / जिन्होंने कालातीत के समय अकथनीय रूप से जन्म दिया, / हम विश्वासी एकमत होकर तुम्हारा गुणगान करते हैं।

ईस्टर एक्सापोस्टलिइरॉन

एक नश्वर प्राणी के रूप में देह में सुलाए जाकर, / हे राजा और प्रभु, / आप तीसरे दिन पुनर्जीवित हुए, / आदम को क्षय से उठाकर / और मृत्यु को समाप्त कर। / अक्षय का पर्व, / संसार का उद्धार !

अंधा व्यक्ति महिमा प्राप्त करता है : मेरी आध्यात्मिक आँखें, / जो घोर पाप से धूमिल हैं, / हे प्रभु, प्रकाशित कर, / हे दयालु, मुझमें विनम्रता भरकर, / और मेरी पश्चाताप की भावना को आँसुओं से धोकर।

और अब: जब वे वहाँ से गुज़र रहे थे, हमारे उद्धारकर्ता ने एक अंधा आदमी पाया, जो आँखों से वंचित था। उन्होंने थूक से मिट्टी बनाकर उस पर लेप किया, और उसे सिलोम को भेज दिया कि जाकर वहाँ स्नान करे। और वह, स्नान करके आया, हे मेरे मसीह, तेरी ज्योति को देखता हुआ।

'स्तुति :' पर स्तिखिरा, स्वर 8
रविवार के स्टिचिरा, स्वर 5

हे प्रभु ! यद्यपि दुष्टों ने आपके कब्र पर मुहर लगा दी थी, / तथापि आप कब्र से वैसे ही बाहर निकले जैसे आप परमेश्वर की माता से जन्मे थे। / आपके निराकार स्वर्गदूतों को यह नहीं समझ आया कि आप कैसे अवतार धारण हुए ; / आपकी रखवाली कर रहे सैनिकों को यह पता नहीं चला जब आप जी उठे। / क्योंकि ये दोनों चमत्कार जिज्ञासुओं से छिपे हुए हैं, / फिर भी उन लोगों के लिए प्रकट हुए हैं जो इस रहस्य की आराधना विश्वास के साथ करते हैं ; / हमें, जो इसके बारे में गाते हैं, / आनंद और महान दया प्रदान करें।

हे प्रभु ! शाश्वत बाधाओं को चूर-चूर कर / और बेड़ियों को तोड़कर, आप कब्र से उठे, / अपने दफ़न के वस्त्रों को / अपने तीन दिन के दफ़न की सच्चाई की गवाही के रूप में छोड़कर, / और गुफा में, सैनिकों की पहरेदारी में रहते हुए भी, / हमसे गलील में मिलने के लिए पहले से ही तैयार थे। / महान है आपकी दया, / हे अगम्य उद्धारकर्ता ! हम पर दया करें।

हे प्रभु ! स्त्रियाँ तेरी कब्र पर दौड़ीं, / तुझे देखने, हे मसीह, जो हमारे लिए दुखित हुआ ; / और, वहाँ पहुँचकर, उन्होंने एक स्वर्गदूत को पत्थर पर बैठा पाया, / जिसने उसे

भयानक दृश्य से हटा दिया था। / और उसने उनसे पुकार कर कहा: 'प्रभु जी उठे हैं ; / उनके चेलों से कह दो कि वे मरे हुओं में से जी उठे हैं , / हमारे प्राणों के उद्धारकर्ता !'

हे प्रभु ! जैसे आप सीलबंद कब्र से प्रकट हुए , / वैसे ही आप दरवाजे बंद होने पर भी अपने शिष्यों के बीच प्रवेश किए, / उन्हें अपने शरीर के दुखों का दर्शन कराया, / जिन्हें आपने , हे दीर्घ -सहिष्णु उद्धारकर्ता , सहा। / दाऊद के वंश से उत्पन्न होकर, आपने घाव सहन किए, / और परमेश्वर के पुत्र के रूप में , आपने संसार को मुक्त किया। / महान है आपकी दया, / अथाह उद्धारकर्ता ! हम पर दया करें।

अन्य स्टिचेरा , पूर्वी

हे प्रभु , युगों के राजा और सभी का सृष्टिकर्ता , / जिन्होंने हमारे लिए देह में क्रूस पर चढ़ाई और दफन को सहन किया, / ताकि आप हम सभी को नरक से छुटकारा दिला सकें ! / आप हमारे परमेश्वर हैं ; / आपके सिवा हम किसी और को नहीं जानते !

हे प्रभु ! कौन आपके अति महिमामय चमत्कारों का वर्णन कर सकता है ? / या कौन आपके भयानक रहस्यों की घोषणा कर सकता है ? / क्योंकि , हमारे लिए मनुष्य बनकर, जैसा कि आपकी इच्छा थी, / आपने अपनी शक्ति की महत्ता प्रकट की: / क्योंकि अपने क्रूस द्वारा आपने चोर के लिए स्वर्ग का द्वार खोला, / और अपनी कब्र में उतरकर आपने नरक के द्वार तोड़ डाले , / और अपने पुनरुत्थान द्वारा आपने सभी को धनवान बनाया। / हे दयालु प्रभु , महिमा आपको हो!

मिश्र -धारिणी स्त्रियाँ , प्रातःकाल तेज़ी से तेरी कब्र पर पहुँचकर , / तुझे मिश्र से अभिषेक करना चाहती थीं / – हे अमर वचन और हे ईश्वर ; / परन्तु स्वर्गदूत के वचन सुनकर वे आनन्द के साथ लौट गईं , / यह खुले तौर पर प्रेरितों को प्रचार करने के लिए / कि तू , सभी का जीवन, जी उठा है , / और संसार को शुद्धिकरण / और महान दया प्रदान करता है।

पद: मुझ पर दृष्टि कर / और मुझ पर दया कर। भजन संहिता 24:16A

अंधों के लिए एक और स्टिचेरा , स्वर 8

हे मसीह परमेश्वर , जिन्होंने अपने हृदय की भलाई के कारण देहधारी रूप धारण किया, आपने अपनी करुणा की अगणित दया के द्वारा , अपनी दिव्यता का तेज उस पर प्रकट किया, जो अपनी माता के गर्भ से ही प्रकाश से वंचित था, अपनी उन उँगलियों से उसकी आँखों को छूकर , जिन्होंने उसे धूल से बनाया था; / हे प्रकाश के दाता, आप स्वयं , / अब हमारी आत्माओं की भावनाओं को प्रबुद्ध करें , / एक ऐसे के रूप में जो उदारतापूर्वक प्रदान करते हैं।

महिमा, स्वर 8: हे मसीह, तेरी सामर्थ्य को कौन कह सकता है , / या तेरे आश्चर्यों की संख्या कौन गिन सकता है ? / क्योंकि तू दया से पृथ्वी पर दोहरा रूप में प्रकट हुआ , / और पीड़ितों पर दोहरा चंगा करने वाला है : / क्योंकि तूने न केवल शरीर की आँखें खोलीं / जन्म से अंधा की, बल्कि आत्मा की आँखें भी। / इसलिए उसने तुझे छिपे हुए ईश्वर , / और सभी के लिए महान दया के दाता के रूप में स्वीकार किया।

और अब, स्वर 2: धन्यतम हो तुम , हे ईश्वर की कुँवारी माता:
महान स्तुति -गीत और समापन।

मैटिन्स के लिए सुसमाचार स्टिचेरा , स्वर 8

मरियम के प्रार्थनापूर्ण आँसू / व्यर्थ नहीं बहते ; / क्योंकि देखो , उसे स्वर्गदूतों की शिक्षा के योग्य माना गया है , / और हे यीशु , आपको देखने की! / फिर भी वह एक दुर्बल महिला की तरह सांसारिक बातों के बारे में सोचती है , / और इसलिए उसे आपको, मसीह, छूने की अनुमति नहीं है ; / फिर भी, एक अग्रदूत के रूप में उसे आपके शिष्यों के पास भेजा जाता है , / जिनके पास वह शुभ समाचार लेकर आई, / आपके पिता की विरासत के लिए

आरोहण की घोषणा करते हुए। / हे प्रभु और स्वामी ! हमें भी, उसके द्वारा , आपके दर्शन की कृपा प्रदान करें , / हे प्रभु और स्वामी !

लिटिजी में

धन्य हैं वे , स्वर 5

क्रूस पर चोर ने , हे मसीह, आप में परमेश्वर के रूप में विश्वास करके , शुद्ध हृदय से आप की गवाही दी, पुकार कर कहा: 'हे प्रभु , अपनी राज्य में मुझ को याद करना!'

क्रूस की काठ पर, / हम एक स्वर से उसको गाएँ जो हमारे वंश को जीवन देने वाला है / और वृक्ष से आई शाप को समाप्त करने वाला है , / उद्धारकर्ता और सृष्टकिर्ता के रूप में।

हे मसीह, जब आपको दो दण्डति चोरों के बीच सूली पर चढ़ाया गया, तो जसिने आपको अपमानति कयिा वह न्यायसंगत रूप से दण्डति हुआ , जबकि दूसरे ने , जसिने आपका स्वीकार कयिा, स्वर्ग में प्रवेश कयिा।

प्रेरतिों की सभा में आकर, / भक्तमिती स्त्रयिों ने पुकारा : / 'मसीह जी उठे हैं ! आइए हम उनकी आराधना करें , / प्रभु और सृष्टकिर्ता के रूप में !'

और फरि, अंधों के लिए कैनन से , ओद 6

हे प्रभु , चोरों के साथ सूली पर चढ़ाए गए, / आपने हमें दुष्ट चोरों —आत्मा -वनिाशकारी वासनाओं —से मुक्ति दी है , / हम सभी जो एक स्वर में आपके क्रूस पर चढ़ने और पुनरुत्थान का गायन करते हैं , / हे मानवता के प्रेमी प्रभु।

उन्होंने आपको कब्र में , नर्जिीव और मृतक , लटिा दयिा, हे मसीह, जो सभी मृतकों को जीवन देने वाले हैं ; परन्तु हे प्रभु , आप पुनर्जीवति हुए , कब्रों को खाली करते हुए , अपनी दव्यि शक्ति से , हे वचन।

हे मसीह, आपके पुनरुत्थान के बाद, / आपने अपने मत्रिों से कहा: / 'अब यरूशलेम में ठहरे रहो, / जब तक कि तुम ऊपर से अजेय शक्ति / और नश्चिति सहायता से परपिूर्ण न हो जाओ!'

पृथ्वी से एक मश्रिण बनाकर, / आपने जन्म से अंधे मनुष्य की आँखों पर उसे लगाया / और उसे दृष्टि प्रदान की, / ताकि वह आपकी अनुपम शक्ति का गान कर सके , हे वचन, / जसिके द्वारा आपने संसार को बचाया।

त्रमिूर्ति की महमिा: तीन व्यक्तयिों में एकता: / अजन्मे पति, पुत्र और पवत्रि आत्मा , / त्रि-पवत्रि प्रभु , एक सत्ता और शक्ति , / अपने सभी लोगों को बचाओ!

और अब, ईश्वर की माता को: हे पवत्रि कन्या , आपकी महमिा का वर्णन कौन कर सकता है ? / क्योंकि आपने ईश्वर को मांस में अलौककि रूप से जन्म दयिा, / हे सदा-कुँवारी , आपके द्वारा संसार को, / जो हमें हर पाप से बचाती हैं।

प्रवेश पर, रविवार का ट्रॉपारयिन , स्वर 5

वचन, जो पति और आत्मा के समान अनारंभ है , / हमारे उद्धार के लिए कुँवारी से जन्म लयिा, / हे वश्विासयिों , आओ हम उसका गायन करें और उसकी आराधना करें , / क्योंकि उसने देह धारण करना और क्रूस पर चढ़ना स्वीकार कयिा, / और मृत्यु सहन की, और अपने महमिामय पुनरुत्थान से मृतकों को जलिा उठा।

महिमा, अंधों के लिए कोंटाकियन , स्वर 4

मेरी आत्मा की आँखें कमज़ोर हो गई हैं , / मैं तेरे पास आता हूँ , हे मसीह, / जन्म से अंधा सा, / पश्चाताप से पुकारता हुआ : / 'तू अंधकार में रहने वालों के लिए परम तेजस्वी प्रकाश है !'

और अब, पास्खा का कोंटाकियन , स्वर 8

यद्यपि हे अमर प्रभु , तू कब्र में उतर गया, / तथापि तूने नरक की शक्ति को नष्ट कर दिया / और विजेता बनकर पुनरुत्थित हुआ , हे मसीह हमारे परमेश्वर , / मुर्रा -धारण करने वाली स्त्रियों से पुकार कर: 'हर्षित होओ!' / और अपने प्रेरितों को शान्ति प्रदान करते हुए , / तू जो पतितों को पुनरुत्थान प्रदान करता है।

प्रोकेइमेनोन , स्वर 8

प्रार्थना करो और अपने प्रभु , हमारे परमेश्वर के प्रति अपनी प्रतिज्ञाएँ पूरी करो। **श्लोक :** परमेश्वर यहूदा में परिचित हैं ; उनका नाम इस्राएल में महान है। भजन संहिता 75:12, 2

पवित्र प्रेरितों के काम, अध्याय 38

उन दिनों , जब प्रेरित प्रार्थना के स्थान पर जा रहे थे , हम एक भविष्यवाणी की आत्मा से ग्रस्त दासी से मिले , जो अपने भविष्यवाणी करने से अपने स्वामियों को बहुत लाभ पहुँचाती थी। पौलुस और हम लोगों के पीछे -पीछे आकर, वह चिल्लाने लगी, 'ये लोग परमप्रभु परमेश्वर के सेवक हैं , जो हमें उद्धार का मार्ग बताते हैं। ' वह कई दिनों तक ऐसा ही करती रही। पौलुस ने क्रोधित होकर, आत्मा से कहा, 'यीशु मसीह के नाम में मैं तुझे आज्ञा देता हूँ कि तू उससे निकल आ।' और उसी घड़ी आत्मा निकल गया। तब उसके मालिकों ने , यह देखकर कि उनकी लाभ की आशा मिट गई, पौलुस और सिलास को पकड़कर बाजार में magistrates के पास घसीट ले गए। और उन्हें नगर अधिकारियों के सामने लाकर उन्होंने कहा, 'ये यहूदी हमारे नगर में अशांति मचा रहे हैं और ऐसी रीतियों का प्रचार कर रहे हैं जिन्हें हम रोमनों को न तो स्वीकार करना चाहिए और न ही अपनाना चाहिए।' भीड़ भी उन पर टूट पड़ी , और अधीक्षकों ने उनके कपड़े उतारकर उन्हें कोड़े मारने का आदेश दिया; और जब उन्होंने उन पर बहुत मार-पीट की, तो उन्हें जेल में डाल दिया, और जेलर को यह आज्ञा दी कि वह उन्हें अच्छी तरह पहरे पर रखे। यह आज्ञा पाकर, उसने उन्हें भीतरी कोठरी में डाल दिया और उनके पैरों में बेड़ी डाल दी। आधी रात के समय, पौलुस और सिलास प्रार्थना कर रहे थे और परमेश्वर के भजन गा रहे थे , जबकि दूसरे बंदी उन्हें सुन रहे थे। अचानक एक बड़ा भूकंप आ गया, जिससे जेल की नींव हिल गई; तुरंत ही सभी दरवाजे खुल गए, और सभी की बेड़ियाँ ढीली हो गईं। कारागारपाल, जागकर जब उसने देखा कि जेल के द्वार खुले हुए हैं , तो उसने अपनी तलवार खींच ली और यह सोचकर कि बंदी भाग गए हैं , खुद को मारने ही वाला था। पर पौलुस ने ऊँचे स्वर में पुकारा और कहा, 'अपने आप को हानि मत पहुँचा , क्योंकि हम सब यहाँ ही हैं। ' उसने एक दीपक माँगा , और जेल में दौड़ा , और काँपते हुए पौलुस और सिलास के पाँवों पर गिर पड़ा ; फिर उन्हें बाहर ले जाकर बोला, 'हे साहिबों , मुझे उद्धार पाने के लिए क्या करना चाहिए?' उन्होंने उत्तर दिया, 'प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, और तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा।' और उन्होंने प्रभु का वचन उसी को और उसके घर के सब लोगों को सुनाया। और रात के उसी समय उसने उन्हें बाहर निकालकर उनके घाव धोए और तुरंत बपतिस्मा लिया, अपने घर के सब लोगों सहित। और उन्हें अपने घर में ले जाकर भोजन परोसा और अपने सारे घर के लोगों सहित परमेश्वर पर विश्वास करने के कारण आनन्दित हुआ।

प्रेरितों के काम 16:16–34

ईस्टर के छठे सप्ताह

अल्लेलूया , स्वर 8

पद: मुझ पर दृष्टि कर और मुझ पर दया कर। **पद:** अपने वचन के अनुसार मेरे पगों को चाल सखि।

भजन संहिता 118:132A, 133A

यूहन्ना के अनुसार सुसमाचार , पद 34 से आरंभ

उन दनिों , जब यीशु वहाँ से गुजर रहे थे , उन्होंने एक ऐसे आदमी को देखा जो जन्म से अंधा था। उनके चेलों ने उनसे पूछा , 'रब्बी , इस आदमी ने पाप कयि था या उसके माता-पति ने , कि वह अंधा पैदा हुआ ?' यीशु ने उत्तर दयि, 'न तो इस आदमी ने पाप कयि है और न ही उसके माता-पति ने , बल्कि ऐसा इसलएि हुआ कि परमेश्वर के कार्य उसके द्वारा प्रकट हों। 'जब तक दनि है , मुझे उस की आज्ञा पूरी करनी है जसिने मुझे भेजा है ; रात आने वाली है , जब कोई काम नहीं कर सकता। जब तक मैं संसार में हूँ , मैं संसार की रोशनी हूँ। ' यह कहकर, उसने जमीन पर थूककर लार से कीचड़ बनाया, और अंधे आदमी की आँखों पर वह कीचड़ लगा दयि, और उससे कहा, 'जा, शीलोआम के तालाब में स्नान कर'—जसिका अर्थ है 'भेजा गया'। वह जाकर स्नान कयि और आकर देखने लगा। तब उसके पड़ोसी और जो लोग पहले उसे अंधा हुआ देखते थे , उन्होंने कहा, 'क्या यह वही आदमी नहीं है जो बैठकर भीख मांगा करता था?' कुछ ने कहा, 'यह वही है '; अन्य ने कहा, 'नहीं , पर यह उससे मलिता-जुलता है। ' उसने स्वयं कहा, 'मैं वही हूँ। ' तब उन्होंने उससे पूछा , 'तेरी आँखें कैसे खुल गईं ?' उसने उत्तर दयि, 'यीशु नामक एक मनुष्य ने कीचड़ बनाया, मेरी आँखों पर लगाया, और मुझसे कहा, "सलिोआम के तालाब पर जाकर धो।"' मैं गया, मैंने धोया, और मुझे दृष्टि प्राप्त हुई। तब उन्होंने उससे पूछा , 'वह कहाँ है ?' उसने उत्तर दयि, 'मुझे नहीं पता।' जो आदमी अंधा था, उसे फरीसयिों के पास ले आए। और जसि दनि यीशु ने कीचड़ बनाकर उसकी आँखें खोल दी थीं , वह सब्बाथ का दनि था। फरीसयिों ने उससे यह भी पूछा कि वह कैसे देखने लगा। उसने उनसे कहा, 'उसने मेरी आँखों पर कीचड़ लगाया, और मैंने धोया, और अब मैं देख सकता हूँ। ' तब कुछ फरीसयिों ने कहा, 'यह आदमी परमेश्वर का नहीं है , क्योंकि वह सब्बाथ का पालन नहीं करता।' दूसरों ने कहा, 'एक पापी ऐसे चमत्कार कैसे कर सकता है ?' और उनके बीच में मतभेद हो गया। उन्होंने फरि से अंधे आदमी से पूछा , 'वह तुम्हारी आँखें खोल चुका है , तो तुम उसके बारे में क्या कहते हो?' उसने उत्तर दयि, 'वह एक नबी है। ' यहूदयिों ने यह वशि्वास नहीं कयि कि वह अंधा था और उसे दृष्टि प्राप्त हुई है , जब तक कि उन्होंने दृष्टि प्राप्त करने वाले आदमी के माता-पति को बुलाकर उनसे नहीं पूछा , 'क्या यह तुम्हारा बेटा है , जसिके बारे में तुम कहते हो कि वह अंधा पैदा हुआ था? तो फरि वह अब कैसे देखता है ?' उसके माता-पति ने उत्तर दयि, 'हम जानते हैं कि यह हमारा बेटा है और वह जन्म से अंधा था; परन्तु अब वह कैसे देखता है , यह हम नहीं जानते , और न ही हम जानते हैं कि किसिने उसकी आँखें खोल दीं। वह अब बड़ा हो गया है ; उससे पूछो ; वही अपने लिए बोले। ' यह उसके माता-पति का उत्तर था, क्योंकि वे यहूदयिों से डरते थे ; क्योंकि यहूदयिों ने पहले ही यह तय कर लयि था कि जो कोई भी उसे मसीहा के रूप में स्वीकार करेगा , उसे यहूदी सभा से नकिाल दयि जाएगा। इसीलिए उसके माता-पति ने कहा, 'वह वयस्क है ; उससे खुद पूछो। ' तो उन्होंने उस आदमी को जो अंधा था दूसरी बार बुलाया और उससे कहा, 'ईश्वर की महमिा कर; हम जानते हैं कि यह आदमी एक पापी है। ' उसने उत्तर दयि, 'वह पापी है या नहीं , मैं नहीं जानता; एक बात मैं जानता हूँ , कि मैं अंधा था और अब मैं देखता हूँ। ' उन्होंने उससे फरि पूछा , 'उसने तुम्हारे साथ क्या कयि? उसने तुम्हारी आँखें कैसे खोल दीं ?' उसने उन्हें उत्तर दयि, 'मैंने तुम्हें पहले ही बता दयि है , और तुमने नहीं सुना ; तुम इसे फरि से क्यों सुनना चाहते हो? क्या तुम भी उसके चेले बनना चाहते हो?' उन्होंने उसे डाँट कर कहा, 'तू उसका चेला है , पर हम मूसा के चेले हैं। हम जानते हैं कि परमेश् वर ने मूसा से बात की थी; परन्तु इस मनुष्य के वषिय में हम नहीं जानते कि वह

कहाँ से आया है। 'जिसने अपनी दृष्टि पाई थी, उस मनुष्य ने उत्तर दिया, 'यह अजीब है कि तुम नहीं जानते कि वह कहाँ से आया है, और तौभी उसने मेरी आँखें खोल दीं। ''लेकिन हम जानते हैं कि परमेश्वर पापियों की नहीं सुनता, परन्तु जो परमेश्वर का आदर करता है और उसकी इच्छा के अनुसार चलता है, उसकी वह सुनता है। जब से संसार हुआ है, यह कभी नहीं सुना गया कि किसी ने जन्म से अंधे की आँखें खोली हों। यदि वह परमेश्वर की ओर से न होता, तो कुछ भी न कर सकता।' उन्होंने उससे कहा, 'तू जन्म से ही पाप में डूबा हुआ है; क्या तू हमें सिखाएगा?' और उन्होंने उसे बाहर निकाल दिया। जब यीशु ने सुना कि उन्होंने उसे निकाल दिया है, तो उन्होंने उसे ढूँढ़ निकाला और उससे कहा, 'क्या तू परमेश्वर के पुत्र पर विश्वास करता है?' उसने उत्तर दिया और कहा, 'प्रभु, वह कौन है, ताकि मैं उस पर विश्वास करूँ?' यीशु ने उससे कहा, 'तू ने उसे देखा है, और वही तुझ से बात कर रहा है।' उसने कहा, 'प्रभु, मैं विश्वास करता हूँ!' और उसने उनकी आराधना की।

यूहन्ना 9:1–38

'उचित है' के बजाय

देवदूत ने धन्य कन्या को घोषित किया: / 'हे पवित्र कन्या, आनन्दित हो! / और मैं फिर से कहता हूँ: आनन्दित हो! / तुम्हारे पुत्र तीसरे दिन कब्र से उठे, / (और मृतकों को जिला उठा। / हे लोगों, आनन्दित हो!)

और इरमोस, स्वर 1: चमक, चमक, हे नए यरूशलेम, / क्योंकि प्रभु की महिमा तुझ पर उदय हुई है! / अब आनन्दित हो और हर्षित हो, हे सियोन! / और हे परमेश्वर की पवित्र माता, आनन्दित हो / उस के पुनरुत्थान में जिसे तूने जन्म दिया।

पवित्र भोज

मसीह का शरीर ग्रहण करो, / अमरत्व के झरने का स्वाद चखो। **दूसरा :** स्वर्ग से प्रभु की स्तुति करो, / ऊँचाइयों में उसकी स्तुति करो। / अल्लेलूया। **(3)**

अंधे आदमी के रविवार को संध्या समय
नवें घण्टे के बाद, हम काथिस्मा के बिना वेस्पर्स गाते हैं।

'हे प्रभु, मैं ने पुकारा :' पर हम उत्सव के स्टिचेरा, स्वर 5, गाते हैं।
इसी तरह: 'हे तपस्वियों, आनन्दित हो:'

तू समस्त मानवजाति के लिए प्रकाश है / और इस संसार की आँख, ईश्वर और वचन, / और एक बार फिर, आँख के स्रष्टा और कर्ता के रूप में, तू स्वयं को प्रकट करता है। / और अब, मिट्टी और लार के मिश्रण से, / तू अंधों को अकथनीय तरीके से आँखें प्रदान करता है, / उन्हें अपनी उंगलियों और मिट्टी से अभिषिक्त कर, और उन्हें दृष्टि प्रदान कर। / और यह प्राप्त करके, वह जो पहले जाना जाता था / एक ऐसे व्यक्ति के रूप में, जिसने जन्म लेने वालों में कभी सूर्य को नहीं देखा था, / आपको, उस मधुर सूर्य को निहारता है, / उस की अकथनीय दया से, जिसने हमें बनाया, उसकी प्रतिमा देखकर।

केवल अपने अंगों की दुर्बलता और शारीरिक बनावट की गड़बड़ी में ही धनी, / अपनी माँ के गर्भ से ही अंधा पैदा हुआ, / उसने यह कल्पना भी नहीं की / कि यह दैवीय व्यवस्था का काम था कि वह अपनी दृष्टि से वंचित था, / जिससे उसके पैर और उसके अधिकांश अंग / पत्थरों पर ठोकर खाने से घायल हो गए। / परन्तु आप से यह धन-संपत्ति प्राप्त करके, / वह

संसार का प्रकाश देखता है , / और आपको, जगत् के शासक को, / सभी सृष्टि का ईश्वर और स्वामी / तथा सम्पूर्ण जगत के स्रष्टा के रूप में उद्घोषति करता है।

पहले अंधे आदमी ने अपने होठों , आत्मा और मन से इस बात की गवाही दी कि वही है जिसने रचनात्मक रूप से धूल और लार से आँखों की पुतलियों को और सभी में समान प्रकाश को प्रदान किया, सृष्टि के सार्वभौमिक संरक्षक और शासक के रूप में , जो अपनी सृष्टि के प्रति अपनी एकमात्र दया के कारण, अवतार धारण कर लिया, / और उन्होंने उन्हें सर्वशक्तिमान ईश्वर के रूप में घोषित किया। / उनके उत्साह को देखकर या उनके साथ उनका संवाद सुनकर असमर्थ , / धर्मशास्त्रियों ने उन्हें यहूदी सभा से निष्कासित करने की सज़ा सुनाई , / जो स्वयं कभी झेली गई अंधता से भी बड़ी अंधता से पीड़ित थे , आत्मा और शरीर दोनों में / अंधा।

और मेनायोन से तीन स्टिचेरा। महिमा: संत के लिए एक स्टिचेरा। यदि कोई नहीं है ,

महिमा, और अब, इस पर्व के दिन, स्वर 2: जो जन्म से अंधा था / उसने अपने मन में ऐसा विचार किया: / 'क्या ऐसा हो सकता है कि मैं अपने माता-पिता के पापों के कारण बिना आँखों के पैदा हुआ ? / क्या मैं उनकी अविश्वास के कारण राष्ट्रों की निंदा के लिए नहीं जन्मा था? / मैं अब यह नहीं पूछ सकता: रात कब है , दिन कब है ? / मेरे पैर अब पत्थरों से नहीं ठोकर खाते : / क्योंकि मैंने न तो चमकते सूरज को देखा है , / और न ही मानव रूप में अपने स्रष्टा को। / परन्तु मैं तुझ से विनती करता हूँ , हे मसीह हमारे परमेश्वर , / मुझ पर दृष्टि कर और मुझ पर दया कर!'

'आनंद का प्रकाश :' और दिन का प्रोकीमेनोन : आज प्रभु का धन्यवाद करो:

स्टिचेरा पर, ऑक्टोइकोस से रविवार का स्टिचेरा , स्वर 5

हे मसीह, तेरे पवित्र क्रूस द्वारा , / तूने शैतान को लज्जित किया है , / और तेरे पुनरुत्थान द्वारा तूने पाप के डंक को कुंद कर दिया है / और हमें मृत्यु के द्वार से बचाया है। / हम तुझे महिमा देते हैं , एकमात्र पुत्र।

स्टिचि : मैंने अपनी आँखें तुझ पर उठाई हैं , जो स्वर्ग में वास करता है :

हे प्रभु , मैं पाप करना नहीं छोड़ता , / और, एक मनुष्य के समान, मुझे इसका पता नहीं चलता। / मेरी इस बेसुध अवस्था पर विजय प्राप्त कर, / हे एकमात्र शुभंकर , और मुझ पर दया कर!

छंद : हे प्रभु , हम पर दया करो, हम पर दया करो:

सभी सांसारिक चीज़ों को तुच्छ समझकर / और साहसपूर्वक यातनाओं को सहते हुए , / आप अपनी धन्य आशाओं में धोखा नहीं खाए, / बल्कि स्वर्ग के राज्य के वारिस बने , / हे सर्व - स्तुत्य शहीदों। / मानवता के प्रेमी , परमेश्वर के सामने साहस रखते हुए , / संसार के लिए शांति माँगो / और हमारी आत्माओं के लिए महान दया माँगो।

महिमा, और अब, इस पर्व के दिन, स्वर 2: जब यीशु मंदिर के पास से गुजर रहे थे , / तो वे जन्म से अंधे एक मनुष्य के पास आए; / और, दया से प्रेरित होकर, उन्होंने उसकी आँखों पर मिट्टी का लेप लगाया / और उससे कहा, 'जा, शिलोआम में स्नान कर।' / और स्नान करने पर, उसने अपनी दृष्टि प्राप्त की, और परमेश्वर की महिमा की। तब उसके पड़ोसियों ने उससे पूछा : / 'तुझसे किसने आँखें खोलवायीं , / जिसे कोई देखने वाला भी ठीक नहीं कर सकता था?' / उसने पुकार कर कहा: / 'यीशु नाम के उस आदमी ने मुझसे कहा: / "शिलोम में जाकर धो"—और मुझे मेरी दृष्टि मिल गई। / वही सच्चे अर्थ में वह हैं / जिनके विषय में मूसा ने व्यवस्था में मसीहा के रूप में कहा था; / वही हमारे आत्माओं के उद्धारकर्ता हैं !'

ट्रिसैजियन के बाद, रविवार का ट्रॉपारियन : 'वचन, बिना आरंभ के , पिता और आत्मा के समान:'
महिमा: संत का ट्रॉपारियन , यदि कोई हो; और अब: थियोटोकोस। फिर दोहरी एकटेनिया और समापन।

ईस्टर के छठे सप्ताह

वषिय-सूची पर वापस

मंगलवार को वेस्पर्स पर

नवें घण्टे के बाद, पुरोहति शाही द्वार (रॉयल डोर्स) खुले होने पर, एक धूपदान और एक मोमबत्ती लेकर वेस्पर्स आरंभ करता है, और छंदों के साथ: 'मसीह जी उठे हैं' का **गायन करता है। छंदों के बाद, भजन:** 'हे मेरी आत्मा, प्रभु का धन्यवाद कर'; **और एकटेनयिा होता है। प्रथागत कैथस्मिा का भी गायन कयिा जाता है।**

'हे प्रभु, मैं ने पुकारा' पर
अंधे आदमी के बारे में सप्ताह के स्टचिरा, छठे स्वर में, स्वर 2

जन्म से अंधा मनुष्य मन में ऐसा वचिार करने लगा: / 'क्या मैं अपने माता-पतिा के पापों के कारण बनिा आँखों के पैदा हुआ? / क्या मैं जातयिों की अवशि्वास के कारण उनकी नदिा के लएि पैदा हुआ? / मैं अब यह नहीं पूछ सकता: रात कब है, दनि कब है? / मेरे पैर अब पत्थरों पर ठोकर नहीं खा सकते: / क्योंकि मैंने न तो चमकते सूरज को देखा है, / और न ही मानव रूप में अपने सृष्टकिर्ता को। / परन्तु मैं तुझ से वनिती करता हूँ, हे हमारे परमेश्वर मसीह, / मुझ पर दृष्टि कर और मुझ पर दया कर!'

जब यीशु मन्दरि के पास से गुजर रहे थे, / तो उन्हें एक आदमी मलिा जो जन्म से अंधा था; / और, दया से प्रेरति होकर, उन्होंने उसकी आँखों पर मट्टिी का लेप लगाया / और उससे कहा, 'जा, शलिोआम में स्नान कर।' / और जब उसने स्नान कयिा, तो उसे अपनी दृष्टि वापस मलि गई, और वह परमेश्वर की महमिा करने लगा। तब उसके पड़ोसयिों ने उससे पूछा: / 'तुझमें कौन से नेत्रों ने दृष्टि खोली, / जनि्हें कोई देखने वाला भी ठीक नहीं कर सकता था?' / उसने चलि्लाकर कहा: / 'यीशु नामक मनुष्य ने मुझसे कहा: / "शलिोम में स्नान कर," और मुझे दृष्टि प्राप्त हुई। / वही सच्चे मायने में वह हैं / जनिके बारे में मूसा ने व्यवस्था में मसीहा के रूप में बात की थी; / वही हमारे आत्माओं के उद्धारकर्ता हैं!'

आवाज़ 4: अपने पूरे जीवन को एक रात मानते हुए, / अंधे ने आपसे पुकारा, हे प्रभु: / 'हे दाऊद के पुत्र, हमारे उद्धारकर्ता, मेरी आँखें खोल दीजएि, / ताकि मैं भी अन्य सभी के साथ आपकी सामर्थ्य का गीत गा सकूँ!'

स्वर 5: हे प्रभु, जब आप मार्ग पर चल रहे थे, / आप जन्म से अंधे एक मनुष्य के पास पहुँचे; / और, आश्चर्य से भरकर, / आपके चेलों ने आपसे पूछा, कहते हुए: / 'हे गुरु, कसिने पाप कयिा: / उसने या उसके माता-पतिा ने, कि वह अंधा ही उत्पन्न हुआ?' / परन्तु आप, मेरे उद्धारकर्ता, उनसे पुकार कर बोले: / 'न तो उसने पाप कयिा है और न उसके माता-पतिा ने, / परन्तु यह इसलएि है कि परमेश् वर के काम उस में प्रगट हों। / मुझे उसी के काम करने हैं जसिने मुझे भेजा है, / जो कोई और नहीं कर सकता।' / और यह कहकर, आपने जमीन पर थूक दयिा, / और लार से एक लेप बनाया, / और उसकी आँखों पर लेप लगाकर उससे कहा: / 'जाकर सलिोम के तालाब में स्नान कर।' / और जब उसने स्नान कयिा, तो वह चंगा हो गया और तेरे प्रति पुकार उठा: / 'हे प्रभु, मैं वशि्वास करता हूँ!' – और उसने तेरी आराधना की। / इसलयि हम भी पुकारते हैं: 'हम पर दया कर!'

स्वर 8: हे अनदेह धार्मकिता के सूर्य, मसीह हमारे ईश्वर, / जनि्होंने प्रकाश से वंचति माता के गर्भ को, / अपने परम शुद्ध स्पर्श से दो प्रकारों में प्रकाशति कयिा! / और हमारी आत्माओं की आँखों को प्रबुद्ध करके, / हमें दनि के पुत्र बना, / ताकि हम वशि्वास

के साथ तुझसे पुकार सकें : / 'हे प्रभु , तेरा हमारे प्रति प्रेम महान और अकथनीय है ; / हे मानवजाति के प्रेमी , तेरा गौरव हो!'

हे प्रकाश -प्रदाता ईश्वर , जिन्होंने अपने हृदय की कृपा से मसीह को अवतार दिया, यद्यपि वह अपनी माता के गर्भ के प्रकाश से वंचित था, आपने अपनी अकथनीय करुणा की दया से उसे दिव्य तेज प्रदान किया, अपनी उँगलियों से उसकी आँखों को छूकर , जिन्होंने उसे धूल से रचा था; / अब भी, हे प्रकाश के दाता, / हमारी आत्माओं की भावनाओं को प्रबुद्ध करो, / उदारतापूर्वक प्रदान करने वाले के रूप में।

अब महिमा, स्वर 8: हे मसीह, तेरी सामर्थ्य को कौन कह सकता है , / अथवा तेरे आश्चर्यों की संख्या कौन गिन सकता है ? / क्योंकि आप दया में दृढ़ हैं , पृथ्वी पर अपनी भलाई से प्रकट हुए , / और पीड़ितों पर दृढ़ उपचार प्रदान करते हैं : / क्योंकि आपने न केवल जन्मजात अंधे की शारीरिक आँखें खोलीं , / बल्कि आत्मा की आँखें भी। / इसलिए उसने आपको छिपे हुए ईश्वर के रूप में स्वीकार किया, / और सभी के लिए महान दया के दाता के रूप में।

दिन का प्रोकैइमेनन।

स्टिचेरा पर, रविवार का स्टिचेरा , स्वर 5

हम तुझे महिमामय करते हैं , हे मसीह उद्धारकर्ता जो देहधारी हुआ , / और स्वर्ग को नहीं छोड़ा , / अपने भजनों के स्वरों से ; / क्योंकि तूने हमारे लिए क्रूस और मृत्यु को स्वीकार किया, / एक ऐसे प्रभु के रूप में जो मानवजाति से प्रेम करता है ; / नरक के द्वारों को नष्ट करके , तू तीसरे दिन पुनरुत्थित हुआ , / हमारे आत्माओं को बचाते हुए।

और पास्का के स्टिचेरा , स्वर 5

स्टिचि : परमेश्वर उठे / और उसके शत्रु बिखर जाएँ।

आज हम पर पवित्र पास्का प्रकट हुआ है , – नया, पवित्र पास्का , रहस्यमय पास्का , वह पास्का जो सभी द्वारा सम्मानित है। / ईस्टर – मसीह उद्धारकर्ता ; / ईस्टर , निर्दोष , / ईस्टर , महान, / ईस्टर , विश्वासियों का, / ईस्टर , जिसने हमारे लिए स्वर्ग के द्वार खोल दिए, / ईस्टर , जो सभी विश्वासियों को पवित्र करता है।

पद: जैसे धुआँ गायब हो जाता है , / वैसे ही वे गायब हो जाएँ।

दृष्टि के बाद आगे बढ़ो , हे शुभ समाचार लाने वाली स्त्रियों , / और सियोन को यह घोषणा करो: / 'हमसे मसीह के पुनरुत्थान के शुभ समाचार का आनन्द ग्रहण करो!' / हे यरूशलेम , आनन्द मनाओ, उल्लास करो और हर्षित हो जाओ, / क्योंकि तुमने मसीह राजा को, एक वधू के समान, / कब्र से निकलते हुए देखा है।

छंद : इस प्रकार पापी परमेश्वर की उपस्थिति से नाश हों , / और धर्मी आनन्द मनाएँ।

सुगंधित द्रव्य लिए स्त्रियाँ , भोर-भोर, / जीवन-दाता के समाधि पर आईं , / वहाँ उन्होंने पत्थर पर एक स्वर्गदूत को बैठा पाया, / और वह, उनकी ओर मुड़कर , इस प्रकार पुकार उठा: / 'तुम जीवते को मरे हुओं में क्यों ढूँढ़ती हो? / तुम अक्षय को ऐसे क्यों शोक करती हो जैसे वह क्षयशील हो? / लौट जाओ और उनके शिष्यों से कहो!'

पद: यह वह दिन है जिसे प्रभु ने बनाया है ; / हम इस में आनन्द करें और हर्षित हों !

हर्षोल्लासपूर्ण ईस्टर , / ईस्टर , प्रभु का ईस्टर , / हमारे लिए परम पवित्र ईस्टर का उदय हुआ है। / ईस्टर ! आओ हम एक-दूसरे को आनंद से गले लगाएँ। / हे ईस्टर – दुख से मुक्ति ! / क्योंकि इसी दिन, कब्र से , / एक वधू -कक्ष से जैसे प्रकाशित होकर, मसीह ने / स्त्रियों को आनंद से भर दिया, कहते हुए : / 'जाओ और प्रेरितों से कहो!'

महिमा, और अब, स्वर 5: पुनरुत्थान का दिन! / और आनन्द से प्रकाशित हों / और एक-दूसरे को गले लगाएँ ; / कहें : 'हे भाइयों !' / और जो हमसे द्वेष रखते हैं , / - उन्हें भी

क्षमा करें , पुनरुत्थान के लिए / और इस प्रकार घोषणा करें : / 'मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं , / मृत्यु को मृत्यु से जीते हैं , / और कब्रों में पड़े लोगों को जीवन प्रदान किया है !'

अब आप हमें वदिा करते हैं : प्रभु की प्रार्थना के बाद त्रसिगियोन :

ईस्टर ट्रोपारयिन , स्वर 5

वचन, जो पिता और आत्मा के समान अनारंभ है , / हमारे उद्धार के लिए कुँवारी से जन्म लिया, / हे विश्वासियों , आओ गाएँ और उसकी आराधना करें , / क्योंकि उसे प्रसन्नता हुई कि वह देह धारण करे और क्रूस पर चढ़े , / और मृत्यु सहन करे , और अपने महिमामय पुनरुत्थान से मृतकों को जिला उठाए।

महिमा, और अब, ईश्वर की माता को, उसी स्वर में : आनंदित हो, हे प्रभु के अतुलनीय द्वार ! / आनंदित हो, हे दीवार और आश्रय , जो तेरा शरण लेते हैं ! / हे शांत बंदरगाह और अविवाहित कुँवारी , आनंदित हो, / जिन्होंने अपने सृष्टिकर्ता और ईश्वर को देह में जन्म दिया! / जो गाते हैं और आपसे उत्पन्न हुए का सम्मान करते हैं , उनके लिए मध्यस्थता करना न छोड़ें।

और एकटेनिया : हे ईश्वर , हम पर दया करो: और प्रथागत विदाई बोली जाती है : जो मरे हुओं में से जी उठे हैं : बिना क्रॉस के , पवित्र दिन का उल्लेख करते हुए , फिर हम 'बहुत वर्ष ' गाते हैं।

ईस्टर के बाद छठे सप्ताह के बुधवार को
मैटिन्स में

'पवित्र और एकसार स्वभाव वाले ईश्वर को महिमा' की **उद्घोषणा के बाद, पुरोहित संध्या की प्रार्थना की तरह धूपदान और भजनों के साथ पास्काली अनुष्ठान करता है। इसके बाद, मठाध्यक्ष या पाठक उद्घोष करता है :** 'परम ऊँचाई पर ईश्वर की महिमा'; **और छठा भजन परंपरा के अनुसार गाया जाता है।**

'ईश्वर प्रभु :' पर
रविवार का ट्रॉपारयिन दो बार, स्वर 5 में गाया जाता है।

वचन, जो अनारंभ है , पिता और आत्मा के समान, / कुँवारी से हमारे उद्धार के लिए जन्म लिया, / हे विश्वासियों , आओ गाएँ और उसकी आराधना करें , / क्योंकि उसे मन भाया कि वह देह धारण करे और क्रूस पर चढ़े , / और मृत्यु सहन करे , और मृतकों को जिला उठाए / अपनी महिमामय पुनरुत्थान से।

महिमा, और अब, थियोटोकोस को, उसी स्वर में : हे प्रभु के अतुल द्वार , आनन्दित हो! / हे दीवार और आश्रय , आनन्दित हो, जो तुझ में शरण लेते हैं ! / आनंदित हो, शांत बंदरगाह और अविवाहित कुंवारी , / जिन्होंने अपने सृष्टिकर्ता और ईश्वर को देह में जन्म दिया! / जो गाते हैं और आपसे उत्पन्न हुए उन्हें सम्मानित करते हैं , उनके लिए मध्यस्थता करना न छोड़ें।

रविवार के सेडल के पहले स्वर के अनुसार , स्वर 5

आओ हम प्रभु के क्रूस की स्तुति करें , / भजनों से उनके पवित्र समाधि-समारोह का सम्मान करें , / और उनके पुनरुत्थान की महिमा करें ; / क्योंकि उन्होंने , परमेश्वर के रूप में , मृतकों को उनके कब्रों से स्वयं के साथ उठाया, / मृत्यु की शक्ति और शैतान की सामर्थ्य को नष्ट किया, / और अधोलोक में रहने वालों पर प्रकाश प्रदान किया।

छंद : उठो, हे प्रभु मेरे परमेश्वर , तेरा हाथ ऊँचा कयि जाए; / अपने दीनों को अंत तक न भूल !
भजन संहति 9:33

हे प्रभु ! तुझे मृत घोषति कयि गया, तूने ही मृत्यु को मृत्यु के मुख से छीन लयि; / तुझे एक कब्र में रखा गया, तूने ही कब्रों को खाली कर दयि। / पृथ्वी पर, सैनकिों ने तेरी कब्र की रखवाली की, / अधोलोक में तूने प्राचीनकाल से मृतकों को जलि उठाया। / सर्वशक्तमिान और अगम्य प्रभु , महमिा तुझे हो!

महमिा, और अब, परमेश्वर की माता को: आनंदति हो, हे पवत्रि पर्वत , जसि पर केवल परमेश्वर ने ही पदार्पण कयि! / आनंदति हो, हे जीवति और न जलने वाली झाड़ी ! / आनंदति हो, हे संसार का परमेश्वर तक जाने का एकमात्र सेतु , / जो मनुष्यों को अनंत जीवन की ओर ले जाता है ! / आनंदति हो, नरि्दोष कुँवारी , / जनि्होंने कसिी पुरुष को न जानकर, / हमारे आत्माओं के उद्धारकर्ता को जन्म दयि!

और पाठ।

सेडेलन की दूसरी छंद के बाद, स्वर 5

आरंभ रहति, पति और आत्मा के समान, / प्रकाश को वस्त्र की तरह धारण कए हुए , / मानवजाति के प्रति प्रेम से उन्होंने हमारी प्रकृति ग्रहण की, / और ईश्वर के रूप में नश्वर प्राणयिों की दुर्बलताओं को दूर करते हुए , / उन्होंने उन लोगों की आँखों को भी प्रकाशति कयि / जो अपनी माँ के गर्भ से प्रकाश से वंचति थे। **(2)**

रविवार का भजन

मसीह के पुनरुत्थान को देखकर , / हम पवत्रि प्रभु यीशु की आराधना करें , / जो एकमात्र पापरहति हैं। / हे मसीह, हम तेरे क्रूस की आराधना करते हैं , / और हम तेरे पवत्रि पुनरुत्थान का गान और महमिा करते हैं , / क्योंकि तू ही हमारा परमेश्वर है , / हम तुझसे सवि और कसिी को नहीं जानते , / हम तेरे नाम का आह्वान करते हैं। / आओ, हे सभी वशि्वासयिों , / हम मसीह के पवत्रि पुनरुत्थान की आराधना करें , / क्योंकि देखो , क्रूस के द्वारा / संपूर्ण जगत में आनंद आया है। / सदैव प्रभु का धन्यवाद करते हुए , / हम उनके पुनरुत्थान का गीत गाते हैं , / क्योंकि उन्होंने , सूली पर चढ़ाए जाने को सहते हुए , / मृत्यु को मृत्यु से कुचल डाला है। **(3)**

भजन संहति 50।

कैनन : पास्का के लिए इरमोस के साथ 6, अंधों के लिए 4, और आरोहण की नगिरानी के लिए 4।

कैनन।
संत जॉन ऑफ़ डमास्कस की रचना, स्वर 1।
गीत 1

इरमोस: पुनरुत्थान का दनि! हे लोगों , आनन्द मनाओ! / ईस्टर ! प्रभु का ईस्टर ! / क्योंकि मृत्यु से जीवन में और पृथ्वी से स्वर्ग में / मसीह ईश्वर ने हमें लाया है , / जब हम वजिय का गीत गाते हैं।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

आओ हम अपने इंद्रयिों को शुद्ध करें और देखें / मसीह को चमकते हुए / पुनरुत्थान के अगम्य प्रकाश में , / और आओ हम स्पष्ट रूप से उन्हें कहते हुए सुनें , 'खुशी मनाओ!' / जब हम वजिय का गीत गाते हैं।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

आकाश उचति रूप से आनंद मनाए, / पृथ्वी हर्षति हो, / संपूर्ण संसार उत्सव मनाए, / दृश्यमान और अदृश्य दोनों : / क्योंकि मसीह जी उठे हैं , जो कभी न खत्म होने वाला आनंद है।

थियोटोकोस के भजन,
परम पूज्य थियोफेंस और जोसेफ द्वारा रचित

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अतिपवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

आपने मृत्यु के बंधन तोड़ दिए, / अपने गर्भ में अनंत जीवन, मसीह, को धारण कर, / जो आज कब्र से प्रकट हुए , / हे सदा कुंवारी , / और जिन्होंने संसार को प्रकाशित किया।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अतिपवित्र माता, हमें बचाओ।

तेरे पुत्र और ईश्वर , पुनरुत्थित प्रभु को देखकर , हे ईश्वर -धन्य और पवित्र एक, प्रेरितों के साथ आनंदित हो! और हे ईश्वर की निर्मल माता, 'आनंदित हो' शब्द सबसे पहले तुमने ग्रहण किए, जो सभी के लिए आनंद का स्रोत हैं।

अंधों के लिए कैनन ,
परम पूजनीय जोसेफ द्वारा रचित, स्वर 5
ओड 1

इरमोस: वह भूमि जिस पर सूर्य का प्रकाश नहीं पड़ा :

हे उद्धारकर्ता , देह में स्वेच्छा से क्रूस को स्वीकार करके , / हे प्रभु , आपने संसार पर आशीष और जीवन बहाया, / जो सर्व -धन्य और सभी का सृष्टिकर्ता है। / इसलिए हम आपको धन्य कहते हैं , गाते हैं और महिमा देते हैं , / विजय का गीत गाते और बजाते हुए।

सबसे गहरी खाई में / नेक जोसेफ ने आपको, कष्ट -सहिष्णु मसीह को, लिटाया, / जो मृतक समान हो गए थे , / और कब्र के द्वार पर एक पत्थर लुढ़का दिया। / परन्तु आप फिर जी उठे , हे महिमामय, और संसार को अपने साथ उठा लिया, / जय-गीत गाते और बजाते हुए।

'तुम आँसुओं के साथ धूप क्यों लाती हो?' / – सम्मानित स्त्रियों के सामने प्रकट हुए स्वर्गदूत ने पुकारा – / 'मसीह जी उठे हैं। दौड़ो , और दिव्य शिष्यों से कहो, / जो शोक मना रहे हैं और विलाप कर रहे हैं , / कि वे आनन्दित हों और हर्षित हों !'

महान चमत्कार करते हुए , / हे उद्धारकर्ता , आपने जन्म से अंधे मनुष्य को भी चंगा किया, / उसकी आँखों पर मिट्टी का लेप लगाकर कहा: / 'जा और सिलोम में स्नान कर, / ताकि तू मुझे , परमेश्वर को, पृथ्वी पर चलते हुए जान सके , / जो अपने हृदय की करुणा से देहधारी हुआ हूँ।

स्वर्गारोहण की पूर्व संध्या के लिए कैनन
अक्षरमाला पर आधारित एक अक्रोस्टिक , स्वर 5 में।
ओड 1

इरमोस: घोड़ा और सवार:

मसीह पिता के पास उच्च स्थान पर आरोहण करते हैं / और उस देह को साथ ले जाते हैं जो उन्होंने हमसे ली थी: / आइए आज उन्हें स्तुति के भजनों से महिमामय करें , / विजय का गीत गाते हुए। (2)

महिमा: दिव्य प्रेरित धर्मग्रंथों की पुस्तकें , / और धर्मनिष्ठ ऋषियों के उपदेश , / स्पष्ट रूप से अपनी पूर्ति को प्राप्त कर चुके हैं : / क्योंकि प्रभु अपने पुनरुत्थान के बाद / महिमा के साथ स्वर्गीय क्षेत्रों में आरोहण करते हैं।

और अब: पृथ्वी रहस्य में आनंदित है , / और सारा स्वर्ग खुशी से भर गया है / मसीह के स्वर्गारोहण पर, / जिन्होंने अपनी कृपा से , जो कभी विभाजित था उसे पुनर्मिलन कराया / और शत्रुता की दीवार को गिरा दिया।

कातावासिया: उद्धारकर्ता ईश्वर को, / जिन्होंने अपने लोगों को बिना भीगे पैरों के समुद्र पार कराया / और फिरौन को उसके सारे दल के साथ डुबो दिया, – / केवल उसी का हम गान करें , / क्योंकि वह महिमामय है।

ईस्टर उत्सव

भजन 3

इरमोस: आओ, हम नया पान करें , / जो एक बाँझ चट्टान से चमत्कारकि रूप से नहीं नकिला, / बल्कि अमरत्व का वह झरना, / जो मसीह के कब्र से फूटा , / जसिमें हम दृढ़ कएि गए हैं।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

अब सब कुछ प्रकाश से भर गया है , / स्वर्ग , पृथ्वी और पाताल लोक: / सारी सृष्टि मसीह के पुनरुत्थान का उत्सव मनाए, / जसि पर यह स्थापति है।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

कल मैं आपके साथ दफ़नाया गया था, हे मसीह, / – आपके साथ, जो जी उठे हैं , मैं आज उठता हूँ ; / कल मैं आपके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया था: / मुझे अपने साथ महमिामय बनाएं , हे उद्धारकर्ता , / अपने राज्य में !

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमारा उद्धार करो।

शुद्धता के जीवन की ओर / मैं आज के दनि बढ़ता हूँ , / उस की कृपा से जो तुमसे , हे पवत्रि एक, जन्मे , / और जन्हिोंने अपनी ज्योति से संसार के सभी छोरों को प्रकाशति कयिा।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमें बचाओ।

ईश्वर को देखकर , जसिे आपने देह में / अपने गर्भ में धारण कयिा था, हे पवत्रि , / मृतकों में से जी उठे , जैसा उन्होंने कहा, आनंदति हो, / और ईश्वर के रूप में , हे नर्मिल , उनका महमिामंडन करो।

अंधों के लएि कैनन। इरमोस: हे प्रभु , मेरा हृदय :

हे दीर्घ -सहष्णिु , आपने अपने पवत्रि क्रूस पर चढ़ने के द्वारा , जो आपने शरीर में सहा, संपूर्ण पृथ्वी को हलिाकर, डगमगाते हृदयों को स्थरि कयिा है।

हे दयालु , एक नए कब्र में , / कुलीन यूसुफ ने आपको लटिाया; / परन्तु तीसरे दनि आप मरे हुओं में से जी उठे , / हमें नया कर के।

'तुम प्रभु को ऐसे क्यों ढूँढ़ती हो जैसे वह मरे हों ? / वे जी उठे हैं , जैसा उन्होंने कहा था,' / – स्वर्गदूत ने स्त्रयिों से कहा, / दव्यि मुखमंडल से प्रकाशमान होकर।

एक बार, जन्म से अंधा वह मनुष्य , / जो तेरी ओर मुड़ा था, उसे तूने चंगा कयिा, हे सर्व - दयालु , / और उसने तेरी व्यवस्था और तेरे चमत्कारों की महमिा करना आरंभ कयिा।

पूर्वोत्सव का कैनन। इरमोस: जसिने पृथ्वी को शून्य पर स्थापति कयिा:

हे वचन, आपने अपनी मृत्यु से मृत्यु को बाँधकर , / तीसरे दनि मृतकों में से स्पष्ट रूप से पुनरुत्थान कयिा, / और हे उद्धारकर्ता , महमिा में स्वर्गीय क्षेत्रों में आरोहण कयिा, / जबकि अदेह प्राणी आपकी अनुपम दव्यि व्यवस्था के सम्मान में गा रहे थे।

महमिा: हे मसीह, तू पृथ्वी पर बनिा देह के आया / और देहधारी हुआ ; / तूने क्रूस का दुख सहा और मृतकों में से जी उठा; / तू महमिा में प्रकाश के स्रोत – अपने पति के पास आरोहण कयिा, / सभी के लएि शांति लाकर।

और अब: पृथ्वी पर खोए हुए भेड़ के बच्चे को खोजकर, हे मसीह, / आपने उसे उन लोगों के साथ जोड़ दयिा है जो मार्ग से न भटके थे , हे वचन; / और स्वर्ग में आरोहण करके , आपने अपनी महमिा में / अपने पति के दाहनि हाथ पर अपना सहिासन ग्रहण कयिा है। / आपकी महान दया की महमिा हो!

कातावासयिा: हे ख्रीस्त , तेरे क्रूस की शक्ति से , / मेरे मन को दृढ़ कर, / ताकि मैं गा सकूँ और महमिा दे सकूँ / तेरे उद्धारक आरोहण को।

ईस्टर उत्सव

अंधा आदमी का कोंटाकयिन , स्वर 4

मेरी आत्मा की आँखें कमज़ोर हो गई हैं , / मैं तेरे पास आता हूँ , हे मसीह, / जन्म से अंधा व्यक्ति सा, / पश्चाताप में तेरा आह्वान करते हुए : / 'तू अंधकार में रहने वालों के लिए परम तेजस्वी प्रकाश है !'

इकोस: हे मसीह, मुझे अकथनीय ज्ञान और स्वर्गीय बुद्धि की धारा प्रदान करें , / अंधकार में रहने वालों और भटक गए लोगों के मार्गदर्शक , / कि मैं बखान कर सकूँ / जो बातें संसार के सुसमाचार की दिव्य पुस्तक ने स्पष्ट रूप से सिखाई हैं — / अंधे आदमी का चमत्कार : / कि कैसे वह जो जन्म से अंधा था / ने शारीरिक और आध्यात्मिक दोनों दृष्टि प्राप्त की, विश्वास में पुकारते हुए : / 'आप अंधकार में रहने वालों के लिए सबसे तेजस्वी प्रकाश हैं !'

सेडालेन , स्वर 1

हे ख्रीस्त , तूने देहजन्मा अंधा को नेत्र दिए, / हे मेरे उद्धारकर्ता , यहूदियों को अपनी अकथनीय महिमा प्रकट करते हुए , / और यह कि तू सभी का प्रकाश है। / परन्तु जिनके मन ईर्ष्या से भ्रष्ट थे , / उन्होंने तेरे विरुद्ध षड्यंत्र रचा, / जीवनदाता को मार डालने की खोज में।

महिमा, और अब: हे उद्धारकर्ता , तू उसी प्रकार जन्मा , जैसा तूने स्वयं चाहा; तू उसी प्रकार प्रकट हुआ , जैसा तूने स्वयं चाहा, और एक मनुष्य के रूप में दुख भोग किया, परन्तु परमेश्वर के रूप में पुनरुत्थित हुआ। तू महिमा में स्वर्ग में आरोहण किया, और वहाँ मानव स्वभाव को पुनर्जीवित किया, और उसे अपनी महिमा से सुशोभित किया।

भजन 4

इरमोस: दैवी रक्षक , धर्मशास्त्री हबक्कूक , हमारे साथ खड़े हों और प्रकाश -धारण करने वाले स्वर्गदूत को प्रकट करें , जो स्पष्ट रूप से उद्घोषणा करता है : 'आज के दिन – संसार के लिए उद्धार , क्योंकि मसीह सर्वशक्तिमान के रूप में पुनर्जीवित हुए हैं। '

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

मसीह मनुष्य के रूप में प्रकट हुए , / उन्होंने कुँवारी के गर्भ को खोल दिया; / और भोजन के रूप में अर्पित होकर, उन्हें मेमना कहा जाता है ; / फिर भी, निर्दोष —अपवित्रता से अछूते — / वे हमारे पासोवर हैं ; / और, सच्चे ईश्वर के रूप में , / उन्हें परिपूर्ण कहा जाता है।

कोरस: मसीह मृतकों में से जी उठे हैं।

एक वर्ष के मेमने की तरह, / हमारे लिए – दया का मुकुट , / धन्य प्रभु , स्वेच्छा से सभी के लिए बलिदान हुए , / एक शुद्धिकरण करने वाला पासोवर के रूप में , / और एक बार फिर कब्र से हम पर चमके / धार्मिकता के गौरवशाली सूर्य के रूप में।

कोरस: मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

दाऊद, परमेश्वर के पूर्वज , / सन्दूक के सामने उछलते और नाचते थे , जैसे किसी छाया में ; / पर हम, परमेश्वर की पवित्र प्रजा , / प्रकारों की पूर्ति को देखकर , / दिव्य प्रेरणा से आनन्द मनाएँ , / क्योंकि मसीह सर्वशक्तिमान , मृतकों में से जी उठे हैं।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करें।

हे पवित्र एक, जिसने आदम, तुम्हारे पूर्वज , को बनाया, / वह तुम्हारे द्वारा रचा गया है , / और इस दिन उसने , अपनी मृत्यु से , / उस मृत्यु को समाप्त कर दिया जो उससे आई थी, / और सभी को प्रकाशित किया है / पुनरुत्थान के दिव्य तेज से।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

हे पवित्र कन्या , मसीह को निहारते हुए , जिन्हें तुमने अपने गर्भ में धारण किया था, / जो सभी के उद्धार के लिए आज मृतकों में से अद्भुत रूप से प्रकट हुए , / स्तुतियों में महिमामय और निर्दोष , और सुंदर , / प्रेरितों के साथ आनंद मनाते हुए , उनकी महिमा करो।

अंधों के लिए कैनन। इरमोस: मैंने सुना है , हे प्रभु :

मुझे , जो वृक्ष का फल खाने से मर गया था, / आपने , हे जीवन, अपनी महान दया से क्रूस पर चढ़ाए जाकर, पुनर्जीवित किया है ; / इसलिए, हे वचन, मैं आपकी महिमा करता हूँ।

चेलों के साथ अद्भुत रूप से निवास करते हुए , / हे प्रभु , आपने उनसे कहा: / 'जाओ, सर्वत्र प्रचार करो / मेरे पुनरुत्थान का!'

हे प्रभु , कब्र से अपने पुनरुत्थान की पुष्टि करते हुए , / हे मसीह, आपने अपने प्रेमियों के साथ, / कई दिनों तक संवाद किया, / उन्हें आनंद से भरते हुए।

हे प्रभु , आपने जन्म से अंधे को दृष्टि प्रदान की, यह कहते हुए : 'जा, स्नान कर, और देख , मेरी दिव्यता का महिमामंडन करते हुए। '

पूर्व -उत्सव का कैनन। इरमोस: आपकी दिव्यता को समझकर:

हमारी प्रकृति , जो कभी पाप के लिए दण्डित थी, / हे सर्व के राजा, उसे स्वीकार करने के द्वारा उस पर दया दिखाई गई है : / और गीत में वह भय-भक्ति के साथ / आपके पुनरुत्थान और आपके दिव्य स्वर्गारोहण की महिमा करती है।

अमूर्त प्राणियों की सेनाएँ विस्मय से भर जाती हैं , / जब वे आपको, हे मसीह, मानव स्वभाव धारण करते हुए देखते हैं , / एक बादल पर आरोहण करते हुए , / और स्वर्गीय लोकों में आरोहण करते हुए।

महिमा: तेरे रक्तमि वस्त्रों को निहारते हुए , हे सर्व के राजा मसीह, दैवीय सेनाएँ तेरे आरोहण से विस्मित हो गईं और भय व आनंद के साथ तेरी आराधना की।

और अब: हम तालियाँ बजाएँ : / प्रभु , मृतकों में से जी उठने के बाद, स्वर्ग में आरोहण कर गए, / और स्वर्गदूतों ने उन पर आज्ञाकारिता की, / जैसे हमारे सृष्टिकर्ता और ईश्वर पर!

कटवासिया: मैंने समाचार सुना / तेरे क्रूस की शक्ति का, / कि उससे स्वर्ग का द्वार खुला , / और मैंने पुकारा : 'तेरी शक्ति को महिमा हो, हे प्रभु !'

गीत 5

इरमोस: हम भोर से ही पहरा दें / और शोक के बदले प्रभु को गीत अर्पित करें , / और हम मसीह को देखेंगे – धार्मिकता का सूर्य , / जो सभी को जीवन की किरणें बिखेरता है।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे मसीह, तेरी असीम दया को देखकर , / नरक की बेड़ियों में बँधे हुए / आनंदित कदमों से प्रकाश की ओर दौड़े , / शाश्वत फसह की स्तुति करते हुए।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

आओ हम हाथों में दीपक लेकर मसीह के समीप जाएँ , / जो कब्र से एक वधू के समान निकले हैं , / और आओ हम सब मिलकर / आनंदित स्वर्गदूतों के साथ / परमेश्वर के उद्धारक पर्व को मनाएँ।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, / आपके पुत्र के पुनरुत्थान की दिव्य / और जीवन-दायक किरणों से प्रकाशित , / भक्तों की सभा आनंद से भर गई है।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अतिपवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

हे सृष्टि के राजा, तूने मूर्तिग्रहण के समय कुँवारीपन के द्वार नहीं खोले , न ही तूने कब्र की मुहरें तोड़ीं , और इसलिए, तुझे पुनर्जीवित देखकर , माता हर्षित हुई।

अंधों के लिए कैनन। इरमोस: मेरी दीन आत्मा :

हे दयालु , तुझे वृक्ष पर चढ़ाया गया, / और तूने अपने साथ सभी नश्वर प्राणियों को उठाया, / और तूने शत्रु सांप को मार गिराया, / और तूने अपने हाथों की सृष्टि को पुनर्जीवित किया, / सर्व का एकमात्र ईश्वर के रूप में।

हे अमर राजा, आपने स्वेच्छा से मृतक बनकर कब्र में विश्राम लिया, / और आपने अपने पुनरुत्थान से मृतकों को जीवित कर, / पाताल के सभी राजसी महलों को उजाड़ दिया।

हे वचन, जिन्होंने पृथ्वी पर महान चमत्कार किए, / आप विधिर्मियों की संतान द्वारा मृत्यु के हवाले किए गए; / परन्तु हे प्रभु , हे सर्वशक्तिमान , / हे मसीह, आप स्वयं मृतकों में से जी उठे , जैसा आपने पूर्व में बताया था।

तूने उस की आँखें खोल दीं जिसने इस संसार का प्रकाश नहीं देखा था, / और उसके प्राण की दृष्टि को प्रबुद्ध किया, / ताकि उसके कर्म तुझे महिमामय करें , / जिसने तुझमें सृष्टिकर्ता को पहचाना, / जो अपनी दया में मनुष्य के रूप में प्रकट हुआ।

पूर्व -उत्सव का कैनन। इरमोस: प्रकाश में लिपटे :

मानव जाति की निंदा को समाप्त कर, / मसीह जी उठे और स्वर्गीय लोकों में आरोहण किए, / पिता के साथ अपने सिंहासन द्वारा सम्मानित करते हुए , / जिन्हें उन्होंने प्रेम किया। (2)

महिमा: हे ख्रीस्त , पुनरुत्थान के दिन अपने शिष्यों को आनंद से भरकर, / तू अपने पिता के पास उच्च स्वर्ग में आरोहण कर गया, / जिससे तू कभी अलग नहीं था, / यद्यपि तू मनुष्यों के बीच वास करता था।

और अब: व्यवस्था और दैवीय शिक्षाओं को पूरा करके , हे मसीह, जब एक बादल ने आपको उठा लिया, हे उद्धारकर्ता , दिव्य क्षेत्रों में आप आरोहण कर गए।

कातावासिया: भोर होते ही निहारते हुए , हे प्रभु , हम तुझ से पुकारते हैं : 'हमारे उद्धारकर्ता , हमें बचा, क्योंकि तू ही हमारा परमेश्वर है ; तेरे सिवाय हम किसी और को नहीं जानते !'

स्तोत्र 6

इरमोस: तू पृथ्वी के सबसे निचले हिस्सों में उतर गया / और उन शाश्वत बाधाओं को तोड़ दिया / जो कैदियों को बेड़ियों में जकड़े हुए थीं , हे मसीह, / और तीसरे दिन, जैसे योनह व्हेल से निकला था, / तू कब्र से उठ खड़ा हुआ।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे मसीह, मुहरों को अछूता छोड़कर , / आप कब्र से उठे , / आपने अपने जन्म में कुँवारी के गर्भ को अछूता रखा, / और हमारे लिए स्वर्ग के द्वार खोल दिए।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हे मेरे उद्धारकर्ता , / जीवित और बिना काटा गया बलिदान! / स्वयं को, ईश्वर के रूप में , / स्वेच्छा से पिता को अर्पित करते हुए , / तुमने अपने साथ / हमारे सामान्य पूर्वज आदम को भी जिलाया, / कब्र से उठकर।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अतिपवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

जो अनादि काल से मृत्यु और क्षय का बन्दी था, / उसे उसने अक्षय और अनन्त जीवन में पुनर्जीवित किया है , / जिसने तेरी अति पवित्र गर्भ से अवतार लिया, / हे ईश्वर की कुंवारी माता।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमें बचाओ।

वह पृथ्वी के सबसे गहरे हिस्सों में उतरा / हे पवित्र , तेरी गहराइयों में ; वही जो उतरा / और वहाँ वास किया, और सर्व बुद्धि के परे देहधारी हुआ ; / और कब्र से जी उठकर, उसने आदम को भी अपने साथ उठा लिया।

अंधा आदमी का कैनन। इरमोस: जैसे भविष्यवक्ता को जानवर से बचाया गया था:

चोरों के साथ सलीब पर चढ़ाए गए, हे प्रभु , / आपने हमें दुष्ट चोरों —उन आत्मा - विनाशकारी वासनाओं —से मुक्ति दी है , / जो सभी एक स्वर में आपके सलीब पर चढ़ने और पुनरुत्थान का गायन करते हैं , / हे प्रभु , मानवता के प्रति प्रेम से परिपूर्ण।

उन्होंने आपको कब्र में रखा, निर्जीव और मृत , हे मसीह, सभी मृतकों को जीवन देने वाले ; परन्तु आप पुनरुत्थित हुए , हे प्रभु , कब्रों को खाली करते हुए , अपनी दिव्य शक्ति से , हे वचन।

हे मसीह, आपके पुनरुत्थान के बाद, / आपने अपने मित्रों से कहा: / 'अब यरूशलेम में ठहरे रहो, / जब तक कि तुम स्वर्गीय सामर्थ्य और अटल सहायता से परिपूर्ण नहीं हो जाते !'

पृथ्वी का लेप बनाकर, / आपने जन्म से अंधे मनुष्य की आँखों पर उसे लगाया / और उसे दृष्टि प्रदान की, / ताकि वह आपकी अकथनीय शक्ति का गान कर सके , हे वचन, / जिससे आपने संसार को बचाया।

पूर्वोत्सव का कैनन। इरमोस: उग्र समुद्र :

हे मानवजाति के प्रेमी , तू अपने भव्य आरोहण के समय एक नश्वर का रूप धारण करके स्वर्गदूतों के लिए एक असाधारण दृश्य के रूप में प्रकट हुआ : इसीलिए उन्होंने भक्तिपूर्वक तेरा गुणगान किया। (2)

महिमा: प्रभु आनंदपूर्वक सबके साथ महिमा में / अपने अनन्त पिता के पास आरोहण करते हैं : / सारी सृष्टि अब हर्षित होकर उत्सव मनाती है।

और अब: इस दिन हर जीभ पुकारे : / उद्घोषणा और तुरही की दैवी ध्वनि पर, / मसीह स्वर्ग में आरोहण कर गए, / जिसे उन्होंने कभी नहीं त्यागा था।

कातावासिया: गहराई ने मुझे निगल लिया, व्हेल मेरा ताबूत बन गई, पर मैंने तुझसे पुकारा , हे मानवता के प्रेमी , और तेरे दहिने हाथ ने मुझे बचाया, हे प्रभु।

कॉन्टाकियन , स्वर 8

यद्यपि हे अमर प्रभु , तू कब्र में उतर गया, / तथापि तूने नरक की शक्ति को नष्ट कर दिया / और विजेता के रूप में पुनरुत्थित हुआ , हे मसीह हमारे परमेश्वर , / मुर्रा -धारण करने वाली स्त्रियों से पुकार कर: 'हर्षित होओ!' / और अपने प्रेरितों पर शांति प्रदान करते हुए , / तू जो पतितों को पुनरुत्थान प्रदान करता है।

इकोस: वह सूर्य जो सूर्य से पूर्व विद्यमान था, / जो एक बार कब्र में उतरा, / भोर से पहले निकलकर आया, / उसे मृगबलि-वाहक कुँवारियों ने दिन के प्रकाश के समान खोजा, / और उन्होंने एक-दूसरे से पुकारा : / 'हे मित्रो , आओ हम सुगंधित मसालों से अभिषेक करें उस देह का, / जो जीवन का श्वास लेता है और दफन है , / उस परमेश्वर के मांस का जो पतित आदम को उठाता है , / जो कब्र में पड़ा है। / चलो, हम मगों की तरह शीघ्रता करें और आराधना करें , /

और मूरा को उपहार के रूप में लाएँ / उस पर, जो अब लपेटों में नहीं , बल्कि कफ़न में लपिटे हैं ; / और आँसू बहाएँ और पुकारें : / 'हे प्रभु , उठो, / आप जो गिरे हुए को पुनरुत्थान प्रदान करते हैं !'

मेनायोन का सनैक्सारयिन।

भजन 7

इरमोस: जिसने युवकों को भट्टी से बचाया, / मानव बनकर, / एक नश्वर के रूप में पीड़ा सहता है , / और अपनी पीड़ा के द्वारा / नश्वरता को अमरत्व की सुंदरता से सुसज्जित करता है , / वही धन्य / पितरों का परमेश्वर और अति महिमामय।

पुनरावर्तन : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

ईश्वर -ज्ञ महिलाएँ / सुगंधित मसालों के साथ तेरे पीछे दौड़ीं। / परन्तु जिसे वे आँसुओं के साथ एक मनुष्य के रूप में ढूँढ़ रही थीं , / उन्होंने उसे आनन्दपूर्वक जीवित परमेश्वर के रूप में पूजा , / और रहस्यमय पास्चा का प्रचार किया / तेरे शिष्यों को, हे मसीह।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

हम मृत्यु की पराजय, / नरक के विनाश, / एक अन्य —शाश्वत —जीवन की शुरुआत का उत्सव मनाते हैं , / और आनंदित होकर हम उस एक का गुणगान करते हैं जिसने यह सब संभव किया / —आशीर्वादित / हमारे पूर्वजों के परमेश्वर और सर्व -महिमामय।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

सत्य में पवित्र / और हर उत्सव के योग्य / है यह रात, उद्धारदायिनी और तेजस्वी , / पुनरुत्थान के प्रकाश -पूर्ण दिन की अग्रदूत , / जिसमें शाश्वत प्रकाश / कब्र से देह में सब के लिए प्रकट हुआ।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमारा उद्धार करो।

आज मृत्यु को मृत्यु पर विजय देकर , हे सर्व -पवित्र , आपके पुत्र ने सभी नश्वर प्राणियों को ऐसा जीवन प्रदान किया है जो अनंतकाल तक बना रहे , वह धन्य , हमारे पूर्वजों के परमेश्वर और अति-महिमावान।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, हमें बचाओ।

सारी सृष्टि पर राज करते हुए , / मनुष्य बनकर, / हे ईश्वर -धन्य , तेरी कोख में निवास किया, / और सूली पर चढ़ने तथा मृत्यु को सहन करने के बाद, / ईश्वर के योग्य , पुनर्जीवित हुए , / और हमें भी अपने साथ सर्वशक्तिमान के रूप में उठाया।

अंधों के लिए कैनन। इरमोस: अग्नि -शामक:

जब तू क्रूस पर चढ़ाया गया, हे उद्धारकर्ता , / सूर्य अँधेरा हो गया, पृथ्वी काँप उठी, / सारी सृष्टि हिल गई, / और मृतक अपने कब्रों से उठ खड़े हुए।

हे राजा, जब तू मृतकों में से जी उठा, / तब वहाँ सोई हुई आत्माएँ तेरे साथ जी उठीं , / और उन्होंने तेरी सामर्थ्य की महिमा की, / जिससे मृत्यु के बंधन टूट गए।

प्रभात के समय, मसालों से सुगंधित करने आई स्त्रियों का एक समूह ; / परन्तु जब उन्हें पता चला कि हे प्रभु , आप जी उठे हैं , / तो वे आपके पवित्र शिष्यों के साथ आनन्दित हुईं ; / उनकी प्रार्थनाओं के द्वारा , हम पर अपनी दया दिखाइए, / हमें बुराई से बचाकर।

तूने मिट्टी और थूक का मिश्रण बनाकर अंधे के नेत्रों पर लेप किया, / और उसे सिलोम को जाने की आज्ञा दी; / और स्नान करने पर, उसने अपनी दृष्टि प्राप्त की, / हे सर्व के राजा, हे मसीह, तेरा गुणगान करता हुआ।

पूर्वोत्सव का कैनन। इरमोस: हे प्रभु , जो पतिरों द्वारा महमिामण्डति हुए :

हे प्रभु , अपनी क्रूस और अपने कष्टों द्वारा शत्रुता की वभिाजनकारी दीवार को तोड़कर , आप एक बादल पर सवार होकर महमिा में बनिा आरंभ वाले पति के पास आरोहण कयि।

शक्तयिों ने वस्मिय से पुकारा : / 'अपने सरि उठाओ, क्योंकि मसीह आ गए हैं , / एक सांसारकि देह धारण करके / और, दैवीय पीड़ा के द्वारा , / महान अजगर को मार गरिाया है !'

महमिा: 'हे मानवजाति के प्रेमी , तेरे वस्त्र लाल क्यों हैं ?' / – 'मैंने अब चक्की के पाट को रौंदा है ,' – / इस प्रकार मसीह ने स्वर्गीय शक्तयिों से कहा, जनि्होंने उनसे / उनके स्वर्गारोहण पर पूछा था।

और अब: भजनों के माध्यम से हम आनंदपूर्वक आपकी सूली पर चढ़ाए जाने की स्तुति करते हैं , हे मसीह, / और आपके पुनरुत्थान की, / आपके पवत्रि स्वर्गारोहण के सम्मान में आनंद के साथ उत्सव मनाते हुए / युगों -युगों तक।

कातावासयि: आग की भट्टी में / आपने युवा गायकों को बचाया; / हमारे पूर्वजों का ईश्वर धन्य हो।

भजन 8

इरमोस: यह प्रतीक्षति और पवत्रि दनि, / सप्तम दनि के बाद का पहला, राजसी और सर्वोच्च , / उत्सवों का उत्सव / और जश्न का जश्न है। / इस दनि हम सदा के लिए मसीह का धन्यवाद करते हैं !

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

आओ, हम नई दाख की / दव्यि आनंद की फल का स्वाद चखें , / इस पुनरुत्थान के महमिामय दनि पर, / और मसीह के राज्य में सहभागी हों , / उसकी अनंतकाल तक परमेश्वर के रूप में स्तुति गाते हुए।

पुनरुक्ति : मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं।

ज़यिोन , अपनी आँखें उठा, / और चारों ओर देख : / क्योंकि देखो , तेरे बच्चे तेरे पास इकट्ठा हुए हैं , / दव्यि रूप से चमकते सतिारों की तरह, / पश्चमि से , और उत्तर से , / और समुद्र से , और पूर्व से , / मसीह को सदा और सदा के लिए तुझ में धन्य कह रहे हैं।

पुनरुक्ति : परम पवत्रि त्रमिूर्ति , हमारे ईश्वर , महमिा तुझे हो।

त्रमिूर्ति भजन: सर्वशक्तमिान पति, और वचन, और आत्मा , / तीन व्यक्तयिों में एक सत्ता , / परम उच्च और परम दव्यि ! / आप में हम बपतस्मिा ग्रहण करते हैं / और हम आपको युगानुयुग धन्य कहते हैं।

पुनरावर्तन : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमारा उद्धार करो।

सृष्टकिर्ता तेरे द्वारा संसार में आए, हे परमेश्वर की कुँवारी माता, और नरक के बंधन तोड़कर , हमें मनुष्यों को पुनरुत्थान प्रदान कयि। अतः हम सदा-सर्वदा उनकी स्तुति करते हैं।

पुनरुक्ति : हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, हमें बचाओ।

मृत्यु की सारी शक्ति को परास्त कर, / हे कुँवारी , तुम्हारे पुत्र ने , / अपने पुनरुत्थान द्वारा , सर्वशक्तमिान ईश्वर के रूप में , / हमें अपने साथ उठाया और हमें जीवति कर दयि है। / इसलिए हम सदा और सदा उसकी स्तुति करते हैं।

अंधा आदमी का कैनन। इरमोस: स्वर्गदूतों का दल, मनुष्यों की सभा, / सभी का राजा और स्रष्टा , / याजकों , उसकी स्तुति करो; लेवियों , उसकी स्तुति करो; / लोगों , उसकी महिमा करो, युगानुयुग !

स्वर्गदूतों की सेनाएँ , तुम्हें देखकर , / हे सर्व के राजा मसीह, कोड़े पर लटके हुए , / और सारी सृष्टि , भय से काँपती हुई , / चकित रह गईं , मानवजाति के लिए तुम्हारे प्रेम का गायन करते हुए।

नरक ने पाताल में आपको देखकर कराह उठा / और शीघ्रता से उन मृतकों को छोड़ दिया, / जिन्हें वहाँ आदिकाल से बंदी बनाकर रखा गया था, हे मसीह, / जब वे मानव जाति के लिए आपके प्रेम का गायन कर रहे थे।

अद्भुत चमत्कार करते हुए , हे मसीह, / आपने स्वेच्छा से क्रूस पर चढ़ाए जाने को स्वीकार किया, / और नर्क के विनाशक, मृतकों के साथ एक हो गए, / और साहसपूर्वक सभी बंदियों को मुक्त किया।

अंधे को आपने दृष्टि प्रदान की, / जो आपके पास आया था, हे मसीह, / उसे सिलोआम के तालाब पर जाकर धोने और देखने की आज्ञा देते हुए , / और आपको ईश्वर के रूप में घोषित करने के लिए, / जो संसार के उद्धार के लिए देह में प्रकट हुए।

उत्सव की पूर्वसंध्या का कैनन। इरमोस: सभी वस्तुओं के स्रष्टा , आपको:

हे सच्चिदानन्द , प्रकाश से प्रकाशमान , तू जैतून के पर्वत से एक दीप्तिमान मेघ द्वारा उठाया गया; और तेरे सभी दिव्य शिष्य तुझ पर दृष्टि टिकाए और अनन्तकाल तक तेरी स्तुति गाते रहे।

आओ, भजन के अनुसार , तालियाँ बजाना आरंभ करें : / मसीह हमारा ईश्वर जी उठे हैं और स्वर्गारोहण कर गए हैं , / उसी स्थान पर जहाँ से वे मानवजाति के प्रेम के लिए हम तक उतरे थे , / और उन्होंने उस चीज़ को पुनर्मिलन कराया जो आदिकाल से विभाजित थी!

आओ हम पिता, और पुत्र , और पवित्र आत्मा , प्रभु की स्तुति करें।

गाते हुए , दाऊद पुकारता है : / 'मसीह अपने स्वरूपधारी स्वर्गदूतों पर आरोहण कर गए हैं , / और बुद्धिमानों के दल के पंखों पर / दृश्यमान रूप से उड़ चले हैं !' / हम उन्हें युगानुयुग तक महिमा देते हैं।

और अब: तू कब्र से पुनरुत्थान के बाद अपने शिष्यों को प्रकट हुआ , और उन्हें जैतून के पर्वत पर ले गया: वहाँ से प्रकाश का एक बादल, हे मसीह, तुझे उठाकर महिमा में ऊँचाइयों तक ले गया।

कातावासिया: पुत्र और ईश्वर , / जो सभी युगों से पूर्व पिता से उत्पन्न हुए , / और इन अंतिम दिनों में कुंवारी माता से अवतार धारण किए, / पुरोहित उनके बारे में गाएं , / लोग उनकी सदा-सदा तक स्तुति करें !

हम 'केरूबीम का सर्वोच्च सम्मान :' नहीं गाते , बल्कि हम पास्खा के प्रत्यावर्तनों को गाते हैं।

भजन 9

हे मेरी आत्मा , स्तुति कर / मसीह, जीवन के दाता की, / जो तीसरे दिन कब्र से जी उठे।

हे मेरी आत्मा , स्तुति कर / उस की, जिसने स्वेच्छा से दुख सहे , और दफनाया गया, / और तीसरे दिन कब्र से जी उठा।

इरमोस: चमक, चमक, हे नए यरूशलेम , / क्योंकि प्रभु की महिमा तुझ पर उदय हुई है ! / अब आनन्द मना और प्रसन्न हो, हे सियोन! / और हे परमेश्वर की पवित्र माता, आनन्द मना / उस के पुनरुत्थान पर जिसे तूने जन्म दिया।

ईस्टर उत्सव

मसीह नया फसह हैं , / जीवति बलदिान, परमेश्वर का मेमना , / जो संसार का पाप उठा ले जाते हैं।

देवदूत ने धन्य कन्या से कहा: / 'हे पवत्रि कुँवारी , आनन्द मनाओ! / और मैं फरि कहता हूँ : आनन्द मनाओ! / तुम्हारे पुत्र तीसरे दनि कब्र से जी उठे , / (और मृतकों को जलिा उठा। / हे लोगों , आनन्द मनाओ!)

नदि्रालुप्त होकर, तूने प्राचीन काल से मृत पड़े हुए लोगों को जगाया, / एक राजसी और शक्तशिाली स्वर से , / यहूदा से उत्पन्न एक सहि के समान।

हे दवि्य , हे प्रयितम , / हे तेरे वचनों में सबसे मधुर ! / क्योंकि तूने व्यर्थ में यह वादा नहीं कयिा / कहि मसीह, तू युग के अंत तक हमारे साथ रहेगा ! / इस वादे को अपनी आशा के लंगर के रूप में थामे , / हम वशि्वासी , आनंदति हैं !

मरयिम मग्दलीनी कब्र तक दौड़ी / और, मसीह को देखकर , / उससे पूछने लगी, मानो वह माली हो।

एक स्वर्गदूत , तेज से घरिा हुआ , स्त्रयिों से पुकार कर बोला: 'रोओ मत, क्योंकि मसीह जी उठे हैं !'

मसीह जी उठे हैं , मृत्यु को जीतने के बाद / और अपने साथ मृतकों को जलिा उठाने के बाद। / हे लोगों , आनंद मनाओ!

आज के दनि, सारी सृष्टि / आनंदति और हर्षति है , / क्योंकि मसीह जी उठे हैं और नरक पराजति हुआ है।

आज के दनि प्रभु ने नरक पर वजिय प्राप्त की, / उन बंदयिों को मुक्त कर / जन्हिें उसने आदकिाल से बंद रखा था और दृढ़ता से बँधाए रखा था।

हे महान और परम पवत्रि पास्का , हे मसीह! / हे बुद्धि , और परमेश्वर के वचन, और शक्ति ! / अनुग्रह करें कि हम आपके राज्य के सदा-प्रकाशमान दनि में / आपसे अधकि पूर्ण रूप से एक हो सकें।

हे मेरे प्राण , त्रि-स्वरूपों में एक अवभिाज्य ईश्वरत्व की शक्ति की महमिा कर।

हम वशि्वासी , एक स्वर में / तुझे महमिा देते हैं , हे कुँवारी : / 'हे प्रभु के द्वार , आनन्दति हो; / हे जीवति नगर, आनन्दति हो; / आनन्दति हो, क्योंकि तेरे द्वारा / इस दनि हम पर चमकी है / तेरे पुत्र के मृतकों में से जी उठने की ज्योति।

हे कुँवारी , आनन्दति हो, आनन्दति हो! / हे धन्य , आनन्दति हो, हे महमिामयी, आनन्दति हो: / क्योंकि तेरा पुत्र / तीसरे दनि कब्र से जी उठा है।

प्रसन्न हो, आनंदति हो, हे दवि्य प्रकाश के द्वार ! / क्योंकि यीशु , कब्र में उतरकर, / सूर्य से भी अधकि तेजस्वी होकर उठे / और सभी वशि्वासयिों को प्रकाशति कयिा, / हे देवी , परमेश्वर में आनंदति हो!

अंधा मनुष्य का कैनन। इरमोस: जैसे आपने अपने साथ सृजन कयिा:

हे मसीह हमारे ईश्वर , तुझे क्रूस पर कीलें ठोकी गईं , / और शत्रु की सभी वरिोधी शक्तयिों पर वजिय प्राप्त हुई , / और हे उद्धारकर्ता , पूर्व शाप को नष्ट कर दयिा; / अतः हम तुझे यथोचति रूप से महमिामय करते हैं।

जब नरक ने आपको, वचन को, अधोलोक में आत्मा के साथ देखा , / तो वह कराह उठा और, भय से , सभी मृतकों को मुक्त कर दयिा, / जन्हिोंने आपकी शक्ति की महत्ता को जान लयिा था; / इसलएि हम आपको यथोचति रूप से महमिामय करते हैं।

उसे भयानक चह्नि और अद्भुत काम करते देख , यहूदयिों की सभा ने ईर्ष्या से उसे मृत्यु के हवाले कर दयिा, उसी ने अपनी पुनरुत्थान से नरक को जीता, और सर्वशक्तमिान के रूप में सभी को अपने साथ उठा लयिा।

हे जीवन दाता, जैसा आपने कहा था, वैसे ही आप मृतकों में से जी उठे , / और अपने पुनरुत्थान के बाद अपने पवत्रि शष्यिों के सामने प्रकट हुए , / जन्हिोंने चमत्कार कए और अंधों को दृष्टि प्रदान की; / उनके साथ हम आपको सदा-सदा महमिामय कहते हैं।

पूर्व -उत्सव का कैनन। इरमोस: यशायाह, आनन्दति हो:

सारी सृष्टि मनाती है / यह पवत्रि पर्व / हे परमेश्वर के वचन, तेरे स्वर्गारोहण के सम्मान में , / जब तूने अपने पता के समक्ष प्रस्तुत कयिा / वह स्वभाव जसि , सभी शब्दों से परे , / तूने हमसे ग्रहण कयिा था, हे अपरविर्तनीय !

हे उद्धारकर्ता परमेश्वर , / आपने नरक के द्वार और सलाखें चूर कर दीं / और, मृतकों में से जी उठकर, / महमिा में स्वर्गीय लोकों में आरोहण कयिा, / जबकि स्वर्गदूतों की सेनाएँ / वस्मिय से पुकार उठीं : 'द्वार खोलो!'

जबकि आपके दैवी शष्यि / आपके दैवी आरोहण पर वस्मिति थे , / स्वर्गदूत उनके सामने स्पष्ट रूप से प्रकट हुए , पुकारते हुए : / 'जसिको तुम स्वर्ग में आरोहण करते देख रहे हो / वह महमिा में सबका न्याय करने आएगा!'

महमिा: हे ख्रीस्त , जो शान्ति तूने अपने शष्यिों को प्रदान की, / प्राचीन काल में ऊँचाइयों पर आरोहण करके , / वही शान्ति हमें भी प्रचुरता से प्रदान कर, / सभी को प्रेम में एक करके , / ताकि हम एक स्वर में तेरी महमिा करें , हे उद्धारकर्ता।

और अब: प्रकाश -वाहक रथ द्वारा / अदेह सूर्य का, / हे नर्मिल और पवत्रि एक, आप सचमुच बन गए हैं : / उनके द्वारा , जो अंधकार में बैठे थे / उन्होंने ज्ञान का प्रकाश देखा है / और आपको यथोचति रूप से महमिामय करते हैं।

कातावासयिा: हे तुम , जो सर्व बुद्धि और वाणी से परे / परमेश्वर की माता बनीं , / जन्हिोंने कालातीत के समय में अकथनीय रूप से जन्म दयिा, / हम, वश्विासी , एक चत्ति से आपकी स्तुति करते हैं।

ईस्टर एक्सापोस्टलिाइरॉन

मर्त्य के रूप में देह में सुप्त होकर, / हे राजा और प्रभु , / आप तीसरे दनि पुनरुत्थति हुए , / आदम को क्षय से उठाकर और मृत्यु को नष्ट कर। / अक्षय का पास्खा , / संसार का उद्धार ! (2)

और अंधे

हे प्रभु , मेरी आत्मकि आँखों को प्रबुद्ध करो, जो घोर पाप से कलंकति हैं , हे दयालु , मुझमें नम्रता का संचार करके , और मेरी पश्चाताप को आँसुओं से धोकर।

'प्रभु की स्तुति करो:' पर हम स्वर 8 में स्टचिरा गाते हैं : अंधों के लिए स्वरहीन स्तखिरि , 4, स्वर 2

जन्म से अंधा आदमी मन में ऐसा सोचने लगा: / 'क्या ऐसा हो सकता है कि मैं अपने माता-पता के पापों के कारण बनिा आँखों के पैदा हुआ ? / क्या मैं राष्ट्रों की अवश्विास के लिए एक फटकार के रूप में नहीं जन्मा था? / मैं अब यह नहीं पूछ सकता: रात कब है , दनि कब है ? / मेरे पैर अब पत्थरों पर ठोकर नहीं खाते : / क्योंकि मैंने न तो चमकता हुआ सूरज देखा है , /

और न ही मानव रूप में अपने स्रष्टा को। / परन्तु मैं तुझ से वनिती करता हूँ , हे मसीह हमारे परमेश्वर , / मुझ पर दृष्टि कर और मुझ पर दया कर!'

जब यीशु मंदरि के पास से गुजर रहे थे , / तो वे एक ऐसे मनुष्य के पास आए जो जन्म से अंधा था; / और, दया से प्रेरति होकर, उन्होंने उसकी आँखों पर मट्टिी का लेप लगाया / और उससे कहा, 'जा, शलिोआम में स्नान कर।' / और जब उसने स्नान कयि, तो उसे अपनी दृष्टि वापस मलि गई, और उसने परमेश्वर की महमिा की। तब उसके पड़ोसयिों ने उससे पूछा : / 'तुझे कौन दखिाया, जसिे कोई देखने वाला भी नहीं दखिा सकता था?' / उसने पुकार कर कहा: / 'यीशु नामक मनुष्य ने मुझसे कहा: / "शलिोम में धो," और मुझे मेरी दृष्टि प्राप्त हुई। / वही सचमुच वह है / जसिके बारे में मूसा ने व्यवस्था में मसीहा के रूप में कहा था; / वही हमारे आत्माओं का उद्धारकर्ता है !'

आवाज़ 4: अपने पूरे जीवन को एक रात मानते हुए , / अंधे ने आपसे पुकारा , हे प्रभु : / 'हे दाऊद के पुत्र , हमारे उद्धारकर्ता , मेरी आँखें खोल दीजए, / ताकि मैं भी अन्य सभी के साथ आपकी सामर्थ्य का गीत गा सकूँ !'

स्वर 5: हे प्रभु , जब आप मार्ग पर चल रहे थे , / आप जन्म से अंधे एक मनुष्य के पास पहुँचे ; / और, आश्चर्य से भरकर, / आपके चेलों ने आपसे पूछा , कहते हुए : / 'हे गुरु , कसिने पाप कयि: / उसने या उसके माता-पति ने , कि वह अंधा ही उत्पन्न हुआ ?' / परन्तु आप, मेरे उद्धारकर्ता , उन पर चल्लि उठे : / 'न तो उसने पाप कयि है और न ही उसके माता-पति ने , / परन्तु यह इसलिए है कि परमेश्वर के काम उस में प्रगट हों। / मुझे उस की काम करना चाहिए जसिने मुझे भेजा है , / जो काम कोई और नहीं कर सकता।' / और यह कहकर, आपने जमीन पर थूक दयि, / और लार से एक लेप बनाया, / और उसकी आँखों पर लेप लगाते हुए उससे कहा: / 'जा, सलिोम के कुंड में स्नान कर।' / और जब उसने स्नान कयि, तो वह चंगा हो गया और तेरी ओर पुकार कर बोला: / 'हे प्रभु , मैं वश्विास करता हूँ !' – और उसने तेरी आराधना की। / इसलयि हम भी पुकारते हैं : 'हम पर दया कर!'

और पास्का का स्टचिरा , स्वर 5

स्टचि : परमेश्वर उठे / और उसके शत्रु बखिर जाएँ।

आज हम पर पवत्रि पास्का प्रकट हुआ है , – नया, पवत्रि पास्का , रहस्यमय पास्का , वह पास्का जो सभी द्वारा सम्माननि है। / ईस्टर – उद्धारकर्ता मसीह; / ईस्टर , नरि्दोष , / ईस्टर , महान, / वश्विासयिों का ईस्टर , / ईस्टर जसिने हमारे लिए स्वर्ग के द्वार खोल दिए, / ईस्टर जो सभी वश्विासयिों को पवत्रि करता है।

पद: जैसे धुआँ छँट जाता है , / वैसे ही वे छंट जाएँ।

दव्यिदृष्टि के बाद आगे बढ़ो , हे शुभ समाचार लाने वाली स्त्रयिो , / और सय्यिोन को यह घोषणा करो: / 'हमसे मसीह के पुनरुत्थान के शुभ समाचार का आनन्द ग्रहण करो!' / हे यरूशलेम , आनन्द मनाओ, उल्लास करो और हर्षति होओ, / क्योंकि तुमने मसीह राजा को, एक वर की भाँति , / कब्र से नकिलते हुए देखा है।

छंद : पापी परमेश्वर की उपस्थति से नाश हों , / और धर्मी आनन्दति हों।

सुगंधति द्रव्य लिए स्त्रयिाँ , भोर-भोर, / जीवन-दाता के समाधि पर आईं , / वहाँ उन्होंने पत्थर पर एक स्वर्गदूत को बैठा पाया, / और वह, उनकी ओर मुड़कर , इस प्रकार पुकार उठा: / 'तुम जीवति को मरे हुओं में क्यों ढूँढ़ती हो? / तुम अक्षय को ऐसे क्यों शोक करती हो जैसे वह क्षयशील हो? / लौट जाओ और उनके शष्यिों से कहो!'

छंद : यह वह दनि है जसिे प्रभु ने बनाया है ; / आओ हम इसमें आनंदति और हर्षति हों !

हर्षति ईस्टर , / ईस्टर , प्रभु का ईस्टर , / हमारे लिए परम पवत्रि ईस्टर का उदय हुआ है। / ईस्टर ! आओ हम एक-दूसरे को आनंद से गले लगाएँ। / हे ईस्टर – दुख से मुक्ति ! /

क्योंकि इसी दिन, कब्र से , / एक वधू के कक्ष से जैसे प्रकाशित होकर, मसीह ने / स्त्रियों को आनंद से भर दिया, कहते हुए : / 'जाओ और प्रेरितों से कहो!'

महिमा, और अब, स्वर 5: पुनरुत्थान का दिन! / और आनन्द से प्रकाशित हों / और एक-दूसरे को गले लगाएँ ; / कहें : 'हे भाइयो!' / और जो हमसे द्वेष रखते हैं , / - उन्हें भी क्षमा करें , पुनरुत्थान के लिए / और इस प्रकार उद्घोष करें : / 'मसीह मरे हुओं में से जी उठे हैं , / मृत्यु को मृत्यु से जीतेकर / कब्रों में रहने वालों को जीवन प्रदान किया है !'

और महान स्तुति -गीत।

ईस्टर द्रोपारयिन , स्वर 5

वचन, जो पिता और आत्मा के समान अनिर्वचनीय है , / कुँवारी से हमारे उद्धार के लिए जन्म लिया, / हे विश्वासियों , आओ गाएँ और उसकी आराधना करें , / क्योंकि उसने देह धारण करना, क्रूस पर चढ़ना , / मृत्यु सहना और अपने महिमामय पुनरुत्थान द्वारा मृतकों को जीवित करना स्वीकार किया।

महिमा, और अब, हे ईश्वर की माता, वही स्वर : आनंदित हो, हे प्रभु का अतुलनीय द्वार ! / आनंदित हो, हे उन लोगों के लिए दीवार और आश्रय , जो तुझमें शरण लेते हैं ! / आनंदित हो, शांत बंदरगाह और अविवाहिता कुँवारी , / जिन्होंने अपने सृष्टिकर्ता और ईश्वर को देह में जन्म दिया! / जो गाते हैं और आपसे उत्पन्न हुए का सम्मान करते हैं , उनके लिए मध्यस्थता करना न छोड़ें।

एक्तेनिया और क्रूस के बिना समापन, जिसमें पवित्र दिन का उल्लेख किया जाता है।

पहला घंटा नार्थेक्स (प्रवेश -मंडप) में , सामान्य भजनों के साथ मनाया जाता है। 'पिता को महिमा' पर: ट्रॉपारयिन : 'शब्द , बिना आरंभ के '; **'और अब': थियोटोकोस का भजन:** 'हम आपको कैसे पुकारें ?'; **त्रिसगियोन के बाद, कोन्डाकियन :** 'हमारी आत्मा की आँखें धुंधली '; **और परंपरागत अंतिम विदाई। हम अन्य घंटों को भी लिट्रजी से पहले इसी प्रकार मनाते है।**

लिट्रजी में

लिट्रजी की शुरुआत ईस्टर की तरह ही होती है ।

आइकॉनकि भजन गाए जाते हैं , जिसके बाद कैनन से तीसरा और छठा भजन गाया जाता है।

प्रवेश पर, रविवार का ट्रॉपारयिन , स्वर 5

वचन, जो बिना आरंभ के , पिता और आत्मा के समान है , / हमारे उद्धार के लिए कुँवारी से जन्म लिया, / हे विश्वासियों , आओ गाएँ और उसकी आराधना करें , / क्योंकि उसे मन भाया कि वह देह धारण करे और क्रूस पर चढ़े , / और मृत्यु सहन करे , और मृतकों को जीवित करे / अपनी महिमामय पुनरुत्थान से।

महिमा, अंधों के लिए कोंटाकियन , स्वर 4

मेरी आत्मा की आँखें कमज़ोर हो गई हैं , / मैं तेरे पास आता हूँ , हे मसीह, / जन्म से अंधा होने वाले की तरह, / पश्चाताप में तेरे प्रति पुकारता हूँ : / 'तू अंधकार में रहने वालों के लिए परम तेजस्वी प्रकाश है !'

और अब, पास्चा का कोंटाकियन , स्वर 8

यद्यपि तू कब्र में उतर गया, हे अमर प्रभु , / तथापि तूने नरक की शक्ति को नष्ट कर दिया / और विजेता बनकर पुनरुत्थित हुआ , हे मसीह हमारे परमेश्वर , / मुर्रा -वाहक स्त्रियों से पुकार कर: 'हर्षित होओ!' / और अपने प्रेरितों को शान्ति प्रदान करते हुए , / तू जो पतितों को पुनरुत्थान प्रदान करता है।

और इसी प्रकार।

ईस्टर का प्रोकीमेनोन , स्वर 8

यह वह दिन है जिसे प्रभु ने बनाया है ; आइए हम इस दिन में आनंदित और प्रसन्न हों। **पद:** प्रभु का धन्यवाद करो, क्योंकि वह भला है ; उसकी दया सदा बनी रहती है। भजन संहिता 117:24, 1

दिन का पत्र और सुसमाचार।

ईस्टर हल्लेलूया , स्वर 4

प्रत्युत्तर : जब आप उठेंगे , तो आप सियोन पर दया करेंगे। **प्रत्युत्तर :** प्रभु ने स्वर्ग से पृथ्वी पर दृष्टि डाली।

भजन संहिता 101:14क, 20ख

और रविवार की सेवा का शेष भाग।

'उचित है ' के स्थान पर

देवदूत ने धन्य कन्या से घोषणा की: / 'हे पवित्र कन्या , आनन्द मनाओ! / और मैं फिर कहता हूँ : आनन्द मनाओ! / तुम्हारे पुत्र तीसरे दिन कब्र से जी उठे , / (और मृतकों को जिला उठा।) / हे लोगों , आनन्द मनाओ!'

और इरमोस, स्वर 1: चमक, चमक, हे नए यरूशलेम , / क्योंकि प्रभु की महिमा तुझ पर उदय हुई है ! / अब आनन्दित हो और हर्षित हो, हे सियोन! / और हे परमेश्वर की पवित्र माता, आनन्दित हो / उस के पुनरुत्थान पर जिसे तूने जन्म दिया।

कॉम्युनियन

मसीह का शरीर ग्रहण करो, / और अमरत्व के स्रोत में सहभागी बनो। / अल्लेलूया। (3)

अब हम भजन संहिता 33 गाएँ : 'मैं प्रभु का धन्यवाद करूँगा ': फिर पुरोहित क्रूस के साथ ईस्टर की विदाई देता है , और हम लिटिर्जी के शेष समापन को, जैसा कि स्वयं ईस्टर के लिए निर्धारित है , गाते हैं। और इस प्रकार मसीह के पवित्र और जीवन-दायक पुनरुत्थान का पर्व मनाया जाता है।

विषय-सूची पर वापस

प्रभु का स्वर्गारोहण और परमेश्वर का
और हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह

हम सामान्य क्रम के अनुसार नवें घंटे का पाठ करते हैं , और इसे , आने वाले दिनों की सभी सेवाओं की तरह, त्रिसिगियन से शुरू करते हैं।

लघु संध्या में

'हे प्रभु , मैं ने पुकारा है :' पर
उत्सव के स्टचिरा , चौथा स्वर , आवाज़ 6

प्रभु स्वर्ग में आरोहण हुए , / संसार में सांत्वनादाता भेजने के लिए। / स्वर्गों ने उनके लिए सिंहासन तैयार किया है , / बादलों ने – उनका आरोहण। / स्वर्गदूत चकित हैं , / स्वयं से ऊँचे मनुष्य को देखकर। / पिता उनका इंतजार करते हैं , / जिन्हें उन्होंने सनातन काल से अपनी गोद में धारण किया है ; / पवित्र आत्मा अपने सभी स्वर्गदूतों को आज्ञा देता है : / 'हे प्रधानों , अपनी फाटकें उठा लो; / हे सभी राष्ट्रों , तालियाँ बजाओ, / क्योंकि मसीह उस स्थान पर आरोहण कर गए / जहाँ वह पहले थे !'

हे प्रभु , केरूबी तेरे स्वर्गारोहण पर चकित हुए , / जब उन्होंने तुझे , हे ईश्वर , उनके ऊपर विराजमान देखा / जब तू बादलों पर आरोहण किया; / और हम तुझे महिमामय कहते हैं , क्योंकि तेरा दयालु प्रेम उत्तम है , / महिमा तुझें !

हे ख्रीस्त , पवित्र पर्वतों पर / तेरे स्वर्गारोहण को निहारते हुए , / जो पिता की महिमा का तेज है , / हम तेरे मुख के प्रकाशमय स्वरूप का गान करते हैं , / हम तेरे दुःखों की उपासना करते हैं , / हम पुनरुत्थान का सम्मान करते हैं , / महिमामय स्वर्गारोहण की महिमा करते हुए। हम पर दया कर!

हे प्रभु , अपनी दिव्य व्यवस्था का रहस्य पूर्ण कर, / तूने अपने शिष्यों को लेकर , / उन्हें जैतून के पर्वत पर चढ़ाया ; / और अब तू स्वयं स्वर्गीय गगन मंडल से होकर गुज़र गया। / मेरे लिए गरीब बनकर, जैसे मैं हूँ , / और उस स्थान पर आरोहण करके जहाँ से आप कभी नहीं गए, / अपना सर्व -पवित्र आत्मा उतारें , / जो हमारी आत्माओं को प्रकाशित करता है।

महिमा, और अब, वही स्वर : प्रभु , जब प्रेरितों ने आपको देखा , / जीवन दाता मसीह, / बादलों पर आरोहण करते हुए , / अश्रुपूर्ण विलाप और शोक से भरकर, / शोक में पुकार उठे : / 'हे प्रभु , हमें , अपने सेवकों को, अनाथों की तरह न छोड़ो , / जिन्हें आपने दयालु के रूप में , दया से प्रेम किया है ; / परन्तु हमें जैसा वचन दिया है , वैसे ही अपनी सर्व -पवित्र आत्मा भेजो , / जो हमारी आत्माओं को प्रकाशित करता है !'

'आनंद का प्रकाश :' और दिन का प्रोकीमेनोन।

स्टचिरा पर, स्वर 1

स्वर्ग में आरोहण करने के बाद, / जहाँ से तू अवतरित भी हुआ , / हे प्रभु , हमें अनाथों के समान न छोड़। / तेरा आत्मा आए, जो संसार में शांति लाए। / हे मानवजाति के प्रेमी प्रभु , मनुष्यों के पुत्रों को अपनी सामर्थ्य के कार्य दिखा।

पद: हे सब जातियों , तालियाँ बजाओ, / परमेश् वर के लिए जयजयकार करो। भजन संहिता 46:2

प्रभु का स्वर्गारोहण

हे मसीह, तू अपने अनन्त पिता के पास आरोहण कर गया है , / परन्तु उनके अनन्त स्नेह से कभी अलग नहीं हुआ ; / और स्वर्गीय शक्तियों ने परम पवित्र त्रिमूर्ति की स्तुति में कुछ भी नहीं जोड़ा , / परन्तु उन्होंने तुझ में , हे प्रभु , / पिता के एकलौते पुत्र को, तेरे अवतार के बाद भी, पहचान लिया है। / हे प्रभु , अपनी अपार दया के अनुसार , हम पर दया करें !

पद: परमेश्वर आनन्द के जयजयकारों के बीच आरोहण किया, / यहोवा तुरहियों की ध्वनि के बीच।

भजन संहिता 46:6

हे प्रभु , तेरे स्वर्गदूतों ने प्रेरितों को प्रचार किया: / 'हे गलील के लोगों , तुम आकाश की ओर टकटकी लगाए क्यों खड़े हो? / यही मसीह परमेश्वर है , जो तुममें से स्वर्ग में आरोहण किया; / वह उसी प्रकार फिर आएगा / जैसे तुमने उसे स्वर्ग में जाते हुए देखा ; / पवित्रता और धार्मिकता में उसकी सेवा करो!'

महिमा, और अब, स्वर 2: तू तब जन्मा जब तूने स्वयं चाहा; / संसार में प्रकट हुए जैसा कि आपकी इच्छा थी; / हमारे ईश्वर , आपने देह में दुख भोगे ; / मृत्यु पर विजय प्राप्त कर मृतकों में से जी उठे ; / महिमा में स्वर्गारोहण किया, हे प्रभु जो सर्व को भरते हैं , / और हमें दिव्य आत्मा भेजा , / ताकि हम गा सकें और आपकी दिव्यता की महिमा कर सकें।

उत्सव का ट्रॉपारियन , स्वर 4

हे मसीह हमारे परमेश्वर , तू महिमा में स्वर्गारोहण हुआ , / अपने शिष्यों को पवित्र आत्मा के वचन द्वारा आनंद से भर दिया, / और उन्हें अपनी आशीष से इस बात की पुष्टि की / कि तू परमेश्वर का पुत्र , संसार का उद्धारकर्ता है।

विशेष लिटर्जी और समापन।

महान संध्याकाल में

'हे प्रभु , मैं ने पुकारा ' पर, 10वें स्वर में स्तिखिरा , 6वाँ स्वर

प्रभु स्वर्ग में आरोहण कर गए, / संसार में सांत्वनादाता भेजने के लिए। / स्वर्ग ने उनके लिए एक सिंहासन तैयार किया है , / बादल उनका आरोहण मार्ग है। / स्वर्गदूत चकित हैं , / स्वयं से ऊँचा एक मनुष्य देखकर। / पिता उनका इंतजार करते हैं , / जिन्हें उन्होंने सनातन काल से अपनी गोद में रखा है ; / पवित्र आत्मा अपने सभी स्वर्गदूतों को आज्ञा देते हैं : / 'हे राजकुमारों , अपने द्वार उठा लो; / हे सभी राष्ट्रों , तालियाँ बजाओ, / क्योंकि मसीह उस स्थान पर आरोहण कर गए / जहाँ वह पहले थे !' (2)

हे प्रभु , करूबीम तेरे स्वर्गारोहण से चकित हो गए, / जब उन्होंने तुझे , हे परमेश्वर , उनके ऊपर विराजमान देखा / जब तू बादलों पर आरोहण किया; / और हम तुझे महिमामय कहते हैं , क्योंकि तेरा अनुग्रह भला है , / महिमा तुझें ! (2)

हे ख्रीस्त , पवित्र पर्वतों पर / तेरे स्वर्गारोहण को निहारते हुए , / जो पिता की महिमा का तेज है , / हम तेरे मुख के प्रकाशमय स्वरूप का गान करते हैं , / हम तेरे दुखों की आराधना करते हैं , / हम पुनरुत्थान का सम्मान करते हैं , / महिमामय स्वर्गारोहण की महिमा करते हुए। हम पर दया कर! (2)

हे प्रभु , जब प्रेरितों ने आपको देखा , / हे जीवन-दाता मसीह, / बादलों पर आरोहण करते हुए , / वे दुख से भरे , अश्रुपूर्ण विलापों के साथ, / शोक में पुकार उठे : / 'हे प्रभु , हमें , अपनी दासियों को, अनाथों की तरह न छोड़ो , / जिन्हें आपने दयालु होकर, करुणा के कारण प्रेम किया है ; / परन्तु हमें जैसा वचन दिया है , वैसे ही अपनी सर्व -पवित्र आत्मा भेजो , / जो हमारी आत्माओं को प्रकाशित करता है !' (2)

हे प्रभु , अपनी व्यवस्था के रहस्य को पूरा करके , / तूने अपने शिष्यों को लेकर , / उन्हें जैतून के पहाड़ पर ले जाया; / और अब तू स्वयं स्वर्गीय राज्य में प्रवेश कर

गया है। / आप जो मेरे लिए, जैसे मैं हूँ , वैसे ही गरीब हो गए, / और उस स्थान पर आरोहण किया जहाँ से आप कभी विदा नहीं हुए थे , / अपनी परम पवित्र आत्मा को नीचे भेजें , / जो हमारी आत्माओं को प्रकाशित करता है। (2)

महिमा, और अब, वही स्वर : हे अतिमधुर यीशु , पिता के हृदय को छोड़े बिना, / और मनुष्य के रूप में पृथ्वी पर जीवन यापन करने के बाद, / इस दिन तू महिमा में जैतून के पहाड़ से स्वर्गारोहण हुआ , / और, दया करके , हमारी पतित प्रकृति को ऊँचा उठाकर, / उसे पिता के पार्श्व में बिठा दिया। / अतः अदेह स्वर्गिक सेनाएँ , / इस चमत्कार से विस्मित , विस्मयित हो गईं , / और श्रद्धा से भरकर, / मानवजाति के प्रति तेरे प्रेम की स्तुति करने लगीं। / उनके साथ, हम भी, जो पृथ्वी पर वास करते हैं , / हम तक तेरे अवतरण और स्वर्ग में हमारी ओर से तेरे आरोहण की महिमा करते हुए , पुकारकर प्रार्थना करते हैं : / 'हे प्रभु , जिन्होंने अपने शिष्यों और मसीह की माता को, जिन्होंने आपको जन्म दिया, / अपने स्वर्गारोहण के समय असीम आनन्द से भर दिया, / कृपा करके उनके प्रार्थनाओं के द्वारा हमें भी / अपने चुने हुओं का आनन्द प्रदान करें , / अपनी महान दया के लिए!'

प्रवेश। दिन का प्रोकीमेनन। और पर्व के लिए पाठ:

1. यशायाह की भविष्यवाणियों से एक पाठ

प्रभु इस प्रकार कहते हैं : अंतिम दिनों में यहोवा का पर्वत स्थापित होगा, और परमेश्वर का भवन पर्वतों के शिखर पर होगा; यह पहाड़ियों से ऊपर उठाया जाएगा, और सभी राष्ट्र उसकी ओर प्रवाहित होंगे। और बहुत से राष्ट्र जाएँगे और कहेंगे : 'आओ, हम यहोवा के पर्वत और याकूब के परमेश्वर के भवन पर चढ़कर चलें ; वह हमें अपनी रीति सिखाएगा, और हम उसकी पगडंडियों पर चलेंगे !'

यशायाह 2:2–3

2. यशायाह की भविष्यवाणियों से पाठ

यहोवा यों कहता है : 'जाओ, मेरे द्वारों से होकर गुज़रो ; मेरे मार्ग की तैयारी करो; मेरे लोगों के लिए एक सीधा रास्ता बनाओ; रास्ते से पत्थर हटा दो; राष्ट्रों के लिए एक झंडा फहराओ! क्योंकि देखो , यहोवा ने यह बात पृथ्वी के छोर तक पहुँचा दी है। 'ज़ियोन की बेटी से कहो: 'देखो , मेरा उद्धारकर्ता आ गया है , और वह अपना प्रतिफल अपने साथ लाया है , और उसका काम उसके सामने है। ' वह उन्हें प्रभु द्वारा छुड़ाई हुई पवित्र प्रजा कहकर पुकारेगा ; और तुम्हें खोजी हुई और न छोड़ दी गई नगर कहा जाएगा।

यह कौन है जो एदोम से आता है , जिसके वस्त्र बोज़्रा के रक्तवर्ण हैं ? अपने परिधान में इतना शोभायमान, वह बड़े सामर्थ्य से पुकारता है : 'मैं ही वह हूँ जो धार्मिकता और उद्धार का न्याय करता है !' – तेरे वस्त्र रक्तवर्ण क्यों हैं , और तेरा परिधान जैसे दाख की कूट में रौंदा गया हो? – 'मैं तो पूरी तरह से रौंदने से रंग गया हूँ : मैंने अकेले ही दाख की टोकरी रौंदी है , और मेरी संग कोई भी राष्ट्र नहीं था।'

मैंने प्रभु की दया को याद किया: मैं प्रभु के महान कार्यों के बारे में बोलूँगा , प्रभु की स्तुति करूँगा उन सभी चीजों के लिए जो वह हम पर प्रदान करता है। प्रभु , जो इस्राएल के घर के दयालु न्यायाधीश हैं , हमारे साथ अपनी दया और अपनी धार्मिकता की प्रचुरता के अनुसार व्यवहार करते हैं। और उन्होंने कहा: 'क्या तुम मेरे लोग नहीं हो? – मेरे बच्चे , और वे कभी नहीं बदलेंगे !' और वह उनकी सभी कष्टों से उनका उद्धारकर्ता बना। न तो कोई दूत , न कोई स्वर्गदूत , बल्कि प्रभु स्वयं ने प्रेम और दया के कारण उन्हें बचाया: उन्होंने स्वयं उन्हें छुड़ाया , स्वीकार किया, और अनंत काल के सभी दिनों के लिए उन्हें गौरवान्वित किया।

यशायाह 62:10–12; 63:1–3, 7–9

प्रभु का स्वर्गारोहण

3. ज़ेकार्याह की भविष्यवाणियाँ – एक पाठ

यहोवा इस प्रकार कहता है : 'देखो , यहोवा का दिन आ रहा है। और उस दिन उसके पाँव यरूशलेम के सामने , पूर्व की ओर, जैतून के पहाड़ पर ठहरेंगे। और उस दिन यरूशलेम से जीवाजल बहेगा —उसका आधा भाग निकट सागर की ओर और आधा दूर के सागर की ओर; ग्रीष्म और वसंत दोनों में ऐसा ही होगा। और यहोवा सारी पृथ्वी का राजा होगा; उस दिन यहोवा एक होगा, और उसका नाम एक, और वह यरूशलेम के दक्षिण में गिबियोन से रिम्मोन तक सारी पृथ्वी और जंगल को भर देगा ; और यह बेंजामिन के द्वार से लेकर पहले द्वार के स्थान तक, [गोमोर्रा के द्वार तक], और अनामेएल के मीनार तक, और कोने के मीनार तक, और राजा के जल-कुंडों तक ऊँचा उठाया जाएगा और वहीं रहेगा। वे उसमें निवास करेंगे , और फिर कोई श्राप नहीं होगा, और यरूशलेम सुरक्षा में रहेगा।

ज़ेख 14:4, 8–11

लिटिनी के लिए स्टिचेरा ,
स्वर 1

स्वर्ग पर आरोहण करके , / जहाँ से तू पुनः अवतरित भी हुआ , / हे प्रभु , हमें अनाथ न छोड़। / तेरा आत्मा आए, जो संसार में शांति लाए। / हे मानव-प्रिय प्रभु , मनुष्यों के पुत्रों को अपनी शक्ति के कार्य दिखा!

हे मसीह, तू अपने अनन्त पिता के पास आरोहण किया है , / जिनकी असीम गोद से तू कभी अलग नहीं हुआ ; / और स्वर्गीय शक्तियों ने परम पवित्र त्रिमूर्ति की स्तुति में कुछ भी नहीं जोड़ा है , / परन्तु उन्होंने तुझ में , हे प्रभु , / पिता के एकमात्र पुत्र को, तेरे अवतार के बाद भी, पहचान लिया है। / हे प्रभु , अपनी अपार दया के अनुसार , हम पर दया करें !

हे प्रभु , तेरे स्वर्गदूतों ने प्रेरितों को यह घोषणा की: / 'हे गलील के लोगों , तुम आकाश की ओर ताकते क्यों खड़े हो? / यही मसीह परमेश्वर है , जो तुमसे उठाकर स्वर्ग में ले जाया गया; / वह उसी प्रकार फिर आएगा / जैसे तुमने उसे स्वर्ग में जाते देखा ; / पवित्रता और धार्मिकता में उसकी सेवा करो!'

स्वर 4

जब तू , हे मसीह, जैतून के पहाड़ पर आया, / पिता की इच्छा पूरी करने के लिए, / स्वर्गीय स्वर्गदूत भय से भर गए, और अधोलोक में रहने वाले भयभीत हो गए। / तथापि शिष्य आनन्दित विस्मय में खड़े रहे / जब आप उनसे बात कर रहे थे ; / परन्तु जैसे ही सिंहासन आपके सामने पहले से ही तैयार था / मेघ में आपका इंतजार करते हुए ; / और स्वर्गों ने , अपने द्वार खोलकर, अपनी शोभा प्रकट की, / और पृथ्वी ने अपने रहस्य उजागर किए, / ताकि आदम का उसमें अवतरण / और उसका पुनः आरोहण प्रकट हो सके ; / परन्तु देखो , तेरे पावँ पृथ्वी से ऊपर उठने लगे , / मानो एक हाथ के इशारे से , / जब तेरे होठों ने ऊँचे स्वर में आशीष दी, / ताकि यह सुना जा सके ; / बादल ने तुझे उठा लिया, / और स्वर्ग ने तुझे अपने भीतर ग्रहण किया। / यह महान और गौरवशाली कार्य / हे प्रभु , तूने हमारे आत्माओं के उद्धार के लिए किया है।

आदम की प्रकृति , जो पृथ्वी की सबसे गहरी गहराइयों में उतर गई थी, हे ईश्वर , आपने उसे स्वयं में नवीनीकृत कर, आज इस दिन उसे हर प्रधानता और शक्ति से ऊपर प्रतिष्ठित किया है। / क्योंकि , उसे प्रेम करके , आपने उसे अपने समीप बिठाया, / और, उस पर दया करके , आप उससे एक हो गए; / उससे एक होकर, आपने वह सहा जो उसका था, / और, यद्यपि अलिप्त थे , फिर भी पीड़ा सहकर, आपने उसे अपने साथ महिमामय किया। / और देखो , अदेहों ने पुकारा : / 'यह सुन्दर पुरुष कौन है ? / – फिर भी, वह केवल मनुष्य नहीं , बल्कि ईश्वर और मनुष्य हैं , / एक ही समय में दोनों !' / इसलिए चकित स्वर्गदूतों ने , / कुछ अपने वस्त्रों

में शिष्यों के चारों ओर उड़ते हुए , / (जबकि अन्य खड़े रहे ,) पुकार कर कहा: / 'गलील के लोगों , जो तुमसे जा चुके हैं , / वे , यीशु —मनुष्य और ईश्वर दोनों हैं ; / वह, ईश्वर -मानव, जीवितों और मृतकों के न्यायाधीश के रूप में फिर आएंगे , / और विश्वासियों को पापों की क्षमा / और महान दया प्रदान करेंगे !"

जब तुझे महिमा में उठा लिया गया, हे मसीह हमारे परमेश्वर , / चेलों की आँखों के सामने , / बादलों ने तुझे तेरे शरीर सहित उठा लिया, / स्वर्ग के द्वार खुल गए, / स्वर्गदूतों की सेना आनन्द से हर्षित हुई , / सर्वोच्च शक्तियों ने पुकार कर कहा: / 'हे राजकुमारों , अपने द्वार उठा लो, और महिमा का राजा प्रवेश करेगा !' / शिष्य , हालांकि , चकित होकर, चिल्लाए : / 'हमसे न जाओ, हे भले चरवाहे , / परन्तु हमें अपना परम पवित्र आत्मा भेजो , / जो हमारी आत्माओं को सिखाता और बल देता है (और प्रकाशित करता है , / और पवित्र करता है)!'

महिमा, और अब, वही स्वर : हे प्रभु , युगों और पीढ़ियों से छिपे रहस्य को पूरा करके , / जैसे एक भला व्यक्ति , / तू अपने शिष्यों के साथ जैतून के पहाड़ पर चढ़ा , / अपने साथ उसको भी ले जाकर जिसने तुझे जन्म दिया, / सभी का सृष्टिकर्ता और कर्ता ; / क्योंकि वह, जिसने तेरे दुख -क्लेश के समय में / एक माँ के रूप में सबसे अधिक दुख सहा, / उसे तेरे शरीर के महिमामय हो उठने पर, / परम आनंद के साथ हर्षित होने का उपयुक्त वरदान मिला। / और हम, उससे एक होकर, / तेरी महान दया की स्तुति करते हैं , / जो हे प्रभु , स्वर्ग में तेरे आरोहण के समय / हम पर पूरी हुई !

भजनसंग्रह पर स्टिचेरा , स्वर 2

तू तब जन्मा जब तूने चाहा; / तू तब संसार में प्रकट हुआ जब तूने चाहा; / हे हमारे परमेश्वर , तूने देह में दुख सहे ; / तू मृतकों में से जी उठा, मृत्यु पर विजय पाकर; / तू महिमा में स्वर्ग पारोहण किया, हे तू जो सर्वत्र व्याप्त है , / और हमें दिव्य आत्मा भेजा , / ताकि हम तेरी दिव्यता का गायन और महिमा कर सकें।

पद: हे सब जातियों , तालियाँ बजाओ, / परमेश् वर के लिए जयजयकार करो। भजन संहिता 46:2

जब तू , हे मसीह, जैतून के पहाड़ से स्वर्गारोहण किया, / तो स्वर्गीय शक्तियों ने यह देखकर एक-दूसरे से पुकारा : / 'वह कौन है ?' और उनसे कहा गया: / 'यह सामर्थी शासक है , / यह युद्ध में पराक्रमी है , / वह सचमुच महिमा का राजा है !' / – 'और उनके वस्त्र लाल क्यों हैं ?' / – 'वे बोसोर से आए हैं , अर्थात् देह में !' / परन्तु आप स्वयं , परमेश्वर के रूप में / महिमा के दाहिने हाथ पर विराजमान, / ने हमें पवित्र आत्मा भेजा है , / ताकि वह हमारी आत्माओं का मार्गदर्शन करे और उन्हें बचाए।

पद: परमेश् वर जयजयकार के बीच आरोहण किया, / यहोवा तुरहियों की ध्वनि के साथ। भजन संहिता 46:6

हे मसीह हमारे परमेश्वर , तू महिमा में जैतून के पर्वत से अपने शिष्यों के सामने स्वर्गारोहण हुआ , और पिता के दाहिने हाथ पर विराजमान हुआ , अपनी दिव्यता से सभी चीज़ों को भरते हुए , और उन पर पवित्र आत्मा भेजा , जो हमारी आत्माओं को प्रकाशित करता, बलवान बनाता, और पवित्र करता है।

महिमा, और अब, स्वर 6: ईश्वर आनन्द के जयकारों के बीच आरोहण हुए , / प्रभु तुरहियों की ध्वनि के साथ, / आदम की गिरी हुई प्रतिमा को उठाने के लिए / और आत्मा , सांत्वनादाता को भेजने के लिए, / हमारे आत्माओं के पवित्रिकरण के लिए।

ट्रोपारियन , स्वर 4

हे मसीह हमारे परमेश्वर , तू महिमा में स्वर्गारोहण हुआ , / अपने शिष्यों को पवित्र आत्मा के वचन से आनंदित करते हुए , / और उन्हें अपनी आशीष से यह पुष्टि दी / कि तू परमेश्वर का पुत्र , संसार का उद्धारकर्ता है। (3)

प्रभु का स्वर्गारोहण

प्रभात -प्रार्थना में

'ईश्वर प्रभु ': पर्व का ट्रॉपारियन , स्वर 4

हे मसीह हमारे परमेश्वर , तू महिमा में स्वर्गारोहण हुआ , / अपने शिष्यों को पवित्र आत्मा के वचन द्वारा आनंद से भरते हुए , / उन्हें अपनी आशीष से यह पुष्टि करते हुए / कि तू परमेश्वर का पुत्र , संसार का उद्धारकर्ता है। (3)

पहले स्टिचेरा के बाद, सेडेलन , स्वर 1

जबकि स्वर्गदूत अद्भुत आरोहण पर विस्मित थे / और शिष्य भव्य आरोहण से चकित थे , / तू महिमा में परमेश्वर के रूप में आरोहण किया, / और हे उद्धारकर्ता , तेरे लिए द्वार उठाए गए। / इसलिए स्वर्गीय शक्तियाँ चकित हुईं , पुकार कर कहती रहीं : / 'तेरे अवतार को महिमा हो, हे उद्धारकर्ता , / तेरे राज्य को महिमा हो, / तेरे स्वर्गारोहण को महिमा हो, हे मानवजाति के एकमात्र प्रियतम !'

महिमा, और अब: हम वही दोहराते हैं।

सेडेलन के दूसरे छंद के अनुसार , स्वर 4

शाश्वत ईश्वर और आदि-विहीन ने / इस दिन मानव स्वभाव को गौरवान्वित किया / जिसे उन्होंने अपने ऊपर धारण किया था, उसे रहस्यमय रूप से दिव्य बनाकर। / स्वर्गदूत , जो आगे जा रहे थे , ने प्रेरितों को दिखाया / उन्हें महान महिमा के साथ स्वर्ग में आरोहण करते हुए , / और उन्होंने , उनकी आराधना करके , उद्घोषणा की: / 'जो आरोहण कर चुके हैं , उन्हें महिमा हो!'

महिमा, और अब: हम वही दोहराते हैं।

महिमा

हम तेरा महिमामंडन करते हैं , / हे मसीह, जीवन दाता, / और हम तेरे दिव्य स्वर्गारोहण का सम्मान करते हैं / स्वर्ग में तेरे अति पवित्र शरीर के साथ।

चुना हुआ भजन

1 कोरस: हे सभी राष्ट्रों , तालियाँ बजाओ; आनंद की आवाज़ के साथ परमेश्वर को जयजयकार करो। 2 क्योंकि सर्वोच्च प्रभु भययोग्य है , पृथ्वी पर महान राजा। 1 उसने हमारे लिए राष्ट्रों को वश में किया और हमारे पैरों तले जनजातियों को दबा दिया। 2 परमेश्वर जयजयकारों के बीच आरोहण कर चुके हैं ; प्रभु तुरही की ध्वनि के बीच। 1 उन्होंने करूबों पर आरोहण किया और ऊँचा उड़ चले। 2 उन्होंने हवाओं के पंखों पर उड़ान भरी। 1 हे द्वारों , अपने सिर उठाओ; हे प्राचीन द्वारों , उन्हें उठाओ, ताकि महिमा का राजा प्रवेश कर सके। 2 प्रभु ने स्वर्ग में अपना सिंहासन स्थापित किया है , और उसका राज्य सर्वत्र शासन करता है। 1 प्रभु ने मेरे प्रभु से कहा: 'मेरे दाहिने बैठो , जब तक मैं तुम्हारे शत्रुओं को तुम्हारे पैरों के नीचे आसन न बना दूँ। ' 2 हे उसके सभी स्वर्गदूतों , उसके सामने दण्डवत करो। 1 परमेश्वर अपने पवित्र सिंहासन पर विराजमान हैं। 2 और वह धार्मिकता से संसार का न्याय करेगा। 1 हे परमेश्वर , आपका सिंहासन युगानुयुग तक स्थिर रहेगा। 2 क्योंकि आपकी महिमा स्वर्गों से भी ऊँची है। 1 हे परमेश्वर , स्वर्ग में आरोहण करें , और आपकी महिमा सारी पृथ्वी पर हो। 2 हमारे परमेश् वर यहोवा के समान कौन है , जो ऊँचे में वास करता है ? 1 हे यहोवा, अपनी सामर्थ्य में महिमा पाओ! हम तेरी शक्ति का गीत गाएंगे और स्तुति करेंगे। 2 हमारे परमेश् वर के लिए गीत गाओ, गीत गाओ; हमारे राजा के लिए गीत गाओ, गीत गाओ।

भजन संहिता 46:2, 46:3, 46:4, 46:6, 17:11, 23:7, 102:19, 109:1, 96:7B, 46:9B, 9:9A, 44:7, 8:2B, 56:6, 112:5, 20:14, 46:7.

महिमा, और अब: हलेलुया (3)।

पॉलीएलयिोस के बाद, सेडालेन , स्वर 5

स्वर्ग से पृथ्वी पर उतरकर, / और हे मसीह, अपने साथ परमेश्वर के रूप में आदम की प्रतमिा को, जो पाताल के पहरे में पड़ी थी, जलिा उठाकर, / और अपने स्वर्गारोहण द्वारा उसे स्वर्ग में प्रतष्ठिति करके , / तूने उसे अपने पिता के सहिासन पर बैठाया , / दयालु और मानवजातकि प्रेमी के रूप में।

महमिा, और अब: **हम वही दोहराते हैं।**

स्टेटेना , चौथे स्वर की पहली स्तोत्र

मेरी जवानी से / कई वासनाओं ने मुझ पर युद्ध छेड़ा है ; / पर रक्षा करो / और मुझे बचाओ, हे मेरे उद्धारकर्ता।

जो सयिोन से बैर रखते हो, वे प्रभु के सामने लज्जति हों : / क्योंकि तुम आग में घास की तरह भस्म हो जाओगे।

महमिा: प्रत्येक आत्मा पवत्रि आत्मा से जीवति होती है / और शुद्धकिरण द्वारा ऊँचा उठाया जाता है , / और त्रमिूर्ति की एकता द्वारा / पवत्रि रहस्य में प्रबुद्ध होता है।

और अब: **और हम यही दोहराते हैं।**

प्रोकेइमेनन , स्वर 4

ईश्वर जयजयकारों के बीच आरोहण कयिा है , / प्रभु तुरहयिों की ध्वनि के बीच। **श्लोक :** हे सभी राष्ट्रों , तालयिाँ बजाओ; आनन्द के स्वर से परमेश्वर के लिए जयजयकार करो। भजन संहति 46:2; 6

दूसरा प्रोकीमेनन : जो कुछ भी सांस लेता है / वह प्रभु की स्तुति करे। **श्लोक :** उसके पवत्रि लोगों में परमेश्वर की स्तुति करो; उसकी सामर्थ्य के मंडप में उसकी स्तुति करो। भजन संहति 150:6, 1

मरकुस के अनुसार सुसमाचार , पद 71 से आरंभ

उन दनिों , सप्ताह के पहले दनि भोर होते ही यीशु सबसे पहले मरयिम मग्दलीन के पास प्रकट हुए , जनिसे उन्होंने सात दुष्टात्माएँ नकिाली थीं। वह जाकर उन लोगों से कहने लगी जो उनके साथ थे और जो रो रहे थे और शोक मना रहे थे ; परन्तु जब उन्होंने सुना कि वह जीवति हैं और उन्होंने उन्हें देखा है , तो उन्होंने वश्विास नहीं कयिा। इसके बाद, जब वे एक गाँव की ओर जा रहे थे , तो वे दोनों को रास्ते में एक अलग रूप में दखिाई दिए। वे लौट आए और दूसरों को बताया, लेकनि उन्होंने भी उन पर वश्विास नहीं कयिा। अंत में , वह भोजन पर लेटे हुए ग्यारहों को प्रकट हुआ , और उसने उनकी अवश्विास और हृदय की कठोरता के कारण उनकी नदिा की, क्योंकि उन्होंने उन लोगों पर वश्विास नहीं कयिा था जनि्होंने उसे उसके जी उठने के बाद देखा था। और उसने उनसे कहा, 'सारी दुनयिा में जाओ और हर प्राणी को सुसमाचार का प्रचार करो। जो कोई वश्विास करेगा और बपतस्मिा लेगा , वह उद्धार पाएगा; परन्तु जो वश्विास नहीं करेगा , वह दोषी ठहराया जाएगा। और वश्विास करने वालों के साथ ये चनि्ह होंगे : वे मेरे नाम से दुष्टात्माओं को नकिालेंगे ; वे नई-नई भाषाएँ बोलेंगे ; वे साँपों को उठा लेंगे ; और यदि वे कोई घातक वस्तु पीएँ , तो भी वह उन्हें हानि पहुँचाएगी ; वे बीमारों पर हाथ रखेंगे , और वे चंगे हो जाएँगे। और इस प्रकार प्रभु , उनसे बात करने के बाद, स्वर्ग में आरोहण कर गए और परमेश्वर के दाहनि उपवष्टि हुए। और वे नकिल गए और प्रभु की सहायता से सर्वत्र प्रचार करते हुए , साथ-साथ चनि्हों के द्वारा वचन की पुष्टि करते रहे। आमीन।

मरकुस 16:9–20

प्रभु का स्वर्गारोहण

रविवार का भजन

मसीह के पुनरुत्थान को देखकर , / हम पवित्र प्रभु यीशु की आराधना करें , / जो एकमात्र पापरहित हैं। / हे मसीह, हम तेरे क्रूस की आराधना करते हैं , / और हम तेरे पवित्र पुनरुत्थान का गान और महिमा करते हैं , / क्योंकि तू ही हमारा परमेश्वर है , / हम तुझसे सिवा और किसी को नहीं जानते , / हम तेरे नाम का आह्वान करते हैं। / आओ, हे सभी विश्वासियों , / हम मसीह के पवित्र पुनरुत्थान की आराधना करें , / क्योंकि देखो , क्रूस के द्वारा / संपूर्ण जगत में आनंद आया है। / सदैव प्रभु का धन्यवाद करते हुए , / हम उनके पुनरुत्थान का गीत गाते हैं , / क्योंकि उन्होंने , सूली पर चढ़ने का दुख सहते हुए , / मृत्यु को मृत्यु से कुचल डाला है। (1)

भजन संहिता 50।

महिमा: प्रेरितों की प्रार्थनाओं के द्वारा , हे दयालु , हमारे पापों की भीड़ को मिटा दो।

और अब: परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा , हे दयालु , हमारे पापों की भीड़ को मिटा दो।

फिर, स्वर 6: हे परमेश्वर , अपनी महान दया के अनुसार मुझ पर दया करें , और अपनी अनुग्रहों की बहुतायत के अनुसार मेरे अधर्म को मिटा दें।

भजन संहिता 50 के बाद, एक स्टिचेरा , स्वर 6

इस दिन स्वर्गिक सेनाएँ , / स्वर्गों में हमारी प्रकृति को देखकर , / आरोहण के अद्भुत दृश्य पर विस्मित हुईं , / और एक-दूसरे से विस्मय में कहने लगीं : / 'ये कौन हैं जो आए हैं ?' / और अपने प्रभु को देखकर , / उन्होंने स्वर्ग के द्वार खोलने की आज्ञा दी। / उनके साथ हम भी निरन्तर तेरा गुणगान करते हैं , / जो देह में स्वर्ग से पुनः आते हैं , / सर्व के न्यायी और सर्वशक्तिमान परमेश्वर के रूप में।

कैनन

पहला – संत जॉन ऑफ़ डेमास्कस का, स्वर 5 में , और दूसरा – संत जोसेफ का, स्वर 4 में ; पहला इरमोस के साथ स्वर 8 में गाया जाता है , जबकि दूसरा स्वर 6 में गाया जाता है।

ओड 1

कैनन 1। इरमोस: उद्धारकर्ता परमेश्वर को, / जिन्होंने लोगों को उनके पैरों को भीगे बिना समुद्र के पार ले गए / और फिरौन को उसके सारे दल के साथ डुबो दिया, – / केवल उसी का हम भजन करें , / क्योंकि वह महिमामय हुआ है।

हे सभी लोगों , हम मसीह के लिए गीत गाएँ , / जो कीर्तिमानों के कंधों पर महिमा में आरोहण हुए , / और जिन्होंने हमें स्वयं के साथ पिता के दाहिने हाथ पर बिठाया है , / एक विजय गीत, क्योंकि उन्हें महिमा मिली है।

ईश्वर और मानवता के बीच मध्यस्थ – मसीह – / स्वर्गदूतों की सेनाओं ने , उन्हें ऊँचाइयों में देहधारी देखकर , विस्मित हो गईं , / फिर भी एक स्वर में विजय का गीत गाया, / (क्योंकि उन्हें महिमा मिली।)

ईश्वर को, जो सिनाई पर्वत पर प्रकट हुए / और मूसा को, जो ईश्वर को देखने वाले मनुष्य थे , व्यवस्था दी, / और जो देह में जैतून के पर्वत से आरोहण किए – / उन्हीं को हम सब गाओ, / क्योंकि वे महिमामय हुए हैं।

थियोटोकोस: हे परमेश्वर की अति पवित्र माता! / उस परमेश्वर से अविराम प्रार्थना करो, जो तुमसे मसीह के रूप में अवतरित हुए / और जिन्होंने स्वयं को पिता की गोद से अलग नहीं किया, / कि वे उन सभी को हर विपत्ति से बचाएँ / जिन्हें उन्होंने सृजित किया है।

कैनन 2. इरमोस: मैं अपना मुँह खोलूँगा , / और वह आत्मा से भर जाएगा; / और मैं रानी और माता से बोलूँगा , / और मैं आनंद से दीप्तमिान होकर प्रकट होऊँगा , / और मैं उनके चमत्कारों के वषिय में आनंदपूर्वक गाऊँगा।

हे मसीह, सर्वसृष्टकिर्ता , तू तीसरे दनि प्राकृतकि रूप से अमर हो कर पुनरुत्थति हुआ , और ग्यारहों तथा सभी शष्यिों को प्रकट हुआ , और एक बादल पर आरूढ़ हो कर पति के पास चढ़ गया।

दाऊद, ईश्वर से प्रेरति , स्पष्ट रूप से पुकारता हुआ गाता है : / 'प्रभु स्वर्ग में आरोहण कए / आनंद के जयकारों और तुरहयिों की ध्वनि के बीच / और प्रथम प्रकाश —पति तक पहुँचे '।

महमिा: हे प्रभु , संसार जो अनेक पापों से थका था, / तेरे दुख -क्लेश से नया हुआ , / और तेरे पुनरुत्थान से , / तू एक मेघ पर आरूढ़ होकर स्वर्ग में चढ़ गया। / तेरी शक्ति को महमिा!

और अब, हे परमेश्वर की माता: तूने सभी के प्रभु को गर्भ में धारण कयिा, हे सदा-कुँवारी स्वामनिी , जसिने स्वेच्छा से दुख को स्वीकार कयिा और अपने पति के पास स्वर्ग में आरोहण कयिा, जसिे उसने नहीं छोड़ा , यद्यपि उसने देह धारण कयिा।

कातावासयिा: मूसा , वाणीहीन, / दव्यि अंधकार से आवृत , / ने ईश्वर द्वारा लखिति वधिान को स्पष्ट रूप से उद्घाटति कयिा, / क्योंकि , अपनी आध्यात्मकि दृष्टि से अशुद्धि को दूर करके , / वह उस सत् को नहिारता है जो है और आत्मा का ज्ञान प्राप्त करता है , / और दव्यि भजनों से उसकी महमिा करता है।

गीत 3

कैनन 1. इरमोस: हे मसीह, तेरे क्रूस की शक्ति से , / मेरे वचिारों को दृढ़ कर, / ताकि मैं गा सकूँ और महमिा दे सकूँ / तेरे उद्धारक आरोहण को।

हे जीवन-दाता मसीह, आप पति के पास आरोहण हुए / और हे मानव-प्रेमी , आपने हमारे वंश को गौरवान्वति कयिा, / अपनी अकथनीय दया के द्वारा।

देवदूतों की सेनाओं ने , नश्वर स्वभाव को / हे उद्धारकर्ता , आपके साथ आरोहण करते हुए देखकर , / आश्चर्य से आपकी स्तुति नरिंतर गाई।

देवदूतों के दल चकति हुए , / जब उन्होंने देखा कि तू , हे मसीह, देह में आरोहण कर रहा है , / और तेरे पवत्रि आरोहण का गीत गाया।

मानव स्वभाव , जो क्षय में गरि गया था, / हे मसीह, आपने उसे पुनर्स्थापति कयिा, / और अपने स्वर्गारोहण से उसे गौरवान्वति कयिा, / और स्वयं के साथ हमें महमिामय बनाया।

थयिोटोकोस: हे पवत्रि जन, अनवरत प्रार्थना करो, / उनके लिए जो तेरे गर्भ से नकिलकर, / हे ईश्वर -माता, तेरा गुणगान करते हैं , / शैतान की धोखाधड़ी से मुक्ति के लिए।

कैनन 2. इरमोस: हे परमेश्वर की माता, / तुम एक जीवति और प्रचुर झरना हो; / जो इस आध्यात्मकि भोज को तैयार कर चुके हैं , उन्हें बल दो, / और अपनी दव्यि महमिा में / उन्हें महमिा के मुकुट प्रदान करो।

'हे स्वर्ग के द्वार , अपने सरि उठाओ; / देखो , मसीह, राजा और प्रभु , / एक सांसारकि देह में , आ गए हैं ,' – / नम्नि स्वर्गदूतों ने उच्च स्वर्गदूतों को यह घोषणा की।

साँप की चालाकी से , धोखे में आए आदम को परीक्षा में डालने के बाद, / हे मसीह, आप उसी के वेश में , स्वर्गलोक में आरोहण कएि, / और पिता के सह-शासक के रूप में दायें पार्श्व में वरिाजमान हुए , / जबकि स्वर्गदूत आपके सम्मान में गीत गा रहे थे।

महिमा: पृथ्वी उत्सव मनाती है और हर्षति होती है , / और स्वर्ग भी हर्षति होता है / इस दनि सृष्टि के स्रष्टा के स्वर्गारोहण पर, / जन्हिोंने स्पष्ट रूप से उस चीज़ को एक कर दयिा जो वभिाजति थी / अपनी इच्छा के अनुसार।

और अब, हे परमेश्वर की माता: आप जन्हिोंने मृत्यु के वनिाशक, एक अमर ईश्वर को जन्म दयिा, हे सर्व -पवत्रि कुँवारी माता, नरिंतर उनसे प्रार्थना करें कि वे उन वासनाओं को मार डालें जो मुझे मारती हैं और मुझे बचाएँ।

कातावासयिा: उसने बाँझ गर्भ के बंधन काट दएि / और अनेक संतानों वाली स्त्री की अनयिंत्रति अहंकार को समाप्त कर दयिा / प्राचीन काल में , भवष्यिवक्ता अन्ना की एक ही प्रार्थना से , / जो पश्चात्तापी आत्मा वाली थी, / बुद्धि के शासक और ईश्वर को संबोधति।

सेडालेन , स्वर 8

स्वर्गीय बादलों में आरोहण करके , / पृथ्वी पर रहने वालों के लएि संसार को छोड़कर , / तू पिता के दाहनि बैठ गया, / क्योंकि तू उनसे और आत्मा से एकसार है : / क्योंकि तू देह में प्रकट हुआ , / फरि भी तू अपरविर्तति रहा। / वहाँ तू अंत के आगमन की प्रतीक्षा कर रहा है , / ताकि पृथ्वी पर उतरकर तू संपूर्ण संसार का न्याय कर सके। / हे धर्मी प्रभु , हमारी आत्माओं पर दया कर, / और एक दयालु ईश्वर के रूप में , अपने सेवकों को पापों की क्षमा प्रदान कर।

महिमा, और अब: हम वही दोहराते हैं।

भजन 4

कैनन 1. इरमोस: मैंने समाचार सुना है / तेरे क्रूस की शक्ति का, / कि उससे स्वर्ग का बगीचा खुल गया, / और मैं चल्लिाया : 'हे प्रभु , तेरी शक्ति को महिमा हो!'

हे स्वर्गदूतों के राजा, आप महिमा में आरोहण हुए , / हमें पिता से सांत्वनादाता भेजने के लएि; / इसलएि हम पुकारते हैं : / 'हे मसीह, तेरे आरोहण की महिमा!'

जब उद्धारकर्ता देह में पिता के पास आरोहण कएि, / स्वर्गदूतों के दल उन पर वस्मिति हो पुकार उठे : / 'महिमा तुझको , हे मसीह, तेरे आरोहण के लएि!'

नचिले स्वर्गदूतों ने ऊपरी स्वर्गदूतों से पुकारा : / 'हे द्वारों , अपने सरि उठाओ, क्योंकि मसीह, हमारे राजा, / जनिके बारे में हम पिता और आत्मा के साथ गाते हैं !'

थयिोटोकोस: कुँवारी ने प्रसव कयिा, फरि भी उन्हें माताओं जैसी कोई अनुभूति नहीं हुई ; / फरि भी वह वास्तव में माता हैं , / यद्यपि वह कुँवारी ही रहीं। / उनके बारे में गाते हुए , हम पुकारते हैं : / 'हे परमेश्वर की माता, आनन्दति हो!'

कैनन 2. इरमोस: महिमा में वरिाजमान / दव्यिता के सहिासन पर, / एक प्रकाशमान बादल पर, / परम दव्यि यीशु आए, / एक नरि्दोष हाथ द्वारा धारण कएि हुए , / और उन लोगों को बचाया जन्हिोंने पुकारा : / 'महिमा, हे मसीह, तेरी शक्ति को!'

जीवन दाता यीशु , जन्हिें उन्होंने प्रेम कयिा था, उन्हें साथ लेकर जैतून के पहाड़ पर चढ़े ; और उन्होंने उन्हें आशीष दी, और एक बादल पर सवार होकर, पिता की गोद में पहुँचे , जसिे उन्होंने कभी नहीं छोड़ा था।

सारी दृश्य और अदृश्य सृष्टि हर्षति होती है ; / स्वर्गदूत और मनुष्य उत्सव मनाते हैं , / उस के स्वर्गारोहण की अनवरत महमिा करते हुए / जो अपनी दया में , देह में हम में से एक बन गए।

महमिा: अमर के रूप में मृत्यु की शक्ति को नष्ट करके , हे प्रभु , आपने सभी को अमरत्व प्रदान कयिा है , हे मानवता के प्रेमी , और महमिा में आरोहण कयिा है / अपने पवित्र शष्यिों की आँखों के सामने , / सर्वशक्तमिान यीशु।

और अब, हे परमेश्वर की माता: धन्य है तेरी गर्भ , हे सर्व -पवित्र ! / क्योंकि तूने , एक अवर्णनीय तरीके से , उसे ग्रहण कयिा / जसिने चमत्कारकि रूप से नरक की कोख को खाली कर दयिा था; / हमसे , जो तेरा गुणगान करते हैं , हमें बचाने के लिए उससे प्रार्थना कर।

कटावाशयिा: राजाओं के राजा, एक से एक, / एकमात्र पुत्र वचन, जो आरम्भ रहति परमपति से उत्पन्न हुए , / आप, आत्मा जो आपके समान हैं , एक दाता के रूप में , / वास्तव में प्रेरतिों को भेजे गए, जो गाते हैं : / 'हे प्रभु , आपकी सामर्थ्य को महमिा!'

गीत 5

कैनन 1. इरमोस: भोर होते ही जागकर, / हे प्रभु , हम आपसे पुकारते हैं : / 'हमें बचाइए, क्योंकि आप हमारे ईश्वर हैं ; / आपके सविा हम कसिी और को नहीं जानते !'

हे दयालु , सभी चीज़ों को आनंद से भरते हुए , / आप देह में / स्वर्गीय शक्तयिों के पास आए।

दव्यि दूतों के दल, / आपको उठते हुए देखकर पुकार उठे : / 'हे द्वारों , अपने शीश ऊँचे करो, / क्योंकि हमारा राजा आ रहा है !'

प्रेरतिों ने उद्धारकर्ता को स्वर्गारोहण करते हुए देखकर , हमारे राजा को भयभीत होकर पुकारा : 'महमिा तुझे हो!'

ईश्वर की माता को: प्रसव के बाद कुँवारी बनी रहने के लिए / हे ईश्वर की माता, हम तेरा गुणगान करते हैं , / क्योंकि तूने संसार के लिए देह में वचन-ईश्वर को जन्म दयिा।

कैनन 2. इरमोस: संपूर्ण संसार तेरी दव्यि महमिा से चकति है / हे कुँवारी , जसिने ववािह नहीं जाना, तूने अपने गर्भ में परम उच्च ईश्वर को धारण कयिा / और शाश्वत पुत्र को जन्म दयिा, जो तेरी स्तुति करने वालों सभी को शांति प्रदान करता है।

हे प्रभु , आपने अपनी मृत्यु से मृत्यु को मार डाला! जन्हिें आप प्रेम करते थे , उन्हें साथ लेकर , आप पवित्र जैतून के पर्वत पर आरोहण कए, और वहाँ से हे मसीह, आप एक बादल पर सवार होकर अपने पति के पास आरोहण हुए।

तुम्हारा जन्म अद्भुत है , / तुम्हारा पुनरुत्थान अद्भुत है , / अद्भुत और भव्य है / हे जीवन दाता, पर्वत से तुम्हारा दव्यि आरोहण, / जसिे इलयिाह ने चत्रिति कयिा / जब वह चार घोड़ों पर आरोहण कर गया, / हे मानव जाति के प्रेमी , तुम्हारी स्तुति गाते हुए।

महमिा: स्वर्गदूतों ने जागते हुए प्रेरतिों से घोषणा की: / 'हे गलील के लोगों , तुम जीवन दाता मसीह के स्वर्गारोहण पर / क्यों चकति हो रहे हो? / वह फरि से पृथ्वी पर आएंगे संपूर्ण संसार का न्याय करने / सबसे धर्मी न्यायाधीश के रूप में '।

और अब, हे ईश्वर की माता: मसीह, जन्होंने तुम्हें प्रसव के बाद भी / एक नर्दिोष कुँवारी , ईश्वर की माता के रूप में संरक्षति रखा, / पति के पास आरोहण करते हैं , जन्हिें वह कभी नहीं त्यागेंगे , / यद्यपि उन्होंने अनुग्रह से / तुमसे एक तर्कशील आत्मा वाली देह ग्रहण की।

कातावासयिा: पापों से मुक्ति की शुद्धि के द्वारा , / आत्मा की अग्नि-वर्षी ओस ग्रहण करो, / हे चर्च के प्रकाश -धारण करने वाले बच्चों ; / क्योंकि अब सयिोन से व्यवस्था प्रकट हुई है – / आत्मा की कृपा आग की ज्वालाओं के रूप में।

गीत 6

कैनन 1. इरमोस: गहराई ने मुझे घेर लयिा, / व्हेल मेरी कब्र बन गई, / परन्तु मैंने आपसे पुकारा , हे मानव जाति के प्रेमी , / और आपके दाहनि हाथ ने मुझे बचा लयिा, हे प्रभु।

प्रेरतिों ने , इस दनि सृष्टकिर्ता को उच्च स्थान पर आरोहण करते हुए देखकर , आत्मा को प्राप्त करने की आशा में आनंदति हुए , और वस्मिय से पुकार उठे : 'तेरे आरोहण को महमिा!'

देवदूत प्रकट हुए , / हे मसीह, तेरे शष्यिों को पुकारते हुए : / 'जसि प्रकार तुमने मसीह को देह में स्वर्ग परारोहण करते देखा है , / उसी प्रकार वह फरि आएगा, / सभी का धर्मी न्यायी !'

जब स्वर्गीय शक्तयिों ने / आपको, हमारे उद्धारकर्ता को, / देह में ऊँचाइयों तक उठते हुए देखा , / तो उन्होंने पुकार कर कहा: / 'महान है , हे प्रभु , मानवजाति के प्रति आपका प्रेम !'

थयिोटोकोस: हम आपकी यथोचति रूप से महमिा करते हैं , आप जो झाड़ी हैं जो जलती नहीं है , / पर्वत , जीवति सीढ़ी , / और स्वर्ग का द्वार , / हे महमिामय मरयिम, आप ऑर्थोडॉक्सों की स्तुति हैं।

कैनन 2. इरमोस: जब हम ईश्वर की माता का इस दव्यि और सार्वभौमकि रूप से सम्मानति पर्व का उत्सव मनाते हैं , हे ईश्वर -ज्ञानी , आओ, हम तालयिाँ बजाना आरंभ करें , और उनसे उत्पन्न ईश्वर की महमिा करें।

ऊँचे आकाश से मेघ हम पर अनंत आनंद की वर्षा करें : / क्योंकि मसीह, जो एक मेघ पर चेरुबमि के समान आरोहण करते हैं , / आज अपने पति के पास आरोहण करते हैं।

मांस के सदृश प्रकट होकर, हे मानव-प्रेमी , आपने जो वभिाजति था उसे पुनः एक कयिा, और हे दयालु , आप स्वर्ग में आरोहण कर गए, जबकि आपके शष्यि आपको नहिार रहे थे।

महमिा: 'उनके वस्त्र इतने तेजस्वी क्यों हैं / जन्हिोंने स्वयं को देह की प्रकृति के साथ एक कयिा है ?' – / पवत्रि स्वर्गदूतों ने मसीह को नहिारते हुए पूछा , / जो अपने पवत्रि कष्टों / के दैवीय चह्निों को धारण कएि हुए थे।

और अब, हे परमेश्वर की माता: हम आपकी गर्भधारण का गीत गाते हैं , हे कुँवारी , / हम आपके अकथनीय जन्म का गीत गाते हैं , हे पवत्रि एक, / जसिके द्वारा हम वनिाश और वपित्ति से , / और पाताल के अंधकारमय बन्धन से मुक्त हुए हैं।

कातावाशयिा: हमारे लएि प्रायश्चति और मोक्ष के स्रोत के रूप में , हे प्रभु मसीह, आप कुँवारी से प्रकट हुए , ताकि, जैसे भवष्यिवक्ता יונה समुद्र के दैत्य के पेट से , आप आदम को, जो अपनी सारी वंश के साथ गरि गया था, क्षय से पूरी तरह से बचा सकें।

कॉन्टाकयिन , स्वर 6

हमारे उद्धार की संपूर्ण योजना को पूरा करके , / और पृथ्वी पर जो कुछ है उसे स्वर्ग में जो कुछ है उसके साथ मलिाकर, / हे मसीह, हमारे ईश्वर , तू महमिा में स्वर्गारोहण हुआ , / हमें बलिकुल भी न छोड़कर , बल्कि हमारे साथ अवभिाज्य रूप से नवािस करते हुए / और तुझसे प्रेम करने वालों को पुकारते हुए : / 'मैं तुम्हारे साथ हूँ , और कोई भी तुम्हारे वरिुद्ध नहीं है !'

इकोस: सांसारकि चीज़ों को पीछे छोड़कर , / और जो केवल राख है उसे धूल में सौंपकर , / आओ, हे नश्वर प्राणयिों , जाग उठें , / और अपनी आँखें और वचिार ऊँचाइयों की ओर उठाएँ , / अपनी दृष्टि , और उसके साथ अपने हृदय , स्वर्ग के द्वारों की ओर मोड़ें : / आइए कल्पना करें कि हम जैतून के पहाड़ पर हैं , / उद्धारकर्ता को नहिारते हुए , जो एक बादल पर सवार हैं। / क्योंकि वहीं से प्रभु स्वर्ग में आरोहण हुए , / और वहीं उदार ने अपने प्रेरतिों पर अपने वरदान प्रदान कयि, / उन्हें एक पति के समान एकत्रति कर और उन्हें बल देकर , / पुत्रों के समान उन्हें शक्षिा देते हुए , और उनसे कहते हुए : / 'मैं तुमसे दूर नहीं जाता; / मैं तुम्हारे साथ हूँ , और कोई भी तुम्हारे वरिुद्ध नहीं है !'

सनिैक्सारयिन।

भजन 7

कैनन 1. इरमोस: अग्नि भट्टी में / उन्होंने युवा गायकों को बचाया, / धन्य है हमारे पूर्वजों का परमेश्वर।

जो एक उज्ज्वल बादल पर आरोहण कयि / और संसार को बचाया, / हमारे पूर्वजों का परमेश्वर धन्य हो।

अपने कंधों पर हमारी पतति प्रकृति को उठाकर, हे मसीह, आप आरोहण हुए और उसे परमेश्वर पति के पास ले गए।

देह में परमपति के पास आरोहण करके , / हमारे पूर्वजों का ईश्वर धन्य हो!

पाप से मृत्युदंडति हमारी प्रकृति को ग्रहण करके , हे उद्धारकर्ता , आपने उसे अपने ही पति के पास पहुँचाया।

थयिोटोकोस: कुँवारी से जन्मे , / जन्हिें तूने ईश्वर की माता बनाया, / धन्य है तू , हमारे पूर्वजों के ईश्वर।

कैनन 2. इरमोस: धर्मनष्ठिों ने / प्राणयिों को सृष्टकिर्ता से अधकि सम्मान नहीं दयि, / बल्कि, उन्हें धमकाने वाली आग पर बहादुरी से वजिय प्राप्त कर, / उन्होंने आनंदपूर्वक गाया: / 'हमारे पूर्वजों के परम प्रशंसनीय प्रभु और परमेश्वर , / धन्य हैं आप!'

एक तेजस्वी बादल ने आपको उठा लयि, / हे प्रभु , सच्चे प्रकाश , / पृथ्वी से अथाह रूप से आरोहण करते हुए , / और स्वर्गदूतों ने , प्रेरतिों के साथ मलिकर, / आपको स्तुति करते हुए पुकारा : / 'हे ईश्वर , धन्य हैं आप!'

आओ हम सब आनंद से तालयिाँ बजाना आरंभ करें / मसीह के स्वर्गारोहण के सम्मान में और उद्घोष करें : / 'ईश्वर तुरहयिों की ध्वनि के साथ स्वर्ग पर आरोहण कयि / और पति के दाहनि उपवष्टि हुए , / अपने सह-शासक के रूप में , युगानुयुग !'

महमिा: प्राचीन काल में , महान मूसा ने पुकारा : / 'स्वर्गीय स्वर्गदूत मसीह की स्वर्गारोहण की उपासना करें ', / सभी के राजा के रूप में , जनिसे हम पुकारते हैं : / 'हे हमारे पूर्वजों के प्रभु और परमेश्वर , धन्य हैं आप!'

और अब, हे परमेश्वर की माता: हे अद्भुत चमत्कारो ! / आपने , परमेश्वर की कृपा से परपिूर्ण होकर, / उस अवर्णनीय ईश्वर को कैसे जन्म दयि, जो देह में गरीब हो गया, / और जो आज महान महमिा के साथ स्वर्ग में आरोहण कयि, / और जसिने मानव जाति को जीवन दयि?

कातावासयि: संगीत वाद्ययंत्रों की सुमधुर धुन गूँजी , / हमें सोने में ढाले नर्जिीव मूर्ति का सम्मान करने के लिए बुलाती ; / परन्तु परमप्रभु की प्रकाशमयी कृपा / हमें श्रद्धापूर्वक पुकारने के लिए प्रेरति करती है : / 'हे पवत्रि त्रमिूर्ति , एक, समरूप , अनंत , / धन्य हैं आप!'

प्रभु का स्वर्गारोहण

गीत 8

कैनन 1. इरमोस: पुत्र और ईश्वर , / युगों से पूर्व पिता से उत्पन्न , / और इन अंतिम दिनों में कुँवारी माता से अवतार धारण किए हुए , / पुरोहितों , उसकी महिमा गाओ, / लोगों , उसकी सदा-सर्वदा स्तुति करो!

मसीह, जीवन के दाता, / जिन्होंने दो स्वभावों में महिमा में स्वर्ग में आरोहण किया / और पिता के दाहिने हाथ पर विराजमान हैं , / हे याजकों , उनकी स्तुति करो; / हे लोगों , उन्हें युगानुयुग तक महिमामय करो।

हे जिन्होंने सृष्टि को मूर्तपूजा की दासता से मुक्त किया / और उसे अपने पिता के समक्ष स्वतंत्र रूप से प्रस्तुत किया, / हम तेरी स्तुति करते हैं , हे उद्धारकर्ता , / और हम तुझे युगानुयुग महिमान्वित करते हैं।

जिनके अवतरण से शत्रु का नाश हुआ / और आरोहण से मानव जाति का गौरव बढ़ा , / हे पुरोहितो , उनके गुण गाओ; / हे लोगो, उनका यश गाओ युगानुयुग।

थियोटोकोस: करूबीम से भी ऊँची / तू प्रकट हुई , हे ईश्वर की पवित्र माता, / अपने गर्भ में उसे धारण करते हुए जिसे वे धारण करते हैं , / जिसे हम नश्वर , अदेह प्राणियों के साथ, / युगों -युगों तक महिमामय करते हैं।

कैनन 2. इरमोस: परमेश्वर की माता के शिशु ने / भक्तपूर्ण युवकों को भट्टी में बचाया: / तब एक पूर्वसंकेत , अब एक वास्तविकता ; / वह संपूर्ण ब्रह्मांड को आपके लिए गीत गाने के लिए बुलाता है। / 'हे प्राणियों , प्रभु का भजन करो, / और उसकी सदा और सदा तक स्तुति करो!'

स्वर्गारोहण पर, स्वर्गीय आत्माएँ प्रेरितों के पास आईं और उद्घोषित किया: 'तुम विस्मय से क्यों खड़े हो? जो स्वर्ग में आरोहण करते हैं , वे फिर आएँगे , पृथ्वी पर रहने वालों का न्याय करने , एकमात्र न्यायाधीश के रूप में !'

आओ हम परमेश्वर की महिमा करें , / आओ हम स्तुति में पुकारें , / आओ हम गाएं , आनन्द मनाएं और तालियाँ बजाएं : / हमारे परमेश्वर पृथ्वी से स्वर्ग में आरोहण कर गए हैं , / जबकि स्वर्गदूत और महादूत उनकी स्तुति करते थे , / सर्व के प्रभु और सृष्टिकर्ता के रूप में।

आओ हम पिता, और पुत्र , और पवित्र आत्मा , प्रभु का आशीर्वाद करें।

हमारा स्वभाव , जो प्राचीन काल में गिर गया था, / स्वर्गदूतों से भी ऊपर उठाया गया है / और एक अकल्पनीय तरीके से दिव्य सिंहासन पर बैठाया गया है ; / आओ, हम आनंद मनाएँ और उद्घोष करें : / 'हे सृष्टि के सब जीव, प्रभु का भजन करो, / और युगों -युगों तक उसकी महिमा करो!'

और अब, हे परमेश्वर की माता: देखो , तुम्हारा पुत्र , हे परमेश्वर की माता, ने अपने क्रूस द्वारा मृत्यु पर विजय प्राप्त कर, तीसरे दिन फिर से जी उठा, और अपने शिष्यों को प्रकट होकर स्वर्ग में आरोहण किया; उसके साथ तुम्हारी आराधना करते हुए , हम सदा और सदा के लिए उसे गाते और महिमा देते हैं।

तब: हम प्रभु की स्तुति , आराधना और उपासना करते हैं , उनके गुण गाते हुए और युगों -युगों तक उनकी महिमा करते हुए।

कातावासिया: त्रि-प्रकाशमान प्रतिमा ईश्वरत्व की / बंधन तोड़ती है और ज्वाला बुझाती है ; / युवक गाते हैं , और सारी सृष्टि / सभी के एक उद्धारकर्ता और सृष्टिकर्ता को / अपने कल्याणकर्ता के रूप में धन्यवाद देती है।

नवें ओड पर, हम 'केरूबीम का सर्वोच्च सम्मान ' नहीं गाते , बल्कि हम उत्सव की पुनरावृत्ति गाते हैं : हे मेरी आत्मा , महिमा कर, / जीवन दाता मसीह की, / जो पृथ्वी से स्वर्ग में आरोहण हुए।

प्रभु का स्वर्गारोहण

ओड 9

कैनन 1. इरमोस: हे तुम , जो सर्व बुद्धि और वाणी से परे / ईश्वर की माता बनीं , / जिन्होंने कालातीत काल में एक अनुपम प्रकार से जन्म दिया, / हम, विश्वासी , एकचित्त होकर आपकी स्तुति करते हैं।

हे संसार के उद्धारकर्ता , हे मसीह परमेश्वर , / जिन्हें प्रेरितों ने दिव्य रूप से गौरवान्वित देखा , / ने भक्तिपूर्ण आनंद के साथ महिमामंडित किया।

हे मसीह, तेरे दिव्य देह को देखकर , / स्वर्ग में स्वर्गदूत / एक-दूसरे की ओर इशारा करते हुए बोले : / 'वही सचमुच हमारा ईश्वर है !'

आपको, हे मसीह ईश्वर , / मेघों पर आरोहण करते हुए देखकर , / निराकार प्राणियों की सेनाएँ पुकार उठीं : / 'हे द्वारों , अपने सिर उठाओ, और हे प्राचीन द्वारों , ऊँचे हो जाओ, कि महिमा का राजा प्रवेश कर आए!'

हम आपकी महिमा करते हैं , जो पृथ्वी के छोर तक अवतरित हुए / और मानवजाति को बचाया, / और अपने स्वर्गारोहण से उन्हें गौरवान्वित किया।

थियोटोकोस: हे थिओटोकोस, हमारे परमेश्वर मसीह की माता, आनंदित हो! / जिसे आपने अपने गर्भ में धारण किया, / आज, स्वर्गदूतों के साथ पृथ्वी से उनके आरोहण को देखकर , / आपने उन्हें महिमामय किया है।

उत्सव का दूसरा प्रतिगान : स्वर्गदूतों ने प्रभु के स्वर्गारोहण को देखकर आश्चर्य किया / कि कैसे वह महिमा में पृथ्वी से स्वर्ग तक उठा लिए गए।

कैनन 2. इरमोस: पृथ्वी पर जन्मी हर आत्मा आनंदित हो, पवित्र आत्मा से प्रकाशित होकर; अदेह बुद्धियों का स्वभाव भी आनंदित हो, जब वे ईश्वर की माता के पवित्र पर्व का सम्मान करते हैं , और वे पुकार उठें : 'हे सर्व -धन्य , हे शुद्ध ईश्वर की माता, सदा कुंवारी , आनंदित हो!'

हे परम ज्ञान के वरदान! / हे उस रहस्य की जो हमें विस्मित कर देता है ! / क्योंकि जो सर्वत्र राज्य करता है , / पृथ्वी से स्वर्ग आरोहण कर, / ने अपने शिष्यों को पवित्र आत्मा भेजा , / जिसने उनके मन को प्रकाशित किया / और उन्हें अनुग्रह से अग्नमिय कर दिया।

प्रभु ने शिष्यों की मंडली से कहा: / 'यरूशलेम में ही रहो, / और मैं तुम्हें एक और सांत्वनादाता भेजूँगा , / जो पिता के साथ सह-आसीन है और महिमा में मुझ के समान है , / उसी को तुम ऊपर जाते और एक प्रकाशमान मेघ पर आरूढ़ होते देखोगे। '

महिमा: जिसने देह में दीनता ग्रहण की, उसकी भव्यता स्पष्ट रूप से स्वर्गों से ऊपर उठाई गई है , और हमारे पतित स्वभाव को पिता के साथ बैठने का सम्मान मिला है : आइए हम सभी आनंदित हों , और एक स्वर में पुकारें , और आनंद से तालियाँ बजाएँ !

और अब, हे परमेश्वर की माता: प्रकाश , प्रकाश से चमकता हुआ , / तुमसे उत्पन्न हुआ है , हे सर्व -पवित्र , / और उसने अधर्म के सारे अंधकार को समाप्त कर दिया / और रात में सो रहे लोगों को प्रकाशित किया; / इसलिए हम सभी, जैसा कि उचित है , / तुम्हारी अनंतकाल तक अनंतकाल तक महिमा करते हैं।

कातावासिया: हे रानी, माताओं और कुंवारी कन्याओं की महिमा, आनंदित हो! / क्योंकि कोई भी वाक्पटु वक्ता , चाहे वह कितना भी निपुण क्यों न हो, / अपने प्रवचन में , / आपके यथोचित गुणगान नहीं कर सकता; / प्रत्येक मन अभिभूत है , / आपके द्वारा मसीह के जन्म को समझने का प्रयास करते हुए ; / इसलिए हम एक स्वर में आपकी महिमा करते हैं।

प्रभु का स्वर्गारोहण

एक्सापोस्टलिइरॉन

जब शिष्यों ने तुझ पर दृष्टि डाली, / हे मसीह, तू पिता के पास आरोहण किया, उसके साथ बैठने के लिए। / स्वर्गदूत , आगे बढ़ते हुए , पुकार उठे : / 'अपने सिर उठाओ, उन्हें उठाओ, / क्योंकि राजा महिमा के प्रथम प्रकाश में आरोहण कर गया है !' (3)

'स्तुति ' पर, ४ स्तिखरा , स्वर १

हम जो इस संसार में रहते हैं / स्वर्गदूतों के समान आनन्दित होंगे , / महिमा में सिंहासनस्थ परमेश्वर की स्तुति करते हुए , / यह भजन गाकर: / 'पवित्र हैं आप, हे स्वर्गीय पिता, / पवित्र हैं आप, हे अनन्त वचन, / और सर्व -पवित्र आत्मा !' (2)

स्वर्गदूतों के अधिपतियों ने , हे उद्धारकर्ता , इस अद्भुत आरोहण को देखकर , एक-दूसरे से कहा, चकित होकर: 'यह दृश्य क्या है ? जिसे हम देखते हैं वह मनुष्य के रूप में है , फिर भी, परमेश्वर के रूप में , स्वर्गों के ऊपर, वह देह में आरोहण कर रहा है !'

गलीलियों ने , वचन, अर्थात् आपको, / जैतून के पहाड़ से अपने शरीर सहित आरोहण करते हुए देखा , / और उन्होंने स्वर्गदूतों को यह पुकारते हुए सुना : / 'तुम वहाँ क्यों खड़े ताक रहे हो? / वह उसी शरीर में फिर आएगा, / ठीक उसी प्रकार जैसे तुमने उसे देखा है !'

महिमा, और अब, स्वर 2: तू स्वयं की इच्छा से जन्म लिया; / संसार में प्रकट हुए जैसा कि आपकी इच्छा थी; / हमारे ईश्वर , आपने देह में दुख सहे ; / मृत्यु पर विजय प्राप्त कर मृतकों में से जी उठे ; / महिमा में आरोहण किया, हे आप जो सर्वत्र व्याप्त हैं , / और हमें दिव्य आत्मा भेजी , / ताकि हम गा सकें और आपकी दिव्यता की महिमा कर सकें।

महान स्तुति -गीत।

समापन

मसीह, हमारे सच्चे ईश्वर , जो महिमा में हमसे स्वर्ग पर आरोहण कर गए और परमेश्वर पिता के दाहिने बैठते हैं , अपनी अति पवित्र माता, पवित्र , महिमामय और सर्व -स्तुत्य प्रेरितों , और सभी संतों की प्रार्थनाओं के द्वारा , हम पर दया करेंगे और हमें बचाएंगे , क्योंकि वे भले हैं और मानवजाति से प्रेम करते हैं।

लिटिजी में

प्रत्युत्तर 1, स्वर 2

पद 1: सभी राष्ट्रों , तालियाँ बजाओ, / आनंद की आवाज़ के साथ परमेश्वर को जयजयकार करो। भजन संहिता 46:2

हे उद्धारकर्ता , परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा , हमें बचाइए।

पद 2: क्योंकि सर्वोच्च प्रभु भययोग्य हैं , / पृथ्वी भर के महान राजा। भजन संहिता 46:3

हे उद्धारकर्ता , परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा , हमारा उद्धार करें।

पद 3: उसने हमारे लिए राष्ट्रों को वश में किया है / और जनजातियों को हमारे पैरों तले। भजन संहिता 46:4

हे उद्धारकर्ता , परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा , हमारा उद्धार करें।

पद 4: परमेश्वर आनन्द के जयजयकारों के बीच आरोहण कयिा, / प्रभु तुरहयिों की ध्वनि के बीच। भजन संहति 46:6

ईश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा , हे उद्धारकर्ता , / हमें बचाओ।

महमिा, और अब: परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा , हे उद्धारकर्ता , / हमें बचाओ।

प्रत्युत्तर 2, स्वर 2

पद 1: महान है प्रभु और अत्यंत स्तुत्य / हमारे परमेश्वर के नगर में , उसके पवत्रि पर्वत पर।

भजन संहति 47:2

हे परमेश्वर के पुत्र , जो महमिा में आरोहण हुए , हमें बचाइए, हम जो आपको गाते हैं : अल्ल eluia।

पद 2: सयिोन के पहाड़ , उत्तरी ढलान, – महान राजा का नगर। भजन संहति 47:3ख

हे परमेश्वर के पुत्र , महमिा में आरोहण करने वाले , हमें बचाओ, / हम जो तुझे गाते हैं : हलेलुया।

पद 3: परमेश्वर अपने महलों में परचिति हैं , / जब वह अपनी सहायता के लिए आते हैं।

भजन संहति 47:4

हे परमेश्वर के पुत्र , हमें बचाओ, जो महमिा में आरोहण कयिा, / हम जो तुझे गाते हैं : आल्लेलुया।

पद 4: क्योंकि देखो , पृथ्वी के राजा इकट्ठे हुए हैं , / वे एक साथ आ गए हैं। भजन संहति 47:5

हे परमेश्वर के पुत्र , महमिा में आरोहण करने वाले , हमारा उद्धार करो, हम जो तेरा भजन गाते हैं : आल्लेलुया।

महमिा, और अब: एकमात्र पुत्र :

प्रत्युत्तर 3, स्वर 4

पद 1: हे सभी राष्ट्रों , यह सुनो , / हे संसार में रहने वालों , कान लगाओ। भजन संहति 48:2

ट्रोपारयिन , स्वर 4

हे मसीह हमारे परमेश्वर , तू महमिा में स्वर्गारोहण हुआ , / अपने शष्यिों को आनंद से भर दयिा / पवत्रि आत्मा के वचन के द्वारा , / उन्हें अपनी आशीष से दृढ़ करके , / कि तू परमेश्वर का पुत्र , संसार का उद्धारकर्ता है।

पद 2: साधारण लोग और कुलीन , / धनी और गरीब समान। भजन संहति 48:3

ट्रोपारयिन : हे मसीह हमारे परमेश्वर , आप महमिा में आरोहण हुए :

श्लोक 3: मेरे होंठ ज्ञान का उच्चारण करेंगे , / और मेरे हृदय के वचिार—समझदारी।

भजन संहति 48:4

ट्रोपारयिन : हे मसीह हमारे परमेश्वर , तू महमिा में आरोहण कयिा है :

पद 4: मैं उपमा के लिए अपना कान झुकाऊँगा , / मैं सारंगी पर अपनी पहेली खोलूँगा। भजन संहति 48:5

ट्रोपारयिन : हे मसीह हमारे परमेश्वर , आप महमिा में आरोहण कर चुके हैं :

प्रभु का स्वर्गारोहण

प्रवेश

ईश्वर जयजयकारों के बीच आरोहण किया, / प्रभु – तुरही की ध्वनि के साथ। भजन संहिता 46:6

ट्रोपारियन , स्वर 4

हे ख्रीस्त हमारे परमेश्वर , तू महिमा में आरोहण हुआ , / अपने शिष्यों को आनंद से भर दिया / पवित्र आत्मा के वचन द्वारा , / उन्हें अपनी आशीर्वाद से दृढ़ कर के , / कि तू परमेश्वर का पुत्र , संसार का उद्धारकर्ता है।

महिमा, और अब, कोंटाकियन , स्वर 6

हमारे उद्धार की संपूर्ण योजना को पूरा करके , / और पृथ्वी पर जो कुछ है उसे स्वर्ग में जो कुछ है उसके साथ मिलाकर, / हे मसीह, हमारे परमेश्वर , तू महिमा में स्वर्गारोहण हुआ , / हमें बिलकुल भी अकेला न छोड़कर , बल्कि हमसे अविभाज्य रूप से निवास करते हुए / और तुझसे प्रेम करने वालों को पुकारते हुए : / 'मैं तुम्हारे साथ हूँ , और कोई भी तुम्हारे विरुद्ध नहीं है !'

त्रिसिगियन।

प्रोकेइमेनन , स्वर 7

हे परमेश्वर , स्वर्ग में आरोहण करो, / और पृथ्वी पर अपनी महिमा फैला दो। **श्लोक :** हे परमेश्वर , मेरा हृदय तैयार है , मेरा हृदय तैयार है ; मैं तेरी महिमा के लिए गीत गाऊँगा और संगीत करूँगा। भजन संहिता 56:12, 8

पवित्र प्रेरितों के काम, आरंभ 1B

पहली पुस्तक में , थेओफिलुस , मैंने उन सभी बातों का विवरण लिखा है जो यीशु ने आरंभ से लेकर उस दिन तक कीं और सिखाईं , जब तक कि उन्हें स्वर्ग में उठाया नहीं गया। उन्होंने पवित्र आत्मा के द्वारा उन प्रेरितों को आज्ञाएँ दीं , जिन्हें उन्होंने चुन रखा था, और जिन्हें उन्होंने अपनी पीड़ा के बाद बहुत से प्रमाणों सहित जीवित दिखाया, और चालीस दिन तक उन पर प्रगट होते रहे और परमेश्वर के राज्य के विषय में बातें कीं। और जब वे भोजन कर रहे थे , तो उसने उन्हें यह आज्ञा दी कि वे यरूशलेम न छोड़ें , बल्कि पिता के उस वचन की प्रतीक्षा करें , 'जिसके विषय में तुमने मुझसे सुना है। क्योंकि यूहन्ना ने पानी से बपतिस्मा दिया, परन्तु तुम कुछ ही दिनों के बाद पवित्र आत्मा से बपतिस्मा पाओगे '। तो, जब वे इकट्ठा हुए , तो उन्होंने उससे पूछा , 'प्रभु , क्या आप इस समय में इस्राएल को राज्य फिर से स्थापित करेंगे ?' और उसने उनसे कहा, 'पिता ने अपने अधिकार से जो समय और तारीखें ठहराई हैं , उन्हें जानना तुम्हारे लिए नहीं है। परन्तु तुम पर पवित्र आत्मा के आने पर तुम शक्ति प्राप्त करोगे , और तुम यरूशलेम में , और सारे यहूदिया और सामरिया में , और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होगे। " और यह कहकर, जब वे ताक रहे थे , वह उठा लिया गया, और एक बादल ने उसे उनकी दृष्टि से छिपा लिया। और जब वे उसकी आकाश में उठे जाने को निहार रहे थे , तो देखो , श्वेत वस्त्र पहिने हुए दो मनुष्य उनके पास आ खड़े हुए और उन्होंने कहा, 'हे गलीलियों , तुम क्यों खड़े आकाश की ओर ताक रहे हो? यह यीशु , जो तुम से स्वर्ग में उठा लिया गया है , उसी रीति से आएगा जैसे तुम ने उसे स्वर्ग में जाते देखा है। ' तब वे जैतून के पहाड़ से , जो यरूशलेम के पास है और एक सब्बाथ के दिन के मार्ग के बराबर दूर है , यरूशलेम लौट गए।

प्रेरितों के काम 1:1–12

प्रभु का स्वर्गारोहण

अल्लेलूया , स्वर 2

पद: देखो परमेश्वर जयजयकार के साथ आता है , यहोवा तुरही की ध्वनि के साथ। **पद:** हे सब जातियों , तालियाँ बजाओ; परमेश्वर के लिए आनंद की आवाज़ से जयजयकार करो। भजन संहिता 46:6, 2

लूका के अनुसार सुसमाचार , आरंभ 114

उन दिनों में , यीशु मरे हुओं में से जी उठे , अपने चेलों के बीच में आ खड़े हुए और उनसे कहा, 'तुम्हें शान्ति मिले। ' वे चकित और भयभीत हुए , यह सोचकर कि वे किसी आत्मा को देख रहे हैं। परन्तु उसने उनसे कहा, 'तुम क्यों चिन्तित हो, और ऐसे विचार तुम्हारे हृदय में क्यों उठते हैं ? मेरे हाथों और मेरे पैरों को देखो ; यह मैं ही हूँ ; मुझे छूकर देखो ; क्योंकि आत्मा का न तो मांस होता है और न हड्डियाँ , जैसा कि तुम मुझे में देखते हो।' और यह कहकर, उसने उन्हें अपने हाथ और पैर दिखाए। परन्तु जब वे आनन्द के मारे विश्वास नहीं कर पा रहे थे और अचम्भित हो रहे थे , तो उसने उनसे कहा, 'क्या तुम्हारे पास यहाँ कुछ खाने को है ?' उन्होंने उन्हें भुनी हुई मछली का एक टुकड़ा और कुछ शहद की छत्ता दी। और उसने उसे लेकर उनके सामने खाया। तब उसने उनसे कहा, 'यह वही है जो मैंने तुमसे कहा था जब मैं अभी भी तुम्हारे साथ था: मेरे विषय में मूसा की व्यवस्था , भविष्यद्वक्ताओं और भजन-संग्रह में जो कुछ लिखा है , वह सब पूरा होना चाहिए।' तब उसने उनके मन खोल दिए कि वे शास्त्रों को समझ सकें। और उसने उनसे कहा, 'इस प्रकार लिखा है , और इस प्रकार मसीह को दुख भोगना और तीसरे दिन मरे हुओं में से जी उठना आवश्यक था, और यह कि यरूशलेम से आरम्भ करके सभी राष्ट्रों में उसके नाम पर मन फिराने और पापों की क्षमा का प्रचार किया जाए। तुम इन सब बातों के गवाह हो। और मैं अपने पिता का वादा तुम्हारे ऊपर भेजूँगा ; परन्तु तुम तब तक यरूशलेम नगर में ही रहना, जब तक कि तुम ऊपर से शक्ति से परिपूर्ण न हो जाओ। और वह उन्हें बेथनी तक ले गया, और हाथ उठाकर उन पर आशीर्वाद किया। और जब वह उन्हें आशीर्वाद दे रहा था, तो वह उनसे विदा लेकर स्वर्ग में उठा लिया गया। उन्होंने उसकी आराधना की और बड़े आनन्द के साथ यरूशलेम लौट गए। और वे निरन्तर मंदिर में परमेश्वर की स्तुति और धन्यवाद करते रहे। आमीन।

लूका 24:36–53

'यह उचित है ' के बजाय

स्तुति कर, हे मेरी आत्मा , / जीवन दाता मसीह की, / जो पृथ्वी से स्वर्ग में आरोहण हुए।

इरमोस, स्वर 5: हे तुम , जो सर्व बुद्धि और वाणी से परे हो / परमेश्वर की माता बनीं , / जिन्होंने कालातीत के समय में अकथनीय रीति से जन्म दिया, / हम, विश्वासी , एकचित्त होकर तुम्हारा गुणगान करते हैं।

और हम संप्रभु भोज तक इस प्रकार गाते हैं।

परमसमाधि

ईश्वर आनन्द के जयकारों के बीच आरोहण कर गए, / प्रभु –तुरहियों की ध्वनि के साथ। / अल्ल eluia। (3)

आरोहण के गुरुवार को, सांध्यकाल में

वेस्पर्स में कोई काथिस्मा नहीं होता। यदि, हालांकि, पूरी रात की प्रार्थना सभा नहीं हुई हो, तो हम नियमित काथिस्मा पढ़ते हैं।

प्रभु का स्वर्गारोहण

'हे प्रभु , मैंने पुकारा है :' पर
उत्सव के स्टचिरा , स्वर 1

स्वर्ग में आरोहण करके , / जहाँ से तू पुनः अवतरित भी हुआ , / हे प्रभु , हमें अनाथ न छोड़। / तेरा आत्मा आए, जो संसार में शांति लाए। / हे मानवप्रेमी प्रभु , मनुष्यों के पुत्रों को अपनी शक्ति के कार्य दिखा!

हे ख्रीस्त , तू अपने अनन्त पिता के पास आरोहण कर गया है , जिनकी असीम गोद से तू कभी अलग नहीं हुआ ; और स्वर्गीय शक्तियों ने परम पवित्र त्रिमूर्ति की स्तुति में कुछ भी नहीं जोड़ा , परन्तु उन्होंने तुझमें , हे प्रभु , तेरे अवतार के बाद भी, पिता के एकमात्र पुत्र को पहचाना। / हे प्रभु , अपनी अपार दया के अनुसार , हम पर दया करें !

हे प्रभु , तेरे स्वर्गदूतों ने प्रेरितों को प्रचार किया: / 'हे गलील के लोगों , तुम आकाश की ओर ताकते क्यों खड़े हो? / यही मसीह परमेश्वर है , जो तुमसे उठाकर स्वर्ग में ले जाया गया; / वह उसी प्रकार फिर आएगा / जैसे तुमने उसे स्वर्ग में जाते देखा ; / पवित्रता और धार्मिकता में उसकी सेवा करो!'

और मेनायोन से तीन स्टचिरा। महिमा: संत को, यदि कोई हो। यदि नहीं :

महिमा, और अब, स्वर 2: तू स्वयं की इच्छा से जन्म लिया; / संसार में प्रकट हुए , जैसा कि आपकी इच्छा थी; / हमारे ईश्वर , आपने देह में दुख सहे ; / मृतकों में से जी उठे , मृत्यु पर विजय प्राप्त कर; / महिमा में स्वर्गारोहण किया, हे आप जो सर्वत्र व्याप्त हैं , / और हमें दिव्य आत्मा भेजी , / ताकि हम गा सकें और आपकी दिव्यता की महिमा कर सकें।

धूपदान के साथ प्रवेश। 'आनंद का प्रकाश :'।

प्रोकेइमेनन , स्वर 7

स्वर्ग में और पृथ्वी पर हमारा ईश्वर / उसने सब कुछ सृजित किया जो उसने चाहा।

पद: जब इस्राएल मिस्र से निकला, याकूब का घराना परदेशी लोगों से।

पद: समुद्र ने यह देखकर भाग लिया; यॉर्डन उल्टा बह गया।

श्लोक : हे समुद्र , तू क्यों भागा, और हे यॉर्डन , तू क्यों पीछे हटा?

और फिर: हमारा ईश्वर स्वर्ग में और पृथ्वी पर है / उसने वह सब कुछ बनाया जो उसने चाहा। भजन संहिता 113:11, 1, 3, 5

स्टचिरा पर, स्वर 2,
के समान: 'जब वृक्ष से :'

जो सभी चीज़ों को भरता है , अपने शिष्यों से बोलता है , / जैतून के पर्वत पर आरोहण करने के बाद: / 'आरोहण का समय निकट है , हे मेरे मित्रो। / जाओ, राष्ट्रों को वह वचन सिखाओ / जो तुमने मेरी वाणी से सुना है !' / तब वह महिमा में , रथ पर आरूढ़ हुए , / – जिस पर प्रेरित विस्मित हो गए।

पद: हे सब जातियों , तालियाँ बजाओ, / परमेश् वर के लिए आनन्द के स्वर से जयजयकार करो। भजन संहिता 46:2

जब आपकी माता और शिष्य / हे मसीह, बेथनी की ओर साथ-साथ यात्रा कर रहे थे , / आपने उन्हें आशीर्वाद देने के लिए अपने हाथ उठाए, / और जैसे ही आपने उन्हें आशीर्वाद दिया, / उनकी आँखों से निकली रोशनी के एक बादल ने तुरंत आपको उठा लिया। / तब तू महिमा में आरोहण किया / और वास्तव में पिता के दाहिने हाथ पर विराजमान दिखाई दिया, / और उनके साथ मिलकर आराधना ग्रहण किया।

पद: परमेश्वर जयजयकारों के बीच आरोहण किया, / प्रभु तुरही की ध्वनि के बीच। भजन संहिता 46:6

आओ, हे वशि्वासयिों , हम सब एक साथ आरोहण करें , / जैतून के ऊँचे पर्वत पर; / और, जैसे प्रेरति वहाँ आरोहण हुए / और उन्होंने अपने हृदय और मन ऊँचाई पर उठाए, / वैसे ही हम अब प्रभु को एक बादल पर सवार होकर नहिारें। / अतः हम भी कृतज्ञता और आनंद के साथ उद्घोषणा करेंगे : / 'हे परम दयालु , तेरे आरोहण को महमिा!'

महमिा, और अब, स्वर 6: हे मसीह, पवत्रि पर्वतों पर / आपकी स्वर्गारोहण को नहिारते हुए , / जो पति की महमिा का तेज है , / हम आपके मुख के प्रकाशमय स्वरूप का गान करते हैं , / हम आपके दुश्खों की उपासना करते हैं , / हम पुनरुत्थान का सम्मान करते हैं , / महमिामय स्वर्गारोहण की महमिा करते हुए। हम पर दया करें !

उत्सव का ट्रॉपारयिन , स्वर 4

हे मसीह हमारे परमेश्वर , तू महमिा में स्वर्गारोहण हुआ , / अपने शष्यिों को पवत्रि आत्मा के वचन द्वारा आनंद से भरते हुए , / उन्हें अपनी आशीष से दृढ़ करके , / कि तू परमेश्वर का पुत्र , संसार का उद्धारकर्ता है।

द्वगिुण एक्टेनयिा और समापन।

एक सामान्य संत के लिए सेवा , जो आरोहण के दनि मनाई जाती है , संध्या के समय गाई जाती है।

वषिय-सूची पर वापस

ईस्टर के बाद का सातवाँ रविवार
पहले सार्वभौमिक परिषद के पवित्र फादर

शनिवार को लघु संध्या में

'हे प्रभु, मैंने पुकारा है :' पर
रविवार के स्टिचेरा चौथे स्वर में, छठा स्वर

नरक पर विजय प्राप्त कर, / हे मसीह, तू क्रूस पर चढ़ा, / ताकि तू अपने साथ मृत्यु के अन्धकार में रहने वालों को उठा सके; / मृतकों में मुक्त, / अपनी ज्योति से जीवन का स्रोत, / सर्वशक्तिमान उद्धारकर्ता, हम पर दया कर! (2)

आज के दिन मसीह ने मृत्यु पर विजय प्राप्त कर, / जैसा उन्होंने कहा था, पुनरुत्थान किया, / और संसार पर आनन्द प्रदान किया, / ताकि हम सब उनके लिए एक भजन गा सकें, यह कहते हुए : / 'जीवन के स्रोत, अगम्य प्रकाश, / सर्वशक्तिमान उद्धारकर्ता, हम पर दया करें !'

हे प्रभु, सारी सृष्टि में, / हम पापी कहाँ भाग सकते हैं ? / स्वर्ग में ? परन्तु आप स्वयं वहाँ वास करते हैं। / नरक में ? परन्तु आपने मृत्यु को पैरों तले रौंद दिया है। / समुद्र की गहराइयों में ? / वहाँ भी हे प्रभु, आपका हाथ है। / हम आप में शरण लेते हैं, आपके सामने साष्टांग दण्डवत करते हैं, और प्रार्थना करते हैं : / 'हे मरे हुओं में से जी उठे, हम पर दया करें !'

महिमा, स्वर 6: पवित्र आत्मा के रहस्यमय तुरहियों – आइए आज हम ईश्वर-वाहक पितृपुरुषों की स्तुति करें, जिन्होंने कलीसिया के भीतर गाया / धर्मशास्त्र का सुमधुर भजन, / जिन्होंने एक त्रिमूर्ति का उपदेश दिया, / स्वभाव और दिव्यता में अपरिवर्तनीय, / एरियस के उखाड़ फेंकने वाले और ऑर्थोडॉक्स के योद्धा, / जो सदैव प्रभु से प्रार्थना करते हैं / हमारी आत्माओं की दया के लिए।

और अब, हे डॉगमैटिस्ट, वही स्वर उद्घोषित करता है : यह वास्तव में उपयुक्त है / आपको महिमामंडित करना, हे ईश्वर की माता: / क्योंकि, तेरी परम पवित्र गर्भ में अवतरित होकर, सर्वसृष्टि के स्रष्टा, / बिना अपनी प्रकृति को बदले, देहधारी हुए, / और अपनी योजना को भूत-सदृश रूप में नहीं पूरा किया, / बल्कि, तुझ से प्राप्त तर्कशील और जीवित देह के साथ एक होकर, / हाइपोस्टेसिस में एक हुए। / अतः हम श्रद्धापूर्वक भेद करते हैं / उसमें विद्यमान दो स्वभावों को / हे अतिमान्य, सर्व-पवित्र, प्रार्थना करो, / कि वह हम पर शांति और महान दया प्रदान करे।

'आनंद का प्रकाश :' और प्रोकेइमेन 'प्रभु ने राज्य किया है :'

स्टिचेरा पर, रविवार का स्टिचेरा, स्वर 6

हे उद्धारकर्ता मसीह, स्वर्ग में स्वर्गदूत तेरे पुनरुत्थान का गायन करते हैं : और पृथ्वी पर हमें शुद्ध हृदय से तुझे महिमामय करने की अनुग्रह दे।

और ईश्वर की माता को, उसी स्वर में,
इसका स्वरूप समान है : 'सभी वस्तुओं को अलग रखकर:'

पद: वे पीढ़ी-दर-पीढ़ी / तेरे नाम को स्मरण करेंगे। भजन संहिता 44:18A

जसि प्रकार परमेश्वर , जो समय से परे हैं , ने प्राचीन काल में आपके पूर्वज से शपथपूर्वक वादा कयिा था, उसी प्रकार इन अंतमि दनिों में उन्होंने उसे पूरा कयिा, जब, हे परम पवत्रि , वह दव्यि रूप में आपके गर्भ से प्रकट हुए। क्योंकि सचमुच प्रभु आपसे प्रकट हुए हैं , जो अपने हाथ में पृथ्वी के छोरों को थामे हुए हैं। / हे कुँवारी मरयिम, न्याय के समय मुझ पर दयालु बनो, / ताकि मैं सद्गुणों में उत्थान / और वासनाओं के दमन द्वारा / उसके राज्य को प्राप्त कर सकूँ।

पद: हे पुत्री , सुन , और देख , / और अपना कान लगा। भजन संहिता 44:11क

शुद्ध मन से , यशायाह ने बहुत पहले भवष्यिवाणी की थी / कि आप सभी सृष्टि के स्रष्टा को जन्म देंगी , / हे पवत्रितम , परम शुद्ध : / क्योंकि केवल आप ही, आदकिाल से , भवष्यिवाणी से परे पूर्णतः प्रकट हुई हैं। / अतः मैं आपसे वनिती करता हूँ : / मेरे कलंकति हृदय को शुद्ध करें / और मुझे , हे कुँवारी , / आपके पुत्र के दव्यि तेज का सहभागी बनाएँ , / और उनके दाहनि हाथ पर खड़े होने का, / जब वे , जैसा लखिा है , / संपूर्ण जगत का न्याय करने बैठेंगे।

पद: क्योंकि तेरे अनुग्रह से / हम शत्रुओं के सामने लज्जति हुए हैं। भजन संहिता 44:13ख

मृत्यु का वनिाश / तेरे से मसीह के जन्म के द्वारा हुआ , / क्योंकि हे कुँवारी , तू / अमर जीवन का धाम बन गई है। / अतः मैं आपसे वनिती करता हूँ : / मुझे उठाइए, जो हादसि की कब्रों में —अपने वासनाओं में —पड़ा हूँ / और मुझे , हे कुँवारी , आनंद और पुनरुत्थान की ओर ले चलिए, / – धन्य पुरस्कार की ओर, / और मुझे अक्षय और दव्यि आनंद प्रदान कीजिए, / जहाँ अनंत आनंद है , जहाँ प्रकाश कभी फीका नहीं पड़ता।

पवत्रि पतिाओं को महमिा, स्वर 4: ईश्वर -वाहक पतिाओं की वार्षकि स्मृति , / जो संसार भर से / नकिेया के गौरवशाली नगर में एकत्रति हुए थे , / हम, ऑर्थोडॉक्स समुदाय , श्रद्धा और वश्विास के साथ मनाते हैं। / क्योंकि उन्होंने अपने धर्मपरायण मन से / धूर्त एरयिस की दुष्ट और अधर्मी शक्षिा को उखाड़ फेंका , / और सामूहकि रूप से उसे कैथोलकि चर्च से नष्किासति कर दयिा, / और सभी को स्पष्ट रूप से सखिाया कि वे धर्मवश्विास में / परमेश्वर के पुत्र को एकसार और समान रूप से शाश्वत स्वीकार करें , / जो सभी युगों से पहले वद्यिमान है , / जसिे उन्होंने सटीक और धर्मपरायणता से प्रस्तुत कयिा। / अतः , उनकी दव्यि शक्षिाओं का अनुसरण करते हुए , / और अपने वश्विास पर दृढ़ रहते हुए , हम पति के साथ पुत्र और पवत्रि आत्मा की, एक दव्यि स्वभाव में , आराधना करते हैं , / जो एकसार स्वभाव वाली त्रमिूर्ति है।

और अब, इस पर्व के दनि, वही स्वर सुना जाता है : हे प्रभु , युगों और पीढ़ियों से छपि रहस्य को पूरा करके , / हे सर्व -सद्गुणी , / तू अपने शष्यिों के साथ जैतून के पर्वत पर चढ़ा , / अपने साथ उसको भी ले जाकर जसिने तुझे जन्म दयिा, / जो सर्व का सृष्टकिर्ता और कर्त्ता है ; / क्योंकि वह, जन्हिोंने तेरे दुख -क्लेश के समय में / एक माँ के रूप में सबसे अधकि दुख सहा, / उन्हें तेरे शरीर के गौरवमय हो जाने पर, / परम आनंद के साथ हर्षति होने का उपयुक्त वरदान मलिा। / और हम, उनसे एक होकर, / तेरी महान दया की स्तुति करते हैं , / जो हे प्रभु , स्वर्ग में तेरे आरोहण के समय / हमारे लिए पूर्ण हुई !

रवविार का ट्रॉपारयिन , स्वर 6

देवदूतों का समूह तेरी कब्र के पास खड़ा था, / और जो उसे पहरे पर थे वे मृतक की भाँति गरि पड़े , / जबकि मरयिम कब्र में खड़ी थी / तेरे अति पवत्रि शरीर को खोजती हुई। / तूने नरक को खाली कर दयिा, उससे कोई हानि न पहुँचते हुए , / तूने जीवन-दात्री कुँवारी से भेंट की। / हे प्रभु , मृतकों में से जी उठे , तेरी महमिा हो!

महमिा, और अब, इस पर्व के दनि, स्वर 4: हे मसीह हमारे परमेश्वर , तू महमिा में स्वर्गारोहण हुआ , / अपने शष्यिों को पवत्रि आत्मा के वचन द्वारा आनंद से भर दयिा, / उन्हें अपनी आशीष से इस बात की पुष्टि करते हुए / कि तू परमेश्वर का पुत्र , संसार का उद्धारकर्ता है।

वशिष एकटेनयि और समापन।

शनविार को महा संध्या समय

'हे प्रभु , मै ने पुकारा ' पर, हम स्वर 10 में स्तखिरि गाते है : 3 पुनरुत्थान के लिए, 3 स्वर्गारोहण के लिए, और 4 पतृिगणों के लिए।

रवविार के स्टखिरा , स्वर 6

नरक पर वजिय प्राप्त कर, / हे मसीह, तू क्रूस पर चढ़ा , / ताकि तू अपने साथ मृत्यु के अन्धकार में रहने वालों को उठा सके ; / मृतकों में मुक्त , / अपनी ज्योति से जीवन का स्रोत , / सर्वशक्तमिान उद्धारकर्ता , हम पर दया कर!

आज के दनि मसीह ने मृत्यु पर वजिय प्राप्त कर, / जैसा उन्होंने कहा था, पुनरुत्थति हुए , / और संसार पर आनन्द प्रदान कयि, / ताकि हम सब उनके प्रति एक भजन गा सकें , यह कहते हुए : / 'जीवन के स्रोत , अगम्य प्रकाश , / सर्वशक्तमिान उद्धारकर्ता , हम पर दया करें !'

हे प्रभु , सारी सृष्टि में , / हम पापी कहाँ भाग सकते हैं ? / स्वर्ग में ? परन्तु आप स्वयं वहाँ वास करते हैं। / नरक में ? परन्तु आपने मृत्यु को पैरों तले रौंद दयिा है। / समुद्र की गहराइयों में ? / हे प्रभु , वहाँ भी आपका हाथ है। / हम आप में शरण लेते हैं , आपके सामने साष्टांग दण्डवत करते हैं , और प्रार्थना करते हैं : / 'हे मरे हुओं में से जी उठे , हम पर दया करें !'

स्वर्गारोहण के लिए स्टचिरा , उसी स्वर में

प्रभु स्वर्ग में आरोहण हुए , / संसार में सांत्वनादाता को भेजने के लिए। / स्वर्गों ने उनके लिए एक सहिासन तैयार कयि, / बादलों को उनका आरोहण। / स्वर्गदूत चकति हैं , / स्वयं से ऊँचे मनुष्य को देखकर। / पति उनका इंतजार करते हैं , / जन्हिें उन्होंने सनातन से अपनी गोद में रखा है ; / पवत्रि आत्मा अपने सभी स्वर्गदूतों को आज्ञा देता है : / 'हे प्रधानों , अपने द्वार उठा लो; / हे सभी राष्ट्रों , तालयिाँ बजाओ, / क्योंकि मसीह उस स्थान पर आरोहण कर गए / जहाँ वह पहले थे !'

हे प्रभु , केरूबीम तेरे स्वर्गारोहण से चकति हुए , / जब उन्होंने तुझे , हे परमेश्वर , उन पर वरिाजमान देखा / जब तू बादलों पर आरोहण कयि; / और हम तुझे महमिान्वति करते हैं , क्योंकि तेरा दयालु प्रेम उत्तम है , / महमिा तुझें !

हे ख्रीस्त , पवत्रि पर्वतों पर / तेरे स्वर्गारोहण को नहिारते हुए , / हम पति की महमिा के तेज का गायन करते हैं , / हम तेरे मुख के प्रकाश -सदृश स्वरूप का गायन करते हैं , / हम तेरे दुख -क्लेशों की उपासना करते हैं , / हम पुनरुत्थान का सम्मान करते हैं , / महमिामय स्वर्गारोहण की महमिा करते हुए। हम पर दया कर!

पवत्रि पतिाओं के लिए स्टचिरा , स्वर 6

तू भोर के तारे से पहले गर्भ से जन्म लयि: / पति से , बनिा माता के , सभी युगों से पहले। / यद्यपि अरअिस तुझे एक प्राणी मानता है , परमेश्वर नहीं , / अपने पागलपन में तुझे , सृष्टकिर्ता को, प्राणयिों में गनिने का दुस्साहस करता है , / और इस प्रकार अपने लिए अनंत आग का ईंधन इकट्ठा कर रहा है। / परन्तु नीकयि में एकत्रति परषिद ने / हे प्रभु , तुझे परमेश्वर का पुत्र घोषति कयि, / पति और आत्मा के साथ सह-आसीन।

'कसिने फाड़ा आपका चोगा, उद्धारकर्ता ?' / – 'एरयिस,' आपने कहा, 'जसिने त्रमिूर्ति के समान सम्मानति स्रोत को वभिाजनों में बाँट दयिा।' / उसने आपको त्रमिूर्ति का एक मानने से इनकार कर दयिा, / और वह नेस्टोरयिस की तरह सखिाता है कि आपकी माता को 'ईश्वर की माता' न

कहा जाए। / पर नकिया में एकत्रति परषिद ने / हे प्रभु , आपको ईश्वर का पुत्र घोषति कया, / पता और आत्मा के साथ सह-सहासनारूढ़।

एरयिस पाप की खाई में गरिता है , / उसकी आँखें इस कदर बंद हैं कि वह प्रकाश न देख सके , / और, जैसे कोई काँटे पर लटके हो, भीतर ही भीतर तड़पता हुआ , / दैवीय शक्ति से ववश हो जाता है / कि जो कुछ भी उसके पास था, सब कुछ और अपनी आत्मा तक सौंप दे , / वचार और चरत्रि में एक और यहूदा बनकर। / परन्तु नीकया में एकत्रति परषिद ने / हे प्रभु , आपको परमेश्वर का पुत्र घोषति कया, / पता और आत्मा के साथ सह-सहासनधारी।

पागल एरयिस ने परम पवत्रि त्रमिूर्ति की एकता को तीन असमान और पृथक अस्तत्विों में वभाजति कर दया। इसलए, ईश्वर -वाहक पवत्रि पताओं ने , जोश के साथ एकत्र होकर, तशिबी एलय्याह की तरह उत्साह से जलते हुए , आध्यात्मकि तलवार से उस नदिक को वध कर दया जसिने इस अपमानजनक सद्धिांत को रचा था, जैसा कि आत्मा ने घोषति कया।

महमिा, स्वर 6: पवत्रि आत्मा के रहस्यमय तुरहयिाँ – आइए आज हम ईश्वर -वाहक पतिृगणों की स्तुति करें , जन्हिोंने कलीसया के भीतर गाया / एक सुसंगत धर्मशास्त्रीय भजन, / जन्हिोंने एक त्रमिूर्ति का उपदेश दया, / सार और दव्यिता में अपरविर्तनीय , / अरअिस के पतनकर्ता और ऑर्थोडॉक्स के योद्धा , / जो सदैव प्रभु से प्रार्थना करते हैं / हमारी आत्माओं की दया के लए।

और अब, हे परमेश्वर की माता: कौन आपको महमिामंद नहीं करेगा , सर्व -पवत्रि कुँवारी ? / कौन आपके गर्भ से जन्म के बारे में नहीं गाएगा? / क्योंकि एकमात्र पुत्र , जो सदा से पहले पता से प्रकाशति हुए , / वही स्वयं आपके गर्भ से उत्पन्न हुए , हे पवत्रि कुँवारी , एक अकथनीय रूप में देहधारी होकर। / वह स्वभाव से परमेश्वर है , / और हमारे लए स्वभाव से मनुष्य बना; / वह दो व्यक्तयिों में वभाजति नहीं है , / बल्कि दो अवभाजति स्वभावों में जाना जाता है। / उससे हमारे आत्माओं की दया के लए प्रार्थना करो, हे पवत्रि एक, हे सर्व -धन्य एक।

प्रवेश। आनंदमय प्रकाश : **दनि का प्रोकीमेनोन :** प्रभु का राज्य है :

और पर्व के लए पठन:

1. उत्पत्ति से पाठ

जब अब्राम ने सुना कि उसके भतीजे लूत को बंदी बना लया गया है , तो उसने अपने घर के लोगों —तीन सौ अठारह—की गनिती की और उनका पीछा करते हुए दान तक गया। और उसने और उसके जवानों ने रात में उन पर आक्रमण कया, और उन्हें मार गरिाया, और होवार तक उनका पीछा कया, जो दमश्कि के बाईं ओर है ; और वह सदोम की सारी घुड़सवार सेना को वापस ले आया, और अपने भतीजे लोत और उसकी सारी संपत्ति और स्त्रयिों और लोगों को वापस ले आया। सोदोम का राजा होडोलोगोमोर और उसके साथ के राजाओं को हराकर लौटते समय उससे मलिने के लए शेवेह की घाटी तक—अर्थात् राजाओं के मैदान तक—बाहर गया। और शलोम का राजा मेल्कीजेदक रोटी और दाखरस ले आया—क्योंकि वह परमप्रधान परमेश्वर का याजक था। और उस ने आशीर्वाद देकर कहा, 'स्वर्ग और पृथ्वी का स्रष्टा परमप्रधान परमेश्वर के द्वारा अब्राम धन्य हो; और परमप्रधान परमेश्वर धन्य हो, जसि ने तेरे शत्रुओं को तेरे हाथ में दया।'

उत्पत्ति 14:14–20

2. व्यवस्थाववरण से पाठ

उन दनिों मूसा ने इस्राएलयिों से कहा: 'देखो , मैंने यह देश तुम्हारे सामने रख दया है : जाओ और उस देश पर अधकिार करो जसि यहोवा ने तुम्हारे पूर्वजों —अब्राहाम , इसहाक और याकूब —से यह वचन देकर दया था कि वह उसे उन्हें और उनके बाद आने वाली उनकी संतानों

को देगा। ' और उस समय मैंने तुम से कहा, 'मैं अकेला तुम्हारा नेतृत्व नहीं कर सकता; यहोवा तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारी संख्या बढ़ा चुका है , और देखो , आज तुम आकाश के तारों के समान बहुत हो। यहोवा तुम्हारे पूर्वजों का परमेश्वर तुम्हारी संख्या को हजार गुना बढ़ाए और तुम्हें आशीष दे , जैसा उसने तुम से वादा किया है। ' और मैंने तुम में से ज्ञान , समझ और बुद्धि वाले पुरुषों को चुनकर उन्हें तुम पर अधिकारी नियुक्त किया: एक एक हजार, एक एक सौ, एक एक पचास और एक एक दस के अधिकारी, और तुम्हारे न्याय करने के लिए लिपिकार। और उस समय मैंने तुम्हारे न्यायियों को यह आज्ञा दी, कि: 'अपने भाइयों के बीच के विवादों को सुनो और न्याय से निर्णय करो, एक मनुष्य और उसके भाई के बीच, और उसके साथ रहने वाले परदेशी के बीच। न्याय में पक्षपात न करो: चाहे वह छोटा हो या बड़ा , तुम उन्हें समान रूप से न्याय दोगे। किसी से मत डरना, क्योंकि यह परमेश्वर का न्याय है। '

व्यवस्थाविवरण 1:8–11; 15–17

3. व्यवस्थाविवरण से पाठ

उन दिनों में मूसा ने इस्राएलियों से कहा: 'देखो , यहोवा तुम्हारा परमेश्वर , आकाशों और आकाशों के आकाशों , पृथ्वी और उस पर जो कुछ भी है , उसी का स्वामी है। फिर भी यहोवा ने प्रेम करके तुम्हारे पितरों को अलग किया, और उनके बाद तुमको , उनकी संतान को, सब राष्ट्रों में से आज के दिन तक चुन लिया।' इसलिए अपने कठोर हृदयों का खतना कराओ, और अब फिर अपनी गर्दन मत कठोर करो; क्योंकि यहोवा तुम्हारा परमेश् वर परमेश् वरों का परमेश् वर और प्रभुओं का प्रभु है , एक महान, शक्तिशाली और भयानक परमेश् वर , जो पक्षपात नहीं करता और न घूस लेता है , परन्तु परदेशी , अनाथ और विधवा के लिए न्याय करता है ; और वह परदेशी से प्रेम करता है , उसे भोजन और वस्त्र प्रदान करता है। तुम भी परदेशी से प्रेम करो, क्योंकि तुम भी एक समय मिस्र देश में परदेशी थे। अपने परमेश्वर का भय मानो, उसी की सेवा करो, उसी से चिपके रहो, और उसी के नाम की शपथ लो: वही तुम्हारी स्तुति है , और वही तुम्हारा परमेश्वर है , जिसने तुम्हारे लिए वे महान और अद्भुत कार्य किए हैं जिन्हें तुम्हारी अपनी आँखों ने देखा है।

व्यवस्थाविवरण 10:14–18, 20–21

लितानी के समय, चर्च के स्टिचेरा

स्वर्ग में आरोहण करके , / जहाँ से तू अवतरित हुआ , / हे प्रभु , हमें अनाथ न छोड़। / तेरा आत्मा आए, जो संसार में शांति लाए। / हे मानव-प्रिय प्रभु , मनुष्यों के पुत्रों को अपनी शक्ति के कार्य दिखा।

महिमा, स्वर 3: हे पवित्र पिताओं , आपने स्वयं को प्रेरितों की परंपराओं का कठोर रक्षक सिद्ध किया है : / क्योंकि आपने पवित्र त्रिमूर्ति की एकसारता को धर्मपरायणता से परिभाषित किया, / आपने एकमत होकर अरिअस की ईश्वरनिंदा को खारिज कर दिया; / मकदूनियस आत्मा -योद्धा की निंदा करते हुए , / आपने नेस्टोरियस , यूटिकस और डियोस्कोरस , / सेबेलीउस और सिरिंथीन सेवरस को निंदित किया। / हम, उनके धोखे से मुक्त होकर, / प्रार्थना करते हैं कि आप प्रार्थना करें कि हम विश्वास में अपना निर्दोष जीवन बनाए रखें , / हम आपसे विनती करते हैं।

और अब, स्वर्गारोहण के पर्व पर, स्वर 6: हे प्रभु , अपनी दैवीय व्यवस्था के रहस्य को पूरा करके , / तूने अपने शिष्यों को लेकर , / उन्हें जैतून के पर्वत पर ले जाकर चढ़ाया ; / और अब तू स्वयं स्वर्गीय आकाश से होकर गुज़र गया है। / हे प्रभु , जो मेरे लिए, जैसे मैं हूँ , वैसे ही गरीब हो गए, / और जो उस स्थान पर आरोहण किए जहाँ से आप कभी विदा

नहीं हुए , / अपना सर्व -पवित्र आत्मा अवतरित कीजिए, / जो हमारी आत्माओं को प्रकाशित करता है।

स्टचिरा पर, रविवार का स्टचिरा , स्वर 6

हे उद्धारकर्ता मसीह, स्वर्ग में स्वर्गदूत आपके पुनरुत्थान का गायन करते हैं : और पृथ्वी पर हमें शुद्ध हृदय से आपकी महिमा करने का अनुग्रह प्रदान करें।

पद: प्रभु ने सिंहासन पर अपना स्थान ग्रहण किया है , / वैभव से सुसज्जित। भजन संहिता 92:1क

काँसे के द्वार तोड़कर , / और नरक की कीलें भंग कर, सर्वशक्तिमान ईश्वर के रूप में , / आपने पतित मानव जाति को उठाया है। / इसलिए हम भी गीत में घोषणा करते हैं : / 'हे प्रभु , मरे हुओं में से जी उठे , आपको महिमा!'

पद: क्योंकि उसने जगत को स्थिर किया है , / और यह डगमगाएगा नहीं। भजन संहिता 92:1ख

मसीह, प्राचीन भ्रष्टता से हमें मुक्त करने की इच्छा से , / क्रूस पर कीलें ठोकी गईं और कब्र में रखा गया। / मुरा -वाहक स्त्रियाँ , आँसुओं से उसे खोजती हुई , रोईं और पुकारीं : / 'हाय, सभी के उद्धारकर्ता !' / हे प्रभु , आपने कब्र में प्रवेश करने की इच्छा कैसे की? / यदि आपने अपनी इच्छा से प्रवेश किया, तो फिर आपको कैसे चुरा लिया गया? / आपको कैसे ले जाया गया? / और आपका जीवन-दायक शरीर किस स्थान पर छिपा है ? / परन्तु , हे प्रभु , जैसा आपने हमसे वादा किया था, प्रकट हो जाइए, / और हमारे विलाप को समाप्त कीजिए।" / जब वे रो रही थीं , तो एक स्वर्गदूत ने उनसे पुकार कर कहा: / 'रोना बंद करो और प्रेरितों से कह दो कि प्रभु जी उठे हैं , / और संसार पर शुद्धिकरण और महान दया प्रदान कर रहे हैं !'

पद: हे प्रभु , पवित्रता तेरे भवन को शोभा देती है , / युगानुयुग। भजन संहिता 92:5ख

हे मसीह, अपनी इच्छा से क्रूस पर चढ़ाए गए, / और अपनी कब्र में मृत्यु पर विजय प्राप्त कर, / तीसरे दिन महिमा में परमेश्वर के रूप में जी उठे , / संसार को अनंत जीवन / और महान दया प्रदान करते हुए।

पवित्र पिताओं को महिमा, स्वर 4: ईश्वर -वाहक पिताओं की वार्षिक स्मृति , / जो संसार भर से / निकिया के गौरवशाली नगर में एकत्रित हुए , / हम, ऑर्थोडॉक्स समुदाय , श्रद्धा और विश्वास के साथ मनाते हैं। / क्योंकि उन्होंने धर्मपरायण तर्क के साथ / एरियस की कपटपूर्ण और अधर्मी शिक्षा को उखाड़ फेंका , / और सामूहिक रूप से उसे कैथोलिक चर्च से निष्कासित कर दिया, / और सभी को धर्मविश्वास में यह स्वीकार करना सिखाया / कि परमेश्वर का पुत्र समसारगणीय और समान रूप से शाश्वत है , / जो सभी युगों से पहले विद्यमान है , / जिसे उन्होंने सटीक और धर्मपरायणता से प्रस्तुत किया। / अतः , उनकी दिव्य शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए , / और अपने विश्वास पर दृढ़ रहते हुए , हम पिता के साथ पुत्र और पवित्र आत्मा की, एक दिव्य स्वभाव में , / एकसार त्रिमूर्ति की उपासना करते हैं।

और अब, इस पर्व के दिन, वही स्वर : हे प्रभु , युगों और पीढ़ियों से छिपे रहस्य को पूरा करके , / एक भले मनुष्य के रूप में , / आप अपने शिष्यों के साथ जैतून के पहाड़ पर चढ़े , / अपने साथ उस को भी ले जाकर जिसने आपको जन्म दिया, / सभी का सृष्टिकर्ता और कर्त्ता ; / क्योंकि वह, जिन्होंने तेरे दुःख -क्लेश के दौरान / एक माँ के रूप में सबसे अधिक दुःख सहा, / उन्हें तेरे शरीर के गौरवमय होने पर, / परम आनंद में आनंदित होने का उपयुक्त वरदान मिला। / और हम, उनसे एक होकर, / तेरी महान दया की स्तुति करते हैं , / जो हे प्रभु , स्वर्ग में तेरे आरोहण के समय / हमारे लिए पूर्ण हुई !

पवित्र पिताओं का ट्रॉपारियन , स्वर 8

हे मसीह हमारे परमेश्वर , आप अति महिमामय हैं , / जिन्होंने हमारे पूर्वजों को पृथ्वी पर प्रकाशस्तंभ के रूप में स्थापित किया, / और उनके द्वारा हम सभी को सच्चे विश्वास के मार्ग पर मार्गदर्शन दिया, / हे परम दयालु , आपको महिमा हो! (2)

ईस्टर के बाद का सातवाँ सप्ताह

और स्वर्गारोहण का ट्रपारऑन , स्वर 4

हे मसीह हमारे परमेश्वर , तू महमिा में स्वर्गारोहण हुआ , / अपने शष्यिों को पवत्रि आत्मा के वचन से आनंदति कर / और अपनी आशीष से उन्हें यह पुष्टि दी / कि तू परमेश्वर का पुत्र , संसार का उद्धारकर्ता है।

मैटन्सि में

रविवार का ट्रॉपारयिन , स्वर 6

देवदूतों की सेना तेरी कब्र के पास खड़ी थी, / और जो लोग उसकी पहरादारी कर रहे थे वे मृतक की भाँति गरि पड़े , / जबकि मरयिम कब्र में खड़ी थी / तेरे परम पवत्रि शरीर की खोज में। / तूने पाताल को खाली कर दयिा, उससे कोई हानि न पहुँचाते हुए , / तूने जीवन-दात्री कुँवारी से भेंट की। / हे प्रभु , मृतकों में से जी उठे , तेरी महमिा हो! (2)

पवत्रि पतिाओं की महमिा, स्वर 8

हे मसीह हमारे परमेश्वर , आप अति महमिामय हैं , / जन्हिोंने हमारे पूर्वजों को पृथ्वी पर प्रकाशस्तंभ के रूप में स्थापति कयिा, / और उनके द्वारा हम सभी को सच्चे वश्विास के मार्ग पर नर्दिेशति कयिा, / हे परम दयालु , महमिा आपको हो!

और अब, स्वर्गारोहण पर, स्वर 4

हे मसीह हमारे परमेश्वर , तू महमिा में स्वर्गारोहण कर गया, / पवत्रि आत्मा के वचन द्वारा अपने शष्यिों को आनंद से भरते हुए , / और अपनी आशीर्वाद से उन्हें यह पुष्टि करते हुए / कि तू परमेश्वर का पुत्र , संसार का उद्धारकर्ता है।

पहले स्टचिैरा के बाद, सेडेलन , स्वर 6

जब कब्र खोली गई, और नरक रोया, / मरयिम ने उन प्रेरतिों से पुकारा जो स्वयं को छपिाए हुए थे : / 'आओ, दाख की बारी के मजदूरों , / और पुनरुत्थान का वचन प्रचार करो: / प्रभु उठे हैं , संसार पर महान दया लुटाते हुए !'

छंद : उठो, हे प्रभु मेरे परमेश्वर , और अपना हाथ ऊँचा उठाओ; / अपने दीनजनों को अंत तक न भूलो ! भजन संहति 9:33

हे प्रभु ! मरयिम मग्दलीना तेरी कब्र के पास खड़ी थी, / रोते -रोते पुकारती हुई , और, तुझे माली समझकर, उसने कहा: / 'तूने अनन्त जीवन को कहाँ छपिा रखा है ? / आपने उसको कहाँ सुला दयिा जो करूबों के सहिासन पर वरिाजमान है ? / क्योंकि जो लोग उसे भय से बचा रहे थे , वे नष्ट हो गए हैं। / या तो मुझे मेरा प्रभु दे दो, / या मेरे साथ पुकारो : / 'हे मरे हुओं में से उठाए गए और मृतकों को जलिाने वाले , / महमिा तुझे हो!'

महमिा, और अब, हे परमेश्वर की माता: धन्य को अपना पुत्र कहकर, / आप अपनी इच्छा से दुख सहने आए, / क्रूस पर प्रकाशमान होकर, आदम को खोजने की इच्छा से , / और स्वर्गदूतों से कहते हुए : 'मेरे साथ आनन्द मनाओ, / क्योंकि खोया हुआ सक्कि मलि गया है !' / हे तू जसिने सभी चीज़ों को बुद्धमिानी से व्यवस्थति कयिा है , (हमारे ईश्वर ,) तुझे महमिा हो!

सेडालेन के दूसरे स्टचिरा के बाद, उसी स्वर में

जीवन कब्र में पड़ा था, / और पत्थर पर मुहर लगा दी गई थी; / जैसे मसीह के सपिाही एक सोए हुए राजा की रखवाली कर रहे हों ; / परन्तु , अपने शत्रुओं को अदृश्य रूप से मार गरिाकर, / प्रभु पुनरुत्थति हुए।

छंद : मैं तुझे धन्यवाद दूँगा हे प्रभु , अपने पूरे हृदय से , / मैं तेरे सब आश्चर्यकर्मों का प्रचार करूँगा।

भजन संहति 9:2

तेरी स्वेच्छा से हुई मृत्यु के द्वारा / हमें अमर जीवन प्राप्त हुआ है , / सभी का सर्वशक्तमिान और एक उद्धारकर्ता : / क्योंकि तेरे पवत्रि पुनरुत्थान में तूने सभी को अपने पास बुलाया है , / नरक की वजिय और मृत्यु के डंक को समाप्त कर के।

महमिा, और अब, परमेश्वर की माता को: हे परमेश्वर की कुंवारी माता! अपने पुत्र से प्रार्थना करो, / जो स्वेच्छा से क्रूस पर कीलें ठोके गए / और मरे हुओं में से जी उठे , मसीह हमारे परमेश्वर , / हमारे आत्माओं के उद्धार के लिए।

इपाकोई, स्वर 6

हे ख्रीस्त , अपनी स्वेच्छा से जीवन-दायक मृत्यु द्वारा , / परमेश्वर के रूप में नरक के द्वारों को चूर -चूर कर, / आपने हमारे लिए प्राचीन स्वर्ग -उद्यान खोल दयिा / और मृतकों में से जी उठकर, / हमारे जीवन को क्षय से मुक्त कर दयिा।

स्टेपेनी , स्वर 6।
प्रत्युत्तर स्तोत्र 1

मैं अपनी आँखें स्वर्ग की ओर, तेरी ओर, हे वचन, उठाता हूँ ; / मुझ पर दया कर, / ताकि मैं तेरे लिए जी सकूँ।

हम दीनों पर दया करें , / और हमें पात्र बनाएँ / जो आपके योग्य हों , हे वचन।

महमिा: पवत्रि आत्मा सभी उद्धार का स्रोत है ; / यदि वह उनकी योग्यता के अनुसार उन पर श्वास फूँकता है , / तो वह उन्हें शीघ्र ही सांसारकि मामलों से ऊपर उठा देता है , / उन्हें पंख दे देता है , उन्हें बल देता है , और उन्हें ऊँचा उठा लेता है।

और अब: हम वही दोहराते हैं।

प्रत्युत्तर 2

यदि हमारे बीच प्रभु न होता, / तो हम में से कोई भी शत्रु के वरिुद्ध संघर्ष का सामना न कर सकता; / क्योंकि वजियी यहाँ से उठा लिए जाते हैं।

हे वचन, उनके दाँत मेरी आत्मा को एक छोटे पक्षी की तरह न पकड़ें। / परन्तु हाय मुझ पर, मैं अपने शत्रुओं से कैसे छुटकारा पा सकता हूँ , / जब तक मैं पाप का प्रेमी हूँ ?

महमिा: पवत्रि आत्मा के द्वारा —सभी को दव्यिता , अनुग्रह , समझ, शांति और आशीर्वाद ; क्योंकि अपने कार्यों में वे पति और वचन के समान हैं।

और अब: हम वही दोहराते हैं।

प्रत्युत्तर 3

जो प्रभु में आशा रखते हैं / वे अपने शत्रुओं के लिए भय और सभी के लिए आश्चर्य हैं ; / क्योंकि वे ऊपर देखते हैं।

उनके धर्मी हाथों का प्रतफिल , / हे उद्धारकर्ता , आपको अपना सहायक मानकर, / अधर्म तक नहीं पहुँचता।

महिमा: पवित्र आत्मा सर्वत्र शासन करता है : / स्वर्गदूत उसकी आराधना करते हैं / पृथ्वी पर प्रत्येक जीवित प्राणी के साथ।

और अब: **हम वही दोहराते हैं।**

प्रोकेइमेनन , स्वर 6

हे प्रभु , अपनी शक्ति उठाओ / और आकर हमें बचाओ। **श्लोक :** हे इस्राएल के चरवाहे , हमें सुन , जो हमें यूसुफ के भेड़ों की तरह चराते हो। भजन संहिता 79: 3ख, 2क

दूसरा प्रोकीमेनन : जो कुछ भी साँस लेता है / वह प्रभु की स्तुति करे। **छंद :** उसकी पवित्र मंडली में परमेश्वर की स्तुति करो; उसकी सामर्थ्य के आकाशमंडल में उसकी स्तुति करो। भजन संहिता 150:6, 1

10वां रविवार सुबह का सुसमाचार , यूहन्ना से , आरंभ 66

उन दिनों यीशु अपने चेलों के पास तिबिरियास समुद्र के किनारे प्रकट हुए। वे इस प्रकार प्रकट हुए : शिमोन पतरस, थोमा (जिसको जुड़वां कहा जाता है), गलील के कना का नथनेल , ज़ेबेदी के पुत्र , और दो अन्य चेले साथ में थे। शिमोन पतरस ने उनसे कहा, 'मैं मछली पकड़ने जा रहा हूँ। ' उन्होंने उससे कहा, 'हम भी आपके साथ चलते हैं। ' तो वे बाहर निकलकर नाव में बैठ गए, पर उस रात उन्होंने कुछ भी नहीं पकड़ा। जब सुबह हुई , तो यीशु तट पर खड़े थे ; पर चेलों को यह पता नहीं चला कि यह यीशु हैं। यीशु ने उनसे कहा, 'बच्चो , क्या तुम्हारे पास कुछ खाने को है ?' उन्होंने उनसे उत्तर दिया, 'कुछ भी नहीं। ' उसने उनसे कहा, 'नाव के दाहिनी ओर जाल डालो, और तुम्हें कुछ मिलेगा। ' तो उन्होंने जाल डाला, और मछलियों की बहुत बड़ी संख्या के कारण जाल को खींच नहीं सके। तब जिस शिष्य से यीशु प्रेम करते थे , उसने पतरस से कहा, 'यह प्रभु हैं। ' जब शिमोन पतरस ने सुना कि यह प्रभु हैं , तो उसने अपने कपड़े पहन लिए – क्योंकि वह नग्न था – और समुद्र में कूद गया। अन्य शिष्य नाव में आए, मछलियों से भरा जाल खींचते हुए , क्योंकि वे किनारे से बहुत दूर नहीं थे , लगभग दो सौ कोहनी की दूरी पर थे। जब वे किनारे पर आए, तो उन्होंने एक आग जलती हुई देखी , जिस पर मछलियाँ और रोटी रखी हुई थीं। यीशु ने उनसे कहा, 'जो मछलियाँ तुमने अभी पकड़ी हैं , उनमें से कुछ लाओ।' शिमोन पतरस ने जाकर बड़ी मछलियों से भरा जाल किनारे पर खींचा , जिनकी संख्या एक सौ पचावन थी; और इतनी बड़ी पकड़ के बावजूद जाल नहीं फटा। यीशु ने उनसे कहा, 'आओ और नाश्ता करो।' शिष्यों में से किसी ने भी उससे यह पूछने की हिम्मत नहीं की, 'तू कौन है ?' क्योंकि वे जानते थे कि यह प्रभु ही हैं। यीशु आए, रोटी लेकर उन्हें दी, और वैसे ही मछली भी। यह अब मृतकों में से जी उठने के बाद यीशु का अपने शिष्यों के सामने तीसरी बार प्रकट होना था।

यूहन्ना 21:1–14

रविवार का भजन

मसीह के पुनरुत्थान को देखकर , / हम पवित्र प्रभु यीशु की आराधना करें , / जो एकमात्र पापरहित हैं। / हे मसीह, हम तेरे क्रूस की आराधना करते हैं , / और हम तेरे पवित्र पुनरुत्थान का गान और महिमा करते हैं , / क्योंकि तू ही हमारा परमेश्वर है , / हम तुझसे सिवा और किसी को नहीं जानते , / हम तेरे नाम का आह्वान करते हैं। / आओ, हे सभी विश्वासियों , / हम मसीह के पवित्र पुनरुत्थान की आराधना करें , / क्योंकि देखो , क्रूस के द्वारा / संपूर्ण जगत में आनंद आया है। / सदैव प्रभु का धन्यवाद करते हुए , / हम उसके पुनरुत्थान का गीत गाते हैं , / क्योंकि उन्होंने , सूली पर चढ़ाए जाने को सहते हुए , / मृत्यु को मृत्यु से कुचल डाला है।

भजन संहति 50. सुसमाचार का चुंबन।

महमिा: प्रेरतिों की प्रार्थनाओं के द्वारा , हे दयालु , हमारे पापों की भीड़ को मटिा दो।

और अब: परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा , हे दयालु , हमारे पापों की भीड़ को मटिा दो।

फरि, स्वर 6: हे परमेश्वर , अपनी महान दया के अनुसार मुझ पर दया करें , और अपनी अनुग्रहों की बहुतायत के अनुसार मेरे अधर्म को मटिा दें।

और स्टचिेरा : यीशु कब्र से जी उठे हैं , / जैसा उन्होंने पूर्व में बताया था, / हमें अनंत जीवन / और महान दया प्रदान करते हुए।

और प्रार्थना : हे ईश्वर , अपने लोगों को बचा:

ईस्टर कैनन , टोन 4 में इरमोस के साथ और आरोहण के लिए टोन 4 में , और पवत्रि पतिाओं के लिए टोन 6 में।

ईस्टर कैनन , स्वर 6।
ओड 1

इरमोस: जैसे इस्राएल ने सूखी भूमि पर चला / गहरे जल में अपने पैरों से , / और चल्लिाया , फराओह उत्पीड़क को डूबते देख : / 'आओ हम ईश्वर के लिए वजिय का गीत गाएँ !'

पुनरावृत्ति : महमिा हो, हे प्रभु , तेरे पवत्रि पुनरुत्थान को।

क्रूस पर फैले अपने बाहुओं से / हे धन्य यीशु , आपने पति की सारी इच्छा पूरी की। / अतः , हम सब गाएँगे / आपको वजिय का गीत।

भय से , एक दास की तरह, / मृत्यु , आज्ञा का पालन करते हुए , / जीवन के प्रभु , आपके पास आती है , / जसिके द्वारा आपने हमें / अनंत जीवन और पुनरुत्थान प्रदान कयिा है।

ईश्वर की माता: आपने अपने स्रष्टा को, जैसा उन्होंने स्वयं चाहा, अपने बनि बीज वाली गर्भ से सर्वबोध से परे अवतारति कयिा, हे पवत्रि एक, आप वास्तव में सभी सृष्टि की अधष्ठिात्री के रूप में प्रकट हुईं।

स्वर्गारोहण का कैनन , स्वर 5।
ओड 1

इरमोस: उद्धारकर्ता ईश्वर को:

आओ, हे सभी मनुष्यों , मसीह का गीत गाएँ , / जन्हिोंने कीर्ति के साथ करूबों के कंधों पर आरोहण कयिा, / और जन्हिोंने हमें स्वयं के साथ पति के दाहनि हाथ पर बठिाया है , / एक वजिय-गीत, क्योंकि उन्हें महमिा मलिी है।

मसीह, परमेश्वर और मानवता के बीच मध्यस्थ , / जब स्वर्गदूतों की सेनाओं ने उन्हें ऊँचाइयों में देह में देखा , तो वे चकति हो गए, / फरि भी एक स्वर में उन्होंने वजिय का गीत गाया, / (क्योंकि उन्हें महमिा मलिी है।)

परमेश्वर को, जो सनिाई पर्वत पर प्रकट हुए / और मूसा को, जो परमेश्वर को देखने वाले मनुष्य थे , व्यवस्था दी, / और जन्हिोंने देह में जैतून के पहाड़ से आरोहण कयिा – / उन्हीं को हम सब गाएं , / क्योंकि उन्हें महम्मिा मलिी है।

ईश्वर की **माता को:** हे परम पवत्रि ईश्वर की माता! / उस ईश्वर से अनवरत प्रार्थना करो, जो तुमसे अवतार धारण हुए / और जन्हिोंने अपने पति की गोद से स्वयं को अलग नहीं कयिा, / कि वे उन सभी को हर वपित्ति से बचाएँ / जन्हिें उन्होंने बनाया है।

पवत्रि पतिाओं के लिए कैनन , स्वर 6।
ओड 1

इरमोस: जैसे इस्राएल सूखी भूमि से होकर गुज़रा :

जैसे सर्व -पवित्र सभा पवित्र पिताओं की स्तुति करती है , / मैं तुझसे , हे मसीह, प्रार्थना करते हुए पुकारता हूँ / कि उनकी सर्व -पवित्र अंतर्दृष्टि / मुझमें भी संरक्षित रहे। (2)

ईश्वर -धारी पवित्र -पितरों ने , आज बिजली की तरह इकट्ठा होकर, स्पष्ट रूप से आप, हे मसीह, को एकमात्र पुत्र , पिता के सह-शाश्वत और सह-तत्त्व के रूप में स्वीकार किया है।

महिमा: हे प्रभु , आपने अपनी वधू , कलीसिया को, / महिमामय विवाह के वस्त्रों से सुसज्जित किया, / आपने , विश्वास की परिभाषा को सटीक रूप से प्रस्तुत करते हुए , / उसे उत्कृष्ट सुनहरी पात्रों से अलंकृत किया है।

और अब, हे ईश्वर की माता: दिव्य महिमा से सुसज्जित / श्रद्धापूर्वक सम्मानित रानी / अपने पुत्र और ईश्वर के समक्ष खड़ी हैं , / हमारी आत्माओं के उद्धार के लिए मध्यस्थता करते हुए।

कातावाशिया: मूसा , वाक् -रूद्ध , / दिव्य अंधकार से आवृत , / ईश्वर द्वारा लिखित विधान को स्पष्ट रूप से उद्घाटित करते हैं , / क्योंकि उन्होंने अपनी आध्यात्मिक दृष्टि से अशुद्धि को दूर कर, / उस सत् -स्वरूप को निहारते हैं जो है , और आत्मा का ज्ञान प्राप्त करते हैं , / दिव्य स्तोत्रों से उनकी महिमा करते हुए।

स्तोत्र 3

पुनरुत्थान कैनन। इरमोस: हे प्रभु मेरे परमेश्वर , / आप जैसे पवित्र कोई नहीं , / हे भले , जिन्होंने अपने प्रति विश्वासयोग्य लोगों की गरिमा को ऊँचा किया, / और हमें अपनी गवाही की / चट्टान पर स्थापित किया।

देह में सूली पर चढ़ाए गए ईश्वर को देखकर , / सारी सृष्टि भय से कांप उठी; / परन्तु हमारे लिए सूली पर चढ़ाए गए की फैली हुई भुजा से दृढ़ता से थामा गया।

मसीह की मृत्यु से नष्ट होकर, दुखद मृत्यु निर्जीव हो गई; क्योंकि दिव्य जीवन के आक्रमण का सामना करने में असमर्थ , शक्तिशाली को मार डाला जाता है , और सभी को पुनरुत्थान प्रदान किया जाता है।

थियोटोकोस: हे पवित्र एक, तुमसे दैवीय जन्म का चमत्कार , / प्रकृति के हर नियम से परे है ; / क्योंकि तुमने अलौकिक रूप से ईश्वर को अपनी कोख में धारण किया / और जन्म देने के बाद भी, सदा कुंवारी बनी रहीं।

स्वर्गारोहण का कैनन। इरमोस: तेरे क्रूस की शक्ति से :

हे जीवन-दाता मसीह, आप पिता के पास आरोहण हुए / और हे मानव-प्रेमी , आपने हमारे वंश को गौरवान्वित किया, / अपनी अनुपम दया के द्वारा।

देवदूतों की सेनाओं ने , नश्वर स्वभाव को / हे उद्धारकर्ता , आपके साथ आरोहण करते हुए देखकर , / आश्चर्य में आपकी स्तुति निरंतर गाई।

देवदूतों की सेनाएँ चकित हुईं , / तुम्हें , हे मसीह, देह में आरोहण करते हुए देखकर , / और तुम्हारे पवित्र आरोहण का गीत गाया।

थियोटोकोस: हे पवित्र कन्या , अनवरत प्रार्थना करो, / उनके लिए जो तेरे गर्भ से निकलकर, / हे ईश्वर की माता, तेरा गुणगान करते हैं , / शैतान की धोखाधड़ी से मुक्ति के लिए।

पवित्र पिताओं के लिए कैनन। इरमोस: हे प्रभु मेरे परमेश्वर , तेरे समान कोई पवित्र नहीं :

दुष्टता में दिव्य जन्म को परिवर्तनशीलता, जुनून और विभाजन का दोष देते हुए, / पागल और अधर्मी एरियस / को पवित्र पिताओं की तीक्ष्ण तलवार से काट दिया गया। (2)

जैसे प्राचीन काल में दिव्य अब्राहम ने युद्ध करते हुए, / चर्च के सभी पूजनीय पितरों ने / महाशक्तिशाली रूप से नष्ट किया, हे परम धन्य, / आपके उन्मत्त शत्रुओं को अपनी शक्ति से। (2)

महिमा: प्रथम सभा, जो आपके पुरोहितों से मिलकर बनी थी, ने धर्मपरायणता से आपको उद्धारकर्ता, शाश्वत पिता के समरूप, और सभी वस्तुओं के स्रष्टा के रूप में घोषित किया।

और अब, हे परमेश्वर की माता: न तो मनुष्यों के शब्द और न ही उनकी जीभें / हे कुँवारी, तुम्हारी यथोचित स्तुति कर सकती हैं: / क्योंकि तुमसे, हे परम पवित्र, जीवन-दाता मसीह ने / बिना बीज के अवतार धारण करने की कृपा की।

कातावासिया: बाँझ गर्भ के बंधन टूट गए / और संतान-वती स्त्री का अनियंत्रित घमंड समाप्त हो गया / प्राचीन काल में भविष्यवक्ता अन्ना की एक ही प्रार्थना से, / जिसकी आत्मा पश्चात्ताप से भरी थी, / जो ज्ञान के शासक और ईश्वर को संबोधित थी।

स्वर्गारोहण का कोंटाकियन, स्वर 6

हमारे उद्धार की संपूर्ण योजना को पूरा करके, / और पृथ्वी पर जो कुछ है उसे स्वर्ग में जो कुछ है उसके साथ मिलाकर, / हे मसीह, हमारे परमेश्वर, तू महिमा में स्वर्गारोहण हुआ, / हमें बिलकुल भी न छोड़कर, बल्कि हमारे साथ अविभाज्य रूप से निवास करते हुए / और तुझसे प्रेम करने वालों को पुकारते हुए: / 'मैं तुम्हारे साथ हूँ, और कोई भी तुम्हारे विरुद्ध नहीं है!'

इकोस: सांसारिक चीज़ों को पीछे छोड़कर, / और जो केवल राख है उसे धूल के हवाले कर, / आओ, हे नश्वर प्राणियों, जाग उठें, / और अपनी आँखों और विचारों को ऊँचाइयों की ओर उठाएँ, / अपनी दृष्टि, और उसके साथ अपनी इंद्रियों को, स्वर्ग के द्वारों की ओर मोड़ें: / आइए कल्पना करें कि हिम जैतून के पहाड़ पर हैं, / उद्धारकर्ता को निहारते हुए, जो एक बादल पर सवार हैं। / क्योंकि वहीं से प्रभु स्वर्ग में आरोहण हुए, / और वहीं उदार ने अपने प्रेरितों पर अपने वरदान प्रदान किए, / उन्हें एक पिता के समान एकत्रित कर और उन्हें बल देकर, / पुत्रों के समान उन्हें शिक्षा देते हुए, और उनसे कहते हुए: / 'मैं तुमसे दूर नहीं जाता; / मैं तुम्हारे साथ हूँ, और कोई भी तुम्हारे विरुद्ध नहीं है!'

पवित्र पिताओं के लिए सेडालेन, स्वर 4

मसीह की सच्चाई के दीप्तिमान दीपस्तंभ के रूप में / आप इस पृथ्वी पर संसार के समक्ष प्रकट हुए, / वास्तव में धन्य पिताओं, / जिन्होंने अपमानजनक हवाबाजों की विधिर्मियों को सूखा दिया / और ईश्वरनिंदकों द्वारा प्रज्वलित कलह की ज्वालाओं को बुझा दिया। / अतः, मसीह के पवित्र पिताओं, / हमारे उद्धार के लिए मध्यस्थता करें।

पवित्र पिताओं के लिए एक और सेडालेन, उसी लहजे में

महिमा: महिमामय नगर नीकिया ने / इस दिन पृथ्वी भर से / तीन सौ अठारह prelates को बुलाया / आरियस के विरुद्ध, जिसने ईश्वरनिंदा की / और त्रिमूर्ति के एक को, / ईश्वर के सच्चे पुत्र और वचन को, नीचा दिखाया; / इस विधिर्मी को पदच्युत करके, / उन्होंने धर्म की स्थापना की।

और अब, स्वर्गारोहण के लिए: महिमा में स्वर्ग में आरोहण करके, / और पिता के दाहिने हाथ पर बैठकर, / जिनसे वह कभी अलग नहीं हुए, हे मानवजाति के प्रेमी मसीह, / आपने अपने बुद्धिमान शिष्यों को पवित्र आत्मा भेजने का वचन दिया है, / हमारे मन को भी

प्रबुद्ध करें , और हमें ज्ञान प्रदान करें , / ताकि हम निरंतर आपकी स्तुति कर सकें , हे प्रभु।

भजन 4

पुनरुत्थान कैनन। इरमोस: 'मसीह मेरी शक्ति है , / ईश्वर और प्रभु ', / – पवित्र कलीसिया भक्तिपूर्वक गाती है , / एक शुद्ध मन से यह उद्घोष करते हुए , / प्रभु में आनंदित होकर।

हे मसीह, सच्चे जीवन का वृक्ष खिला है ; / क्योंकि क्रूस उठाया गया / और, तेरे निर्दोष पार्श्व से निकले / रक्त और जल से सींचकर / हमारे लिए जीवन लाया है।

साँप अब मुझे / झूठी दिव्यता प्रदान नहीं करता; / क्योंकि मसीह, मानव स्वभाव के दिव्य सृष्टिकर्ता , / ने अब, बिना किसी बाधा के , / मेरे लिए जीवन का मार्ग खोल दिया है।

थियोटोकोस: कितने सच्चे में अकथनीय / और अगम्य हैं रहस्य / तेरी दिव्य गर्भ के , हे थियोटोकोस, / पृथ्वी पर / और स्वर्ग में , हे सदा-कुंवारी !

आरोहण का कैनन। इरमोस: मैंने समाचार सुना है :

हे स्वर्गदूतों के राजा, आप महिमा में आरोहण हुए , / हमें पिता से सांत्वनादाता भेजने के लिए; / इसीलिए हम पुकारते हैं : / 'हे मसीह, आपके आरोहण की महिमा!'

जब उद्धारकर्ता देह में पिता के पास आरोहण किए, / स्वर्गदूतों के दल उन पर विस्मित हो पुकार उठे : / 'महिमा हो, हे ख्रीस्त , तेरे आरोहण की!'

निचले स्वर्गदूतों ने ऊपरी स्वर्गदूतों से पुकारा : / 'हे द्वारों , अपने सिर ऊँचे करो, क्योंकि मसीह, हमारे राजा, / जिनकी हम पिता और आत्मा के साथ स्तुति करते हैं !'

थियोटोकोस: कुँवारी ने प्रसव किया, फिर भी उन्हें माताओं जैसी कोई अनुभूति नहीं हुई ; / फिर भी वह वास्तव में माता हैं , / यद्यपि वह कुँवारी ही रहीं। / उनके बारे में गाते हुए , हम पुकारते हैं : / 'हे परमेश्वर की माता, आनन्दित हो!'

पवित्र पिताओं के लिए कैनन। इरमोस: मसीह मेरी शक्ति है :

धर्मपरायणता को एक लापरवाह मन से वंकित करने के बाद, दुष्ट एरियस को / धर्मपिताओं की आवाज़ों द्वारा चर्च से निकाल दिया गया, / जैसे एक सड़ा हुआ अंग। (2)

हे प्रभु , आपके पक्ष में लड़ने वाले पवित्र पिताओं की सेना ने आपके शत्रुओं को पूरी तरह से निरस्त्र कर दिया है , और उन्होंने आपको महिमान्वित किया है , जो पिता और आत्मा के समानतत्त्व हैं।

महिमा: हे ख्रीस्त , तू परमेश्वर और मनुष्य के बीच मध्यस्थ बना, / अतः धर्मपरायण पिताओं ने तुझे दो स्वभावों में एकमात्र पुत्र मानकर यह उद्घोषित किया।

और अब, हे परमेश्वर की माता: स्वर्ग के वृक्ष के फल ने मुझे मृत घोषित कर दिया; / परन्तु जीवन का वृक्ष , जो हे सर्व -पवित्र , आप से उत्पन्न हुआ , ने मुझे जिलाया, / और मुझे स्वर्ग के आनन्दों का वारिस बनाया।

कातावासिया: राजाओं के राजा, एक से एक, / एकमात्र पुत्र वचन, जो बिना आरंभ के पिता से उत्पन्न हुए , / आपने , एक दाता के रूप में , सचमुच अपने समान आत्मा को भेजा , / प्रेरितों के पास, जो गाते हैं : / 'हे प्रभु , तेरी सामर्थ्य को महिमा!'

गीत 5

पुनरुत्थान कैनन। इरमोस: हे सर्व -शुभ , अपनी दिव्य ज्योति से , / उन आत्माओं को प्रेम से प्रकाशित कर जो दिन के प्रभात से तेरी लालसा करती हैं – मैं प्रार्थना करता हूँ – / कि

वे तुझे , परमेश्वर के वचन, सच्चे ईश्वर को जान सकें , / जो उन्हें पाप के अंधकार से / अपनी ओर बुलाता है।

अब मेरे सामने से करूब हट जाते हैं , / और प्रभु , तेरे दर्शन से , / जलती तलवार मेरी खातिर मुड़ जाती है , हे परमेश्वर —वचन, / जिन्होंने चोर के लिए स्वर्ग का मार्ग खोला।

मैं अब नहीं डरता / पृथ्वी पर लौटने से , हे प्रभु मसीह; / क्योंकि आपने , अपनी महान दया में , / मुझे , जो भुला दिया गया था, पृथ्वी से / अपने पुनरुत्थान के द्वारा अक्षयत्व की ऊँचाइयों तक उठाया है।

थियोटोकोस: जो लोग हृदय की गहराइयों से आपको ईश्वर की माता स्वीकार करते हैं , उन्हें बचाइए, हे संसार की दयालु माता, क्योंकि आप में हमें एक अजेय रक्षा मिलती है , ईश्वर की सच्ची माता के रूप में।

स्वर्गारोहण का कैनन। इरमोस: भोर से ही निहारते हुए :

हे दयालु , सभी चीज़ों को आनंद से भरते हुए , / आप देह में / स्वर्गीय शक्तियों के पास आए।

दिव्य दूतों ने , / आपको स्वर्गारोहण होते देख , पुकारा : / 'हमारे राजा के लिए द्वार उठा दो!'

प्रेरितों ने उद्धारकर्ता को स्वर्गारोहण करते हुए देखा , / और भय-सहित हमारे राजा को पुकारा : / 'महिमा तुझे हो!'

थियोटोकोस: प्रसव के बाद कुंवारी बने रहने के लिए / हम तेरा गुणगान करते हैं , हे परमेश्वर की माता, / क्योंकि तूने देह में परमेश्वर वचन को / संसार के लिए जन्म दिया।

पवित्र पिताओं का कैनन। इरमोस: हे धन्य , अपनी दिव्य ज्योति से :

वास्तव में सुन्दर हैं वे पाँव / उन लोगों के जो अब तुझे घोषित करते हैं , हे मसीह, / उस शान्ति को, जो सर्व बुद्धि से परे है , / सभी स्वर्गदूतों और मनुष्यों की समझ से परे , / और जो संसार को संसार की भीड़ के माध्यम से एक करते हैं। (2)

पवित्रतम पुरोहितत्व के विधान द्वारा मुहरबंद , दैवी शिक्षकों ने , एकत्र होकर, श्रद्धापूर्वक आपकी घोषणा की / परमपिता की बुद्धि और शक्ति के रूप में , / उनके वचन, मसीह, जो एक वास्तविक व्यक्ति हैं। (2)

महिमा: मसीह की शिक्षाओं की पवित्र धाराओं से कलीसिया को सिंचित करके , आप अब विश्राम के जल का आनंद लेते हैं , और सदा के लिए आनंदित हैं।

और अब, हे परमेश्वर की माता: हम आपसे , परमेश्वर की एकमात्र पवित्र माता से , / जो, हे सर्व -पवित्र , एक दीप्तिमान दीपक की तरह, / सभी को भव्यता में धार्मिकता के सूर्य मसीह को प्रकट करती हैं , / अब आपकी मध्यस्थता का आह्वान करते हैं।

कातावाशिया: पापों से उद्धारकारी शुद्धिकरण के द्वारा / आत्मा की अग्नि-वर्षी ओस ग्रहण करो, / हे प्रकाश -वाहक चर्च के बच्चों ; / क्योंकि अब सियोन से व्यवस्था प्रकट हुई है – / आत्मा की अनुग्रह अग्नि की ज्वालाओं के रूप में।

स्तोत्र 6

पुनरुत्थान कैनन। इरमोस: जीवन के सागर को देखकर / जो प्रलोभन की लहरों से उफन रहा है , / मैं , तेरी शांतिपूर्ण बंदरगाह में शरण लेकर , तुझसे पुकारता हूँ : / 'हे परम दयालु , मेरे जीवन को विनाश से बचा!'

हे प्रभु , कीलों से क्रूस पर चढ़ाकर , / आपने हम पर से वह शाप मिटा दिया जो हम पर था; / और एक भाले से अपनी पसलियों में भेदकर , / आदम के विरुद्ध लिपिटी हुई पर्ची को फाड़कर , / आपने संसार को मुक्त कर दिया।

आदम, छल से पराजित, / नरक की गहराई में फेंका गया था; / परन्तु आप, स्वभाव से परमेश्वर और दयालु , / उसे खोजने के लिए उतर आए, / और, उसे अपने कंधों पर उठाकर, / उसे अपने साथ ऊपर उठा लिया।

थियोटोकोस: हे सर्व -पवित्र माता, / जिन्होंने मनुष्यों के नाविक, प्रभु को जन्म दिया! / मेरे वासनाओं के उथल-पुथल को शांत करें , / जो चंचल और भयानक हैं , / और मेरे हृदय को शांति प्रदान करें।

स्वर्गारोहण का कैनन। इरमोस: गहराई ने मुझे निगल लिया है :

प्रेरितों ने इस दिन सृष्टिकर्ता को / उच्च स्थान पर आरोहण करते हुए देखकर , / आत्मा प्राप्त करने की आशा में आनंदित हुए , / और विस्मय से पुकार उठे : / 'तेरे आरोहण को महिमा!'

देवदूत प्रकट हुए , / हे मसीह, तेरे शिष्यों को पुकारते हुए : / 'जिस प्रकार तुमने मसीह को देह में स्वर्ग पर आरोहण करते देखा , / उसी प्रकार वह फिर आएगा, / सभी का धर्मी न्यायी !'

जब स्वर्गीय शक्तियों ने / आपको, हमारे उद्धारकर्ता को, / देह में ऊँचाइयों तक उठते हुए देखा , / तो उन्होंने पुकार कर कहा: / 'हे प्रभु , मानवजाति के प्रति आपका प्रेम महान है !'

थियोटोकोस: हम आपको यथोचित रूप से महिमामंडित करते हैं , वह काँटों का झाड़ जो न जलता है , / पर्वत , जीवित सीढ़ी , / और स्वर्ग का द्वार , / हे महिमामय मरियम, ऑर्थोडॉक्स की स्तुति।

पवित्र पिताओं के लिए कैनन। इरमोस: जीवन के सागर को निहारते हुए :

मूर्खता का नाम धारण करने वाला, दुष्ट बीज बोने वाला, / अकथनीय परमप्रभुत्व से छिपि नहीं सका: / क्योंकि , यहूदा से ईर्ष्या करके , / उसके समान, वह भी सर्वथा दुष्ट , चीर-फाड़ दिया गया। (2)

पिताओं का दिव्य , पूजनीय समूह / आपको, हे प्रभु , घोषित करता है , / एकमात्र पुत्र प्रकाश के रूप में , / जो पिता के अस्तित्व से प्रकट हुए / और हे पुत्र , सभी युगों से पहले उत्पन्न हुए।

महिमा: वह गर्भ , जो दुष्ट विधर्मों का स्रोत था— / धुंधला और पीने के अयोग्य — / प्रतीकात्मक कहावत के अनुसार , / ईश्वर -प्रेरित पुरोहितों की प्रार्थनाओं की जुताई से , / ईश्वर की कृपा से , चीर दिया गया।

और अब, हे परमेश्वर की माता: भविष्यवक्ताओं में सबसे महान मूसा , ने पुराने समय से आपके विषय में लिखा था, कि आप नौका, मेज़ , दीवदान और मन्ना का पात्र हैं , जो रूपक रूप में परमप्रभु के आपके , हे कुँवारी माता, से देहधारी होने की ओर संकेत करता है।

कातावासिया: हमारे प्रायश्चित और उद्धार के लिए, हे प्रभु मसीह, आप कुँवारी से प्रकट हुए , ताकि, जैसे भविष्यवक्ता योना समुद्र के दानव के पेट से , आप आदम को, जो अपनी सारी वंश के साथ गिर गया था, भ्रष्टता से पूरी तरह से छुड़ा सकें।

ईस्टर के बाद का सातवाँ सप्ताह

पवित्र पिताओं का कोंटाकयिन , स्वर 8

प्रेरितों और विश्वास के पिताओं का उपदेश / ने चर्च के लिए एक ही विश्वास स्थापित कयिा; / और वह, सत्य के वस्त्र में लपिटी हुई , / जो स्वर्गीय धर्मशास्त्र से बुना गया है , / धर्म की महान रहस्य को सही ढंग से सखिाती और महमिामय करती है।

इकोस: आइए हम परमेश्वर की कलीसयिा की ऊँचे स्वर में घोषणा सुनें , जो पुकार रही है : / 'जो प्यासा है वह मेरे पास आए और पिए; / जो प्याला मैं थामे हुए हूँ वह ज्ञान का प्याला है , / इसमें मैंने सत्य के पेय को वचन के साथ मलिाया है , / यह ववािद का पानी नहीं , बल्कि अंगीकार का पेय बहाता है। / इससे , आज का इस्राएल पीता है / और परमेश्वर को यह घोषणा करते हुए देखता है : / 'देखो , देखो , मैं स्वयं वही हूँ , और मैं नहीं बदलता: / मैं , परमेश्वर , प्रथम हूँ ; मैं परमेश्वर , उसके बाद भी वही हूँ , / और मुझसे अलग कोई और बल्कुि नहीं है। ' / इसलिए, जो लोग इसमें भाग लेते हैं वे तृप्त होंगे / और धर्म की महान रहस्यमयी बात की स्तुति करेंगे !'

सनैक्सारयिन।

भजन 7

रववािर का कैनन। इरमोस: स्वर्गदूत ने भक्तमिान युवकों के लिए भट्टी को ओस से सुगंधति कर दयिा, और ईश्वर की आज्ञा , जसिने काल्दीयों को झुलसा दयिा, ने यातना देने वाले को यह पुकारने पर मजबूर कर दयिा: 'धन्य हैं आप, हमारे पूर्वजों के ईश्वर !'

तेरे दुख पर शोक करते हुए , / सूर्य अंधकार से ढक गया, / और दनि के समय, सारी पृथ्वी पर, हे प्रभु , / प्रकाश मुरझा गया, यह पुकारते हुए : / 'धन्य हैं आप, हे हमारे पूर्वजों के परमेश्वर !'

हे मसीह, आपके अवतरण से अधोलोक प्रकाशति हो गया; और पूर्वज , आनंद से परपिूर्ण होकर प्रकट हुए , हर्षति होकर पुकार उठे : 'धन्य हैं आप, हमारे पतिरों के परमेश्वर !'

थयिोटोकोस: हे पवत्रि कन्या माता, आपके द्वारा एक तेजस्वी प्रकाश / पूरे ब्रह्मांड पर उदय हुआ है ; / क्योंकि आपने सभी के स्रष्टा – ईश्वर को जन्म दयिा। / उनसे नविेदन करें , हे सर्व -पवत्रि , / कि वे हम पर, उनके विश्वासयिों पर, अपनी महान दया प्रदान करें।

स्वर्गारोहण का कैनन। इरमोस: आग के भट्टी में :

एक उज्ज्वल बादल पर आरोहण करके / और संसार को बचाकर, / हमारे पूर्वजों का परमेश्वर धन्य हो।

आपने हमारे पतति स्वभाव को अपने कंधों पर उठाकर, हे मसीह, स्वर्गारोहण करके , उसे परमेश्वर पति के पास ले गए।

मांस में आरोहण करके / अदेह पति के पास, / धन्य हो हमारे पूर्वजों का ईश्वर !

पाप से मारे गए हमारे स्वभाव को धारण करके , हे उद्धारकर्ता , आपने उसे अपने ही पति के पास लाया।

पवत्रि पिताओं के लिए कैनन। इरमोस: उसने भट्टी को ओसदार कर दयिा:

हे अद्भुत , तुमने उसी नाम वाले पागल पर वजिय प्राप्त की है / एरयिस, जो भयानक रूप से बकबक करता था / और परमपति परमेश्वर के वषिय में अन्यायपूर्ण वचन बोलता था: / क्योंकि उसने पुत्र को यह घोषति करने से इनकार कर दयिा: / 'धन्य हैं आप, हमारे पूर्वजों के परमेश्वर !' **(2)**

हे अद्भुतजनों , गरज के पुत्र का अनुकरण करते हुए , / वचन जो पिता के सह-शाश्वत हैं / और उनके साथ एक सिंहासन पर विराजमान हैं , / अपने अग्निमय होठों से / आप सभी को उद्घोषित करना सिखाते हैं : / 'धन्य हैं आप, हमारे पितरों के परमेश्वर !' (2)

महिमा: पंखों वाले प्राणियों की तरह, आप वचन की सहायता के लिए आए हैं , हे ईश्वर - धन्य लोगों : क्योंकि पवित्र आत्मा ने आपको ब्रह्मांड के छोर से इकट्ठा किया है , ताकि आप पुकार सकें : 'धन्य हैं आप, हमारे पूर्वजों के ईश्वर !'

और अब, हे ईश्वर की माता: भट्टी ने तीनों युवकों को भस्म नहीं किया, / जो आपके गर्भ से मसीह के जन्म का पूर्वसंकेत था: / क्योंकि दिव्य अग्नि , आपको भस्म किए बिना, आपके भीतर निवास की, / और सभी को प्रकाशित किया, उन्हें यह पुकारने के लिए प्रेरित किया: / 'धन्य हैं आप, जिन्होंने अपने गर्भ में देहधारी ईश्वर को धारण किया।'

कातावासिया: संगीत वाद्ययंत्रों की सुमधुर धुन गूँजी , / हमें सोने में ढले एक निर्जीव मूर्ति का सम्मान करने के लिए बुलाती ; / परन्तु परमप्रताप की प्रकाशमयी कृपा / हमें श्रद्धापूर्वक पुकारने के लिए प्रेरित करती है : / 'एक, समान, और शाश्वत त्रिमूर्ति , / धन्य हैं आप!'

भजन 8

रविवार का कैनन। इरमोस: आग से तूने धर्मनिष्ठों के लिए ओस बहाई है , / और जल से तूने धर्मी की वेदी पर आग बुझाई है : / क्योंकि हे मसीह, तू सभी कार्य केवल अपनी इच्छा से करता है। / हम तुझे युगानुयुग महिमान्वित करते हैं।

यहूदी लोग, जो प्राचीन काल में भविष्यवक्ताओं के हत्यारे थे , / अब, ईर्ष्या के कारण, ईश्वर -हत्यारे बन गए हैं , / जिन्होंने आपको, परमेश्वर के वचन को, क्रूस पर लटकाया, / जिनकी हम सदा-सदा स्तुति करते हैं।

स्वर्गीय गुंबद को छोड़े बिना, / और नरक में उतरकर, / हे मसीह, आपने अपने साथ उठा लिया / कीचड़ में पड़े हुए सभी मनुष्यों को, / जो युगानुयुग आपकी स्तुति करते हैं।

थियोटोकोस: प्रकाश से , वचन—प्रकाश के दाता—को आपने गर्भ में धारण किया, / और उन्हें एक अगोचर तरीके से जन्म देकर , आप महिमामय हुईं , / क्योंकि हे कुँवारी , दिव्य आत्मा आप में निवास करती थी। / इसलिए हम सदा और सर्वदा आपकी स्तुति करते हैं।

स्वर्गारोहण का कैनन , इरमोस: युगों से पहले पिता से :

मसीह, जीवन के दाता, / जो महिमा में दो स्वभावों में स्वर्ग पर आरोहण हुए / और पिता के दाहिने विराजमान हैं , / हे याजकों , उनकी स्तुति करो, / हे लोगों , उन्हें युगानुयुग तक महिमामय करो।

हे जिसने सृष्टि को मूर्तिपूजा की दासता से मुक्त किया / और उसे अपने पिता के समक्ष स्वतंत्र रूप से प्रस्तुत किया, / हम तेरा , हे उद्धारकर्ता , गायन करते हैं , / और हम तुझे युगानुयुग महिमान्वित करते हैं।

जिनके अवतरण से शत्रु का नाश हुआ / और आरोहण से मानव जाति का गौरव बढ़ा , / हे पुरोहितो , उनकी स्तुति करो; / हे लोगों , उनका यशोगान सदा-सर्वदा करो।

थियोटोकोस: हे परमेश्वर की पवित्र माता, आप करूबों से भी उच्चतर के रूप में प्रकट हुईं , जिन्होंने अपने गर्भ में उसे धारण किया जिसे वे धारण करते हैं , और जिसे हम नश्वर प्राणी , अदेह प्राणियों के साथ, युगानुयुग महिमामय करते हैं।

पवित्र पितृगणों का कैनन। इरमोस: ज्वाला से तूने धर्मात्माओं के लिए ओस उत्पन्न की:

तेरी दव्यिता की करिणों से प्रज्वलति , तेरे शुभ चरवाहों ने सभी अस्तत्वि के स्रष्टा और स्वामी के रूप में तुझे स्वीकार कयिा, जसिकी हम अनंतकाल तक स्तुतिं करते हैं। (2)

चरवाहों का कोरस, जो सदा स्मरण कयिा जाता है , आज यहाँ एकत्रति होकर, / अकल्पति त्रमिूर्तिं पर दैवीय रूप से व्याख्या करते हुए , / सभी को यह उद्घोषति करना सखिाता है : / 'हम आपको सदा और सदा तक महमिामय करते हैं !' (2)

आओ हम पति, और पुत्र , और पवत्रि आत्मा , प्रभु का धन्यवाद करें।

आश्चर्य के योग्य धर्मगुरु , / मसीह की कलीसयिा को प्रकाशति करते हैं , / प्रत्येक , अपनी-अपनी सीमा में , उसे आनंद से भरते हुए / और उसे युगानुयुग तक बढ़ाते हुए।

और अब, हे परमेश्वर की माता: रहस्यमय रूप से , वभिन्नि रूपों में , / प्राचीन भवष्यिद्वक्ताओं ने सभी ने देखा / आपको, जन्हिोंने वचन को अपनी कोख में धारण कयिा: / क्योंकिं आपने देह धारण कयिा, / वह दो स्वभावों से जन्मा ; / हम उसकी सदा और सदा तक महमिा करते हैं।

हम प्रभु की स्तुतिं , धन्यवाद और आराधना करते हैं , उनकी महमिा गाते हुए और युगों -युगों तक उनकी प्रशंसा करते हैं।

कातावासयिा: त्रि-प्रकाशमान ईश्वरत्व का स्वरूप / बंधन तोड़ता है और ज्वाला बुझाता है ; / युवक गाते हैं , और सारी सृष्टि / सभी के एक उद्धारकर्ता और सृष्टकिर्ता को / अपने कल्याणकर्ता के रूप में धन्यवाद देती है।

स्तोत्र 9

रवविार का कैनन। इरमोस: मनुष्यों के लएि ईश्वर को देखना असंभव है , / जसिे स्वर्गदूतों की सेनाएँ भी नहिारने का साहस नहीं करतीं ; / परन्तु तेरे द्वारा , हे सर्व -पवत्रि , / मसीह-शब्द मनुष्यों के लएि दृश्यमान हुए। / उन्हें महमिामय मानते हुए , / हम, स्वर्गीय सेनाओं के साथ, / तेरी स्तुतिं करते हैं।

हे परमेश्वर के वचन, तू दुख से अप्रभावति रहा, / यद्यपि तूने देह में दुख सहन कयिा, / फरि भी हे हमारे उद्धारकर्ता , तू मनुष्य को वासनाओं से मुक्त करता है , / क्योंकि तूने वासनाओं पर वजिय प्राप्त की है ; / क्योंकिं केवल तू ही अकंपनीय और सर्वशक्तमिान है।

मृत्यु को स्वीकार कर, / आपने अपने शरीर को क्षय से अछूता रखा, / और हे प्रभु , आपका जीवन-दायक और दव्यि आत्मा , / पाताल में नहीं छोड़ा गया; / परन्तु जैसे आप नींद से जागे , / आपने हमें भी अपने साथ उठा लयिा।

त्रमिूर्तिं भजन: हम सभी नश्वर , पवत्रि होठों से , परमपति और एक ही सार के पुत्र की महमिा करते हैं , / और हम अकथनीय और अतिं गौरवशाली / सर्व -पवत्रि आत्मा की शक्तिं का सम्मान करते हैं ; / क्योंकिं हे अवभिाज्य त्रमिूर्तिं , केवल आप ही सर्वशक्तमिान हैं !

स्वर्गारोहण का कैनन। इरमोस: हे प्रभु , जो मन और वाणी की पहुँच से परे हैं :

हे संसार के उद्धारकर्ता , हे मसीह परमेश्वर , / प्रेरतिों ने , आपको दव्यि रूप से ऊँचा उठा हुआ देखकर , / भक्तिं-भाव से आनंदति हुए और आपकी महमिा की।

हे मसीह, तेरे दव्यि देह को देखकर , / स्वर्ग में , स्वर्गदूत / एक-दूसरे की ओर इशारा करते हुए बोले : / 'यह सचमुच हमारा ईश्वर है !'

आपको, मसीह ईश्वर को, / बादलों पर आरोहण करते हुए देखकर , / नरिाकार प्राणयिों की सेनाएँ चल्लिाईं : / 'हे द्वारों , अपने सरि उठाओ, और हे प्राचीन द्वारों , ऊँचे हो जाओ, कि महमिा का राजा प्रवेश कर जाए!'

थयिोटोकोस: हे थओिटोकोस, हमारे परमेश्वर मसीह की माता, आनंदति हो! / जसिे तुमने अपने गर्भ में धारण कयिा, / आज, स्वर्गदूतों के साथ उसे स्वर्ग में आरोहण करते हुए देखकर , / तुमने उसका महमिीकरण कयिा है।

पवत्रि पतिाओं के लिए कैनन। इरमोस: मनुष्यों के लिए ईश्वर को देखना असंभव है :

आपको अपने साथी के रूप में चुनकर , उन्होंने आपको एकत्र कयिा, / आपको पवत्रि आत्मा की सामर्थी शक्ति से सशस्त्र कयिा, / वचन, जो पति के सह-शाश्वत और सह-सहिासनधारी हैं , / सभी युगों से पूर्व वद्यिमान ; / उन्हें आप अब, हे परम पवत्रिों , / स्वर्गीय सेनाओं के साथ अनवरत महमिामय करते हैं। (2)

हे आत्माओं और देहों के चकित्सिक , आपने एरयिस के भयानक वधिर्म के प्रसार को रोका, / सभी के लिए धर्म -चन्हि को भक्तपिूर्वक प्रस्तुत कर; / अब उसी को दृढ़ता से थामे हुए , हम, पुरोहतिगण , / आपकी स्मृति का अनवरत गुणानुवर्णन करते हैं। (2)

महमिा: हे परम प्रकाश , हे ख्रीस्त , मेरी आत्मा को वासनाओं के कुहरे से बचाओ, हे प्रभु , अपने सेवकों की मध्यस्थता से , जन्हिोंने अब यह घोषणा की है कि आप अनारंभ , अकएित, परन्तु सभी के सृष्टकिर्ता , और पति के सह-शाश्वत ईश्वर हैं।

और अब, हे ईश्वर की माता: मृतकों को पुनरुत्थान प्रदान कयिा गया है / हे ईश्वर की माता, सर्वोच्च देवी , तुम्हारे अकल्पनीय और अकथनीय गर्भाधान के द्वारा : / क्योंकि जीवन, देहधारी होकर, तुमसे सभी पर प्रकाशति हुआ / और स्पष्ट रूप से मृत्यु की कठोरता को दूर कर दयिा।

कातावासयिा: हे रानी, माताओं और कुंवारीयों की महमिा, आनंदति हो! / क्योंकि कोई भी वाक्पटु होंठ , / चाहे वे कतिनी भी कुशलता से बोलें , / तुम्हारी महमिा का यथोचति गान नहीं कर सकते ; / हर मन अभभिूत है , / तुम्हारे द्वारा मसीह के जन्म को समझने का प्रयास करते हुए ; / इसलिए हम एक स्वर में तुम्हारी स्तुति करते हैं।

तब: पवत्रि है प्रभु , हमारा परमेश्वर : (3)

रविवार का एक्सापोस्टलिाइरॉन

तबिेरयिास के समुद्र पर, जेबेदी के पुत्र — / नथनेल और पतरस, दो अन्य लोगों के साथ, / और थोमा—एक बार मछली पकड़ने गए थे। / मसीह की आज्ञा पर, अपनी जालें दाहनिी ओर डालकर, / उन्होंने बहुत सारी मछलयिाँ पकड़ीं। / पतरस ने उन्हें पहचानकर उनकी ओर तैरकर गया। / तीसरी बार उनके सामने प्रकट होकर, / उन्होंने उन्हें कोयलों पर भुनी हुई रोटी और मछली दी।

पवत्रि पतिाओं की महमिा: जैसे कि हम आज दव्यि पतिाओं की स्मृति का उत्सव मनाते हैं , / हम आपसे वनिती करते हैं , हे सर्व -दयालु , उनकी मध्यस्थता के माध्यम से : / 'हे प्रभु , अपने लोगों को संप्रदायकि भ्रांतयिों के सभी नुकसान से बचाएँ , / और यह अनुग्रह करें कि सभी महमिा करें / पति, वचन, और सर्व -पवत्रि आत्मा की!'

और अब, स्वर्गारोहण के पर्व पर: जब शष्यि तुझ पर नहिार रहे थे , हे मसीह, तू पति के पास स्वर्गारोहण कर गया, उनके साथ बैठने के लिए। जबकि स्वर्गदूत , आगे बढ़ते हुए , पुकार उठे : 'अपने सरि उठाओ, उन्हें उठाओ, क्योंकि राजा महमिा के प्रथम प्रकाश में आरोहण कर गया!'

ईस्टर के बाद का सातवाँ सप्ताह

'स्तुति' पर, स्तोम 8 में स्तिखिरा
रविवार के स्टिखेरा, स्वर 6

हे प्रभु, तेरा क्रूस, / तेरी प्रजा के लिए जीवन और पुनरुत्थान है; / और उस पर भरोसा करके, / हम तुझसे, हमारे जी उठे ईश्वर, गाते हैं: / 'हम पर दया कर!'

हे प्रभु, तेरी कब्र ने / मानव जाति के लिए स्वर्ग का द्वार खोल दिया है; / और, क्षय से मुक्त होकर, / हम तुझसे, हमारे जी उठे ईश्वर, गाते हैं: / 'हम पर दया कर!'

पिता और आत्मा के साथ, हम मसीह के विषय में गाएँ, / जो मरे हुओं में से जी उठे, / और हम उस से पुकारें: / 'हे प्रभु, तू हमारा जीवन और हमारा पुनरुत्थान है। / हम पर दया कर!'

हे मसीह, तीसरे दिन तू कब्र से उठ खड़ा हुआ, / जैसा लिखा है, / और अपने साथ हमारे पूर्वजों को भी जिला उठा। / इसलिये मानव जाति तुझे महिमा देती है / और तेरे पुनरुत्थान का गीत गाती है।

पवित्र पिताओं के अन्य स्टिचैरा, स्वर 6

मन की सभी कलाओं को एकत्र करके, / और दिव्य आत्मा के साथ एकता में अपना अनुसंधान करके, / पूजनीय पितरों ने दिव्य रूप से प्रेरित शब्दों के साथ / स्वर्गीय और पवित्र विश्वास-चिन्ह को अंकित किया। / उसमें वे सबसे स्पष्ट रूप से सिखाते हैं / कि वचन पिता के सह-शाश्वत हैं / और सभी सच्चाई में उनसे एकसार हैं, / खुले तौर पर प्रेरितों की शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए, / महिमामय, सर्व-धन्य, और वास्तव में ईश्वर-ज्ञानी पिताओं ने।

सभी ने पवित्र आत्मा की अदेह करिण प्राप्त कर, / परम अलौकिक भविष्यवाणी / दिव्य प्रेरित धन्य पितरों द्वारा, संक्षिप्त शब्दों में और महान बुद्धिमानी से, / मसीह के प्रचारकों के रूप में, कही गई, / सुसमाचार की शिक्षाओं और धर्मपरायण परंपराओं के रक्षक, / जिन्होंने स्पष्ट रूप से स्वर्ग से इसका प्रकाशन प्राप्त किया / और, प्रबुद्ध होकर, विश्वास की परिभाषा प्रस्तुत की, / जैसा कि ईश्वर ने सिखाया।

पद: धन्य है आप, हे प्रभु, हमारे पूर्वजों के परमेश्वर, और आपका नाम युगानुयुग प्रशंसित और महिमामय हो। दान 3:26

चरागाह की कला को एकत्र करके / और अब, परम धर्मी क्रोध से प्रेरित होकर, / सभी न्याय के साथ, क्रूर और विनाशकारी भेड़ियों को भगाकर, / उन्हें आत्मा के गुलेल से कलीसिया की देह से बाहर निकालकर, / जैसे मृत्यु में पड़े हुए और जैसे एक असाध्य रोग से पीड़ित, / ये दैवी चरवाहे, / मसीह के सच्चे सेवकों के रूप में / और दिव्य प्रचार के रहस्यों के / सबसे पवित्र सेवकों के रूप में।

पद: उसके संतों को उसके पास इकट्ठा करो, जिन्होंने बलिदानों के विषय में उसके साथ वाचा की है। भजन संहिता 49:5

और फिर पहला स्टिचैरा: मन की सभी कलाओं को एकत्र करके, / और दिव्य आत्मा के साथ मिलकर शोध करके, / स्वर्गीय और पवित्र विश्वास का प्रतीक / आदरणीय पितृगणों द्वारा दिव्य प्रेरित शब्दों से अंकित किया गया। / इसमें वे सबसे स्पष्ट रूप से सिखाते हैं / कि वचन पिता के सह-शाश्वत हैं / और सभी सच्चाई में उनसे एकसार हैं, / खुले तौर पर प्रेरितों की शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए, / जो महिमामय, सर्व-धन्य, और वास्तव में ईश्वर-परायण-ज्ञानी हैं।

महिमा, स्वर 8: पवित्र पिताओं का समूह, / जो ब्रह्मांड के छोरों से एकत्रित हुआ, / ने पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा की एकल प्रकृति और सार को / धर्मशास्त्र के रूप में घोषित किया, / और स्पष्ट रूप से चर्च को / धर्मशास्त्र का रहस्य सौंपा। / उन्हें स्तुति करते हुए, आओ हम विश्वास के साथ उनकी महिमा करें, पुकारते हुए: / 'हे दिव्य सेना, / प्रभु की सेना के धर्मशास्त्री योद्धा, / अद्रव्य गगन के दीप्त तारे, / रहस्यमय सियोन के अभेद्य मीनार, / मूर्र से सुगंधित स्वर्गीय फूल, / वचन के स्वर्ण ओठ, / निकाया की स्तुति, ब्रह्मांड की शोभा! / हमारी आत्माओं के लिए विनम्रतापूर्वक मध्यस्थता करो!'

और अब, स्वर 2: धन्यतम हो तुम , हे ईश्वर की कुँवारी माता:
एक महान स्तुति -गीत।

रविवार का ट्रॉपारयिन

कब्र से उठकर, तूने नरक के बंधन तोड़ दिए हैं , / और हे प्रभु , मृत्यु की सज़ा को समाप्त कर दिया है , / शत्रु के जालों से सभी को मुक्ति देते हुए ; / और अपने प्रेरितों के सामने प्रकट होकर, / तूने उन्हें प्रचार करने के लिए भेजा , / और उनके द्वारा संपूर्ण जगत को शांति प्रदान की है , / हे एकमात्र , परम दयालु।

एक्टेनिया और समापन।

पहले घंटे पर
महिमा, और अब:
सुसमाचार मैटिन्स स्टिचेरा 10, स्वर 6

हे मसीह, आपसे बिछुड़ने के दुख से , जैसा कि स्वाभाविक है , शोकाकुल होकर, / शिष्य अपने काम पर लौट आए; / और फिर से – नावें , जाल, और कुछ भी नहीं मिला। / परन्तु हे उद्धारकर्ता , आप सर्व के प्रभु के रूप में प्रकट हुए , / और आपने उन्हें नाव के दाहिनी ओर अपना जाल डालने की आज्ञा दी, / और वचन तुरंत ही कर्म में परिणत हुआ : / और मछलियों की एक बड़ी भीड़ , / और पृथ्वी पर एक असाधारण भोज तैयार हुआ। / जैसे तब आपके शिष्यों ने इसका सेवन किया था, / वैसे ही हे मानव-प्रेमी प्रभु ! अनुग्रह कीजिए कि हम भी अब आत्मा में इसका सेवन करें।

और अंतिम विदाई।

लिटिजी में

टोन 6 धन्य हैं

हे मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर , मुझको याद रखना, / जब तू अपने राज्य में आएगा, / और हे मानवता से प्रेम करने वाले एकमात्र प्रभु , मेरा उद्धार कर।

आदम, जो वृक्ष से धोखा खा गया था, / उसे आपने क्रूस के वृक्ष द्वारा फिर से बचाया, / जैसे आपने उस चोर को भी बचाया जिसने पुकारा था: / 'हे प्रभु , अपने राज्य में मुझको याद करना!'

नरक के द्वार और बोल्ट तोड़कर , हे जीवन के दाता, / आपने , हे उद्धारकर्ता , उन सभी मृतकों को जिला उठा जिन्होंने पुकारा : / 'आपके पुनरुत्थान को महिमा हो!'

मुझे याद करो, हे अपने दफ़न द्वारा मृत्यु के विजेता , / और अपने पुनरुत्थान द्वारा , सभी को आनंद से भरने वाले , / हे दयालु।

और आरोहण के कैनन से
ओड 4, चार भागों में , स्वर 5

हे स्वर्गदूतों के राजा, तू महिमा में आरोहण किया, / हमें पिता से सांत्वनादाता भेजने के लिए; / इसलिये हम पुकारते हैं : / 'हे मसीह, तेरे आरोहण की महिमा!'

जब उद्धारकर्ता देह में पिता के पास आरोहण किए, / स्वर्गदूतों के दल उन पर विस्मित हो पुकार उठे : / 'महिमा तुझको , हे ख्रीस्त , तेरे आरोहण के लिए!'

निचले स्वर्गदूतों ने ऊपरी स्वर्गदूतों से पुकारा : / 'हे द्वारों , अपने सिर ऊँचे करो, क्योंकि मसीह, हमारे राजा, / जिनकी हम पिता और आत्मा के साथ स्तुति करते हैं !'

थियोटोकोस: कुँवारी ने प्रसव कयि, फरि भी उन्हें माताओं जैसी कोई अनुभूति नहीं हुई ;/ फरि भी वह वास्तव में माता हैं ,/ यद्यपि वह कुँवारी ही रहीं। /उनके बारे में गाते हुए ,हम पुकारते हैं :/'हे परमेश्वर की माता, आनन्दति हो!'

और पत्रिसभ के कैनन से
गीत 6, चार भागों में ,स्वर 6

वह अकथनीय के कार्य से छपि नहीं सका,/ खर-पतवार बोने वाला, जो पागलपन का नाम धारण करता है :/ क्योंकि ,यहूदा से ईर्ष्या करके ,/ उसके समान, वह अलग हो गया, सबसे दुष्ट।

पवित्र ,सम्माननीय पित्र -परंपरा /आपको, हे प्रभु ,घोषति करती है ,/ एकमात्र जन्मे प्रकाश के रूप में ,/ जो पिता के अस्तित्व से प्रकट हुए /और सभी युगों से पूर्व जन्मे।

महिमा: वह गर्भ ,जिसने निकिला /धर्मद्रोह का स्रोत —धूमलि और पीने के अयोग्य —/ उसे ,जैसा कहा जाता है ,जोतकर खोल दयि गया /ईश्वर -प्रेरति पुरोहतिों की प्रार्थनाओं की हल से ,/ ईश्वर की व्यवस्था के अनुसार।

और अब, हे परमेश्वर की माता: भवष्यिवक्ताओं में सबसे महान मूसा ने ,/ पुराने समय से ही आपके वषिय में लखिा था कि आप नौका, /मेज़ ,दीपकदान और मन्ना का पात्र हैं ,/ जो रूपक रूप में परमप्रभु के /आपके से ,हे कुँवारी माता, अवतार की ओर संकेत करता है।

प्रवेश करते समय, रविवार का ट्रॉपारयिन ,स्वर 6

देवदूतों की सेनाएँ तेरी कब्र के पास खड़ी थीं ,/ और जो लोग उसकी पहरेदारी कर रहे थे वे मृतक की भाँति गरि पड़े ,/ जबकि मरियम कब्र में खड़ी थी /तेरे परम पवित्र शरीर की खोज में। /तूने नरक को खाली कर दयि, उससे कोई हानि पहुँचाकर ,/ तूने जीवन-दात्री कुँवारी से भेंट की। /हे प्रभु ,मृतकों में से जी उठे ,तेरी महिमा हो!

स्वर्गारोहण का ट्रॉपारयिन ,स्वर 4

हे मसीह हमारे परमेश्वर ,तू महिमा में स्वर्गारोहण हुआ ,/ और पवित्र आत्मा के वचन द्वारा /अपने शष्यिों को आनंद से भर दयि, /और अपनी आशीष से उन्हें यह पुष्टि दी /कि तू परमेश्वर का पुत्र ,संसार का उद्धारकर्ता है।

पवित्र पतिाओं का ट्रॉपारयिन ,स्वर 8

आप परम महिमामय हैं ,हे मसीह हमारे ईश्वर ,/ जन्होंने हमारे पूर्वजों को पृथ्वी पर प्रकाशस्तंभ के रूप में स्थापति कयि, /और उनके माध्यम से हम सभी का मार्गदर्शन सच्चे वश्विास के पथ पर कयि, /हे परम दयालु ,महिमा आपको!

महिमा, पवित्र पतिाओं का कोंटाकयिन ,स्वर 8

प्रेरतिों और पतिरों का उपदेश ने धर्मसद्धिान्तों /और कलीसयि के लिए एक ही वश्विास की स्थापना की; /और वह, सत्य के वस्त्र से भूषति ,/ जो स्वर्गीय धर्मशास्त्र से बुना गया है ,/ धर्म की महान रहस्य को यथोचति रूप से सखिाती और महिमामय करती है।

और अब, आरोहण का कोंटाकयिन ,स्वर 6

हमारे उद्धार की संपूर्ण योजना को पूरा करके ,/ और पृथ्वी पर जो कुछ है उसे स्वर्ग में जो कुछ है उसके साथ मलिाकर, /हे ख्रीस्त ,हमारे परमेश्वर ,तू महिमा में स्वर्गारोहण हुआ ,/ हमें बलिकुल भी अकेला न छोड़कर ,बल्कि हमसे अवभिाज्य रूप से नविास करते हुए /और तुझसे प्रेम करने वालों को पुकारते हुए :/'मैं तुम्हारे साथ हूँ ,और कोई भी तुम्हारे वरिुद्ध नहीं है !'

प्रोकेइमेनन , स्वर 4, पतिृगण का एक भजन

धन्य हैं आप, हे प्रभु , हमारे पूर्वजों के परमेश्वर , / और आपका नाम युगानुयुग प्रशंसति और महमिामय हो। **श्लोक :** क्योंकि आप ने हमारे लिए जो कुछ भी कयिा है , उसमें आप धर्मी हैं। दान 3:26, 27क

पवत्रि प्रेरतिों के काम, अध्याय 44

उस समय पौलुस ने एफ़सिुस से होकर न जाने का नश्चिय कयिा, ताकि वह एशयिा में अपने प्रवास में वलिंब न करे ; क्योंकि वह पेंटेकोस्त के दनि तक, यदि संभव हो, यरूशलेम में पहुँचने के लिए जल्दी कर रहा था। मलिटिस से उसने एफसिुस में समाचार भेजकर कलीसयिा के बुज़ुर्गों को बुलाया ; और जब वे उसके पास आए, तो उसने उनसे कहा: 'अपना और उस पूरे झुंड का ध्यान रखना, जसिके लिए पवत्रि आत्मा ने तुम्हें नगिरां नयिुक्त कयिा है , ताकि तुम परमेश्वर की कलीसयिा का चरवाहा बनो, जसिे उसने अपने ही लहू से मोल लयिा है। क्योंकि मैं जानता हूँ कि मेरी वदिाई के बाद, क्रूर भेड़यिे तुम्हारे बीच में आ जाएँगे , और झुंड को नहीं बख्शेंगे ; और तुम्हारे ही बीच से ऐसे लोग उठ खड़े होंगे जो टेढ़ी -टेढ़ी बातें बोलेंगे , ताकि चेले उन्हें पीछे कर लें। इसलिए चौकस रहो, और यह याद रखो कि तीन वर्ष तक, दनि-रात, मैं हर एक को आँसुओं के साथ समझाता रहा। और अब, भाइयो, मैं तुम्हें परमेश्वर और उसकी कृपा के वचन के हवाले करता हूँ , जो तुम्हें दृढ़ करने और पवत्रि कए हुए सब लोगों के बीच तुम्हें एक वरिासत देने में समर्थ है। मैंने कसिी से न चाँदी , न सोना और न ही वस्त्र चाहा है : तुम स्वयं जानते हो कि इन ही हाथों ने मेरी और मेरे साथयिों की ज़रूरतों को पूरा कयिा है। मैंने हर बात में तुम्हें दखिाया है कि इसी तरह काम करके हमें कमज़ोरों की सहायता करनी चाहिए और प्रभु यीशु के वचन को याद रखना चाहिए, क्योंकि उन्होंने स्वयं कहा था, 'प्राप्त करने से देना अधकि धन्य है। ' यह कहकर, वह घुटनों के बल झुककर उन सबके साथ प्रार्थना करने लगा।

प्रेरतिों के काम 20:16–18A; 28–36

आल्लेलुया , स्वर 1

पद: परमेश् वर , देवताओं के परमेश् वर ने , वचन कहा और सूर्य के उदय से अस्त तक पृथ्वी को बुलाया। **पद:** उसके पवत्रि जन उसके पास इकट्ठा हों , जन्हिोंने बलदिान के वषिय में उसके साथ वाचा की है। भजन संहति 49:1, 5

यूहन्ना के अनुसार सुसमाचार , अध्याय 56

उन दनिों , यीशु ने स्वर्ग की ओर अपनी आँखें उठाईं और कहा: 'हे पति, घड़ी आ पहुँची है ; अपने पुत्र को महमिामय बना, ताकि पुत्र भी तुझे महमिामय बनाए, क्योंकि तूने उसे सब मनुष्यों पर अधकिार दयिा है , कि वह उन सब को अनंत जीवन दे जन्हिें तूने उसे दयिा है। और यह अनंत जीवन है , कि वे तुझे , एकमात्र सच्चे परमेश्वर को, और उस यीशु मसीह को जसिे तूने भेजा है , जानें। मैंने पृथ्वी पर तेरा महमिा कयिा है , और उस काम को पूरा कयिा है जो तूने मुझे करने के लिए दयिा था। और अब, हे पति, अपनी उपस्थति में मेरी महमिा कर, उस महमिा से जो संसार के आरंभ से पहले मेरी तेरे साथ थी। मैंने उन लोगों को आपका नाम बता दयिा है जन्हिें आपने मुझे संसार से दयिा है ; वे आपके थे , और आपने उन्हें मुझे दयिा है , और उन्होंने आपके वचन को माना है। अब वे यह जान गए हैं कि जो कुछ भी आपने मुझे दयिा है , वह सब आपके ही पास से आया है , क्योंकि जो वचन आपने मुझे दए हैं , मैंने उन्हें दे दयिा है , और उन्होंने उन्हें ग्रहण कर लयिा है , और उन्होंने सचमुच यह समझ लयिा है कि मैं आपसे ही नकिला हूँ , और उन्होंने यह वश्वास कर लयिा है कि आपने मुझे भेजा है। मैं उनकी प्रार्थना करता हूँ : मैं सारी दुनयिा के लिए प्रार्थना नहीं करता, बल्कि

उन लोगों के लिए प्रार्थना करता हूँ जिन्हें आपने मुझे दिया है, क्योंकि वे आपके हैं। और जो कुछ भी मेरा है वह आपका है, और जो कुछ भी आपका है वह मेरा है; और मैं उनमें महिमामय हुआ हूँ। मैं अब संसार में नहीं हूँ, पर वे संसार में हैं, और मैं तेरे पास आ रहा हूँ। हे पवित्र पिता! जिन्हें तूने मुझे दिया है, उन्हें तेरे नाम में रखना, ताकि वे एक हों, जैसे हम एक हैं। जब मैं संसार में उनके साथ था, तब मैं उन्हें तेरे नाम में सुरक्षित रखता था; जिन्हें तूने मुझे दिया है, मैं उन्हें सुरक्षित रखता रहा, और उनमें से कोई भी खोया नहीं, सिवाय विनाश के पुत्र के, ताकि शास्त्र पूरा हो जाए। अब मैं तेरे पास आ रहा हूँ, और मैं ये बातें संसार में इसलिए कहता हूँ, ताकि वे मुझमें अपनी परिपूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

यूहन्ना 17:1–13

समुदाय

स्वर्ग से प्रभु की स्तुति करो, / ऊँचाइयों में उसकी स्तुति करो। **एक और:** हे धर्मी लोग, प्रभु में आनन्दित होओ / – धर्मी लोगों के लिए स्तुति उपयुक्त है। / हल्लेलूया। **(3)**

भजन संहिता 148:1, 32:1

पवित्र पिताओं के रविवार को संध्या समय

'हे प्रभु, मैं पुकारा हूँ:' पर हम स्वर 6 में स्तिखिरा गाते हैं। पवित्र पिताओं के लिए, स्वर 6, 'जो निराश हो गई थी:' के समान।

तू भोर के तारे से पहले गर्भ से जन्म लिया: / पिता से बिना माता के सभी युगों से पहले। / यद्यपि अरिअस तुझे एक प्राणी मानता है, परमेश्वर नहीं, / अपने पागलपन में तुझे, सृष्टिकर्ता को, प्राणियों में गिनने का दुस्साहस करता है, / और इस प्रकार अपने लिए अनंतकाल की आग के लिए ईंधन इकट्ठा करता है। / परन्तु नीकिया में एकत्रित परिषद ने / हे प्रभु, तुझे परमेश्वर का पुत्र घोषित किया, / पिता और आत्मा के साथ सह-आसीन।

'किसने आपके वस्त्र फाड़े, हे उद्धारकर्ता?' / – 'एरियस,' आपने कहा, 'जिसने आरंभ को, जो त्रिमूर्ति के समान सम्मानित है, विभागों में विभाजित कर दिया है।' / उसने आपको त्रिमूर्ति का एक सदस्य मानने से इनकार कर दिया, / और वह नेस्टोरियस का अनुसरण करते हुए यह सिखाता है कि आपकी माता को परमेश्वर की माता न कहा जाए। / लेकिन निसिया में आयोजित परिषद ने / हे प्रभु, आपको परमेश्वर का पुत्र घोषित किया, / जो पिता और पवित्र आत्मा के साथ सह-सिंहासन पर विराजमान हैं।

एरियस पाप की खाई में गिरता है, / प्रकाश को न देखने के लिए अपनी आँखें कसकर बंद किए हुए, / और, जैसे कांटे पर टंगे हो, भीतर ही भीतर तड़पता हुआ, / दिव्य शक्ति द्वारा विवश हो जाता है / कि वह जो कुछ भी उसके पास था, और अपनी आत्मा तक, सब कुछ समर्पित कर दे, / विचार और चरित्र में एक और यहूदा बन चुका। / परन्तु निकिया में एकत्रित परिषद ने / हे प्रभु, आपको परमेश्वर का पुत्र घोषित किया, / पिता और पवित्र आत्मा के साथ सह-सिंहासनधारी।

और मेनायोन से तीन स्टिचेरा।

महिमा, स्वर 6: पवित्र आत्मा के रहस्यमय तुरहियाँ – आइए आज हम ईश्वर-वाहक पितृगणों की स्तुति करें, जिन्होंने कलीसिया के भीतर गाया / एक सुसंगत धर्मशास्त्रीय भजन, / जिन्होंने एक त्रिमूर्ति का प्रचार किया, / सार और दिव्यता में अपरिवर्तनीय, /

एरियस के पतनकारी और ऑर्थोडॉक्स के योद्धा , / जो सदैव प्रभु से प्रार्थना करते हैं / हमारी आत्माओं की दया के लिए।

और अब, इस पर्व के दिन, वही स्वर : पवित्र पर्वतों पर तेरे स्वर्गारोहण को देखकर , हे मसीह, जो परमपिता की महिमा का तेज है , हम तेरे मुख के प्रकाशमय स्वरूप का गान करते हैं , हम तेरी पीड़ाओं की उपासना करते हैं , हम पुनरुत्थान का सम्मान करते हैं , महिमामय स्वर्गारोहण की महिमा करते हुए। हम पर दया कर!

'आनंद का प्रकाश :' और दिन का प्रोकीमेनोन : अब प्रभु का धन्यवाद करो:

पिताओं के लिए स्टिचेरा पर स्टिचेरा , स्वर 6

आत्मा की सारी बुद्धि को एकत्र करके , / और दिव्य आत्मा के साथ मिलकर अपनी जाँच - पड़ताल करके , / पूजनीय पितरों ने दिव्य प्रेरित लेखों में / स्वर्गीय और पवित्र विश्वास -चिन्ह को स्थापित किया। / इसमें वे स्पष्ट रूप से सिखाते हैं / कि वचन पिता के साथ सह-शाश्वत है / और सभी सत्य में उनके साथ एकसार है , / खुले तौर पर प्रेरितों की शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए , / महिमामय, सर्व -धन्य , और वास्तव में धर्मपरायण ऋषियों का।

पद: धन्य हैं आप, हे प्रभु , हमारे पूर्वजों के परमेश्वर , और आपका नाम युगानुयुग प्रशंसित और महिमामय हो। दान 3:26

पवित्र आत्मा की अदेह करिण प्राप्त कर, / परम अलौकिक भविष्यवाणी / धन्य पितरों द्वारा कुछ शब्दों में और महान बुद्धिमानी से की गई, / दैवीय रूप से प्रेरित , / मसीह के अग्रदूतों के रूप में , / सुसमाचार की शिक्षाओं और धर्मपरायण परंपराओं के रक्षक , / जिन्होंने स्पष्ट रूप से स्वर्गीय प्रकाशन प्राप्त किया / और, प्रबुद्ध होकर, विश्वास की परिभाषा प्रस्तुत की, / जैसा कि ईश्वर ने सिखाया।

पद: उसके पवित्र जन उसके पास इकट्ठा हों , जिन्होंने बलिदानों के विषय में उसके साथ वाचा की है। भजन संहिता 49:5

चरागाह की कला को एकत्र करके / और अब, परम धर्मी क्रोध से प्रेरित होकर, / सभी न्याय के साथ, उग्र और विनाशकारी भेड़ियों को भगाकर, / उन्हें आत्मा के गुलेल से चर्च की पूर्णता से बाहर फेंककर , / जैसे मृत्यु में पड़े हुए और जैसे एक असाध्य रोग से पीड़ित , / दिव्य चरवाहों , / मसीह के सच्चे सेवकों / और सुसमाचार के दैवीय रहस्यों के सबसे पवित्र सेवकों / के रूप में।

महिमा, स्वर 3: हे पवित्र पितृगण , आपने स्वयं को प्रेरितिक परंपराओं के कठोर रक्षक सिद्ध किया: / क्योंकि आपने पवित्र त्रिमूर्ति की एकसारता को धर्मपरायणता से परिभाषित किया, / आपने धर्मसभा में अरिअस की ईश्वरनिंदा को खारिज कर दिया; / आत्मा -विरोधी मकदूनियस की निंदा करते हुए , / आपने नेस्टोरियस , यूटिकस और डियोस्कोरस , / सेबेलीउस और सिरिंथीन सेवरस को निंदित किया। / हम, उनके धोखे से मुक्त होकर, / प्रार्थना करते हैं कि आप हमारे लिए प्रार्थना करें कि हम विश्वास में अपना निर्दोष जीवन बनाए रखें , / हम आपसे विनती करते हैं।

और अब, इस पर्व के दिन, स्वर 6: परमेश्वर आनन्द के जयकारों के बीच स्वर्गारोहण हुए , / प्रभु तुरहियों की ध्वनि के साथ, / आदम की गिरी हुई प्रतिमा को उठाने के लिए / और आत्मा , सांत्वनादाता को भेजने के लिए, / हमारी आत्माओं के पवित्रिकरण के लिए।

ट्रिसैगियन के बाद, पवित्र पिताओं के लिए एक ट्रॉपारियन , स्वर 8

हे मसीह हमारे परमेश्वर , आप अति महिमामय हैं , / जिन्होंने हमारे पूर्वजों को पृथ्वी पर प्रकाशस्तंभ के रूप में स्थापित किया, / और उनके द्वारा हम सभी को सच्चे विश्वास के मार्ग पर निर्देशित किया, / हे परम दयालु , आपको महिमा!

महिमा: संत के लिए ट्रॉपारियन , यदि कोई हो।

और अब, स्वर्गारोहण पर, स्वर 4

हे मसीह हमारे परमेश्वर ,तू महिमा में स्वर्गारोहण हुआ है ,/ अपने शिष्यों को पवित्र आत्मा के वचन द्वारा आनंद से भरते हुए ,/ उन्हें अपनी आशीष से यह पुष्टि करते हुए / कि तू परमेश्वर का पुत्र ,संसार का उद्धारकर्ता है।

फिर दोहरी एकटेनिया और समापन।

विषय-सूची पर वापस

शुक्रवार को महा संध्या में

हम समय की शुरुआत से सो चुके सभी ऑर्थोडॉक्स ईसाइयों , हमारे पतिरों और भाइयों का स्मरण करते हैं।

परचियात्मक भजन और प्रथागत श्लोकों के बाद, हम 'हे प्रभु , मैंने तुझसे पुकारा ' पर स्वर 6 के लिए स्टचिरा गाते हैं : ऑक्टेइखोस से शहीदों के लिए तीन स्टचिरा , स्वर 6, और ट्रायोडयिन से तीन:

स्वर 6

हे प्रभु , तेरे शहीदों ने तुझे नकार नहीं दयिा, न ही वे तेरी आज्ञाओं से वमिुख हुए ; उनकी मध्यस्थता से , हम पर दया कर!

हे मसीह, तेरे सामर्थ्य से गवाही देते हुए , उन्होंने अनेक यातनाएँ सहन कीं ; उनकी मध्यस्थता और प्रार्थनाओं के द्वारा , हे प्रभु , हम सभी की रक्षा कर।

हे शहीदों , वजिेताओं और स्वर्ग के नागरकिों , / पृथ्वी पर परश्रिम करते हुए , उन्होंने अनेक यातनाएँ सहन कीं / और स्वर्ग में पूर्ण मुकुट प्राप्त कयिा; / वे हमारे प्राणों के लिए मध्यस्थता करें।

स्वर 8

इस दनि, जब हम हर युग के उन सभी मृतकों को नाम से स्मरण करते हैं / जो वश्विास में धार्मकिता से जीवन यापन करते थे , हे वश्विासयिों , आइए हम / उद्धारकर्ता और प्रभु का भजन गाएँ , वनिम्रतापूर्वक नविेदन करते हुए / कि न्याय के समय वे एक अच्छा उत्तर दे सकें / स्वयं हमारे परमेश्वर के सामने , / जो सारी पृथ्वी का न्याय करते हैं , / ताकि वे आनन्द में उनके दाहनि हाथ पर खड़े हों , / धर्मी लोगों के स्थान पर और संतों के उज्ज्वल उत्तराधकिार में , / और उनके स्वर्गीय राज्य के योग्य बन जाएँ।

हे उद्धारकर्ता , जन्हिोंने अपने रक्त से मानवजाति को मुक्त कयिा, / और अपनी मृत्यु से हमें कड़वी मृत्यु से छुड़ाया , / और अपने पुनरुत्थान से हमें अनंत जीवन प्रदान कयिा, / हे प्रभु , उन सभी को वश्विराम प्रदान करें जो भक्तपिूर्वक सो गए हैं , / चाहे वे नर्जिन स्थानों में हों , या नगरों में , या समुद्र में , / या भूमि पर, या कसिी भी स्थान पर: / राजा, पुरोहति , बशिप, / संन्यासी और गृ हस् थ हर युग और हर प्रकार के , / और उन्हें अपना स्वर्गीय राज्य प्रदान करें।

हे मसीह, मृतकों में से तेरे पुनरुत्थान के कारण, / धर्म में मरने वालों पर मृत्यु का अब कोई अधकिार नहीं रहा। / अतः हम वनिम्रतापूर्वक प्रार्थना करते हैं : / अपने सेवकों को अपने प्रांगणों में और अब्राहम की गोद में वश्विराम प्रदान कर, / जन्हिोंने आदम से लेकर आज तक पवत्रिता से तेरी आराधना की है , / हमारे पूर्वजों और भाइयों , / हमारे मत्रिों और संबंधयिों , / प्रत्येक व्यक्ति को जसिने जीवन में नष्ठिापूर्वक आपकी सेवा की, / और जो वभिन्नि और अनेक परस्थितियिों में आप तक चले गए, हे ईश्वर , / और यह अनुग्रह करें कि वे प्राप्त कर सकें / आपका स्वर्गीय राज्य।

महमिा, स्वर 8: मैं रोता और वलिाप करता हूँ , / जब मैं मृत्यु की कल्पना करता हूँ / और कब्रों में पड़ी देखता हूँ / हमारी सुंदरता , जो ईश्वर की प्रतमिा में रची गई थी, / वकिृत , अपमानति और अचन्हिति। / हे आश्चर्य ! / यह कौन सा रहस्य है जो हम पर घटति हुआ है ? / हम

क्षय के हवाले कैसे हो गए हैं ? / हम मृत्यु से कैसे एक हो गए हैं ? / निश्चय ही ईश्वर की आज्ञा से , जैसा लिखा है , / जो प्रस्थान कर चुके हैं उन्हें विश्राम प्रदान करता है।

और अब, हे परमेश्वर की माता, स्वर 6: तुम्हारा महिमामंडन कौन नहीं करेगा , हे सर्व - पवित्र कुँवारी ? / तुमसे कुँवारी जन्म के बारे में कौन नहीं गाएगा? / क्योंकि एकमात्र पुत्र , जो समय से पहले सभी से पूर्व पिता से प्रकाशित हुए , / वही स्वयं तुमसे , हे पवित्र एक, अवर्णनीय रूप से देहधारी होकर, जन्म लिए। / वह स्वभाव से परमेश्वर है , / और हमारे लिए स्वभाव से मनुष्य बना, / दो व्यक्तियों में विभाजित नहीं , / बल्कि दो अविभाजित स्वभावों में जाना जाता है। / उससे प्रार्थना करो, हे पवित्र एक, हे सर्व -धन्य एक, / हमारे आत्माओं की दया के लिए।

धूपदान के साथ प्रवेश। 'आनंद का प्रकाश :'

प्रोकेइमेनोन के स्थान पर
हम स्वर 8 में हलेलुया गाते हैं

अल्लेलूया (3)

श्लोक : धन्य है वह जिसे तूने चुना और अपने समीप कर लिया, हे प्रभु।

पद: और उनकी स्मृति पीढ़ी -दर-पीढ़ी बनी रहती है। तुलना करें भजन संहिता 64:5; 44:18A

स्टिचेरा , स्तोत्रसंग्रह में , स्वर 6

हे प्रभु , तेरा क्रूस शहीदों के लिए एक अजेय हथियार बन गया है , क्योंकि यद्यपि उन्होंने अपने सामने मृत्यु को देखा , फिर भी, आने वाले जीवन की पूर्वदृष्टि से , वे तुझ में अपनी आशा से बलवान हुए ; उनकी प्रार्थनाओं के द्वारा , हम पर दया कर!

पद: उनकी आत्माएँ / आशीर्वादों के बीच निवास करेंगी।

हे उद्धारकर्ता , आपने मुझे अपनी प्रतिमा से सम्मानित किया है — / आपके हाथों की रचना— / भौतिक रूप में चित्रित करके / आपकी अकल्पनीय प्रकृति की समानता, / और हे वचन, आपने मुझे इसका सहभागी बनाया है , / मुझे पृथ्वी के प्राणियों पर शासन करने का पूर्ण अधिकार प्रदान करके। / अतः हे उद्धारकर्ता , अपने सेवकों को जीवितों के आनन्द में / और धर्मी लोगों के निवासों में विश्राम प्रदान करें।

छंद : धन्य हैं वे जिन्हें तूने चुना है / और अपने समीप खींचा है , हे प्रभु।

मुझे आने वाले जीवन की गरिमा प्रदान करने के लिए, / आपने एडेन में एक बगीचा लगाया, / जिसे विभिन्न पौधों से सजाया गया था, / दुख और चिंता से मुक्त , / और यह आज्ञा दी कि मैं , स्वभाव से जटिल, / पृथ्वी पर रहते हुए , स्वर्गदूतों के बराबर, / शाश्वत जीवन का सहभागी बनूँ। / अतः , हे उद्धारकर्ता , जीवितों के देश में अपने सेवकों को / धर्मी लोगों के निवासों में विश्राम प्रदान करें।

महिमा, स्वर 6: आपकी सृजनात्मक आज्ञा / मेरी शुरुआत और नींव बनी: / क्योंकि , मुझे एक जीवित प्राणी बनाने की इच्छा करके , / अदृश्य और दृश्य स्वभावों से , / आपने मेरी देह को पृथ्वी से गढ़ा , / और मुझे अपनी दिव्य और जीवन-प्रदायक श्वास द्वारा एक आत्मा प्रदान की। / इसलिए, हे उद्धारकर्ता , अपने सेवकों को जीवितों की भूमि में विश्राम प्रदान कर, / धर्मी लोगों के निवासों में।

और अब, हे परमेश्वर की माता, वही स्तोत्र : जिसने आपको जन्म दिया, हे मसीह, उसकी मध्यस्थता से , / और आपके शहीदों , / प्रेरितों , भविष्यद्वक्ताओं , धर्मगुरुओं , / पूजनीयों , धर्मी लोगों , और सभी संतों के द्वारा , / अपने स्वर्गीय सेवकों को विश्राम प्रदान करें।

माता-पिता के लिए ट्रिनिटी शनिवार

अब समापन: पवित्र त्रिमूर्ति। महिमा, और अब: परम पवित्र त्रिमूर्ति : हे प्रभु , दया करें। (3) **महिमा, और अब: हमारा पिता: पुरोहित : क्योंकि राज्य तोहारे : पाठक: आमेन।**

ट्रोपारियन , स्वर 8

सर्वोच्च बुद्धि से , मानवता के लिए प्रेम से सभी का शासन करते हुए / और सभी पर हितकर कृपा करते हुए , / हे एकमात्र सृष्टिकर्ता , हे प्रभु , अपनी दासों की आत्माओं को विश्राम प्रदान कर, / क्योंकि उन्होंने तुझ में , / सृष्टिकर्ता , पालनहार, और हमारे ईश्वर में , अपनी आशा रखी है।

महिमा, और अब, थियोतोकोस को: आप में हमारे पास एक दीवार और एक शरणस्थली दोनों हैं , / और एक मध्यस्थ , जो परमेश्वर को प्रिय है , / जिसे आपने , हे थियोतोकोस, विवाह का अनुभव किए बिना जन्म दिया, / विश्वासियों का उद्धार।

लिटानी और समापन।

सांध्य सेवा की समाप्ति के बाद
हम नार्थेक्स में एक स्मरणोत्सव सेवा मनाते हैं

और हम विंगत के लिए कैनन गाते हैं ,
परमपूज्य थियोफांस द्वारा रचित, स्वर 6

इरमोस: जैसे इस्राएल समुद्र से पार हुआ / मानो सूखी भूमि पर, / और अपने उत्पीड़क फिरौन को डूबते देख , / पुकारा : 'आओ हम ईश्वर के लिए विजय-गीत गाएँ !'

स्वर्गीय महलों में , पराक्रमी शहीद / निरन्तर तुझसे प्रार्थना करते हैं , हे मसीह: / कृपा कर कि तेरे विश्वासी , जिन्हें तूने पृथ्वी से उठा लिया है , / शाश्वत आशीर्वादों के योग्य ठहरें।

सभी चीज़ों को व्यवस्थित करने के बाद, तूने मुझे , एक मनुष्य को, / एक जीवित, जटिल प्राणी , / जिसे नम्रता और महानता दोनों प्राप्त हैं , बनाया; / इसलिए, हे उद्धारकर्ता , अपने सेवकों की आत्माओं को विश्राम प्रदान कर।

महिमा: स्वर्ग का नागरिक बनने और उसे संवारने को / आपने आरंभ से मेरे लिए निर्धारित किया, / परन्तु आपकी आज्ञा का उल्लंघन करने के कारण / आपने मुझे उससे बाहर निकाल दिया। / अतः , हे उद्धारकर्ता , अपने सेवकों की आत्माओं को विश्राम प्रदान करें।

और अब, हे परमेश्वर की माता: जिसने सबसे पहले / हमारी पूर्व माता हव्वा को एक पसली से बनाया, / वही पवित्र एक, तेरी निर्मल गर्भ से मांस में परिधानित हुआ है , / जिसके द्वारा / उसने मृत्यु की शक्ति को समाप्त कर दिया है।

ओड 3

इरमोस: हे मेरे प्रभु परमेश्वर , / आप के समान कोई पवित्र नहीं , / हे भले , जिन्होंने आप में विश्वासियों की गरिमा को ऊँचा किया, / और हमें अपनी गवाही की चट्टान पर / स्थापित किया।

हे जीवन दाता, तेरे शहीदों ने धार्मिकता से संघर्ष किया, और तेरे द्वारा विजय के मुकुट से सुसज्जित होकर, वे हम पर, जो इस जीवन से विश्वासियों के पास आए हैं , अनंत मोक्ष प्रदान करते हैं।

पहले तो आपने मुझ भटके हुए को / अनेक चमत्कारों और चिन्हों द्वारा मार्गदर्शन किया, / अंततः आपने दया करके स्वयं को नम्र किया / और मुझे खोजकर पाया तथा बचाया।

महिमा: हे दयामय, कृपा करें कि जो इस क्षणभंगुर संसार के क्षय और नाश से / आप तक पहुँचे हैं, / वे अपने विश्वास और अनुग्रह द्वारा धर्मी ठहरकर, / शाश्वत निवासों में आनंदपूर्वक रहने के योग्य माने जाएँ।

और अब, हे परमेश्वर की माता: आप जैसी निर्मल कोई नहीं है, हे सर्व-पवित्र परमेश्वर की माता, क्योंकि केवल आपने ही प्राचीन काल से अपने गर्भ में सच्चे परमेश्वर को धारण किया, जिन्होंने मृत्यु की शक्ति को समाप्त कर दिया।

सेडालेन, स्वर 6

सचमुच, सब कुछ व्यर्थ है, / और सांसारिक जीवन एक छाया और एक सपना है; / और, वास्तव में, पृथ्वी पर जन्म लेने वाला हर कोई / व्यर्थ में परिश्रम करता है, / जैसा कि धर्मग्रंथ कहता है: / जब हम संसार को प्राप्त कर लेते हैं, / तब हम कब्र में प्रवेश करेंगे, / जहाँ राजा और भिखारी एक साथ लेटे हैं। / अतः, हे मसीह हमारे परमेश्वर, / जो चल बसे हैं उन्हें विश्राम प्रदान करें, / मानव जाति के प्रेमी के रूप में।

महिमा, और अब, परमेश्वर की माता को: हे परमेश्वर की अति पवित्र माता, / जीवन भर मेरा त्याग न करना, / मुझे मानवीय सुरक्षा के भरोसे न छोड़ना, / परन्तु स्वयं मेरी रक्षा करना और मुझ पर दया करना!

ओड 4

इरमोस: 'मसीह मेरी शक्ति है, / ईश्वर और प्रभु', / पवित्र कलीसिया भक्तिपूर्वक गाती है, यह घोषणा करते हुए, / एक शुद्ध मन के साथ / प्रभु में आनंदित होकर।

अत्यधिक प्रचुर बुद्धि का चिह्न दिखाते हुए, / और उपहारों के प्रदान करने में उदार भलाई के साथ, / हे प्रभु, आपने शहीदों के समूह को / स्वर्गदूतों के बीच गिन लिया है।

हे मसीह, यह अनुग्रह कर कि जो तेरे पास गए हैं / वे तेरी अनुपम महिमा को प्राप्त करें, / वहाँ जहाँ आनंदितों का वास है / और शुद्ध हर्ष का स्वर सुनाई देता है।

महिमा: हे परम दयालु, उन लोगों को स्वीकार करो जो आपकी दिव्य शक्ति का गायन करते हैं, जिन्हें आपने पृथ्वी से बुलाया है, उन्हें प्रकाश के पुत्र बनाकर, और पाप के अंधकार को दूर करते हुए।

और अब, हे ईश्वर की माता: अत्यंत शुद्ध पात्र, निर्दोष मंदिर, अत्यंत पवित्र नौका, समर्पण का कुंवारा स्थान, हे याकूब की शोभा, आप स्वयं प्रभु द्वारा अपने लिए चुनी गई हैं।

स्तोत्र 5

इरमोस: हे दयालु, अपनी दिव्य ज्योति से, / उन आत्माओं को प्रेम से प्रकाशित कर जो दिन के आरंभ से ही तुझसे तरसती हैं – मैं प्रार्थना करता हूँ – / ताकि हम तुझे जान सकें, हे परमेश्वर के वचन, सच्चे ईश्वर, / जो हमें पाप के अंधकार से / अपने पास बुलाता है।

पवित्र होमबलि की तरह / और मानव स्वभाव के प्रथम फलों की तरह, / शहीद, जो महिमामय ईश्वर को अर्पित किए गए हैं, / हमें सदा उद्धार प्रदान करते हैं।

हे प्रभु, अपने सो गए हुए विश्वासयोग्य सेवकों को स्वर्गीय निवास और अपने वरदानों की प्राप्ति प्रदान करें, और उन्हें उनके पापों से मुक्ति प्रदान करें।

महिमा: जो स्वभाव से जीवन-दायक हैं , / वास्तव में दया के अथाह सागर! / उन लोगों को प्रदान करें जो आपके राज्य से विदा हो गए हैं , हे दयालु , / हे एकमात्र अमर।

और अब, हे परमेश्वर की माता: जो तुझसे उत्पन्न हुए , हे जगत की स्वामिनी , / जो नाश हो रहे हैं , उनके लिए शक्ति , गीत और उद्धार बन गए हैं , / और जो विश्वास के साथ तुझे महिमा देते हैं , उन्हें नरक के द्वार से मुक्ति देते हैं।

ओद 6

इरमोस: जीवन के समुद्र को देखकर / जो प्रलोभन की लहरों से उफन रहा है , / मैं , तेरी शांतिपूर्ण बंदरगाह में शरण लेकर , तुझसे पुकारता हूँ : / 'हे परम दयालु , मेरे जीवन को विनाश से बचा!'

सलीब पर चढ़ाए जाकर, / आपने शहीदों की सेना को अपने पास एकत्रित किया, / जिन्होंने हे दयालु , आपके दुख को अनुकरण किया। / अतः हम आपसे विनती करते हैं : / 'उनको विश्राम प्रदान करें जो अब आपमें समाहित हो गए हैं !'

जब तू अपनी अनुपम महिमा के साथ आएगा, और सभी को भयभीत कर देगा , संपूर्ण संसार पर न्याय करने के लिए, हे उद्धारकर्ता , यह अनुग्रह कर कि जिन्हें तू पृथ्वी से ग्रहण कर चुका है , तेरे विश्वासयोग्य सेवकों को, वे आनंदपूर्वक मेघों में तुझसे मिलें।

महिमा: हे प्रभु , जीवन के सच्चे स्रोत , / जो दैवीय साहस से / बंदियों को स्वतंत्रता की ओर ले जाते हैं ! / कृपा करें कि आपके सेवक , जो विश्वास में आप तक पहुँच गए हैं , / स्वर्ग के आनंद में निवास करें।

और अब, हे ईश्वर की माता: हम पृथ्वी पर लौट आए हैं , / ईश्वर की दिव्य आज्ञा को तोड़कर ; / परन्तु आपके द्वारा , हे कुँवारी , / हमें पृथ्वी से स्वर्ग तक उठाया गया है , / नश्वर क्षय को त्यागकर।

कॉन्टाकियन , स्वर 8

हे ख्रीस्त , संतों के साथ विश्राम प्रदान कर, / अपने दासों की आत्माओं को, / जहाँ न पीड़ा है , न शोक, न कराह, / बल्कि अनंत जीवन है।

इकोस: तुम स्वयं एकमात्र अमर हो, / जिन्होंने मनुष्य को गढ़ा और बनाया: / परन्तु हम, नश्वर होते हुए , पृथ्वी से बने हैं , / और उसी पृथ्वी पर लौटेंगे , / जैसा तुमने आज्ञा दी, मुझे बनाकर और मुझसे कहा: / 'तू धूलि है , और धूलि में ही लौट जाएगा', / जहाँ हम सभी नश्वर लोग जाएँगे , / कब्र पर अपने शोक को 'आल्लेलुया !' के गीत में बदलते हुए।

गीत 7

इरमोस: देवदूत ने भट्टी को / धर्मात्मा युवकों के लिए ओस का स्थान बना दिया, / और ईश्वर की आज्ञा , जिसने काल्दीयों को झुलसा दिया, / ने यातना देने वाले को यह पुकारने पर मजबूर कर दिया: / 'धन्य हैं आप, हमारे पूर्वजों के हे ईश्वर !'

शहीदों ने , जो तेरे लहू से प्रथम उल्लंघन से मुक्त हुए / और अपने ही लहू से सिंचित हैं , / स्पष्ट रूप से तेरी बलिदान को दर्शाते हैं। / धन्य है तू , हे हमारे पूर्वजों के परमेश्वर !

हे वचन, जीवन के स्रोत , तूने एक क्रूर मृत्यु का अंत किया है , / और अब, हे मसीह, विगत की आस्था को स्वीकार कर, / जो गाते और पुकारते हैं : / 'धन्य है तू , हे हमारे पूर्वजों के परमेश्वर !'

महिमा: हे प्रभु , जो सर्व दिव्यता का स्रोत हैं , आपने मुझे , एक मनुष्य को, अपने दैवीय श्वास से एक आत्मा प्रदान की! हे उद्धारकर्ता , जो लोग परलोक सिधार गए हैं ,

उन्हें अपने राज्य के योग्य बनाएं, ताकि वे आपको गा सकें: 'हे हमारे पूर्वजों के परमेश्वर, धन्य हैं आप!'

और अब, थियोटोकोस (ईश्वरजननी) को: सभी सृष्टि से ऊपर / तुमने महिमा प्राप्त की है, हे निर्मल एक, / ईश्वर को गर्भ में धारण करके, जिसने मृत्यु के द्वारों को कुचल दिया / और उनके द्वार-पालों को तोड़ दिया; / इसलिए, हे पवित्र एक, हम, विश्वासियों, / तुम्हें गीतों में ईश्वर की माता के रूप में महिमा देते हैं।

भजन ८

इरमोस: अग्नि से तूने धर्मनिष्ठों के लिए ओस बहाई, / और जल से तूने धर्मी की बलि बुझाई: / क्योंकि हे मसीह, तू अपनी एकमात्र इच्छा से सब कुछ करता है। / हम तुझे युगानुयुग महिमान्वित करते हैं।

अपने कर्मों में दृढ़ता दिखाकर, / तुम विजय के मुकुट से विभूषित हुए हो, / हे मसीह के शहीदों, विश्वास के लिए पीड़ितों, और तुम उद्घोष करते हो: / 'हे मसीह, हम सदा-सर्वदा तेरा गुणगान करते हैं!'

उन विश्वासियों को कृपापूर्वक स्वीकार करें जो श्रद्धापूर्वक इस जीवन से विदा हो गए हैं / और हे प्रभु, आप तक पहुँच गए हैं, / उन्हें विश्राम प्रदान करें, क्योंकि आप दयालु हैं, / जो आपको, हे मसीह, युगानुयुग महिमामय करते हैं।

महिमा: हे उद्धारकर्ता, अब यह अनुग्रह करें कि जो सभी हमसे पहले निद्रामग्न हुए हैं / वे पृथ्वी पर शान्ति में निवास करें, / क्योंकि वे आप में विश्वास और आपकी कृपा से धर्मी ठहरे हैं, / और वे आपको युगानुयुग महिमान्वित करते हैं।

और अब, ईश्वर की माता को: हम सभी आपकी स्तुति करते हैं, सर्व-धन्य, / जिन्होंने स्वभाव से धन्य वचन को जन्म दिया, / जो हमारे लिए देहधारी हुए; / हम उनकी महिमा युगों-युगों तक करते हैं।

भजन 9

इरमोस: मनुष्यों के लिए ईश्वर को देखना असंभव है, / जिसे स्वर्गदूतों की सेनाएँ भी निहारने का साहस नहीं करतीं; / परन्तु आपके द्वारा, हे सर्व-पवित्र, / अवतारधारी वचन मनुष्यों के लिए दृश्यमान हो गए हैं। / उनकी महिमा करते हुए, / हम, स्वर्गीय सेनाओं के साथ मिलकर, / आपकी स्तुति करते हैं।

शहीदों के समूह की आशा ने उन्हें बल दिया है / और उन्हें भक्तिपूर्वक तेरे प्रति प्रेम से प्रेरित किया है, / क्योंकि उसने उनके लिए एक अटूट भविष्य के विश्राम की सच्ची पूर्व-छाया प्रस्तुत की है; / हे सद्गुणी, कृपा कर कि जो विश्वासियों का निधन हो चुका है, / वे उसे प्राप्त करने के योग्य माने जाएँ।

हे मसीह, कृपा करें कि जो विश्वास में प्रस्थान कर गए हैं, वे तेरा उज्ज्वल और दिव्य प्रकाश प्राप्त करें, और अब्राहम की गोद में विश्राम पाएं, क्योंकि तू, एकमात्र दयालु, उन पर कृपा करता है और उन्हें शाश्वत आनंद प्रदान करता है।

महिमा: हे स्वभाव से भले और दयालु, / और हे दया के गर्त, जो सभी के लिए दया चाहते हैं! / जिन्हें आपने इस विपत्ति के स्थान और मृत्यु की छाया से उठा लिया है, / हे उद्धारकर्ता, उन्हें वहीं बसा दीजिए, / जहाँ आपकी ज्योति चमकती है।

और अब, हे परमेश्वर की माता: हम आपको, हे पवित्र एक, / पवित्र निवास, / करुणा के विधान का सन्दूक, और पट्टिका के रूप में स्वीकार करते हैं: / क्योंकि आपके द्वारा क्षमा प्रदान की जाती है / उन लोगों को जो उस के लहू से धर्मी ठहराए गए हैं जो आपके गर्भ से अवतार लिए थे, हे सर्व-पवित्र एक।

माता-पिता के लिए ट्रिनिटी शनिवार

शनिवार को भोर की प्रार्थना में

छठे भजन के बाद
हम स्वर 8 में हलेलुया गाते हैं

अल्लेलूया (3)

स्टिचा : धन्य है वह जिसे तूने चुना और अपने समीप खींचा , हे प्रभु।

छंद : और उनकी स्मृति पीढ़ी -दर-पीढ़ी बनी रहती है।

तुलना करें भजन संहिता 64:5; 44:18A

ट्रोपारियन , स्वर 8, दो बार

सर्वोच्च बुद्धि से , मानवता के लिए प्रेम से सभी का शासन करते हुए / और सभी पर हितकारी कृपा करते हुए , / हे एकमात्र सृष्टिकर्ता , हे प्रभु , अपनी दासों की आत्माओं को विश्राम प्रदान करें , / क्योंकि उन्होंने आप में अपनी आशा रखी है , / हे सृष्टिकर्ता , हे पालनहार, और हमारे परमेश्वर।

महिमा, और अब, थियोटोकोस को: हम में तोहार में एगो दीवार आ एगो शरण दुनो बा, / आ एगो मध्यस्थ , जे परमेश्वर के प्रति बा, / जेकरा के तू , हे थियोटोकोस, बिना विवाह के जन्म दिहलऽ, / विश्वासियन के उद्धार।

और सामान्य स्टिचेरा।

सेडलना के पहले स्टिचेरा के अनुसार , स्वर 6

योद्धाओं का स्वभाव है पराक्रम दिखाते हुए प्रतिरोध करना, / और अत्याचारियों का स्वभाव है शहीदों को यातना देना ; / और निराकारों की सेना खड़ी थी, / विजय के पुरस्कार थामे हुए। / बुद्धिमानों ने अत्याचारियों और राजाओं को चकित किया, / और मसीह की स्वीकारोक्ति के द्वारा महान को उखाड़ फेंका। / हे प्रभु , जिन्होंने उन्हें बल दिया, महिमा तेरी हो!

पद: परमेश् वर अपने पवित्र जनो में अद्भुत है , / इस्राएल का परमेश् वर। भजन संहिता 67:36A

हे पवित्रजनो , तपस्वी बनकर संघर्ष सहने के बाद, / और आपसे विजय का इनाम पाने के बाद, / उन्होंने अधर्मीयों की साजिशों को समाप्त कर दिया, / और अक्षय जीवन के मुकुट प्राप्त किए। / उनकी प् रार् थनाओं से , हे ईश्वर , हमारी आत्माओं को बचाइए।

प्रत्युत्तर -श्लोक : धर्मी ने पुकारा – / और प्रभु ने उनकी सुनी। भजन संहिता 33:18क

हे प्रभु , तेरे संतों की स्मृति , / उस स्वर्ग के समान है जो कभी ईडन में था: / क्योंकि सारी सृष्टि इसके कारण आनंदित होती है ; / हमें भी, उनकी मध्यस्थता द्वारा , / शांति और महान दया प्रदान कर।

महिमा: चुने हुए निवासों में और जीवितों की भूमि में , हे यीशु , जिन्हें तूने स्वीकार किया है , कृपा कर कि जो भक्तिपूर्वक सो गए हैं वे वहाँ निवास करें , क्योंकि तू मेल करने में शीघ्र स्वभाव वाला ईश्वर है , और उन्हें अपनी अक्षय ज्योति से भर दे और उन्हें अपनी स्वर्गीय आनंद के योग्य बना दे।

और अब, हे ईश्वर की माता: धन्य को अपनी माता कहकर, / आप अपनी स्वेच्छा से दुख सहने आए, / क्रूस पर प्रकाशमान होकर, आदम को खोजने की इच्छा से , / और स्वर्गदूतों से घोषणा करते हुए : 'मेरे साथ आनन्द मनाओ, / क्योंकि खोई हुई द्राक्मा मिल गई है !' / हे ईश्वर , जो सभी चीजों को बुद्धिमानी से व्यवस्थित करते हैं , महिमा आपको हो!

हम 'निर्दोषों ' का भी गायन करते हैं , उन्हें दो छंदों में विभाजित करते हुए , और उनके अंत में :

निधनोपरांत ट्रोपारिया , स्वर 5

पुनरावर्तन : धन्य हैं आप, हे प्रभु , / मुझे अपने आज्ञाओं की शिक्षा दें।

संतों का कोरस जीवन का फव्वारा और स्वर्ग का द्वार पा चुका है ; / हे प्रभु , मुझे भी पश्चाताप का मार्ग दिखा। / मैं खोया हुआ भेड़ का बच्चा हूँ ; / हे उद्धारकर्ता , मुझे बुलाओ और मुझे बचाओ!

पुनरावर्तन : धन्य हैं आप, हे प्रभु , / मुझे अपने आज्ञाएँ सिखाइए।

जो परमेश्वर के मेम्ने की घोषणा करते थे / और मेम्नों की तरह वध किए गए, / और जो, हे संतों , उस जीवन में प्रवेश कर गए जो कभी फीका नहीं पड़ता , / और अनंतकाल में चले गए, / वे , हे शहीदों , उससे विनती करते हैं , / कि हमें हमारे पापों की क्षमा प्रदान करें।

पुनरावर्तन : धन्य हैं आप, हे प्रभु , / मुझे अपने आज्ञा -नियम सिखाइए।

हे तुमने जो संकीर्ण , दुखद मार्ग पर चले हो, / जिन्होंने जीवन का क्रूस एक जुए के समान उठाया है , / और जिन्होंने विश्वास में मेरा अनुसरण किया है , / आओ, और उस में आनंदित हो जाओ जो / मैंने तुम्हारे लिए तैयार किया है : / स्वर्गीय पुरस्कार और मुकुट !

पुनरावर्तन : धन्य हो तू , हे प्रभु , / मुझे अपने आज्ञाएँ सिखा।

मैं तेरी अकथनीय महिमा का प्रतिबिंब हूँ , / यद्यपि मैं पाप के घावों को वहन करता हूँ : / हे प्रभु , अपनी सृष्टि पर दया कर, / और अपनी दया से मुझे शुद्ध कर, / और मुझे उस प्रिय स्वदेश का वरदान दे , / जिससे मैं फिर से / स्वर्ग का नागरिक बन जाऊँ।

पुनरावर्तन : धन्य हैं आप, हे प्रभु , / मुझे अपने आज्ञा -विधान सिखाइए।

प्राचीन काल में , हे प्रभु , आपने मुझे शून्य से रचा / और अपनी दिव्य प्रतिमा से मुझे सम्मानित किया, / परन्तु आज्ञा के उल्लंघन के कारण / आपने मुझे फिर से उसी मिट्टी में लौटा दिया / जिससे मुझे उठाया गया था! / मुझे अपनी समानता में पुनर्जीवित करें , / ताकि मैं अपनी पूर्व शोभा में / पुनः स्थापित हो सकूँ।

पुनरुक्ति : धन्य हैं आप, हे प्रभु , / मुझे अपने आज्ञाएँ सिखाइए।

हे परमेश्वर , अपने दासों को विश्राम प्रदान कर, / और उन्हें स्वर्ग में बसा दे , / जहाँ हे प्रभु , संतों के समूह , / और धर्मी तारों की तरह चमकते हैं ; / अपने स्वर्गीय दासों को विश्राम प्रदान कर, / उनके सभी पापों के बावजूद।

महिमा: आइए हम श्रद्धापूर्वक त्रिमूर्ति प्रकाश की स्तुति करें / एक ईश्वरत्व की, / पुकारते हुए : / 'पवित्र हैं आप, पिता अनादि, / पुत्र अनादि, और दिव्य आत्मा : / हमें प्रबुद्ध करें जो विश्वास से आपकी सेवा करते हैं , / और हमें अनंत अग्नि से बचाएँ।

और अब: आनंदित हो, हे अति सम्माननीय , / जिन्होंने सभी के उद्धार के लिए देह में ईश्वर को जन्म दिया; / आपके द्वारा मानव जाति ने उद्धार पाया है ; / हे शुद्ध और धन्य ईश्वर की माता, आपके द्वारा हम स्वर्ग प्राप्त करें।

अल्लेलूया , अल्लेलूया , अल्लेलूया , महिमा तेरी हो, हे ईश्वर। **तीन बार।**

फिर दिवंगत आत्मा के लिए प्रार्थना -पत्र : कई बार दोहराया जाता है :

पुजारी प्रार्थना करता है : हे आत्माओं के परमेश्वर : **और हम कहते हैं :** हे प्रभु , दया करें , **(40).**

और सेडेलन के बाद, स्वर 5

हे हमारे उद्धारकर्ता , अपने धर्मी सेवकों को विश्राम प्रदान कर / और उन्हें अपने प्रांगणों में बसा, जैसा लिखा है , / हे मानव-प्रेमी , न तो एक दयालु की भाँति उनके पापों को देखकर — / चाहे वे जान-बूझकर हों या अनजाने में — / और न ही उन सभी कृत्यों को देखकर , जो जानबूझकर या अज्ञानता में किए गए।

महिमा, और अब, परमेश्वर की माता को: मसीह परमेश्वर , जो कुँवारी से संसार में प्रकट हुए , / और उनके द्वारा हमें प्रकाश के पुत्र बनाए, / हम पर दया करें।

भजन संहिता 50।

हम छठे और वर्तमान दिन के लिए चर्च का कैनन गाते हैं। यह पूजनीय थियोडोर द स्टुडाइट द्वारा रचित है। त्रिमूर्ति और परमेश्वर की माता के लिए ट्रोपारिया में , एक एक्रोस्टिक है : 'Tu anaxiu Theodoro', जिसका अर्थ है , 'अयोग्य थियोडोर'। स्वर 8।

गीत 1

इरमोस: हे लोगों , हम एक गीत गाएँ , / हमारे अद्भुत ईश्वर को, / जिन्होंने इस्राएल को दासत्व से मुक्त किया, / विजय का गीत गाते हुए और पुकारते हुए : / 'हे एकमात्र प्रभु , हम तेरा गीत गाएंगे !'

आओ हम सब मसीह से प्रार्थना करें , / इस दिन हम सभी युगों के मृतकों का स्मरण करते हुए , / कि वह उन्हें अनंत अग्नि से मुक्ति दे , / जो विश्वास और अनंत जीवन की आशा में सो गए हैं।

हे मसीह, तेरे न्याय की गहराई से , / तूने प्रत्येक के लिए, सर्व बुद्धि के साथ, / जीवन के अंत , उसकी सीमा और उसके स्वरूप को पूर्वनिर्धारित किया है। / अतः , हे सर्व -दयालु , अंतिम न्याय में बचा ले , / उन लोगों को जिन्हें कब्र ने प्रत्येक भूमि में छिपा रखा है।

हे प्रभु , तूने हमारे जीवन की सीमाएँ निर्धारित की हैं ; / अतः , इस संसार की रात के बाद जो सुलाए गए हैं , / उन्हें अक्षय दिन के पुत्र प्रकट कर: / राजाओं के साथ ऑर्थोडॉक्स पुरोहितों को, / और तेरे सभी लोगों को।

जिनको जल ने निगल लिया है / और जिन्हें युद्ध ने पीड़ित किया है , / जिन्हें भूकंप ने घेर लिया और हत्यारों ने मार डाला, / और जो विश्वासयोग्य अग्नि में भस्म हो गए— / हे दयालु , उन्हें धर्मी लोगों में स्थान प्रदान करो।

सभी सांसारिक पापों की परवाह किए बिना, हे हमारे उद्धारकर्ता , / संपूर्ण मानव जाति के प्रत्येक युग के सभी लोगों को / अपने न्याय -सिंहासन के समक्ष ऐसे प्रस्तुत करो जैसे वे दण्डित न हों , / सृष्टिकर्ता , आप को उत्तर देते हुए।

महिमा त्रित्व में : मैं त्रिमूर्ति के तीन व्यक्तियों का गायन करता हूँ , जो सार में एक हैं , / प्रत्येक अपनी स्व -अस्तित्व में : / अजन्मे पिता, जनमे पुत्र , और पवित्र आत्मा – / अनंत राज्य , शक्ति , और एक ईश्वरत्व।

और अब, हे ईश्वर की माता: निश्चय ही, आप पृथ्वी पर स्वर्ग के समान प्रकट हुईं , स्वर्ग के सर्वोच्च गुंबद से भी महान, क्योंकि आप से , हे कुंवारी जो विवाह से अपरिचित थीं , संसार में सूर्य उदय हुआ है – धर्म का शासक।

कातावासिया: हे लोगों , एक स्तुति गाओ:

भजन 2

इरमोस: देखो , देखो , कि मैं तुम्हारा ईश्वर हूँ , / जो युगों से पहले पिता से जन्मा / और अंतिम दिनों में कुँवारी से गर्भ में आया / बिना पति के , / और जिसने हमारे पूर्वज आदम के पाप को समाप्त कर दिया, / हे मानवता के प्रेमी !

देखो , देखो , मैं तुम्हारा परमेश्वर हूँ , / जिसने धर्मी न्याय से जीवन की सीमाएँ स्थापित की हैं , / और सभी मृतकों को क्षय से अक्षय में ग्रहण किया है / शाश्वत पुनरुत्थान की आशा के साथ।

हे प्रभु, पृथ्वी के चारों कोनों से, / आपने विश्वास में मरे हुए लोगों को स्वीकार किया है: / चाहे समुद्र में, या भूमि पर, या नदियों में, / झरनों, झीलों या कुओं में; / जो जानवरों, पक्षियों और सरीसृपों का आहार बने हैं, / उन्हें सभी को विश्राम प्रदान करें।

सभी चीज़ों को अपने हाथ में थामे हुए, हे प्रभु, / तूने सभी चीज़ों को पूर्वनिर्धारित किया है; / जब तू आएगा, तब चारों तत्वों में बिखरे हुए सभी को एकत्र कर, उन्हें उठा, / उनके पापों को क्षमा करते हुए – / जो कुछ अज्ञान में और ज्ञान में किया गया था।

हे प्रभु, तेरा दूसरा आगमन कितना भयानक है! / क्योंकि, बिजली की चमक की तरह पृथ्वी पर आकर, / तू अपनी सृष्टि के सभी प्राणियों को न्याय के लिए लाएगा; / तब जो तेरे में विश्वास करके जीवन यापन करते हैं और जो तुझसे मिलेंगे, / वे तेरे साथ रहने के योग्य माने जाएँगे।

महिमा पवित्र त्रिमूर्ति को: त्रि-व्यक्तियों में सबसे परिपूर्ण, सबसे दैवीय एकता: अजन्मे पिता और एकमात्र पुत्र, आत्मा जो पिता से निकलती है और पुत्र के द्वारा प्रकट होती है, एक सत्ता और एक स्वभाव, एक प्रभुत्व, एक राज्य, हम सभी को बचाओ!

और अब, हे ईश्वर की माता: तुम्हारी गर्भधारण का चमत्कार शब्दों से परे है, हे कुंवारी माता: / क्योंकि यह कैसे संभव है कि तुम पवित्र बनी हुई संतान को जन्म देती हो? / तुम एक शिशु को कैसे जन्म देती हो, / जबकि तुमने कभी किसी पुरुष को नहीं जाना? / कैसे ईश्वर का वचन, जो आपसे जन्म लेता है, प्रकृति से परे है / अभूतपूर्व रूप से!

कटावासिया: देखो, देखो, कि मैं तुम्हारा ईश्वर हूँ:

गीत 3

इरमोस: हे प्रभु, जिसने अपने हाथ से स्वर्गों को स्थापित किया है! / हे परमेश्वर के वचन, अपनी सच्ची ज्ञान की ज्योति से, / हमारे हृदयों को भी दृढ़ करो, / हम जो आप में अपनी आशा रखते हैं।

प्रदान करें कि जिन्होंने अपना सांसारिक प्रवास / धर्मपरायणता की महिमा में पूरा किया है / उन्हें हे ईश्वर, धार्मिकता के मुकुट से विभूषित करें, / और वे शाश्वत आशीर्वादों का आनंद लें।

हे ईश्वर, उन लोगों को विश्राम प्रदान करें, जिन्हें अचानक मृत्यु ने छीन लिया, / जिन्हें बिजली ने भस्म कर दिया, / और जिन्होंने ठंड / और प्रत्येक प्रकार की पीड़ा से अपना अंतिम श्वास लिया, / जब आप सभी चीजों का अग्नि द्वारा परीक्षण करेंगे।

कृपा करें कि जो जीवन के सदा-उथल-पुथल भरे सागर को पार कर / हे मसीह, आपके अमर जीवन के बंदरगाह तक पहुँचे हैं, / वे ऑर्थोडॉक्स जीवन-पथ के मार्गदर्शन से वहाँ पहुँचें।

जिनको हर प्रकार के / समुद्री जीव और स्वर्गीय पक्षी ने / भोजन के रूप में खा लिया है, हे मसीह, आपके न्याय द्वारा, / हे ईश्वर, उन्हें अंतिम दिन महिमा के साथ उठाइए।

त्रिमूर्ति को महिमा: मैं अपने मन से दिव्य एकता को एक करता हूँ, / सरलता में तीन व्यक्तियों के रूप में, / एक साथ संयुक्त और अलग: / क्योंकि बिजली की गति से, त्रिगुण प्रकाश से दमकती हुई, / वह एकता में देखी जाती है।

और अब, हे ईश्वर की माता: आपका चमत्कार अकल्पनीय है: / क्योंकि यद्यपि आप बिना पति के अपने गर्भ में एक शिशु को धारण करती हैं, / आप, हे पवित्र एक, प्रसव के बाद भी अपनी कुँवारीपन को बनाए रखती हैं। / इसलिए, स्वर्गदूतों की भीड़ और मानव जाति / सदैव और अनंत काल तक आपकी स्तुति करते हैं।

कातावासिया: जिसने अपने हाथ से स्थापित किया:

माता-पति के लिए ट्रनिटी शनविार

सेडालेन , स्वर 5

जनिहोंने हमारे लिए क्रूस और मृत्यु को सहा, / और नरक को नष्ट कयिा, और मृतकों को अपने साथ जलिाया! / हे उद्धारकर्ता , जो हमारे बीच से चले गए हैं , उन्हें वश्रिाम प्रदान करें , / एक ऐसे ईश्वर के रूप में जो मानवता से प्रेम करता है , / और अपने भयानक और डरावने आगमन के दनि, हे जीवन दाता, / प्रचुर दया के स्वामी के रूप में , / उन्हें अपने राज्य के योग्य बनाएं।

महमिा: और हम यही दोहराते हैं।

और अब, हे ईश्वर की माता: अपनी शीघ्र रक्षा , सहायता और दया दखिाओ अपने सेवकों को, हे पवत्रि एक; व्यर्थ वचिारों की लहरों को शांत करो, और मेरी पतति आत्मा को उठाओ, हे ईश्वर की माता: क्योंकि मैं जानता हूँ , हे कुंवारी , मैं जानता हूँ , कि जो कुछ भी तुम चाहो, तुम कर सकती हो।

ओड 4

इरमोस: छायादार पर्वत से , ईश्वर की एकमात्र माता, / वचन, जो अवतार लेना चाहता था—तू —/ नबी ने ईश्वर -प्रकाशति दृष्टि से देखा / और भक्तपिूर्वक तेरी शक्ति की महमिा की।

पति और पूर्वज , वंशज और पूर्वपुरुष , / आदमिें जीने वालों से लेकर अंतमि तक, / जो वधिि का पालन करते हुए और सच्चे वश्विास में मरे , / उन सभी को याद करो, हे हमारे उद्धारकर्ता।

पहाड़ पर, यात्रा में , कब्रों में , रेगस्तिानों में / जनि्होंने आस्था में अपना जीवन समय से पहले समाप्त कर लयिा, / भकि्षु और गृहस्थ , युवा और वृद्ध / संतों के साथ, हे मसीह, उन्हें वश्रिाम प्रदान करो।

दुख और आनंद से , हर आशा से परे आई घटनाओं से , / जो अचानक इस जीवन को आस्था में छोड़ गए, / जनि्होंने सुख -दुख के दनिों में ऐसी परीक्षाएँ झेलीं , / उन्हें सभी को वश्रिाम प्रदान कर, हे हमारे उद्धारकर्ता।

जो ठंड से मारे गए, या एक बेकाबू घोड़े से , / ओलों , बर्फ , या मूसलाधार बारशि से ; / जो ईंटों के नीचे कुचले गए या धरती में दफ़न हुए , / उन्हें वश्रिाम प्रदान करो, हे मसीह, हमारे उद्धारकर्ता।

महमिा, त्रमिूर्ति : यह अद्भुत है कि ईश्वरत्व एक और तीन है ; / प्रत्येक व्यक्ति में , यह पूर्णतः और अवभिाज्य रूप से उपस्थति है : / क्योंकि पति, पुत्र , और पवत्रि आत्मा / एक ईश्वर के रूप में पूजा प्राप्त करते हैं।

और अब, ईश्वर की माता को: मार्गदर्शन करो, (हे कुंवारी), अपनी प्रार्थनाओं से , / एक नावकि की तरह पाप की तूफानी लहरों से उछाले गए लोगों को / उद्धार के बंदरगाहों तक ले जाकर, हे प्रभु की माता, / हमें सभी वपित्तयिों से बचाते हुए।

कातावासयिा: छायादार पर्वत से :

गीत 5

इरमोस: भोर से / मेरी आत्मा तुझसे तरसती है , हे ईश्वर , / तेरे आगमन की आज्ञा के प्रकाश के लिए; / हे प्रभु , उन से हमारे मन को प्रबुद्ध कर, / और हमें जीवन के मार्ग पर स्थापति कर।

हे प्रभु , आज हम उन सभी की स्मृति मनाते हैं जो युगों -युगों से भक्तपिूर्वक परलोक सधिार गए हैं ; हम आपसे वनिम्रतापूर्वक प्रार्थना करते हैं : 'उन्हें अपने संतों के साथ वश्रिाम प्रदान करें !'

जिनको तूने प्रत्येक कुल और राष्ट्र से स्वीकार किया है—चाहे वे राजा हों, राजकुमार हों या संन्यासी—जो ऑर्थोडॉक्स धर्म में विश्वास रखते थे, हे दयालु, उन्हें अनंत दंड से मुक्ति प्रदान कर।

हे प्रभु, उन सभी में से जिन्हें आपने बनाया है, / जिन्हें आपने, उनके भले को जानते हुए, / व्यापक महामारियों से अप्रत्याशित रूप से मरने की अनुमति दी है, / उन्हें हर दंड से बचा लीजिए, हे हमारे ईश्वर।

सदैव जलने वाली आग से, और उस अंधकार से जहाँ प्रकाश नहीं, / दाँत पीसने और उस कीड़ा से जो अनवरत चबाता है, / और हर प्रकार की यातना से, हे हमारे उद्धारकर्ता, / उन सभी को बचा लीजिए जो विश्वास में मरे हैं।

महिमा त्रिमूर्ति एक को: एक ही सिंहासनधारी, बिना आरंभ के, त्रिमूर्ति एकता / विभाजन में एकता धारण करने वाली, / और इसके विपरीत – तीन व्यक्तियों में एक स्वभाव; / हमें तेरी आज्ञाओं के प्रेम से एक कर।

और अब, हे परमेश्वर की माता: आप, हे पवित्र एक, अग्निमय सेराफिम के सर्वोच्च सम्मान के साथ प्रकट हुईं, / अपने गर्भ में उद्धारकर्ता को धारण करते हुए, जो उनके लिए अप्राप्य है, / जिसने, आपके अवतार के माध्यम से, पृथ्वी पर जन्मे मानव जाति को जीवन दिया है।

कातावासिया: भोर से यह प्रयासरत है:

गीत 6

इरमोस: अनेक पापों से घिरा / और आपकी दया से चिपका, / मुझे एक नबी के रूप में स्वीकार करें, / हे प्रभु, मानवता के प्रेमी, और मुझे बचाएँ।

हे प्रभु, जीवन के राजन्, हमारे परमेश्वर, जिन्होंने अपने दुख-क्लेश से नश्वर पीड़ाओं का अंत किया, उन प्राचीन काल से सो गए अपने सेवकों को विश्राम प्रदान करें।

हे प्रभु, उन लोगों को विश्राम प्रदान कर, जिन्हें तेरे अगम्य न्याय द्वारा, / उन्होंने जो औषधियाँ और विष पिए, उन्होंने मार डाला, / और जो हड्डी से दम घुटने से मरे, / संतों के साथ।

जब तू संपूर्ण जगत का न्याय करेगा, / तेरे समक्ष नग्न और उजागर खड़े होकर, / तब उन पर दया कर जो तेरी निष्ठापूर्वक सेवा कर चुके हैं, / हे दयालु ईश्वर।

जब आपका महादूत अंतिम तुरही बजाएगा, / सभी को जीवन के पुनरुत्थान के लिए बुलाते हुए, / तब, हे मसीह, अपने सेवकों को विश्राम प्रदान करें।

हे ईश्वर, सारी मानव जाति को योग्य ठहराया जाए, / कि वह उन विश्वासियों के साथ, जिन्हें तूने आदि से स्वीकार किया है, / और जो तेरी सेवा करते हैं, तेरा अनंतकाल तक महिमामंडन करे।

महिमा त्रिमूर्ति की: पवित्र त्रिमूर्ति, सह-सिंहासनस्थ, / पिता और पुत्र पवित्र आत्मा के साथ! / आप मेरे ईश्वर हैं, जो अपनी सर्वशक्तिमत्ता से / सभी चीज़ों को धारण करते हैं।

और अब, हे परमेश्वर की माता: आनंदित हो, हे पूर्वज येशै: / तुम्हारी जड़ से जीवन का पुष्प फूटा है: / पवित्र कुँवारी से – मसीह ईश्वर, / संसार का उद्धारकर्ता।

कातावासिया: अनेक पापों से पीड़ित लोगों के लिए:

कॉन्टाकियन , स्वर 8

हे मसीह, संतों के साथ विश्राम प्रदान कर, / अपने सेवकों की आत्माओं को, / जहाँ न पीड़ा है , न शोक, न कराह, / परन्तु अनन्त जीवन है।

इकोस: केवल तू ही अमर है , / जिसने मनुष्य को गढ़ा और बनाया: / परन्तु हम, नश्वर प्राणी , मिट्टी से बने हैं , / और उसी मिट्टी में लौट जाएँगे , / जैसा तूने मुझे बनाने के बाद आज्ञा दी और मुझसे कहा: / 'तू धूलि है , और धूलि में ही लौट जाएगा', / जहाँ हम सभी नश्वर लोग जाएँगे , / कब्र पर अपने शोक को 'आल्ल eluia!' के गीत में बदलते हुए।

गीत 7

इरमोस: हे प्रभु , जो आरम्भ में पृथ्वी की नींव रखता है / और अपने वचन से स्वर्गों को स्थापित करता है , / हे हमारे पितरों के परमेश्वर , तू सदा धन्य है !

जैसे हम / भूतकाल के धर्मपरायण लोगों का स्मरण करते हैं , हम पुकारते हैं : / 'हे प्रभु , हमारे पूर्वजों के परमेश्वर , / युगानुयुग धन्य हैं आप!'

जो भक्ति में अचानक मरे , / और उन पर जो कुछ भी गिरा: / लकड़ी , लोहा, और हर तरह का पत्थर , / हे ईश्वर , उन्हें विश्राम प्रदान कर, ये विश्वासी स्वर्गीय प्राणी हैं।

हे दयालु प्रभु , तेरे भयानक आगमन के समय, / अपने दाहिने हाथ पर, अपने भेड़ों के साथ, / उन लोगों को स्थान देना , जिन्होंने हे मसीह, अपने जीवन भर / सम्यक् रीति से आपकी सेवा की / और जो आप तक चले गए हैं।

हे ख्रीस्त , कोरस में अपने चुने हुओं को, अपने सेवकों को स्थान दीजिए, ताकि वे आपसे पुकार कर कहें : 'हे प्रभु , आप सदा के लिए धन्य हैं , हे हमारे पितरों के परमेश्वर !'

हे दयालु उद्धारकर्ता , हे प्रभु , जिन्होंने पृथ्वी की धूल से देह रचा और उसे अपनी आत्मा से जीवंत किया, उन लोगों को, जिन्हें आपने स्वीकार किया है , हे ईश्वर , शाश्वत जीवन में विश्राम प्रदान करें।

त्रिमूर्ति में महिमा: दिव्यता का गायन तीन सूर्यों के रूप में किया जाए / प्रकाश के एकल मिश्रण में : / पिता, और पुत्र , और पवित्र आत्मा , / स्वभाव में एक, परन्तु व्यक्तियों में तीन।

और अब, ईश्वर की माता को: हम आपके लिए दाऊद का गीत सामंजस्य में गाते हैं , / आपको, हे कुँवारी , ईश्वर का पर्वत कहते हुए , / जिसमें , देह धारण करके , वचन ने / हमें आत्मिक रूप से स्वयं में दिव्य बनाया है।

कातावासिया: जिसने आरंभ में पृथ्वी की नींव डाली:

गीत 8

इरमोस: जो पवित्र पर्वत पर महिमामय हुए / और मुँडेर के झाड़ी में आग के द्वारा / मूसा को सदा कुँवारी का रहस्य प्रकट किया – / प्रभु का भजन गाओ और उसे युगानुयुग महिमान्वित करो।

पहले मृत्यु की छाया को कुचलकर , / और कब्र से सूर्य की भाँति प्रकाशित होकर, / विश्वास में मरने वालों को, हे महिमा के स्वामी , / सदा के लिए अपने पुनरुत्थान के पुत्र बना।

हे सर्वगुह्यज्ञ ! जब तू अन्धकार के कर्मों और हमारे हृदयों की अभिलाषाओं को प्रकट कर, तब विश्वास में परलोक सिधार चुके सभी से कठोर हिसाब न लेना।

जब तू अपना सिंहासन ग्रहण करने का इरादा करेगा / और सभी को न्याय के लिए उपस्थित होने का आदेश देगा , / पृथ्वी के छोर से तुरही से इकट्ठा किए हुए , / तब हे मसीह, सभी पर दया कर, / एक दयालु के रूप में।

जो दुर्भाग्य से अचानक मरे हैं : / एक ज़ोर की चीख या तीव्र उड़ान से , / एक थप्पड़ , मुट्ठी या लात के प्रहार से , / जो विश्वास में प्रस्थान कर गए हैं , हे महिमा के स्वामी , / उन्हें हमेशा के लिए मुक्त कर।

आओ हम पिता, और पुत्र , और पवित्र आत्मा , हमारे प्रभु का धन्यवाद करें।

एकमात्र सत्ता के रूप में , मैं तेरा गुणगान करता हूँ , / त्रिमूर्ति के रूप में , मैं तेरे व्यक्तियों में तेरा सम्मान करता हूँ : / पिता, पुत्र , और पवित्र आत्मा ; / मैं तेरे राज्य की शाश्वत शक्ति की महिमा करता हूँ / युगानुयुग।

और अब, हे ईश्वर की माता: आप प्रकट हुई हैं , हे ईश्वर की कुंवारी माता, / एक मुहरबंद स्रोत के रूप में जीवित जल का; / क्योंकि , पति के बिना प्रभु को जन्म देकर , / आप विश्वासियों की प्यास को अमरत्व के जल से हमेशा के लिए बुझाती हैं।

हम प्रभु की स्तुति , धन्यवाद और आराधना करते हैं , उसकी स्तुति गाते हुए और उसे युगानुयुग महिमान्वित करते हैं।

इरमोस: महिमामय की पवित्र पर्वत पर:

गीत 9

इरमोस: जैसा कि एक बार पर्वत पर विधि-दाता को / आग और झाड़ी में प्रकट हुआ था, / सर्वदा कुंवारी से मसीह का जन्म / हम विश्वासियों के उद्धार के लिए, / हम अनंत भजनों से महिमा करते हैं।

वहाँ , जहाँ आनंदितों का निवास स्थान है /—हे प्रभु , तेरे संतों का—/ जो विश्वास और आशा में सो गए हैं , उन सभी को आनंद प्रदान कर / युगों से।

जो परमेश्वर के क्रोध से नष्ट हुए हैं : / हर घातक विपत्ति से , / स्वर्ग से भेजी गई, / फटी हुई धरती से , उफनते समुद्र से , / हे मसीह, सभी विश्वासियों को विश्राम प्रदान करें।

हर युग के : वृद्ध और युवा , / युवा और परिपक्व , / समय से पहले जन्मे बच्चे और शिशु , / पुरुष और महिलाएँ , / हे ईश्वर , उन विश्वासियों को विश्राम प्रदान करें जिन्हें आपने स्वीकार किया है।

प्रस्थान कर चुके लोगों के विषैले घावों से , / साँपों द्वारा निगल लिए जाने से , / घोड़ों द्वारा रौंदे जाने और दम घुटने से , / और पड़ोसी के हाथ से घुटने से , / उन लोगों को विश्राम प्रदान करें जिन्होंने आप पर विश्वास के साथ सेवा की।

यह अनुग्रह करें कि जो लोग अनादि काल से और पीढ़ी दर पीढ़ी विश्वास में मरे हैं , उनमें से प्रत्येक का नाम—हे वचन—आपके आगमन पर बिना किसी दण्ड के आपके समक्ष प्रकट हो।

महिमा, हे त्रिमूर्ति : हे ईश्वर , त्रिमूर्ति में एक, / आपको अनंत महिमा हो! / क्योंकि यद्यपि तीनों में से प्रत्येक ईश्वर है , / वह सार में एक ही रहता है : / पिता, पुत्र , और पवित्र आत्मा , / अपनी त्रिगुण विशेषताओं से विभूषित।

और अब, ईश्वर की माता को: आपकी प्रसव -पीड़ा समझ से परे है : / क्योंकि आपने पूर्व -सत्तामान को जन्म दिया, / और अपने दूध से आपने अकथनीय तरीके से पोषित किया / संसार के पालनहार को: / और खलिहान में आपने उसको लिटाया जो सभी का पालनहार है , / मसीह, हमारे एकमात्र उद्धारकर्ता , हे सर्व -पवित्र !

कातावासिया: जो पूर्व में पर्वत पर व्यवस्थावविचक को प्रकट हुआ था:

माता-पिता के लिए ट्रिनिटी शनिवार

एक्सापोस्टलिइरॉन

जैसे हम मसीह में सुलाए गए सभी लोगों का स्मरण करते हैं , हे विश्वासियों , अंतिम दिन को याद करें , मसीह से सदा प्रार्थना करते हुए , हमारे और उनके लिए।

अब तुझे महिमा हो, हे ईश्वर की माता: स्वर्गदूतों का आनंद , पीड़ितों का सुख , / ईसाइयों की मध्यस्थ , प्रभु की कुंवारी माता, / हमारी रक्षा कर और हमें अनंत यातना से उबार।

'स्तुति ' पर स्टिचेरा , चौथे स्वर में , आवाज़ 6

मृत्युलोक का अंत भयानक है , / और प्रभु का न्याय हमारे हृदयों में आतंक भर देता है : / क्योंकि एक न बुझने वाली आग तैयार है , / एक पीड़ा देने वाला कीड़ा जो कभी नहीं सोता और दांत पीसना, / बाहरी अंधकार और अनंत दंड। / अतः हम उद्धारकर्ता से पुकारें : / 'उनको विश्राम प्रदान कर, जिन्हें तूने इस क्षणभंगुर जीवन से चुना है , / अपनी महान दया के द्वारा !'

जो इस जीवन से बँधे हुए हैं , आओ, / झुक जाओ, और कब्रों में सांसारिक छल-कपट को भय से देखो : / अब कहाँ है शरीर की सुंदरता और धन की महिमा? / तो फिर, जीवन का घमंड कहाँ है ? / सचमुच , सब व्यर्थ है ! / अतः आओ हम उद्धारकर्ता से पुकारें : / 'हे प्रभु , उन लोगों को विश्राम प्रदान कर, जिन्हें तूने इस क्षणभंगुर जीवन से चुना है , / अपनी महान दया के द्वारा !'

अब जो सिंहासन पर बैठा था, वह अपनी कब्र को जाता है , / अब जो कभी बैंगनी वस्त्र पहनता था, वह क्षय के वस्त्र में लिपटा है : / क्योंकि वह अब सिंहासन पर नहीं है , बल्कि कब्र में पड़ा है। / देखो , राजसी शक्ति लुप्त हो गई है , / देखो , मानव जीवन एक सपने की तरह बीत जाता है। / इसलिए उद्धारकर्ता से पुकारें : / 'उनको विश्राम प्रदान कर, जिन्हें तूने इस क्षणभंगुर जीवन से चुना है , / अपनी महान दया के द्वारा !'

वे सभी जो यहाँ से चले गए हैं / शाश्वत जीवन की आशा में , / और जिन्होंने इस जीवन को विभिन्न प्रकार से त्यागा है , / हर पद, जन्म और आयु के , / पुरुष , महिलाएँ और नवजात शिशु समान रूप से , / मानवता के प्रेमी अब्राहम की गोद में , हे उद्धारकर्ता , अपनी महान दया से उन्हें आनंद के धामों में एक स्थान प्रदान करें।

महिमा, स्वर 2: जैसे एक फूल मुरझाता है और जैसे एक सपना बीत जाता है , / वैसे ही हर मनुष्य नष्ट हो जाता है। / परन्तु एक बार फिर, तुरही की ध्वनि पर, / सभी मृतक एक भूकंप की तरह उठ खड़े होंगे , / आपको, मसीह हमारे ईश्वर , से मिलने के लिए। / तब, हे प्रभु , जिन्हें तूने हमसे छीन लिया है , / उन्हें अपने पवित्र निवासों में बसा दे , / हे दयालु , उनके पापों की परवाह किए बिना!

और अब, छठा स्वर , थियोटोकोस: तू हमारा ईश्वर है , जिसने अपनी बुद्धि से सभी चीज़ों की सृष्टि की और सभी चीज़ों को भर दिया! हे मसीह, तूने भविष्यवक्ताओं को भेजा , / तेरे आगमन की भविष्यवाणी करने के लिए, / और प्रेरितों को तेरे महान कार्यों का प्रचार करने के लिए। / कुछ ने तेरे आगमन की भविष्यवाणी की, / जबकि अन्य ने बपतिस्मा के द्वारा राष्ट्रों को प्रकाशित किया। / शहीदों ने , कष्ट सहकर, वह प्राप्त किया जिसकी उन्होंने कामना की, / और उनका संयुक्त कोरस तेरे समक्ष मध्यस्थता करता है / उस जन के साथ जिसने तुझे जन्म दिया। / हे ईश्वर , उन आत्माओं को विश्राम प्रदान कर जिन्हें तूने ग्रहण किया है , / और हमें तेरे राज्य का योग्य बना, / हे तू जिसने मेरे लिए, एक दण्डित पापी के लिए, क्रूस का भार उठाया, / मेरा उद्धारकर्ता और मेरा ईश्वर !

स्टिचेरा, स्तोत्रसंग्रह में, स्वर 6

हमारी समझ से परे दया रखने वाले / और दिव्य सद्गुणों के अक्षय स्रोत, हे परम दयालु, हे प्रभु, कृपा कर कि जो इस जीवन से विदा हो चुके हैं, वे प्रिय और प्रतीक्षित निवासों में वास करें, उन्हें एक ऐसा विरासत प्रदान कर जो अनंतकाल तक बनी रहे : क्योंकि हे मसीह, आपने सभी के लिए अपना रक्त बहाया, और अपने जीवनदायी बलिदान से संसार को उद्धार दिया।

छंद : उनकी आत्माएँ / आशीर्वादों के बीच निवास करेंगी।

तूने स्वेच्छा से जीवन-दायक मृत्यु को सहन किया और अपना जीवन अर्पित किया, / और विश्वासियों को अनंत आनंद प्रदान किया; / यह अनुग्रह कर कि स्वर्गीय महिमा में प्रवेश पाने वाले, जो पुनरुत्थान की आशा रखते हैं, / उसमें भागीदार बनें, / और तेरी भलाई के द्वारा, हे पापरहित, हे शुभ और मानवजाति के प्रेमी, / उनके सभी पापों को क्षमा कर, / ताकि हे मसीह, तेरा नाम सभी के द्वारा गाया जाए, / और हम, जो उद्धार पाए हैं, मानवजाति के प्रति तेरे प्रेम की महिमा करें।

छंद : धन्य हैं वे जिन्हें तूने चुना है / और अपने समीप खींचा है, हे प्रभु।

यह जानते हुए कि हे मसीह, आप अपने दिव्य अधिकार से / जीवितों पर शासन करते हैं और मृतकों पर राज्य करते हैं, / हम आपसे विनती करते हैं : 'आपके भक्त सेवक, / जो आपके पास, एकमात्र कल्याणकर्ता, चले गए हैं, / हे मानवता के प्रेमी, उन्हें अपने चुने हुओं के साथ विश्राम प्रदान करें, आनंद के स्थानों में, संतों के वैभव के बीच, क्योंकि आप सभी के लिए दया चाहते हैं और, परमेश्वर के रूप में, उन लोगों को बचाएँ जिन्हें आपने अपनी छवि में बनाया है, हे एकमात्र परम दयालु !'

महिमा, उसी स्वर में : आदम के लिए यह एक दुर्भाग्य बन गया / कि प्राचीन काल में उसने एडेन के वृक्ष का फल खाया, / जब साँप ने अपना विष उगल दिया: / क्योंकि इसके कारण, मृत्यु संसार में प्रवेश कर गई, / जो मनुष्य और उसकी सारी वंशजता को निगल गई। / परन्तु प्रभु, आकर, अजगर को नीचे गिरा दिया / और हमें विश्राम प्रदान किया। / अतः हम उससे पुकारें : / 'हे उद्धारकर्ता, उन पर दया करो जिन्हें आपने ग्रहण किया है, / और उन्हें अपने चुने हुओं के साथ विश्राम प्रदान करो, (हे मानवता के प्रियतम !)'

और अब, हे परमेश्वर की माता, वही स्वर उद्घोषित करता है : हे सर्व -पवित्र, तुम परमेश्वर के योग्य निवास के रूप में प्रकट हुईं, / और बिना पति के जानने के, तुमने परमेश्वर को गर्भ में धारण किया और जन्म दिया, / परमेश्वर दो स्वभावों में, दो सारों में, / फिर भी एक ही हाइपोस्टेसिस में, हे पवित्र एक। / उनसे प्रार्थना करो, एकमात्र पुत्र और प्रथम -जन्मे से, / जिन्होंने तुम्हें प्रसव के बाद भी एक निर्दोष कुंवारी के रूप में संरक्षित रखा, / कि वह दिवंगत विश्वासियों की आत्माओं को विशुद्ध आनंद और परमानंद में विश्राम प्रदान करें।

ट्रोपारियन, स्वर 8

गहनतम ज्ञान के साथ, मानवता के लिए प्रेम से सभी का शासन करते हुए / और सभी पर हितकारी कृपा करते हुए, / हे एकमात्र सृष्टिकर्ता, हे प्रभु, अपनी दासों की आत्माओं को विश्राम प्रदान करें, / क्योंकि उन्होंने आप में अपनी आशा रखी है, / हे सृष्टिकर्ता, हे पालनहार, और हमारे परमेश्वर।

महिमा, और अब, थियोटोकोस को: आप में हमारे पास एक दीवार और एक शरण दोनों हैं, / और एक मध्यस्थ, जो परमेश्वर को प्रसन्न करती है, / जिसे आपने, हे थियोटोकोस, विवाह का अनुभव किए बिना जन्म दिया, / विश्वासियों का उद्धार।

और प्रत्यागत विदाई।

लिटिन्जी में

'धन्य हैं वे ', ट्राइओडियन कैनन से , छंद 3 और 6, स्वर 8।

ट्रोपारियन , स्वर 8

गहन बुद्धिमत्ता से , आप मानवता के लिए प्रेम से सभी का शासन करते हैं / और सभी पर हतिकर कृपा करते हैं , / हे एकमात्र सृष्टिकर्ता ; हे प्रभु , अपने सेवकों की आत्माओं को विश्राम प्रदान करें , / क्योंकि उन्होंने आप में अपनी आशा रखी है , / हे सृष्टिकर्ता , हे पालनहार, और हमारे परमेश्वर।

महिमा, कोंटाकियन , वही स्वर

हे मसीह, संतों के साथ विश्राम प्रदान कर, / अपने सेवकों की आत्माओं को, / जहाँ न पीड़ा है , न शोक, न कराह, / परन्तु अनन्त जीवन है।

और अब, हे ईश्वर की माता, वही स्वर

तुम में ही हम एक सुरक्षा -दीवार और एक शरण पाते हैं , / और एक मध्यस्थ , जो परमेश्वर को प्रिय है , / जिसे तुमने , हे परमेश्वर की माता, बिना विवाह जाने जन्म दिया, / जो विश्वासियों का उद्धार है।

प्रोकेइमेनन , स्वर 6

उनकी आत्माएँ / आशीर्वादों के बीच निवास करेंगी। छंद : हे प्रभु , मैं अपनी आत्मा तेरी ओर उठाता हूँ , हे मेरे परमेश्वर।

पवित्र प्रेरितों के काम, अध्याय 51A

उस समय, बच निकलने के बाद, पौलुस के साथ रहे लोगों ने जाना कि उस द्वीप का नाम मेलिट्टा था। स्थानीय लोगों ने हम पर बहुत दया दिखाई, क्योंकि बारिश और ठंड के कारण उन्होंने आग जलाई और हम सभी का स्वागत किया। लेकिन जब पौलुस ने बहुत सारी सूखी लकड़ियाँ इकट्ठी करके आग पर डाल रहा था, तो गर्मी से भगा हुआ एक विषैला साँप उसके हाथ से लिपट गया। जब स्थानीय लोगों ने उसके हाथ से लटकता हुआ साँप देखा , तो उन्होंने एक-दूसरे से कहा, 'यह आदमी निश्चय ही एक हत्यारा होगा, क्योंकि समुद्र से बचने के बाद भी ईश्वर का न्याय उसे जीवित रहने नहीं देता। ' लेकिन उसने साँप को आग में झाड़ दिया और उसे कोई हानि नहीं हुई। उन्होंने उम्मीद की थी कि उसके शरीर पर चकत्ते निकल आएँगे , या वह उसी जगह पर मर पड़ेगा ; लेकिन , जब उन्होंने काफी देर तक इंतजार किया और देखा कि उसे कोई हानि नहीं हुई , तो उन्होंने अपना मन बदल लिया और कहा कि वह एक देवता है। उस स्थान के पास द्वीप के राज्यपाल , पब्लियस नामक व्यक्ति की जागीरें थीं ; उसने हमारा स्वागत किया और तीन दिनों तक हमारी मेहमाननवाज़ी की। पब्लियस का पिता बुखार और पेट दर्द से बीमार पड़ा था; पौलुस उसके पास गया, प्रार्थना की, और उस पर हाथ रखकर उसे चंगा कर दिया। इस घटना के बाद, द्वीप पर अन्य बीमार लोग आए और ठीक हो गए; उन्होंने हमें बहुत सम्मान दिया और, जब हम प्रस्थान करने वाले थे , तो उन्होंने हमें हमारी ज़रूरत की हर चीज़ उपलब्ध कराई। तीन महीने बाद, हम एक अलेक्जेंड्रियाई जहाज, जिसका नाम डायोस्कुरी था, पर सवार हुए , जो उस द्वीप पर सर्दियाँ बिता रहा था, और, सिराकयूज़ पहुँचने के बाद, हम वहाँ तीन दिन रुके। वहाँ से नौकायन करके हम रेगिा पहुँचे ; और चूँकि दूसरे ही दिन दक्षिण की हवा चलने लगी, हम दूसरे दिन पुटेओली पहुँचे , जहाँ हमने भाइयों को पाया, और उनसे सात दिन तक रहने के लिए कहा गया, जिसके बाद हम रोम के लिए रवाना हुए। वहाँ के भाइयों ने हमारे बारे में सुनकर , एपियन वे और तीन सरायों तक हमें मिलने के लिए बाहर आ गए। उन्हें देखकर , पौलुस ने परमेश्वर का धन्यवाद किया और हिम्मत बँधी। जब हम रोम पहुँचे , तो शताधिक्षत्रपति

ने कैदियों को सेनापति के हवाले कर दिया, जबकि पौलुस को एक सिपाही के पहरे के साथ अकेले रहने की अनुमति दी गई। तीन दिन बाद, पौलुस ने यहूदियों के प्रमुख पुरुषों को बुलाया , और जब वे इकट्ठा हो गए, तो उसने उनसे कहा: 'भाइयो और पिताओ! मैंने अपनी प्रजा के विरुद्ध या अपनी पुरानी रीति-रिवाजों के विरुद्ध कुछ भी नहीं किया, फिर भी मुझे बेड़ियों में जकड़कर यरूशलेम से रोमियों के हवाले कर दिया गया। 'उन्होंने , मेरे मामले की जाँच करने के बाद, मुझे रिहा करना चाहा, क्योंकि मुझ में मृत्युदंड के योग्य कोई अपराध नहीं है ; लेकिन यहूदियों के विरोध करने पर, मुझे निर्णय के लिए सीज़र के पास अपील करने के लिए मजबूर होना पड़ा —हालाँकि , अपने लोगों के खिलाफ कोई आरोप लगाने के लिए नहीं। इसीलिए मैंने आपको बुलाया है , ताकि मैं आप लोगों से मिलूँ और बात करूँ , क्योंकि मुझे इन बेड़ियों में इस्राएल की आशा के कारण ही बाँधा गया है। ' उन्होंने उत्तर दिया, 'हमने यहूदिया से आपके विषय में न कोई पत्र प्राप्त किया है , और न ही यहाँ आए भाइयों में से किसी ने आपके विषय में कुछ बताया है या आपकी निंदा की है। तथापि, हम आपसे आपके विचार सुनना चाहेंगे ; क्योंकि हम जानते हैं कि इस शिक्षा के विषय में सर्वत्र बहुत विवाद है। और, उसके लिए एक दिन निश्चित करके , बहुत से लोग सराय में उससे मिलने आए; और सुबह से शाम तक उसने उन्हें परमेश्वर के राज्य के विषय में समझाया, और मूसा की व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों से प्रमाण देकर उन्हें यीशु के विषय में सच्चाई का निश्चय कराया। कुछ लोग उसकी बातों से राज़ी हो गए, जबकि अन्य ने विश्वास नहीं किया। लेकिन जब वे आपस में ही असहमत हो गए, तो वे चले गए, जब पौलुस ने ये शब्द कहे : 'पवित्र आत्मा ने यशायाह भविष्यवक्ता के द्वारा हमारे पूर्वजों से ठीक ही कहा था: "इस प्रजा के पास जाओ और कहो: 'तुम कानों से सुनोगे पर समझोगे नहीं , और आँखों से देखोगे पर देखोगे नहीं। क्योंकि इन लोगों का हृदय कठोर हो गया है ; उनके कान सुनने के लिए बधिर हो गए हैं , और उन्होंने अपनी आँखें बंद कर ली हैं , कहीं ऐसा न हो कि वे अपनी आँखों से देखें , और अपने कानों से सुनें , और अपने हृदय से समझें , और लौट आएं —और मैं उन्हें चंगा करूँ। इसलिए, यह जान लो: परमेश्वर का उद्धार अन्यजातियों के पास भेजा गया है ; वे इसे सुनेंगे। ' जब उसने यह कहा, तो यहूदी आपस में तीव्र बहस करते हुए चले गए। और पौलुस वहाँ पूरे दो वर्ष तक रहा, अपना खर्च स्वयं उठाते हुए और जो कोई भी उसके पास आता था, उसे स्वागत करते हुए , परमेश्वर के राज्य का प्रचार करता रहा और प्रभु यीशु मसीह के विषय में पूरी निर्भीकता से और बिना किसी रोक-टोक के सिखाता रहा।

प्रेरितों के काम 28:1–31

और आत्मा की शांति के लिए,
कुरिन्थियों को पहली पत्री , आरंभ 163

भाइयो, पहला मनुष्य मिट्टी का था, धूलि का मनुष्य ; दूसरा मनुष्य स्वर्ग का प्रभु है। जैसा धूलि का मनुष्य है , वैसे वे हैं जो धूलि के हैं ; और जैसा स्वर्गीय मनुष्य है , वैसे वे हैं जो स्वर्गीय हैं। और जैसे हम ने धूलि के मनुष्य के स्वरूप को धारण किया है , वैसे ही हम स्वर्गीय मनुष्य के स्वरूप को भी धारण करेंगे। परन्तु हे भाइयो, मैं तुम्हें यह बताता हूँ : मांस और लहू परमेश् वर के राज्य का विरासत में प्राप्त नहीं कर सकते , और न ही नाशनीय अविनाशी का। मैं तुम से एक रहस्य कहता हूँ : हम सब नहीं मरेंगे , परन्तु हम सब बदल जाएँगे —एक क्षण में , पलक झपकते ही, अन्तिम तुरही पर; क्योंकि तुरही बजाई जाएगी, और मरे हुए अविनाशी होकर उठाए जाएँगे , और हम बदल जाएँगे। क्योंकि इस नाशवान शरीर को अनश्वरता पहनना है , और इस मर्त्य शरीर को अमरत्व पहनना है। जब यह नाशवान शरीर अनश्वरता पहन लेगा , और यह मर्त्य शरीर अमरत्व पहन लेगा , तब जो वचन लिखा है वह पूरा होगा: 'मृत्यु जय में निगल ली गई।' हे मृत्यु , तेरा डंक कहाँ है ? हे पाताल, तेरी विजय कहाँ है ? मृत्यु का डंक पाप है , और पाप की शक्ति व्यवस्था है। परन्तु परमेश् वर का धन्यवाद हो, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जय प्रदान करता है !

1 कुरिन्थियों 15:47–57

आल्लेलुया , स्वर 4

पद: धन्य हैं वे जिन्हें आपने चुना और निकट लाया है , हे प्रभु। **पद:** और उनकी स्मृति पीढ़ी -दर-पीढ़ी बनी रहेगी।

यूहन्ना के अनुसार सुसमाचार , पद 67 से आरंभ

उन दिनों , यीशु मृतकों में से जी उठने के बाद अपने चेलों को प्रकट हुए , और शिमोन पतरस से कहा: 'यूहन्ना के पुत्र शिमोन, क्या तू मुझसे इनसे अधिक प्रेम करता है ?' पतरस ने उनसे कहा: 'हाँ , हे प्रभु ! तुम जानते हो कि मैं तुमसे प्रेम करता हूँ। ' यीशु ने उससे कहा, 'मेरे मेमनों को चरा।' उसने उससे दूसरी बार पूछा , 'योना के पुत्र शिमोन, क्या तुम मुझसे प्रेम करते हो?' पतरस ने उससे कहा, 'हाँ , प्रभु ! आप जानते हैं कि मैं आपसे प्रेम करता हूँ। ' यीशु ने उससे कहा, 'मेरी भेड़ों की रखवाली करो।' उसने उससे तीसरी बार पूछा , 'योहन के पुत्र शिमोन, क्या तुम मुझसे प्रेम करते हो?' पतरस इस बात से दुखी हुआ कि उसने उससे तीसरी बार पूछा , 'क्या तुम मुझसे प्रेम करते हो?' और उसने उससे कहा, 'प्रभु , आप सब कुछ जानते हैं ; आप जानते हैं कि मैं आपसे प्रेम करता हूँ। ' यीशु ने उससे कहा, 'मेरी भेड़ों को चरा।' 'मैं तुझ से सच-सच कहता हूँ : जब तू जवान था, तब स्वयं को कसकर जहाँ चाहता था वहाँ चल जाता था; परन्तु जब तू बूढ़ा होगा, तब अपने हाथ फैलाएगा , और कोई और तुझे कसेगा और तुझे वहाँ ले जाएगा जहाँ तू नहीं जाना चाहता।' यह उसने यह बताने के लिए कहा कि पतरस किस प्रकार की मृत्यु से परमेश्वर का महिमामण्डन करेगा। और यह कहकर, उसने उससे कहा, 'मेरा अनुसरण कर।' पतरस ने मुड़कर उस शिष्य को देखा जिसे यीशु प्रेम करते थे , जो उनके पीछे -पीछे आ रहा था—वही जो भोज के समय उनकी छाती पर सिर टेककर लेटा था और उसने कहा था, 'हे प्रभु , तुझे धोखा देने वाला कौन है ?' जब पतरस ने उसे देखा , तो उसने यीशु से कहा, 'हे प्रभु , उसकी क्या होगी?' यीशु ने उससे कहा, 'अगर मैं चाहता हूँ कि वह मेरे आने तक रहे , तो यह तुम्हारा क्या काम? तुम मेरा अनुसरण करो।' और भाइयों में यह अफवाह फैल गई कि यह शिष्य नहीं मरेगा। पर यीशु ने उससे यह नहीं कहा कि वह नहीं मरेगा , बल्कि : 'अगर मैं चाहता हूँ कि वह मेरे आने तक रहे , तो यह तुम्हारा क्या काम?' – यह वही शिष्य है जिसने इन बातों की गवाही दी है और इन्हें लिख भी दिया है ; और हम जानते हैं कि उसकी गवाही सच्ची है। यीशु ने और भी बहुत कुछ किया; परन्तु यदि उन सबको लिख दिया जाए, तो मुझे लगता है कि लिखी गई पुस्तकें सारी दुनिया में भी समा नहीं सकतीं। आमीन।

यूहन्ना 21:14-25

और यूहन्ना से , अध्याय 21 की शुरुआत

प्रभु ने उन यहूदियों से कहा जो उसके पास आए थे : 'मैं जीवन की रोटी हूँ ; जो मेरे पास आता है वह कभी भूखा नहीं होगा, और जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी प्यासा नहीं होगा। फिर भी मैंने तुमसे कहा है कि यद्यपि तुमने मुझे देखा है , तुम विश्वास नहीं करते। जिसे कोई को पिता मुझको देते हैं , वह मुझको आएगा; और जो कोई मुझको आता है , उसे मैं किसी तरह से बाहर नहीं निकालूंगा , क्योंकि मैं स्वर्ग से इसलिए नहीं आया कि अपनी इच्छा करूं , बल्कि उस पिता की इच्छा करूं जिसने मुझे भेजा है। अब मुझे भेजने वाले पिता की यही इच्छा है कि मैं उन में से किसी को भी खो न दूँ , जिन्हें उसने मुझे दिया है , बल्कि उन्हें अंतिम दिन में जिला उठाऊँ।

यूहन्ना 6:35–39

प्रतिभागी

धन्य हैं वे जिन्हें हे प्रभु , आपने चुना और अपने समीप खींचा है , / और उनकी स्मृति पीढ़ी -दर-पीढ़ी बनी रहती है। / अल्लेलूया। **(3)**

विषय-सूची पर वापस

, पवत्रि त्रमिूर्तत्रि
पेंटेकोस्ट

शनचिर को लघु संध्या में

'हे प्रभु , मै पुकारा हूँ :' पर, चौथे स्वर में स्टचिरा , स्वर 1

हम पेंटेकोस्ट का उत्सव मनाते हैं / और पवत्रि आत्मा के आगमन का, / और वादे की पूर्त का, / और हमारी आशा के साकार होने का। / और क्या रहस्य है ! / कतिना महान और सम्माननीय ! / इसलिए हम तुझ से पुकारते हैं : / 'हे प्रभु , हे सर्व सृष्ट के स्रष्टा , महमिा तुझ में हो!' (2)

वदिेशी लोगों की भाषाओं के द्वारा / हे मसीह, आपने अपने शष्यिों को नया कयिा है , / ताक उनके द्वारा वे आपकी घोषणा करें , / अमर वचन और परमेश्वर , / जो हमारी आत्माओं पर महान दया करते हैं।

सभी चीज़ें पवत्रि आत्मा द्वारा प्रदान की जाती हैं : / वह भवष्यिवाणयिाँ प्रदान करता है , पुरोहतिों की नयिुक्त करता है , / ने साधारण लोगों को बुद्धि सखिाई है , / ने मछुआरों को धर्मशास्त्रयिों में बदल दयिा है , / और कलीसयिा के पूरे संगठन की स्थापना करता है। / परमपति और पुत्र के साथ एकसार और सह-सहिासनधारी , / हे परमप्रकाशाकार , तुझे महमिा हो!

महमिा, और अब, स्वर 8: जब हे प्रभु , तूने अपना आत्मा भेजा , / प्रेरतिों के समागम में , / तब यहूदयिों के पुत्र , यह देखकर भय से भर गए, / क्योंक उन्होंने उन्हें अन्य , वदिेशी भाषाओं में बोलते सुना , / जैसे आत्मा ने उन्हें सामर्थ्य दी; / क्योंक , यद्यपि वे अनपढ़ थे , वे ज्ञान से परपिूर्ण हो गए / और, राष्ट्रों को वश्विास की ओर आकर्षति करते हुए , / उन्होंने दव्यि वषियों पर वाक्पटुता से भाषण दयिा। / अतः हम भी तुझ से पुकारते हैं : / 'हे प्रभु , जो पृथ्वी पर प्रकट हुए और हमें भूल से बचाया, / तेरा महमिा हो!'

स्टचिरा एट द साल्तेरी , स्वर 2

हमने सच्चा प्रकाश देखा है , / स्वर्गीय आत्मा ग्रहण की है , / सच्चा वश्विास पाया है / जब हमने अवभाज्य त्रमिूर्त की उपासना की, / क्योंक उसी ने हमें बचाया है।

पद: हे परमेश् वर , मुझ में एक नया और शुद्ध हृदय उत्पन्न कर, / और मुझ में एक दृढ़ आत्मा को फरि से स्थापति कर।

भजन संहति 50:12

भवष्यिद्वक्ताओं के द्वारा आपने हमें मोक्ष का मार्ग प्रकट कयिा है , / और प्रेरतिों में , हे हमारे उद्धारकर्ता , आपके आत्मा का अनुग्रह प्रकाशति हुआ है ; / आप ईश्वर हैं —प्रथम ; आप ईश्वर हैं —उसके बाद भी, / और सदा के लिए आप हमारे ईश्वर हैं !

पद: मुझे अपनी उपस्थति से दूर न कर / और मुझ से अपना पवत्रि आत्मा न ले।

भजन संहति 50:13

तेरे भवन में मैं तेरा गीत गाऊँगा , हे जगत के उद्धारकर्ता , / और अपने घुटने टेककर , मैं तेरी अजेय शक्त के सामने सरि झुकाऊँगा , / साँझ को, और प्रातः को, और दोपहर को, / और सर्वदा मैं तुझे धन्य कहूँगा , हे प्रभु !

महमिा, और अब, उसी स्वर में : आइए हम एकसार त्रमिूर्त का गीत गाएँ – पति और पुत्र पवत्रि आत्मा के साथ, क्योंक इस प्रकार सभी भवष्यिद्वक्ताओं और प्रेरतिों ने शहीदों के साथ प्रचार कयिा है।

अब समापन: **त्रगिुणति पवत्रि एक,** प्रभु की प्रार्थना **के बाद:**

ट्रोपारयिन , स्वर 8

धन्य हैं आप, हे मसीह हमारे परमेश्वर , / जिन्होंने मछुआरों को बुद्धिमान बनाया, / उन पर पवित्र आत्मा को भेजकर / और उनके द्वारा सारी दुनिया को पकड़ा। / हे मानवजाति के प्रेमी , महिमा आपको हो!

द्विगुण एक्टेनिया और समापन।

महान संध्याकाल में

'हे प्रभु , मैंने पुकारा है ' पर, स्तिखिरा स्वर 10 में
संत जॉन ऑफ डेमास्कस का, स्वर 1

हम पेंटेकोस्ट का पर्व मनाते हैं / और पवित्र आत्मा के आगमन का, / और वादे की पूर्ति का, / और हमारी आशा के साकार होने का। / और क्या रहस्य है ! / कितना महान और सम्माननीय ! / अतः हम आपसे पुकारते हैं : / 'हे प्रभु , हे सर्व सृष्टि के स्रष्टा , आपको महिमा!' (2)

अन्यजातियों की भाषाओं में / हे ख्रीस्त , आपने अपने शिष्यों को नया किया, / ताकि उनके द्वारा वे आपको प्रचार कर सकें , / अमर वचन और परमेश्वर , / जो हमारी आत्माओं पर महान दया करते हैं।

सभी वस्तुएँ पवित्र आत्मा द्वारा प्रदान की जाती हैं : / वह भविष्यवाणियाँ प्रदान करता है , पुरोहितों की नियुक्ति करता है , / सरल बुद्धि सिखाई है , / मछुआरों को धर्मशास्त्रज्ञ बनाया है , / और चर्च की संपूर्ण व्यवस्था स्थापित करता है। / परमपिता और पुत्र के साथ एकसार और सह-सिंहासनधारी , / परमप्रताप , महिमा आपको!

स्वर 2

हमने सच्चा प्रकाश देखा है , / स्वर्गीय आत्मा ग्रहण की है , / सच्चा विश्वास पाया है / अविभाज्य त्रिमूर्ति की उपासना करते हुए , / क्योंकि उसी ने हमें बचाया है। (2)

भविष् यवक् ताओं के माध् यम से आपने हमें मोक्ष का मार्ग प्रकट किया है , / और प्रेरितों में , हे हमारे उद्धारकर्ता , आपके आत् मा का अनुग्रह प्रकट हुआ है ; / आप ईश्वर हैं —प्रथम ; आप ईश्वर हैं —उसके बाद भी, / और सदा के लिए आप हमारे ईश्वर हैं !

तेरे प्रांगणों में मैं तेरा गीत गाऊँगा , हे संसार के उद्धारकर्ता , / और, अपने घुटने टेककर , मैं तेरी अजेय शक्ति के सामने नमन करूँगा , / साँझ को, और प्रातः को, और मध्याह्न में , / और सर्वदा मैं तुझे धन्य कहूँगा , हे प्रभु !

हे प्रभु , तेरे द्वारों में , हम विश्वासी , / आत्मा और शरीर के घुटने टेककर , / तेरी महिमा गाते हैं , हे आदि-विहीन पिता, / हे सह-शाश्वत पुत्र , / और हे आत्मा , जो समान रूप से शाश्वत और सर्व -पवित्र है , / जो हमारी आत्माओं को प्रकाशित और पवित्र करता है।

आओ हम एकसार स्वभाव वाली त्रिमूर्ति का गान करें / – पिता और पुत्र के साथ पवित्र आत्मा का, / क्योंकि इस प्रकार सभी भविष्यद्वक्ताओं ने / और प्रेरितों ने शहीदों के साथ प्रचार किया है।

महिमा, और अब, स्वर 8, सम्राट लियो VI का

आओ, हे सभी लोगों , / हम त्रिमूर्ति की आराधना करें – / पुत्र की पिता में पवित्र आत्मा के साथ; / क्योंकि पिता ने , सर्वकाल से पहले , / पुत्र को जन्म दिया, जो समान रूप से शाश्वत और सह-सिंहासनधारी है , / और पवित्र आत्मा पिता में था, पुत्र के साथ महिमामय; / एक शक्ति , एक सार, एक ईश्वरत्व। / जब हम उनकी उपासना करते हैं , हम सभी उद्घोषणा करते हैं : / 'हे

पवित्र परमेश्वर , जिन्होंने पवित्र आत्मा की सहायता से पुत्र के द्वारा सभी चीजों की रचना की!' / पवित्र और सर्वशक्तिमान , जिनके द्वारा हमने पिता को जाना / और जिनके द्वारा पवित्र आत्मा जगत में आए! / पवित्र और अमर सांत्वनादाता – आत्मा , / जो पिता से उत्पन्न होकर पुत्र में निवास करते हैं ! / पवित्र त्रिमूर्ति , आपको महिमा!'

प्रवेश। दिन का प्रोकीमेनन। और पर्व के लिए पाठ:

गणना से पाठ

प्रभु ने मूसा से कहा: 'इज़राइल के बुज़ुर्गों में से सत्तर पुरुष मुझे इकट्ठा कर, जिन्हें तू जनता के बुज़ुर्ग और उनके लिपिकार जानता है। उन्हें गवाही के तम्बू पर ले आ, और वे तेरे साथ वहाँ खड़े रहेंगे। और मैं वहाँ उतरकर तुझसे बात करूँगा ; और मैं तुझ पर जो आत्मा है , उसमें से लेकर उन पर डालूँगा , और वे तेरे साथ लोगों का भार उठाएंगे , ताकि तुझे अकेले ही वह भार न उठाना पड़े। ' तब मूसा ने लोगों के बुज़ुर्गों में से सत्तर पुरुष इकट्ठे किए और उन्हें तम्बू के चारों ओर खड़ा किया। यहोवा बादल में उतर आया और मूसा से बात की; उसने उस आत्मा में से कुछ लिया जो उस पर था और उसे उन सत्तर बुज़ुर्गों पर डाल दिया। जब आत्मा उन पर उतर आई, तो उन्होंने डेरे में भविष्यवाणी की, परन्तु फिर ऐसा नहीं किया।

अब शिविर में दो पुरुष रह गए थे : एक का नाम एल्दाद और दूसरे का नाम मोदाद था, और उन पर आत्मा उतरी। वे उन लोगों में से थे जिनका नाम लिखा गया था, पर वे तम्बू तक नहीं गए थे ; और वे शिविर में भविष्यवाणी करने लगे। एक जवान दौड़कर मोशे के पास आया और उसे यह बताकर रिपोर्ट किया, 'एल्दाद और मओदाद शिविर में भविष्यवाणी कर रहे हैं !' तब नून के पुत्र यहोशू , जो मोशे के सहायक और उनके चुने हुए व्यक्ति थे , ने उत्तर दिया, 'हे मेरे स्वामी मोशे ! उन्हें रोक दो!' पर मूसा ने उससे कहा, 'क्या तू मेरे लिए ईर्ष्या करता है ? काश परमेश्वर के सब लोग भविष्यद्वक्ता होते , कि परमेश्वर उन पर अपना आत्मा डालता!'"

गिनती 11:16–17, 24–29

2. योएल की भविष्यवाणियाँ – एक पाठ

यहोवा इस प्रकार कहता है : हे सियोन के हे बच्चों , आनन्दित हो और अपने परमेश्वर यहोवा में प्रसन्न रहो, क्योंकि उसने तुम्हें धार्मिकता का भोजन दिया है और पहले की तरह तुम्हें आरंभिक और अंतिम वर्षा भेजेगा। अनाज के भण्डार गेहूँ से भर जाएँगे , और मदिरा तथा तेल की नालियाँ लबालब भर जाएँगी। मैं तुम्हें वे वर्ष लौटा दूँगा जिन्हें टिड्डियों , झींगुरों , कीटों और कटवर्मों ने खा लिया था—मेरी वह महान सेना जिसे मैंने तुम्हारे विरुद्ध भेजा था। तुम तृप्त होकर खाओगे और संतुष्ट होओगे , और तुम अपने प्रभु परमेश्वर के नाम की स्तुति करोगे , जिसने तुम्हारे लिए अद्भुत काम किए हैं ; और मेरे लोग फिर कभी लज्जित नहीं होंगे। और तुम जानोगे कि मैं इस्राएल के बीच में हूँ , और यह कि मैं तुम्हारा प्रभु परमेश्वर हूँ , और मेरे सिवा और कोई नहीं है ; और मेरे लोग फिर कभी लज्जित नहीं होंगे।

और ऐसा होगा कि इसके बाद मैं अपनी आत्मा को सब मनुष्यों पर उंडेलूँगा ; और तुम्हारे पुत्र और तुम्हारी पुत्रियाँ भविष्यद्वाणी करेंगे , और तुम्हारे वृद्ध पुरुष स्वप्न देखेंगे , और तुम्हारे जवान दर्शन देखेंगे। और उन दिनों में मैं अपनी आत्मा को अपने दासों और अपनी दासियों पर भी उंडेलूँगा , और वे भविष्यद्वाणी करेंगे। मैं ऊपर आकाश में आश्चर्य और नीचे पृथ्वी पर चिन्ह दिखाऊँगा : लहू , आग और धुएँ के बादल। यहोवा के महान और तेजस्वी दिन के आने से पहले सूर्य अँधेरा और चन्द्रमा लहू का हो जाएगा। और ऐसा होगा कि जो कोई यहोवा का नाम लेगा , वह उद्धार पाएगा।

योएल 2:23–32

त्रत्वि रविवार

3. यहेजकेल की भविष्यिवाणियाँ – एक पाठ

प्रभु यों कहते हैं : मैं तुम्हें राष्ट्रों के बीच से निकाल लूँगा , और तुम्हें सब देशों से इकट्ठा करूँगा , और तुम्हें तुम्हारे ही देश में ले आऊँगा। मैं तुम पर शुद्ध जल छड़िकूँगा , और तुम अपनी सारी अशुद्धता और अपनी सारी मूर्तियों से शुद्ध हो जाओगे , और मैं तुम्हें शुद्ध करूँगा। मैं तुम्हें एक नया हृदय दूँगा और तुम्हारे भीतर एक नई आत्मा डालूँगा ; मैं तुम्हारे शरीर से पत्थर का हृदय निकालकर तुम्हें मांस का हृदय दूँगा। मैं अपनी आत्मा तुम्हारे भीतर डालूँगा और तुम्हें मेरी आज्ञाओं पर चलने और मेरे वधिानों को मानने और उन्हें करने के लिए प्रेरति करूँगा। तुम उस देश में बसोगे जो मैंने तुम्हारे पूर्वजों को दिया था, और तुम मेरी प्रजा होओगे , और मैं तुम्हारा परमेश्वर होऊँगा।

यहेजकेल 36:24–28

लतिानी के लिए स्टचिैरा , स्वर 2

भवष्यिद्वक्ताओं के द्वारा आपने हमें उद्धार का मार्ग प्रकट किया है , / और प्रेरतिों में , हे हमारे उद्धारकर्ता , आपके आत्मा का अनुग्रह प्रकाशति हुआ है ; / आप ईश्वर हैं —प्रथम ; आप ईश्वर हैं —उसके बाद भी, / और सदा के लिए आप हमारे ईश्वर हैं !

तेरे प्रांगणों में मैं तेरा गीत गाऊँगा , हे संसार के उद्धारकर्ता , / और, अपने घुटने टेककर , मैं तेरी अजेय शक्ति के सामने नमन करूँगा , / साँझ को, और प्रातः को, और मध्याह्न में , / और सर्वदा मैं तुझे धन्य कहूँगा , हे प्रभु !

हे प्रभु , तेरे प्रांगण में , हम वश्विासी , / आत्मा और शरीर के घुटने टेककर , / तेरी महमिा गाते हैं , हे आदहिीन पति, / सह-शाश्वत पुत्र , / और समान रूप से शाश्वत और सर्व - पवत्रि आत्मा की, / जो हमारी आत्माओं को प्रकाशति और पवत्रि करता है।

महमिा, और अब, स्वर 8: जब हे प्रभु , तूने अपना आत्मा भेजा , / प्रेरतिों के समागम में , / तब यहूदयिों के पुत्र , यह देखकर भयभीत हो गए, / क्योंकि उन्होंने उन्हें अन्य , परायी भाषाओं में बोलते सुना , / जैसे आत्मा ने उन्हें सामर्थ्य दी; / क्योंकि , यद्यपि वे अनपढ़ थे , वे ज्ञान से परपिूर्ण हो गए / और, राष्ट्रों को वश्विास की ओर आकर्षति करते हुए , / उन्होंने दविय वषियों पर वाक्पटुता से भाषण दिया। / इसलिए हम भी तुझ से पुकारते हैं : / 'हे प्रभु , जो पृथ्वी पर प्रकट हुए और हमें भ्रम से बचाया, / तेरा महमिा हो!'

स्टचिैरा एट द साल्टर , स्वर 6

हे प्रभु , सर्व -पवत्रि आत्मा की शक्ति को न समझकर, जो तेरे प्रेरतिों में प्रकट हुई , राष्ट्रों ने बोलियों के बदलने को नशे में समझ लिया। परन्तु हम, उनसे बल पाकर, नरिन्तर ऐसा प्रचार करते हैं : 'हे मानव-प्रेमी , हम तुझसे वनिती करते हैं , अपना पवत्रि आत्मा हमसे न ले। '

पद: हे परमेश्वर , मुझ में एक नष्किलंक हृदय सृजति कर, / और मुझ में एक नया और सही आत्मा नया कर।

भजन संहति 50:12

हे प्रभु ! पवत्रि आत्मा का आगमन, जसिने आपके प्रेरतिों को भर दिया, उन्हें अन्य भाषाओं में बोलने की क्षमता प्रदान की। और इस प्रकार , यह असाधारण घटना अवश्विासयिों को नशा प्रतीत हुई , परन्तु वश्विासयिों के लिए यह उद्धार का स्रोत थी। हे मानवता के प्रेमी ! हम भी उसकी करिणों में भागीदार बनें , हम आपसे प्रार्थना करते हैं।

छंद : मुझे अपनी उपस्थति से दूर न कर / और मुझ से अपना पवत्रि आत्मा न ले।

भजन संहति 50:13

स्वर्गीय राजा, / सांत्वनादाता , सत्य के आत्मा , / जो सर्वत्र उपस्थति हैं / और सभी चीज़ों को भरते हैं , / सभी अच्छी चीज़ों के खज़ाने / और जीवन के दाता, / आओ और हम में वास करो, / और हमें हर अशुद्धि से शुद्ध करो, / और हे शुभे , हमारी आत्माओं को बचाओ।

महमिा, और अब, स्वर 8: एक बार भाषाएँ भ्रमति हो गईं / बाबेल की मीनार बनाने की धृष्टता के कारण; / लेकनि अब ज्ञान की भाषाएँ भर जाती हैं / परमेश्वर के ज्ञान की महमिा से। / वहाँ परमेश्वर ने दुष्टों को उनके अपराध के लिए दण्डति कयिा; / यहाँ मसीह ने मछुआरों को आत्मा से प्रबुद्ध कयिा। / तब स्वयं को समझाने में असमर्थता एक दण्ड था; / अब, हालाँकि, सामंजस्य बहाल हो गया है / हमारी आत्माओं के उद्धार के लिए।

ट्रोपारयिन , स्वर 8

धन्य हैं आप, हे मसीह हमारे परमेश्वर , / जन्हिोंने मछुआरों को बुद्धमिान बनाया, / उन पर पवत्रि आत्मा को भेजकर / और उनके द्वारा सारी दुनयिा को पकड़ा। / हे मानवजाति के प्रेमी , आपको महमिा! (3)

प्रभात -प्रार्थना में

ईश्वर प्रभु को: पर्व का ट्रोपारयिन , स्वर 8

धन्य हैं आप, हे मसीह हमारे ईश्वर , / जन्हिोंने मछुआरों को बुद्धमिान बनाया, / उन पर पवत्रि आत्मा को उतारकर / और उनके द्वारा संपूर्ण जगत को पकड़ा। / मानवता के प्रेमी , महमिा आपको हो! (3)

पहले स्टचिरा के बाद, सेडेलन , स्वर 4

हे वश्विासयिों , आइए आनंद के साथ मनाएँ / इस अंतमि और परम पर्व को; / यह पेंटेकोस्ट है , वादे की पूर्ति / और हमारे लिए पूर्वनर्धिारति सभी बातों की; / क्योंकि इस दनि परमेश्वर की आत्मा की आग / अचानक पृथ्वी पर जीभों के रूप में अवतरति हुई , / और शष्यिों को प्रबुद्ध कयिा, / और उन्हें स्वर्ग के रहस्यों में दीक्षति के रूप में प्रकट कयिा। / परमेश्वर की आत्मा का प्रकाश आया है और उसने संसार को प्रबुद्ध कयिा है !

महमिा, और अब: हम वही दोहराते हैं।

सेडेलन के दूसरे छंद के अनुसार , स्वर 4

आत्मा का स्रोत , पृथ्वी पर आकर, / वचिार में स्वयं को अग्नमिय नदयिों में वभिाजति कर, / प्रेरतिों को सींचा , उन्हें प्रकाश तक उठाया। / और आग उनके लिए एक ओस भरा बादल बन गई, / उन्हें प्रकाशति करते हुए और अपनी लौ को बारशि की तरह बरसाते हुए ; / उनसे ही हमने भी अनुग्रह प्राप्त कयिा है / आग और पानी के माध्यम से। / सांत्वनादाता का प्रकाश आया है और उसने संसार को प्रकाशति कयिा है।

महमिा, और अब: हम वही दोहराते हैं।

महान महमिा

हम तेरा महमिामंडन करते हैं , / हे मसीह, जीवन दाता, / और हम तेरे सर्व -पवत्रि आत्मा का सम्मान करते हैं , / जसिे तूने पति से भेजा / अपने दव्यि शष्यिों के पास।

त्रत्वि रविवार

चुना हुआ भजन

1 आकाश परमेश्वर की महमिा का उद्घोष करते हैं ; गगन उनके हाथों के कार्यों की घोषणा करता है। 2 उनके होठों की साँस से उनकी सारी सेना बनती है। 1 प्रभु ने स्वर्ग से नीचे देखा और मनुष्यों के सभी पुत्रों को देखा। 2 उनके सामने आग भड़कती है , और एक प्रचंड आँधी उन्हें घेरे हुए है। 1 उनके भीतर से आग के कोयले फूटते हैं। और उसने आकाश को झुकाया और उतर आया। 2 उसकी उपस्थति के तेज से बादल, ओले और अग्न की कोयले नकिलते हैं। 1 पृथ्वी के सभी छोर याद करेंगे और प्रभु की ओर मुड़ेंगे। 2 और राष्ट्रों के सभी कुल उसकी उपस्थति में पूजा करेंगे। 1 यहोवा की गवाही सच्ची है , जो बालकों को बुद्धि देती है। 2 सीनै के परमेश्वर के सामने पृथ्वी कांप उठी और आकाश पघिल गया। 1 हे परमेश्वर , तू अपनी वरिासत पर भरपूर वर्षा कर। 2 तू उन्हें सारी पृथ्वी पर शासक नयिुक्त करेगा। 1 उनकी वाणी सारी पृथ्वी तक और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं। 2 आप अपनी आत्मा को भेजेंगे , और वे सृजति हो जाएँगे ; और आप पृथ्वी का मुख नवीनीकृत करेंगे। 1 आपकी भली आत्मा मुझे धर्म के देश में ले जाएगी। 2 हे परमेश्वर , मुझ में एक नष्किलंक हृदय सृजति करें , और मुझ में एक नया और सही आत्मा नवीनीकृत करें। 1 मुझे अपनी उपस्थति से दूर न कर, और अपनी पवत्रि आत्मा मुझ में से न ले। 2 मुझे अपनी उद्धार की आनन्द फरि से दे , और मुझे अपनी सर्वशक्तमिान आत्मा से दृढ़ कर। 1 प्रभु प्रचारकों को महान शक्ति के साथ वचन देंगे। 2 प्रभु अपने लोगों को शक्ति देंगे ; प्रभु अपने लोगों को शांति का आशीर्वाद देंगे।

भजन संहति 18:2, 32:6, 32:13, 49:3ख, 17:9ग–10क, 17:13, 21:28क, 21:28ख, 18:8ख, 67:9क, 67:10A, 44:17B, 18:5, 103:30, 142:10B, 50:12, 50:13, 50:14, 67:12, 28:11.

महमिा, और अब: हलेलुया (3)।

पॉलीएलयिोस के बाद, सेडेलन , स्वर 8

हे मसीह, कब्र से तेरे पुनरुत्थान और स्वर्गीय ऊँचाइयों तक तेरे दव्यि आरोहण के द्वारा , तूने उन पर अपनी महमिा प्रदान की है जो तुझे देखते हैं , हे दयालु , अपने शष्यिों के भीतर पवत्रि आत्मा को नवीनीकृत करके ; / इसलयि वे , एक संगीत लयरे की तरह, / रहस्यमय रूप से सभी को सूचति करते हैं / दव्यि प्रेरणा के अंतर्गत अपनी हर्षोल्लास / और मसीहा, आपके द्वारा कलीसयिा की स्थापना।

महमिा, और अब: हम वही दोहराते हैं।

स्टेपेना , चौथे स्वर की पहली प्रतगिान

मेरी जवानी से / कई वासनाओं ने मुझ पर युद्ध छेड़ा है ; / पर रक्षा / और मुझे बचा, हे मेरे उद्धारकर्ता।

जो सयिोन से बैर रखते हो, वे प्रभु के सामने लज्जति हों : / क्योंकि तुम आग में जलकर राख हो जाओगे , / जैसे घास।

महमिा: प्रत्येक आत्मा पवत्रि आत्मा से जीवति होती है / और शुद्धकिरण द्वारा उन्नत होती है , / त्रमिूर्ति की एकता द्वारा / पवत्रि रहस्य में प्रबुद्ध होती है।

और अब: और हम यही दोहराते हैं।

प्रोकेइमेनोन , स्वर 4

तव पवत्रि आत्मा / मुझे धार्मकिता के देश में ले जाएगा। **पद:** हे प्रभु , मेरी प्रार्थना सुन ; मेरी वनिती पर कान लगा। भजन संहति 142:10ख; 1क

दूसरा प्रोकीमेनोन : जो कुछ भी साँस लेता है / वह प्रभु की स्तुति करे। **श्लोक :** उसके पवित्र लोगों में परमेश्वर की स्तुति करो; उसकी सामर्थ्य के मंडप में उसकी स्तुति करो। भजन संहिता 150:6, 1

यूहन्ना के अनुसार सुसमाचार , आरंभ 65B

उस सप्ताह के पहले दिन की संध्या को, जब यहूदियों के डर से जिस घर में उसके चेले इकट्ठे थे उसके दरवाजे बंद थे , यीशु आए और उनके बीच में खड़े हो गए और उनसे कहा, 'तुम्हें शान्ति मिले !' यह कहकर उसने उन्हें अपने हाथ और अपने पाँव और अपनी पसली दिखाई। प्रभु को देखकर चेले आनन्दित हुए। यीशु ने उनसे दूसरी बार कहा, 'तुम्हें शान्ति मिले ! जैसे पिता ने मुझे भेजा है , वैसे ही मैं तुम्हें भेजता हूँ। ' यह कहकर, उन्होंने उन पर श्वास फूँका और उनसे कहा, 'पवित्र आत्मा ग्रहण करो। जिनके पाप तुम क्षमा करोगे , वे क्षमा किए हुए होंगे ; और जिनके पाप तुम बनाए रखोगे , वे रखे हुए होंगे। ' यूहन्ना 20:19–23

हम मसीह के पुनरुत्थान का भजन नहीं गाते , बल्कि सीधे भजन संहिता 50 को पढ़ते हैं। फिर, हमेशा की तरह:

महिमा: प्रेरितों की प्रार्थनाओं के द्वारा , हे दयालु , हमारे अनेक पापों को मिटा दो।

और अब: ईश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा , हे दयालु , हमारे पापों की भीड़ को मिटा दो।

तब, स्वर 6: हे ईश्वर , मुझ पर दया करो, अपनी महान दया के अनुसार , और अपनी अनुग्रहों की बहुतायत के अनुसार , मेरी अधर्म को मिटा दो।

भजन संहिता 50 के बाद, एक स्टिचेरा , स्वर 6

स्वर्गीय राजा, / परम-सांत्वनादाता , सत्य के आत्मा , / जो सर्वत्र उपस्थित हो और सर्व वस्तुओं को भरते हो, / सर्व शुभताओं के भण्डार और जीवन के दाता, / आओ और हम में वास करो, / और हमें हर अशुद्धि से शुद्ध करो, / और हे दयालु , हमारी आत्माओं को बचाओ।

कैनन

पहला – द्वारा सेंट मायूम के कोस्मास , स्वर 7, और दूसरा – आर्कली के जॉन द्वारा (अन्य : दमश्क के संत जॉन), स्वर 4; दोनों कैननों के इरमोस दो बार गाए जाते हैं , सभी ट्रॉपारिया स्वर 12 में गाए जाते हैं , फिर पहली मंडली पहला इरमोस गाती है , और दूसरी मंडली दूसरा इरमोस गाती है।

गीत 1

कैनन 1. इरमोस: तूने फिरौन और उसके रथों को समुद्र से ढा दिया / तू जो अपनी पराक्रमी भुजा से युद्ध में कुचलता है ; / हम उसी का गीत गाएँ , क्योंकि वह महिमामय है।

वास्तव में , जैसा कि आपने पहले ही अपने शिष्यों से वादा किया था, / सांत्वना देने वाले , पवित्र आत्मा को भेजकर , हे मसीह, / आपने मानव जाति के प्रेमी , अपनी ज्योति से संसार को प्रकाशित किया है।

जो प्राचीन काल में / व्यवस्था और भविष्यवक्ताओं द्वारा पूर्व में बताया गया था, वह पूरा हो गया है , / क्योंकि दिव्य आत्मा की कृपा / आज के दिन सभी विश्वासियों पर बरसाई गई है।

कैनन 2. इरमोस: मूसा , वाणी-स्थब्ध , / दव्यि अंधकार से आवृत , / ने ईश्वर द्वारा लखिति व्यवस्था की स्पष्ट व्याख्या की, / क्योंकि , अपनी आध्यात्मकि दृष्टि से अशुद्धि को दूर कर, / वह उस 'जो है ' को देखता है और आत्मा के ज्ञान की शक्षिा पाता है , / और दव्यि भजनों से उसकी महमिा करता है।

पवत्रि और सम्माननीय ओठों ने उद्घोषति कयि: / 'मैं तुमसे अलग नहीं होऊँगा , हे मेरे मत्रिो ; / क्योंकि , पति के सर्वोच्च सहिासन पर वरिाजमान होकर, / मैं आत्मा की प्रचुर कृपा / उन पर उंडेलूँगा जो प्रकाशति होना चाहते हैं।

दहलीज पार कर, सबसे वश्विसनीय वचन / हृदय को स्थरिता से भर देता है ; / क्योंकि , अपना कार्य पूरा कर, मसीह ने अपने मत्रिों को आनंदति कयि, / जैसा उसने वादा कयि था, पवत्रि आत्मा को / एक प्रचंड झोंके और आग की ज्वालाओं में प्रदान कयि।

गीत 3

कैनन 1. इरमोस: 'यरूशलेम में रहो', / – हे मसीह, आपने अपने शष्यिों से कहा, / – 'जब तक तुम ऊपर से शक्ति से परपिूर्ण नहीं हो जाते ; / और मैं अपने समान एक और सांत्वनादाता भेजूंगा , / मेरा आत्मा और पति का आत्मा , / जसिमें तुम दृढ़ हो जाओगे '।

जो दव्यि आत्मा का सामर्थ्य अवतरति हुआ है , उसने दैवीय रूप से एक ही सामंजस्य में एक कर दयि है , उन जीभों को जो प्राचीन काल में बुराई की साजशि रचने वालों द्वारा वभिाजति की गई थीं , और वश्विासयिों को त्रमिूर्ति के ज्ञान में शक्षिति करता है , जसिमें हम स्थापति हैं।

कैनन 2. इरमोस: बाँझ गर्भ के बंधन टूट गए / और बहुत संतान वाली स्त्री का अनयिंत्रति अहंकार समाप्त हो गया / प्राचीन काल में भवष्यिवक्ता अन्ना की एक ही प्रार्थना से , / जसिकी आत्मा पश्चात्ताप से भरी थी, / जो ज्ञान के शासक और ईश्वर को संबोधति थी।

अववेिकी त्रमिूर्ति , / क्योंकि उसने अनपढ़ों को वाक्पटु बना दयि है , / एक ही शब्द से ऋषयिों की भीड़ को मौन कर दयि / और आत्मा की बजिली से अनगनित लोगों को घोर अंधकार से बाहर खींच लयि।

अजन्मा प्रकाश से एक प्रकाश उत्पन्न हुआ , / एक सर्वशक्तमिान , सक्रयि , अक्षय प्रकाश , / जसिकी करिणें , जो पति के स्वभाव की हैं / और उनसे एकसार हैं , अब पुत्र के द्वारा राष्ट्रों के सामने प्रकट हुई हैं / सयि्योन पर एक अग्नमिय घोष के रूप में।

सेडालेन , स्वर 8

जो उद्धारकर्ता से प्रेम करते थे वे आनन्द से भर गए / और जो हाल ही में डरपोक थे उन्हें साहस मलि, / जब इस दनि पवत्रि आत्मा स्वर्ग से शष्यिों के घर पर उतरा, / और उनमें से प्रत्येक ने लोगों से एक अलग भाषा में बात की; / क्योंकि जीभें बँट गई थीं , / जो आग की तरह प्रतीत हो रही थीं , / और उन्होंने उन्हें जलाया नहीं , बल्कि , इसके वपिरीत, उन्हें सींचा।

महमिा, और अब: हम वही दोहराते हैं।

भजन ४

कैनन 1. इरमोस: तेरे आगमन का चतिन करते हुए / अंतमि दनिों में , हे मसीह, भवष्यिवक्ता ने पुकारा : / 'मैंने तेरी सामर्थ्य के वषिय में सुना है , हे प्रभु , / कि तू अपने सभी अभषिक्तिों को बचाने आया है। '

जो प्राचीन काल में भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा बोलता था / और व्यवस्था में अपूर्ण मनुष्यों के लिए घोषित किया गया था, / वह सच्चा ईश्वर , सांत्वना देने वाला, आज प्रकट हुआ / वचन के सेवकों और साक्षियों के लिए।

पवित्र आत्मा , दिव्यता का चिह्न धारण करके , / इस दिन प्रेरितों के बीच अग्नि में विभक्त हुआ / और अजीब भाषाओं में प्रकट हुआ , / क्योंकि वह दिव्य शक्ति है , / जो पिता से उत्पन्न , स्वयंभूत है।

कैनन 2. इरमोस: राजाओं के राजा, एक से एक, / एकमात्र वचन, आरंभहीन पिता से उत्पन्न , / हे प्रभु , आपने एक दाता के रूप में , / स्वयं के समान आत्मा को प्रेरितों के पास भेजा , जो गाते हैं : / 'हे प्रभु , तेरी सामर्थ्य की महिमा!'

वचन के साथ पुनर्जन्म के दैवीय स्रोत को घोलकर, / हे परमेश्वर के वचन, आप, जो स्वभाव से जटिल हैं , / मुझ पर वर्षा की तरह एक प्रवाह बहाते हैं / अपनी भेदी , अविनाशी पार्श्व से , / और इसे आत्मा के प्रवाह से सील करते हैं।

सभी सांत्वनादाता के समक्ष घुटने टेकते हैं , / और पिता के पुत्र , जो हर बात में पिता के सह-तत्त्व हैं , / क्योंकि सभी ने त्रिमूर्ति में सच्चे , / अगम्य , कालातीत, और एक सत्ता को देखा है : / क्योंकि पवित्र आत्मा का अनुग्रह प्रकाश की तरह चमका है।

सर्वाधिक दैवीय से परिपूर्ण हो जाओ, / तुम सभी, चाहे कितने भी हों , त्रि-प्रकाशमान सत्ता के सेवक / क्योंकि वह एक परोपकारी के रूप में सभी को अलौकिक रूप से परिपूर्ण करता है , / और मसीह उद्धार के लिए अग्निमय प्रकाश से प्रबुद्ध करता है , / आत्मा की सारी कृपा प्रदान करते हुए।

गीत 5

कैनन 1. इरमोस: हे प्रभु , तेरे भय के द्वारा , / उद्धार का आत्मा , जो भविष्यद्वक्ताओं के गर्भ में गर्भित हुआ / और पृथ्वी पर जन्म लिया, / प्रेरितों के हृदयों को शुद्ध करता है / और धर्मी होकर, विश्वासियों में नवीनीकृत होता है , / क्योंकि प्रकाश और शांति तेरी आज्ञाएँ हैं।

जो शक्ति आज अवतरी हुई है / वह शुभ आत्मा है , ईश्वर की बुद्धि का आत्मा , / वह आत्मा जो पिता से उत्पन्न होकर / पुत्र के द्वारा हम विश्वासी लोगों को प्रकट हुआ है , / और जिनमें वह स्वभावतः वास करता है , उन पर वह पवित्रता प्रदान करता है / जिसमें वह देखा जाता है।

कैनन 2. इरमोस: पापों से मुक्ति की शुद्धि के द्वारा / आत्मा की अग्नि-वर्षा ओस ग्रहण करो, / हे चर्च के प्रकाश -वाहक बच्चों ; / क्योंकि अब सियोन से व्यवस्था प्रकट हुई है – / आग की जीभों के रूप में आत्मा की कृपा।

जैसा कि उसने अपनी इच्छा से चाहा, / आत्मा , जो किसी के अधीन नहीं है , पिता से उतरता है , / प्रेरितों को उनकी जीभों के माध्यम से ज्ञान प्रदान करता है , / पिता की शक्ति से , उनके साथ एकता में , / जीवन-दायक वचन को मुहरबंद करता है / जो उद्धारकर्ता ने कहा था।

उसने प्रेरितों के मन को पाप से चंगा किया, / और उनमें से अपने लिए / सर्वशक्तिमान परमेश्वर वचन के रूप में , एक अति पवित्र वासस्थान बनाया; / और अब आत्मा का प्रकाश , / जो उससे एकसार और सामर्थ्य में समकक्ष है , वहाँ वास करता है।

स्तोत्र 6

कैनन 1. इरमोस: जीवन की चिन्ताओं के कोलाहल में पीड़ित, / मुझ पर छाए पापों से अभिभूत, / और आत्मा -भक्षी दानव के जबड़ों में फेंका गया, / योनह की तरह मैं तुझसे पुकारता हूँ, हे मसीह: / 'मुझे इन घातक गहराइयों से ऊपर उठा ले !'

हे प्रभु, जैसा कि आपने कहा है, आपने अपना आत्मा सर्व प्राणियों पर प्रचुर मात्रा में उंडेला है, और सभी चीजें आपके ज्ञान से भर गई हैं : कि हे पुत्र, आप पिता से न तो सांसारिक नियमों के अनुसार उत्पन्न हुए, और यह कि आत्मा उनसे अविभाज्य रूप से उत्पन्न होता है।

कैनन 2. इरमोस: हमारे लिए प्रायश्चित और उद्धार द्वारा / हे प्रभु मसीह, तू कुँवारी से प्रकाशित हुआ, / ताकि, जैसे भविष्यवक्ता योना समुद्र के दानव के पेट से, / तू आदम को, जो अपनी सारी वंश के साथ गिर गया था, / सड़न से पूरी तरह मुक्त कर सके।

हे प्रिय, धर्मी आत्मा, हे सर्वशक्तिमान, हमें भीतर से नवोन्मेषित करो, ताकि हम उसे सदा के लिए ग्रहण कर सकें, जो पिता से उत्पन्न होकर, उनसे पूर्ण रूप से एक होकर, एक अग्नि के रूप में आवे, जो शत्रुतापूर्ण स्वभाव के कलंकों को भस्म कर दे, और मन की अशुद्धि को शुद्ध कर दे।

प्रेरितों के लिए एक अनमोल संपत्ति के रूप में, / सियोन के नागरिक जो आपके आगमन की प्रतीक्षा कर रहे थे, / हे आत्मा, अग्नि-प्रेरित, उनमें स्थापित करें / पिता से उत्पन्न वचन का ज्ञान, / जो शीघ्रता से मूर्तिपूजक धोखाधड़ियों की क्रूर वाक्पटुता को उजागर करता है।

कॉन्टाकियन, स्वर 8

जब परम-प्रभु अवतरित हुए और उन्होंने भाषाओं को भ्रमित किया, / तब उन्होंने राष्ट्रों को विभाजित किया; / परन्तु जब उन्होंने आग की जीभें प्रदान कीं, / तब उन्होंने सभी को एकता में बुलाया, / और हम सामंजस्य से सर्व -पवित्र आत्मा की महिमा करते हैं।

इकोस: हे यीशु, अपने सेवकों को शीघ्र और निश्चित सांत्वना प्रदान कर, / जब हमारी आत्माएँ उदास हों। / हमारे दुःखों में हमारी आत्माओं को न छोड़, / हमारी परीक्षाओं में हमारे विचारों से मुख न मोड़, / परन्तु सदा हमारी सहायता को आ। / हमारे समीप आओ, समीप आओ, हे सर्वव्यापी, / जैसे तुम हमेशा अपने प्रेरितों के साथ थे, / वैसे ही अपने आप को उन लोगों के साथ मिला लो जो तुमसे प्रेम करते हैं, हे दयालु, / ताकि, तुमसे एक होकर, / हम तुम्हारी सर्व -पवित्र आत्मा का गीत गा सकें और उसकी महिमा कर सकें।

सिनैक्सारियन।

भजन 7

कैनन 1. इरमोस: अग्नि कुंड में डाले जाने पर, / धर्मनिष्ठ युवकों ने / अपने गायन द्वारा आग को ओस में बदल दिया, इस प्रकार पुकारते हुए : / 'धन्य हैं आप, हे प्रभु, / हमारे पूर्वजों के परमेश्वर !'

जब प्रेरितों ने / ईश्वर के महान कार्यों की घोषणा की, / अविश्वासियों के लिए पवित्र आत्मा का कार्य —जो त्रिमूर्ति को प्रकट करता है, / हमारे पूर्वजों का एक ईश्वर —नशे जैसा प्रतीत हुआ।

हम पवित्र धर्म की घोषणा करते हैं / अविभाज्य स्वभाव में — / परमेश्वर पिता, बिना आरंभ के, / वचन और आत्मा, समान शक्ति को साझा करते हुए, पुकारते हुए : / 'धन्य हैं आप, हमारे पूर्वजों के परमेश्वर !'

कैनन 2. इरमोस: संगीत वाद्ययंत्रों की सुमधुर धुन गूँजी , / जो हमें सोने में ढली एक नरि्जीम मूर्त की पूजा करने के लिए बुला रही थी; / परन्तु परमप्रभु की प्रकाशमयी कृपा / हमें श्रद्धापूर्वक पुकारने के लिए प्रेरित करती है : / 'एक त्रिमूर्त , सह-समान, अनंत , / धन्य हैं आप!'

मूर्ख , जो भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा बोले गए वचन को समझने में असफल रहे , / जब उन्होंने प्रेरितों के असाधारण वचन सुने , / तो उन्होंने कहा कि यह तो शराब के नशे में धुत होने का परिणाम है ; / परन्तु हम, भक्तमिय लोग, परमेश्वर से प्रेरित होकर तुझ से पुकारते हैं : / 'सभी चीज़ों के नवीनीकरणकर्ता , धन्य है तू !'

दिव्य प्रेरित भविष्यवक्ता योएल ने गर्जन के साथ कहा / जब वचन उनके द्वारा इस प्रकार बोला: / 'जिन पर मैं परमेश्वर सर्वोच्च का आत्मा उंडेलूँगा / वे सब मिलकर पुकारेंगे : / "त्रि-व्यक्तमिय स्वभाव , धन्य हैं आप!"'

तीसरे घण्टे पर, फिर भी इस एक प्रभु -दिन पर, / उन्होंने अब हम पर अपना अनुग्रह प्रदान किया है , / ताकि हम त्रि-स्वभावों का सम्मान करने के लिए प्रेरित हों / उनकी शक्ति की अविभाज्यता में ; / पुत्र , पिता और आत्मा , धन्य हैं आप!

भजन ८

कैनन 1. इरमोस: सिनाई पर्वत पर काँटों का झाड़ , जो आग से नष्ट नहीं हुआ , / ने ईश्वर को प्रकट किया / मूसा को, जो वाक् -दोषी और अस्पष्ट वाणी वाले थे ; / और आग में ईश्वर का उत्साह / ने तीनों युवकों को अडिग गायकों के रूप में दिखाया: / 'हे सृष्टि के सब जीव, प्रभु का भजन करो / और युगानुयुग उसकी महिमा करो!'

जब सर्व -पवित्र आत्मा का जीवन-दायक, शक्तिशाली श्वास / ऊपर से गरज के साथ मछुआरों पर / आग की ज्वालाओं के रूप में छा गया, / तब उन्होंने ईश्वर के महान कार्यों की स्तुति की: / 'हे सृष्टि के सब जीव, प्रभु की स्तुति करो / और उसे युगानुयुग तक महिमान्विति करो!'

जैसे वे पर्वत पर चढ़ते हैं / जिसे छुआ नहीं जा सकता, / भयानक अग्नि के भय के बिना, / आओ, हम सियोन पर्वत पर खड़े हों , / जीविति परमेश्वर के नगर में , / अब आत्मा से परिपूर्ण शिष्यों के साथ आनंद मनाते हुए : / 'हे सारी सृष्टि , प्रभु की स्तुति करो / और उसे युगानुयुग ऊँचा करो!'

कैनन 2. इरमोस: त्रि-प्रकाशमान ईश्वरत्व की प्रतिमा / बंधन तोड़ती है और ज्वाला बुझाती है ; / युवक गाते हैं , जबकि सारी सृष्टि / सभी के एकमात्र उद्धारकर्ता और सृष्टिकर्ता को / अपने कल्याणकर्ता के रूप में धन्यवाद देती है।

मानवजाति के लिए उद्धार के वचनों की स्मृति में , जो पिता से सुनकर मसीह ने प्रेरितों से कहे , आत्मा आग की जीभों के रूप में उतरकर सृजन करता है ; और सृजन , जो कभी पराया था, परन्तु अब तेरे समीप आ गया है , हे धन्य , तेरी स्तुति करता है।

एक उद्धारक और सर्वशक्तिमान तरीके से आकर, / प्रकाशित होने वाली उस सर्व -प्रकाशमान ज्योति के रूप में प्रकट होकर जो ज्ञान प्रदान करती है , / हे आत्मा , आप आए, प्रेरितों को भरते हुए , / जैसे एक अमूल्य श्वास। / अतः , सदा अपने सेवकों के साथ रहिए!

पवित्र आत्मा से परिपूर्ण भविष्यवक्ताओं के होठों ने गाया / हे राजा, तेरे अवतार का, / और उस आत्मा का, जो पिता के हृदय से निकलता है , / अविनाशी, सह-सृष्टिकर्ता और सह-सिंहासनधारी / तेरे साथ, जो उसे विश्वासियों के पास भेजता है , / ताकि वे आदर करें / तेरे अवतार का।

9वीं ओड, 'करिूबीम का सर्वोच्च सम्मान ' में , हम गाते नहीं हैं , लेकनि हम पुनरावृत्तं गाते हैं : प्रेरतिों ने , सांत्वनादाता के अवतरण को देखकर , वस्मिति हो गए, / जब पवत्रि आत्मा आग की जीभों के रूप में अवतरति हुआ।

ओद 9

कैनन 1. इरमोस: अपनी कुँवारी अवस्था खोए बनिा उसे अपनी कोख में धारण करके / और सर्व -ज्ञानी वचन को देह देकर , / वह माता जसिे कसिी पुरुष का ज्ञान नहीं था, परमेश्वर की कुँवारी माता, / अकल्पनीय की वाहकिा, / आपके अनंत सृष्टकिर्ता का धाम, / हम आपकी महमिा करते हैं।

एक प्रज्वलति अग्नि रथ पर / जो पुरातन काल में उत्साही और अग्नि-उगलने वाले एलयिाह द्वारा आनन्दपूर्वक वहन कयिा गया था / उसने उच्च से उस प्राण को प्रकट कयिा, जो अब प्रेरतिों को प्रकाशति करता है ; / इससे प्रबुद्ध होकर, / उन्होंने सभी को त्रमिूर्ति का प्रकटीकरण कयिा।

प्रकृति के नयिमों के वपिरीत, / कुछ असाधारण सुना गया: / क्योंकि जब शष्यि एक स्वर में बोले , / पवत्रि आत्मा की कृपा से , लोग, जातयिाँ और भाषाएँ / वभिन्नि तरीकों से घोषति की गईं / ईश्वर के महान कार्यों की, / त्रमिूर्ति के ज्ञान में दीक्षति होकर।

कैनन 2. इरमोस: हे रानी, माताओं और कुंवारीयों की महमिा, आनंद मनाओ! / क्योंकि कोई भी वाक्पटु वक्ता , चाहे वह कतिना भी कुशल क्यों न हो, / अपने प्रवचन में , / आपकी यथोचति स्तुति नहीं कर सकता; / हर मन अभभिूत हो जाता है , / आपके द्वारा मसीह के जन्म को समझने का प्रयास करते हुए ; / इसलिए हम एक स्वर में आपकी स्तुति करते हैं।

जीवन से परपिूर्ण कुँवारी के गुण गाना उचति है , / क्योंकि केवल वही ने अपने गर्भ में वचन को छपिाया, / जो नश्वर प्राणयिों की रोगग्रस्त प्रकृति को चंगा करते हैं , / जो, अब पति के दाहनि हाथ पर वरिाजमान हैं , / ने हमें पवत्रि आत्मा की कृपा भेजी है। /

हम सभी, जनि पर ईश्वर की कृपा की वर्षा हुई है , / एक असाधारण और अति महमिामय परविर्तन से / दैवीय प्रकाश से दीप्त , शोभायमान और रूपांतरति होकर, / सम-महमिामय, अवभिाज्य , सर्व -ज्ञानी , / त्रि-दीप्तमिान सत्ता को जानकर, हम उसकी महमिा करते हैं।

एक्सापोस्टलिारयिन

हे परम पवत्रि आत्मा , जो पति से नकिलकर / पुत्र के द्वारा नरिक्षर शष्यिों तक आते हो, / जनि्होंने आपको ईश्वर के रूप में पहचाना, / हम सभी को बचाओ और पवत्रि करो। (2)

महमिा, और अब: प्रकाश हैं पति, प्रकाश हैं वचन, प्रकाश हैं पवत्रि आत्मा , / जो आग की जीभों में प्रेरतिों के पास भेजे गए; / उनके द्वारा संपूर्ण संसार प्रकाशति होता है / पवत्रि त्रमिूर्ति की महमिा के लिए।

'स्तुति ' पर, छठे स्वर में स्टचिैरा , चौथा स्वर

आज के दनि, सभी राष्ट्रों ने दाऊद के नगर में एक अवश्विसनीय दृश्य देखा , जब पवत्रि आत्मा आग की जीभों के रूप में अवतरति हुआ , जैसा कि लूका धर्मशास्त्री ने घोषति कयिा; / क्योंकि वह कहता है : / 'जब मसीह के चेलों की मंडली इकट्ठी थी, / तब एक तेज हवा के चलने की सी आواز उठी, / और जसि घर में वे ठहरे थे , वह घर भर गया, / और वे सब अद्भुत बातें बोलने लगे , / अद्भुत शक्षिाएँ , / पवत्रि त्रमिूर्ति की अद्भुत शक्षिाएँ। (2)

पवित्र आत्मा सदा से रहे हैं , हैं , और रहेंगे , / जनिका न कोई आरंभ है और न कोई अंत , / परन्तु उन्हें हमेशा पिता और पुत्र के साथ रखा जाता है और उनमें गिना जाता है : / जीवन और जीवन-दाता, / प्रकाश और प्रकाश -दाता, / स्वयं परम-भलाई और भलाई का स्रोत। / उसके द्वारा पिता को जाना जाता है और पुत्र की महिमा होती है , / और सभी द्वारा समझा जाता है / एक शक्ति, एक संघ , / पवित्र त्रिमूर्ति की एक उपासना। (2)

पवित्र आत्मा – प्रकाश और जीवन, / और एक सजीव, तर्कशील स्रोत। / ज्ञान का आत्मा , समझ का आत्मा , / शुभ , धार्मिक , चिंतनशील , सर्वोच्च , / पापों को शुद्ध करने वाला; / ईश्वर और जिसे ईश्वर के रूप में पूजा जाता है ; / अग्नि से निकलने वाली अग्नि ; / बोलने वाला, कार्य करने वाला, वरदान बांटने वाला। / उनके द्वारा सभी भविष्यवक्ताओं / और ईश्वर के प्रेरितों को शहीदों के साथ मुकुट प्रदान किया गया। / यह कानों के लिए कुछ असाधारण है , / देखने के लिए असाधारण है : / एक अग्नि जो उपहार प्रदान करने के लिए स्वयं को विभाजित करती है ! (2)

महिमा, और अब, स्वर 6: स्वर्गीय राजा, / सांत्वनादाता , सत्य का आत्मा , / जो सर्वत्र वास करता है / और सभी चीज़ों को भरता है , / आशीर्वादों का भांडार / और जीवन का दाता, / आओ और हम में वास करो, / और हमें हर अशुद्धि से शुद्ध करो, / और हे दयालु , हमारी आत्माओं को बचाओ।

महान स्तुति -गीत।

समापन

मसीह, हमारे सच्चे ईश्वर , जिन्होंने अपनी पवित्र माता, पवित्र , महिमामय और सर्व - स्तुत्य प्रेरितों , और सभी संतों की प्रार्थनाओं के द्वारा , स्वर्ग से अपने पवित्र शिष्यों और प्रेरितों पर अग्नि की ज्वालाओं के रूप में पवित्र आत्मा को भेजा , हम पर दया करेंगे और हमें बचाएंगे , क्योंकि वे भले हैं और मानव जाति से प्रेम करते हैं।

लिटिजी में

प्रत्युत्तर 1, स्वर 2

पद 1: आकाश परमेश्वर की महिमा की घोषणा करते हैं , / और मण्डप उनके हाथों के काम की घोषणा करता है। भजन संहिता 18:2

हे उद्धारकर्ता , परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा , / हमारा उद्धार करें।

पद 2: दिन-प्रतिदिन यह बात प्रगट करता है , / और रात-रात ज्ञान का प्रकाशन करता है। भजन संहिता 18:3

हे उद्धारकर्ता , परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा , हमारा उद्धार करें।

पद 3: ऐसी कोई बोली या भाषा नहीं है , / जहाँ उनकी आवाज़ न सुनी जाए। भजन संहिता 18:4

हे उद्धारकर्ता , परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा , हमारा उद्धार करें।

पद 4: उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है , / और उनके वचन ब्रह्मांड के छोर तक पहुँच गए हैं। भजन संहिता 18:5

त्रत्वि रविवार

हे उद्धारकर्ता , परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा , / हमारा उद्धार करें।

महिमा, और अब: परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा , हे उद्धारकर्ता , / हमें बचाओ।

प्रत्युत्तर 2, समान स्वर

पद 1: कष्ट के दिन प्रभु तुम्हें सुने ; / याकूब के परमेश्वर का नाम तुम्हें रक्षा करे। भजन संहिता 19:2

हे दयालु सांत्वनादाता , हमें बचाओ, / हम जो तुझसे गाते हैं : हलेलुया।

छंद 2: वह अपने पवित्र स्थान से तुम्हें सहायता भेजे / और सियोन से तुम्हें बल दे। भजन संहिता 19:3

हे अनुग्रहकारी सांत्वनादाता , हमारा उद्धार करें , / हम जो तुझ से गीत गाते हैं : हल्लेलूया।

पद 3: वह तुम्हारी सब बलिदानों को स्मरण करे , / और तुम्हारी होमबलि को प्रशस्त बनाए। भजन संहिता 19:2

हे अनुग्रहकारी सांत्वनादाता , हमें बचाओ, / हम जो तुझसे गाते हैं : हलेलुया।

पद 4: प्रभु तुम्हारी इच्छा के अनुसार तुम्हें दें , / और तुम्हारी सारी योजनाएँ पूरी करें। भजन संहिता 19:5

हे अनुग्रहकारी सांत्वनादाता , हमें बचाओ, / हम जो तुझसे गाते हैं : हलेलुया।

दोनों मंडलीय गायन दल एक साथ: महिमा, और अब: एकमात्र पुत्र :

एंटफ़ोन 3, स्वर 8

छंद 1: हे प्रभु , तेरी सामर्थ्य से / राजा आनन्दित होगा। भजन संहिता 20:2A

ट्रोपारयिन , स्वर 8

धन्य हैं आप, हे मसीह हमारे परमेश्वर , / जिन्होंने मछुआरों को बुद्धिमान बनाया, / उन पर पवित्र आत्मा को भेजकर / और उनके द्वारा सारी दुनिया को पकड़ा। / हे मानवजाति के प्रेमी , महिमा आपको हो!

छंद 2: हे प्रभु , तेरी सामर्थ्य से राजा आनन्दित होगा, / और वह तेरे उद्धार में अत्यधिक आनन्दित होगा। भजन संहिता 20:2

ट्रोपारयिन : धन्य हैं आप, हे मसीह हमारे परमेश्वर :

पद 3: आपने उसे उसके हृदय की इच्छा दी है , / और आपने उससे वह नहीं रोका जो उसके होठों ने माँगा। भजन संहिता 20:3

ट्रोपारयिन : धन्य हैं आप, हे मसीह हमारे परमेश्वर :

पद 4: क्योंकि आपने उसे अपनी भलाई की कृपा से मिलाया है , / और उसके सिर पर रत्नमय मुकुट धारण कराया है। भजन संहिता 20:4

ट्रोपारयिन : धन्य हैं आप, हे मसीह हमारे परमेश्वर :

प्रवेश

हे प्रभु , अपनी सामर्थ्य में महिमामय हो! / हम तेरी शक्ति का गायन और स्तुति करेंगे।

भजन संहति 20:14

ट्रोपारयिन , स्वर 8

धन्य हैं आप, हे मसीह हमारे ईश्वर , / जन्हिोंने मछुआरों को बुद्धमिान पुरुषों के रूप में प्रकट कयिा, / उन पर पवत्रि आत्मा को उतारकर / और उनके द्वारा संपूर्ण जगत को पकड़ा। / मानवजाति के प्रेमी , महमिा आपको!

महमिा, और अब, कोंटाकयिन , उसी स्वर में

जब परम-प्रभु उतर आए और उन्होंने जीभों को उलझा दयिा, / तब उन्होंने राष्ट्रों को वभिाजति कयिा; / परन्तु जब उन्होंने आग की जीभें बाँटीं , / तब उन्होंने सभी को एकता में बुलाया , / और हम, एकता में , सर्व -पवत्रि आत्मा की महमिा करते हैं।

ट्रसैगयिन के स्थान पर

तुम में से जतिनों ने मसीह में बपतस्मिा लयिा है , / तुम सब मसीह का वस्त्र पहनि लिए हो। / अल्लेलूया। (3)

प्रोकेइमेनोन , स्वर 8

उनकी वाणी सारी पृथ्वी पर फैल गई है , / और उनके वचन संसार के छोर तक पहुँच गए हैं। **पद:** आकाश परमेश्वर की महमिा का वर्णन करते हैं ; आकाशमण्डल उसके हाथों के कामों की घोषणा करता है। भजन संहति 18:5, 2

पवत्रि प्रेरतिों के काम, आरंभ 3

उन दनिों , जब पेंटेकोस्ट का दनि आया, तो सभी प्रेरति एक ही स्थान पर एक साथ थे। अचानक स्वर्ग से एक तेज हवा के समान शब्द की ध्वनि आई, और जसि घर में वे बैठे थे , वह पूरा भर गया। और उनके पास आग की जीभें दखिाई दीं , जो बँटकर उनमें से प्रत्येक पर आकर ठहर गईं। और वे सब पवत्रि आत्मा से भर गए और आत्मा ने उन्हें जतिना बोलने का सामर्थ्य दयिा, उतनी ही अन्य भाषाओं में बोलने लगे। उस समय यरूशलेम में यहूदी थे , जो आकाश के नीचे के सब देशों से आए हुए धर्मपरायण मनुष्य थे। जब यह शब्द हुआ , तो भीड़ इकट्ठी हो गई और चकति रह गई, क्योंकि हर एक ने उन्हें अपनी-अपनी भाषा में बोलते हुए सुना। और वे सब चकति और हैरान हो गए, और एक-दूसरे से कहने लगे , 'क्या ये सब जो बोल रहे हैं , गलील के नहीं हैं ? तो यह कैसे है कि हम उन्हें अपनी-अपनी जन्म -भाषा में बोलते सुन रहे हैं ? पर्शयिाई , मीदी, एलामी, और मस्रि तथा कुरेनयि के पास के लीबयिा के प्रदेशों के नविासी, यहूदी और कप्पाडोसयिाई , पोंटस और एशयिाई, फ्रीगयिाई और पम्फलियिाई , मस्रिी और सइरेन के पास के लीबयिा के प्रदेशों के लोग, और रोम से आए अतथि—यहूदी और परमेश्वर के पास आए हुए , क्रीती और अरब—हम उन्हें अपनी-अपनी भाषाओं में परमेश्वर के महान कामों के बारे में बोलते हुए सुनते हैं ?'

प्रेरतिों के काम 2:1–11

अल्लेलूया , स्वर 1

पद: यहोवा के वचन से आकाशों की स्थापना हुई , और उसके मुख के प्राण से उनकी सारी सेना। **पद:** यहोवा ने स्वर्ग से नीचे देखकर मनुष्यों के सब पुत्रों को देखा। भजन संहति 32:6, 13

यूहन्ना के अनुसार सुसमाचार , पद 27 से आरंभ

त्योहार के अंतमि और सबसे बड़े दनि, यीशु खड़े हुए और पुकार कर कहा: 'यदि कोई प्यासा है , तो मेरी ओर आए और पिए। जो कोई मुझ पर वशि्वास करता है , जैसा कि पवत्रिशास्त्र ने कहा है , उसके भीतर से जीवति जल की नदयिाँ बहेंगी। उसने यह उस आत्मा के वषिय में कहा, जसिे वशि्वास करने वालों को प्राप्त करना था; क्योंकि पवत्रि आत्मा अभी तक नहीं दयिा गया था, क्योंकि यीशु को अभी महमिा नहीं मलिी थी। ये बातें सुनकर बहुत से लोगों ने कहा, 'वह नशि्चय ही एक भवषि्यद्वक्ता है। ' अन्य ने कहा, 'वही मसीह है। ' और अन्य ने कहा, 'क्या मसीह गलील से आ सकता है ? क्या धर्मशास्त्र में यह नहीं लखिा है कि मसीह दाऊद के वंश से और दाऊद के नगर बेतलहम से होगा?' इस प्रकार उसके वषिय में लोगों में मतभेद हो गया। कुछ लोग उसे गरिफ्तार करना चाहते थे , परन्तु कसिी ने उस पर हाथ न डाला। तब मन्दरि के पहरेदार मुख्य याजकों और फरीसयिों के पास लौट आए, जन्हिोंने उनसे पूछा , 'तुम उसे क्यों नहीं ले आए?' मन्दरि के पहरेदारों ने उत्तर दयिा, 'कभी कसिी ने इस मनुष्य के समान बात नहीं की।' फरीसयिों ने उनसे कहा, 'क्या तुम भी धोखा खा गए हो? क्या कोई शासक या फरीसी उस पर वशि्वास करता है ? पर यह भीड़ तो व्यवस्था के बारे में कुछ भी नहीं जानती; ये शापति हैं। ' नकिोदेमस , जो रात को उनके पास आया था और उनमें से एक था, ने उनसे कहा, 'क्या हमारी व्यवस्था कसिी मनुष्य को पहले सुनकर और यह जानकर कि वह क्या कर रहा है , बनिा सुनने के ही दोषी ठहराती है ?' उन्होंने उत्तर दयिा, 'क्या तुम भी गलील से हो? खोज करके देखो , और तुम पाओगे कि गलील से कोई भवषि्यवक्ता नहीं उठता।' यीशु ने फरि से लोगों से कहा, 'मैं जगत का प्रकाश हूँ ; जो मेरे पीछे चलता है , वह अँधेरे में नहीं चलेगा , बल्कि जीवन का प्रकाश पाएगा।'

यूहन्ना 7:37–52; 8:12

'उचति है ' के बजाय

प्रेरतिों ने , सांत्वनादाता के अवतरण को देखकर , आश्चर्यचकति हुए , / जब पवत्रि आत्मा आग की जीभों के रूप में अवतरति हुआ।

इरमोस, स्वर 4: हे रानी, माताओं और कुंवारी कन्याओं की महमिा, आनंदति हो! / क्योंकि कोई भी वाक्पटु होंठ , / चाहे वे कतिनी भी कुशलता से बोलें , / तुम्हारी महमिा का यथोचति गायन नहीं कर सकते ; / प्रत्येक मन अभभिूत है , / तुम्हारे गर्भ से मसीह के जन्म को समझने का प्रयास करते हुए ; / अतः हम एक स्वर में तुम्हारी स्तुति करते हैं।

पवत्रि सहभागति

तुम्हारी पवत्रि आत्मा मुझे धार्मकिता के देश में ले जाएगी। / अल्लेलूया। (3) भजन संहति 142:10ख

वषिय-सूची पर वापस

पवत्रि पेंटेकोस्ट के रविवार को
, महा संध्या में

लि‍ट्जी के समापन के बाद, हम नवें घंटे का पाठ करते हैं [इसे लि‍ट्जी से पहले भी पढ़ा जा सकता है]।

तब वेस्पर्स की प्रारंभकि उद्घोषणा : 'धन्य हो हमारा परमेश्वर :'

तब पाठक: 'हे स्वर्ग के राजा': **और भजन संहति 103।**

महान एकटेनयि

डीकन: आओ हम शांति से प्रभु से प्रार्थना करें।

मंडली : हे प्रभु , दया करें।

आओ हम प्रभु से स्वर्ग से शांति और अपनी आत्माओं के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

आओ हम प्रभु से संपूर्ण विश्व में शांति के लिए, परमेश्वर की पवत्रि कलीसियाओं की समृद्धि के लिए, और सभी की एकता के लिए प्रार्थना करें।

आओ हम प्रभु से इस पवत्रि गरिजाघर और उन सभी के लिए प्रार्थना करें जो विश्वास , श्रद्धा और परमेश्वर के भय के साथ इसमें प्रवेश करते हैं।

आइए हम अपने महान प्रभु और पिता, परम पावन पैट्रिआर्क **(नाम)**, और हमारे प्रभु , परम विशिष्ट मेट्रोपॉलिटन **(या: आर्चबिशप , या: बिशप – नाम)**, पूजनीय पुरोहित मंडल , मसीह में डिकन, संपूर्ण पुरोहित वर्ग , और ईश्वर की प्रजा के लिए प्रभु से प्रार्थना करें।

आओ हम प्रभु से प्रार्थना करें हमारे ईश्वर -रक्षित देश , इसके अधिकारियों और इसके सशस्त्र बलों के लिए।

आओ हम प्रभु से इस नगर **(या: इस बस्ती , या: इस पवत्रि मठ) के लिए**, प्रत्येक नगर और देश के लिए, और उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो उनमें विश्वास से रहते हैं।

आओ हम अनुकूल मौसम, पृथ्वी के फलों की प्रचुरता और शांति के समय के लिए प्रभु से प्रार्थना करें।

आओ हम प्रभु से समुद्र में रहने वालों , यात्रियों , बीमारों , पीड़ितों , बंदियों और उनके उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

'समुद्र पर रहने वालों के लिए:' [ग्रीक : 'ईश्वर की सुरक्षा में रहने वालों के लिए:'] प्रार्थना के बाद, हम नम्निलखिति प्रार्थनाएँ जोड़ते हैं :

प्रभु के सामने खड़े उन लोगों के लिए, जो पवत्रि आत्मा की कृपा की प्रतीक्षा कर रहे हैं , हम प्रभु से प्रार्थना करें।

आओ हम प्रभु से उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो अपने हृदय और घुटनों को उनके सामने झुकाते हैं।

आओ हम प्रभु से प्रार्थना करें कि वह हमें परमेश्वर को प्रसन्न करने में पूर्णता प्राप्त करने के लिए बल प्रदान करें।

हम पर अपनी प्रचुर दया का वर्षा करने के लिए, हम प्रभु से प्रार्थना करें।

आइए हम प्रभु से प्रार्थना करें कि वह हमारे घुटने टेकने को अपने सामने धूप के रूप में स्वीकार करें।

जिनको उसकी सहायता की आवश्यकता है , उनके लिए हम प्रभु से प्रार्थना करें।

घुटने टेककर संध्या की प्रार्थना

आइए हम प्रभु से प्रार्थना करें कि वह हमें सभी दुख , क्रोध , [खतरे] और आवश्यकता से मुक्ति दे।

हे ईश्वर , अपनी कृपा से हमारी रक्षा करो, हमें बचाओ, हम पर दया करो और हमें संरक्षित रखो।

हमारे परम पवित्र , परम शुद्ध , परम धन्य और महिमामय देवी , परमेश्वर की माता और सदा कुंवारी मरियम का, तथा सभी संतों का स्मरण करने के पश्चात् , आइए हम स्वयं को, एक-दूसरे को, और अपना सम्पूर्ण जीवन हमारे परमेश्वर मसीह के हाथ सौंप दें।

गायक मंडली : तेरे ही, हे प्रभु।

पुरोहित उद्घोषणा करते हैं : क्योंकि सारी महिमा, सम्मान और आराधना आपके ही योग्य है , हे पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा , अब और सदा के लिए, युगानुयुग।

गरिजाघर: आमेन।

[एक्टिनिया के बाद, हम दीपक प्रज्वलन की प्रार्थनाएँ 1, 2, 4, 5 और 6 पढ़ते हैं।]

'हे प्रभु , मैं पुकारा हूँ ' पर, स्वर 4, मोड 6 में स्टिचेरा

इस दिन, सभी राष्ट्रों ने एक अविश्वसनीय दृश्य देखा / दाऊद के नगर में , / जब पवित्र आत्मा आग की जीभों के रूप में अवतरित हुआ , / जैसा कि लूका धर्मशास्त्री ने उद्घोषित किया; / क्योंकि वह कहते हैं : / 'जब मसीह के चेलों की सभा एक साथ हुई , / तब एक तेज हवा के चलने की सी आवाज उठी, / जिसने उस घर को भर दिया जहाँ वे थे , / और वे सब अद्भुत वचन बोलने लगे , / अद्भुत शिक्षाएँ , / पवित्र त्रिमूर्ति की अद्भुत शिक्षाएँ। (2)

पवित्र आत्मा सदा से है , है , और रहेगा , / जिसकी न कोई शुरुआत है और न कोई अंत , / परन्तु वह सदा से पिता और पुत्र के साथ रखा जाता है और उनमें गिना जाता है : / जीवन और जीवन-दाता, / प्रकाश और प्रकाश -दाता, / स्वयं परम-भलाई और भलाई का स्रोत। / उसके द्वारा पिता का ज्ञान होता है और पुत्र की महिमा होती है , / और सभी द्वारा समझा जाता है / एक शक्ति, एक संघ , / पवित्र त्रिमूर्ति की एक ही आराधना। (2)

पवित्र आत्मा – प्रकाश और जीवन, / और एक जीवित, तर्कसंगत स्रोत। / बुद्धि का आत्मा , समझ का आत्मा , / अच्छा , धर्मी , विचारशील, सर्वशक्तिमान , / पापों को शुद्ध करने वाला; / ईश्वर और वही जो हमें ईश्वर -सदृश बनाता है ; / अग्नि से निकलने वाली अग्नि ; / बोलने वाला, कार्य करने वाला, वरदान बांटने वाला। / उसी के द्वारा सभी भविष्यवक्ताओं / और परमेश्वर के प्रेरितों को, शहीदों सहित, मुकुट पहनाया गया। / यह कानों के लिए कुछ असाधारण है , / देखने के लिए असाधारण है : / एक आग जो उपहार देने के लिए स्वयं को विभाजित करती है ! (2)

महिमा, और अब, स्वर 6: स्वर्गीय राजा, / सांत्वना देने वाले , सत्य के आत्मा , / जो सर्वत्र वास करते हैं / और सभी चीजों को भरते हैं , / आशीर्वादों के भांडार / और जीवन के दाता, / आओ और हम में वास करो, / और हमें हर अशुद्धि से शुद्ध करो, / और हे दयालु , हमारी आत्माओं को बचाओ।

धूपदान के साथ प्रवेश। 'आनंद का प्रकाश :'

महान प्रोकैमेनन , स्वर 7

हमारे परमेश्वर के समान महान परमेश्वर कौन है ? / आप चमत्कार करने वाले परमेश्वर हैं।

पद: अपनी शक्तिशाली भुजा से आपने अपने लोगों को मुक्ति दी है।

पद: और मैंने कहा: 'अब मैं समझना शुरू किया है : यह परिवर्तन सर्वोच्च के दायें हाथ से आता है। '

पद: मैंने प्रभु के कार्यों को याद किया; क्योंकि मैं आरंभ से तेरे चमत्कारों को स्मरण करूँगा।

और फिर: ऐसा महान ईश्वर कौन है : भजन संहिता 76:14ख–15क, 16क, 11, 12

प्रथम प्रार्थना

डीकन: बार-बार, घुटने टेककर , हम प्रभु से प्रार्थना करें।

कोरस: हे प्रभु , दया करें। (3)

अत्यंत पवित्र , निर्दोष , आदि-रहित, अदृश्य , अगम्य , अथाह, अचल, अजेय , अमाप्य , और दयालु प्रभु , जो एकमात्र अमरत्व के स्वामी हैं , अगाध प्रकाश में वास करते हैं , जिन्होंने स्वर्ग , पृथ्वी , समुद्र और उनमें जो कुछ भी सृजित है , उसे बनाया, जो सभी को वह कुछ भी प्रदान करते हैं जो वे माँगते हैं , माँगने से पहले ही, हम तुझसे प्रार्थना करते हैं और तुझे पुकारते हैं , हे प्रभु , मानवता के प्रेमी , हमारे प्रभु और परमेश्वर के पिता, और हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह, जो हमारे लिए, हे मनुष्यों , और हमारे उद्धार के लिए स्वर्ग से उतर आए और पवित्र आत्मा से और परमेश्वर की अति महिमामय माता, सदा कुंवारी मरियम से देहधारी हुए। उन्होंने , पहले शब्दों से सिखाते हुए , और फिर अपने उद्धारकारी दुःखों को सहते हुए अपने कर्मों के द्वारा यह प्रदर्शित करते हुए , हम, आपके विनम्र , पापी और अयोग्य सेवकों को, एक उदाहरण दिया कि हम अपने स्वयं के पापों और लोगों की अज्ञानता के पापों के लिए झुके सिरों और घुटनों के साथ कैसे प्रार्थना करें। हे परम दयालु और मानवता के प्रेमी , आप स्वयं हमें सुनें , जिस भी दिन हम आपको पुकारें , लेकिन विशेष रूप से पेंटेकोस्ट के इस दिन, जिस दिन हमारे प्रभु यीशु मसीह के स्वर्ग में आरोहण के बाद, जब वे आपके दाहिने हाथ पर बैठ गए, ईश्वर और पिता के पास, और अपने पवित्र शिष्यों और प्रेरितों पर पवित्र आत्मा को अवतरित किया, जो उनमें से प्रत्येक पर अवतरित हुआ , और वे उसकी अक्षय कृपा से भर गए और अन्य भाषाओं में आपकी महान कृत्यों के विषय में बोलने और भविष्यवाणी करने लगे। इसलिए अब, हमारी प्रार्थना सुनें , और हमें याद करें , जो दीन और दोषी हैं , और अपनी ही दया से हमारे लिए मध्यस्थता करते हुए हमारी आत्माओं को दासत्व से मुक्त करें। हमें स्वीकार करें जब हम आपके सामने गिर पड़ते हैं और पुकारते हैं : 'हमने पाप किया है !' हम हमारी माँ के गर्भ से ही आपके सुपुर्द हैं ; हमारी माँ के गर्भ से ही आप हमारे ईश्वर हैं। परन्तु चूँकि हमारे दिन व्यर्थता में बीते हैं , हम आपकी सहायता के बिना और सभी औचित्य से वंचित रह गए हैं ; फिर भी, आपकी दया में निडर होकर आशा रखते हुए , हम पुकारते हैं : 'हमारे यौवन और हमारी अज्ञानता के पापों को याद न करें , और हमें हमारे गुप्त कर्मों से शुद्ध करें ; वृद्धावस्था में हमें त्याग न दें , और जब हमारी शक्ति क्षीण हो जाए तो हमें न छोड़ें ; पृथ्वी में लौटने से पहले , हमें आपके सामने पश्चाताप की अनुमति दें और अनुग्रह और दया से हम पर दृष्टि डालें ; हमारी अधर्म को अपनी दया से मापें ; हमारे अनगिनत पापों के विरुद्ध अपनी दया की गहराई को स्थापित करें ; अपनी पवित्र ऊँचाइयों से अपने लोगों पर दृष्टि डालें , जो आपके चारों ओर खड़े हैं और आपकी प्रचुर दया की प्रतीक्षा कर रहे हैं। अपनी भलाई में हम पर कृपा करें , हमें शैतान की हिंसा से बचाएँ , और अपने पवित्र और पवित्रतम नियमों से हमारे जीवन को मजबूत करें। अपने लोगों को स्वर्गदूत , उनके विश्वासयोग्य रक्षक के हवाले करें ; हम सभी को अपने राज्य में एकत्रित करें ; जो आप में आशा रखते हैं उन्हें क्षमा प्रदान करें ; उनके और हमारे पापों को क्षमा करें ; पवित्र आत्मा के कार्य द्वारा हमें शुद्ध करें ; और हमारे विरुद्ध शत्रु की युक्तियों को नष्ट करें।

घुटने टेककर संध्या की प्रार्थना

अब हम इस प्रार्थना को भी जोड़ते है

धन्य हैं आप, हे सर्वशक्तिमान प्रभु , जिन्होंने दिन को सूर्य के प्रकाश से और रात को आग की रोशनी से प्रकाशित किया है , और जिन्होंने हमें दिन की अवधि पार करके रात की शुरुआत के समीप आने का अवसर प्रदान किया है। हमारी और अपने सभी लोगों की विनतियों को सुनें , और, हमारे सभी स्वेच्छा से और अनजाने में हुए पापों को क्षमा करने के बाद, हमारी संध्याकालीन प्रार्थनाओं को स्वीकार करें ; अपनी विरासत पर अपनी प्रचुर दया और करुणा उंडेलें। अपने पवित्र स्वर्गदूतों द्वारा हमें एक दीवार की तरह सुरक्षित रखें ; हमें अपने धार्मिकता के हथियारों से लैस करें ; हमें अपने सत्य से ढालें ; हमें अपनी शक्ति से सुरक्षित रखें ; हमें हर आक्रमण और हर विरोधी की चालाकी से बचाएं ; और इस साँझ और आने वाली रात को पूर्ण , पवित्र , शांतिपूर्ण , पापरहित, प्रलोभन से रहित और व्यर्थ के विचारों से मुक्त बनाओ – जैसे कि हमारे जीवन के सभी दिन हों , परमेश्वर की पवित्र माता और उन सभी संतों की प्रार्थनाओं के द्वारा जिन्होंने प्राचीन काल से आपको प्रसन्न किया है।

डीकन: हे ईश्वर , अपने अनुग्रह से हमारी रक्षा करो, हमें बचाओ, हम पर दया करो, हमें सहारा दो और हमें सुरक्षित रखो।

गायक मंडली : हे प्रभु , दया करें।

हमारे परम पवित्र , परम शुद्ध , परम धन्य और महिमामय देवी , परमेश्वर की माता और सदा कुंवारी मरियम का, तथा सभी संतों का स्मरण करने के पश्चात , आइए हम स्वयं को, एक दूसरे को, और अपना सम्पूर्ण जीवन हमारे परमेश्वर मसीह के हाथ सौंप दें।

गायक मंडली : तेरे ही, हे प्रभु।

क्योंकि आप हम पर दया करते हैं और हमें बचाते हैं , हे हमारे ईश्वर , और हम आपको महिमा अर्पित करते हैं , पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा को, अब और सदा और युगानुयुग।

गायक मंडली : आमेन।

विशेष एकटेनिया

डीकन: आइए हम सब अपने पूरे हृदय और अपनी पूरी बुद्धि से पुकार करें।

कोरस: हे प्रभु , दया करें।

हे सर्वशक्तिमान प्रभु , हमारे पूर्वजों के परमेश्वर , हम तुझ से प्रार्थना करते हैं : हमारी सुन और हम पर दया कर।

कोरस: हे प्रभु , दया करें।

हे ईश्वर , अपनी महान दया के अनुसार हम पर दया करें ; हम आपसे प्रार्थना करते हैं , हमें सुनें और दया करें।

कोरस: हे प्रभु , दया करें (३)।

हम अपने महान प्रभु और पिता, परम पावन पैट्रिआर्क (नाम), और हमारे प्रभु , अति माननीय मेट्रोपॉलिटिन (या: आर्चबिशप , या: बिशप – नाम), और मसीह में हमारे सभी भाइयों के लिए भी प्रार्थना करते हैं।

कोरस: हे प्रभु , दया करें (३)।

हम अपने ईश्वर -रक्षित देश , इसके अधिकारियों और इसके सशस्त्र बलों के लिए भी प्रार्थना करते हैं , ताकि हम सभी धर्मपरायणता और पवित्रता में एक शांतिपूर्ण और शांत जीवन जी सकें।

गायक मंडली : हे प्रभु , दया करें (3)।

घुटने टेककर संध्या की प्रार्थना

हम इस पवित्र चर्च **(या: इस पवित्र मठ) के** धन्य और सदा-स्मरणीय संस्थापकों के लिए भी प्रार्थना करते हैं , और हमारे उन सभी पूर्वजों और भाइयों के लिए जो हमसे पहले , यहाँ और हर जगह, ऑर्थोडॉक्स होकर चले गए हैं।

कोरस: हे प्रभु , दया करें **(3)**।

हम ईश्वर के सेवकों , इस पवित्र चर्च **(या: इस पवित्र मठ)** के भाइयों {और पारिशियनों } के लिए भी दया, जीवन, शांति , स्वास्थ्य , उद्धार , दिव्य अनुग्रह , क्षमा और पापों की मुक्ति के लिए प्रार्थना करते हैं।

गायक मंडली : हे प्रभु , दया करें **(३)**।

हम उन लोगों के लिए भी प्रार्थना करते हैं जो इस पवित्र और अति पवित्र चर्च में बलिदान चढ़ाते हैं और पुण्य कार्य करते हैं , जो इसमें परिश्रम करते हैं , गायकों और मंडली के लिए, जो आपकी महान और प्रचुर दया की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

गायक मंडली : हे प्रभु , दया करें **(३)**।

पुरोहित उद्घोषित करते हैं : क्योंकि आप दयालु और प्रेममय ईश्वर हैं , और आपको ही महिमा अर्पित करते हैं , पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा को, अब और सदा के लिए, युगानुयुग।

गायक मंडली : आमेन।

[और प्रार्थना 2]

दूसरी प्रार्थना

डीकन: एक बार फिर, घुटने टेककर , हम प्रभु से प्रार्थना करें।

गायक मंडली : हे प्रभु , दया करें। **(3)**

प्रभु यीशु मसीह, हमारे परमेश्वर , जिन्होंने मनुष्य जाति को अपनी शांति और पवित्र आत्मा का वरदान तब प्रकट किया जब आप पृथ्वी पर हमारे बीच थे , और हमेशा विश्वासियों को इसे एक अविभाज्य विरासत के रूप में प्रदान करते रहे , परन्तु विशेष रूप से आज के दिन आपने यह अनुग्रह अपने शिष्यों और प्रेरितों पर प्रदान किया और उनके होठों को आग की जीभों से सुसज्जित किया। उनके द्वारा , हम भी, संपूर्ण मानव जाति, अपनी भाषा में अपने कानों से ईश्वर का ज्ञान सुनकर और ग्रहण करके , पवित्र आत्मा के प्रकाश से प्रबुद्ध हुए हैं , और त्रुटि से तथा अंधकार से मुक्त हुए हैं ; और इंद्रियों से अनुभूत होने वाली अग्निमय जिह्वाओं के प्रदान और अलौकिक कार्य द्वारा , हमने आप में विश्वास करना सीखा है और हमें यह स्वीकार करने के लिए प्रबुद्ध किया गया है कि आप पिता और पवित्र आत्मा के साथ, एक दिव्यता , शक्ति और अधिकार में , परमेश्वर हैं। हे परमपिता के तेज , उनकी सत्ता और स्वभाव की अचल और अटल प्रतिमा , ज्ञान और अनुग्रह के स्रोत , मेरे पापी होंठ खोलो और मुझे सिखाओ कि मुझे कैसे और किसके लिए प्रार्थना करनी चाहिए। क्योंकि आप मेरे पापों की महान संख्या जानते हैं , फिर भी आपकी दया उनकी अपारता पर विजय प्राप्त करेगी। क्योंकि देखो , मैं भयभीत होकर तेरे सामने खड़ा हूँ , अपनी आत्मा की निराशा को तेरी दया की गहराई में फेंककर : हे नाविक, मेरे जीवन का मार्गदर्शन कर, तू जो एक ही वचन से अपनी बुद्धि की अगम्य शक्ति द्वारा सारी सृष्टि को संचालित करता है , तू तूफानों में उछाले गए लोगों के लिए शांत आश्रय है , और मुझे वह मार्ग दिखा जो मुझे अपनाना है। मेरे विचारों को अपनी बुद्धि के आत्मा से परिपूर्ण कर, मेरी मूर्खता पर विवेक का आत्मा प्रदान कर; आपके प्रति श्रद्धा का आत्मा मेरे कर्मों पर छाया रहे ; धार्मिकता का आत्मा मेरे अंतरंग को नया करे ; और अधिकार का आत्मा मेरे मन की अस्थिरता को मजबूत करे , ताकि, लाभकारी की ओर आपके शुभ आत्मा द्वारा निर्देशित होकर, मैं प्रतिदिन आपके आज्ञाओं को पूरा करने के लिए योग्य समझा जाऊँ और हमेशा आपके

महिमामय आगमन को याद रखूँ , जो हमारे द्वारा किए गए कर्मों के लिए हम पर न्याय लाएगा। और मुझे इस संसार के नाशवान सुखों से बहकाए जाने न दें , बल्कि आने वाले खजानों का आनंद लेने की हमारी इच्छा को मज़बूत करें। क्योंकि हे प्रभु , आपने कहा है कि जो कुछ भी कोई आपके नाम पर मांगेगा , वह आपके सह-शाश्वत परमेश्वर और पिता से बिना किसी बाधा के प्राप्त करेगा ; इसलिए मैं भी, एक पापी, आपके पवित्र आत्मा के आगमन के दिन, आपकी दया से विनती करता हूँ : जो कुछ भी मैं माँगूँ , उसे मेरे उद्धार के लिए मुझे प्रदान करें ! हाँ , हे प्रभु , आप जो उदार और दयालु हैं और हर अच्छी देन के शुभदाता हैं , क्योंकि आप हमारे माँगने के अनुसार प्रचुरता से प्रदान करते हैं ! आप दयालु और कृपालु हैं , जिन्होंने पाप रहित होकर हमारे शरीर में भाग लिया, और प्रेमपूर्वक उन लोगों के प्रति झुकते हैं जो आपके सामने घुटने टेकते हैं , और हमारे पापों के प्रायश्चित्त बन गए! इसलिए, हे प्रभु , अपने लोगों पर अपनी दया दिखाओ; हमें अपने पवित्र स्वर्ग से सुनो ; हमें अपने उद्धार करने वाले दहिने हाथ की शक्ति से पवित्र करो; हमें अपने पंखों की छाया में आश्रय दो: कि तू अपने हाथों के कामों को तुच्छ न जाने। हम केवल तेरे सामने ही पाप करते हैं , फिर भी केवल तेरी ही सेवा करते हैं। हे प्रभु , हम नहीं जानते कि किसी पराये देवता के सामने कैसे झुकें , या किसी अन्य देवता के लिए अपने हाथ फैलाएँ। हमारे अपराधों को क्षमा करें और जब हम घुटने टेकें तो हमारी विनतियों को स्वीकार करके हम सभी की सहायता के लिए अपना हाथ बढ़ाएँ ; सभी की प्रार्थना को एक सुगंधित धूप के रूप में स्वीकार करें , जो आपके परम धन्य राज्य के सामने ग्रहण की जाए।

अब हम इस प्रार्थना को भी जोड़ते हैं

हे प्रभु , हे प्रभु , जिन्होंने हमें दिन में उड़ने वाली हर तीर से बचाया है , हमें अँधेरे में छिपे हर खतरे से भी बचाएँ ; संध्या का बलिदान—हमारे हाथों की भेंट स्वीकार करें। तब हमें यह वरदान दें कि हम दोषरहित होकर रात के मार्ग पर चलें , बुराई का अनुभव किए बिना, और हमें हर उस भ्रम और भय से बचाएँ जो शैतान से हमें होता है। हमारी आत्माओं को पश्चात्ताप और हमारे विचारों को आपके न्याय की परीक्षा की चिंता प्रदान करें , जो भयानक और धर्मी है। हे प्रभु , हमें अपनी आज्ञाओं का चिन्तन करके , सोते समय की खामोशी में भी प्रबुद्ध हो सकें , इस भय से हमारे शरीर को क्रूस पर ठोक डालो, और हमारे सांसारिक अंगों को मार डालो। हमसे हर अश्लील स्वप्न और हर हानिकारक इच्छा को दूर करो, और हमें प्रार्थना के समय उठाओ, विश्वास में दृढ़ और आपकी आज्ञाओं के पालन में फलते -फूलते हुए।

डीकन: हे ईश्वर , अपनी कृपा से हमारी रक्षा करो, हमें बचाओ, हम पर दया करो, हमें उठाओ और हमें संरक्षित रखो।

गायक मंडली : हे प्रभु , दया करें।

हमारे परम पवित्र , परम शुद्ध , परम धन्य और महिमामय माता, परमेश्वर की माता और सदा-कुँवारी मरियम का, तथा सभी संतों का स्मरण करके , आइए हम स्वयं को, एक-दूसरे को, और अपना सम्पूर्ण जीवन हमारे परमेश्वर मसीह के हाथ सौंप दें।

गायक मंडली : तेरे ही, हे प्रभु।

आपके एकलौते पुत्र की सद्भावना और दया से , जिनके साथ आप धन्य हैं , और आपके सर्व -पवित्र , शुभ और जीवन-दायक आत्मा के द्वारा , अब और सदा के लिए, और युगों -युगों तक।

गायक मंडली : आमेन।

पाठक: हे प्रभु , हमें प्रदान करें :

घुटने टेककर संध्या की प्रार्थना

तीसरी प्रार्थना

डीकन: एक बार फरि, घुटने टेककर , हम प्रभु से प्रार्थना करें।

कोरस: हे प्रभु , दया करें। (३)

हे अक्षय , जीवन-प्रदायक और ज्ञान -प्रकाशक स्रोत , हे पिता के सह-शाश्वत सृजनात्मक शक्ति , जिन्होंने मानवजाति के उद्धार का सम्पूर्ण कार्य पूर्णतः सम्पन्न किया, मसीह हमारे ईश्वर , जिन्होंने मृत्यु के अटूट बंधन और नरक के द्वार तोड़ डाले , जिनने अनेक दुष्ट आत्माओं को पराजित किया, जिन्होंने हमारे लिए स्वयं को एक निर्दोष बलिदान के रूप में अर्पित किया, जिन्होंने अपना परम पवित्र शरीर, जो किसी भी पाप से अछूता और अथाह था, अर्पित किया, और इस अद्भुत और अकथनीय पवित्र अनुष्ठान के माध्यम से हमें अनंत जीवन प्रदान किया; जो नरक में उतरे और उसके शाश्वत द्वारों को चूर -चूर कर दिया, और अंधकार में बैठे लोगों को वहाँ से लौटने का मार्ग दिखाया; जिन्होंने बुराई के प्रेरक , गर्त के साँप को एक दैवी फंदे से पकड़ा , और उसे तारतारस में अंधकार की बेड़ियों से बाँध दिया, और उसे अपनी असीम शक्ति से अविनाशी अग्नि में और बाहरी अंधकार में बंद कर दिया; हे पिता की महान प्रसिद्धि वाली बुद्धि , जो आक्रमण झेल रहे लोगों के लिए एक शक्तिशाली सहायक के रूप में प्रकट हुईं , और अंधकार तथा मृत्यु की छाया में बैठे लोगों को प्रकाशित किया। हे अक्षय महिमा के प्रभु और परम पिता के प्रिय पुत्र , शाश्वत प्रकाश से शाश्वत प्रकाश , धर्म के सूर्य , हम आपसे प्रार्थना करते हैं , हमारी प्रार्थना सुनें , और अपने सेवकों , हमारे पूर्वजों और भाइयों , जो हमसे पहले स्वर्ग सिधार चुके हैं , तथा शरीर के अनुसार अन्य संबंधियों , और विश्वास में हमारे सभी भाइयों की आत्माओं को विश्राम प्रदान करें , जिनका हम अब स्मरण करते हैं , क्योंकि आप सर्व वस्तुओं पर अधिकार रखते हैं और पृथ्वी के छोरों को अपने हाथ में थामे हुए हैं। हे सर्वशक्तिमान प्रभु , हमारे पूर्वजों के परमेश्वर और दया के स्वामी , नश्वर और अमर दोनों वंशों के , तथा संपूर्ण मानव स्वभाव के सृष्टिकर्ता , जिसे रचा जाता है और फिर विघटित हो जाता है ; जीवन और मृत्यु का स्रष्टा , हमारे इस संसार में प्रवास और परलोक में हमारे गमन का, जो जीवितों के वर्षों को मापता है और मृत्यु का समय निर्धारित करता है , जो अधोलोक में डालता है और उससे बाहर लाता है , जो दुर्बलता से बाँधता है और अधिकार से मुक्त करता है , जो सभी की आवश्यकताओं के अनुसार वर्तमान को निर्धारित करता है और हमारे लाभ के लिए भविष्य का निर्देशन करता है ; मृत्यु के डंक से पीड़ितों को पुनरुत्थान की आशा से जीवित करते हैं ! आप स्वयं , सर्व के प्रभु , हमारे ईश्वर और उद्धारकर्ता , पृथ्वी के छोर के सभी लोगों और समुद्र में दूर रहने वालों की आशा, पेंटेकोस्ट के इस अंतिम , महान और उद्धारकारी दिन पर, आपने हमें पवित्र , एकसार और सह-शाश्वत , अविभाज्य और अविचल त्रित्व ; आपने अपने पवित्र और जीवन-दायक आत्मा के आगमन और प्रकट होने को आग की ज्वालाओं के रूप में अपने पवित्र प्रेरितों पर उंडेल दिया, उन्हें हमारे धर्मपरायण विश्वास के अग्रदूत बनाते हुए और उन्हें सच्चे धर्मशास्त्र के स्वीकारकर्ता और उद्घोषक के रूप में प्रकट करते हुए ; हे प्रभु , जिन्होंने इस अंतिम और उद्धारक पर्व पर अधोलोक में बंद हमारे प्रियजनों के लिए हमारी प्रार्थनाओं को स्वीकार करने की कृपा की है , और जो हमें दिवंगतों को उन दुखों से राहत और आपसे सांत्वना प्रदान करने की महान आशा देते हैं ! हम पर कृपा दृष्टि डालिए, जो नम्र हैं और आपकी दया के محتاج हैं , और अपने उन सेवकों की आत्माओं को विश्राम प्रदान कीजिए जो हमसे पहले प्रकाश के स्थान , आनंद के स्थान , हर्ष के स्थान पर चले गए हैं , जहाँ से सभी पीड़ा , दुख और कराह दूर हो गई है , और उनकी आत्माओं को धर्मी लोगों के वासस्थान में बसा दीजिए, और उन्हें शांति और विश्राम प्रदान कीजिए; क्योंकि हे प्रभु , मृतक आपकी स्तुति नहीं करते , न ही पाताल में रहने वाले लोग जो आपको अपना पाप-स्वीकार करने का साहस करते हैं , बल्कि हम जीवित लोग आपको धन्यवाद देते हैं और प्रार्थना करते हैं , और उनके लिए आपसे विनती और बलिदान अर्पित करते हैं।

घुटने टेककर संध्या की प्रार्थना

तो आइए हम इस प्रार्थना को भी जोड़ें

हे महान और शाश्वत ईश्वर , पवित्र और दयालु , जिन्होंने हमें इस घड़ी भी अपनी अगम्य महिमा के सामने खड़े होने और अपने चमत्कारों का गायन व स्तुति करने के योग्य समझा! हम पर, आपके अयोग्य सेवकों पर, दया करें , और हमें विनम्र हृदयों के साथ और बिना किसी संकोच के , आपके महान उपहारों के लिए, जो आपने हमें प्रदान किए हैं और सदैव प्रदान करते रहते हैं , त्रि-पवित्र स्तुति और कृतज्ञता अर्पित करने की कृपा दें। हे प्रभु , हमारी दुर्बलता को याद रखो, और हमारे अधर्म के कारण हमें नष्ट न करो, बल्कि हमारी नम्रता के द्वारा हमें अपनी महान दया दिखाओ, ताकि पाप के अंधकार से बचकर, ताकि हम धार्मिकता के प्रकाश में चल सकें और, प्रकाश के कवच से सुसज्जित होकर, बुराई के हर हानिकारक जाल से सुरक्षित रह सकें , और निडर होकर सभी बातों के लिए आपको महिमामंडित कर सकें , हे एकमात्र सच्चे और परोपकारी ईश्वर। क्योंकि सचमुच और निश्चय ही, हे सर्व के प्रभु और सृष्टिकर्ता , आपका रहस्य महान है : आपकी सृष्टियों का अस्थायी विघटन, और उसके बाद उनका मलिन और अनंतकाल के लिए विश्राम ! हम हर बात के लिए आपको धन्यवाद देते हैं : इस संसार में हमारे आगमन और इससे हमारे प्रस्थान के लिए, जो आपके अटूट वचन के अनुसार , हमारे भीतर पुनरुत्थान और उस अक्षय जीवन में हमारी आशा को मजबूत करता है , जिसका हम आपके दूसरे आगमन पर आनंद लेंगे। क्योंकि आप हमारे पुनरुत्थान के कर्ता और जीवितों के अक्षय और दयालु न्यायाधीश , और प्रतिफल के शासक और प्रभु , और वही हैं जिन्होंने परम विनम्रता से , हमारे समान होकर, मांस और रक्त में सहभागिता की, और जिन्होंने , अपनी गहरी दया में , स्वेच्छा से हमारे निर्दोष दुखों को स्वीकार किया, उन्हें अपनी इच्छा से अनुभव करना चुना ; और जिस परीक्षा के दौरान उन्होंने स्वयं सहन किया, उसके द्वारा वह हमें परीक्षा में पड़ने वालों के लिए एक इच्छुक सहायक बन गए; और इस प्रकार उन्होंने हम सभी को अपनी अतुलनीय सहनशक्ति में समाहित कर लिया है। तब हे प्रभु , हमारी विनतियों और प्रार्थनाओं को स्वीकार कर, और हमारे सभी पूर्वजों को, हम में से प्रत्येक को, और हमारी माताओं , भाइयों , बहनों , बच्चों , और अन्य रिश्तेदारों और संबंधियों को, और उन सभी आत्माओं को जो पुनरुत्थान और अनंत जीवन की आशा में पहले निधन कर चुकी हैं , विश्राम प्रदान कर; और उनकी आत्माओं और नामों को जीवन की पुस्तक में , अब्राहम की गोद में अंकित कर, इसाक और याकूब , जीवितों के देश में , स्वर्ग के राज्य में , मधुर स्वर्ग में , उन्हें सभी को तेरे तेजस्वी स्वर्गदूतों के द्वारा तेरे पवित्र निवासों में ले जा; और हमारे शरीरों को उस दिन एक साथ उठा, जिसे तूने नियुक्त किया है , तेरे पवित्र और अटूट वचनों के अनुसार। हे प्रभु , यह तेरे सेवकों के लिए मृत्यु नहीं है , जब हम शरीर से विदा लेकर तेरे पास लौटते हैं , हे ईश्वर , बल्कि यह केवल अधिक बोझिल से बेहतर और अधिक सुखद , विश्राम और आनंद की ओर एक संक्रमण है। यदि, तब, हमने किसी भी प्रकार से तेरे सामने पाप किया है , तो हम पर और उन पर दया कर, क्योंकि तेरे सामने कोई भी कलंक से मुक्त नहीं है , भले ही उनका जीवन केवल एक दिन का ही क्यों न रहा हो, सिवाय तेरे ही, जो पापरहित होकर पृथ्वी पर प्रकट हुए , हमारे प्रभु यीशु मसीह, जिनके द्वारा हम सभी को दया और पापों की क्षमा की आशा है। इसलिए, एक अच्छे और प्रेममय ईश्वर के रूप में , हम पर और उन पर दया करें ; हमारे पापों को क्षमा करें और माफ करें —चाहे वे जानबूझकर या अनजाने में , जानबूझकर या अज्ञानता में , चाहे वे खुले या छिपे हुए हों —कर्म में , विचार में , वचन में , और हमारे जीवन के सभी तरीकों और आंतरिक आंदोलनों में। और जो चल बसे हैं उन्हें स्वतंत्रता और राहत प्रदान करें ; और हम पर, जो यहाँ हैं , आशीर्वाद करें , हमें एक अच्छा और शांतिपूर्ण अंत प्रदान करें , साथ ही अपने सभी लोगों पर भी, और हमें अपने भयानक और अद्भुत आगमन पर मानव जाति के प्रति अपनी दया और प्रेम की गहराइयों को प्रकट करें , और हमें अपने राज्य के योग्य बनाएं।

घुटने टेककर संध्या की प्रार्थना

आइए हम यह प्रार्थना भी जोड़ें

हे महान और सर्वोच्च परमेश्वर , जो एकमात्र अमरत्व के स्वामी हैं , जो अप्राप्य प्रकाश में वास करते हैं , जिन्होंने सभी चीजों को बुद्धि से बनाया, जिन्होंने प्रकाश को अंधकार से अलग किया और दिन पर शासन करने के लिए सूर्य को स्थापित किया, और चंद्रमा और तारों को रात पर शासन करने के लिए बनाया, जिसने हमें पापियों को, इसी घड़ी भी, अपनी स्तुति के साथ आपके सामने खड़े होने और आपको संध्या की स्तुति -गान अर्पित करने के योग्य समझा है ! हे परोपकारी प्रभु , आप स्वयं हमारी प्रार्थना को धूप की तरह अपने सामने निर्देशित करें ; इसे एक सुखद सुगंध के रूप में स्वीकार करें ; तब हमें एक शांतिपूर्ण साँझ और आने वाली रात प्रदान कर; हमें प्रकाश के कवच से आच्छादित कर; हमें रात के भय और अंधकार में छिपे हर खतरे से बचा; और उस नींद को, जो तूने हमारी थकान मिटाने के लिए प्रदान की है , हर शैतानी प्रलोभन से मुक्त कर। हाँ , हे सर्व के प्रभु , हे सर्व -शुभ दाता, – कि जब हम अपने बिस्तरों पर लेटे हों , तब भी हम रात में तेरे नाम का स्मरण करें और तेरी आज्ञाओं पर मनन से प्रकाशित होकर, अपने प्राणों में आनंद के साथ उठें , तेरी भलाई का गुणगान करने के लिए, और दयालु प्रभु , आपसे विनती और प्रार्थनाएँ अर्पित करें , अपने और आपके उन सभी लोगों के पापों का इक़रार करते हुए , जिन पर आप, परमेश्वर की पवित्र माता की प्रार्थनाओं के द्वारा , कृपापूर्वक कृपा दृष्टि रखते हैं।

डीकन: हे ईश्वर , अपनी कृपा से हमारी रक्षा करो, हमें बचाओ, हम पर दया करो, हमें उठाओ और हमें संरक्षित करो।

गायक मंडली : हे प्रभु , दया करें।

सर्व -पवित्र , सर्व -शुद्ध , सर्व -धन्य और महिमामय देवी , परमेश्वर की हमारी माता और सदा-कुंवारी मरियम का, तथा सभी संतों का स्मरण करने के पश्चात् , आइए हम स्वयं को, एक-दूसरे को, और अपना सम्पूर्ण जीवन हमारे परमेश्वर मसीह के हाथ सौंप दें।

गायक मंडली : तेरे ही, हे प्रभु।

क्योंकि आप ही हमारे प्राणों और शरीरों का विश्राम हैं , और हम आपको महिमा अर्पित करते हैं , पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा को, अब और सदा, और युगों के युगों तक।

गायक मंडली : आमेन।

विनती का प्रार्थना -क्रम

डीकन: आइए हम प्रभु को अपनी संध्याकालीन प्रार्थना अर्पित करें।

गान मंडली : हे प्रभु , दया करें।

हे ईश्वर , अपनी कृपा से हमारी रक्षा करो, हमें बचाओ, दया करो और हमें संरक्षित रखो।

कोरस: हे प्रभु , दया करें।

हम प्रभु से इस पूर्ण , पवित्र , शांतिपूर्ण और पापरहित संध्या के लिए प्रार्थना करते हैं।

गायक मंडली : हे प्रभु , यह प्रदान कीजिए।

हम प्रभु से शांति के दूत , हमारे आत्मा और शरीरों के विश्वासयोग्य मार्गदर्शक और रक्षक के लिए प्रार्थना करते हैं।

कोरस: हे प्रभु , यह प्रदान करें।

हम प्रभु से हमारे पापों और अपराधों की क्षमा और प्रायश्चित के लिए प्रार्थना करते हैं।

कोरस: हे प्रभु , यह प्रदान करें।

घुटने टेककर संध्या की प्रार्थना

हम प्रभु से अपनी आत्माओं के लिए जो कुछ भी अच्छा और लाभदायक है , और संसार में शांति के लिए प्रार्थना करते हैं।

कोरस: हे प्रभु , यह प्रदान करें।

हम प्रभु से प्रार्थना करते हैं कि हम इस संसार में अपने शेष जीवन का समय पश्चाताप में व्यतीत करें।

गायक मंडली : हे प्रभु , यह प्रदान करें।

हम प्रार्थना करते हैं कि एक ईसाई का इस जीवन से निर्वहन पीड़ा रहित, सम्मानजनक और शांतिपूर्ण हो, और मसीह के अंतिम न्याय में उसे अनुकूल निर्णय मिले।

गायक मंडली : हे प्रभु , यह प्रदान करें।

हमारे परम पवित्र , परम शुद्ध , परम धन्य और महिमामय देवी , परमेश्वर की माता और सदा कुंवारी मरियम का, सभी संतों के साथ स्मरण करने के पश्चात् , आइए हम स्वयं को, एक-दूसरे को, और अपना सम्पूर्ण जीवन हमारे परमेश्वर मसीह के हाथ सौंप दें।

गायक मंडली : तेरे ही, हे प्रभु।

पुरोहित उद्घोष करता है : क्योंकि आप एक भले और दयालु परमेश्वर हैं , और हम आपको महिमा अर्पित करते हैं , पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा को, अब और सदा के लिए, युगों - युगों तक।

गायक मंडली : आमेन।

पुरोहित : आप सभी को शांति मिले।

गिरिजाघर: और आपकी आत्मा को भी।

डीकन: प्रभु के सामने अपने सिर झुकाएँ।

गिरिजागायक: हे प्रभु , तुझको।

शीश झुकाने की प्रार्थना

पुरोहित : हे प्रभु हमारे परमेश्वर , जिन्होंने स्वर्ग को झुकाया और मानव जाति के उद्धार के लिए उतर आए! अपने सेवकों और अपनी विरासत पर दृष्टि डालो, क्योंकि तेरे सामने , हे भयानक और दयालु न्यायी , तेरे सेवकों ने अपने सिर झुका लिए हैं और स्वयं को तेरे अधीन कर दिया है , मानव सहायता पर भरोसा न करके , बल्कि तेरी दया की प्रतीक्षा करते हुए और तुझ से उद्धार की आशा करते हुए। उन्हें हर समय, और इसी शाम, और आने वाली पूरी रात, हर शत्रु से , शैतान के हर विरोधी काम से , व्यर्थ विचारों और धोखे भरी यादों से बचाओ।

पुरोहित उद्घोषणा करते हैं : हे प्रभु , आपकी राज्य की शक्ति धन्य और महिमामय हो, पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा , अब और सदा के लिए, युगानुयुग।

गायक मंडली : आमेन।

भजन-संग्रह पर स्टिचेरा , स्वर 3

अब, स्पष्ट रूप से , ये जीभ सभी के लिए एक संकेत बन गई हैं : / यहूदियों के लिए, जिनमें से मसीह देह में आए, / अविश्वास की बीमारी में पड़कर , ईश्वर की कृपा से दूर हो गए हैं ; / जबकि हम, सभी राष्ट्रों से बुलाए गए, / दिव्य प्रकाश के योग्य माने गए हैं , / चेलों के वचनों से बल पाए हुए , / जो सभी के परोपकारी ईश्वर की महिमा का प्रचार करते हैं। / उनके साथ अपने हृदय और घुटनों को झुकाते हुए , / आओ, विश्वास में पवित्र आत्मा की उपासना करें , / हमारे आत्माओं के उद्धारकर्ता द्वारा दृढ़ किए हुए।

पद: हे परमेश् वर , मुझ में एक नया और निर्मल हृदय सृज , / और मुझ में एक दृढ़ आत्मा को फिर से स्थापित कर।

घुटने टेककर संध्या की प्रार्थना

भजन संहिता 50:12

अब सांत्वनादाता , आत्मा , सभी मनुष्यों पर वरसाया गया है : / क्योंकि प्रेरितों के द्वारा , उनके माध्यम से , पवित्र सहभागिता के द्वारा आनंद आरंभ करके , / उन्होंने सभी विश्वासियों पर अपनी कृपा विस्तारित की है , / और अग्नि के स्वरूप में अपने सामर्थी आगमन की पुष्टि करते हैं , / चेलों को गायन और परमेश्वर की महिमा के लिए जीभें प्रदान करते हुए। / अतः , ज्ञान से प्रकाशित हृदयों के साथ, / और पवित्र आत्मा द्वारा विश्वास में दृढ़ होकर, हम प्रार्थना करते हैं / अपनी आत्माओं के उद्धार के लिए।

पद: मुझे अपनी उपस्थिति से दूर न कर / और मुझ से अपना पवित्र आत्मा न ले।

भजन संहिता 50:13

अब प्रेरित ऊँचे से मसीह की शक्ति से सुसज्जित हैं : / क्योंकि परम-प्रतापी उन्हें नया करता है , / स्वयं उनके भीतर ज्ञान के रहस्यमय नवीनीकरण के द्वारा नया होकर। / असाधारण और उत्कृष्ट स्वरों से उसकी घोषणा करते हुए , वे हमें सभी के परोपकारी, ईश्वर की, तीन व्यक्तियों में एक ही शाश्वत और सरल स्वभाव की आराधना करना सिखाते हैं। / अतः , उनकी शिक्षाओं से प्रकाशित होकर, आइए हम पुत्र और आत्मा के साथ पिता की आराधना करें , और अपनी आत्माओं के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

महिमा, और अब, स्वर 8: आओ, हे सभी लोगों , / हम त्रि-व्यक्तियों में ईश्वरत्व की आराधना करें – / पुत्र पिता में पवित्र आत्मा के साथ; / क्योंकि पिता, जो काल से परे हैं , ने उत्पन्न किया / पुत्र को, जो समान रूप से शाश्वत और सह-सिंहासनधारी है , / और पवित्र आत्मा पिता में था, पुत्र के साथ महिमामय; / एक शक्ति , एक सत्ता , एक ईश्वरत्व। / उसकी आराधना करते हुए , हम सभी पुकारते हैं : / 'हे पवित्र ईश्वर , जिसने सभी चीज़ों को पुत्र के द्वारा / पवित्र आत्मा की सहायता से बनाया!' / पवित्र और सर्वशक्तिमान , जिनके द्वारा हमने पिता को जाना / और जिनके द्वारा पवित्र आत्मा जगत में आए! / पवित्र और अमर सांत्वनादाता – आत्मा , / जो पिता से उत्पन्न होकर पुत्र में निवास करते हैं ! / पवित्र त्रिमूर्ति , आपको महिमा!'

'अब हमें जाने दो:' और 'हमारे पिता' के बाद त्रिसगियन।

ट्रोपारियन , स्वर 8

धन्य हैं आप, हे मसीह हमारे परमेश्वर , / जिन्होंने मछुआरों को बुद्धिमान पुरुषों के रूप में प्रकट किया, / उन पर पवित्र आत्मा को भेजकर / और उनके द्वारा संपूर्ण संसार को पकड़ लिया। / हे मानवजाति के प्रेमी , महिमा आपको हो!

समापन

पिता की दिव्य गोद से भी परे स्वयं को नम्र बनाकर, स्वर्ग से पृथ्वी पर उतरकर, हमारे संपूर्ण मानव स्वभाव को धारण करके , उसे दिव्य बनाकर, और तत्पश्चात् पुनः स्वर्ग में आरोहण करके , और परमेश्वर पिता के दाहिने बैठकर ; और जिन्होंने अपने पवित्र शिष्यों और प्रेरितों पर दिव्य , पवित्र , एकसार, सह-शक्तिमान , सह-महिमामय और सह-शाश्वत आत्मा को भेजा , और उनके द्वारा उन्हें , और उनके माध्यम से संपूर्ण ब्रह्मांड को प्रबुद्ध किया, मसीह, हमारे सच्चे ईश्वर , अपनी अति पवित्र और निर्मल पवित्र माता, ईश्वर के पवित्र , महिमामय और सर्व -स्तुत्य प्रचारकों और आत्मा -वाहक प्रेरितों , और सभी संतों की प्रार्थनाओं द्वारा , हम पर दया करेंगे और हमारा उद्धार करेंगे , क्योंकि वे भले हैं और मानवजाति से प्रेम करते हैं।

गान मंडली : आमेन।

विषय-सूची पर वापस

सांध्य वेला में

हम पवत्रि आत्मा का कैनन गाते हैं। स्वर 1। पूजनीय थयिोफानेस द्वारा रचति। दो इरमोस, स्वर 4 में ट्रॉपारयिा।

भजन 1

इरमोस: इस्राएल , कड़वी दासता से मुक्त , / अतकिठनि समुद्र को सूखी भूमि की तरह पार कर गया; / शत्रु को डूबा हुआ देखकर , / वह अपने उद्धारकर्ता ईश्वर का गीत गाता है , / जो अपनी शक्तशिाली भुजा से चमत्कार करता है , / क्योंकि वह महमिामय हुआ है।

पुनरावर्तन : महमिा तेरी हो, हे हमारे परमेश्वर , महमिा तेरी हो।

हे दव्यि पवत्रि आत्मा , / जो सभी पर वरदान प्रदान करते हैं / और अपनी इच्छा से सभी चीजों की सृष्टि करते हैं ! / मुझ में अपना प्रकाश -प्रद वरदान फूँकें , / ताकि मैं आपको महमिामय करूँ , / जो पति और पुत्र के साथ एक हैं।

हे सांत्वनादाता , आप जो स्वर्गीय शक्तयिों को / अपने पवत्रि करने वाले श्वास की कृपा प्रदान करते हैं , / हे शुभ , मेरे मन की अशुद्धयिों को शुद्ध करके , / मुझे अपनी पवत्रिता से परपिूर्ण दखिाइए।

महमिा: जीवन का स्रोत , जो वशि्वास द्वारा जाना जाता है , / और स्वभाव से भलाई की धारा, / हे परमेश्वर के पवत्रि आत्मा ! / मेरे मृत मन को जीवति कर, / अपनी शक्ति से मुझे उठा / कि मैं तेरी दव्यिता का गायन करूँ।

और अब, हे ईश्वर की माता: हे कुंवारी , जो पवत्रि आत्मा की प्रेरणा से ईश्वर का मंदरि बनीं , / जनि्होंने अपनी सृजनात्मक शक्ति से आपको जन्म देने की क्षमता प्रदान की, हे अनुग्रह से परपिूर्ण ! / उनके कार्य द्वारा , आपने देह में / आदि-बनिा वचन को जन्म दयिा।

भजन 3

इरमोस: मसीह परमेश्वर को, जो युगों से पहले पति से जन्मे / सांसारकि नयिमों के अनुसार नहीं , पुत्र , / और इन अंतमि दनिों में कुँवारी से अवतार धारण कए / बनिा बीज के , / हम पुकारें : / 'हे प्रभु , आपने हमारी गरमिा को ऊँचा कयिा, / पवत्रि हैं आप!'

स्वभाव से ही सभी चीजों को एक करने की इच्छा और ऐसा करने की शक्ति के स्वामी , पवत्रि आत्मा ने , परमेश्वर के रूप में , स्वर्गीय सेनाओं को, जो संसार के ऊपर हैं , बनाया, और उन्हें अथक रूप से यह पुकारना सखिाता है : 'हे प्रभु , आप पवत्रि हैं !'

अनवरत गीतों से हम पवत्रि आत्मा की कृपा का गुणगान करते हैं , जसिने धर्मशास्त्रीय प्रेरतिों को उनके उत्कट श्वास में प्रकाशति कयिा, अदेह गायकों के साथ पुकारते हुए : 'हे प्रभु , पवत्रि हो!'

महमिा: अपने मन से समझते हुए / एक ही अधकिार, / एक ही दव्यिता , एक ही शक्ति , / एक ही उत्पत्ति और पवत्रि त्रमिूर्ति के राज्य को, / हम गाते हैं , / त्रि-पवत्रि उद्घोषणा के साथ पुकारते हुए : / 'हे प्रभु , आप पवत्रि हैं !'

और अब, ईश्वर की माता को: प्रकाश -वाहक रथ और दैदीप्यमान नविास स्थान / – हे सर्व -पवत्रि , तुम श्रेष्ठ हो चेरुबमि से : / क्योंकि तुमने ईश्वर को अपनी बाँहों में धारण कयिा! / अतः हम सब तुमसे पुकारते हैं , हे पवत्रि : / 'हे सर्व -धन्य , आनन्दति हो!'

ओड 4

इरमोस: येशै की जड़ से एक अंकुर / और उसमें से एक फूल , / हे मसीह, आप कुँवारी से प्रकट हुए ; / आप आए, हे स्तुति -योग्य , / झाड़ियों से ढके पहाड़ से , / उस स्त्री से देहधारी होकर जसिने कसिी पुरुष को नहीं जाना, / जो अदेह और परमेश्वर हैं। / हे प्रभु , आपकी शक्ति की महमिा हो!

पवत्रि आत्मा , जो हम पर महान वरदान प्रदान करते हैं , / प्रेरतिों पर दव्यि रूप में अवतरति हुए , / शुभ रूप में , सर्व -पूरक रूप में , / जीवन-दायक रूप में , पवत्रि करने वाले रूप में , / सर्व -सृष्टि कर्ता रूप में , सार्वभौम और सर्वशक्तमिान।

पति के सहिासन पर वरिाजमान, हे उद्धारकर्ता ख्रीस्त , / आपने अपने वचन के अनुसार , / अपने शष्यिों के पास सांत्वनादाता को भेजा , एक आए हुए ईश्वर के रूप में ; / और आप उसे भेजते हैं , जो आपका वरिोध नहीं करता, / सभी का स्रष्टा , जो पति से उत्पन्न हुआ है।

महमिा: सर्व -पवत्रि आत्मा ने प्राचीन भवष्यिवक्ताओं को / वभिन्नि भाषाओं में भवष्यि की घोषणा करना सखिाया; / और बुद्धमिान प्रेरतिों की जीभों के माध्यम से / वह ईश्वर के महान कार्यों के बारे में बोलता है / अब, तूफ़ानी हवा की गर्जना के बीच, / अपने अस्तत्वि में नविास करते हुए।

और अब, हे ईश्वर की माता: हम आपसे प्रार्थना करते हैं , हे ईश्वर की माता, अदेह प्रकाश के द्वार के रूप में : / उनके द्वारा मसीह हमारे बीच आए, / अपनी दव्यिता की महमिा में प्रकट होकर, / देह के वस्त्र में लपिटे – अपनी दव्यिता में अदृश्य , / परन्तु अब हमारी प्रकृति में दृश्यमान।

स्तोत्र 5

इरमोस: हे शान्ति के परमेश्वर और दया के पति, / आपने हमें अपनी महान योजना का सूचक , / शान्ति का दूत भेजा है। / अतः , परमेश्वर के ज्ञान के प्रकाश में ले जाए गए, / और रात के बाद भोर का अभविादन करते हुए , / हम मानवता के प्रेमी , आपको महमिामय करते हैं।

हे ज्ञान और परमेश्वर के भय के आत्मा , / हे सत्य , परामर्श और समझ के दाता! / हे शांति के दाता, हम में नविास करें , / ताकि हम, आपके नविास से पवत्रि होकर, / रात के बाद भोर का अभविादन करते हुए , / हम मानवता के प्रयितम , आपको महमिा दें।

हे प्रभु , जो सभी का पालनहार और सभी के प्रति सच्चा है , / सृष्टि को क्षय से बचाता है ! / हमें पवत्रिता और ज्ञान प्रदान कर, / ताकि, तेरी दी हुई ज्योति से परपिूर्ण होकर, / जैसे हम रात के बाद भोर का स्वागत करते हैं , / हम तेरा महमिामंडन कर सकें , हे मानवता के प्रेमी।

महमिा: प्राचीन काल में , जसिने मूसा पर व्यवस्था अंकति की / वह स्पष्ट रूप से नए नयिम के सद्धिांतों को प्रस्तुत करता है / और अनुग्रह की व्यवस्था को, / जन्हिें उसने प्रेरतिों के हृदयों में लखिा, / दव्यि सांत्वनादाता , जो मानवता के प्रेमी के रूप में आए।

और अब, हे परमेश्वर की माता: सभी की माता, हव्वा के शाप को, हे कुँवारी , आपने अपने प्रसव द्वारा समाप्त कर दयिा है , और संसार को आशीर्वाद —मसीह—प्रकट कयिा है। इसलिए, आनंद के साथ, अपने होठों और मन से , आपको परमेश्वर की सच्ची माता स्वीकार करते हुए , हम आपको धन्य कहते हैं।

व्हट्सिन

स्तोत्र 6

इरमोस: योना के गर्भ से , समुद्र के दैत्य ने शशिु को उगल दयिा / ठीक वैसे ही जैसे उसने उसे नगिल लयिा था; / परन्तु वचन, कन्या के भीतर वास करके और देह धारण करके , / उसके भीतर से होकर गुज़र गया, उसे अक्षुण्ण बनाए रखते हुए ; / क्योंकि जैसे वह स्वयं सामान्य गर्भाधान के अधीन नहीं था, / वैसे ही उसने उसे , जसिने उसे जन्म दयिा, अक्षुण्ण रखा।

अपने शष्यिों से कयिा गया वचन पूरा करते हुए , हे मसीह, आपने उन्हें आत्मा भेजा , जो महान चमत्कार करता है , और आग की ज्वालाएँ प्रदान करता है , ताकि आपके ज्ञान के द्वारा वे अन्यजातयिों के झुंडों को भर सकें।

हे पवत्रि आत्मा , हमारे पास आओ, / हमें अपनी पवत्रिता , / और अक्षय प्रकाश , और दव्यि जीवन, / और परम सुगंधति वर्षा में सहभागी बनाओ: / क्योंकि आप परमेश्वरत्व की नदी हैं , / जो पति से पुत्र के द्वारा प्रवाहति होती है !

महमिा: हे सांत्वनादाता , उद्धार करो उन लोगों को जो वशि्वास के साथ गाते हैं / तेरे आगमन की, जो ईश्वर के योग्य है , / और उन्हें हर अशुद्धि से शुद्ध कर, क्योंकि तू दयालु है , / और उन्हें तेरे प्रकाश के योग्य बना, / और अपनी परम दव्यि ज्योति से उन्हें / अशुद्धि से रहति दर्पण बना दे।

और अब, हे ईश्वर की माता: संपूर्ण भवष्यिवक्ताओं का कोरस, / ईश्वर द्वारा रहस्यमय रूप से नर्दिेशति , / ने तुम्हारे , हे कुंवारी माता, से ईश्वर के वचन के / अवर्णनीय और दव्यि अवतार के रहस्य की भवष्यिवाणी की: / क्योंकि तुमने ईश्वर की सबसे सच्ची और सबसे प्राचीन / योजना प्रकट की है।

सेडालेन , स्वर 8

सर्व -पवत्रि आत्मा , अब आग के रूप में / प्रेरतिों पर अवतरति होकर, / राष्ट्रों की सभाओं को वस्मिय से भर दयिा: / क्योंकि आग की जह्वािओं में बोलने वालों से , / प्रत्येक ने अपनी ही भाषा सुनी , हे मानवता के प्रेमी। / अतः , यह चमत्कार / अवशि्वासयिों को मद्यपान की अवस्था के समान प्रतीत हुआ , / परन्तु वशि्वासयिों को वास्तव में उद्धारदायक। / अतः हम तेरी महमिा करते हैं , हे मसीह हमारे ईश्वर , / तुझसे वनिती करते हैं कि अपने सेवकों पर / पापों की क्षमा प्रचुरता से प्रदान कर।

भजन 7

इरमोस: धर्म में पले -बढ़े युवक , / दुष्टों की आज्ञा को ठुकराकर , / धमकी देने वाली आग से नहीं डरे , / बल्कि, लपटों के बीच खड़े होकर, गाए: / 'हे हमारे पुरखों के परमेश्वर , धन्य हैं आप!'

अब मसीह के वचन का समय पूरा हुआ है : / क्योंकि शष्यिों पर जीभों के वभिाजन ने / त्रमिूर्ति में से एक—पवत्रि आत्मा —के आगमन को प्रकट कयिा / जसिने उन पर प्रकाश डाला।

प्राचीन काल में राष्ट्रों के बीच लापरवाह सामंजस्य टूट गया; / परन्तु अब वे स्पष्ट रूप से एक सामान्य हर्षोल्लास में एकत्रति हुए हैं , / परम पवत्रि और दव्यि आत्मा द्वारा प्रेरति , / जो परम पवत्रि त्रमिूर्ति में से एक है।

महमिा: जब स्वर्ग से पवत्रि आत्मा की साँस सुनी गई, / मसीह के प्रेरतिों ने महमिा सहति ईश्वर के महान कार्यों की घोषणा की, / एक स्वर में गाते हुए : / 'हे हमारे पतिरों के ईश्वर , धन्य हैं आप!'

और अब, हे परमेश्वर की माता: भट्टी में तीन जवानों ने / आपके द्वारा मसीह के जन्म की प्रतिमा प्रकट की: / क्योंकि जैसे वे आग में अछूते रहे , / वैसे ही आपने अपनी पवित्रता को सुरक्षित रखा, / जब आपने अपने गर्भ में वह असहनीय अग्नि ग्रहण की / – पितरों का परमेश्वर , धन्य।

ओद 8

इरमोस: ओस से सनी भट्टी ने , / एक अलौकिक चमत्कार का दृश्य प्रस्तुत किया: / क्योंकि यह उन युवकों को नहीं जलाती जिन्हें उसने अपने भीतर लिया है , / ठीक वैसे ही जैसे दिव्यता की अग्नि ने कन्या के गर्भ को नहीं जलाया, / जिसमें वह अवतरित हुए। / अतः , हम यह स्तोत्र गाएँ : / 'प्रभु की सारी सृष्टि उसको धन्य कहे / और युगों -युगों तक उसकी महिमा करे !'

हे पवित्र आत्मा , जो परमेश्वर से उत्पन्न हुए हैं ! / उन सभी को पवित्रता प्रदान करें जो आप पर विश्वास करते हैं : / क्योंकि आप पवित्र हैं , और मानव जाति पर पवित्रता प्रदान करने वाले हैं। / अतः आइए हम गाएँ : / 'प्रभु की सारी सृष्टि उसको धन्यवाद दे / और उसको युगानुयुग महिमान्वित करे !'

हे सांत्वनादाता , आप उदारतापूर्वक , एक कल्याणकर्ता के रूप में , भलाई का वरदान उन पर प्रदान करते हैं जो आपकी स्तुति करते हैं : क्योंकि आप आशीर्वाद प्रदान करने वाले और भलाई के अथाह स्रोत हैं। अतः , हम यह भजन गाएँ : 'प्रभु की सारी सृष्टि उसको धन्यवाद दे / और युगानुयुग उसकी महिमा करे !'

महिमा: आत्मा जीवन-दायक प्रभु हैं , / स्व -क्रियाशील , स्व -शासक, / अपनी इच्छानुसार वरदान बाँटते हैं , / स्वयं शासन करते हैं , आज्ञा देते हैं , बिना आरंभ के। / अतः हम यह भजन गाएँ : / 'प्रभु की सारी सृष्टि उस पर आशीर्वाद दे / और उसे युगों -युगों तक महिमान्वित करे !'

और अब, हे ईश्वर की माता: हे आरंभहीन वचन, आपकी महान दया की प्रचुरता देखकर कौन विस्मित नहीं होता? क्योंकि हमारे लिए आप धनी होते हुए भी गरीब बने और पवित्र कुंवारी के गर्भ में निवास किए। अतः आइए हम यह स्तोत्र गाएँ : 'प्रभु की सारी सृष्टि उसे धन्य कहे और सदा-सर्वदा उसकी महिमा करे !'

स्तोत्र 9

इरमोस: हे कुँवारीपन की स्तुति , आनन्दित हो, / हे अति-शुद्ध माता, आनन्दित हो, / जिसकी हम और सारी सृष्टि / दैवीय भजनों से स्तुति करते हैं।

देखो , आपने हमें एक अन्य सांत्वनादाता भेजा है , / वचन, जो आपसमान है , / और आपके पिता के साथ सह-सिंहासनधारी है।

हे सांत्वनादाता , परीक्षा से बचाओ, / जो आपको ईश्वर के रूप में स्वीकार करते हैं , / और जो आपके अनादि अस्तित्व की महिमा करते हैं।

महिमा: हमारे पास आओ, सांत्वनादाता , / अपनी सांत्वना से भर दो / जो तुम्हारी अगोचर महिमा पर मनन करते हैं।

और अब, हे परमेश्वर की माता: हे निर्मल वधू परमेश्वर की! / अपनी प्रार्थनाओं द्वारा उन लोगों को प्रलोभन से बचाओ, / जो तुम्हारी स्तुति करते हैं और तुम्हारा यथोचित सम्मान करते हैं।

'यह उपयुक्त है ' के बजाय, हम वही इरमोस गाते हैं।

ट्रसिगयिन के बाद
हम त्योहार का कोंटाकयिन , स्वर 8 में गाते हैं

जब परम-उच्च अवतरति हुए और जीभों को उलझा दयिा, / तब उन्होंने राष्ट्रों को वभिाजति कयिा; / परन्तु जब उन्होंने आग की जीभें वतिरति कीं , / तब उन्होंने सभी को एकता में बुलाया , / और हम, सामंजस्य में , सर्व -पवत्रि आत्मा की महमिा करते हैं।

प्रभात -प्रार्थना में

'ईश्वर प्रभु ': उत्सव का ट्रॉपारयिन , स्वर 8

धन्य हैं आप, हे मसीह हमारे परमेश्वर , / जन्हिोंने मछुआरों को बुद्धमिान बनाया, / उन पर पवत्रि आत्मा को भेजकर / और उनके द्वारा सारी दुनयिा को पकड़ा। / हे मानवजाति के प्रेमी , आपको महमिा! (3)

पहले स्टचिैरा के बाद, सेडेलन , स्वर 4

हे वशि्वासयिों , आइए आनंद के साथ मनाएँ / इस अंतमि और परम पर्व को; / यह पेंटेकोस्ट है , प्रतज्ञि्ा की पूर्ति / और हमारे वषिय में जो कुछ भी भवषि्यवाणी की गई थी उसकी; / क्योंकि इस दनि परमप्रसन्नकर्ता की आग / अचानक पृथ्वी पर जीभों के रूप में अवतरति हुई , / और शषि्यों को प्रकाशति कयिा, / और उन्हें स्वर्ग के रहस्यों में दीक्षति के रूप में प्रकट कयिा। / परमप्रसन्नकर्ता का प्रकाश आया है और उसने संसार को प्रकाशति कयिा है ! (2)

सेडेलन के दूसरे छंद के बाद, स्वर 8

आत्मा का स्रोत , पृथ्वी पर आकर, / वचिार में स्वयं को अग्नमिय नदयिों में वभिाजति कर, / प्रेरतिों को सींचा , उन्हें प्रकाश तक उठाया। / और आग उनके लिए एक ओस भरा बादल बन गई, / उन्हें प्रकाशति करते हुए और अपनी ज्वाला को बारशि की तरह बरसाते हुए ; / उनसे ही हमने भी अनुग्रह प्राप्त कयिा है / आग और पानी के माध्यम से। / सांत्वनादाता का प्रकाश आया है और उसने संसार को प्रकाशति कयिा है । (2)

तब पर्व के दोनों कैनन : स्वर 7, एक इरमोस के साथ स्वर 8 में , और स्वर 4, एक इरमोस के साथ स्वर 6 में। काटावासयिा: मूसा , वाक् -रोगी, दव्यि अंधकार से ढका हुआ :

संत कोस्मास ऑफ मायूम का कैनन , स्वर 7।
गीत 1

इरमोस: उसने फराओ और उसके रथों को समुद्र से ढा दयिा / वही जो अपनी प्रबल भुजा से युद्ध में कुचलता है ; / हम उसकी स्तुति करें , क्योंकि वह महमिामय हुआ है।

वास्तव में , जैसा कि आपने अपने प्राचीन शषि्यों से वादा कयिा था, / सांत्वनादाता , पवत्रि आत्मा को भेजकर , हे मसीह, / आपने मानव जाति के प्रेमी , अपनी ज्योति से संसार को प्रकाशति कयिा है।

जो प्राचीन काल में / व्यवस्था और भवषि्यद्वक्ताओं द्वारा पूर्व में बताया गया था, वह पूरा हो गया है , / क्योंकि दव्यि आत्मा की कृपा / आज के दनि सभी वशि्वासयिों पर बरसाई गई है।

आर्कली के संत जॉन द्वारा एक और कैनन (या: सेंट जॉन ऑफ़ डेमास्कस), स्वर 4

इरमोस: मूसा , यद्यपि वाक् -स्थरि , / दैवीय अन्धकार से आवृत , / ईश्वर द्वारा लखिति वधिान को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत कयिा, / क्योंकि , अपनी आध्यात्मकि दृष्टि से अशुद्धि को दूर कर, / वह उस सत् -स्वरूप को देखता है और आत्मा का ज्ञान प्राप्त करता है , / दैवीय भजनों से उसकी महमिा करता है।

पवत्रि और सम्माननीय होंठों ने घोषणा की: / 'मैं तुमसे अलग नहीं होऊँगा , मेरे मत्रिों ; / क्योंकि , पता के सर्वोच्च सहिासन पर वरिाजमान, / मैं आत्मा की प्रचुर कृपा / उन पर बरसाऊँगा जो प्रकाशति होना चाहते हैं।

दहलीज़ पार कर, सबसे वश्विसनीय वचन / हृदय को स्थरिता से भर देता है ; / क्योंकि , अपना कार्य पूरा कर, मसीह ने अपने मत्रिों को आनंदति कयिा, / जैसा उसने वादा कयिा था, आत्मा को / एक प्रचंड झोंके और आग की जीभों में प्रदान कयिा।

गीत 3

कैनन 1. इरमोस: 'यरूशलेम में रहो', / – हे मसीह, आपने अपने शष्यिों से कहा, / – 'जब तक तुम ऊपर से शक्ति से परपिूर्ण नहीं हो जाते ; / और मैं अपने समान एक अन्य सांत्वनादाता भेजूंगा , / मेरा आत्मा और पता का आत्मा , / जसिमें तुम दृढ़ हो जाओगे '।

जो दव्यि आत्मा का सामर्थ्य अवतरति हुआ है / उसने दैवीय रूप से एक ही सामंजस्य में एक कर दयिा है / उन जीभों को जो प्राचीन काल में बुराई की साजशि रचने वालों द्वारा वभिाजति की गई थीं , / वश्विासयिों को त्रमिूर्ति के ज्ञान में शक्षिति करते हुए , / जसिमें हम स्थापति हैं।

कैनन 2. इरमोस: बाँझ गर्भ के बंधन टूट गए / और बहुत संतान वाली स्त्री का अनयिंत्रति अहंकार समाप्त हो गया / प्राचीन काल में भवष्यिवक्ता अन्ना की एक ही प्रार्थना से , / जसिकी आत्मा पश्चात्ताप से भरी थी, / जो ज्ञान के शासक और ईश्वर को संबोधति थी।

अवविेकी त्रमिूर्ति , / क्योंकि उसने अनपढ़ों को वाक्पटु बना दयिा है , / एक ही शब्द से ऋषयिों की भीड़ को मौन कर दयिा / और आत्मा की बजिली से अनगनित लोगों को गहरी रात से बाहर खींच लयिा।

अजन्मी ज्योति से एक ज्योति उत्पन्न हुई , / एक सर्वशक्तमिान , सक्रयि , अक्षय ज्योति , / जसिकी करिणें , जो पता के स्वभाव की हैं / और उनसे एकसार हैं , अब पुत्र के द्वारा राष्ट्रों के सामने प्रकट हुई हैं / सयि्योन पर एक अग्नमिय घोष के रूप में।

तीसरी ओड के बाद, सेडेलन , स्वर 8

सर्व -पवत्रि आत्मा , अब आग के रूप में / प्रेरतिों पर अवतरति होकर, / राष्ट्रों की सभाओं को वस्मिय से भर दयिा: / क्योंकि अग्नमिय जह्वाओं में बोलने वालों से , / प्रत्येक ने अपनी ही भाषा सुनी , हे मानवता के प्रयितम। / इसलिए यह चमत्कार / अवश्विासयिों को मद्यपान की अवस्था के रूप में दखिाई दयिा, / परन्तु वश्विासयिों को वास्तव में उद्धारक के रूप में। / अतः हम तेरी महमिा करते हैं , हे मसीह हमारे परमेश्वर , / तुझ से प्रार्थना करते हुए कि तू अपने सेवकों पर / पापों की क्षमा प्रचुरता से प्रदान कर। (2)

भजन 4

कैनन 1. इरमोस: हे मसीह, अंतमि दनिों में तेरे आगमन का चतिन करते हुए , भवष्यिवक्ता ने पुकारा : / 'हे प्रभु , मैंने तेरे सामर्थ्य के वषिय में सुना है , / कि तू अपने सभी अभषिक्ति लोगों को बचाने आया है।

जो प्राचीन काल में भवष्यिद्वक्ताओं के द्वारा बोलता था / और व्यवस्था में अपूर्ण मनुष्यों के लिए घोषति कयिा गया था, / वह सच्चा ईश्वर , सांत्वना देने वाला, आज प्रकट होता है / वचन के सेवकों और साक्षयिों के लिए।

आत्मा , दव्यिता का चह्नि धारण करते हुए , / इस दनि प्रेरतिों के बीच अग्नि में वभिक्त हुआ / और अजनबी भाषाओं में प्रकट हुआ , / क्योंकि वह दव्यि शक्ति है , / जो पति से उत्पन्न , स्वयंभूत है।

कैनन 2. इरमोस: राजाओं के राजा, एक से एक, / एकमात्र वचन, आरंभहीन पति से उत्पन्न , / आपने , एक दाता के रूप में , वास्तव में आत्मा को भेजा , / जो आप समान है , प्रेरतिों के पास, जो गाते हैं : / 'हे प्रभु , आपकी सामर्थ्य को महमिा!'

वचन के साथ पुनर्जन्म के दैवीय स्रोत को घोलकर, / हे परमेश्वर के वचन, आप, जो मश्रिति स्वभाव के हैं , / मुझ पर वर्षा की तरह एक प्रवाह बहाते हैं / अपनी भेदी , अक्षय पार्श्व से , / और इसे पवत्रि आत्मा के प्रवाह से सील करते हैं।

सभी सांत्वनादाता के सामने घुटने टेकते हैं , / और पति के पुत्र के , जो सभी बातों में पति के साथ एक हैं , / क्योंकि सभी ने त्रमिूर्ति में उस सत्ता को देखा है / जो सत्य , अगम्य , कालातीत और एक है : / क्योंकि पवत्रि आत्मा का अनुग्रह प्रकाश की तरह चमका है।

सर्वाधकि दव्यि से परपिूर्ण हो जाओ, / तुम सभी, चाहे कतिने भी हो, त्रि-प्रकाशमान सत्ता के सेवक / क्योंकि वह एक परोपकारी के रूप में सभी को अलौककि रूप से परपिूर्ण करता है , / और मसीह उद्धार के लिए अग्नमिय प्रकाश से प्रबुद्ध करता है , / आत्मा की सारी कृपा प्रदान करते हुए।

गीत 5

कैनन 1. इरमोस: हे प्रभु , तेरे भय के द्वारा , / उद्धार का आत्मा , जो भवष्यिद्वक्ताओं के गर्भ में गर्भधारी हुआ / और पृथ्वी पर जन्म लयिा, / प्रेरतिों के हृदयों को शुद्ध करता है / और धर्मी होकर, वश्विासयिों में नवीनीकृत होता है , / क्योंकि प्रकाश और शांति तेरी आज्ञाएँ हैं।

जो शक्ति आज अवतरति हुई है / वह पवत्रि आत्मा है , परमेश्वर की बुद्धि का आत्मा , / वह आत्मा जो पति से नकिलता है / और हमें , वश्विासयिों को, पुत्र के द्वारा प्रकट हुआ है , / उन पर, जनिमें वह स्वभावतः वास करता है , वह पवत्रिता प्रदान करता है / जसिमें वह देखा जाता है।

कैनन 2. इरमोस: पापों से मुक्ति की शुद्धि के द्वारा / आत्मा की अग्नि-वर्षा ओस ग्रहण करो, / हे चर्च के प्रकाश -वाहक बच्चों ; / क्योंकि अब सयिोन से व्यवस्था प्रकट हुई है – / आत्मा की कृपा आग की जीभों के रूप में।

जैसा कउिसने अपनी इच्छा से चाहा, / आत्मा , जो कसिी के अधीन नहीं है , पति से उतरता है , / प्रेरतिों को उनकी जीभों के माध्यम से ज्ञान प्रदान करता है , / पति की शक्ति के साथ, उनके साथ एकता में , / जीवन-दायक वचन को मुहरबंद करता है / जो उद्धारकर्ता ने कहा था।

उसने प्रेरतिों के मन को पाप से चंगा कयिा, / और उनमें से अपने लिए / सर्वशक्तमिान परमेश्वर वचन ने एक अतशिुद्ध वासस्थान का नरि्माण कयिा; / और अब आत्मा का प्रकाश , / जो उससे एकसार और सामर्थ्य में समकक्ष है , वहाँ वास करता है।

स्तोत्र 6

कैनन 1. इरमोस: जीवन की चनि्ताओं के कोलाहल में पीड़ति , / मुझ पर छाए पापों से अभभिूत , / और आत्मा -भक्षी दानव के जबड़ों में फेंका गया, / योनह की तरह मैं तुझसे पुकारता हूँ , हे मसीह: / 'मुझे इन घातक गहराइयों से ऊपर उठा ले !'

तव आत्मा से तूने प्रचुर मात्रा में / सभी प्राणयिों पर उंडेला है , हे प्रभु , जैसा तूने कहा है , / और सभी वस्तुएँ तव ज्ञान से परपिूर्ण हो गई हैं : / कि तू , हे पुत्र , पति से न तो सांसारकि नयिमों के अनुसार उत्पन्न हुआ , / और आत्मा उनसे अवभिाज्य रूप से नकिलता है।

कैनन 2. इरमोस: हमारे लिए प्रायश्चति और उद्धार के स्रोत के रूप में , / हे प्रभु मसीह, तू कुँवारी से प्रकट हुआ , / ताकि, जैसे भवषि्यवक्ता योना समुद्र के दैत्य के पेट से , / तू आदम को, जो अपनी सारी वंश के साथ गरि गया था, / सड़न से पूरी तरह मुक्त कर सके।

हे प्रयि , धर्मी आत्मा , / हे सर्वशक्तमिान , हमें भीतर से नवजीवति करें , / ताकि हम उसे सदा के लिए ग्रहण कर सकें , / जो पति से उत्पन्न होकर, उनसे पूर्ण रूप से एक है , / शत्रुतापूर्ण स्वभाव के कलंकों को जलाकर, / और मन की अशुद्धि को शुद्ध करते हुए।

प्रेरतिों के लिए एक अनमोल संपत्ति के रूप में , / सयिोन के नागरकि जो आपके आगमन की प्रतीक्षा कर रहे थे , / हे आत्मा , अग्नि-प्रेरति , उनमें स्थापति करें / पति से उत्पन्न वचन का ज्ञान , / जो शीघ्रता से मूर्तपिूजक छल-कपट की क्रूर वाक्पटुता को उजागर करता है।

कॉन्टाकयिन , स्वर 8

जब परम-प्रभु अवतरति हुए और उन्होंने भाषाओं को भ्रमति कर दयिा, / तब उन्होंने राष्ट्रों को वभिाजति कयिा; / परन्तु जब उन्होंने आग की जीभें प्रदान कीं , / तब उन्होंने सभी को एकता में बुलाया , / और हम सामंजस्य से सर्व -पवत्रि आत्मा की महमिा करते हैं।

इकोस: हे यीशु , अपने सेवकों को शीघ्र और नश्चिति सांत्वना प्रदान कर, / जब हमारी आत्माएँ उदास हों। / दुख में हमारी आत्माओं को न छोड़ , / क्लेश में हमारे वचिारों से मुख न मोड़ , / परन्तु सदा हमारी सहायता को आ। / हमारे समीप आओ, समीप आओ, हे सर्वव्यापी , / जैसे तुम हमेशा अपने प्रेरतिों के साथ थे , / वैसे ही अपने आप को उन लोगों के साथ एक करो जो तुमसे प्रेम करते हैं , हे दयालु , / ताकि, तुमसे एक होकर, / हम तुम्हारी सर्व - पवत्रि आत्मा का गीत गा सकें और उसकी महमिा कर सकें।

सनिैक्सारयिन।

भजन 7

कैनन 1. इरमोस: अग्नि भट्टी में फेंके जाने पर, / धर्मात्मा युवक / अपने गायन से आग को ओस में बदल गए, पुकारते हुए : / 'धन्य हैं आप, हे प्रभु , / हमारे पूर्वजों के परमेश्वर !'

जब प्रेरतिों ने / ईश्वर के महान कार्यों की घोषणा की, / अवश्वािसयिों को पवत्रि आत्मा का कार्य / नशे जैसा प्रतीत हुआ , / जसिके द्वारा त्रमिूर्ति प्रकट होती है – / हमारे पूर्वजों का एक ईश्वर।

हम पवत्रि धर्म की घोषणा करते हैं / अवभिाज्य स्वभाव में – / परमपति, जनिका कोई आरंभ नहीं , / वचन और आत्मा , समान शक्त ि के सहभागी, पुकारते हुए : / 'धन्य हैं आप, हे हमारे पतिरों के परमेश्वर !'

कैनन 2. इरमोस: संगीत वाद्ययंत्रों की सुमधुर धुन गूँजी , / जो हमें सोने में ढली एक नर्जिीम मूर्त ि की पूजा करने के लिए बुला रही थी; / परन्तु परमप्रतापी की ज्योत ि-धारी कृपा / हमें श्रद्धापूर्वक पुकारने के लिए प्रेरति करती है : / 'एक त्रत्वि , सह-समान, अनंत , / धन्य हैं आप!'

मूर्ख , जो भवष्यिद्वक्ताओं के द्वारा बोले गए वचन को समझने में असफल रहे , / जब उन्होंने प्रेरतिों के असाधारण वचन सुने , / तो उन्होंने कहा कि यह तो शराब के नशे में धुत होने का परणिाम है ; / परन्तु हम, भक्तमिय लोग, परमेश्वर से प्रेरति होकर तुझ से पुकारते हैं : / 'सभी चीज़ों के नवीनीकरणकर्ता , धन्य है तू !'

दव्यि प्रेरति भवष्यिवक्ता योएल ने गर्जन के साथ कहा / जब वचन उनके द्वारा इस प्रकार बोला: / 'जनि पर मैं सर्वोच्च परमेश्वर का आत्मा उंडेलूँगा / वे सब एक साथ पुकारेंगे : / "त्र ि-व्यक्तमिय स्वभाव , धन्य हैं आप!"'

तीसरे घंटे पर, फरि भी इस एक प्रभु -दनि पर, / उन्होंने अब हम पर अपना अनुग्रह प्रदान कयिा है , / ताकि हम त्र ि-स्वभावों का सम्मान करने के लिए प्रेरति हों / उनकी शक्त ि की अवभिाज्यता में ; / पुत्र , पति और आत्मा , धन्य हैं आप!

ओड 8

कैनन 1. इरमोस: सनिाई पर्वत पर काँटों का झाड़ , जो आग में नष्ट नहीं हुआ , / ने ईश्वर को प्रकट कयिा / मूसा को, जो वाक् -दोषी और अस्पष्ट वाणी वाले थे ; / और आग में ईश्वर का उत्साह / ने तीनों युवकों को अडगि गायकों के रूप में दखिाया: / 'हे सारी सृष्ट ि , प्रभु का भजन करो / और युगानुयुग उसकी महमिा करो!'

जब सर्व -पवत्रि आत्मा का जीवन-दायक, शक्तशिाली श्वास / ऊपर से गर्जना के साथ / मछुआरों पर आग की जीभों के रूप में छा गया, / तब उन्होंने परमेश्वर के महान कार्यों की स्तुत ि की: / 'हे सारी सृष्ट ि , प्रभु का भजन करो / और युग -युग तक उसकी महमिा करो!'

जैसे वे एक ऐसे पर्वत पर चढ़ते हैं / जसिे छुआ नहीं जा सकता, / भयानक अग्न ि के भय के बनिा, / आओ, हम सयिोन पर्वत पर खड़े हों , / जीवति परमेश्वर के नगर में , / अब आत्मा से परपिूर्ण शष्यिों के साथ आनंद मनाते हुए : / 'हे सारी सृष्ट ि , प्रभु की स्तुत ि करो / और उसे युगानुयुग तक महमिान्वति करो!'

कैनन 2. इरमोस: त्र ि-दीप्तमिान ईश्वरत्व की प्रतमिा / बंधनों को तोड़ती है और ज्वाला को बुझाती है ; / युवक गाते हैं , जबकि सारी सृष्ट ि / सभी के एकमात्र उद्धारकर्ता और सृष्टकिर्ता को / अपने कल्याणकर्ता के रूप में धन्यवाद देती है।

मानवजाति के लिए उद्धार के वचनों की स्मृत ि में , / जनि्हें पति से सुनकर , / मसीह ने प्रेरतिों से कहा, / आत्मा आग की जीभों के रूप में उतरकर सृजन करता है ; / और सृष्ट ि , जो कभी पराई थी, / परन्तु अब तेरे समीप आकर, / हे धन्य , तेरी स्तुत ि गाती है।

उद्धार करने वाले और सर्वशक्तमिान तरीके से आकर, / ज्ञान प्रदान करने वाली स्व -प्रकाशमान ज्योत ि के रूप में प्रकट होकर, / हे आत्मा , आप आए, और प्रेरतिों को भर दयिा, / जैसे एक अमूल्य श्वास ने। / अतः , सदा अपने सेवकों के साथ बने रहें !

आत्म -से परपिूर्ण भवष्यिवक्ताओं के होठों ने , हे राजा, / तेरे अवतार की, और उस आत्मा की, जो पति के हृदय से नकिलता है , / अनादि, सह-सृष्टकिर्ता और तेरे साथ सह-

सहिासनधारी की, / तेरी भेजी गई भक्तों के लिए, / ताकि वे तेरे अवतार का आदर करें , / महिमा गाई।

हम नौवां भजन 'केरूबीमों का सर्वोच्च सम्मान ' नहीं गाएंगे।

स्तोत्र 9

कैनन 1. इरमोस: अपनी कुँवारी अवस्था को अक्षुण्ण रखते हुए गर्भ धारण करके / और सर्वज्ञ वचन को देह प्रदान करके , / वह माता जिसे पति नहीं जानती, ईश्वर की कुँवारी माता, / अकल्पनीय की वाहिका, / आपके अनंत सृष्टा का निवास-स्थान , / हम आपको महिमामय करते हैं।

एक ज्वलंत अग्नि रथ पर / जो पुरातन काल में आनंदपूर्वक वहन किया गया / उत्साही और अग्नि-उगलने वाले एलियाह द्वारा / ने स्वर्गीय श्वास को प्रकट किया, जो अब प्रेरितों को प्रकाशित करता है ; / इससे प्रबुद्ध होकर, / उन्होंने सभी को त्रिमूर्ति का प्रकटीकरण किया।

प्रकृति के नियमों के विपरीत, / कुछ असाधारण सुना गया: / क्योंकि जब शिष्य एक स्वर में बोले , / पवित्र आत्मा की कृपा से , लोग, जातियाँ और भाषाएँ / विभिन्न तरीकों से घोषित की गईं / ईश्वर के महान कार्यों की, / त्रिमूर्ति के ज्ञान में दीक्षित होकर।

कैनन 2. इरमोस: हे रानी, माताओं और कुंवारी कन्याओं की महिमा, आनंदित हो! / क्योंकि कोई भी वाक्पटु वक्ता , चाहे वह कितना भी कुशल क्यों न हो, / अपने प्रवचन में , / आपकी महिमा का यथोचित गान नहीं कर सकता; / हर मन अभिभूत हो जाता है , / आपके द्वारा मसीह के जन्म को समझने का प्रयास करते हुए ; / इसलिए हम एक स्वर में आपकी स्तुति करते हैं।

जीवन से परिपूर्ण कुँवारी के गुण गाना उचित है , / क्योंकि केवल वही ने अपने गर्भ में वचन को छिपाया, / जो नश्वर प्राणियों की रोगग्रस्त प्रकृति को चंगा करते हैं , / जो अब पिता के दाहिने विराजमान हैं , / और जिन्होंने हमें पवित्र आत्मा की कृपा भेजी है। /

हम सभी जिन पर ईश्वर की कृपा की वर्षा हुई है , / एक असाधारण और अति महिमामय रूपांतरण से / दैवीय प्रकाश से दीप्त , शोभायमान और रूपांतरित होकर, / समान-पद, अविभाज्य , सर्व -ज्ञानी , / त्रि-दीप्तिमान सत्ता को जानकर, हम उसकी महिमा करते हैं।

एक्सापोस्टिलिइन

हे सर्व -पवित्र आत्मा , जो परमपिता से निकलकर / पुत्र के द्वारा निरक्षर शिष्यों तक आए, / जिन्होंने आपको ईश्वर के रूप में पहचाना, / हम सभी को बचाएँ और पवित्र करें। **(2)**

महिमा, और अब: पिता प्रकाश हैं , वचन प्रकाश है , पवित्र आत्मा प्रकाश है , / जो आग की जीभों में प्रेरितों के पास भेजे गए; / उनके द्वारा संपूर्ण संसार प्रकाशित होता है / पवित्र त्रिमूर्ति की उपासना के लिए।

'स्तुति :' पर, चौथे स्वर में स्तिखिरा , स्वर 2

भविष्यवक्ताओं के द्वारा तूने हमें उद्धार का मार्ग प्रकट किया है , / और प्रेरितों में , हे हमारे उद्धारकर्ता , तेरे आत्मा का अनुग्रह प्रकाशित हुआ है ; / तू ईश्वर है —प्रथम ; तू ईश्वर है —और उसके पश्चात् , / और सदा के लिए तू हमारा ईश्वर है !

तेरे प्रांगण में मैं तेरा भजन करूँगा , हे जगत के उद्धारकर्ता , / और, अपने घुटने टेककर , मैं तेरी अजेय शक्ति के सामने नमन करूँगा , / सायंकाल , और प्रातःकाल , और मध्याह्न में , / और सर्वदा मैं तुझे धन्य कहूँगा , हे प्रभु !

हे प्रभु , तेरे प्रांगणों में , / हम वशि्वासी , आत्मा और शरीर के घुटने टेककर , / तेरी महमिा गाते हैं , हे आदहिीन पति, / सह-शाश्वत पुत्र , और आत्मा , जो समान रूप से शाश्वत और सर्व -पवत्रि है , / जो हमारी आत्माओं को प्रकाशति और पवत्रि करता है।

महमिा, और अब, स्वर 8: एक बार भाषाएँ भ्रमति हो गईं / बाबेल की मीनार बनाने की धृष्टता के कारण; / लेकनि अब ज्ञान की भाषाएँ भर जाती हैं / परमेश्वर के ज्ञान की महमिा से। / वहाँ परमेश्वर ने दुष्टों को उनके अपराध के लिए दण्डति कयिा; / यहाँ मसीह ने मछुआरों को आत्मा से प्रकाशति कयिा। / तब स्वयं को समझाने में असमर्थता एक दण्ड था; / परन्तु अब, हमारे आत्माओं के उद्धार के लिए / सामंजस्य बहाल हो गया है।

महान डोकसोलॉजी, पर्व का ट्रॉपारिऑन और एक्टेनयिा।

और उत्सव का समापन

मसीह, हमारे सच्चे ईश्वर , जनि्होंने स्वर्ग से अपने पवत्रि शष्यिों और प्रेरतिों पर अपनी अतपिवत्रि माता, पवत्रि , महमिामय और सर्व -स्तुत्य प्रेरतिों , और सभी संतों की प्रार्थनाओं के द्वारा , आग की जीभों के रूप में पवत्रि आत्मा को भेजा , वे हम पर दया करें और हमारा उद्धार करें , क्योंकि वे भले हैं और मानवजातसि प्रेम करते हैं।

और पहला घंटा।

लथि्न्जी में

हम पर्व के भजन गाते हैं : पर्व के कैनन से 'धन्य हैं ' भजन, भजन 3 और 6।

फरि पुरोहति या डकिन: 'ज्ञान ! आइए श्रद्धापूर्वक खड़े हो जाएँ !'

और प्रवेश भजन

हे प्रभु , अपनी सामर्थ्य में ऊँचा उठाया जाओ! / हम तेरी सामर्थ्य का गायन और स्तुति करेंगे।

भजन संहति 20:14

ट्रोपारयिन , स्वर 8

धन्य है तू , हे मसीह हमारे परमेश्वर , / जसिने मछुआरों को बुद्धमिान बनाया, / उन पर पवत्रि आत्मा को भेजकर / और उनके द्वारा सारी दुनयिा को पकड़ा। / हे मानवजातके प्रेमी , महमिा तुझे हो!

महमिा, और अब, कोंटाकयिन , उसी स्वर में

जब परम-प्रभु उतर आए और भाषाओं को उलझा दयिा, / तब उन्होंने राष्ट्रों को वभिाजति कयिा; / परन्तु जब उन्होंने आग की जीभें बाँटीं , / तब उन्होंने सभी को एकता में बुलाया , / और हम, एकता में , सर्व -पवत्रि आत्मा की महमिा करते हैं।

त्रसिगयिन।

प्रोकेइमेनन , स्वर 6

हे प्रभु , अपने लोगों को बचा / और अपनी वरिासत को आशीष दे। **श्लोक :** हे प्रभु , मैं तुझ ही को पुकारता हूँ। हे मेरे परमेश्वर , मुझ पर दृष्टि करके चुप न रह। भजन संहति 27:9, 1क

एफसियों को पत्र , आरंभ 229

भाइयो, प्रकाश के बच्चों के समान चलो, क्योंकि आत्मा का फल सब प्रकार की भलाई, धार्मकिता और सच्चाई में होता है। परमेश्वर को जो भाता है , उसे परखो, और अँधेरे के नष्फिल कामों में भाग न लो, बल्कि उन्हें उजागर करो। क्योंकि वे जो गुप्त में करते हैं , उनके वषिय में बात करना भी लज्जा की बात है। पर जो कुछ प्रकाश में आता है वह प्रकाश से प्रकट हो जाता है ; क्योंकि जो कुछ प्रकट होता है वह प्रकाश है। इसीलिए कहा गया है : 'हे सोनेवाले , जाग उठ; और मरे हुओं में से उठ खड़ा हो; और मसीह तुझ पर प्रकाश करेगा। ' तो फरि, सावधान रहो कि तुम कैसे जीते हो—बेवकूफ़ों की तरह नहीं , बल्कि बुद्धमिानों की तरह, समय का पूरा लाभ उठाते हुए , क्योंकि दनि बुरे हैं। इसलिए, मूर्ख न बनो, बल्कि यह समझो कि परमेश्वर की इच्छा क्या है। और शराब से मतवाले न बनो, जो दुराचार की ओर ले जाती है ; बल्कि आत्मा से परपूर्ण हो जाओ, भजन और स्तोत्र और आत्मकि गीतों में एक दूसरे से बात करो, प्रभु के लिए अपने हृदयों में गाओ और स्वर बनाओ।

एफि 5:8ख–19

आल्लेलुया , स्वर 2

पद: हे परमेश् वर , अपनी महान दया के अनुसार मुझ पर दया करें। **पद:** मुझे अपनी उपस्थति से दूर न करें , और मुझ से अपनी पवत्रि आत्मा को न लें। भजन संहति 50:3क, 13

मत्ती के अनुसार सुसमाचार , पद 75 से आरंभ

प्रभु ने कहा: 'देखो , इन छोटे -छोटे में से कसी की भी तुच्छ न समझना; क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ कि स्वर्ग में उनके स्वर्गदूत मेरे स्वर्गीय पति का मुखाँ देखे रहते हैं। क्योंकि मनुष्य का पुत्र खोए हुओं को खोजने और बचाने आया।' तुम क्या सोचते हो? यदि किसी के पास सौ भेड़ें हों , और उनमें से एक भटक जाए, तो क्या वह नब्बे -नौ को पहाड़ों पर छोड़कर भटक गई एक के खोजने नहीं जाएगा? और यदि वह उसे पा ले , तो मैं तुम से सच कहता हूँ , वह उस एक पर उस नब्बे -नौ से अधकि आनन्द करता है जो भटक नहीं गई थीं। इसी तरह, यह आपके स्वर्गीय पति की इच्छा नहीं है कि इन छोटे लोगों में से एक भी नाश हो जाए। यदि तुम्हारा भाई तुम्हारे वरिुद्ध पाप करता है , तो जाकर अकेले में उससे बात करो; यदि वह तुम्हारी सुनता है , तो तुमने अपने भाई को वापस पा लिया; परन्तु यदि वह नहीं सुनता , तो अपने साथ एक या दो और को ले जाओ, ताकि हर बात दो या तीन गवाहों के बयान से ثبات हो जाए; पर यदि वह उनकी भी नहीं सुनता , तो इसे कलीसिया को बताओ; और यदि वह कलीसिया की भी नहीं सुनता , तो वह तुम्हारे लिए एक अनाड़ी और एक महसूल लेने वाले के समान हो। मैं तुम से सच कहता हूँ , जो कुछ तुम पृथ्वी पर बान्धोगे , वह स्वर्ग में बन्धा रहेगा , और जो कुछ तुम पृथ्वी पर खोलोगे , वह स्वर्ग में खुला रहेगा। मैं तुम से सच कहता हूँ , यदि पृथ्वी पर तुम में से दो किसी बात पर एकमत होकर माँगो , तो जो कुछ तुम माँगोगे , वह मेरे स्वर्गीय पति की ओर से तुम्हें दिया जाएगा; क्योंकि जहाँ दो या तीन मेरे नाम में इकट्ठे होते हैं , वहाँ मैं उनके बीच में होता हूँ।

मत्ती 18:10–20

समुदाय

आपकी शुभ आत्मा मुझे धार्मकिता के देश में ले जाएगी। / हल्लेलूया। (3)

वषिय-सूची पर वापस

शनविार को लघु संध्या में

'हे प्रभु , मैंने पुकारा है :' पर
रवविार का स्टचिरा , स्वर 8, स्वर 8

हे ख्रीस्त , हम आपको संध्या का भजन / और एक युक्तसिंगत सेवा अर्पति करते हैं ; / क्योंकि आपने पुनरुत्थान के द्वारा हम पर दया करने में प्रसन्नता दखिाई है।

हे प्रभु , हे प्रभु ! / हमें अपनी उपस्थति से दूर न कर, / परन्तु पुनरुत्थान के द्वारा हम पर दया करने की कृपा कर।

हे पवत्रि सयिोन, आनंदति हो, / हे कलीसयिाओं की माता, हे परमेश्वर के वासस्थान ! / क्योंकि तूने ही सबसे पहले / पुनरुत्थान के द्वारा पापों की क्षमा प्राप्त की।

वचन, जो सर्व युगों से पहले परमेश्वर पति से जन्मे , / और वही वचन, इन अंतमि दनिों में , / एक अवविाहति कुँवारी के गर्भ से देहधारी हुए , / ने अपनी इच्छा से क्रूस पर चढ़ाए जाकर मृत्यु भोगी / और एक बार मरने के बाद, / अपने पुनरुत्थान के द्वारा मानव जाति को बचाया।

महमिा, स्वर 6: हे शहीदों के दैवीय समूह , / कलीसयिा की नींव , सुसमाचार की पूर्ति ! / तुमने अपने कर्मों द्वारा उद्धारकर्ता के वचनों को पूरा कयिा है : / क्योंकि तुम्हारे द्वारा नरक के द्वार , जो कलीसयिा के वरिुद्ध खोले गए थे , बंद हो गए हैं ; / तुम्हारे रक्त का प्रवाह / मूर्तपिूजक बलदिानों को सूखा दयिा है ; / तुम्हारी बलदिान ने वशि्वासयिों की पूर्णता को जन्म दयिा है। / आपने नरिाकारों को चकति कर दयिा है , / और सहिासनधारी होकर परमेश्वर के सामने खड़े हैं ; / हमारे प्राणों के लिए / नरिंतर उनकी मध्यस्थता करें।

और अब, डॉगमैटकि भजन, स्वर 8: हे ईश्वर की माता, हम आपकी महमिा कैसे करें ? / और हे अतिधन्य , हम आपके बारे में कैसे गाएँ , / आपके गर्भधारण के अकथनीय रहस्य को? / क्योंकि युगों के स्रष्टा / और हमारी प्रकृति के कर्ता , / अपनी ही प्रतमिा पर दया करके , / ने स्वयं को अकथनीय रूप से वनिम्र कयिा। / जो पति की अदृव्य गहराइयों में वास करते हैं / वे आपके गर्भ में रहे , हे पवत्रि एक, / और बनिा परविर्तन के देहधारी हुए , / आपसे , जन्हिोंने ववािह को नहीं जाना, / और साथ ही वे जो थे , वैसे ही रहे – स्वभाव से ईश्वर। / अतः हम उसकी आराधना करते हैं , / पूर्ण ईश्वर और पूर्ण मानव, / जो अपनी प्रत्येक प्रकृति में स्वयं वही हैं : / क्योंकि प्रत्येक प्रकृति वास्तव में उसमें वद्यिमान है। / हम उनकी सभी स्वाभावकि वशिषताओं को द्वैत के रूप में घोषति करते हैं , / दो क्रयिाओं और दो इच्छाओं का सम्मान करते हुए / दो स्वभावों के अनुसार : / क्योंकि , परमपति परमेश्वर के सह-तत्त्व होने के नाते , / वह स्वेच्छा से अपनी इच्छा प्रकट करते हैं और ईश्वर के रूप में कार्य करते हैं ; / लेकनि , हमसे सह-तत्त्व होने के नाते , / वह स्वेच्छा से अपनी इच्छा प्रकट करते हैं और एक मनुष्य के रूप में कार्य करते हैं। / हे परम धन्य , जो पवत्रि और सम्मानति हैं , उनसे हमारे आत्माओं के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

'आनंद का प्रकाश :' और प्रोकेइमेन 'प्रभु ने राज्य कयिा है :'

स्टचिरा पर, रविवार का स्टचिरा , स्वर 8

हे यीशु , तू स्वर्ग से उतर आया, / तू क्रूस पर चढ़ा ; / तू मृत्यु को आया – अमर जीवन, / अंधकार में रहने वालों के लिए – सच्चा प्रकाश , / पतितों के लिए – सभी का पुनरुत्थान। / हमारे प्रकाश और उद्धारकर्ता , तेरी महिमा!

और ईश्वर की माता को, उसी स्वर में , इस प्रकार : 'हे अति महिमामय चमत्कार :'

पद: वे आपकी महिमा को / सभी पीढ़ियों तक याद करेंगे। भजन संहिता 44:18A

जय हो, हे परमेश्वर की अति पवित्र माता! / जय हो, हे वसंत , जो विश्वासियों को जीवन प्रदान करती है ! / आनंदित हो, सर्व की अधिपती / और सृष्टि की स्वामिनी , धन्य एक! / आनंदित हो, सर्व -निर्दोष , महिमामयी एक! / आनंदित हो, सर्व -शुद्ध एक! / आनंदित हो, महल, आनंदित हो, दिव्य निवास! / आनंदित हो, शुद्ध एक, आनंदित हो, कुंवारी माता! / आनंदित हो, ईश्वर की वधू !

पद: हे पुत्री , सुन , और देख , / और अपना कान लगा। भजन संहिता 44:11A

हे परमेश्वर की परम पवित्र माता, आनंदित हो! / हे विश्वासियों की आशा, आनंदित हो! / हे संसार की शोधक, आनंदित हो! / हे अपने सेवकों को हर दुख से छुड़ाने वाली, आनंदित हो! / हे मानव जाति के सांत्वनादाता , आनंदित हो! / हे जीवन-प्रदायक देखभाल , आनंदित हो! / हे उन लोगों के लिए दुर्ग , जो आपसे प्रार्थना करते हैं , आनंदित हो! / हे परमेश्वर का दिव्य निवास स्थान / और पवित्र पर्वत , आनंदित हो!

पद: लोगों में धनी / तेरा मुख खोजेंगे। भजन संहिता 44:13ख

हे ईश्वर की माता, हे सर्वोच्च , आनंदित हो! / हे नश्वर प्राणियों की एकमात्र आशा और संरक्षक , आनंदित हो! / हे शरण और दीप, जो सदैव प्रकाशित रहता है , आनंदित हो! / हर्षित हो, समर्पित दीप! / हर्षित हो, महल, हर्षित हो, स्वर्ग ! / हर्षित हो, दिव्य निवास! / हर्षित हो, झरना, जो धाराएँ बहाता है / उन पर जो तुझमें शरण लेते हैं !

महिमा, और अब, हे परमेश्वर की माता, वही स्वर : जिसे स्वर्ग धारण नहीं कर सकता, / वह बिना किसी बाधा के तेरी गर्भ में समाया, हे कुँवारी माता परमेश्वर की, / और तू एक अगोचर वचन द्वारा पवित्र बनी रही, / अपनी कुँवारी अवस्था को किसी भी प्रकार से कलंकित किए बिना। / क्योंकि स्त्रियों में केवल आप ही / माता और कुँवारी दोनों बनीं। / और केवल आप ही, सर्व -पवित्र , / ने जीवन-दाता पुत्र को अपने स्तन का दूध पिलाया, / और निर्दोष नेत्र को अपनी बाहों में धारण किया। / फिर भी उन्होंने पिता की गोद को नहीं छोड़ा , / क्योंकि वे युगों से पूर्व विद्यमान थे , / परन्तु स्वर्ग में स्वर्गदूतों के साथ पूर्ण रूप से परमेश्वर थे , / और पृथ्वी पर भी, आपसे जन्म लेकर मानवजाति के साथ पूर्ण रूप से थे , / और सर्वत्र एक अवर्णनीय तरीके से उपस्थित थे ! / उनसे प्रार्थना करो, हे सर्व -पवित्र माता, / उन लोगों के उद्धार के लिए जो यह स्वीकार करते हैं / कि तुम ईसाई धर्म में परमेश्वर की पवित्र माता हो!

रविवार का ट्रॉपारियन , स्वर 8

हे दयामयी, तुम ने स्वर्ग से अवतरण किया, / और तीन दिन तक कब्र में रहने की कृपा की, / ताकि तुम हमें हमारे विकारों से मुक्ति दे सको, / – हे प्रभु , हमारे जीवन और पुनरुत्थान , तुम्हें महिमा हो!

महिमा, और अब, ईश्वरमाता को: हमारे लिए कुँवारी से जन्म लेकर / और सूली पर चढ़ाए जाने को सहन करके , / मृत्यु को मृत्यु से पराजित करके / और ईश्वर के रूप में पुनरुत्थान को प्रकट करके , / हे दयामय, अपने हाथ से रचित प्राणियों को तिरस्कार न करें ; / हे दयालु , मानवजाति के प्रति अपना प्रेम प्रकट करो, / ईश्वर की माता को स्वीकार करो, जिन्होंने तुम्हें जन्म दिया, जब वह हमारे लिए मध्यस्थता करती हैं , / और हे हमारे उद्धारकर्ता , उन लोगों को बचाओ जिन्होंने सारी आशा खो दी है।

दुगुण एक्टेनिया और समापन।

शनचिर को महा संध्या समय

'हे प्रभु , मैं ने पुकारा ' पर, दसवँ घण्टे का स्टचिरा ; और हम रविवार के तीन स्टचिरा , तीन पूर्वी स्टचिरा और सभी संतों के चार स्टचिरा गाते हैं।

ईस्टर स्टचिरा

हे मसीह, हम तुझे संध्या का भजन / और बुद्धमिान सेवा अर्पति करते हैं ; / क्योंकि तू पुनरुत्थान के द्वारा हम पर दया करने में प्रसन्न हुआ है।

हे प्रभु , हे प्रभु ! / हमें अपनी उपस्थति से दूर न कर, / परन्तु पुनरुत्थान के द्वारा हम पर दया करने की कृपा कर।

हे पवत्रि सयिोन, आनन्द मनाओ, / हे कलीसयिाओं की माता, हे परमेश्वर का वासस्थल ! / क्योंकि तुमने ही सबसे पहले / पुनरुत्थान के द्वारा पापों की क्षमा प्राप्त की।

पूर्वी स्टचिरा

वचन, जो युगों से पूर्व परमेश्वर पति से उत्पन्न हुए , / और जो इन अंतमि दनिों में / एक कुंवारी से देहधारी हुए , जसिने पत को नहीं जाना, / ने अपनी इच्छा से सूली पर चढ़ाए जाकर मृत्यु भोगी / और एक बार मरने के बाद, / अपने पुनरुत्थान द्वारा मानवजात को बचाया।

हे मसीह, हम मृतकों में से तेरे पुनरुत्थान की महमिा करते हैं , / जसिसे तूने आदम की संतत को नरक के अधकिार से छुड़ाया / और, परमेश्वर के रूप में , संसार को / अनंत जीवन और महान दया प्रदान की।

महमिा हो तुझको , हे उद्धारकर्ता मसीह, / परमेश्वर के एकमात्र पुत्र , / जसिे क्रूस पर कीलें ठोकी गईं / और जो तीसरे दनि कब्र से जी उठा!

सभी संतों के लिए स्टचिरा , स्वर 6

आध्यात्मकि वक्ता , उद्धारकर्ता के शष्यि , / जो वश्विास के द्वारा पवत्रि आत्मा के उपकरण बने , / पृथ्वी के छोर तक बखिर गए, / और ऑर्थोडॉक्स वश्विास में पवत्रि उपदेश बोते हुए ; / उनसे , दैवीय संवर्धन और शहीदों की कृपा से , एक सेना उत्पन्न हुई / जन्होंने यातना और आग से हुए अनेक घावों के माध्यम से / पवत्रि रूप से मसीह के दुखों को चत्रिति कयिा, / और जो नडिर होकर मध्यस्थता करते हैं / हमारी आत्माओं के लिए।

प्रभु के प्रेम की अग्न से प्रज्वलति , / पवत्रि शहीदों ने ज्वालाओं को ठुकरा दयिा / और, दैवीय अंगारों की तरह दहकते हुए , / मसीह में उन्होंने घमंडी छल को / झाड़यिों की तरह जलाकर भस्म कर दयिा; / और बुद्धमिान प्रार्थनाओं से उन्होंने जानवरों के मुँह बंद कर दिए; / और, तलवार के आगे सरि झुकाकर , / उन्होंने शत्रु की सारी सेना को काट गरिाया; / और, धैर्यपूर्वक रक्त की धाराएँ बहाकर, / उन्होंने वश्विास से प्रकाशति कलीसयिा को सींचा।

दंगों से लड़ते हुए , तलवार से मारे गए, / पंजे से नोचे गए, हाथों से वंचति और यातनाएं दी गईं , / अटल शहीदों ने , / और भौतकि अग्न से नर्दियतापूर्वक झुलसकर , / और भेदे गए, और अंग -प्रत्यंग से वच्छिन्नि कर दिए गए, / यह सब पूर्ण दृढ़ता से सहन कयिा, / अपने भवष्यि के पुरस्कार की पूर्वदृष्ट से , / और अक्षय मुकुट , और मसीह की महमिा, / जनिके समक्ष वे नडिर होकर / हमारी आत्माओं के लिए मध्यस्थता करते हैं।

आओ हम पवत्रि भजनों से वधिवित स्तुत करें / पृथ्वी के कोने -कोने में वश्विास में परश्रिम करने वालों की पवत्रि सभा की: / प्रेरतिों , शहीदों , धर्मनष्ठि पुरोहतिों , / और भक्तमिय स्त्रयिों की: / क्योंकि वे , पृथ्वी पर रहते हुए , स्वर्गवासयिों के साथ एक हुए , / और अपने कष्टों के द्वारा मसीह की अनुग्रह से नर्लिप्तिता प्राप्त की; / और अब, अचल तारों की तरह हम पर चमकते हुए , / वे नडिर होकर / हमारी आत्माओं के लिए मध्यस्थता करते हैं।

गौरव, उसी लहजे में : हे शहीदों के दिव्य समूह, / कलीसिया की नींव, सुसमाचार की पूर्ति! / आपने अपने कर्मों द्वारा उद्धारकर्ता के वचन पूरे किए हैं: / क्योंकि आपके द्वारा नरक के द्वार, जो कलीसिया के विरुद्ध खुले थे, बंद हो गए हैं; / आपके रक्त का प्रवाह / मूर्तिपूजक बलिदानों को सूखा दिया है; / आपके बलिदान ने विश्वासियों की एक भीड़ को जन्म दिया है। / आपने निराकारों को चकित कर दिया है, / और सिंहासन होकर परमेश्वर के सामने खड़े हैं; / हमारे प्राणों के लिए / निरंतर उनकी मध्यस्थता करें।

और अब, हे परमेश्वर की माता, स्वर 8: स्वर्गीय राजा / मानवजाति के प्रति प्रेम से पृथ्वी पर प्रकट हुए / और मनुष्यों के बीच निवास किया; / क्योंकि, शुद्ध कुँवारी से देह धारण करके / और इसी देह में उनसे जन्म लेकर, / वे एकमात्र पुत्र बने रहे, / स्वभाव में द्वैत, परन्तु एक ही सार में। / इसलिए, उसे सच्चाई से घोषित करते हुए / कि वह पूर्णतः ईश्वर और पूर्णतः मानव है, / हम मसीह को अपना ईश्वर स्वीकार करते हैं। / उससे प्रार्थना करो, हे अविवाहित माता, / हमारे आत्माओं की दया के लिए।

प्रवेश। 'आनंदमय प्रकाश ': दिन का प्रोकीमेनोन : प्रभु ने राज्य किया है : और पर्व के लिए पाठ:

1. यशायाह की भविष्यवाणियों से एक पाठ

यहोवा इस प्रकार कहता है : सभी राष्ट्र इकट्ठे हो गए हैं, और उनके शासक एकत्रित हुए हैं। उनके बीच यह कौन प्रचार करेगा? या, जो आरंभ से हुआ है, उसे हमें कौन बतायेगा? वे अपने गवाहों को पेश करें, ताकि वे सही ठहरें; वे सुनें और सत्य बोलें। मेरे गवाह बनो: मैं गवाह हूँ, यहोवा परमेश्वर कहता है, और मेरा सेवक जिसे मैंने चुना है, ताकि तुम मुझे जानो और मुझ पर विश्वास करो, और यह समझो कि मैं ही हूँ: मेरे पहले कोई दूसरा परमेश्वर नहीं था, और मेरे बाद कोई नहीं होगा। मैं परमेश्वर हूँ, और मुझसे अलग कोई उद्धारकर्ता नहीं है। मैंने घोषणा की और बचाया; मैंने डाँटा – और तुम में कोई परदेशी देवता नहीं था। तुम मेरे गवाह हो, और मैं यहोवा परमेश्वर हूँ। क्योंकि मैं आरम्भ से ही मौजूद हूँ, और कोई भी मेरे हाथ से छुड़ा नहीं सकता। मैं यह करूँगा, और कौन इसे वापस मोड़ सकता है? इस्राएल का पवित्र, तुम्हारा उद्धारकर्ता, यहोवा परमेश्वर यूँ कहता है।

यशायाह 43:9–14

२. सोलोमन की बुद्धि से पाठ

धर्मी लोगों की आत्माएँ परमेश्वर के हाथ में हैं, और कोई यातना उन्हें छू नहीं सकती। मूर्खों की दृष्टि में वे मर गए प्रतीत हुए, और उनकी विदाई को एक विपत्ति माना गया, और उनसे हमारा अलग होना विनाश माना गया; फिर भी वे शांति में निवास करते हैं। क्योंकि यद्यपि मनुष्यों की दृष्टि में उन्हें दंड दिया गया, पर उनकी आशा अमरत्व से परिपूर्ण है। और यद्यपि उन्हें थोड़ा दंड दिया गया है, परन्तु उन्हें बहुत पुरस्कृत किया जाएगा, क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें परखा है और उन्हें अपने योग्य पाया है। उसने उन्हें वैसे ही परखा है जैसे सोने को भट्टी में परखा जाता है और उन्हें होमबलि के रूप में स्वीकार किया है। और अपने दर्शन के समय, वे चमकेंगे और खरपतवार के बीच चिंगारियों की तरह अपना मार्ग तय करेंगे। वे कबीलों का न्याय करेंगे और राष्ट्रों पर शासन करेंगे, और प्रभु उन पर सदा राज्य करेगा। जो उस पर आशा रखते हैं, वे सत्य को समझेंगे, और प्रेम में विश्वासयोग्य लोग उसके साथ निवास करेंगे; क्योंकि अनुग्रह और दया उसके पवित्र लोगों के साथ है, और उसकी कृपा उसके चुने हुओं के लिए है।

बुद्धि 3:1–9

3. सोलोमन की बुद्धि से पाठ

धर्मी सदा जीवते हैं , और उनका प्रतिफल यहोवा के पास है ; सर्वोच्च उनकी परवाह करते हैं। इसलिये वे यहोवा के हाथ से महिमा का राज्य और सुन्दरता का मुकुट पाएंगे , क्योंकि वह अपने दाहिने हाथ से उन पर ढाल चढ़ाएगा और अपनी बांह से उनकी रक्षा करेगा। वह अपने जोश का पूरा कवच धारण करेगा , और सारी सृष्टि को अपने शत्रुओं के विरुद्ध प्रतिशोध के लिए एक हथियार बना देगा ; वह धार्मिकता का कवच पहनेगा , और निष्पक्ष न्याय का हेलमेट धारण करेगा ; वह अजेय ढाल—पवित्रता —उठाएगा; और वह अपने कठोर क्रोध को तलवार की तरह तेज करेगा , और सारी दुनिया मूर्खों के खिलाफ उसके साथ मिल जाएगी। बिजली के तीव्र तीर उड़ेंगे , और बादलों से , एक कसकर खींचे गए धनुष की तरह, वे अपने निशाने की ओर उड़ेंगे। और, एक कैटापल्ट (पट्टेबाज़) की तरह, क्रोध से भरे ओले बरसेंगे ; समुद्र का पानी उन पर गरज उठेगा , और नदियाँ उन्हें जोरदार तरीके से डुबा देंगी ; शक्ति का आत्मा उनके विरुद्ध उठेगा और, एक आंधी की तरह, उन्हें बिखेर देगा। इस प्रकार अधर्म सारी पृथ्वी को उजाड़ देगा , और दुष्टता शासकों के सिंहासन को उलट देगी। इसलिए, हे राजाओं , सुनो और ध्यान दो; हे पृथ्वी के छोर के न्यायाधीशों , सीखो! हे तुम जो बड़ी संपत्ति के मालिक हो और जनसमूहों के सामने घमंड करते हो, ध्यान दो: क्योंकि अधिकार तुम्हें प्रभु ने दिया है , और सामर्थ्य सर्वोच्च से आता है।

सभोपदेश 5:15–24; 6:1–3

लितानी के समय, चर्च के स्टिचेरा , और सभी संतों के लिए ऑटो-मेलोडिक स्टिचेरा , स्वर 1

विश्वास का एक सार्वभौमिक उत्सव / उन लोगों का जिन्होंने प्राचीन काल से परमेश्वर को प्रसन्न किया है : / पुरखों का सम्मान , भविष्यद्वक्ताओं की सभा, / प्रेरितों की शोभा, शहीदों का दल, / तपस्वियों की स्तुति , सभी संतों का स्मरण / हम आध्यात्मिक रूप से मनाएँगे , / क्योंकि वे अनवरत मध्यस्थता करते हैं , / ताकि संसार को शांति मिले / और हमारी आत्माओं को महान दया मिले।

आओ, हे सभी विश्वासियों , / हम सभी संतों की गौरवमय स्मृति का गुणगान करें / भजनों , स्तोत्रों और आध्यात्मिक गीतों में ; / हमारे उद्धारकर्ता बपतिस्मादाता , / प्रेरितों , भविष्यद्वक्ताओं और शहीदों , / पवित्र -पदधारी, शिक्षकों और पूजनीयों , / तपस्वियों और धर्मी लोगों तथा पवित्र स्त्रियों की / दैवीय मंडली का श्रद्धापूर्वक महिमामंडन करते हुए , / हम एक स्वर में पुकारें : / हे परम धन्य ख्रीस्त हमारे परमेश्वर , उनकी मध्यस्थता से , अपनी कलीसियाओं को शांति प्रदान करें , धर्मपरायण राजा को शत्रुओं पर विजय दें , और हमारी आत्माओं पर महान दया करें !

आओ, आप सभी, पवित्रजनों के स्मरण के इस दिन / आध्यात्मिक रूप से आनंद मनाएँ : / क्योंकि देखो , यह आ गया है , हमारे लिए / प्रचुर मात्रा में बढ़ने वाले आध्यात्मिक उपहार लाया है। / अतः , आनन्दित स्वर और निर्मल अंतकरण से , हम पुकार कर कहें : / 'हे नबियों के मंडली , आनन्दित हो, / जिन्होंने संसार में मसीह के आगमन का प्रचार किया / और दूर की बात को जैसे पास की देखकर जाना! / हे प्रेरितों के समूह , आनन्दित हो, / राष्ट्रों के संग्रहकर्ता और मनुष्यों के पकड़ने वालों !' / हे शहीदों के दल, आनंद मनाओ, / जो पृथ्वी के छोर से एक ही विश्वास में एकत्र हुए , / जिन्होंने यातनाओं में दुख सहन किया / और अपने पराक्रम के लिए पूर्ण मुकुट प्राप्त किया! / हे पितरों के मधुमक्खीपालकों , आनंद मनाओ, / जिन्होंने तपस्या द्वारा अपने शरीरों को थका दिया / और शरीर की कामनाओं को मृत्युदंड दिया! / दिव्य प्रेम से अपने मन को प्रज्वलित कर, / आप स्वर्ग में आरोहण कर गए / और, स्वर्गदूतों के साथ आनंदित होकर, अब शाश्वत आशीर्वादों का आनंद लेते हैं। / पर हे नबियों , प्रेरितों और शहीदों , तपस्वियों के साथ! / उनसे विनम्रतापूर्वक

प्रार्थना करें जिन्होंने आपको मुकुट पहनाया है / अदृश्य और दृश्य दोनों शत्रुओं से मुक्ति के लिए, / क्योंकि हम, विश्वास और प्रेम के साथ, / आपकी सदा-सम्मानित स्मृति का उत्सव मनाते हैं !'

महिमा, स्वर 5: इस वर्तमान उत्सव के निमित्त / हे विश्वासियों , हम एकत्र हों , / क्योंकि हमारे समक्ष एक आध्यात्मिक भोज परोसा गया है / और रहस्यमयी प्याला , आनंददायक स्वादिष्ट व्यंजनों से भरा हुआ – / शहीदों के सद्गुणों का आनंद। / क्योंकि वे , आत्मा में धैर्यवान , / प्रत्येक युग के फूल , / जिन्होंने परम शारीरिक कष्टों को सहन किया और अनेक प्रकार से यातनाएँ झेलीं , / पृथ्वी के छोर से ईश्वर को एक तर्कसंगत बलिदान अर्पित किया; / कुछ ने अपने सिर कटवाकर, / अन्य ने अपने हाथ काटकर और अपने पूरे शरीर को चीर-फाड़ कर, / सभी मसीह के दुखों में सहभागी बने। / परन्तु , हे प्रभु , आपने जिन्होंने उन्हें उनके दुखों के बदले में मुकुट प्रदान किए! / यह अनुग्रह करें कि हम भी, मानवता के प्रेमी के रूप में , / इस जीवन में उनके पदचिन्हों पर चलें।

और अब, हे परमेश्वर की माता, वही आवाज़ सुनी जाती है : 'मंदिर और द्वार , राजा का महल और सिंहासन ' – / आप, हे अति सम्मानित कुँवारी ; / आपके द्वारा , मेरे उद्धारकर्ता , प्रभु मसीह, / अंधकार में सो रहे लोगों के पास, धार्मिकता के सूर्य के समान प्रकट हुए , / उन लोगों को प्रबुद्ध करने की इच्छा से जिन्हें उन्होंने बनाया / अपने ही हाथ से अपनी ही प्रतिमा में। / अतः , सर्व -महिमामयी, / उनके समक्ष एक माता की निडरता प्राप्त कर, / हमारे आत्माओं के उद्धार के लिए / अनवरत मध्यस्थता करो।

स्टिचिरा पर, रविवार का स्टिचिरा , स्वर 8

हे यीशु , तू स्वर्ग से उतरकर / क्रूस पर चढ़ा ; / तू मृत्यु को आया – अमर जीवन, / अंधकार में रहने वालों के लिए – सच्चा प्रकाश , / पतितों के लिए – सभी का पुनरुत्थान। / हमारे प्रकाशक और उद्धारकर्ता , तुझे महिमा हो!

स्टिचि : प्रभु ने राज्य किया है , / वैभव के वस्त्र पहनकर। भजन संहिता 92:1क

आओ मरे हुओं में से जी उठे मसीह की महिमा करें। / क्योंकि उन्होंने आत्मा और शरीर दोनों को धारण किया, / और उनके दुखों को एक-दूसरे के साथ साझा किया: / तब सबसे पवित्र आत्मा अधोलोक में उतर गई और उस पर विजय प्राप्त की, / जबकि हमारे आत्माओं के उद्धारकर्ता का पवित्र शरीर / कब्र में क्षय नहीं हुआ।

पद: क्योंकि उसने जगत को दृढ़ किया है , / और यह हिलने वाला नहीं है। भजन संहिता 92:1ख

हे मसीह, हम भजनों और स्तुतियों के साथ तुझे धन्यवाद देते हैं , / मृतकों में से तेरे पुनरुत्थान के लिए, / जिससे तूने हमें / नरक के अधिकार से छुड़ाया है / और, परमेश्वर के रूप में , हमें अनंत जीवन / और महान दया प्रदान की है।

पद: हे प्रभु , पवित्रता तेरे भवन को शोभा देती है , / युगानुयुग। भजन संहिता 92:5ख

हे सर्व के प्रभु , अगम्य , / स्वर्ग और पृथ्वी के सृष्टिकर्ता ! / क्रूस पर पीड़ा सहकर, तूने मुझ पर नरिलप्तिता प्रदान की; / और महिमा में दफनाए जाकर और जी उठकर, / तूने अपनी सर्वशक्तिमान भुजा से आदम को अपने साथ उठाया। / तेरे तीसरे दिन के पुनरुत्थान की महिमा हो, / जिसके द्वारा तूने हमें अनंत जीवन / और पापों की क्षमा प्रदान की, हे एकमात्र दयालु !

महिमा, स्वर 6: आओ, विश्वासियों , / आज हम अपना आनंदमय उत्सव आरंभ करें , / हम भक्तिपूर्वक आनंद मनाएँ , / और सभी संतों की गौरवशाली और पवित्र स्मृति का सम्मान करें , यह उद्घोष करते हुए : / 'हे महिमामय प्रेरितों , आनंदित हो, / भविष्यवक्ताओं , शहीदों और उच्च पदाधिकारियों !' / हे पूजनीय और धर्मी लोगों के समूह , आनंदित हो! / हे सम्मानित स्त्रियों के समूह , आनंदित हो, / और मसीह के समक्ष शांति के लिए मध्यस्थता करो, / ताकि वह [राजा] को बर्बर लोगों पर विजय प्रदान करें / और हमारी आत्माओं पर महान दया करें !'

और अब, हे परमेश्वर की माता: मेरे सृष्टिकर्ता और उद्धारकर्ता , हे सर्व -पवित्र , / प्रभु मसीह, / तेरी कोख से उत्पन्न हुए , / मेरे लिए मानव रूप धारण करके , / और आदम को

प्राचीन श्राप से मुक्त कयिा। / इसलिए, हे सर्व -पवत्रि , / ईश्वर की माता और सच्ची कुँवारी , / हम स्वर्गदूत के साथ अवरिाम 'हर्षति हो' का उद्घोष करते हैं : / 'हर्षति हो, हे सर्वोच्च देवी , हमारी रक्षा , हमारा आश्रय , / और हमारी आत्माओं का उद्धार !'

तब: 'अब तू जाने दे ': **'हमारा पतिा' के बाद का त्रसिगयिन :**

रविवार का ट्रोपारयिन , स्वर 8

हे दयालु प्रभु , आप स्वर्ग से अवतरति हुए , / और तीन दनि तक कब्र में रहने की कृपा की, / ताकि आप हमें हमारे वकिारों से मुक्त कर सकें , / – हे जीवन और पुनरुत्थान के प्रभु , आपको महमिा!

सभी संतों का ट्रॉपारयिन , स्वर 4

महमिा: जैसे कि संसार भर में पीड़ति हुए तेरे शहीदों के रक्त से / बैंगनी और सूक्ष्म बूटे के वस्त्रों की भाँति परधिान धारण कर, / उनके द्वारा तेरी कलीसयिा तुझसे , हे मसीह परमेश्वर , पुकारती है : / 'अपनी प्रजा पर अपनी दया उतार, / अपनी प्रजा को शान्ति प्रदान कर, / और हमारी आत्माओं पर महान दया कर!'

और अब, हे परमेश्वर की माता: जो रहस्य युगों से छपिा हुआ था / और स्वर्गदूतों को भी ज्ञात नहीं था, / वह आपके द्वारा , हे परमेश्वर की माता, पृथ्वी पर रहने वालों को प्रकट हुआ है , / – परमेश्वर , जो दो स्वभावों के अवभिाज्य मलिन में मूर्तमिान हुए , / और जन्हिोंने हमारे लिए स्वेच्छा से क्रूस को स्वीकार कयिा, – / उनके द्वारा उन्होंने प्रथम आदम को मृतकों में से जलिाया / और हमारी आत्माओं को मृत्यु से बचाया।

मैटन्सि पर

छठे भजन के बाद, महा एक्टेनयिा और 'ईश्वर प्रभु ':

रविवार का त्रोपारयिन , स्वर 8, दो बार

हे दयामय, तुम परम-उच्च से अवतरति हुए , / और तीन दनि तक कब्र में रहने की कृपा की, / ताकि तुम हमें हमारे वकिारों से मुक्त कर सको, / – हे प्रभु , हमारे जीवन और पुनरुत्थान , तुम्हें महमिा!

सभी संतों का ट्रॉपारयिन , स्वर 4

महमिा: संसार भर में पीड़ति हुए अपने शहीदों के रक्त में , जैसे बैंगनी और उत्तम सूती वस्त्र में लपिटे हुए , / उनके द्वारा तेरी कलीसयिा तुझसे , हे मसीह परमेश्वर , पुकारती है : / 'अपनी दया अपने लोगों पर उतार, / अपने लोगों को शांति प्रदान कर, / और हमारी आत्माओं पर महान दया दखिा!'

और अब, हे परमेश्वर की माता: जो रहस्य युगों से छपिा हुआ था / और स्वर्गदूतों को भी ज्ञात नहीं था, / वह आपके द्वारा , हे परमेश्वर की माता, पृथ्वी पर रहने वालों के लिए प्रकट हुआ है , / – परमेश्वर , जो दो स्वभावों के अवभिाज्य संयोग में अवतारति हुए , / और जन्हिोंने हमारे लिए स्वेच्छा से क्रूस को स्वीकार कयिा, – / जनिके द्वारा उन्होंने प्रथम आदम को मृतकों में से जलिाया / और हमारी आत्माओं को मृत्यु से बचाया।

पहले स्टचिरा के बाद
रविवार का सेडालेन , स्वर 8

हे सर्व के जीवन, तू मृतकों में से जी उठा है , / और तेजस्वी स्वर्गदूत ने स्त्रियों से यह घोषणा की: / 'रोना बंद करो! प्रेरितों को यह शुभ समाचार सुनाओ , / और आनंद से गाओ कि प्रभु मसीह जी उठे हैं , / जिन्होंने , परमेश्वर के रूप में , मानव जाति को बचाने में प्रसन्नता दिखाई!'

छंद : उठो, हे प्रभु मेरे परमेश्वर , और अपना हाथ ऊँचा उठाओ; / अपने दीनों को सदा के लिए न भूलो ! भजन संहिता 9:33

उद्धारकर्ता , लोगों ने आपके स्मशान को सील कर दिया था, / जबकि एक स्वर्गदूत ने उसके द्वार का पत्थर हटा दिया। / स्त्रियों ने उसे देखा जो मरे हुओं में से जी उठे थे / और उन्होंने स्वयं सियोन पर आपके शिष्यों को यह शुभ समाचार सुनाया , / कि आप, सर्व के जीवन, जी उठे हैं , / और मृत्यु के बंधन टूट गए हैं। / हे प्रभु , आपको महिमा हो!

महिमा, और अब, परमेश्वर की माता को: हे तू , जो हमारे लिए कुँवारी से जन्मा / और क्रूस का दुख सहे , / जिसने मृत्यु से मृत्यु को पराजित किया / और परमेश्वर के रूप में पुनरुत्थान को प्रकट किया, / हे दयालु , अपने हाथ से बनाए गए प्राणियों को तिरस्कार मत कर; / हे दयालु , मानवजाति के प्रति अपना प्रेम प्रकट करो, / हमें मध्यस्थता करने वाली ईश्वर की माता को स्वीकार करो, / और हे हमारे उद्धारकर्ता , जिन्होंने सारी आशा खो दी है , उन्हें बचाओ।

दूसरे स्टचिरा के बाद
रविवार का सेडाइलयिन , स्वर 8

सफेद वस्त्र पहने गब्रियल , / मसीह के चमकते हुए कब्र के सामने बिजली की चमक की तरह प्रकट हुआ , / और कब्र से पत्थर हटा दिया, / और जो तुम्हारी रखवाली कर रहे थे , उन पर एक महान भय छा गया, / और अचानक वे सब ऐसे हो गए जैसे मरे हुए हों। / लज्जित हो जाओ, हे अधर्मी , जिन्होंने कब्र और सीलबंद पत्थर की रखवाली की; / जान लो कि मसीह जी उठे हैं !

कब्र से सच्चे अर्थों में पुनरुत्थित होकर, / आपने भक्तिमय स्त्रियों को आज्ञा दी / कि वे प्रेरितों को पुनरुत्थान का प्रचार करें , जैसा लिखा है। / और पतरस, कब्र की ओर शीघ्रता से जाकर, / उसमें प्रकाश देखकर चकित रह गया; / और इस प्रकार उसने केवल कफ़न देखा , / जो वहाँ पड़े थे , परन्तु उनमें दिव्य देह नहीं था, / और विश्वास करके , वह चिल्लाया : 'महिमा तुझको हो, हे मसीह परमेश्वर , / क्योंकि तू सबको बचाता है , हे हमारे उद्धारकर्ता ; / क्योंकि तू पिता की महिमा है !'

महिमा, और अब, ईश्वर की माता को: हे अनुग्रह से परिपूर्ण , आप में सारी सृष्टि आनंदित होती है : / स्वर्गदूतों का दल और मानव जाति। / आप पवित्र मंदिर और आध्यात्मिक स्वर्ग हैं , / कुँवारीपन की महिमा, जिनसे ईश्वर ने देह धारण किया और एक शिशु बने , / हमारे ईश्वर जो सभी युगों से पूर्व विद्यमान थे। / क्योंकि उन्होंने आपकी कोख को सिंहासन में बदल दिया / और आपकी कोख को स्वर्गों से भी विशाल बना दिया। / हे अनुग्रह से परिपूर्ण , सारी सृष्टि आप में आनंदित होती है , / आपको महिमा!

फिर 'निर्दोषों को' ट्रॉपारिया और लघु एक्टेनिया।

इपाकोई, स्वर 8

हे मूर्ह -वाहिनियों , जीवन-दाता के समाधि-स्थल के समीप आकर, / तुमने मृतकों में अमर प्रभु को खोजा / और स्वर्गदूत से सुसमाचार की आनंद -सूचना पाकर, / तुमने प्रेरितों को यह घोषणा की कि प्रभु जी उठे हैं , / संसार पर महान् दया लुटाते हुए।

सभी संतों का सप्ताह

स्टचिरा , स्वर 8।

प्रत्युत्तर 1

जवानी से ही शत्रु ने मुझे बहकाया है , / सुख -भोगों से मुझे प्रज्वलति करते हुए ; / परन्तु , हे प्रभु , आप पर भरोसा करके , / मैंने उसे भागने पर मजबूर कर दिया।

जो सियोन से बैर रखते हैं वे / उखाड़े जाने से पहले घास के समान हो जाएँ ; / क्योंकि मसीह उनके गले / दर्दनाक प्रहारों से तोड़ देगा।

महिमा: सभी चीजें पवित्र आत्मा के द्वारा जीवित हैं ; / वह प्रकाश से प्रकाशमान , महान ईश्वर है। / आइए हम पिता और वचन के साथ मिलकर उसकी महिमा करें।

और अब: **हम वही दोहराते हैं।**

प्रत्युत्तर 2

मेरा हृदय तेरे भय से , नम्रता और बुद्धि से ढका रहे , / ताकि ऊँचा उठाए जाने पर, / वह तुझसे दूर न हो जाए, हे सर्व -दयालु।

जिसने प्रभु में अपनी आशा रखी है / वह न डरेगा / जब वह आग और कष्ट से सब कुछ परखता है।

महिमा: पवित्र आत्मा के द्वारा , जो कोई भी ईश्वर -सदृश बन गया है , वह चिंतन करता है , भविष्यवाणी करता है , और सबसे बड़े चमत्कार करता है , / त्रि-व्यक्तियों में एक ईश्वर की स्तुति गाते हुए ; / क्योंकि यद्यपि ईश्वरत्व त्रिगुणित प्रकाश से दमकता है , / यह एक के रूप में राज करता है।

और अब: **हम वही दोहराते हैं।**

प्रतीधुन 3

हे प्रभु , मैंने तुझसे पुकारा है ; / मुझे सुन , अपना कान मेरी ओर झुका जो तुझसे पुकारता हूँ , / और मुझे शुद्ध कर इससे पहले कि तू मुझे इस स्थान से ले जाए।

जो कोई भी अपनी माँ —पृथ्वी —के पास लौटता है , / वह एक बार फिर लौटेगा / या तो यातनाएँ पाने के लिए या सम्मान पाने के लिए, / उस जीवन के अनुसार जो उन्होंने जिया है।

महिमा: पवित्र आत्मा – पवित्र त्रिमूर्ति में एक का सिद्धांत : / क्योंकि पिता का कोई आरंभ नहीं है , जिसे पुत्र का समय से परे जन्म हुआ , / और आत्मा , उनकी तरह और उनके साथ सह-आसीन, / पिता से उनके साथ सहोदय प्रकट हुए।

और अब: **हम वही दोहराते हैं।**

प्रत्युत्तर 4

देखो , क्या सुन्दर , क्या मनोहर है , भाइयों का एक संग रहना! क्योंकि इस में प्रभु ने अनन्त जीवन का वचन दिया है।

जो खेत के कमलों को सजाता है , वह आज्ञा देता है / कि हमें अपने वस्त्रों के विषय में चिन्ता न करनी चाहिए।

महिमा: पवित्र आत्मा के द्वारा , एकमात्र स्रोत के रूप में , / संसार में सभी चीजों को धारण और संरक्षित किया जाता है ; / क्योंकि वह परमेश्वर है , वास्तव में पिता और पुत्र के साथ एकसार /।

और अब: **हम वही दोहराते हैं।**

सभी संतों का सप्ताह

प्रोकेइमेनोन , स्वर 8

प्रभु युगानुयुग राज्य करेगा , हे सियोन, तेरा परमेश् वर पीढ़ी -दर-पीढ़ी। **श् लोक :** हे मेरी आत्मा , प्रभु की स्तुति कर। मैं अपने जीवन के सभी दिनों में प्रभु की स्तुति करूँगा। भजन संहिता 145:10, 1–2क

दूसरा प्रोकीमेनोन : जो कुछ भी साँस लेता है / वह प्रभु की स्तुति करे। **श्लोक :** उसके पवित्र लोगों में परमेश्वर की स्तुति करो; उसकी सामर्थ्य के आकाशमण्डल में उसकी स्तुति करो। भजन संहिता 150:6, 1

पहला रविवार का सुसमाचार , मत्ती से , आरंभ 116

उन दिनों ग्यारह चेलों ने गलील में उस पहाड़ पर गए, जहाँ यीशु ने उन्हें जाने के लिए कहा था; और जब उन्होंने उसे देखा , तो उन्होंने उसकी आराधना की, यद्यपि कुछ ने संदेह किया। तब यीशु उनके पास आकर कहने लगा, 'स्वर्ग और पृथ्वी पर सब अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिये जाओ, और सब जातियों के शिष्य बनाओ, उन्हें पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें यह सिखाओ कि जो कुछ मैं ने तुम से आज्ञा दी है , सब का पालन करें। और देखो , मैं युग के अन्त तक सदा तुम्हारे संग हूँ। आमीन।

मत्ती 28:16–20

रविवार का भजन

मसीह के पुनरुत्थान को देखकर , / हम पवित्र प्रभु यीशु की आराधना करें , / जो एकमात्र पापरहित हैं। / हे मसीह, हम तेरे क्रूस की आराधना करते हैं , / और हम तेरे पवित्र पुनरुत्थान का गान और महिमा करते हैं , / क्योंकि तू ही हमारा परमेश्वर है , / हम तुझसे सिवा और किसी को नहीं जानते , / हम तेरे नाम का आह्वान करते हैं। / आओ, हे सभी विश्वासियों , / हम मसीह के पवित्र पुनरुत्थान की आराधना करें , / क्योंकि देखो , क्रूस के द्वारा / संपूर्ण जगत में आनंद आया है। / सदैव प्रभु का धन्यवाद करते हुए , / हम उसके पुनरुत्थान का गीत गाते हैं , / क्योंकि उसने , सूली पर चढ़ाए जाने को सहन करके , / मृत्यु को मृत्यु से कुचल डाला है।

भजन संहिता 50. सुसमाचार का चुंबन।

महिमा: प्रेरितों की प्रार्थनाओं के द्वारा , हे दयालु , हमारे अनेक पापों को मिटा दो।

और अब: परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा , हे दयालु , हमारे पापों की भीड़ को मिटा दो।

फिर, स्वर 6: हे परमेश्वर , अपनी महान दया के अनुसार मुझ पर दया करें , और अपनी अनुग्रहों की बहुतायत के अनुसार मेरे अधर्म को मिटा दें।

और स्टिचिरा : यीशु कब्र से जी उठे हैं , / जैसा उन्होंने पूर्व में बताया था, / हमें अनंत जीवन / और महान दया प्रदान करते हुए।

और प्रार्थना : हे ईश्वर , अपने लोगों को बचा:

चार कैनन : रविवार का कैनन , स्वर 8, जिसमें स्वर 4 का एक इरमोस है ; क्रूस और पुनरुत्थान का कैनन , स्वर 2; थियोटोकोस कैनन , स्वर 2; और सभी संतों का कैनन , स्वर 6।

रविवार का कैनन , स्वर 8
ओड 1

इरमोस: फरिौन के रथ का सारथी मूसा की एक बार चमत्कारी छड़ी से अभभिूत हो गया, जसिने क्रॉस के आकार के प्रहार से समुद्र को चीर दयिा, और भाग रहे पैदल इस्राएलयिों को बचाया, जन्हिोंने ईश्वर की स्तुति में एक भजन गाया।

पुनरावर्तन : हे प्रभु , तेरे पवत्रि पुनरुत्थान के लिए महमिा तुझे हो।

हम मसीह की सर्वशक्तमिान दव्यिता पर आश्चर्यचकति हुए बनिा कैसे रह सकते हैं , जो अपने दुखों के द्वारा सभी वशि्वासयिों को नरि्लप्तिता और अक्षयत्व प्रदान करते हैं , और जो संतों के पार्श्वों से अक्षयत्व का एक झरना और कब्र से - शाश्वत जीवन प्रवाहति करते हैं।

कतिना सुंदर स्वर्गदूत / अब स्त्रयिों के सामने प्रकट हुआ है ! / और वह, जो प्राकृतकि , अदेह पवत्रिता के / स्पष्ट चह्नि धारण कए हुए है / और अपने रूप द्वारा / पुनरुत्थान के प्रकाश को प्रकट करता है , / उद्घोष करता है : 'प्रभु जी उठे हैं !'

थयिोटोकोस: हे परमेश्वर की कुँवारी माता, सभी पीढ़ियों में आपकी महमिा की जाती है , जन्हिोंने अपने गर्भ में परमेश्वर के वचन को धारण कयिा, फरि भी पवत्रि रहीं ; इसीलिए हम सभी आपको, परमेश्वर के बाद, हमारी संरक्षक के रूप में सम्मान देते हैं।

क्रूस की महमिा का कैनन

शोक के द्वार खुल गए, / और नरक के द्वारपाल काँप उठे , / सबसे गहरी गहराइयों में उसे देखकर / जो ऊँचे स्थान पर वास करता है , / सभी सृष्टि की सीमाओं से परे।

स्वर्गदूतों के दल चकति रह गए, / पति के सहिासन पर वरिाजमान देखकर / पतति मानव स्वभाव को, / जसिे पहले पृथ्वी की गहराइयों में बंद कयिा गया था।

परमेश्वर की अतपिवत्रि माता के लिए कैनन

हे परमेश्वर की अतपिवत्रि माता, / जन्हिोंने अलौककि रूप से जन्म दयिा / मसीह बन चुके शाश्वत और परम दव्यि वचन को! / हम आपकी स्तुति करते हैं।

हे मसीह, जीवन-प्रदायक गुच्छ , / जनिसे सार्वभौमकि उद्धार की मठिास बहती है , / आप कुँवारी से उत्पन्न हुए।

सभी संतों के लिए कैनन , स्वर 8

इरमोस: उसने फरिौन के रथारोही को गरिा दयिा है :

जब मैं आपके संतों की पंक्तयिों का गायन करता हूँ , / मैं उनकी मध्यस्थता के माध्यम से प्रार्थना करता हूँ , / कि मेरी आत्मा आपकी ज्योति से प्रबुद्ध हो जाए: / क्योंकि आप अगम्य ज्योति हैं , / जो अपनी करिणों से अज्ञानता के अंधकार को दूर करते हैं , / परमेश्वर का वचन, मसीह, प्रकाश के दाता। (2)

जब तू क्रूस पर महमिामय हुआ , हे प्रभु , तब तूने पृथ्वी के सभी लोगों को अपनी पहचान की ओर आकर्षति कयिा, और अपने पवत्रि प्रेरतिों के द्वारा उन्हें पवत्रि त्रमिूर्ति के प्रकाश से प्रबुद्ध कयिा, जनिके द्वारा तूने भ्रम को दूर कयिा।

हे ख्रीस्त , तेरे वधिान से प्रभावति होकर, तेरे प्रेरतिों ने भक्तपिूर्वक सभी सांसारकि चीज़ों का त्याग कर दयिा और, हे महमिामय, अनुग्रह के प्रकाश से पूरे ब्रह्मांड को प्रकाशति कयिा, तेरी सुसमाचार की घोषणा करते हुए।

महमिा: हे शहीदों , आनन्दपूर्वक अपना क्रूस उठाकर, / और दृढ़ता से तेरे पवत्रि दुखों का अनुकरण करते हुए , / तुम , हे वीर योद्धाओं , न तो अत्याचारयिों की धमकयिों से डरे , / न आग से , न तलवार से , न घावों से ; / यहाँ तक कि न भूख से और न स्वयं मृत्यु से !

और अब, हे परमेश्वर की माता: इस साहसी मनोवृत्ति को सच्चे मन से अपनाते हुए, / कुंवारी शहीदों ने दृढ़ता से अपने संघर्षों को सहन किया / और, जैसा कि भजन कहता है, हे सर्व-पवित्र कुंवारी, आपके पदचिन्हों पर चलते हुए, / सभी के राजा, आपके पुत्र के पास एक साथ ले जाया गए, / दिव्य प्रेरणा से आनंदित होकर।

कातावासिया: मैं अपना मुँह खोलूँगा, / और वह पवित्र आत्मा से भर जाएगा; / और मैं रानी और माता से बात करूँगा, / और मैं आनंद से दीप्तिमान होकर प्रकट होऊँगा, / और मैं उनके चमत्कारों के बारे में आनंदपूर्वक गाऊँगा।

गीत 3

कैनन 1. इरमोस: हे प्रभु, जिसने आरम्भ में ज्ञान से स्वर्गों को स्थापित किया / और जल पर पृथ्वी की नींव डाली! / हे मसीह, मुझे अपने आज्ञाओं की चट्टान पर स्थिर कर, / क्योंकि तेरे सिवाय कोई पवित्र नहीं, / हे मानव जाति के एकमात्र प्रेमी।

आदम, फल खाने के लिए दण्डित, / हे मसीह, तेरे देह के उद्धारक दुख-क्लेश से / पाप से धर्मी ठहराया गया; / क्योंकि तू स्वयं, मृत्यु के परीक्षण के अधीन न होकर, / निर्दोष प्रतीत हुआ।

हे मेरे ईश्वर, हे यीशु, / आपने मृत्यु के अन्धकार और छाया में रहने वालों के लिए / पुनरुत्थान का प्रकाश प्रज्वलित किया, / और, अपनी दिव्यता से शक्तिमान को बाँधकर, / आपने उसका लूटपाट किया।

थियोटोकोस: हे ईश्वर की माता, तुम चेरुबिम और सेराफिम से भी उच्चतर प्रकट हुई हो; क्योंकि हे निर्मल एक, केवल तुमने ही अपने गर्भ में अनंत ईश्वर को ग्रहण किया। अतः हम सभी विश्वासी, अपने भजनों में तुम्हें धन्य कहते हैं।

कैनन 2

आदम, जिसने पहले मेरे सच्चे स्रष्टा की आज्ञा की अवज्ञा की थी, हे प्रभु, आपने उसे निर्वासन में भेज दिया; परन्तु उसका रूप धारण कर और उसे आज्ञाकारिता सिखाकर, आपने उसे सूली पर चढ़ाकर अपने साथ एक कर दिया।

हे प्रभु, जिन्होंने अपनी बुद्धि से सभी वस्तुओं की पूर्वदृष्टि की, / और अपने ही मन से अधोलोक की सृष्टि की, / आपने, हे परमेश्वर के वचन, वहाँ अवतरित होकर, / अपनी प्रतिमा में रचे गए को उठाने से इनकार नहीं किया।

कैनन 3

हे सर्व-पवित्र, / अपनी मध्यस्थता से हमें सहायता प्रदान करें, / और हमें भयानक विपत्तियों के प्रहारों / से बचाएँ।

हमारी पूर्व माता हव्वा के लिए प्रायश्चित करके, / हे परमेश्वर की माता, आप बन गई हैं, / संपूर्ण जगत के जीवन का स्रोत, / क्योंकि आपने उन्हें अपने गर्भ में धारण किया।

सभी संतों के लिए कैनन। इरमोस: हे प्रभु, जिसने आरम्भ में ज्ञान से स्वर्गों को स्थापित किया:

हे ख्रीस्त, पुरोहित वर्ग और चरवाहे, / पुरोहितत्व के पवित्र वर में भूषित होकर, / और उसकी सहायता से बुद्धिमानी से शासन करके, / ने शिक्षा के वचन को यथोचित रूप से सुशोभित किया है, / क्योंकि आप सचमुच स्वर्ग से धनी हुए हैं। (2)

प्राचीन वैभव की शोभा से सुसज्जति , / और अचल प्रकाश -स्तंभों के समान प्रकट होकर, / हे संतों , आपने मसीह की कलीसिया को स्वर्ग के समान बनाया है , / आप में से प्रत्येक ने इसे अपनी विशिष्ट शैली में सुशोभति किया है। (2)

महिमा: हे धन्य सेनाओं , तेरे विधान का पालन करते हुए , / अनेक सद्गुणों से प्रकाशति होकर, / उन्होंने स्वर्गीय निवासों को विरासत में पाया है , (हे प्रभु ,) आनंदति होकर: / क्योंकि , प्रत्येक ने अपने -अपने तरीके से , वे सभी उन्हें यथोचति रूप से भर दिया है।

और अब, हे ईश्वर की माता: अपने कुँवारी गर्भ से आपने हमारे लिए जन्म दिया, हे ईश्वर की माता, / ईश्वर के वचन को, जो ईश्वर से जन्मे , / जिन्हें शुद्ध कुँवारियों ने ईश्वर के योग्य रीति से प्रेम किया / और सभी ने , आपके पदचिन्हों पर चलकर, / खुले तौर पर उनका अनुसरण किया।

कातावासिया: हे दैवजननी , / जीवति और प्रचुर झरने , / जो आपकी स्तुति करते हैं उन्हें बल प्रदान करें , / जिन्होंने इस आध्यात्मिक भोज का आयोजन किया है , / और अपनी दिव्य महिमा में / उन्हें महिमा के मुकुट प्रदान करें।

सेडालेन , स्वर 8

पूर्वज , पिता, कुलपिता , / प्रेरित , शहीद, भविष्यवक्ता , / आपके पवित्र धर्मगुरु और पूजनीय , / तपस्वी और धर्मी , / और जीवन की पुस्तक में अंकित हर नाम, / हे मसीह हमारे परमेश्वर , जब हम उनकी पवित्र स्मृति मनाते हैं , / हम सभी से मध्यस्थता करने का आग्रह करते हैं , प्रार्थना करते हुए : / 'उनकी प्रार्थनाओं के द्वारा , हे मानवजाति के प्रेमी , अपनी संसार को शांति प्रदान करें , / ताकि हम सब आप से पुकार सकें : / "हे ईश्वर , जो अपने संतों के समूह में महिमामय हैं , / आपने स्वयं सचमुच और योग्य रूप से / उनकी स्मृति को महिमामय किया है !"'

महिमा: हम वही दोहराते हैं।

और अब, हे परमेश्वर की माता: आइए हम स्वर्गीय द्वार और जहाज़ , सर्व -पवित्र पर्वत , / तेजस्वी बादल, / स्वर्गीय सीढ़ी , आध्यात्मिक स्वर्ग , / हव्वा की मुक्ति , संपूर्ण ब्रह्मांड के महान खजाने का गायन करें ; / क्योंकि उनके द्वारा संसार का उद्धार पूरा हुआ / और प्राचीन पापों की क्षमा। / अतः हम उनसे पुकार लगाते हैं : / 'अपने पुत्र और ईश्वर के समक्ष मध्यस्थता करें , / कि वे उन लोगों को पापों की क्षमा प्रदान करें / जो भक्तिपूर्वक पूजते हैं / मसीह के आपके सर्वपवित्र जन्म को।

भजन 4

कैनन 1. इरमोस: हे प्रभु , तू मेरा दुर्ग है , / तू मेरी शक्ति है , / तू मेरा ईश्वर है , तू मेरी आनन्द है , / जिसने पिता की गोद नहीं त्यागी / परन्तु हमारी दरिद्रता में हम पर कृपादृष्टि डाली। / इसलिए, भविष्यवक्ता हबक्कूक के साथ, मैं आपसे पुकारता हूँ : / 'मानवता के प्रेमी , आपकी शक्ति को महिमा!'

आपने मुझसे , जो आपसे शत्रुता में था, स्थिर प्रेम से प्रेम किया; आपने , एक असाधारण तरीके से स्वयं को नम्र बनाकर, हे दयालु उद्धारकर्ता , पृथ्वी पर अवतरण किया, मेरी घोर अनाज्ञाकारिता से विमुख हुए बिना; और, अपनी अनुपम महिमा की ऊँचाइयों में रहते हुए , आपने मुझे महिमामय किया, जिसे कभी तिरिस्कृत किया गया था।

हे प्रभु , अब कौन चकित नहीं है , / दुख से नष्ट मृत्यु को देखकर , / क्रूस से भागते क्षय को देखकर , / और मृत्यु द्वारा अपनी संपत्ति से वंचित नरक को देखकर ? / यह दिव्य शक्ति का अद्भुत कार्य है , / हे क्रूस पर चढ़ाए गए, मानव जाति के प्रेमी !

थियोटोकोस: हे नरि्मल कन्या , तुम वशि्वासयिों की स्तुतिं हो, / तुम ईसाइयों की संरक्षक , शरणस्थान हो, / एक दीवार और एक आश्रय ; / क्योंकि हे सर्व -नरि्मल , तुम अपने पुत्र के समक्ष वनिती प्रस्तुत करती हो और उन लोगों को वपित्तिं से बचाती हो / जो वशि्वास और प्रेम से तुम्हें / परमेश्वर की पवत्रि माता के रूप में स्वीकार करते हैं।

कैनन 2

धर्म -वहिीनों की संतानों ने / हे मानव-प्रेमी , आपको सूली पर चढ़ाया ; / परन्तु आपने , अपनी दया में , उन्हें बचाया, / जो आपके दुखों की महमिा करते हैं।

कब्र से उठने के बाद, / आपने हदेस में रहे सभी मृतकों को अपने साथ उठाया / और अपनी दया में , / उन लोगों को प्रकाशति कयिा जो आपके पुनरुत्थान की महमिा करते हैं।

कैनन 3

अनछुई खेत —ईश्वर की माता, / जनि्होंने जीवन-दायक मक्का का कान उत्पन्न कयिा, / जो संसार को जीवन प्रदान करता है , / उन लोगों को बचाओ जो आपकी स्तुतिं करते हैं !

हम सभी, प्रबुद्ध होकर, आपको ईश्वर की माता के रूप में स्वीकार करते हैं , हे सर्व -पवत्रि ; / क्योंकि आपने अपने गर्भ में धारण कयिा / धार्मकिता का सूर्य , हे सदा-कुंवारी।

सभी संतों के लिए कैनन। इरमोस: हे प्रभु , तू मेरी शक्तिं है :

तेरे संतों की सभा, प्रेम में एकजुट , / और तुझमें आनंदति , / सच्चे और शुद्ध हर्ष के साथ / एक अनंत भोज मनाती है / स्वर्गदूतों के साथ, / तेरे चारों ओर, हे सर्व -दृष्टा , / सर्व का ईश्वर और प्रभु। **(2)**

हे महमिामय पवत्रि शहीदों , / आप यौवनवत् शहीद की माला से भूषति हुए , / हे सर्वधन्य , / प्रथम पादरीत्व के दविय अभषिेक से अलंकृत होकर। / अतः , अपने द्वैध मुकुटों को यथोचति रूप से प्राप्त कर, / आप मसीह के साथ अनंतकाल तक हर्षति होते हैं।

हे ईश्वर -वाहकों , तुमने सभी सांसारकि वचिारों को आत्मा के अधीन कर दयिा है , / तपस्वी उपवास द्वारा उनकी अनयिंत्रति इच्छाओं को सूखा कर; / और अब, नरि्लप्तिता के प्रकाश से प्रकाशति होकर, / तुमने अपने श्रम का प्रतफिल प्राप्त कर लयिा है।

महमिा: मसीह, प्रथम साक्षी , के साक्षी के रूप में , / आपने अद्भुत दृढ़ता और वीरता के साथ यातनाएँ सहन कीं , / जैसे कपिराये शरीरों में परशि्रम करते हुए , हे महमिामय; / और अब, राज्य के वारसि बनकर, / आप वशि्वासयिों पर चंगाई प्रदान करते हैं।

और अब, हे परमेश्वर की माता: आप परमेश्वर की वधू बन गई हैं , हे परमेश्वर की माता, / क्योंकि आपने हमारे लिए देह में उनके शाश्वत वचन को जन्म दयिा; / उनमें , वे महलिाएँ जनि्होंने पवत्रि जीवन जयिा / और आपके द्वारा हर प्रकार के सदाचार से सुसज्जति हुईं , / ने हमारी पहली माता के पतन का प्रायश्चति कयिा है।

कातावासयिा: महमिा में वरिाजमान / परमेश्वरत्व के सहिासन पर, / एक प्रकाशमय बादल पर, / परम दविय यीशु आए, / एक नरि्दोष हाथ द्वारा धारण कए हुए , / और उन लोगों को बचाया जनि्होंने पुकारा : / 'हे मसीह, तेरी शक्तिं को महमिा!'

गीत 5

कैनन 1. इरमोस: हे अग्नमिय प्रकाश , आपने मुझे अपनी उपस्थतिं से क्यों नष्किासति कर दयिा है , / और हे दयनीय, अंधकारमय नशिा ने मुझे क्यों घेर लयिा है ? / परन्तु हे प्रभु , मुझे अपनी आज्ञाओं के प्रकाश में लौटा दीजए / और मेरी राहों को नरि्देशति कीजए, मैं आपसे वनिती करता हूँ।

हे उद्धारकर्ता , तूने अपने कष्टों से पहले उपहास सहते हुए / एक रक्तमि वस्त्र धारण कयि, / प्रथम सृजति की लज्जास्पद नग्नता को ढकते हुए , / और तू नग्न ही क्रूस पर कीलें ठोका गया, / ताकि तू उससे , हे मसीह, / मृत्यु का वस्त्र उतार सके।

हे मसीह, आपने मेरी पतति प्रकृति को, / मनुष्य की धूल से , पुनर्जीवति कर नया बनाया, / और उसे अक्षय बना दयि, / और उसे एक राजसी प्रतमि में , / अक्षुण्णता के प्रकाश से दमकता हुआ , नए सरि से प्रकट कयि।

थयिोटोकोस: हे सर्व -पवत्रि , अपने पुत्र के प्रति मातृ साहस रखते हुए , हम प्रार्थना करते हैं , कि अपनी मातृ -स्नेह से हमें न अनदेखा करें ; क्योंकि हम, ईसाई, आपसे ही नविदन करते हैं कि आप अपनी अनुकूल मध्यस्थता से प्रभु को प्रसन्न करें।

कैनन 2

हे मसीह, हमें अपने क्रूस की शक्ति से बलवान करो, / – क्योंकि उसी के लिए हम तेरा शरण लेते हैं – / और हे मानव-प्रेमी , हमें अपनी शांति प्रदान कर।

हे हमारे परमेश्वर , अब एक नावकि की तरह / हमारे जीवन को संचालति करें , / जब हम आपके पुनरुत्थान का गीत गाते हैं , / और हमें शांति प्रदान करें , हे मानवता के प्रेमी।

कैनन 3

मेरे वासनाओं के असहनीय तूफ़ान को शांत करो, हे तुमने जिने ईश्वर को अपनी कोख में धारण कयि – नावकि और प्रभु।

देवदूतों की सेनाएँ और मनुष्यों की सभाएँ / हे परमेश्वर की अति पवत्रि माता, / आपसे मसीह के जन्म का सम्मान करती हैं।

सभी संतों के लिए कैनन। इरमोस: हे प्रभु , आपने मुझे अपनी उपस्थिति से क्यों दूर कर दयि:

दूरदर्शिता का वरदान पाकर, / दविय नबयिों की तरह, / उस भविष्य का जिसे आप लालसा करते थे , / आत्मा की महानता और धर्मपरायण जीवन के द्वारा / आपने स्वयं को शुद्ध कयि, हे ईश्वर -वाहकों , / पवत्रि आत्मा की शक्ति से प्रकाशति होकर। (2)

संतों का कोरस अब दैवीय वरदानों से दमकता है : सभी—विधि से पूर्व जीवति महापुरुष , भविष्यवक्ता , प्रेरति , और शहीदों की सेनाएँ , साथ ही तपस्वी , शिक्षक , और धर्मात्मा , पवत्रि शहीदों के साथ। (2)

महमि: आज के दनि तेरे संतों की सभा को देखकर , हे उद्धारकर्ता , जो तेरी महमि से प्रकाशमान है , और अनुग्रह के अविनाशी दीपों से , हम निरंतर तेरी दविय आशीर्वादों की प्रचुरता और तेरी उदारता का गायन करते हैं , हे मानवता के प्रेमी।

और अब, ईश्वर की माता को: मसीह के तेरे गर्भ से चमत्कारकि जन्म से प्रेम करके , हे सर्व -पवत्रि , इन सम्मानति स्त्रियों ने इस जीवन के सुखों को कुछ भी नहीं समझा, केवल प्रेम से उसकी सुंदरता और दविय तेज को ही चाहा।

कातावासयि: संपूर्ण संसार चकति हुआ / तेरी दविय महमि से : / क्योंकि तू , अविवाहति कन्या , / ने परम उच्च ईश्वर को अपनी कोख में धारण कयि / और शाश्वत पुत्र को जन्म दयि, / जो तेरी स्तुति करने वालों सभी पर शांति प्रदान करता है।

गीत 6

कैनन 1. इरमोस: मुझ पर दया करो, हे उद्धारकर्ता , – / क्योंकि मेरे पाप बहुत हैं , – / और मुझे बुराई की गहराई से छुड़ाओ , मैं तुमसे विनती करता हूँ ; / क्योंकि मैंने तुमसे पुकारा है , – और मेरी सुनो , / हे मेरे उद्धार के परमेश्वर !

उस वृक्ष द्वारा , बुराई के कर्ता ने मुझे बुरी तरह कुचला ; / परन्तु आपने स्वयं , हे मसीह, क्रूस पर लटककर, / उसे और भी अधिक पूर्णतया नीचे गिरा दिया, / उसे लज्जित करते हुए , / और गिरे हुओं को उठाया।

तू , कब्र से उठकर, सियोन पर दया दिखाता है , / उसे पुराने से नया बनाता है , / दयालु के रूप में , अपने दिव्य रक्त के द्वारा , / और अब तू उसमें राज्य करता है , हे मसीह, युगानुयुग।

थियोटोकोस: हे परमेश्वर की पवित्र माता, आपकी मध्यस्थता से हम घोर पापों से मुक्त हों , और हे सर्व -पवित्र , हम परमेश्वर के पुत्र से दिव्य प्रकाश प्राप्त करें , जो आपके द्वारा अवर्णनीय रूप से अवतार धारण हुए !

कैनन 2

तूने क्रूस पर अपने हाथ फैलाए , / आदम के पहले मनुष्य के हाथ को चंगा किया / जो एडेन में लापरवाही से फैलाया गया था, / और हे मसीह, तूने पित्त के कड़वे वृक्ष का स्वाद चखा, / और, सर्वशक्तिमान के रूप में , / उन लोगों को बचाया जो तेरे दुःखों की महिमा करते हैं।

मोक्षदाता ने मृत्यु का स्वाद चखा, / ताकि वह प्राचीन दण्ड / और क्षय के राज्य दोनों को नष्ट कर सकें ; / और हादेस में रहने वालों के पास आकर, उन्हें उठाया, / और, सर्वशक्तिमान के रूप में , बचाया / जो उनके पुनरुत्थान का गायन करते हैं।

कैनन 3

हम, विश्वासियों , घोषणा करते हैं , हे परमेश्वर की माता, / कि आप परमेश्वर का मंदिर और नौका हैं , / जीवित महल, / और स्वर्ग का द्वार।

ईश्वर के समान मूर्तियों का विनाशक बनकर, / आपकी संतान , हे ईश्वर की वधू मरियम, / पिता और पवित्र आत्मा के साथ आराधना ग्रहण करती हैं।

सभी संतों के लिए कैनन। इरमोस: हे उद्धारकर्ता , मुझ पर दया करो:

सियोन पर रखे गए एक अनमोल, चुने हुए / कोने के पत्थर के समान, / हे प्रभु , आप में एक अटूट नींव पाकर, / संतों ने , चुने हुए पत्थरों के समान, / स्वयं को उस पर बनाया है। (2)

जीवन-दायक जल के साथ रक्त की बूँदें , जो आपके भेदे हुए पार्श्व से बहीं , ने संसार को नया कर दिया है और हे कल्याणकर्ता , सभी संतों की दिव्य सभा को आपके पास बुलाया है। (2)

महिमा: हम सर्व सम्मान के साथ / शहीदों के दैवी मेघ का गायन करते हैं , / जो अनुग्रह से प्रकाशमान है और अत्यंत तेजस्वी है / उनके दृढ़ कष्टों के रक्त के केसरिया रंग और बैंगनी रंग से।

और अब, हे ईश्वर की माता: हम सभी, हे सर्व -पवित्र , / आपको सच्चाई में ईश्वर की माता के रूप में स्वीकार करते हैं। / आपके द्वारा दृढ़ होकर, नारी स्वभाव ने मसीह के लिए दुःख सहे , / और हर सद्गुण और धार्मिकता से परिपूर्ण होकर प्रकट हुई।

कातावासिया: जब हम ईश्वर माता का यह दिव्य और सार्वभौमिक रूप से सम्मानित पर्व मनाते हैं , हे ईश्वर -ज्ञानी , आओ, हम तालियाँ बजाएँ , उसकी महिमा करते हुए जो उनसे उत्पन्न हुए।

सभी संतों का सप्ताह

कॉन्टाकयिन , स्वर 8

जसि प्रकार संपूर्ण ब्रह्मांड प्रकृति का प्रथम फल / सभी की सृष्टि के स्रष्टा को अर्पति करता है , उसी प्रकार यह आपको, हे प्रभु , ईश्वर -वाहक शहीदों को अर्पति करता है। / उनकी प्रार्थनाओं और परमेश्वरी की मध्यस्थता के द्वारा , / अपनी कलीसयिा—अपने लोगों को—संरक्षति करें , हे परम दयालु।

इकोस: जो पृथ्वी पर शहीद हुए हैं / और स्वर्ग में आरोहण कयि हैं , / जन्हिोंने मसीह के दुखों का अनुकरण कयिा है / और हमें हमारे वासनाओं से मुक्ति दलिाते हैं , / वे आज यहाँ एकत्रति हुए हैं , प्रथमजातों की कलीसयिा को प्रकट करते हुए , / जो स्वर्गीय कलीसयिा की प्रतमिा धारण करती है और मसीह से पुकारती है : / 'तू मेरा ईश्वर है ; ईश्वर माता की मध्यस्थता से / हे परम दयालु , मेरी रक्षा करो!'

साइनाक्सारयिन।

भजन 7

कैनन 1. इरमोस: ईश्वर के अवतरण पर, / बेबीलोन में अग्नि लज्जति हुई ; / अतः भट्टी में पड़े युवक , प्रसन्न कदमों से / मानो कसिी घास के मैदान में आनंदति , गा उठे : / 'धन्य हैं आप, हमारे पतिरों के ईश्वर !'

हे मसीह, तेरा महमिामय स्वयं को खाली करना, तेरी दरद्रिता का दव्यि वैभव , स्वर्गदूतों को चकति कर देता है , जो हमारे उद्धार के लिए तुम्हें सूली पर चढ़ा हुआ देखकर , वश्विास से पुकारते हैं : 'धन्य है हमारे पतिरों का परमेश्वर !'

तेरे दव्यि अवतरण पर, / पृथ्वी के नीचे के स्थान प्रकाश से भर गए, / और वह अंधकार जो पहले हमारा पीछा करता था, भगा दयिा गया। / इसलिए, शाश्वत बंधन में पड़े लोग उठ खड़े हुए , यह उद्घोष करते हुए : / 'धन्य है हमारे पतिरों का परमेश्वर !'

त्रमिूर्ति भजन: सर्व का प्रभु , / फरि भी केवल एक का पिता—एकमात्र पुत्र , / ईसाई धर्म की सही शक्षिा का प्रचार करते हुए , हम आपकी घोषणा करते हैं , / और एक पवत्रि आत्मा को भी स्वीकार करते हैं जो आप से नकिलता है , / स्वभाव और अनंतकाल में आप के समान।

कैनन 2

हे ईश्वर , तूने भवष्यिवाणी के अनुसार , / संपूर्ण ब्रह्मांड में उद्धार का कार्य कयिा है ; / क्योंकि , क्रूस पर उठाए जाने के बाद, तूने सभी को अपने पास बुलाया है , / जो वश्विास में पुकारते हैं : / 'हे हमारे पूर्वजों के ईश्वर , धन्य है तू !'

हे दयालु , कब्र से नींद से जैसे उठे , / आपने सभी को क्षय से मुक्त कयिा है ; / और सारी सृष्टि वश्विास में दृढ़ हुई है / उन प्रेरतिों के द्वारा जो पुनरुत्थान का प्रचार करते हैं। / हे हमारे पूर्वजों के परमेश्वर , धन्य हैं आप!

कैनन 3

एक कुंवारी के गर्भ से अवतार लेकर , / आप हमारे उद्धार के लिए प्रकट हुए। / अतः , आपकी माता को परमेश्वर की माता मानते हुए , / हम कृतज्ञतापूर्वक उद्घोषणा करते हैं : / 'हे हमारे पूर्वजों के परमेश्वर , धन्य हैं आप!'

हे कुँवारी , एक अंकुर के समान, / आप अत्यंत धन्य , येशै की जड़ से नकिलीं , / खलिकर और उद्धार का फल लाकर, / जैसे वे जो आपके पुत्र से वश्विास के साथ पुकारते हैं : / 'हे हमारे पूर्वजों के परमेश्वर , धन्य हैं आप!'

सभी संतों का कैनन। इरमोस: ईश्वर के अवतरण की अग्नि एक बार बेबीलोन में लज्जति हुई थी:

संतों की सेनाएँ , जो अवरिाम महमिा देती हैं / उस ईश्वर को जो संतों में वशि्राम करता है , / अब दवि्य आनंद का अनुभव करती हैं , / और आनंदपूर्वक गाती हैं : / 'धन्य है हमारे पूर्वजों का ईश्वर !'

त्रि-सौर प्रकाश से प्रवाहति होने वाली दवि्य करिणों से , पवत्रि रूप से प्रकाशति संतों का समूह , तीन में व्यक्त एकता का भक्तपिूर्वक उपदेश देता है : पति की, और पुत्र की, जसिका आरंभ भी उतना ही अनंत है , और पवत्रि आत्मा की।

अपनी अनुपम महमिा के साथ, / जब तू देवताओं में ईश्वर के रूप में प्रकट होता है , / प्रत्येक को उसका-उसका पुरस्कार प्रदान करते हुए , / और [उपहार बाँटते हुए , और] मुकुट प्रदान करते हुए , / तब [हे उद्धारकर्ता ,] यह अनुग्रह कर कसिभी तुझे गा सकें : / 'धन्य हैं हमारे पूर्वजों का ईश्वर !'

महमिा: आनंद से हम गाएँ , हे सभी संतों के समूह , / हर प्रकार के , / और साथ मलिकर—हर पेशे और जीवन-शैली के , / और उनके साथ हम घोषणा करें स्तुति : / 'धन्य है हमारे पतिरों का परमेश्वर !'

और अब, ईश्वर की माता को: अति-पवत्रि मरयिम / और सर्व -पवत्रि ईश्वर की माता को, / हे सभी कन्याओं , / एक दवि्य नृत्य में एकत्र होकर, / ऊँचे स्वर में उद्घोष करो: / 'हे हमारे लिए प्रवाहति होने वाले आनंद के स्रोत , आनंदति हो!'

कटवाशयिा: धर्मपरायण लोगों ने रचनाओं की अपेक्षा सृष्टकिर्ता की अधकि आराधना नहीं की, बल्कि साहसपूर्वक उन्हें धमकाने वाली आग पर वजिय प्राप्त कर प्रसन्नतापूर्वक गाए: 'हे हमारे पूर्वजों के अतप्रिशंसनीय प्रभु और ईश्वर , धन्य हो आप!'

गीत 8

कैनन 1. इरमोस: सात बार खलदीय शासक ने / उन्माद में भट्टी को आग लगाई / उन लोगों के वरिुद्ध जनि्होंने परमेश्वर का सम्मान कयि; / लेकनि उन्हें एक उच्चतर शक्ति द्वारा बचा हुआ देखकर , / उसने सृष्टकिर्ता और उद्धारकर्ता से पुकारा : / 'युवनों , उसका आशीर्वाद करो; याजकों , उसकी स्तुति करो; / लोगों , उसे युगानुयुग तक महमिामय करो!'

यीशु की अति-दैवी शक्ति / हमारे उद्धार के कार्य में ईश्वर के योग्य ढंग से प्रकट हुई ; / क्योंकि उन्होंने , सभी के लिए देह में क्रूस की मृत्यु का स्वाद चखकर, / नरक की शक्ति को नष्ट कर दयि। / जवानों , उनका अनवरत आशीर्वाद करो; याजकों , उनकी स्तुति करो; / लोगों , उनका अनंतकाल तक गौरव करो!

सलीब पर चढ़ाए गए जी उठे हैं ; घमंडी गरि गए हैं ; / गरि और टूटे हुए को बहाल कयि गया है ; / क्षय को नरि्वासति कर दयि गया है , और अक्षयता ने फल-फूल लयि है : / क्योंकि जीवन ने नश्वरता को नगिल लयि है। / जवानों , उसकी आराधना करो; याजकों , उसकी स्तुति गाओ; / लोगों , उसकी महमिा सदा और सदा के लिए करो!

त्रिमूर्ति भजन: त्रिमूर्ति ईश्वरता , एक ही तेज से दमकती हुई / एक ही स्वभाव से तीन व्यक्तयिों में , – / पति, जनिकी कोई शुरुआत नहीं , / और पति के वचन, जो सार में उनके समान हैं , / और आत्मा , जो उनके साथ राज्य करते हैं और एक ही सार के हैं , / – युवक , उनका आशीर्वाद करो; याजक, उनकी स्तुति करो; / लोग, उनका सदा और सदा तक गौरव करो!

कैनन 2

क्रूस पर, जिसने मुझ नग्न की ओर अपने हाथ फैलाए / और मुझे अपनी ओर बुलाया , / अपनी महिमामय नग्नता से मुझे गरम करने के लिए, / हे सृष्टि के सब जीव, प्रभु का धन्यवाद करो, / और उसकी सदा-सर्वदा महिमा करो।

जिसने मुझे , गिरे हुए को, / सबसे गहरी नरक से उठाया, / और प्रभु को महिमा से सम्मानित किया / उनके पिता के ऊँचे सिंहासन पर, / सभी प्राणियों , उसकी स्तुति करो, / और उसकी महिमा अनंतकाल तक करो।

कैनन 3

हमारे विरोधियों द्वारा हम पर निशाना बनाए गए / कपटी और अग्निमय बाणों को बुझा दो, / ताकि हम आपकी स्तुति कर सकें , हे पवित्र , युगानुयुग।

अलौकिक रूप से , हे कुँवारी , तुमने सृष्टिकर्ता और उद्धारकर्ता को जन्म दिया, / परमेश्वर -वचन को; / इसलिए हम तुम्हारी स्तुति सदा और सदा के लिए करते हैं।

सभी संतों के लिए कैनन। इरमोस: काल्दीय शासक की भट्टी सात गुना :

हे शहीदों , भविष्यद्वक्ताओं , प्रेरितों , / पवित्र शहीदों के सम्माननीय समूह , / धर्मी लोगों , और धर्मपरायणों , और शिक्षकों के दैवीय गान मंडली , / मुख्य -वाहक स्त्रियों के साथ मधुर स्वर में गाते हुए : / 'हे युवको , धन्यवाद करो; हे याजको, गीत गाओ; / हे लोगों , उसे युगानुयुग महिमा दो!'

हे संतों , मन से परे प्रकाश से परिपूर्ण , / दिव्य आनंद और हर्ष से परिपूर्ण , / आप ईश्वर की निकटता के कारण देवताओं के समान माने जाते हैं : / दिव्य वैभव में सहभागी होकर, / और अनुपम महिमा की किरणों से प्रकाशित होकर, / आप मसीह की सदा-सर्वदा महिमा करते हैं।

आओ हम पिता, और पुत्र , और पवित्र आत्मा , प्रभु की स्तुति करें।

हे संतों , दीप्तिमान नक्षत्रों के समान प्रकट होकर, / आप स्वर्गीय कलीसिया को / अनेक वरदानों और विविध सौंदर्यों से प्रकाशित करते हैं , / धार्मिकता , पवित्रता , साहस और बुद्धि में पुकारते हुए : / 'हे पुरोहितों , स्तुति गाओ, / हे लोगों , मसीह की महिमा सदा के लिए करो!'

और अब, हे परमेश्वर की माता: हे सभी धर्मनिष्ठ स्त्रियों , आनन्द के साथ, / जो आत्मा के द्वारा मसीह में पूर्णता को प्राप्त कर चुकी हैं , / अब, जब आप सर्व -पवित्र कुँवारी को घेरे हुए हैं , / – परमेश्वर की सच्ची माता, / जिन्होंने हमें हमारी पूर्व -माता हव्वा के शाप से मुक्ति दिलाई है , / – गाओ / उनके फलों की महिमा सदा-सदा के लिए!

हम प्रभु की स्तुति करते हैं , आशीर्वाद देते हैं और उनकी उपासना करते हैं , उनकी स्तुति गाते हुए और युगों -युगों तक उनकी महिमा करते हुए।

कातावासिया: ईश्वर की माता के शिशु ने / भट्टी में धर्मपरायण युवकों को बचाया: / तब एक पूर्वसंकेत , अब एक वास्तविकता ; / वह संपूर्ण ब्रह्मांड को तुम्हें गीत गाने के लिए बुलाता है। / हे प्राणियों , प्रभु का भजन करो, / और उसे युगों -युगों तक महिमामय करो!

तब हम गाते हैं 'करूबीम के सर्वोच्च सम्मान के साथ:'

गीत 9

कैनन 1. इरमोस: स्वर्ग इस पर चकित हुआ , / और पृथ्वी के छोर स्तब्ध हो गए, / कि परमेश्वर मनुष्यों के बीच देह में प्रकट हुए , / और तेरा गर्भ स्वर्गों से भी विशाल हो

गया। / इसलिए, हे परमेश्वर की माता, / स्वर्गदूतों और मनुष्यों की सेनाएँ तेरा महिमामंडन करती हैं।

अपने दिव्य और शाश्वत स्वभाव में सरल होकर, / आपने देह धारण करके जटिलता ग्रहण की / और उसे अपने हाइपोस्टेसिस , परमेश्वर के वचन के साथ एक किया; / और, एक मनुष्य के रूप में दुख सहकर, / आप परमेश्वर के रूप में दुख से अछूते रहे। / अतः , हम आपको दो स्वभावों में महान् मानते हैं / जो अविभाज्य और अविमिश्रित हैं।

आपके पिता ने , आपकी दिव्य प्रकृति के द्वारा / और जैसे आप स्वयं स्वभाव से मानव बने , / आप ने परमेश्वर , सर्वोच्च को, अपने सेवकों के पास उतरने के लिए बुलाया ; / और कब्र से उठकर, – स्वभाव से परमेश्वर और प्रभु होने की घोषणा करते हुए / उन लोगों के लिए जो अनुग्रह से पृथ्वी पर जन्मे हैं , / जिनके साथ हम सभी आपको महिमामय करते हैं।

ईश्वर की माता के प्रति स्तोत्र : हे कुंवारी , तुम ईश्वर की माता के रूप में प्रकट हुईं , / जिन्होंने दिव्य रूप से देह में उस शुभ एक—वचन—को जन्म दिया, / जिसे पिता ने , स्वयं शुभ होकर, सभी युगों से पूर्व अपने हृदय से प्रवाहित किया; / उसे हम अब सभी भौतिक वस्तुओं से परे सर्वोच्च मानते हैं , / यद्यपि वह देह में परिधानित है।

कैनन 2

हम आपको जानते हैं , परमेश्वर के पुत्र के स्वभाव से , / जो परमेश्वर की माता के गर्भ में गर्भधारी हुए / और हमारे लिए मनुष्य बने , / और क्रूस पर उठाए गए; / मानव स्वभाव के अनुसार पीड़ा सहते हुए , / फिर भी, परमेश्वर के रूप में , पीड़ा से अछूते रहे।

घोर अंधकार दूर हो गया है , / क्योंकि धार्मिकता का सूर्य अधोलोक से उदय हुआ है – / मसीह, जो पृथ्वी के छोरों को प्रकाशित करता है , / दिव्यता के प्रकाश से दमकता हुआ , / – स्वर्गीय मनुष्य , पृथ्वी का ईश्वर , / जिसकी हम उसकी दो स्वभावों में महिमा करते हैं।

कैनन 3

आपकी स्मृति आनंद और हर्ष से परिपूर्ण है , / जो उन पर चंगाई प्रदान करती है जो आप में शरण लेते हैं / और उन पर जो श्रद्धापूर्वक आपकी स्वीकारोक्ति करते हैं / कि आप परमेश्वर की माता हैं।

भजनों में हम तेरी महिमा गाते हैं , हे अनुग्रह से परिपूर्ण , / और निरन्तर तुझे 'आनन्दित हो' का अभिवादन अर्पित करते हैं ; / क्योंकि तूने सभी पर आनन्द बरसाया है।

सभी संतों के लिए कैनन। इरमोस: स्वर्ग इस पर चकित हुआ , और पृथ्वी के छोर विस्मित हुए :

आशा और प्रेम से सुसज्जित , / और विश्वास द्वारा संरक्षित , हे चुने हुए दल! / अत्याचारियों की सभी धमकियाँ , / यातनाएँ और घाव तुमने आनंदपूर्वक सहन किए, / मसीह द्वारा महिमामय रूप से समृद्ध होकर, / जो दुख में विजय प्रदान करते हैं , / तुम , सत्य के प्रथम साक्षी !

मोक्ष का बंदरगाह —पूर्ववर्ती , / प्रेरित , भविष्यद्वक्ता और शहीद तपस्वियों के साथ, / दिव्य शिक्षक और पुरोहित , / महापुरुषों की सभा और महिमामय पवित्र शहीदों , / ईश्वर - प्रेमी स्त्रियों , सम्माननीयों और धर्मी लोगों — / आइए अब हम उन्हें यथोचित रूप से स्तुति करें।

महिमा: प्रलोभन की अग्नि में परखे गए / और सांसारिक सुखों से मोहित नहीं हुए , / हे महिमामय, आप पवित्रता में आनंदित हैं , / स्वर्ग में प्रभु के दीप्तिमान सिंहासन के सामने / संतों के समूह : / क्योंकि आपके लिए, धुंधले दर्पण पहले ही मिट चुके हैं , / छाया बीत गई है , और सत्य प्रकट हो गया है।

और अब, हे ईश्वर की माता: तू विभाजित लोगों की एकता की कर्ता के रूप में प्रकट हुई है : / क्योंकि तेरे द्वारा , मनुष्य सचमुच में / स्वर्ग में स्वर्गदूतों के सहवासी बन गए हैं , / और सभी संतों का दल इसकी गवाही देता है , / अब उनके साथ उस ईश्वर के बारे में गाते हुए जो तेरे से जन्मे , हे कुंवारी माता ईश्वर की, / शाश्वत भजनों में।

कातावासिया: पृथ्वी पर जन्मी हर आत्मा / आत्मा द्वारा प्रकाशित होकर आनंदित हो; / निराकार बुद्धियों का स्वभाव भी आनंदित हो, / ईश्वर माता के पवित्र पर्व का सम्मान करते हुए , / और वे पुकार उठें : / 'हे सर्व -धन्य , आनंदित हो, / हे शुद्ध ईश्वर माता, सदा-कुंवारी !'

तब: पवित्र है प्रभु , हमारा परमेश्वर : (3)

रविवार का एक्सापोस्टलिइरॉन

हम गलील के पर्वत पर शिष्यों के साथ इकट्ठा होंगे , / विश्वास से मसीह को देखने के लिए, / जब वह स्वर्ग और पृथ्वी पर अपना अधिकार ग्रहण करने की घोषणा करता है ; / हम सीखेंगे कि वह सभी राष्ट्रों को / पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर बपतिस्मा देने की शिक्षा कैसे देता है , / और कैसे उसने अपने रहस्यों में दीक्षित लोगों के साथ / युग के अंत तक रहने का वादा किया।

सभी संतों के लिए एक भजन

महिमा: जॉन बपतिस्मादाता और अग्रदूत , / प्रेरितों , भविष्यद्वक्ताओं , शहीदों और पवित्र धर्मगुरुओं , / तपस्वियों और सम्मानितों , / पवित्र शहीदों को उनकी ईश्वर -प्रेमी पत्नियों सहित, / और सभी धर्मी लोगों और स्वर्गदूतों की सेनाओं को, / हम, जैसा कि उचित है , भजनों से उनका मुकुट धारण कराएंगे , / मसीह उद्धारकर्ता से प्रार्थना करते हुए / कि हम उनकी महिमा प्राप्त कर सकें।

और अब, हे परमेश्वर की माता: स्वर्ग में स्वर्गदूतों द्वारा दिव्य रूप से महिमामंडित , / एक अनुपम तरीके से पिता की गोद से कभी दूर न जाते हुए , / हे सर्वशुद्ध , मनुष्यों के बीच निवास किया, / आप भी इस उद्धार की सेविका बनीं , / हे निर्दोष , अपने शुद्ध रक्त से , / उसे सर्वबोध से परे देह प्रदान करते हुए। / उनसे प्रार्थना करो कि वे अपने सेवकों को / उनके पापों से मुक्ति प्रदान करें।

'प्रभु की स्तुति करो' पर, 10वें के लिए स्टिचेरा
रविवार के स्टिचेरा , स्वर 8

हे प्रभु , यद्यपि तू पिलातुस के न्याय -सिंहासन के सामने खड़ा हुआ , / फिर भी तूने उस सिंहासन को नहीं त्यागा जहाँ तू पिता के साथ विराजमान है। / और, मृतकों में से जी उठने के बाद, / तूने मानवजाति के प्रति दयालु और प्रेमी होकर, / संसार को शत्रु के बंधन से मुक्त किया।

हे प्रभु , यद्यपि आप एक मनुष्य के रूप में यहूदिया में एक कब्र में रखे गए थे , / तथापि, एक सोए हुए राजा के समान, / सैनिकों ने आपकी रक्षा की, / और जीवन के खजाने के रूप में , उन्होंने उस पर मुहर लगा दी। / परन्तु आप पुनरुत्थित हुए और हमारी आत्माओं को अमरत्व प्रदान किया।

हे प्रभु , शैतान के विरुद्ध एक हथियार के रूप में / आपने हमें अपना क्रूस प्रदान किया है : / क्योंकि शत्रु भयभीत है और कांपता है , / अपनी शक्ति को देखने की हिम्मत नहीं करता; / क्योंकि यह मृतकों को जिला उठाता है और मृत्यु को नष्ट कर चुका है। / अतः हम आपकी समाधि और आपके पुनरुत्थान की उपासना करते हैं।

हे प्रभु , तेरे स्वर्गदूत ने , / जिसने पुनरुत्थान का प्रचार किया, पहरेदारों में भय भर दिया, / और स्त्रियों से कहकर पुकारा : / 'तुम जीवित को मरे हुओं में क्यों ढूंढती हो?

/ वह सच्चे परमेश्वर के रूप में जी उठे हैं , / और उन्होंने संसार को जीवन प्रदान किया है '।

अन्य स्टचिरा , पूर्वी , समान स्वर

तूने क्रूस पर दुख सहे , अपनी दिव्यता में अच्युत होकर, / और तीन दिन तक कब्र में रहने की कृपा की, / ताकि तू हमें शत्रु के बंधन से मुक्त कर सके / और, हमें अमरत्व प्रदान कर, हमें जीवन दे सके , हे मानव-प्रेमी मसीह हमारे ईश्वर , / अपने पुनरुत्थान के द्वारा।

सभी संतों के लिए अन्य स्टचिरा , स्वर 4

प्रभु ने पृथ्वी पर रहने वाले संतों को अद्भुत रूप से महिमामय किया है : / क्योंकि उन्होंने देह में उनके घावों और कष्टों को सहा, उन्हें अपना आभूषण बनाया, / और दिव्य सौंदर्य से स्पष्ट रूप से परिपूर्ण हुए ; / आइए हम उनके बारे में अमर फूलों की तरह गाएं , / चर्च के अचल तारों की तरह, / स्वैच्छिक बलिदानों की तरह।

पद: धर्मी ने पुकारा – और प्रभु ने उनकी सुनी। भजन संहिता 33:18क

नबियों के साथ – प्रेरितों के साथ, / आदरणीय लोगों के साथ – शिक्षकों के साथ, / पवित्र शहीदों के साथ – सभी धर्मी लोगों के साथ, / और पवित्र स्त्रियों की भीड़ के साथ, / जिन्होंने प्रेम में दुख सहे और परिश्रम किया, / और आदरणीय लोगों की पंक्तियों के साथ, उन्हें पवित्र भजनों से स्तुति की जाए, / स्वर्गीय राज्य के उत्तराधिकारी के रूप में , / स्वर्ग के निवासी के रूप में।

पद: परमेश्वर अपने संतों में अद्भुत है , / इस्राएल का परमेश्वर। भजन संहिता 67:36ए

जिन्होंने अपने सद्गुणों की किरणों से पृथ्वी को स्वर्ग के समान बनाया, / जिन्होंने मसीह की मृत्यु का अनुकरण किया, / जिन्होंने अमरत्व की ओर ले जाने वाले पथ पर चलना सीखा, / जिन्होंने अपनी उपचारात्मक कृपा से मनुष्यों की कामनाओं को शुद्ध किया, / जिन्होंने संसार भर में एक हृदय से वीरतापूर्वक दुख सहे — / शहीदों की स्तुति हो।

सुसमाचार मैटिन्स स्टचिरा , स्वर 1

महिमा: उन शिष्यों को जो पर्वत पर चढ़े , / प्रभु स्वर्गारोहण से पहले पृथ्वी पर प्रकट हुए। / और उन्होंने , उसकी आराधना करने के बाद / और सभी चीजों पर उसे दिए गए अधिकार के बारे में जानने के बाद, / संपूर्ण संसार में यह प्रचार करने के लिए भेजे गए / कि वह मृतकों में से जी उठा और स्वर्ग में आरोहण किया। / मसीह परमेश्वर , जो मिथ्या से दूर है , / और हमारे आत्माओं का उद्धारकर्ता , / ने हमेशा उनके साथ रहने का वादा किया।

और अब, स्वर 2: धन्यतम हो, हे ईश्वर की कुंवारी माता:

एक महान स्तुति -गीत।

रविवार का ट्रॉपारियन

कब्र से उठकर, तूने नरक के बंधन तोड़ दिए हैं , / और हे प्रभु , मृत्यु की सजा को समाप्त कर दिया है , / शत्रु के जालों से सभी को मुक्ति देते हुए ; / और अपने प्रेरितों के सामने प्रकट होकर, / तूने उन्हें प्रचार करने के लिए भेजा , / और उनके द्वारा संपूर्ण जगत को शांति प्रदान की है , / हे एक, परम दयालु।

एक्टेनिया और समापन।

लिटुर्जी में

धन्य हैं वे जो प्रभु के नाम से आते हैं , चौथा स्वर , स्वर 8

हे मसीह, संसार के उद्धारकर्ता , हम पर दया करना, / जैसे तूने क्रूस पर चोर को याद किया, / और हम सभी को, हे एकमात्र दयालु , / अपना स्वर्गीय राज्य प्रदान करना।

हे हमारे उद्धारकर्ता , आपने अपनी इच्छा से स्वयम् को क्रूस पर ठोक लिया, / आपने आदम को उस शाप से मुक्त किया जो वृक्ष के द्वारा आया था, / और अपनी दया में उसे वह सब वापस कर दिया / जो उसमें आपकी प्रतिमा में था / और स्वर्ग का निवास स्थान।

हे आदम, सुन और हव्वा के साथ मिलकर आनंद मना: / क्योंकि जिसने एक बार तुम दोनों को नग्न कर दिया था / और, छल द्वारा , हमें कैदी बना लिया था, / उसे मसीह के क्रूस द्वारा अपनी शक्ति से वंचित कर दिया गया है।

आज के दिन मसीह कब्र से उठे , / सभी विश्वासियों को अमरत्व प्रदान करते हुए , / और उन्होंने मिरा -वाहकों की खुशी को नया जीवन दिया / अपने कष्ट और पुनरुत्थान के बाद।

और सभी संतों के लिए कैनन , ओड 6, चार भागों में।

प्रोकेइमेनोन , स्वर 8

प्रार्थना करो और पूरा करो / हमारे प्रभु , हमारे परमेश्वर के प्रति अपने व्रत।
श्लोक : परमेश्वर यहूदिया में प्रसिद्ध है ; इस्राएल में उसका नाम महान है। भजन संहिता 75:12A, 2

और संतों के लिए, स्वर 4

ईश्वर अपने संतों में अद्भुत है , इस्राएल का ईश्वर। भजन संहिता 67:36A

इब्रानियों की पत्रिका , आरंभ 330

भाइयो, सभी संतों ने विश्वास के द्वारा राज्यों पर विजय प्राप्त की, धर्म के कार्य किए, प्रतिज्ञाएँ प्राप्त कीं , सिंहों के मुँह बंद किए, आग की शक्ति को बुझाया , तलवार की धार से बच निकले , दुर्बलता में बलवान हुए , युद्ध में पराक्रमी बने , विदेशी सेनाओं को भागने पर मजबूर किया; कुछ लोगों के मरे हुए जी उठाए गए; जबकि अन्य यातनाएँ सहते रहे , और रिहाई स्वीकार करने से इनकार कर दिया, ताकि वे एक बेहतर पुनरुत्थान प्राप्त कर सकें ; और अन्य उपहास और पिटाई, तथा बेड़ियों और कैद का सामना करते रहे ; उन्हें पत्थर मारे गए, आरी से चीर दिया गया, यातना दी गई, तलवार से मार डाला गया; वे भेड़ों और बकरियों की खाल पहने हुए घूमते थे , और अभाव, कष्ट और दुर्व्यवहार सहते थे ; जिनके लिए संपूर्ण संसार योग्य नहीं था, वे रेगिस्तानों और पहाड़ों तथा गुफाओं और पृथ्वी की घाटियों में भटकते रहे। और ये सब, अपने विश्वास की गवाही देने के बाद भी, उस प्रतिज्ञा को प्राप्त नहीं कर सके , क्योंकि परमेश्वर ने हमारे लिए कुछ बेहतर व्यवस्था की थी, ताकि वे हमारे बिना पूर्ण न हों। इसलिये , चूँकि हम गवाहों के इतने बड़े बादल से घिरे हुए हैं , तो आओ हम हर बोझ और उस पाप को उतार फेंकें जो हमें आसानी से उलझा देता है , और धीरज के साथ उस दौड़ को दौड़ें जो हमारे सामने रखी गई है , और अपनी आँखें यीशु पर टिकाए रखें , जो हमारे विश्वास का कर्ता और सिद्ध करने वाला है।

इब्रानियों 11:33–12:2A

आल्लेलुया , स्वर 4

पद: धर्मी ने पुकारा , और प्रभु ने उनकी सुनी ; उसने उन्हें उनकी सब विपत्तियों से छुड़ाया। **पद:** धर्मी पर बहुत सी विपत्तियाँ आती हैं , परन्तु प्रभु उन्हें उन सब से छुड़ाता है। भजन संहिता 33:18, 20

मत्ती के अनुसार सुसमाचार , आरंभ 38A

प्रभु ने अपने शिष्यों से कहा: 'जो कोई मनुष्यों के सामने मेरा स्वीकार करेगा , मैं भी स्वर्ग में अपने पिता के सामने उसका स्वीकार करूँगा ; परन्तु जो कोई मनुष्यों के

सामने मेरा इनकार करेगा , मैं भी स्वर्ग में अपने पिता के सामने उसका इनकार करूँगा। ' जो कोई पिता या माता से मुझसे अधिक प्रेम करता है , वह मुझ योग्य नहीं ; और जो कोई पुत्र या पुत्री से मुझसे अधिक प्रेम करता है , वह मुझ योग्य नहीं ; और जो कोई अपना क्रूस उठाकर मेरे पीछे नहीं चलता, वह मुझ योग्य नहीं। तब पतरस ने उससे कहा, 'देख , हम सब कुछ छोड़कर तेरे पीछे चले आए हैं ; तो हमारे लिए क्या होगा?' यीशु ने उत्तर दिया, 'मैं तुम से सच कहता हूँ , तुम जो मेरे पीछे हो लिए हो, आगत युग में , जब मनुष्य का पुत्र अपने महिमा के सिंहासन पर विराजमान होगा, तब तुम भी बारह सिंहासनों पर बैठोगे और इस्राएल के बारह कुल का न्याय करोगे। और जो कोई मेरे निमित्त घर, भाइयों , बहनों , पिता, माता, पत्नी , बच्चों , या खेतों को छोड़ता है , वह सौगुणा पाएगा और अनंत जीवन का वारिस होगा। पर जो पहले हैं , वे बहुत पीछे हो जाएंगे , और जो पीछे हैं , वे बहुत आगे होंगे।

मत्ती 10:32–33, 37–38; 19:27–30

समुदाय

स्वर्ग से प्रभु की स्तुति करो, / ऊँचाइयों में उसकी स्तुति करो। **एक और:** हे धर्मी लोग, प्रभु में आनन्दित होओ / – धर्मी लोगों के लिए स्तुति उपयुक्त है। / अल्लेलुया।

(3) भजन संहिता 148:1, 32:1

विषय-सूची पर वापस

सभी संतों की सेवा
जो रूसी भूमि पर प्रकट हुए

सभी संतों के स्मरणोत्सव के बाद पहले सप्ताह में , अर्थात् महिमामय और सर्व -स्तुत्य प्रेरित पतरस और पौलुस के उपवास के पहले रविवार को, हम उन सभी संतों का स्मरण करते हैं जो रूस की भूमि पर प्रकाशित हुए।

शनिवार को लघु संध्या में

'हे प्रभु , मैंने पुकारा है :' पर
रविवार के स्टिचेरा , चौथे स्वर में , पहला स्वर

हे पवित्र प्रभु , हमारी संध्या की प्रार्थनाएँ स्वीकार करें , और हमें पापों की क्षमा प्रदान करें , क्योंकि केवल आपने ही संसार को पुनरुत्थान का प्रकाश दिखाया है। (2)

हे लोगों , सिय्योन के चारों ओर इकट्ठा हो जाओ / और उसे गले लगाओ / और उसमें मरे हुओं में से जी उठे हुए को महिमा दो, / क्योंकि वह हमारा परमेश्वर है , / जिसने हमें हमारे अधर्म से छुड़ाया है।

आओ, हे लोगों , हम मसीह का भजन गाएँ और उसकी उपासना करें , / मृतकों में से उसके पुनरुत्थान की महिमा करें , / क्योंकि वही हमारा परमेश्वर है , / जिसने संसार को शत्रु की छल से छुड़ाया है।

महिमा, स्वर 4: हे दिव्य पिताओं , / आप रूसी भूमि के आध्यात्मिक फूल बन गए हैं , / – हमारी प्रशंसा और हमारी शक्ति / और सभी के लिए एक शांत आश्रय : / क्योंकि हमारी भूमि आप पर गर्व करती है , / जिसने आपको एक अक्षय खजाने के रूप में प्राप्त किया है। / और अब, यद्यपि आपकी शारीरिक आवाज़ें मौन हो गई हैं , / फिर भी चमत्कार उस प्रभु की गवाही देते हैं जिसने आपको महिमामय बनाया है ; / उससे प्रार्थना करें कि वह हमारे आत्माओं को / महान दया प्रदान करे।

और अब, हे परमेश्वर की माता, वही स्वर : हे परमेश्वर की माता, सर्व की रानी, / ऑर्थोडॉक्सों की स्तुति ! / विधर्मियों के कलह को समाप्त कर दो, / और उनके चेहरों पर लज्जा ढा दो, / – वे जो न तो पूजा करते हैं और न ही सम्मान करते हैं , हे परम पवित्र एक, / तेरी पवित्र प्रतिमा की।

'आनंद का प्रकाश :' और प्रोकेइमेनन 'प्रभु ने राज्य किया है :'

स्टिचेरा पर, रविवार का स्टिचेरा , स्वर 1

हे ख्रीस्त , तेरे दुःख -कष्ट द्वारा , / हम अपने वासनाओं से मुक्त हुए हैं / और तेरे पुनरुत्थान द्वारा / हम नाश से छुटकारा पाए हैं। / हे प्रभु , तेरी महिमा हो!

और संतों के लिए, स्वर 8, 'हे अति महिमामय चमत्कार :' के समान:

पद: ईश्वर हमारा शरणस्थान और बल हैं , / हम पर भारी पड़ने वाली संकट की घड़ियों में एक सहायक। भजन संहिता 45:2

हे अति महिमामय चमत्कार ! / स्वर्ग और पृथ्वी पर आनंद / आज के दिन सभी रूसी संतों की स्मृति में प्रकट हुआ है : / उन्हें स्वर्गदूतों द्वारा स्तुति के मुकुट पहनाए गए हैं / और वे मानवजाति से भजन प्राप्त करते हैं। / हे , उन्होंने हमारी भूमि में कितनी मेहनत की, / उन्होंने परमेश्वर को कितना प्रसन्न किया! / उनके द्वारा धूर्त शत्रु गिर गया है , / क्योंकि मसीह ने उसे परास्त कर दिया है !

रूस की भूमि में प्रकट हुए सभी संतों के सम्मान में एक सेवा

पद: सेनाओं का यहोवा हमारे संग है ; याकूब का परमेश्वर हमारा शरणस्थान है। भजन संहिता 45:12

हे अतिमहिमामय चमत्कार ! / सूर्य से भी अधिक तेज आश्चर्य की किरणों से / हमारे पवित्र संबंधी / रूसी भूमि के दूर -दराज के कोनों में सदैव चमकते हैं , / अक्षय प्रकाश से प्रकाशित। / उनके तेज से / बर्बरता के बादल हमारी भूमि से दूर भगा दिए जाते हैं / और दुष्टात्माएँ पराजित हो जाती हैं।

महिमा, वही स्वर : हे अतिमहिमामय चमत्कार ! / रूसी संतों का त्रि-धन्य दल, / जिन्होंने मसीह के लिए परिश्रम किया, / हमेशा पवित्र रूस के शत्रुओं के सामने / एक दोधारी तलवार के रूप में प्रकट होता है , / जो उनके अहंकार को काट देती है। / अतः आइए हम उनसे पुकारें : / 'हे हमारे पवित्र संबंधियों , अब हमारी भी रक्षा करो, / हम जो हमेशा विश्वास और प्रेम से आपका सम्मान करते हैं !'

और अब, स्वर 8: रूस की भूमि सदा / तुझे लेकर गर्व करती है और हर्षित होती है , / क्योंकि तू है , लाक्षरिक मध्यस्थ / और एक अटूट दीवार। / अब विराम न ले , हे सर्वोच्च देवी , / अपने लोगों को सभी विपत्तियों से बचाने में !

रविवार का ट्रॉपारियन , स्वर 1

यद्यपि यहूदियों ने पत्थर पर मुहर लगा दी थी, / और सैनिकों ने तेरे अतिपवित्र शरीर की रक्षा की, / तू तीसरे दिन पुनरुत्थित हुआ , हे उद्धारकर्ता , / संसार को जीवन प्रदान करते हुए। / इसलिए स्वर्गीय शक्तियों ने जीवन-दाता, आपसे पुकारा : / 'मसीह, तेरे पुनरुत्थान को महिमा; / तेरे राज्य को महिमा; / हे मानवजाति के एकमात्र प्रेमी , तेरी परमप्रबंध को महिमा!'

महिमा, संतों का ट्रॉपारियन , स्वर 8

तेरे उद्धारकारी बीज के सुंदर फल के रूप में , / रूस की भूमि तुझे अर्पित करती है , हे प्रभु , / उन सभी संतों को जो इसमें प्रकाशित हुए हैं। / उनकी प्रार्थनाओं और परमेश्वर की माता के मध्यस्थता द्वारा , / हमारे चर्च और हमारे देश को गहरे शांति में संरक्षित रख, हे परम दयालु।

और अब, हे कुँवारी के पुत्र , उसी स्वर में

हमारे लिए कुँवारी से जन्म लेकर / और क्रूस को सहन करके , / मृत्यु को मृत्यु से परास्त करके / और परमेश्वर के रूप में पुनरुत्थान को प्रकट करके , / हे दयालु , अपने हाथ से बनाए गए प्राणियों को तिरस्कार न करें ; / हे दयालु , मानवजाति के प्रति अपना प्रेम प्रकट करें , / हमें मध्यस्थता करने वाली, ईश्वर की माता को स्वीकार करें , / और हे हमारे उद्धारकर्ता , निराश हो चुके लोगों को बचाएँ ।

द्वगिुण एक्टेनिया और समापन।

शनिचर को महा संध्या में

'हे प्रभु , मैं ने पुकारा है :' पर दसवें स्वर का स्टिचिरा ; और हम पहले स्वर के चार रविवार के स्टिचिरा , और संतों के छह स्टिचिरा गाते हैं।

ईस्टर स्टिचिरा , स्वर 1

हे पवित्र प्रभु , हमारी संध्या की प्रार्थनाओं को ग्रहण करें , / और हमें हमारे पापों की क्षमा प्रदान करें , / क्योंकि केवल आपने ही / संसार को पुनरुत्थान का प्रकाश दिया है।

हे लोगों , सियोन के चारों ओर इकट्ठा हो जाओ / और उसे घेरो / और उसके भीतर मृतकों में से जी उठे हुए को महिमा दो, / क्योंकि वह हमारा परमेश्वर है , / जिसने हमें हमारे अधर्म से छुड़ाया है।

आओ, हे लोगों , / हम मसीह का भजन करें और उसकी उपासना करें , / मृतकों में से उसके पुनरुत्थान की महिमा करें , / क्योंकि वह हमारा परमेश्वर है , / जिसने संसार को शत्रु की छल से छुड़ाया है।

पूर्वी स्टिचेरॉन

हे स्वर्गों , आनन्द मनाओ! / हे पृथ्वी की नींवों , तुरही बजाओ! / हे पर्वतों , आनन्द का उद्घोष करो! / क्योंकि देखो , इम्मानुएल ने हमारे पापों को क्रूस पर ठोक दिया है , / और जीवन प्रदान करते हुए , मृत्यु को मृत्यु की सजा दी है , / मानव जाति के प्रेमी के रूप में आदम को मृतकों में से जिला उठाया है।

संतों के लिए स्टिचेरा , स्वर 1

आओ, रूसी जनसमूह , / हम उनकी स्तुति करें जिन्होंने हमारे देश में परिश्रम किया: / पूज्यनीय , धर्मगुरु और विश्वासी राजकुमार , / शहीद और पवित्र शहीद, / और जिन्होंने मसीह के लिए पागल होने का नाटक किया, / और पवित्र स्त्रियों का समुदाय – / नाम से जाने जाने वाले और अज्ञात दोनों ; / क्योंकि उन्होंने वास्तव में , अपने कर्मों , अपने वचनों और अपने विविध जीवन के द्वारा , / और ईश्वर द्वारा प्रदान किए गए वरदानों के माध्यम से , / संतत्व प्राप्त किया है , / और रूस को पवित्र कहलाने का अधिकार प्रदान किया है , / जबकि ईश्वर ने उनके समाधियों को चमत्कारों से गौरवान्वित किया है। / और अब, उन्हें महिमामय बनाने वाले मसीह के सामने आमने -सामने खड़े होकर, / वे हमारें लिए विनम्रता से प्रार्थना करते हैं , / जो उनके महिमामय पर्व को प्रेम से मनाते हैं।

स्वर 2

किस सुन्दर गीतों से / हम धर्मनिष्ठ रूसी संतों की स्तुति करें , / मसीह की कलीसिया की दीप्तिमान शोभा, / पुरोहित वर्ग के मुकुट , धार्मिकता का शासन, / दैवीय उपचार के अक्षय स्रोत , / आध्यात्मिक वरदानों की प्रचुरता , / अनेक चमत्कारों की नदियाँ , / जो अपने प्रवाह से रूस की भूमि को आनंदित करती हैं , / विश्वासियों के उत्साही सहायक; / उनके लिए मसीह ने उत्कर्ष के शत्रुओं को परास्त किया, / जो महान दया से परिपूर्ण है।

स्वर 8

पृथ्वी हर्षित होती है और स्वर्ग प्रसन्न है , / हे पूजनीय पिताओं , / जब हम आपके पराक्रम और परिश्रमों की स्तुति करते हैं , / आपकी आत्मिक शक्ति और मन की पवित्रता की, / क्योंकि प्रकृति के नियमों ने आपको पराजित नहीं किया। / हे पवित्र सभा और दैवीय सेना ! / आप वास्तव में हमारे देश की शक्ति हैं।

धन्य , रूस के ईश्वर -ज्ञानी राजकुमारों , / ऑर्थोडॉक्स ज्ञान से प्रकाशमान , / और सद्गुणों की शोभा से दमकते हुए , / आप विश्वासियों को उनकी पूर्णता में प्रकाशित करते हैं , / शैतान के अंधकार को दूर भगाते हुए। / अतः , अक्षय अनुग्रह के सहभागी / और अपनी विरासत के निर्दोष रक्षक , / हम आपको सम्मानित करते हैं , हे आश्चर्य के योग्य !

हे मसीह के परम धन्य शहीदों , / आपने स्वेच्छा से बलिदान दिया, / और रूस की भूमि को अपने रक्त की धाराओं से पवित्र किया, / और अपने गमन से वायुमंडल को प्रकाशित किया; / अब आप स्वर्ग में अक्षय प्रकाश में जीवित हैं , / हमारे लिए निरंतर प्रार्थना करते हुए , हे ईश्वर -दर्शकों !

आपके गुण और कर्मों ने / विश्वासियों के हृदयों को प्रकाशित किया है , / हे पवित्र मूर्खों और धर्मात्माओं , जो मसीह के लिए रूस में चमके : / क्योंकि आपकी असीम विनम्रता और धैर्य के बारे में सुनकर कौन आश्चर्यचकित नहीं होगा? / सभी के प्रति आपने नम्रता और दया दिखाई, / दुखी लोगों के प्रति – करुणा , और संकटग्रस्त लोगों के प्रति – त्वरित सहायता। / समुद्र में रहने वालों के लिए, आप एक शांतिपूर्ण आश्रय हैं ,

/ और यात्रियों के लिए, एक दयालु हाथ। / आप सभी ने प्रशंसा के योग्य अद्भुत कार्य किए हैं , / और अब आपको सर्वशक्तिमान ईश्वर के हाथ से / अक्षय मुकुटों से विभूषित किया गया है। / हमारे आत्माओं के उद्धार के लिए उनसे प्रार्थना करें।

महिमा, स्वर 5: हर्षित हो, विश्वासयोग्य रूसी राज्य ! / हर्षित हो, परम धर्मनिष्ठ राजकुमार व्लादिमीर , / हर्षित हो, चुनी हुई ओल्गा : / क्योंकि आप सभी के प्रभु के समक्ष हमारे प्रमुख मध्यस्थ हैं , / और ऑर्थोडॉक्सी के नेता , / और सच्चे धर्म के मार्गदर्शक ! / हर्षित हो, हर स्थान , भूमि और नगर, / जिन्होंने स्वर्ग के राज्य के नागरिकों का पालन-पोषण किया है ! / वे , संत , हमारी आत्माओं के लिए प्रकाश के रूप में प्रकट हुए हैं ; / चमत्कारों की ओर, उनके कर्मों और संकेतों के माध्यम से , / वे पृथ्वी के सभी कोनों में आध्यात्मिक रूप से चमके हैं ; / और अब वे मसीह से हमारी आत्माओं के उद्धार के लिए प्रार्थना करते हैं।

और अब, हे ईश्वर की माता, डॉगमैटिक भजन, स्वर 1: हम उस महिमामयी के गुण गाएँ , / जो मनुष्यों से उत्पन्न हुई / और जिन्होंने प्रभु को जन्म दिया – कुँवारी मरियम, / स्वर्ग का द्वार , / अदेहियों का गीत और विश्वासियों की शोभा। / क्योंकि वह स्वर्ग और दिव्यता का मंदिर प्रकट हुई। / उन्होंने शत्रुता की दीवार को तोड़कर , / शांति स्थापित की और राज्य का द्वार खोल दिया। / अतः , हमारे विश्वास के स्तंभ , उनकी शरण लेकर , / हमारे रक्षक के रूप में हमें उनसे उत्पन्न प्रभु प्राप्त हैं। / अतः , धैर्य धरो, धैर्य धरो, हे ईश्वर की प्रजा , / क्योंकि सर्वशक्तिमान के रूप में वह शत्रुओं को परास्त करेंगे।

प्रवेश। 'आनंदमय प्रकाश ': दिन का प्रोकेइमेनन : प्रभु का राज्य हुआ है : और पर्व के लिए पठन:

1. यशायाह की भविष्यवाणी से एक अंश

यहोवा इस प्रकार कहता है : सभी राष्ट्र इकट्ठे हो गए हैं , और उनके शासक एकत्रित हो गए हैं। उनके बीच यह कौन प्रचार करेगा ? या, जो आरंभ से हुआ है , उसे हमें कौन बता देगा ? वे अपने गवाहों को पेश करें , ताकि वे सही ठहरें ; वे सुनें और सत्य बोलें। मेरे गवाह बनो: मैं गवाह हूँ , यहोवा परमेश्वर कहता है , और मेरा सेवक जिसे मैंने चुना है , ताकि तुम मुझे जानो और मुझ पर विश्वास करो, और यह समझो कि मैं ही हूँ : मेरे पहले कोई दूसरा परमेश्वर नहीं था, और मेरे बाद कोई नहीं होगा। मैं परमेश्वर हूँ , और मुझसे अलग कोई उद्धारकर्ता नहीं है। मैंने घोषणा की और बचाया; मैंने डाँटा – और तुम में कोई परदेशी देवता नहीं था। तुम मेरे गवाह हो, और मैं यहोवा परमेश् वर हूँ। क्योंकि मैं आरम्भ से ही मौजूद हूँ , और कोई भी मेरे हाथ से छुड़ा नहीं सकता। मैं यह करूँगा , और कौन इसे वापस मोड़ सकता है ? इस्राएल का पवित्र , तुम्हारा छुटकारा करने वाला यहोवा परमेश् वर यूँ कहता है।

यशायाह 43:9–14

२. सोलोमन की बुद्धि से पाठ

धर्मी लोगों की आत्मा परमेश्वर के हाथ में है , और कोई यातना उन्हें छू नहीं सकती। मूर्खों की दृष्टि में वे मरे हुए प्रतीत हुए , और उनकी विदाई को एक विपत्ति माना गया, और उनसे अलग होना विनाश के समान था; तौभी वे शान्ति में निवास करते हैं। क्योंकि यद्यपि मनुष्यों की दृष्टि में उन्हें दण्ड दिया गया, परन्तु उनकी आशा अमरत्व से परिपूर्ण है। और यद्यपि उन्हें थोड़ा दण्ड दिया गया, परन्तु उन्हें बहुत पुरस्कार मिलेगा , क्योंकि परमेश् वर ने उन्हें परखा है और उन्हें अपने योग्य पाया है। उसने उन्हें उस प्रकार परखा है जैसे सोने को भट्टी में परखा जाता है और उन्हें होमबलि के रूप में स्वीकार किया है। और जब उनकी परीक्षा का समय आएगा, तो वे चमकेंगे और पुआल के बीच चिंगारियों की तरह अपना मार्ग तय करेंगे। वे कबीलों का न्याय करेंगे और राष्ट्रों पर शासन करेंगे , और प्रभु उन पर सदा राज्य करेगा। जो उस पर आशा रखते हैं , वे सत्य को

समझेंगे , और प्रेम में विश्वासयोग्य लोग उसके साथ निवास करेंगे ; क्योंकि अनुग्रह और दया उसके पवित्र लोगों के साथ है , और उसकी कृपा उसके चुने हुओं के लिए है।

ज्ञान 3:1–9

3. सोलोमन की बुद्धि से पाठ

धर्मी सदा जीवित रहते हैं , और उनका प्रतिफल प्रभु के पास है ; सर्वोच्च उनकी परवाह करते हैं। इसलिये वे प्रभु के हाथ से महिमा का राज्य और शोभा का मुकुट प्राप्त करेंगे , क्योंकि वह अपने दाहिने हाथ से उन पर ढाल चढ़ाएगा और अपनी बांह से उनकी रक्षा करेगा। वह अपने जोश का पूरा कवच धारण करेगा , और सारी सृष्टि को अपने शत्रुओं के विरुद्ध प्रतिशोध का एक हथियार बना देगा ; वह धार्मिकता का कवच पहनेगा , और निष्पक्ष न्याय का हेलमेट धारण करेगा ; वह अजेय ढाल—पवित्रता —उठाएगा; और वह अपने कठोर क्रोध को तलवार की तरह तेज करेगा , और सारी दुनिया मूर्खों के खिलाफ उसके साथ मिल जाएगी। बिजली के तीव्र तीर उड़ेंगे , और बादलों से , एक कसकर खींचे गए धनुष की तरह, वे अपने निशाने की ओर उड़ेंगे। और, एक कैटापल्ट (पट्टेबाज़ी यंत्र) से निकलने वाले गुस्से से भरे ओलों की तरह वर्षा होगी; समुद्र का पानी उन पर गरज उठेगा , और नदियाँ उन्हें जोरदार तरीके से डुबा देंगी ; शक्ति का आत्मा उनके विरुद्ध उठेगा और, एक बवंडर की तरह, उन्हें बिखेर देगा। इस प्रकार अधर्म पूरी पृथ्वी को उजाड़ देगा , और दुष्टता शासकों के सिंहासन को उलट देगी। इसलिये हे राजाओं , सुनो और समझो; हे पृथ्वी के छोर के न्यायाधीशों , सीख लो! हे तुम जो बड़ी संपत्ति के मालिक हो और जनसमूहों के सामने घमण्ड करते हो, ध्यान दो: क्योंकि प्रभु ने तुम्हें अधिकार दिया है , और सर्वशक्तिमान से तुम्हें सामर्थ्य मिली है।

सभोपदेश 5:15–24; 6:1–3

लिटिनी के समय, चर्च के स्टिचेरा , और संतों के लिए एक स्टिचेरा , स्वर 8

हमारे साथ आनंद मनाओ, हे संतों के सभी मुखों / और स्वर्गदूतों के सभी सेनापतियों ! / आत्मा में एक होकर, आइए हम आओ और गाओ / हमारे ईश्वर मसीह को धन्यवाद का गीत। / क्योंकि देखो , हमारे अनगिनत परिजनों की सेना , जिन्होंने परमेश्वर को प्रसन्न किया है , / महिमा के राजा के सामने खड़ी है और प्रार्थना में हमारे लिए मध्यस्थता करती है। / वे ऑर्थोडॉक्स विश्वास के स्तंभ और शोभा हैं ; / उन्होंने अपने कर्मों , बहाए गए रक्त , अपनी शिक्षाओं और अपने कार्यों के द्वारा परमेश्वर की कलीसिया को महिमामय किया है ; / उन्होंने चमत्कारों और संकेतों के द्वारा मसीह में विश्वास की पुष्टि की है ; वे हमारे देश के हर कोने से प्रकट हुए , / और उनमें ऑर्थोडॉक्स विश्वास को स्थापित किया, / और उसे प्रेरितिक उत्साह के साथ अन्य भूमि पर ले गए; / जबकि अन्य लोगों ने रेगिस्तानों और शहरों को पवित्र मठों से सजाया, / एक दैवीय जीवन शैली का प्रदर्शन करते हुए। / इस युग के कई पुत्रों को अपमान, घावों , / और एक क्रूर मृत्यु से परखा गया; / जबकि कई अन्य , विभिन्न वीरता के कारनामों के माध्यम से , / हर पेशे में परिश्रम किया; / और वे सभी प्रभु से प्रार्थना करते हैं / हमारे देश को आपदाओं से मुक्ति के लिए / और हमें दुख में धैर्य और दृढ़ता का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

महिमा, और अब, वही स्वर : सभी अदेह सेनाओं के शासक हमारे साथ आनन्दित होते हैं , / एक आध्यात्मिक गायन मंडली बनाते हुए , / सभी की रानी और स्वामिनी के दर्शन से , / जिन्हें विश्वासियों ने अनेक नामों से महिमामय किया है। / धर्मात्माओं की आत्माएँ भी आनंदित होती हैं , / इस दर्शन की साक्षी बनकर: / वह अपनी परम पवित्र हथेलियाँ प्रार्थना

में आकाश की ओर फैलाती हैं ,/ संसार के लिए शांति की विनती करते हुए ,/ रूसी भूमि के लिए स्थिरता ,/ और हमारी आत्माओं के लिए उद्धार।

स्टिचिरा पर, रविवार का स्टिचिरा , स्वर 1

हे मसीह, तेरे दुख -कष्ट द्वारा ,/ हम अपने वासनाओं से मुक्त हुए हैं ,/ और तेरे पुनरुत्थान द्वारा /हम क्षय से छुटकारा पाए हैं। /हे प्रभु ,तुझे महिमा!

स्टिखि : प्रभु ने राज्य किया है ,/ वैभव के वस्त्र पहनकर। भजन संहिता 92:1A

सारी सृष्टि आनंद मनाए, आकाश प्रसन्न हों ,/ राष्ट्र आनन्द से तालियाँ बजाएँ ;/ क्योंकि हमारे उद्धारकर्ता मसीह ने /हमारे पापों को क्रूस पर ठोक दिया है /और मृत्यु को मृत्यु देकर हमें जीवन प्रदान किया है ,/ पतित आदम को उसकी सारी वंश -परंपरा सहित उठाकर,/ मानवता के प्रेमी के रूप में।

पद: क्योंकि उसने जगत को स्थिर किया है ,/ और वह हिलने का नहीं। भजन संहिता 92:1ख

स्वर्ग और पृथ्वी के राजा, हे अगाध,/ मानवजाति के प्रति प्रेम से स्वेच्छा से क्रूस पर चढ़ाए गए।/ अधोलोक में तुझे देखकर नरक क्रुद्ध हो गया,/ जबकि धर्मी आत्माओं ने तुझे प्राप्त कर आनंदित हुईं ;/ और आदम ने ,अधोलोक में सृष्टिकर्ता को देखकर ,जीवन प्राप्त किया।/ हे आश्चर्य ! सभी का जीवन मृत्यु का स्वाद कैसे चखा?/ केवल इसलिए कि वह संसार को प्रकाशित करना चाहता था,/ पुकारता और कहता हुआ :/ 'हे प्रभु ,मरे हुओं में से जी उठे ,तुझे महिमा हो!'

पद: हे प्रभु ,पवित्रता तेरे भवन को शोभा देती है ,/ सदा के लिए। भजन संहिता 92:5ख

मिश्रण -वाहक स्त्रियाँ ,मिश्रण लेकर ,/ तेरी कब्र पर रोते हुए शीघ्र गईं ;/ और तेरा परम पवित्र शरीर न पाकर,/ परन्तु स्वर्गदूत से एक नए और अद्भुत चमत्कार का समाचार पाकर,/ प्रेरितों को यह घोषणा की :/ 'प्रभु जी उठे हैं ,/ संसार पर महान दया प्रदान करते हुए !'

महिमा, स्वर 4: आज हम अपने पवित्र संबंधियों का स्मरण करते हैं ,/ आइए उन्हें उनकी योग्यतानुसार स्तुति करें। /क्योंकि उन्होंने वास्तव में प्रभु के सभी आशीर्वादों को प्राप्त किया है :/ क्योंकि यद्यपि वे गरीब हो गए, वे आत्मा में समृद्ध हुए ;/ और नम्र बनकर, उन्होंने नम्रों की भूमि का वारिस पाया;/ रोकर, उन्हें सांत्वना मिली;/ धार्मिकता की भूख से ,वे तृप्त हुए ;/ जिन्होंने दया दिखाई, उन पर दया की गई;/ हृदय से शुद्ध होकर, उन्होंने यथासंभव परमेश्वर को देखा ;/ शांति स्थापित करने पर, उन्हें दिव्य पुत्रत्व के योग्य माना गया;/ और यद्यपि धार्मिकता और भक्ति के लिए सताए और पीड़ित हुए ,/ वे अब स्वर्ग में आनंदित और हर्षित हैं /और हमारे देशभूमि पर दया के लिए प्रभु से विनम्रतापूर्वक प्रार्थना करते हैं।

और अब, हे परमेश्वर की माता, स्वर 5: हम गीत का तुरही बजाएँ , हम एक स्वर में अपनी भूमि की मध्यस्थ को, रानी, परमेश्वर की माता को गाएँ : 'हे तु ,जिसने प्राचीन काल से अपनी कृपा से हमारे देश को मुकुटित किया और उस पर अपना अनुग्रह बरसाया!'/ अतः ,हमारी रूसी कलीसिया हर्ष के साथ मनाती है /आपकी सर्वपवित्र संरक्षा /और आपके अनगिनत चमत्कारों की स्मृति /हे सर्वोच्च रानी, अब हमसे अपनी दया न रोकिए:/ हमारी दुख -तकलीफों पर दृष्टि डालिए/ और अपनी शक्तिशाली मध्यस्थता से हमें उठा लीजिए!'

फिर: 'अब आप हमें विदा करते हैं ': **'हमारे पिता' के बाद त्रिसिगियन :**

रूसी संतों का ट्रोपारियन , स्वर 8

तेरे उद्धारकारी बीज बोने के सुंदर फलस्वरूप ,/ रूस की भूमि तुझे अर्पित करती है , हे प्रभु ,वहाँ प्रकट हुए सभी संतों को।/ उनकी प्रार्थनाओं और परमेश्वर की माता की मध्यस्थता द्वारा ,/ हे परम दयालु ,हमारी कलीसिया और हमारे देश को गहरे शांति में संरक्षित कर।

रूस की भूमि में प्रकट हुए सभी संतों के सम्मान में एक सेवा

प्रभात -प्रार्थना में

छठे भजन के बाद, महा एक्टेनिया और 'ईश्वर प्रभु ':

रविवार का ट्रॉपारियन , स्वर 1

यद्यपि यहूदियों ने पत्थर पर मुहर लगा दी थी, / और सैनिकों ने तेरे पवित्रतम शरीर की रखवाली की थी, / तथापि तू तीसरे दिन जी उठे , हे उद्धारकर्ता , / संसार को जीवन प्रदान करते हुए। / इसलिये स्वर्गीय शक्तियों ने जीवन-दाता, आप से पुकारा : / 'हे मसीह, तेरे पुनरुत्थान को महिमा; / तेरे राज्य को महिमा; / हे मानवजाति के एकमात्र प्रेमी , तेरी परमप्रबंध को महिमा!' (2)

महिमा, रूसी संतों का ट्रॉपारियन , स्वर 8

तेरे उद्धारकारी बीज के सुंदर फल के रूप में , / रूस की भूमि तुझें अर्पित करती है , हे प्रभु , उन सभी संतों को जो इसमें प्रकाशित हुए हैं। / उनकी प्रार्थनाओं और परमेश्वर की माता के मध्यस्थता द्वारा , / हमारे चर्च और हमारे देश को गहरी शांति में संरक्षित रख, हे परम दयालु।

और अब, हे थिओटोकोस के पुत्र , उसी स्वर में : आप जो हमारे लिए कुँवारी से उत्पन्न हुए / और क्रूस पर चढ़ाए गए, / जिन्होंने मृत्यु से मृत्यु को पराजित किया / और परमेश्वर के रूप में पुनरुत्थान को प्रकट किया, / हे दयालु , अपने हाथ से बनाए गए लोगों को तिरिस्कार न करें ; / हे दयालु , मानवजाति के प्रति अपना प्रेम प्रकट करो, / हमें मध्यस्थता करने वाली, ईश्वर की माता को स्वीकार करो, / और हे हमारे उद्धारकर्ता , निराश हो चुके लोगों को बचाओ।

कैथिस्मा पर, प्रथम स्वर के रविवार के सेडालेन।
सेडालेंस में से प्रत्येक से एक स्टचिरा

हे उद्धारकर्ता , जो सिपाही तेरी कब्र की रखवाली कर रहे थे , / प्रकट हुए स्वर्गदूत की किरणों से ऐसे मारे गए मानो वे मृत हों , / जो स्त्रियों को पुनरुत्थान की सूचना दे रहे थे। / हम तुझे महिमामय करते हैं , हे क्षय के विनाशक, / हम तेरे सामने , हे कब्र से उठने वाले , नमन करते हैं , / और हमारे एकमात्र ईश्वर के सामने।

पद: उठो, हे प्रभु मेरे परमेश्वर , तेरा हाथ ऊँचा किया जाए, / अपने दीनों को अंत तक न भूल ! भजन संहिता 9:33

स्वेच्छा से क्रूस पर चढ़ाए गए, हे दयालु प्रभु , / एक मानव के रूप में कब्र में रखे गए – हे जीवन दाता, / आपने अपनी मृत्यु से शत्रु की शक्ति को चूर कर दिया, / क्योंकि आपके सामने नरक के द्वारपाल काँप उठे : / आपने मानवता के एकमात्र प्रेमी के रूप में , / अनादि काल से मृत पड़े उन लोगों को अपने साथ उठाया है।

अब महिमा परमेश्वर की **माता को:** हम सभी आपको जानते हैं , हे परमेश्वर की माता, / जो वास्तव में एक कुंवारी के रूप में प्रकट हुईं और प्रसव के बाद, / प्रेमपूर्वक अपनी दया की ओर मुड़ीं ; / क्योंकि आप में हम पापी सुरक्षा पाते हैं / और आप में परीक्षा के समय उद्धार प्राप्त किया है , / हे आप जो पूर्णतः निर्मल हैं।

सेडेलन के दूसरे स्वर के अनुसार

स्त्री प्रातःकाल कब्र पर आईं / और स्वर्गदूतों का दर्शन पाकर भयभीत हो गईं। / कब्र से जीवन प्रकाशित हुआ , / और वे इस चमत्कार से चकित हो गए; / इसलिए, शिष्यों के पास जाकर, / उन्होंने उन्हें पुनरुत्थान का प्रचार किया। / मसीह, जो शक्तिशाली और बलवान है ,

ने नरक पर विजय प्राप्त की, / और अपने साथ उन सभी को उठा लिया जो नष्ट हो गए थे , / और क्रूस की शक्ति से दंड के भय को नष्ट कर दिया।

पद: मैं तुझे अपने पूरे हृदय से स्तुति करूँगा , / मैं तेरे सभी आश्चर्यों का प्रचार करूँगा।

भजन संहिता 9:2

सभी का जीवन, क्रूस पर ठोक दिया गया, / और मृतकों में गिना गया, हे अमर प्रभु , / हे उद्धारकर्ता , आप तीसरे दिन पुनरुत्थित हुए , और आदम को क्षय से उठाया। / इसलिये स्वर्गीय शक्तियों ने जीवन दाता, आप से पुकारा : / 'महिमा आपके दुखों को, हे मसीह; / महिमा आपके पुनरुत्थान को; / महिमा आपकी दया को, हे मानव जाति के एकमात्र प्रेमी !'

महिमा, और अब, परमेश्वर की माता को: मरियम, प्रभु का पवित्र पात्र ! / हमें उठाओ, जो भयानक निराशा, / और पापों , और दुखों के गर्त में गिर गए हैं ; / क्योंकि आप पापियों का उद्धार बनी हैं , / और उनकी सहायता, और उनका दृढ़ रक्षक , / और आप अपने सेवकों को बचाती हैं।

पॉलीएलेओस पर, महिमा

हम आपको महिमामंडित करते हैं , / रूस की भूमि में चमकने वाले सभी संतों , / और हम आपकी पवित्र स्मृति का सम्मान करते हैं , / क्योंकि आप हमारे लिए मध्यस्थता करते हैं / हमारे ईश्वर मसीह के समक्ष।

चुना हुआ भजन

1 कोरस: हे सभी राष्ट्रों , यह सुनो ; हे ब्रह्मांड में रहने वालों , कान लगाओ। 2 मेरा मुँह ज्ञान बोलेगा , और मेरे हृदय का मनन—समझ। 1 आओ, हे बालको, मेरी सुनो ; मैं तुम्हें यहोवा का भय सिखाऊँगा। 2 मैंने महान सभा में सत्य का प्रचार किया है। 1 मैंने तेरे सत्य और तेरे उद्धार का प्रचार किया है। 2 मैं तेरा नाम अपने भाइयों में प्रचार करूँगा ; मैं सभा के बीच में तेरा भजन करूँगा। 1 ताकि मैं तेरी स्तुति का शब्द सुनूँ और तेरे सब आश्चर्यकर्मों का वर्णन करूँ। 2 हे यहोवा, मैं तेरे भवन की शोभा और उस स्थान से प्रेम करता हूँ जहाँ तेरा महिमा निवास करती है। 1 मैं दुष्टों की सभा से घृणा करता हूँ , और मैं दुष्टों के साथ नहीं बैठूँगा। 2 क्योंकि मैं यहोवा के मार्गों पर चला हूँ और अपने परमेश्वर से दुष्टता में भटक नहीं गया हूँ। 1 धर्मी का मुँह ज्ञान का वचन बोलता है , और उसकी जीभ न्याय की बात करती है। 2 उसकी धार्मिकता सदा-सदा बनी रहती है। 1 तेरे याजक धार्मिकता से परिधान पहने रहेंगे , और तेरे संत आनन्द से जयजयकार करेंगे। 2 धन्य हैं वे जो तेरे भवन में वास करते हैं ; वे सदा-सदा तेरी स्तुति करेंगे।

भजन संहिता 48:2, 48:4, 33:12, 39:10A, 39:11B, 21:23, 25:7, 25:8, 25:5, 17:22, 36:30, 110:3B, 131:9, 83:5.

महिमा, और अब: अल्लेलूया (3)।

तब 'निर्दोष पर' ट्रॉपारिया और लघु एक्टेनिया।

इपाकोई, स्वर 1

चोर का पश्चाताप स्वर्ग में प्रवेश पा गया, / जबकि मिर्रह -वाहकों का विलाप आनंद का उद्घोष करता था, / कि तू जी उठा है , हे मसीह हमारे परमेश्वर , / संसार पर महान दया प्रदान करते हुए।

संतों की सेडलनिया

स्वर 8: संतों की बिजली से प्रकाशित होकर, / जैसे सुंदर स्वर्ग में प्रवेश करते हुए , / हम मधुरता की बाढ़ में आनंदित हुए हैं। / और उनकी वीरता को आश्चर्य से निहारते हुए , / आइए हम उनके गुणों का अनुकरण करें , उद्धारकर्ता से पुकारते हुए : / 'हे ईश्वर , उनकी प्रार्थनाओं के द्वारा , / हमें अपने राज्य का सहभागी बनाओ!'

स्वर 1: उज्ज्वल सूर्य के समान, प्रभात के दीप्तिमान तारे के समान, रूस की भूमि में प्रकट हुए संतों की पवित्र स्मृति उदय हुई है , जो हम सभी को प्रकाशित कर रही है और हमारे हृदयों को गर्माहट दे रही है , हमें उनके ईश्वरीय जीवन का अनुकरण करने और विश्वास के लिए उत्साही बनने के लिए प्रेरित कर रही है।

महिमा, स्वर 8: हे प्रभु, तेरे संतों के स्मरण के दिन, / रूस के सभी विश्वासी हर्षित होते हैं: / स्वर्ग हर्षित होता है और हमारी भूमि के छोर प्रसन्न होते हैं। / उनकी प्रार्थनाओं के द्वारा, हमारी आत्माओं को अपनी महान दया प्रदान कर।

और अब, उसी स्वर में: स्वर्ग से दयापूर्वक दृष्टि डालकर, दीनों को ग्रहण करते हुए, / हम पर कृपा दृष्टि करो, हे सर्वदयालु प्रभु, जो अपने पापों के भार से क्लान्त हैं: / ईश्वर की माता और सभी रूसी संतों की प्रार्थनाओं के द्वारा / हमारी आत्माओं को महान दया प्रदान करो।

स्टेपेनी, स्वर 1।
प्रत्युत्तर स्तोत्र 1

मेरी विलाप में / हे प्रभु, मेरी पीड़ा सुनो, / मैं तुम्हें पुकारता हूँ।

जो एकांत में रहते हैं / वे निरंतर एक दिव्य लालसा से भरे रहते हैं, / जैसे कि वे व्यर्थ की दुनिया से बाहर हों।

महिमा: पवित्र आत्मा को सम्मान और महिमा, / जैसे पिता को, और पुत्र के साथ: / इसलिए हम गाएँ / त्रिमूर्ति परमेश्वर को।

और अब: हम वही दोहराते हैं।

प्रतीधुन 2

हे प्रभु, आपने मुझे अपने नियमों की ऊँचाइयों तक उठाया है; / हे ईश्वर, मुझे सद्गुणों से सजाएँ, / ताकि मैं आपकी स्तुति कर सकूँ।

हे वचन, मुझे अपने दहिने हाथ से थामकर, / मेरी रक्षा करो और मुझे सुरक्षित रखो, / कहीं पाप की आग मुझे भस्म न कर दे।

महिमा: पवित्र आत्मा के द्वारा सारी सृष्टि का नवीनीकरण होता है, / वह अपनी मूल अवस्था में लौटती है; / क्योंकि वह पिता और वचन के समान है।

और अब: हम वही दोहराते हैं।

प्रत्युत्तर 3

जो मुझसे कहने लगे, 'आओ हम प्रभु के आँगनों में चलें', / मेरे आत्मा ने आनंद मनाया, / और मेरा हृदय भी उसके साथ आनंदित हुआ।

दाऊद के घर में महान भय है; / क्योंकि वहाँ, व्यवस्थित सिंहासनों के सामने, / सभी का न्याय किया जाएगा: पृथ्वी के कुल और राष्ट्र।

महिमा: सम्मान, आराधना, महिमा और शक्ति / पवित्र आत्मा को अर्पित की जानी चाहिए, जैसा कि पिता और पुत्र के लिए उचित है; / क्योंकि त्रित्व सार में एक है, लेकिन व्यक्तियों में नहीं।

और अब: हम वही दोहराते हैं।

प्रोकेइमेनोन, स्वर 1

'अब मैं उठूँगा,' प्रभु कहते हैं, / 'मैं अपने आप में उद्धार प्रकट करूँगा; मैं इसे स्पष्ट रूप से बताऊँगा।' **पद:** प्रभु के वचन शुद्ध हैं। भजन संहिता 11:6ख, 7क

दूसरा प्रोकीमेनन: जो कुछ भी साँस लेता है / वह प्रभु की स्तुति करे। **श्लोक:** उसके पवित्र लोगों में परमेश्वर की स्तुति करो; उसकी सामर्थ्य के मंडप में उसकी स्तुति करो। भजन संहिता 150:6, 1

रूस की भूमि में प्रकट हुए सभी संतों के सम्मान में एक सेवा

दूसरा रविवार सुबह का सुसमाचार ,
मार्क से , 70 से शुरू

उन दिनों , सब्त के बाद, मरियम मग्दलीनी , याकूब की माता मरियम और सलोमी ने मसाले खरीदे ताकि वे जाकर यीशु को अभिषेक कर सकें। सप्ताह के पहले दिन, बहुत भोर में , सूर्य उदय होने पर, वे कब्र पर आईं और एक-दूसरे से कहने लगीं , 'कब्र के मुँह से हमारे लिए पत्थर कौन हटाएगा?' और उन्होंने ऊपर देखकर देखा कि पत्थर हटा दिया गया था; और वह बहुत बड़ा था। और कब्र में प्रवेश करके , उन्होंने दाहिनी ओर बैठे एक जवान को देखा , जो श्वेत वस्त्र पहने हुए था; और वे डर गईं। परन्तु उस ने उनसे कहा, 'डरो नहीं। तुम नासरी यीशु को ढूंढ़ रही हो, जिसे क्रूस पर चढ़ाया गया था; वह जी उठे हैं ; वे यहाँ नहीं हैं। यह वही स्थान है जहाँ उन्हें रखा गया था। परन्तु जाओ, उनके चेलों और पतरस से कह दो कि वे तुम्हारे से पहले गलील में जा रहे हैं ; वहाँ तुम उन्हें देखोगे , जैसा उन्होंने तुम्हें पहले से ही बता दिया था।' और वे निकलकर कब्र से भाग गईं , क्योंकि उन्हें भय और विस्मय ने पकड़ लिया था, और उन्होंने किसी से कुछ भी नहीं कहा, क्योंकि वे डर गई थीं।

मरकुस 16:1–8

ईस्टर भजन

मसीह के पुनरुत्थान को देखकर , / आओ हम पवित्र प्रभु यीशु की आराधना करें , / जो एकमात्र पापरहित हैं। / हे मसीह, हम तेरे क्रूस की आराधना करते हैं , / और तेरे पवित्र पुनरुत्थान का गायन और महिमा करते हैं , / क्योंकि तू ही हमारा परमेश्वर है , / हम तुझसे बिना किसी और को नहीं जानते , / हम तेरे नाम का आह्वान करते हैं। / आओ, हे सभी विश्वासियों , / हम मसीह के पवित्र पुनरुत्थान की आराधना करें , / क्योंकि देखो , क्रूस के द्वारा / संपूर्ण जगत में आनंद आया है। / सदैव प्रभु का धन्यवाद करते हुए , / हम उनके पुनरुत्थान का गीत गाते हैं , / क्योंकि उन्होंने , सूली पर चढ़ाए जाने के बाद, / मृत्यु को मृत्यु से कुचल डाला।

भजन संहिता 50।

महिमा: प्रेरितों की प्रार्थनाओं के द्वारा , हे दयालु , हमारे पापों की भीड़ को मिटा दो।

और अब: परमेश्वर की माता की प्रार्थनाओं के द्वारा , हे दयालु , हमारे पापों की भीड़ को मिटा दो।

फिर, स्वर 6: हे परमेश्वर , अपनी महान दया के अनुसार मुझ पर दया करें , और अपनी अनुग्रहों की बहुतायत के अनुसार मेरे अधर्म को मिटा दें।

और स्टिचेरा : यीशु कब्र से जी उठे हैं , / जैसा उन्होंने पूर्व में बताया था, / हमें अनंत जीवन / और महान दया प्रदान करते हुए।

और प्रार्थना : हे ईश्वर , अपने लोगों को बचा:

पुनरुत्थान के कैनन , स्वर 6 में , स्वर 4 में एक इरमोस के साथ, स्वर 2 में एक थियोटोकोस स्टिचेरा और स्वर 8 में संतों का एक स्टिचेरा।

ईस्टर कैनन , स्वर 1।
ओड 1

इरमोस: हे अमर, तेरा विजयी दाहिना हाथ, / दिव्य शक्ति से महिमामय हुआ है : / क्योंकि सर्वशक्तिमान होकर, इसने शत्रुओं को कुचल दिया, / और इस्राएलियों के लिए गहराइयों के बीच / एक नया मार्ग प्रशस्त किया।

पुनरावृत्ति : महिमा हो, हे प्रभु , तेरे पवित्र पुनरुत्थान की।

हे प्रभु , जिन्होंने आरम्भ में दिव्य शक्ति से , अपने अतिपवित्र हाथों से मुझे धूलि से बनाया, आपने क्रूस पर अपने हाथ फैलाए , और मेरी मृत्युशील देह को पृथ्वी से अपनी ओर बुलाया , जिसे आपने कुँवारी से प्राप्त किया था।

उन्होंने मेरे लिए मृत्यु को सहन किया / और अपनी आत्मा को मृत्यु के हवाले कर दिया, / उन्होंने जिन्होंने मेरी आत्मा में दिव्य श्वास फूंकी ; / और, मुझे शाश्वत बंधनों से मुक्त करके और स्वयं के साथ मुझे उठाकर, / उन्होंने मुझे अमरत्व से गौरवान्वित किया है।

थियोटोकोस: हर्षित हो, अनुग्रह का फव्वारा ; / हर्षित हो, स्वर्ग की सीढ़ी और द्वार ; / हर्षित हो, दीपक और स्वर्ण पात्र / और अडिग पर्वत , / जिन्होंने संसार को जीवन दाता मसीह को जन्म दिया।

परम पवित्र थिओटोकोस के लिए कैनन , स्वर 1।
गीत 1

हे सर्वशक्तिमान माता, हम अपनी दुर्बलता में आपके लिए कौन-सा गीत अर्पित करें , / उस आनंदित गीत के विचार जिसे गब्रियल ने हमें गुप्त रूप से सिखाया था: / 'हे कुँवारी माता, परमेश्वर की माता, आनंदित हो, / हे माता, जिन्होंने विवाह नहीं जाना!'

स्वर्गीय सेनाओं के राजा की सदा-कुंवारी और माता को, / हम अपनी निष्ठा के अनुसार , शुद्धतम हृदय से , / आत्मा में पुकारें : / 'हे परमेश्वर की कुंवारी माता, आनंदित हो, / हे अविवाहित माता!'

पवित्रजनों का कैनन , स्वर 8
ओड 1

इरमोस: हे लोगों , हम एक गीत गाएँ , / हमारे अद्भुत ईश्वर के लिए, / जिन्होंने इस्राएल को दासता से मुक्त किया, / विजय का गीत गाते हुए और पुकारते हुए : / 'हे एकमात्र प्रभु , हम तेरा गीत गाएँगे !'

पुनरावर्तन : रूसी भूमि के सभी संतों , हमारे लिए ईश्वर से प्रार्थना करो।

आओ हम सब एक स्वर में स्तुति -गीत गाएँ / हमारे दैवीय पिताओं की, जो धार्मिकता में दमक उठे , / जिन्हें रूसी भूमि के प्रत्येक स्थान और क्षेत्र ने जन्म दिया, / और जिन्हें रूसी चर्च ने पोषित किया।

हे सात पवित्र बिशपों , आनंद मनाओ: / बेसिल , एफ्रेम , यूजीन , एल्पिडियस , / अगाथोडोरस, एफेरियस और कैपिटो , / जिन्होंने चेरसोनेसोस में बिशप के रूप में सेवा की / और अपने रक्त की धाराओं से हमारी भूमि को पवित्र किया।

आओ, शहीदों के विश्वासयोग्य प्रेमियों , / गीतों से रूस के प्रथम शहीदों का सम्मान करें : / थियोडोर और युवा जॉन, / जिन्होंने मूर्तियों की सेवा करने से इनकार कर दिया / और मसीह के लिए अपना रक्त बहाया।

हे ईश्वर में बुद्धिमान ओल्गा , तुम हमारी महिमा और स्तुति हो, / क्योंकि तुम्हारे द्वारा हम शैतान की धोखाधड़ी से मुक्त हुए हैं। / उन लोगों के लिए प्रार्थना करना अब भी बंद न करना, / जिन्हें तुमने ईश्वर तक पहुँचाया है।

खुश हो और आनंदित हो, मसीह के सेवक , / महान और बुद्धिमान राजकुमार व्लादिमीर , हमारे प्रकाशक : / क्योंकि तेरे द्वारा हम सभी को मुक्ति मिली है / आत्मा -विनाशकारी मूर्तिपूजा से। / अतः हम तुझसे पुकारते हैं , 'खुश हो!'

ईश्वर के पवित्र पिता मिकिल स्वर्ग में एक तारे की तरह चमकते हैं , / जिन्होंने दिव्य विश्वास के ज्ञान के प्रकाश से रूस की भूमि को प्रबुद्ध किया / और एक नए लोगों को प्रभु के पास लाए, / जिन्हें बपतिस्मा के कुंड से नवीनीकृत किया गया।

महिमा: हे मसीह के धन्य यातना-भोगियों, / राजकुमार बोरिस, ग्लेब और इगोर, / और माइकल, बोयार थियोडोर के साथ! / अपनी मातृभूमि को न भूलें : / अकाल और विपत्तियों को दूर भगाएँ, / और हम पर, जो आप में अपनी आशा रखते हैं, / आंतरिक कलह और हर पाप से बचाएँ।

और अब, हे परमेश्वर की माता: स्वर्गदूतों की सेनाओं के साथ, हे सर्वोच्च देवी, / भविष्यवक्ताओं, प्रेरितों और सभी संतों के साथ, / हम पापियों के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करो, / जिन्होंने रूसी भूमि में आपके संरक्षण के पर्व को गौरवान्वित किया है।

कथावासिया: मैं अपना मुख खोलूँगा, / और वह पवित्र आत्मा से भर जाएगा; / और मैं रानी और माता से बोलूँगा, / और मैं आनंद से दीप्तिमान होकर प्रकट होऊँगा, / और मैं उनके चमत्कारों का आनंदपूर्वक गायन करूँगा।

भजन 3

इरमोस: हे केवल तू, जो नश्वर स्वभाव की दुर्बलता को जानता है, / और दया से उसके सदृश हो गया! / मुझे ऊपर से शक्ति से सुसज्जित कर, ताकि मैं तुझसे पुकार सकूँ : / 'हे मानवजाति के प्रेमी, / तेरी परम पवित्र महिमा का जीवित मंदिर पवित्र है !'

हे परम-पुण्यवन्तः, मेरे ईश्वर होकर, / आपने एक पतित प्राणी पर दया की, / और मुझ पर कृपा करने की कृपा की, / अपने क्रूस पर चढ़ने के द्वारा मुझे गौरवान्वित करते हुए, / ताकि मैं आपसे पुकार सकूँ : / 'महिमा का प्रभु पवित्र है, / अपनी भलाई में अगम्य !'

अवतारित जीवन होकर, हे ख्रीस्त, / फिर भी, एक दयालु ईश्वर के रूप में, आपने स्वयं को मुझमें, जो खो गया था, ओढ़ लिया, / और मृत्यु की धूल में उतरकर, हे प्रभु, / आपने मृत्यु के बंधन तोड़ दिए / और, तीसरे दिन उठकर, / मृतकों को अमरत्व का वस्त्र पहनाया।

ईश्वर की माता को स्तुति -गीत: पवित्र आत्मा द्वारा अपने गर्भ में ईश्वर को धारण करके, हे कुँवारी, तुम अक्षुण्ण रहीं : क्योंकि जलती हुई झाड़ी, जो जल गई पर भस्म नहीं हुई, ने विधि-दाता मूसा को स्पष्ट रूप से तुम्हारा पूर्वानुमान दिया, कि तुम वह हो जो असह्य अग्नि ग्रहण करेगी।

ईश्वर की माता के लिए कैनन

हे कुँवारी, हम तुम्हें व्यर्थ में / एक हल्के बादल नहीं कहते, / भविष्यवाणी के वचनों का अनुसरण करते हुए : / क्योंकि प्रभु तुम्हारे द्वारा आए, / मिस्र की झूठी मूर्तियों को उखाड़ फेंकने / और उनकी सेवा करने वालों को प्रकाशित करने।

भविष्यवक्ताओं के समूह ने वास्तव में आपको एक सीलबंद झरना / और एक बंद द्वार कहा है ; / ये हमारे लिए स्पष्ट रूप से अंकित प्रतीक हैं / आपकी कुँवारीपन के, सर्व - महिमामयी, / जिसे आपने प्रसव के बाद भी बनाए रखा।

संतों के लिए कैनन। इरमोस: प्रभु के समान कोई पवित्र नहीं, / और हमारे परमेश्वर के समान कोई धर्मी नहीं, / जिसे सारी सृष्टि गाती है : / 'हे प्रभु, आप से अधिक धर्मी कोई नहीं !'

गुफाओं की महान लावरा, जिसे अपनी नींव आपसे प्राप्त हुई, / आदरणीय और महिमामय पिता एंथनी से, / जो सभी रूसी संतों के पूर्वज हैं, / इसे महिमामय रूप से घोषित करती है और तुरही से भी ऊँचे स्वर में उद्घोषित करती है ; / जबकि ईश्वर की माता का घर आनंदित होता है और ईश्वर की स्तुति करता है, यह गाते हुए : / 'हे प्रभु, आप द्वारा मैं स्थापित हूँ !'

आओ हम आनंदपूर्वक उस महिमाशाली की स्तुति करें जो चमत्कारों में अद्भुत और गुणों में महान थे, / रूस में मठवासी सामुदायिक जीवन के प्रणेता, / मसीह और परमेश्वर की अति पवित्र माता के गौरवशाली सेवक, धन्य थियोडोसियस, / नेस्टर, स्मरणीय कृत्यों के वृत्तांतकार, के साथ, / और अलीपियस, रूस में चित्रकला के संस्थापक।

हे आध्यात्मिक स्वर्ग, गुफाओं का पवित्र पर्वत, / जिसने अनेक बुद्धिमान वृक्ष —धन्य पिताओं को—उगाया है; / हम उन सभी को नाम से गिन नहीं सकते, / और हम उन सभी के लिए एक साथ स्तुति और गीत अर्पित करेंगे / एकमात्र प्रभु को।

शहीद एंथनी, और दृढ़ यूस्टैथियस, जॉन के साथ, / लिथुआनिया की भूमि की शोभा, / जिसने ओल्गेर्ड के घमंड को चूर कर दिया! / अपने कुलजनों और हम सभी की रक्षा करें / अन्य धर्मों वालों की दुर्भावनापूर्ण कल्पनाओं से।

अपने सांसारिक स्वदेश के लिए मध्यस्थ बनें, / पूज्य शहीद अथेनासियस, और हे युवा गैब्रियल! / हमें भी सिखाएँ कि हम निडर होकर ऑर्थोडॉक्स धर्म की घोषणा करें / और शत्रु से न डरें।

आदरणीय जोब, पोचाइव लावरा की शोभा, वोल्हिनिया के सभी संतों और चमत्कार करने वालों के साथ, जिन्होंने अपने कर्मों और चमत्कारों से हमारे देश के दूर-दराज के क्षेत्रों को गौरवमय रूप से प्रकाशित किया, सम्मानित हों।

महिमा: पवित्र भजनों के साथ हम स्तुति करें / कॉन्स्टेंटिनोपल के पवित्र धर्मगुरु अथेनासियस की, / जिन्होंने रूस की भूमि पर अपना आशीर्वाद लाया / और हमें अपनी पवित्र अवशेषें दीं, / सार्वभौमिक चर्च के साथ एकता की गारंटी के रूप में।

और अब, हे परमेश्वर की माता: देखो, परमेश्वर की अति पवित्र माता के मध्यस्थता का समय आ गया है, / क्योंकि परीक्षाएँ बढ़ गई हैं; / देखो, हे भाइयो, उसकी ओर हमारी आहें भरने का समय आ गया है; / अतः हम पूरे हृदय से पुकारें: / 'हे सर्वशक्तिमान माता, हे सर्वशक्तिमान माता, अपने लोगों की सहायता करो!'

कातावासिया: हे परमेश्वर की माता, आपके स्तोत्र-गायक, / – एक जीवित और प्रचुर झरना, / जिन्होंने इस आध्यात्मिक भोज का आयोजन किया है, उन्हें बल प्रदान करें / और अपनी दिव्य महिमा में / उन्हें महिमा के मुकुट प्रदान करें।

संतों के लिए कोंटाकियन, स्वर 3

आज के दिन, हमारे देश के वे संतगण जिन्होंने परमेश्वर को प्रसन्न किया, मंदिर में उनके समक्ष खड़े हैं / और हमारी ओर से परमेश्वर से अदृश्य रूप में प्रार्थना करते हैं। / स्वर्गदूत उनकी स्तुति में शामिल होते हैं / और मसीह की कलीसिया के सभी संत उत्सव मनाते हैं –/ क्योंकि वे सभी मिलकर हमारी ओर से शाश्वत परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं।

इकोस: एडेन के बगीचे के फलदायी और सुंदर पेड़ों की तरह, संत भी ऐसे ही प्रकट हुए हैं, जो अपनी शिक्षाओं के सुगंधित फूल और अपने कर्मों के फल लिए हुए हैं: उनसे हमारी आत्मा पोषित होती है, और हमारी आध्यात्मिक भूख मिटती है। / आओ, तो चलिए, हम उनके साये में शरण लें / और उन्हें हमारी भूमि के आनंद और भूषण के रूप में स्तुति करें, / और जीवन के आदर्श तथा हमारे लिए एक उदाहरण के रूप में: / क्योंकि उन्होंने अनश्वर मुकुट प्राप्त किए हैं / शाश्वत ईश्वर से।

सेडालेन, स्वर 4

धर्म का सूर्य –मसीह–/ ने तुम्हें किरणों की तरह भेजा है, / रूसी भूमि को प्रकाशित करने के लिए, / हे परमेश्वर के संतों, जो हमारे ही लोगों में से प्रकट हुए हैं; / अतः, मेरी अंधकारमय आत्मा को प्रकाशित करो / अपनी दिव्य प्रार्थनाओं से, / हे परमेश्वर में धन्य लोगों!

महिमा, और अब, वही स्वर: हे विश्वासियों, हम शरण लें, / हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर के दिव्य और जीवन-दायक वस्त्र में, / जिन्होंने इसे अपने शरीर पर धारण करने की कृपा की / और क्रूस पर अपना पवित्र रक्त बहाया, / जिससे उन्होंने हमें शत्रु के बंधन से

छुड़ाया। / अतः, कृतज्ञतापूर्वक, हम उनसे पुकारते हैं: / 'हमारी मातृभूमि, हमारे बिशपों, और हमारे नगर को बचाओ, / और अपनी पवित्र वस्त्र से सभी लोगों की रक्षा करो / और हे मानवता के प्रेमी, हमारी आत्माओं को बचाओ!'

भजन 4

इरमोस: हे प्रभु, आप दिव्य अनुग्रह से छाया-ग्रस्त पर्वत के समान थे, / जिन्हें हबक्कूक ने अपनी सूक्ष्मदृष्टि से देखा, / जिसने भविष्यवाणी की थी कि आपसे ही इस्राएल का पवित्र एक / हमारे उद्धार और नवीनीकरण के लिए आएगा।

यह उद्धारकर्ता कौन है, जो एदोम से आया है, / काँटों का मुकुट पहने, रक्तरंजित वस्त्रों में, जो सूली पर टंगा है? / यह इस्राएल का पवित्र है, जो आया है / हमारे उद्धार और नवीनीकरण के लिए।

हे विद्रोही लोगों, देखो और लज्जित हो जाओ: / क्योंकि जिसे तुमने, एक अपराधी की तरह, / मूर्खतापूर्वक पीलातुस से क्रूस पर ठोकने का आग्रह किया था, / उसने मृत्यु की शक्ति को नष्ट कर दिया है, / और दिव्य रूप से कब्र से पुनरुत्थान किया है।

ईश्वर की माता को: हे कुँवारी, हम आपको जीवन का वृक्ष मानते हैं; / क्योंकि आपसे वह फल उत्पन्न हुआ, / जो उसे ग्रहण करने वालों के लिए मृत्यु नहीं लाया, / बल्कि हमें, जो आपकी स्तुति करते हैं, / हमारे उद्धार के लिए अनंत जीवन का आनंद दिया।

ईश्वर की माता के लिए कैनन

हे स्वर्ग, अद्भुत कार्य सुनो, / और हे पृथ्वी, कान लगाओ: / आदम की पुत्री, जो धूल से बनी और पतित हुई, / उसे परमेश्वर और अपने सृष्टिकर्ता की माता कहा जाता है / हमारे उद्धार और नवीनीकरण के लिए।

हम तेरे महान / और भयानक रहस्य का गान करते हैं; / क्योंकि संसार के उच्चतम आदेशों से गुप्त रूप से, / वह जो है, तेरे ऊपर अवतरित हुआ, / ऊन पर वर्षा की तरह, सर्व-महिमामय, / हमारे उद्धार और नवीनीकरण के लिए।

पवित्रजनों के लिए कैनन। इरमोस: छायादार पर्वत से, ईश्वर की एकमात्र माता, / वही जिन्होंने मूर्तिमान होने की इच्छा की—आप, वचन— / नबी ने ईश्वर-प्रकाशित दृष्टि से देखा / और भक्तिपूर्वक आपकी शक्ति की महिमा की।

प्रभु ने आपको, धन्य राजकुमार दानियेल, / मास्को नगर के संस्थापक और निर्माता के रूप में प्रकट किया; / उनसे अनवरत प्रार्थना करते हुए, अपने नगर की रक्षा करें, / हमारी भूमि को विपत्तियों से बचाएँ / और अपनी दया से ऑर्थोडॉक्स लोगों का दर्शन करना कभी न बंद करें।

हे मसीह के पवित्र धर्मगुरुगण, हम आपसे प्रार्थना करते हैं: पतरस, अलेक्सियस, योना और फिलिप, फोतीयस, साइप्रियन और थियोग्नोस्टस, तथा मास्को के अन्य सभी चमत्कार-कर्ता: हमारी आत्माओं में व्याप्त कलह और हमारे दुखों के तूफान को दूर करें, और ईश्वर के प्रति अपनी प्रार्थनाओं के द्वारा हमें शांति प्रदान करें।

आप रूसी चर्च के प्रमुख / और ऑर्थोडॉक्स धर्म के एक स्वीकारकर्ता, / पापियों और विद्रोहियों के तिरस्कारकर्ता, / और हमारे राज्य के निर्माता थे, संत हरमोजेनस; / और इसके लिए आपको कारावास और भूख से पीड़ा दी गई / और, ईश्वर से एक अक्षय मुकुट प्राप्त करके, / आप अब संतों और शहीदों के साथ आनंदित हैं।

अब मास्को का गौरवशाली नगर हर्षित है, / और सम्पूर्ण रूस आनंद से भर गया है, / हे ईश्वर-धन्य सर्गियस, आपकी प्रार्थनाओं में अपनी आशा रखते हुए; / जबकि आपका मठ

वैभव से शोभित है, जो आपके पवित्र अवशेषों को संजोए हुए है, / एक अक्षय और अद्भुत खजाने के रूप में।

आओ हम पवित्र भजनों से स्तुति करें / आदरणीय निकोन की, आज्ञाकारिता के उत्साही पालनकर्ता की; / आओ हम उनके साथ माइकल, सव्वा और डायोनिसियस की गाएं, / स्टीफन, एंड्रोनिकस और सव्वा की / और महान सर्गियस के सभी आदरणीय शिष्यों और साथियों की, / जिनकी प्रार्थनाओं से रूस के पुत्र उद्धार पाते हैं।

हे परम बुद्धिमान बेसिल, मैक्सिमस और मास्को के जॉन, / और मसीह के लिए सभी रूसी पवित्र मूर्ख, जीवन और बुद्धि में अद्भुत! / हम आपसे विनती करते हैं, हे धन्यजनों: / हमारे ईश्वर मसीह से अपनी सांसारिक मातृभूमि के लिए प्रार्थना करें, / और सभी विश्वासियों के लिए उद्धार की याचना करें।

महिमा: कलुगा के जंगली प्रदेश में एक नया स्तंभ बनकर आप प्रकट हुए, हे पूज्य तिखोन, और संन्यासवाद के कठोर रक्षक, पूज्य पाफनुतीयस तथा धन्य लॉरेंस के साथ मिलकर, आपने अपनी भूमि में स्वर्गीय नगर तक एक विश्वासपूर्ण मार्ग प्रशस्त किया; अपनी प्रार्थनाओं द्वारा उस पर हमारी भी रक्षण करें।

और अब, हे परमेश्वर की माता: इवेरोन के प्रतिमा के सदृशता के द्वारा, न केवल माउंट अथोस प्रकाशित हुआ है, बल्कि मास्को का शहर भी सुशोभित हुआ है, और अन्य नगर तथा गाँव पवित्र हुए हैं, जो इससे अद्भुत सहायता प्राप्त करते हैं और इसमें चंगाई का एक फव्वारा पाते हैं; और हे दयालु द्वारपाल, हमारे लिए स्वर्ग के द्वार खोलो।

कातावासिया: महिमा में विराजमान / दिव्यता के सिंहासन पर, / एक प्रकाशमय बादल पर, / परम दिव्य यीशु आए, / एक निर्दोष हाथ द्वारा धारण किए हुए, / और उन लोगों को बचाया जिन्होंने पुकारा: / 'महिमा, हे मसीह, तेरी शक्ति को!'

गीत 5

इरमोस: हे मसीह, जिन्होंने अपने आगमन के वैभव से संसार के छोरों को प्रकाशित किया है, / और उन्हें अपने क्रूस से शुद्ध किया है! / उन लोगों के हृदयों को प्रबुद्ध करें / जो ऑर्थोडॉक्स विश्वास में तेरा गायन करते हैं, अपनी दिव्य ज्ञान की ज्योति से।

भेड़ों के महान रखवाले और यहूदियों के प्रभु को क्रूस के वृक्ष पर मृत्युदंड दिया गया; परन्तु उन्होंने, मृतकों के राज्य में दफ़न भेड़ों के समान, उन्हें मृत्यु के अधिकार से मुक्ति दिलाई।

अपने क्रूस के द्वारा संसार में सुसमाचार का प्रचार करके / और हे मेरे उद्धारकर्ता, बंदियों की रिहाई की घोषणा करके, / हे मसीह, आपने शासक को लज्जित किया है, / उसे अपनी दिव्य पुनरुत्थान के द्वारा असहाय और शक्तिहीन प्रकट करके।

थियोटोकोस को: विश्वास के साथ अर्पित प्रार्थनाओं को तिरस्कार न करें, हे सर्व-महिमामयी, / परन्तु उन्हें स्वीकार करें और उन्हें अपने पुत्र के समक्ष प्रस्तुत करें, हे परम-पवित्र, / ईश्वर, एकमात्र कल्याणकर्ता के पास, / क्योंकि हम आपको अपनी रक्षिका के रूप में पाते हैं।

ईश्वर की माता के प्रति कैनन

स्वर्गीय सेनाएँ आपको निहारकर आनंदित होती हैं, / और नश्वर प्राणियों का समुदाय उनके साथ आनंदित होता है: / क्योंकि हे ईश्वर की कुँवारी माता, / आपसे मसीह के जन्म के द्वारा वे एक हो गए हैं, / जिसकी हम यथोचित रूप से महिमा करते हैं।

सभी मानव जीभें और विचार जागृत हों / मानवता की सच्ची शोभा का गुणगान करने के लिए; / कुँवारी माता स्पष्ट रूप से हमारे बीच उपस्थिति हैं , महिमामय करती / जो विश्वास के साथ उनके चमत्कारों का गायन करते हैं।

संतों के लिए कैनन। इरमोस: मुझे वासनाओं के कुहरे से , / जैसे गहरी रात से , बचाते हुए , / हे मसीह, मैं प्रार्थना करता हूँ , यह अनुग्रह करो कि मेरी आत्मा भोर से ही जागती रहे , / तेरी आज्ञाओं के दिन के प्रकाश से।

वेलिकी नोवगोरोद के प्रथम चरवाहे : निकिता, निफोंट , जॉन, थियोक्टिस्ट , / मूसा , यूथिमियस , योना और सेरापियन / और अन्य अद्भुत संत , / आप परमेश्वर की बुद्धि के घर में खजूर के पेड़ों की तरह फलते -फूलते रहे , / फलदायी वचनों और निर्दोष जीवन के द्वारा।

नोवगोरोड के राजकुमारों की आनंदपूर्वक स्तुति हो: / व्लादिमीर , सेंट सोफिया कैथेड्रल के अद्भुत संस्थापक , / अपनी माता अन्ना , और मस्तिस्लाव और थियोडोर के साथ; / उनके साथ, रूसी राजपरिवार के वे सभी सदस्य जो ईश्वर को भाने वाले जीवन द्वारा चमके , / वे दिव्य भजन गाएँ।

मनुष्यों में से कौन योग्य रूप से महिमा कर पाएगा अद्भुत बार्लाम की, जो वेलिकी नोवगोरोद की महिमा और शोभा हैं , / पूरे रूस का दीपक, / और महिमामय एंथनी की, जो रोम से एक चट्टान पर समुद्र की लहरों को पार कर आए, / साथ ही सवा, एफ्रेम और माइकल की?

आओ, हम आदम के बगीचे के फूलों को निहारें / जो शाश्वत रूप से जीवित हैं और ईश्वर द्वारा पोषित हैं / – हमारे पूर्वज , जो नोवगोरोड की सीमाओं के भीतर अपने कर्मों से दमकते थे , / जिन्हें एकमात्र प्रभु ने संवारा है।

वसेवोल्द सौम्य और डोवमोंट , प्सकोव की अभेद्य दीवार, / और धन्य निकोलस, और पूजनीय कोर्नेलियस , / जिन्होंने पवित्र बपतिस्मा द्वारा लिथुनिया के चुद्स को प्रकाशित किया, / वे स्तुति गाएँ।

जो लैटिनों से पहले ऑर्थोडॉक्स धर्म का प्रचार करते थे , / और शाश्वत निवासों में आरोहण किया: / इसिडोर द प्रेसबिटिर और उनके साथ युर्येव , लिथुआनिया के नगर में शहीदों का समुदाय। / अब राजाओं के राजा के सामने खड़े होकर, / वे हम पर कृपा करते हैं जो उनकी स्मृति का सम्मान करते हैं।

महिमा: परमेश्वर -वाहक अब्राहम , स्मोलेंस्क का भूषण , / और यूफ्रोसीन , पोलोत्स्क का आनंद और कुंवारी कन्याओं की प्रज्ञा , / हम आपको अर्पित करते हैं , हे मेरे मसीह, मध्यस्थों के रूप में ; / उनके लिए, हमें बचाओ।

और अब, हे परमेश्वर की माता: आप एक बार वेलिकी नोवगोरोद के लिए एक दयालु मध्यस्थ बनीं , / और निराशों के लिए एक आशा, और संकट में पड़े लोगों के लिए एक सहायक। / और अब, हम पर अपनी दयालु दृष्टि डालिए / और, हमारी पीड़ाओं को देखकर और हमारे आहों को सुनकर , / हे सर्व -पवित्र , हमें अपनी दया का एक संकेत दिखाइए।

कटवाशिया: संपूर्ण जगत तेरी दिव्य महिमा से चकित है / हे कुँवारी , जिसने पति को न जाना, / तूने परमप्रभु ईश्वर को अपनी कोख में धारण किया / और शाश्वत पुत्र को जन्म दिया, / जो तेरी स्तुति करने वालों सभी को शांति प्रदान करता है।

गीत 6

इरमोस: हम सबसे गहरे गर्त में डूब गए हैं , और हमारा उद्धार करने वाला कोई नहीं है : / हमें वध के लिए चरागाह के भेड़ों की तरह गिना गया है। / हे हमारे ईश्वर , अपने लोगों को बचा; / क्योंकि तू ही दुर्बलों की शक्ति और उनका उद्धार है।

रूस की भूमि में प्रकट हुए सभी संतों के सम्मान में एक सेवा

हे प्रभु, प्रथम मनुष्य के पाप से हम गंभीर रूप से पीड़ित हुए; परन्तु हम तेरे घावों से चंगे हुए हैं, जिनसे तू हमारे लिए पीड़ित हुआ, हे मसीह; क्योंकि तू निर्बलों की शक्ति और हमारा पुनरुद्धार है।

हे प्रभु, आपने हमें नरक से ऊपर उठाया है, / हे सर्वशक्तिमान, सर्वभक्षी वेल को परास्त करके, / और अपनी सामर्थ्य से उसकी शक्ति को नष्ट किया; / क्योंकि आप जीवन, और प्रकाश, और पुनरुत्थान हैं।

थियोटोकोस: हमारी जाति के पूर्वज आप में आनंदित हैं, हे परम पवित्र कुँवारी, / क्योंकि उन्होंने आपके द्वारा ईडन का बगीचा पुनः प्राप्त किया है, / जिसे उन्होंने अपने अपराध के कारण खो दिया था; / क्योंकि आप प्रसव से पहले और बाद, दोनों ही अवस्थाओं में निर्दोष हैं।

ईश्वर की माता के लिए कैनन

सेवकों की भाँति, स्वर्ग के दूत / तेरे प्रसव का दृश्य देखकर खड़े हैं, / तेरे बिना बीज के गर्भधारण पर विस्मित होकर; / क्योंकि तू, सदा-कुँवारी, निर्मल है / जन्म से पहले और जन्म के बाद भी।

हे परम पवित्र, तुमसे, / वचन, जो पूर्व में अव्यक्त थे, / ने देह धारण किया, / अपनी ही इच्छा से सभी को रचते हुए, / अव्यक्त प्राणियों की सेनाओं को अस्तित्व में लाए, / सर्वशक्तिमान के रूप में।

संतों के लिए कैनन। इरमोस: जो अनेक पापों से घिरा है / और जो आपकी करुणा से चिपका है, / मुझे एक भविष्यवक्ता के रूप में स्वीकार करें, / हे प्रभु, मानवता के प्रेमी, और मुझे बचाएँ।

सुसमाचार के अनुसार मसीह से प्रेम करके, पूजनीय जोसिमा, सव्वती, जर्मन, इरिनारह, एलेज़र और अन्य सोलोवेत्स्की चमत्कार-कर्ता, ने संसार से मुंह मोड़ लिया; / अविगम्य और सुनसान सोलोवेत्स्की द्वीपों पर आकर, / आपने हर प्रकार के सद्गुण अर्जित किए, / बुद्धिमान मधुमक्खी के समान होकर, / और बन गए, हे अति बुद्धिमानों, / पवित्र आत्मा को ग्रहण करने के योग्य एक निवास।

आओ हम पूजनीय त्रिफ़ोन का भजन करें, जो चमत्कारों में महान थे, लोपारिया के प्रकाशक, जो उत्तरी भूमि के दूरस्थ प्रदेशों में प्रकट हुए, और लोगों को राक्षसों के कड़वे बंधन से मुक्त किया, और उन्हें पवित्र बपतिस्मा के द्वारा प्रकाशित किया।

हे मरुभूमि, आनंद मनाओ, जो कभी बाँझ और निर्जन थी, / परन्तु जो तब, एक लिली की तरह, खिल उठी / और भिक्षुओं की एक भीड़ को जन्म दिया! / हे बलाम के पहाड़ों, और ओक के जंगलों के सभी पेड़ों, आनंद मनाओ, / सर्जियस और हरमन की स्तुति करते हुए, / और उनके साथ कोनेव के आर्सेनियस और स्विर के अलेक्जेंडर, / सर्व-स्तुत्य पितरों की।

आप, पूज्य सिरिल, / इस जीवन की तूफानी गहराइयों को शांतिपूर्वक पार कर गए, / ईश्वर की माता को अपने नाविक के रूप में लेकर, / और आप, जोसेफ, वोल्त्सक का गौरव, / और नील, संसार से परे; / शांत जल के किनारे और आत्म-त्याग के चरागाह में / आपने बुद्धिमानी से अपने शिष्यों के झुंड का पालन-पोषण किया, / और अब, उनके साथ मिलकर, प्रार्थना करें / जो आपकी स्मृति का सम्मान करते हैं।

आप महान तारों की तरह मठवासी समुदाय की कतारों में दमक उठे, / सिया के एंथनी और व्याटका के त्रिफ़ोन, / प्रिलुका के डेमेट्रियस, और डायोनिसियस और एम्फिलोचियस, ग्लुशित्सा का गौरव, / पेलशेम के ग्रेगरी, वोलोग्दा के पॉल, सर्गियस और कॉर्नेलियस, / हे पूजनीयों, अपने जीवन के सद्गुणों की किरणों के समान दमकते हुए।

ईश्वर को प्रसन्न करने वाले जीवन जीकर, आपने रेगिस्तानों को शहरों में बदल दिया, / मकरियस, बरनबास, और तिकोन, अब्राहम और जेनाडियस। / अतः, अन्य पतियों के साथ, / जो कोस्त्रोमा और यारोस्लाव की सीमाओं के भीतर प्रकाशित हुए, / हम आपकी स्तुति करते हैं और प्रार्थना करते हैं : / 'प्रभु से प्रार्थना करें कि वे हमें भी दिव्य दर्शन से वंचित न करें, / जिसका आप अब आनंद ले रहे हैं / स्वर्गीय राजा के शाश्वत नगर में !'

महिमा: हर्षित हो, रूसी थेबाइड, / हर्षित हों, ओलोनेत्स, बेलोओज़ेरो और वोल्गोदा के मरुभूमि और सुनसान प्रदेश, / जिन्होंने संतों का एक पवित्र और गौरवशाली दल उत्पन्न किया है, / जो अपने चमत्कारी जीवन द्वारा सभी को सिखाते हैं कि संसार से आसक्ति न रखें, / बल्कि अपना क्रूस उठाएँ / और मसीह के पदचिन्हों पर चलें।

और अब, हे परमेश्वर की माता: अपनी अति सम्मानित तिक्विन प्रतिमा के द्वारा, जिसे महान रूस ने, एक दैवीय उपहार के रूप में, ऊपर से श्रद्धापूर्वक प्राप्त किया है, हे माता और रानी, परमेश्वर की माता, हमारी भूमि पर सदैव रक्षा करो और मध्यस्थता करो, इसे शत्रु के सभी आक्रमणों से बचाते हुए।

कातावासिया: जब हम ईश्वर की माता के इस दिव्य और सार्वभौमिक रूप से सम्मानित / उत्सव का जश्न मनाते हैं, / आओ, हे ईश्वर-ज्ञानी, / हम तालियाँ बजाएँ, / उससे उत्पन्न ईश्वर की महिमा करते हुए।

रविवार का कोंटाकियन, स्वर 1

हे प्रभु, तू महिमा में कब्र से उठा / और अपने साथ संसार को भी उठा लिया। / और मानव स्वभाव, ईश्वर के रूप में, तेरा गुणगान करता है, / और मृत्यु पराजित हुई। / आदम आनंदित है, हे प्रभु, / और हव्वा अब, अपने बंधनों से मुक्त होकर, आनंदित है, यह पुकारते हुए : / 'हे मसीह, तू सभी को पुनरुत्थान प्रदान करता है !'

इकोस: हम उस की महिमा करें जो तीसरे दिन सर्वशक्तिमान ईश्वर के रूप में जी उठे, जिन्होंने नरक के द्वारों को चकनाचूर कर दिया, और प्राचीन काल से सभी को कब्र से उठा दिया, जो मूर्ख-वाहकों के सामने अपनी इच्छा से प्रकट हुए, और सबसे पहले उनसे कहा, 'प्रसन्न हो जाओ', और प्रेरितों को जीवन के एकमात्र दाता के रूप में आनंद का प्रचार किया। / इसलिए स्त्रियाँ, विश्वास के साथ, शिष्यों को विजय के चिह्न घोषित करती हैं ; / और नरक कराहता है ; और मृत्यु रोती है ; / परन्तु संसार आनन्दित होता है, और सभी मिलकर प्रसन्न हैं : / क्योंकि हे मसीह, तूने सभी को पुनरुत्थान प्रदान किया है।

भजन 7

इरमोस: हम विश्वासी, हे परमेश्वर की माता, आपको एक आध्यात्मिक भट्टी के रूप में स्वीकार करते हैं ; क्योंकि जैसे परमप्रभु ने तीन युवकों को बचाया, वैसे ही उन्होंने, पूर्वजों के परमेश्वर ने, जिनकी स्तुति और महिमा की जाती है, आपके गर्भ में मेरे पूरे अस्तित्व, एक मनुष्य, को नया किया है।

पृथ्वी काँप उठी, सूर्य छिप गया / और प्रकाश अँधकारमय हो गया, / मंदिर का दिव्य पर्दा फाड़ दिया गया, / और चट्टानें फट गईं, क्योंकि धर्मी को सूली पर चढ़ाया गया था, / हमारे पूर्वजों का परमेश्वर, प्रशंसित और अति महिमामय।

हे परम-उन्नत, आपने स्वेच्छा से / हमारे लिए, मृतकों के बीच / एक प्रकार से असहाय / और घायल हो गए, / हम सभी को मुक्त किया है और, अपने शक्तिशाली हाथ से, / हमें अपने साथ उठाया है, / – हमारे पूर्वजों के परमेश्वर, स्तुत्य और महिमामय।

थियोटोकोस: आनन्दित हो, अनन्त जीवन की धारा का स्रोत ! / आनन्दित हो, आनंद से परिपूर्ण स्वर्ग ! / आनन्दित हो, विश्वासियों की कलि! / आनन्दित हो, हे तुम जो विवाह से परिचित न थीं !

/ आनन्दति हो, हे संपूर्ण संसार के आनन्द , जनिके द्वारा हमारे पतिाओं का स्तुत्य ईश्वर और अतिमहिमामय हमें प्रकट हुआ !

ईश्वर की माता को कैनन

हे परमेश्वर की माता, आपको याकूब ने सीढ़ी पर भवष्यिवाणी के रूप में पूर्वचन्हिति कयिा था; / क्योंकि आपके द्वारा ऊँचेतम पृथ्वी पर प्रकट हुए , / और मनुष्यों के बीच वस गए जैसा उन्होंने स्वयं चाहा, / पूर्वजों के परमेश्वर , स्तुत्य और महमिामय।

हे पवत्रि एक, आनंदति हो! तुमसे उत्पन्न हुआ वह परम-उन्नत , वह चरवाहा जसिने सच्चे रूप में आदम के शरीर को धारण कयिा, – हे मानव, मेरी सम्पूर्ण सत्ता में – अतुलनीय दया से , हमारे पूर्वजों का परमेश्वर , स्तुत्य और अति-महमिान्वति।

संतों के लिए कैनन। इरमोस: एक बार, देइरा के मैदान में , / एक अत्याचारी ने ईश्वर -वाहकों को यातना देने के लिए एक भट्टी स्थापति की: / उसमें , तीन युवकों ने गीत में एकमात्र ईश्वर की महमिा की, / एक स्वर में गाते हुए और उद्घोषति करते हुए : / 'हे हमारे पूर्वजों के ईश्वर , धन्य हैं आप!'

लयिोन्टयिस , यशायाह और इग्नाटयिस , जेम्स और थयिोडोर, / पवत्रि आत्मा के पवत्रि पात्र और रोस्तोव की शोभा, / अब्राहम , जनि्होंने मूर्तपिूजकों को मसीह के पास लाया, / और राजकुमार पीटर और इरनिारह, स्वैच्छकि पीड़ति , / कैसयिन और पैसयिस , प्रसि रोमन और प्रसि दमित्रिी , / और रोस्तोव और उग्लचि के सभी चमत्कारी कार्यकर्ता / दव्यि गीतों के साथ गा सकें।

नेव्स्की का वजिेता , धर्मपरायण राजकुमार अलेक्जेंडर , महमिामय हो, / पराक्रमी जॉर्ज की प्रशंसा हो, / जसिने ईश्वर की कलीसयिा और अपने लोगों के लिए युद्ध में अपना जीवन बलदिान कर दयिा; / रूसी भूमि के आयोजक एंड्रयू की स्तुति हो, / उनके पवत्रि पुत्र ग्लेब के साथ, / और शहीद अब्राहम की, जनि्होंने सुसमाचार के व्यापारी की तरह, अपने कष्टों के द्वारा स्वर्ग के राज्य को खरीदा – / व्लादमिीर शहर का गौरव, रूसी भूमि के रक्षक / और ऑर्थोडॉक्स चर्च की शोभा।

सुज़दाल के प्रकाश स्तंभ , जॉन और थयिोडोर को महमिा हो, / साइमन और डायोनसियिस को; / महान सेरजयिस के साथी, अपने कर्मों में महानतम यूथमियिस , / और सुज़दाल का सबसे तेजस्वी तारा यूफ्रोसीन , / और उनके साथ याख्रोमा नदी पर परश्रिम करने वाले कोस्मास , उनके साथ आनंदति हों।

नकिीता की महमिा हो, पश्चाताप के आदर्श , / जनि्होंने स्तंभ पर यातनाएँ सहन कीं और अपने ही लोगों के हाथों मृत्यु प्राप्त की, / और दानयिेल , मृतकों को दफनाने वाले ; / और उनके साथ, एंड्रयू , जनि्होंने राजसी शासन की महमिा त्याग दी / और एक भखिारी के रूप में अपना जीवन समाप्त कयिा, / पेरयिास्लाव के चमत्कार करने वाले।

मुरोम क्षेत्र के प्रेरति और प्रबोधक , कॉन्स्टेंटनि , / अपने कुलीन पुत्रों थयिोडोर और माइकल के साथ, / और धैर्यवान और धार्मकि , जनि्होंने घमंड के सर्प को पराजति कयिा, पीटर, / अपनी बुद्धमिान पत्नी फेवरोनयिा के साथ / और धर्मी और दयालु जूलयिाना , मुरोम के मध्यस्थ , / पवत्रि बेसलि और रयिाज़ान की महमिा, राजकुमार रोमन, / हमारे लिए मसीह से प्रार्थना करें।

त्वर की महमिा, संत आर्सेनयिस , / माइकल, राजकुमार और शहीद, और अन्ना , काशनि शहर का खजाना; / परमपूजनीय नील और मकरयिस, / एफ्रेम , टॉर्जोक शहर के प्रबोधक , / आर्कैडयिस और जुलयिाना , पवत्रिता के फूल , के साथ, / मसीह से हमारे लिए प्रार्थना करें।

महिमा: आपकी प्रार्थनाओं के हथियार से, विश्वासयोग्य और पूजनीय राजकुमारों, थियोडोर और डेविड कन्स्टेन्टाइन के साथ, और बेसिल और कन्स्टेन्टाइन, यारोस्लाव की महिमा, आपने राक्षसों को पराजित किया और स्वर्ग से यह अनुग्रह प्राप्त किया कि आप उन लोगों की दुर्बलताओं को दूर करें और दुष्ट आत्माओं को भगाएँ जो पुकारते हैं: 'धन्य हो आप, हे हमारे पूर्वजों के ईश्वर!"

और अब, हे परमेश्वर की माता: अनुग्रह के खजाने के रूप में, आपने पवित्र रूस को/ अपनी व्लादिमीर प्रतिमा प्रदान की,/ जिसके द्वारा आपने हमारे पूर्वजों पर अनगिनत और अनेक आशीर्वाद प्रदान किए।/ अब, हे परमेश्वर की माता,/ हमारे विरुद्ध उठने वाली विपत्तियों को दूर करना बंद न करें,/ और रूस की भूमि को बचाएँ।

कातावासिया: धर्मनिष्ठों ने सृष्टि की वस्तुओं को सृष्टिकर्ता से अधिक सम्मान नहीं दिया, बल्कि उस आग पर बहादुरी से विजय प्राप्त करने के बाद, जिसने उन्हें घेर रखा था, उन्होंने आनंदपूर्वक गाया: 'हमारे पूर्वजों के प्रभु और परमेश्वर, अत्यंत प्रशंसनीय, धन्य हैं आप!'

ओड 8

इरमोस: भट्टी में, इस्राएल के युवक, एक कड़ाही में जैसे,/ सोने से भी अधिक धार्मिकता की सुंदरता से दमक उठे, यह उद्घोष करते हुए:/ 'हे सृष्टि, प्रभु का धन्यवाद करो,/ उसकी स्तुति गाओ और उसे युगानुयुग तक महिमामय करो!'

हे परमेश्वर के वचन, आप, जो अपनी इच्छा से सभी चीज़ों को बनाते और बदलते हैं, ने अपनी पीड़ा के द्वारा मृत्यु की छाया को शाश्वत जीवन में बदल दिया; हम और सारी सृष्टि, हमारे प्रभु के रूप में, निरंतर आपकी स्तुति करते हैं और आपको युगानुयुग तक बढ़ाते हैं।

हे मसीह, आपने अत्याचार को नष्ट कर दिया है,/ और नरक के द्वारों और कलों पर कष्ट को,/ तीसरे दिन कब्र से उठकर।/ सारी सृष्टि निरंतर, प्रभु के रूप में,/ आपकी स्तुति करती है और आपको युगों-युगों तक ऊँचा उठाती है।

थियोटोकोस: हम तेरा गुणगान करेंगे, जिन्होंने बिना बीज के और अलौकिक रूप से, दिव्य प्रकाश से, उस अनमोल मोती—मसीह—को जन्म दिया, यह उद्घोष करते हुए: 'हे सृष्टि के सब जीव, प्रभु का धन्यवाद करो, उसका गुणगान करो और उसे युगानुयुग तक महिमामय करो!'

ईश्वर की माता को कैनन

हे तेजस्वी महल, जिससे मसीह,/ सर्व के प्रभु, एक वर के रूप में प्रकट हुए,/ आइए हम सब गाएँ, पुकारते हुए:/ 'हे प्रभु की सभी सृष्टियों, प्रभु का भजन करो/ और उसे युगानुयुग तक महिमामय करो!'

हे ईश्वर के गौरवशाली सिंहासन, आनन्दित हो!/ हे विश्वासियों के दुर्ग, आनन्दित हो!/ तुम्हारे द्वारा, प्रकाशमय मसीह ने/ अंधकार में डूबे लोगों पर प्रकाश डाला है,/ जो तुम्हारा महिमामण्डन करते हैं और पुकारते हैं:/ 'हे सभी प्राणियों, प्रभु का भजन करो/ और उसे युगानुयुग तक महिमामय करो!'

पवित्र लोगों का कैनन। इरमोस: तेरी कृपा से/ अत्याचारी और ज्वालाओं पर विजयी होकर,/ तेरे आज्ञाओं के प्रति समर्पित युवक,/ पुकार उठे:/ 'हे प्रभु के सब कार्यों, प्रभु का धन्यवाद करो!'

खुश हो, काज़ान नगर, क्योंकि तुम्हारे अपने मध्यस्थ हैं,/ पूजनीय संत गुरीउस, वरसोनोफियस और हरमन,/ जिन्होंने तुमसे अविश्वास का अंधकार दूर किया,/ और जॉन शहीद,

और स्टीफन और पीटर, / जिन्होंने अपने पिता की अधर्मीता का त्याग किया / और अपने ही लोगों की तलवार से स्वर्गीय मातृभूमि में प्रवेश किया।

अपने यौवन से ही पवित्र शास्त्रों को सीखकर, / परमेश्वर -वाहक स्तेफन , परम देश के प्रकाशक , / आपने अपने वचनों के हल से ज़रियिन लोगों के सूखे हृदयों को जोता, / और उनमें दिव्य बीज बोया। / अब, आपके कार्य के पवित्र उत्तराधिकारियों , / गेरा مس, पटिरिमि और योना के साथ, / अपनी प्रार्थनाओं के द्वारा अपने झुंड और पूरे रूस के देश की रक्षा करें।

हे साइबेरिया की भूमि, आनन्दित हो: / क्योंकि तुममें प्रभु ने अपने संतों को प्रकट किया है : / वर्खोतुर्ये के धर्मी सिमोन / और इरकुत्स्क के पवित्र धर्मगुरु : इनोसेंट और सोफ्रोनीयस , / और टोबोल्स्क के जॉन, / नए और अद्भुत प्रकाशस्तंभ और चमत्कार करने वाले।

हे इबेरिया , और जॉर्जिया की सारी भूमि, आनन्दित हो; / हे आर्मेनिया , आनन्दित हो, / जब तुम प्रेरितों के तुल्य नीना और तमारा, / प्रकाशक ग्रेगरी , और अन्य कई लोगों की स्तुति करते हो / जिन्होंने काकेशस की भूमि में मसीह के विश्वास का प्रचार किया / और जो अब मसीह से तुम्हारे सांसारिक स्वदेश के लिए प्रार्थना करते हैं।

हे प्राज्ञ पवित्र -पदानुक्रम डेमेट्रियस , संतों के जीवन के संकलनकर्ता / और उनके पुण्य कर्मों के उत्साही रक्षक , / आपकी प्रार्थनाओं द्वारा , हमें उनकी महिमा में भागीदार होने का वरदान दें।

हे पवित्र पिता मिтроफान, / वोरोंज़ के प्रथम चरवाहे , / जिन्होंने महान साहस दिखाया, / जिन्होंने न तो ज़ार की धमकियों से और न ही मृत्यु से भय खाया, / और जिन्होंने सादगी के द्वारा अपनी आत्मा को बचाया, / हमारे लिए ईश्वर से प्रार्थना करें।

आओ हम पिता, और पुत्र , और पवित्र आत्मा , हमारे प्रभु का धन्यवाद करें।

जैसे एक मधुमक्खी मीठा शहद इकट्ठा करती है / उन फूलों से जो जल्द ही मुरझा जाते हैं , / वैसे ही आपने , पिता तिखोन, इकट्ठा किया है / इस क्षणभंगुर संसार से एक आध्यात्मिक खजाना, / जिससे आप हम सभी को आनंदित करते हैं।

और अब, हे ईश्वर की माता: आइए हम उत्साही मध्यस्थ की स्तुति करें / और उसकी पवित्र प्रतिमा की उपासना करें , / जिसके द्वारा उसने नव-प्रकाशित भूमि में सच्चे विश्वास की स्थापना की / और संकट के समय मास्को शहर को बचाया। / यह प्रतिमा संत पीटर के शहर का एक महान खजाना है / और हमारी पूरी भूमि की सबसे गौरवशाली संपत्ति है।

हम प्रभु की स्तुति , धन्यवाद और उपासना करते हैं , उनकी स्तुति गाते हुए और उन्हें युगों -युगों तक महिमान्वित करते हुए।

कातावासिया: भट्टी में , परमेश्वर की माता के बालक ने / धार्मिक युवकों को बचाया: / तब एक पूर्वसंकेत के रूप में , अब एक वास्तविकता के रूप में ; / वह संपूर्ण ब्रह्मांड को आपके लिए गीत गाने के लिए बुलाता है। / हे प्राणियों , प्रभु का गीत गाओ, / और उसे युगों -युगों तक महिमान्वित करो!

तब हम 'केरूबीम के सर्वोच्च सम्मान के साथ:' **गाते है** ।

भजन 9

इरमोस: काँटों का झाड़ , जलता हुआ पर नष्ट न होने वाला, / ने तुझसे मसीह के पवित्र जन्म का पूर्वसंकेत दिया; / और अब हम तुझसे विनती करते हैं कि तू बुझा दे / हमारे विरुद्ध भड़क रही परीक्षा की भट्टी को, / ताकि हम निरंतर तेरा महिमामंडन कर सकें , हे परमेश्वर की माता।

हे देखो, अधर्मी, / विद्रोही और दुष्ट इरादों वाले लोगों ने, / अपराधी और दुष्ट को बरी कर दिया है, / जबकि धर्मी को सूली पर चढ़ा दिया है – महिमा के प्रभु को, / जिसकी हम योग्य रूप से महिमा करते हैं।

हे उद्धारकर्ता, निर्दोष मेमने, / जिन्होंने संसार का पाप स्वयं पर उठा लिया! / हम आपकी महिमा करते हैं, जो तीसरे दिन जी उठे, / पिता और अपनी दिव्य आत्मा के साथ, / और आपको महिमा के प्रभु के रूप में स्वीकार करते हुए, हम आपकी बड़ाई करते हैं।

थियोटोकोस: हे प्रभु, अपने लोगों को बचाओ, / जिन्हें आपने अपने बहुमूल्य रक्त से छुड़ाया है, / राजा को उसके शत्रुओं के विरुद्ध एक दुर्ग प्रदान करें, / और हे मानवजाति के प्रेमी, / थियोटोकोस की प्रार्थनाओं के द्वारा अपनी कलीसिया पर शांति प्रदान करें।

ईश्वर माता के लिए कैनन

हे कुँवारी, तुम परमेश्वर के पिता दाऊद की जड़ से, / भविष्यवाणी के अनुसार, प्रकट हुईं; / परन्तु तुमने दाऊद को सच्चा गौरव दिया है, / क्योंकि तुमने भविष्यवक्ताओं द्वारा बताये गए महिमा के प्रभु को जन्म दिया, / जिसकी हम यथोचित रूप से महिमा करते हैं।

सभी स्तुति-गीत फीके पड़ जाते हैं / हे परम पवित्र, तेरी महिमा की तुलना में। / किन्तु स्वीकार करो, हे सर्वोच्च देवी, अपने अयोग्य सेवकों से, / यह स्तुति-गीत, जो प्रेम और भक्ति से / हे ईश्वर की माता, तुम्हें अर्पित है।

संतों के लिए कैनन। इरमोस: हे परमेश्वर की माता, कुँवारीपन की चरम सीमा, जो महिमामय भजनों से / अपनी अनुग्रह-पूर्ण कृत्यों के सम्मान में पर्वों को ऊँचा उठाती हैं! / और अब, जब हम वचन के आपके कुँवारों से जन्म का स्मरण करते हैं, / पवित्र आत्मा की रहस्यमय प्रेरणा से, उन लोगों को सजाएँ / जो इस दिन आपका महिमामंडन करते हैं।

हे धन्य प्रकाशक और तम्बोव की कलीसिया के कोमल स्वर्गदूत, संत पितिरिमि, / अपने झुंड और सम्पूर्ण रूस पर आनन्दित हो, / क्योंकि उसमें एक नया और शाश्वत आनन्द पनपा है, हे पूजनीय सेराफिम, / हमारे उद्धार के अद्भुत सेवक।

हे ईश्वर-ज्ञानी संतों थियोडोसियस और जोसाफ, जो प्रभु द्वारा अद्भुत अक्षयत्व से सम्मानित हैं! आपके द्वारा हम भी, अर्थोडॉक्स चर्च के बच्चे, गौरवान्वित होते हैं, जिसमें आज भी प्रभु अद्भुत कार्य प्रकट करते हैं और अपने सेवकों को महिमामय बनाते हैं।

हे नए चमत्कार-कर्ता जोसेफ, संत और शहीद! / अस्त्रखान का नगर और संपूर्ण वोल्गा क्षेत्र / आप पर गर्व करते हैं और आपका सम्मान करते हैं, / क्योंकि आपने सत्य के लिए बहादुरी से कष्ट सहे / धर्मद्रोही विद्रोहियों के हाथों।

हे चीन में क्रूर मूर्तिपूजकों द्वारा मसीह के लिए वध किए गए शहीदों के गौरवशाली समूह की दृढ़ता और साहस! / क्योंकि उन्होंने ऑर्थोडॉक्स चर्च को सुशोभित किया है / और अपनी भूमि को विश्वास के बीज के रूप में अपना रक्त अर्पित किया है, / और वे सभी संतों के साथ यथोचित रूप से सम्मानित हों।

हे परम पवित्र वचन और सर्व-प्रशंसा से परे / हैं नए उत्साही-वाहकों के कर्म! / उन्होंने अधर्मी की निर्दयी दुष्टता सहन की / और धर्मत्यागी की निर्लज्ज क्रोध, / इस संसार की शिक्षाओं के विरुद्ध ढाल के रूप में मसीह के विश्वास को दृढ़ता से थामे हुए, / और हमारे लिए योग्य रूप से एक उदाहरण प्रस्तुत किया / कष्टों में धैर्य और दृढ़ता का।

हे हमारे महान कुलजनों, / नाम से जाने-पहचाने और अज्ञात, / प्रकट और अप्रकट, / जो स्वर्गीय सियोन तक पहुँच चुके हैं और परमेश्वर से महान महिमा प्राप्त कर चुके हैं! / हमारे लिए मध्यस्थता करें जो दुख में निवास करते हैं, / हमारे डगमगाते विश्वास को

पुनर्स्थापित करें और बिखरे हुए लोगों को एकत्रित करें, / हमसे यह कृतज्ञता -गीत एक उपहार के रूप में स्वीकार करें।

महिमा: हे परम पवित्र त्रिमूर्ति! / प्रथम फलों के रूप में और उत्तम धूप के रूप में स्वीकार करें, / रूसी भूमि में उन सभी को जो आपको प्रसन्न करते हैं —चाहे अतीत में या हाल के समय में, / जो हमें ज्ञात हैं और जो हमें अज्ञात हैं —/ और उनकी प्रार्थनाओं के द्वारा, इस भूमि को हर बुराई से बचाएँ।

और अब, हे ईश्वर की माता: हे अनुग्रहकारी कुँवारी! / आपने हमारे नगरों और गाँवों को / अपने पवित्र मुख के चित्रों से समृद्ध किया है, / अपने अनुग्रह के चिन्हों के रूप में! / हमारी कृतज्ञता स्वीकार करें, / और हमारी मातृभूमि को गंभीर विपत्तियों से बचाएँ: / क्योंकि हम सभी आपको अपनी भूमि की सर्वशक्तिमान सुरक्षा / के रूप में महिमामंडित करते हैं।

कातावासिया: पृथ्वी पर जन्मी हर आत्मा / आत्मा से प्रकाशित होकर आनंदित हो; / निराकार बुद्धियों का स्वभाव भी आनंदित हो, / ईश्वर -माता के पवित्र पर्व का सम्मान करते हुए, / और वे पुकार उठें: / 'हे सर्व -धन्य, आनंदित रहो, / हे शुद्ध ईश्वर -माता, सदा-कुंवारी!'

तब: पवित्र है प्रभु, हमारा परमेश्वर: (3)

रविवार का भजन

पत्थर को लुढ़का हुआ देखकर, / मूर्ख -वाहक प्रसन्न हुए, / क्योंकि उन्होंने कब्र में एक जवान को बैठे हुए देखा, / और उसने उनसे कहा: / 'देखो, मसीह जी उठे हैं; पतरस और सभी शिष्यों से कहो: / शीघ्र गलील के पर्वत पर जाओ, / वहाँ वह तुमसे मिलेगा, / जैसा उसने अपने मित्रों से पूर्व में कहा था'।

पवित्रजनों को महिमा: हमारे भजनों में हम रूसी भूमि के सदा-प्रकाशमान दीपकों की स्तुति करें, / जो दिव्य वचन के रहस्यों में दीक्षित हुए, / मसीह की महिमा करते हुए, जिन्होंने उन्हें प्रकाशित किया और उनसे प्रेम किया, / और उन्हें हमारे दुख में सहायकों के रूप में हमें दिया।

और अब, हे ईश्वर की माता: स्वर्गदूत ने 'आनंदित हो' का अभिवादन कन्या को दिया / हे मसीह, तेरी गर्भाधान से पहले; / और स्वर्गदूत ने तेरी कब्र का पत्थर हटा दिया। / पहला— दुख के स्थान पर—अनकही आनंद का संकेत प्रकट करता, / जबकि दूसरा —मृत्यु के स्थान पर—आपको जीवनदाता घोषित करता, / और आपकी स्तुति करता, और पुनरुत्थान की घोषणा करता / स्त्रियों को और आपके रहस्यों में दीक्षित लोगों को।

'स्तुति' पर
रविवार के स्टिचेरा चौथे स्वर में, पहला स्वर

स्टिचि: उनके बीच निर्धारित न्याय को पूरा करने के लिए; / यह महिमा उनके सभी संतों की है। भजन संहिता 149:10

हे मसीह, हम तेरे / उद्धारकारी दुखों का गान करते हैं, / और हम तेरे पुनरुत्थान की महिमा करते हैं।

स्टिचि: परमेश्वर की स्तुति उसके पवित्र जनों में करो, / उसकी सामर्थ्य के आकाशमण्डल में उसकी स्तुति करो। भजन संहिता 150:1

हे प्रभु, जिसने क्रूस को सहा, और मृत्यु को समाप्त किया, / और मरे हुओं में से जी उठे, हमारे जीवन को शांति प्रदान कर, / एक सर्वशक्तिमान के रूप में।

पद: उसकी सामर्थ्य के लिए उसकी स्तुति करो, / उसकी महानता की बहुतता के लिए उसकी स्तुति करो। भजन संहिता 150:2

हे ख्रीस्त, जिन्होंने पाताल पर विजय प्राप्त की और मानवजाति को / अपने पुनरुत्थान द्वारा उठाया, हमें शुद्ध हृदय से / आपकी स्तुति करने और आपको महिमान्वित करने का वरदान दें।

रूस की भूमि में प्रकट हुए सभी संतों के सम्मान में एक सेवा

पद: तुरही की ध्वनि के साथ उसकी स्तुति करो, / सारंगी और वीणा के साथ उसकी स्तुति करो। भजन संहिता 150:3

हे मसीह, हम तेरी महिमा करते हुए , जैसा कि ईश्वर के लिए उचित है , तेरा भजन गाते हैं : तू कुँवारी से जन्म लिया और कभी भी पिता से अलग नहीं हुआ ; तूने एक मनुष्य के रूप में दुख सहे और स्वेच्छा से क्रूस को उठाया; तू कब्र से उठा, जैसे किसी महल से निकला हो, संसार को बचाने के लिए। हे प्रभु , महिमा तुझे हो!

और संतों के लिए स्टिचेरा , चौथा स्वर , पहला स्वर

स्टिचि : उसे ढोलक और नृत्य के साथ स्तुति करो, / उसे तारों वाले वाद्य और ऑर्गन से स्तुति करो। भजन संहिता 150:4

हे प्रभु , आपने अपना आत्मा राजकुमार व्लादिमीर की बुद्धिमान आत्मा में भेजा , ताकि वह त्रिमूर्ति में एकमात्र ईश्वर , आपको जान सके। / अतः , बपतिस्मा द्वारा प्रकाशित करके / तुझ द्वारा चुने हुए और उस पर सौंपे गए लोगों को, / उसने उन्हें विश्वास द्वारा तेरी कलीसिया में प्रवेश कराया, / ताकि वे पुकार सकें : / 'हे हमारे उद्धारकर्ता , तुझे महिमा!'

स्वर 2

पद: मधुर स्वर वाली झाँजियों से उसकी स्तुति करो, गूँजती झाँजियों से उसकी स्तुति करो। / जो कुछ भी श्वास लेता है , वह यहोवा की स्तुति करे ! भजन संहिता 150:5

रूसी भूमि के प्रकाश : अति प्रशंसनीय शहीदों , / हमारे पवित्र धर्मगुरुओं , प्रकाशकों और विश्वास के समर्थकों , / आदरणीय संतों , मरुभूमिवासियों और धार्मिकता के मार्गदर्शकों , / आइए हम एकत्र होकर एक स्वर में उनकी स्तुति करें , उनसे पुकारते हुए : / 'आदरणीय, और शहीदों , और धर्मी , और रूस के सभी संतों , / हमारे ईश्वर मसीह से प्रार्थना करो, / कि वह हमें अपनी महान दया प्रदान करें !'

पद: धर्मी ने पुकारा – / और प्रभु ने उनकी सुनी। भजन संहिता 33:18क

आदरणीय पादरियों ! / आप रूसी भूमि के आध्यात्मिक फूल बन गए हैं , / हमारी प्रशंसा और हमारी शक्ति , / और सभी के लिए एक शांतिपूर्ण आश्रय , / क्योंकि हमारी भूमि आप पर गर्व करती है , / जिसने आपको एक अक्षय खजाने के रूप में प्राप्त किया है। / और अब, यद्यपि आपकी सांसारिक आवाज़ें मौन हो गई हैं , / फिर भी चमत्कार उस प्रभु की गवाही देते हैं जिसने आपको महिमामय बनाया है। / उससे प्रार्थना करें , कि वह हमारी आत्माओं को अपनी महान दया प्रदान करे !

स्वर 4

पद: धन्य हैं वे सब जो यहोवा का भय मानते हैं , / जो उसकी आज्ञाओं पर चलते हैं। भजन संहिता 127:1

सुसमाचार का वचन सुनकर / और प्रेरितीय उत्साह से प्रज्वलित होकर, / आप अविश्वासी मूर्तिपूजकों को उपदेश देने निकले , / ईश्वर -धन्य और प्रेरितों के समान / कुक्शा , लियोन्टियस , स्टीफन और गुरियास , / और अद्भुत इनोसेंट , / साइबेरिया की महान भूमि के प्रेरित , / और समुद्र के पार नई भूमि के / प्रबोधन के अग्रदूत ! / इसलिए, अन्य सभी के साथ / जिन्होंने मसीह के सुसमाचार के प्रचार में परिश्रम किया, / हम आपको यथोचित रूप से स्तुति करते हैं।

सुसमाचार मैटिन्स स्टिचेरा , स्वर 2

महिमा: मरियम के साथ आई स्त्रियों पर, जो सुगंधित द्रव्य लाई थीं / और इस बात से चकित थीं , / कि वे अपनी इच्छा कैसे पूरी करें , / उन्हें दिखाई दिया कि पत्थर लुढ़का हुआ था / और दिव्य युवक , जो उनकी आत्माओं के उथल-पुथल को शांत कर रहा था; / 'क्योंकि ,' उसने कहा, 'प्रभु यीशु जी उठे हैं ; / इसलिए घोषणाकारों , उसके शिष्यों से कहो, / कि वे शीघ्र गलील जाएँ / और उसे मृतकों में से जी उठे हुए देखें , / जीवन के दाता और प्रभु के रूप में '।

और अब, वही स्वर : धन्यतम हो तुम , हे ईश्वर की कुंवारी माता:

एक महान स्तुति -गीत।

रूस की भूमि में प्रकट हुए सभी संतों के सम्मान में एक सेवा

ईस्टर ट्रॉपारियन

आज के दिन संसार का उद्धार पूरा हुआ ! / हम उस मसीह के गुणगान करें जो कब्र से जी उठे / और हमारे जीवन के स्वामी हैं , / क्योंकि मृत्यु को मृत्यु द्वारा नष्ट करके , / उन्होंने हमें विजय और महान दया प्रदान की है।

और विदाई।

लिTYPजी में

पहले स्वर का रविवार का आशीर्वाद , छठा

हे प्रभु , जब तू अपने राज्य में प्रवेश करेगा , तब हमें अपने राज्य में स्मरण करना।
आत्मिक रूप से दीन लोगों को धन्य है , क्योंकि स्वर्ग का राज्य उन्हीं का है।
धन्य हैं जो शोक करते हैं , क्योंकि उन्हें सांत्वना मिलेगी।
धन्य हैं कोमल-स्वभाव वाले , क्योंकि वे पृथ्वी के वारिस होंगे। मत्ती 5:3–5

भोजन के द्वारा , शत्रु ने आदम को स्वर्ग से बाहर निकाल दिया; परन्तु मसीह ने , क्रूस के द्वारा , उस चोर को उसमें लाया जिसने पुकारा : 'जब आप अपने राज्य में आएँ तो मुझको याद कीजिए!'

पद: धन्य हैं वे जो धार्मिकता के लिए भूखे और प्यासे हैं , क्योंकि उन्हें तृप्त किया जाएगा। मत्ती 5:6

मैं तेरी पीड़ाओं की उपासना करता हूँ / और तेरे पुनरुत्थान की महिमा करता हूँ ; / आदम और चोर के साथ मिलकर / मैं तेरे प्रति ऊँचे स्वर में पुकारता हूँ : / 'हे प्रभु , जब तू अपने राज्य में आएगा, तो मुझको याद करना!'

पद: धन्य हैं दयालु , क्योंकि उन्हें दया मिलेगी। मत्ती 5:7

हे पाप रहित प्रभु , आप स्वेच्छा से क्रूस पर चढ़ाए गए, और कब्र में रखे गए; परन्तु आप परमेश्वर के रूप में फिर जी उठे , और अपने साथ आदम को भी उठा लिया, जो पुकारता था: 'जब आप अपने राज्य में प्रवेश करें तो मुझको स्मरण करना!'

छंद : धन्य हैं हृदय से पवित्र , क्योंकि वे परमेश्वर को देखेंगे। मत्ती 5:8

अपने दफ़न के तीसरे दिन, आपने अपने शरीर के मंदिर को जिलाया, / हे मसीह ईश्वर , आपने आदम और आदम की संतान सभी को जिलाया, / जिन्होंने पुकारा : 'हे प्रभु , हमें याद रखना, / जब आप अपने राज्य में प्रवेश करें !'

पद: धन्य हैं शान्ति कराने वाले , क्योंकि उन्हें परमेश्वर की संतान कहा जाएगा। मत्ती 5:9

मिश्रण -वाहक प्रातःकाल / तेरी कब्र पर, हे मसीह परमेश्वर , आँसुओं के साथ आए / और एक स्वर्गदूत को पाया, जो श्वेत वस्त्रों में विराजमान था और पुकार रहा था: / 'तुम क्या ढूँढ़ रहे हो? मसीह जी उठे हैं ; / अब और मत रोओ!'

पद: धन्य हैं वे जो धार्मिकता के कारण सताए जाते हैं , क्योंकि स्वर्ग का राज्य उन्हीं का है। मत्ती 5:10

हे प्रभु , तेरे प्रेरितों ने , / उस पहाड़ पर आकर जहाँ तूने , हे उद्धारकर्ता , उन्हें आज्ञा दी थी, / तुझे देखकर तेरी आराधना की। / और तूने उन्हें जातियों के पास भेजा — / उन्हें सिखाने और बपतिस्मा देने के लिए।

धन्य हैं संत , स्वर 8

पद: धन्य हो तुम जब वे तुम्हारा निन्दा करें और तुम्हें सताएँ और मेरी खातिर हर प्रकार की दुष्ट निन्दा तुम्हारे विरुद्ध बोलें। मत्ती 5:11

हमने अपनी भूमि तलवार के बल पर नहीं पाई, / बल्कि तेरे दहिने हाथ और तेरे सामर्थ्य से , / और तेरे मुख के तेज से पाई। / और तेरे संतों के आँसुओं , कर्मों और परिश्रमों से , / उनके लहू और शिक्षाओं से , / हमारा देश स्थापित हुआ।

पद: आनंदित और प्रसन्न रहो, क्योंकि स्वर्ग में तुम्हारा पुरस्कार महान है। मत्ती 5:12

जब हम आप से मुँह मोड़ गए / और आपकी आज्ञाओं का पालन करने में असफल रहे , / तब आपने हमें अस्वीकार कर दिया और हमें नीचा दिखाया, / और हम सभी राष्ट्रों से भी अधिक नम्र हो गए हैं ; / पर हे हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर , हम पर दया करें , / अपने संतों के मध्यस्थता द्वारा।

महिमा: हे परम पवित्र त्रिमूर्ति ! / हम में से जो कैद में हैं उन्हें मुक्त करें , / हमारी दुर्बलताओं और दुखों को चंगा करें , / हमारी आत्माओं को सुस्ती और पाप की नींद से जगाएँ , / ताकि हम अपने पितरों और भाइयों के योग्य बन सकें , / जिन्होंने हमारे देश में अपने कर्मों के द्वारा , / आपके नाम का गौरव बढ़ाया है।

और अब: जो बिखरे हुए हैं उन्हें एकत्रित करें , जो अलग हो गए हैं उन्हें वापस लाएँ , / जो इस से भटक गए हैं उन्हें ऑर्थोडॉक्स धर्म में वापस लाएँ , / जो रो रहे हैं और शोक मना रहे हैं उन्हें सांत्वना दें , / हे अनुग्रह से परिपूर्ण , हमारे हिलते हुए देश के टूटेपन को चंगा करें , / जैसे आप हमारे पवित्र पूर्वजों के साथ हमारे लिए परमेश्वर के पास मध्यस्थता करती हैं।

रविवार का ट्रॉपारियन , स्वर 1

यद्यपि यहूदियों ने पत्थर पर मुहर लगा दी थी, / और सैनिकों ने आपके परम पवित्र शरीर की रखवाली की थी, / हे उद्धारकर्ता , आप तीसरे दिन जी उठे , / और संसार को जीवन प्रदान किया। / इसलिये स्वर्गीय शक्तियों ने जीवन-दाता, आप से पुकारा : / 'महिमा आपकी पुनरुत्थान को, हे मसीह; / महिमा आपके राज्य को; / महिमा आपकी परमप्रबंध को, हे मानवजाति के एकमात्र प्रेमी !'

संतों का ट्रॉपारियन , स्वर 8

तेरे उद्धारकारी बीज बोने के सुंदर फलस्वरूप , / रूसी भूमि तुझे अर्पित करती है , हे प्रभु , / उन सभी संतों को जो इसमें प्रकाशित हुए हैं। / उनकी प्रार्थनाओं और परमेश्वर की माता के मध्यस्थता द्वारा , / हमारे चर्च और हमारे देश को गहरी शांति में संरक्षित कर, हे परम दयालु।

रविवार का कोंटाकियन , स्वर 1

हे प्रभु , तू परमेश्वर के समान महिमा में कब्र से जी उठा / और अपने साथ संसार को भी जिला उठा। / और मानव स्वभाव , परमेश्वर के समान, तेरा गुणगान करता है , / और मृत्यु पर विजय हुई। / आदम आनंदित है , हे प्रभु , / और हव्वा अब, अपने बंधनों से मुक्त होकर, आनंदित है , यह पुकारते हुए : / 'हे मसीह, तू सभी को पुनरुत्थान प्रदान करता है !'

संतों के लिए कोंटाकियन , स्वर 3

आज, हमारे देश के वे संतगण जिन्होंने परमेश्वर को प्रसन्न किया, मंदिर में उनके समक्ष खड़े हैं / और हमारी ओर से परमेश्वर से अदृश्य रूप में प्रार्थना करते हैं। / स्वर्गदूत उनके साथ उनकी महिमा करते हैं / और मसीह की कलीसिया के सभी संत उत्सव मनाते हैं – / क्योंकि वे सभी हमारी ओर से शाश्वत परमेश्वर से एक साथ प्रार्थना करते हैं।

प्रोकेइमेनन , स्वर 1

हे प्रभु , आपकी दया हम पर हो, / क्योंकि हम आप में ही आशा रखते हैं। **पद:** हे धर्मी लोग, प्रभु में आनन्द मनाओ – धर्मी लोगों के लिए स्तुति उपयुक्त है ! भजन संहिता 32:22, 1

और संतों के लिए प्रोकीमेनोन , स्वर 7

प्रभु की दृष्टि में उसकी संतों की मृत्यु अनमोल है। भजन संहिता 115:6

पत्र। रोमियों को पत्र , आरंभ 81B

भाइयो, हर उस व्यक्ति को जो भलाई करता है , महिमा, आदर और शान्ति मिले —पहले यहूदी को, और फिर यूनानी को! क्योंकि परमेश्वर पक्षपात नहीं करता। जो बिना व्यवस्था के पाप

कर चुके हैं , वे व्यवस्था के अनुसार नाश पाएँगे ; परन्तु जिन्होंने व्यवस्था के अधीन पाप किया है , वे व्यवस्था के द्वारा दोषी ठहराए जाएँगे (क्योंकि परमेश्वर के सामने धर्मी वे नहीं हैं जो व्यवस्था सुनते हैं , बल्कि वे हैं जो व्यवस्था पर चलते हैं ; क्योंकि जब व्यवस्था न रखने वाले अन्यजाति, स्वाभाविक रूप से वह करते हैं जो व्यवस्था की माँग है , तो वे , यद्यपि व्यवस्था नहीं रखते , अपने लिए एक व्यवस्था हैं : वे दिखाते हैं कि व्यवस्था की मांगें उनके हृदयों पर लिखी हुई हैं , उनका विवेक गवाही देता है , और उनके विचार कभी एक-दूसरे का आरोप लगाते और कभी एक-दूसरे का बचाव करते हैं) उस दिन जब, मेरी सुसमाचार के अनुसार , परमेश्वर यीशु मसीह के द्वारा मनुष्यों की गुप्त बातों का न्याय करेगा।

रोमियों 2:10–16

और पवित्र लोगों के लिए।
इब्रानियों का पत्र , आरंभ 330

भाइयो, सभी संतों ने विश्वास के द्वारा राज्यों पर विजय प्राप्त की, धर्म का अभ्यास किया, प्रतिज्ञाएँ प्राप्त कीं , सिंहों के मुँह बंद किए, आग की शक्ति को बुझाया , तलवार की धार से बच निकले , दुर्बलता में बलवान हुए , युद्ध में पराक्रमी बने , विदेशी सेनाओं को भागने पर मजबूर किया; कुछ लोगों के मरे हुए जी उठाए गए; जबकि अन्य यातनाएँ सहते रहे , और रिहाई स्वीकार करने से इनकार कर दिया, ताकि वे एक बेहतर पुनरुत्थान प्राप्त कर सकें ; और अन्य अपमान और पिटाई, तथा बेड़ियों और कैद का सामना करते रहे ; उन्हें पत्थर मारे गए, आरी से चीर दिया गया, यातना दी गई, तलवार से मार डाला गया; वे भेड़ों और बकरियों की खाल पहने हुए इधर-उधर भटकते रहे , और दरिद्रता , कष्ट और दुर्व्यवहार सहते रहे ; जिनके लिए संपूर्ण संसार योग्य नहीं था, वे रेगिस्तानों और पहाड़ों तथा गुफाओं और पृथ्वी की खाइयों में भटकते रहे। और ये सब, अपने विश्वास की गवाही देने के बाद भी, उस प्रतिज्ञा को प्राप्त नहीं कर सके , क्योंकि परमेश्वर ने हमारे लिए कुछ बेहतर तैयार किया था, ताकि वे हमारे बिना पूर्ण न हों। इसलिये , चूँकि हम गवाहों के इतने बड़े बादल से घिरे हुए हैं , तो आओ हम हर बोझ और उस पाप को उतार डालें जो हमें आसानी से फँसा देता है , और धीरज के साथ उस दौड़ को दौड़ें जो हमारे सामने रखी गई है , और अपनी आँखें यीशु पर टिकाए रखें , जो हमारे विश्वास का कर्ता और सिद्ध करने वाला है।

इब्रानियों 11:33–12:2A

आल्लेलुया , स्वर 1

पद: परमेश्वर मेरा प्रतिशोध करते हैं और मेरी खातिर राष्ट्रों को वश में करते हैं।
पद: वह महिमा में राजा को बचाता है और अपने अभिषिक्त दाऊद तथा उसकी संतान पर सदा के लिए दया दिखाता है।

भजन संहिता 17:48, 51

और संतों के लिए, स्वर 8

प्रभु में आनन्द मनाओ, और हे धर्मी लोग, प्रसन्न हो जाओ।

भजन संहिता 31:11A

रविवार का सुसमाचार ,
मत्ती , अध्याय 9 से

उन दिनों , जब यीशु गलील की झील के किनारे -किनारे चल रहे थे , तो उन्होंने दो भाइयों , सीमोन जिन्हें पतरस कहा जाता था, और उनके भाई अन्द्रियास को देखा , जो अपने जाल झील में डाल रहे थे , क्योंकि वे मछुआरे थे ; और उन्होंने उनसे कहा, 'मेरे पीछे चलो, और मैं तुम्हें मनुष्यों के मछुआरे बना दूँगा। ' और वे तुरन्त अपने जाल छोड़कर उसके पीछे

हो चले। वहाँ से आगे बढ़कर , उसने ज़ेबेदी के पुत्र याकूब और उसके भाई यूहन्ना को एक नाव में अपने पिता ज़ेबेदी के साथ जाल ठीक करते देखा , और उसने उन्हें बुलाया। और वे तुरन्त नाव और अपने पिता को छोड़कर उसके पीछे हो लिए। और यीशु गलील प्रदेश में सर्वत्र घूम -घूम कर उनकी सभा-घरों में उपदेश देते और राज्य का सुसमाचार प्रचार करते हुए लोगों की हर प्रकार की बीमारी और हर प्रकार की दुर्बलता को चंगा करते थे।

मत्ती 4:18–23

और संतों के लिए।

मत्ती के अनुसार सुसमाचार , अध्याय 10A

उन दिनों में , गलील, दक्कपोलसि , यरूशलेम , यहूदिया और यरदन के पार से बड़ी भीड़ यीशु के पीछे हो ली।

जब उसने भीड़ को देखा , तो वह पहाड़ पर चढ़ गया; और जब वह बैठ गया, तो उसके चेलों ने उसके पास आकर खड़े हो गए। और उसने अपना मुँह खोलकर उन्हें यह शिक्षा दी: 'धन्य हैं जो आत्मा से दीन हैं , क्योंकि परमेश्वर का राज्य उन्हीं का है। धन्य हैं शोक करने वाले , क्योंकि वे सांत्वना पाएँगे। धन्य हैं नम्र लोग, क्योंकि वे पृथ्वी के वारिस होंगे। धन्य हैं वे जो धार्मिकता के भूखे और प्यासे हैं , क्योंकि उन्हें तृप्ति मिलेगी। धन्य हैं दयालु लोग, क्योंकि उन्हें दया मिलेगी। धन्य हैं हृदय से शुद्ध लोग, क्योंकि वे परमेश्वर को देखेंगे। धन्य हैं शांति बनाने वाले , क्योंकि उन्हें परमेश्वर की संतान कहा जाएगा। धन्य हैं वे जो धार्मिकता के कारण सताए जाते हैं , क्योंकि स्वर्ग का राज्य उन्हीं का है। धन्य हो तुम जब मनुष्य तुम्हारा अपमान करते और तुम्हें सताते हैं और मेरी खातिर झूठ बोलकर हर तरह की बुराई कहते हैं। आनंदित और प्रसन्न रहो, क्योंकि स्वर्ग में तुम्हारा बड़ा प्रतिफल है ; क्योंकि उन्होंने तुम्हारे पहले के भविष्यद्वक्ताओं को भी इसी प्रकार सताया था।

मत्ती 4:25–5:12

समुदाय

स्वर्ग से प्रभु की स्तुति करो, / ऊँचाइयों में उसकी स्तुति करो। **हे पवित्र लोगो:** हे धर्मी , प्रभु में आनन्दित हो / – धर्मी के लिए स्तुति उपयुक्त है। / हल्लेलूया। **(3)**

भजन संहिता 148:1, 32:1